pazette o

UBLISHED BY AUTHORITY

नई बिस्ली, शनिवार, फरवरीं 1,1986 (माघ 12, 1907) NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 1, 1986 (MAGHA 12, 1907)

भिन्न एट संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग ॥ -खण्ड 1 PART III—SECTION 1

यालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक आयोग, रेल विभाग और भारत क्रारकार के संलग्न और अधीन कार्यालय द्वारा जारी की गई अधिस्चनाएं

reactions issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

केन्द्रीय मतर्कता आयोग नई दिल्ली, दिलांक 12 दिसम्बर, 1985

क्त 2/1/85-प्र०-केन्द्रीय सतर्कता ग्रायुक्त एतद् िइस आयाग में श्री एच० के० बंसल, सर्वेक्षक निर्माण ांबस), दूरसंचार विभाग, को प्रतिनियुन्ति के आधार पर शानीपन्न रूप से तकनीकी परीक्षक, वेतनमाभ रु० 1100-0-1600 के अतिरिक्त ए० 200/- (प्रतिमाह) विशेष संग में 26 नवम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक ्यक्त करते हैं।

> कृष्ण लाल मल्होता अवर सचिव (प्रशासन) कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त ।

ामक प्रशिक्षण, प्रशासन सुधार, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय (कामिक एवं प्रशिक्षण विभाग) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 7 जनवरी 1986

े श्रीवास्तव, लोक अभियोजक को दिनांक 11-12-1985 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश होने तक, रु० 900-1400 के वेतन-मान में स्थानापन्न वरिष्ठ लोक अभियोजक के व ग्र० व्यरो (समूह-क-राज्यवित) के रूप में नियुक्त किया है।

> आर० एस० नागपाल प्रशासन अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेशण ब्यूरो

कर्मचारी चयन आयोग

नई दिल्ली-110003, दिनांक 6 जनवरी 1986

सं ० ए-19018/1/86-स्था ०--राष्ट्रपति जी अपने प्रसाद से वित्त मंत्रालय (ब्यय विभाग) में लेखा महानियंत्रक के कार्यालय के जनिष्ठ लेखाधिकारी श्री के टी शभाकरणको 3 वर्ष की अवधि वे लिए 3 जनवरी, 1986 के अपराह्म से कर्मचारी चयन आयोग के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर लेखाधिकारी नियक्त करते हैं।

> नरेश कपूर अवर सचिव (प्रशा०)

	मंत्रालय	1 2		3
पुलिस अनुसन्धान ए	_. वं विकास ब्यू रो	13. प्रेम सिन्ह सेहरावत		10.10 =
नई दिल्ली, दिनोक	6 जन वरी 198 6	13. प्रमासन्ह महरावत 14. एम ः एस ः अहमद अली	•	. 19-10-8
सं० 3/33/84-प्र णा०- 1	-राष्ट्रपति, श्री राम मोहन अम्बट,	14. एन ० एस० अहमद अला 15. अ ब्दु ल मजीद	•	. 1-9-8
।।ई०पी०एस० (जम्मू-कश्मीरः	-1968) को पुलिस अनुसन्धान	⊥ ३० अब्दुल मजा द	• •	· 21-8-85
	दिसम्बर, 1985 से अगले आदेगों	16. अशोक कुमार		अपराह
कि के लिए सहायक निदेशक के	त्पद पर नियुक्त करते हैं।	1.7. णिणुपाल सिन्ह्	•	22-8-85 20-8-85
दिशांक 7 ज न य	री 1986	18. उमेश चन्त्र	•	. 11-1285
सं० 3/8/85-प्रशा०-1	राष्ट्रपप्ति, श्री एन० पी० गुप्ता	19. पी० पी० कुन्जुन्जू,	•,	. 9-485
ो पुलिस अनुसन्धान ए वं वि क	ास ब्यूरो में रु० 1200-50-	20. सी०जे०एस०हीरा	•	
-	भेदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप	21. हरीराम बन्गा	•	21-885 20-185
_	गले आदेशों तक के लिए नियुक्त	22. एस० पी० श्रीवास्तवा	•	
रु रते हैं ।		22. एस०पाण आवास्तवा	•	9√1 -85
	एस० के० मिलक	23. पी० वलमाकुमार		
	महाभिदेशक	24. विजय बिहारी शरन	•	•
क्या जिल्लेक स्टब्स	·—— के० रि० पु० बल	25. टी० भीमेस्व राराव	•	8
•	3	26 रामानुज	•	16-9-85
	वेनांक 8 जनवरी 1986	27. अनुराग म व सेना	•	√28-8-85
•	-1राष्ट्रपिस, कें० रि० पु०	28. बी० राजेन्द्र कामथ	•	15-2-85
—	स उप अधीक्षकों को महायक हेरूपमें, अगले आदेश होने तक	29. के० आर० बी० मागर	•	10-,85
SONTESTE DOING MA CHESTO	, englet sitted silest extension	22. 1. 41.	•	
	(Company and an arrange of the second	30 जी०के०दसम		5-,
प्रहर्ष पदोन्नति करते हैं।	•	30. जी० के० दसा 31. टी० बी० एन० प्रेम सरी	•	5- .6 .5
त्रहर्ष पदोन्नति करते हैं। 2. इन्होंने इनके नाम को	आगे दर्शाई गई तारीख से अपना	31. टी० बी० एन० प्रेम सूरी	•	28-8-0
त्रहर्ष पदोन्नति करते हैं। 2. इन्होंने इनके नाम को	•	31. टी० बी० एन० प्रेम सूरी 32. विनेश कुमार		28-8-8 28-8-8
बहुर्ष पदोन्नति करते हैं। 2 इन्होंने इनके नाम को कार्यभार सम्भाल लिया है।	आगे दर्शाई गई तारीख से अपना	31. टी० बी० एन० प्रेम सूरी		28-8-8 28-8-8 27-8-8
प्रहर्ष पदोन्नति करते हैं। 2. इन्होंने इनके नाम को कार्यभार सम्भाल लिया है। कम अधिकारी का नाम	•	31. टी० बी० एन० प्रेम सूरी 32. दिनेश कुमार 33. आर० कृष्ण स्वामी		28-8-8 28-8-8 27-8-8 प्रपरा
प्रहर्ष पदोन्नति करते हैं। 2. इन्होंने इनके नाम को कार्यभार सम्भाल लिया है। कम अधिकारी का नाम	आगे दर्शाई गई तारीख से अपना कार्यभार	 31. टी० बी० एन० प्रेम सूरी 32. विनेश कुमार 33. आर० कृष्ण स्वामी 34. टी० चन्द्रसेखरन 		28-8-8 28-8-8 27-8-8 भ्रापरा 26-8-8
प्रहर्ष पदोन्नति करते हैं। 2. इन्होंने इनके नाम को कार्यभार सम्भाल लिया है। कम अधिकारी का नाम	आगे दर्शाई गई तारीख से अपना कार्यभार सम्भालने	31. टी० बी० एन० प्रेम सूरी 32. दिनेश कुमार 33. आर० कृष्ण स्वामी 34. टी० चन्द्रसेखरन 35. एस० एस० ए० खान		28-8-8 28-8-8 27-8-8 प्रपरा 26-8-8 9-8-8
प्रहर्ष पदोन्नति करते हैं। 2. इन्होंने इनके नाम को कार्यभार सम्भाल लिया है। कम अधिकारी का नाम सं०	आगे दर्शाई गई तारीख से अपना कार्यभार सम्भालने की	 31. टी० बी० एन० प्रेम सूरी 32. विनेश कुमार 33. आर० कृष्ण स्वामी 34. टी० चन्द्रसेखरन 		28-8-8 28-8-8 27-8-8 भ्रापरा 26-8-8
तहर्ष पदोन्नति करते हैं। 2. इन्होंने इनके नाम को कार्यभार सम्भास निया है। कम अधिकारी का नाम संव	आगे दर्शाई गई तारीख से अपना कार्यभार सम्भालने की	31. टी० बी० एन० प्रेम सूरी 32. दिनेश कुमार 33. आर० कृष्ण स्वामी 34. टी० चन्द्रसेखरन 35. एस० एस० ए० खान 36. आर० सी० सेठी		28-8-8 28-8-8 27-8-8 अपरा 26-8-8 9-8-8
तहर्ष पदोन्नति करते हैं। 2. इन्होंने इनके नाम को कार्यभार सम्भाल लिया है। कम अधिकारी का नाम प्रं० सर्वश्री 1. गणमोहन	आगे दर्शाई गई तारीख से अपना कार्यभार सम्भालने की	31. टी० बी० एन० प्रेम सूरी 32. दिनेश कुमार 33. आर० कृष्ण स्वामी 34. टी० चन्द्रसेखरन 35. एस० एस० ए० खान		28-8-8 28-8-8 27-8-8 प्रपरा 26-8-8 9-8-१ 9-9-
तहर्ष पदोन्नति करते हैं। 2. इन्होंने इनके नाम को कार्यभार सम्भास निया है। कम अधिकारी का नाम संव	आगे दर्गाई गई तारीख से अपना कार्यभार सम्मालने की सारीख	31. टी० बी० एन० प्रेम सूरी 32. दिनेश कुमार 33. आर० कृष्ण स्वामी 34. टी० चन्द्रसेखरन 35. एस० एस० ए० खान 36. आर० सी० सेठी		28-8-8 28-8-8 27-8-8 प्रपरा 26-8-8 9-8-६ 9-9- अ
तहुर्ष पदोन्नति करते हैं। 2. इन्होंने इनके नाम को कार्यभार सम्भाल लिया है। कम अधिकारी का नाम पंठ सर्वश्री 1. श्रामोहन 2. सुरैन सिन्ह	आगे दर्शाई गई तारीख से अपना कार्यभार सम्भालने की सारीख	31. टी० बी० एन० प्रेम सूरी 32. विनेश कुमार 33. आर० कृष्ण स्वामी 34. टी० चन्द्रसेखरन 35. एस० एस० ए० खान 36. आर० सी० सेठी		28-8-8 28-8-8 27-8-8 प्रपरा 26-8-8 9-8-१ 9-9- अ
तहर्ष पदोन्नति करते हैं। 2. इन्होंने इनके नाम को कार्यभार सम्भास लिया है। कम अधिकारी का नाम सं० सर्वश्री 1. श्रामोहन 2. सुरैन सिन्ह 3. भूष सिह	आगे दर्गाई गई तारीख से अपना कार्यभार सम्भालने की सारीख	31. टी० बी० एन० प्रेम सूरी 32. विनेश कुमार 33. आर० कृष्ण स्वामी 34. टी० चन्द्रसेखरन 35. एस० एस० ए० खान 36. आर० सी० सेठी		28-8-8 28-8-8 27-8-8 प्रणरा 26-8-8 9-8-१ 9-9- अ
तहुर्ष पदोन्नति करते हैं। 2. इन्होंने इनके नाम को कार्यभार सम्भाल लिया है। कम अधिकारी का नाम संव सर्वश्री 1. जनमोहन 2. सुरैन सिन्ह 3. भूप सिह	आगे दर्शाई गई तारीख से अपना कार्यभार सम्मालने की हारीख	31. टी० बी० एन० प्रेम सूरी 32. विनेश कुमार 33. आर० कृष्ण स्वामी 34. टी० चन्द्रसेखरन 35. एस० एस० ए० खान 36. आर० सी० सेठी 37. कालीराम सर्मा		28-8-8 28-8-8 27-8-8 प्रपरा 26-8-8 9-8-१ 9-9- अ 24-१ अपरा 12-8-
तहुर्ष पदोन्नति करते हैं। 2. इन्होंने इनके नाम को कार्यभार सम्भाल लिया है। कम अधिकारी का नाम कं सर्वश्री 1. बजमोहन 2. सुरैन सिन्ह 3. भूप मिह 4. मन्जुकल हक 5. एल अ आर अ सिघरा	आगे दर्गाई गई तारीख से अपना कार्यभार सम्भालने की कारीख	 31. टी० बी० एन० प्रेम सूरी 32. विनेश कुमार 33. आर० कृष्ण स्वामी 34. टी० चन्द्रसेखरन 35. एस० एस० ए० खान 36. आर० सी० सेठी 37. कालीराम धर्मा 38. अनिल मोहन 39. सिकन्दर 40. काम्बले तुलसीदास 		28-8-8 28-8-8 27-8-8 प्रपरा 26-8-8 9-8-१ 9-9- अ 24-१ अपरा 12-8- प्रपर
तहुर्ष पदोन्नति करते हैं। 2. इन्होंने इनके नाम को कार्यभार सम्भाल लिया है। कम अधिकारी का नाम सं० सर्वश्री 1. जनमोहन 2. सुरैन सिन्ह 3. भूप सिह 4. मन्जुकल हक 5. एल० आर० सिधरा 6. आर० घई	आगे दर्गाई गई तारीख से अपना कार्यभार सम्मालने की सारीख	 31. टी० बी० एन० प्रेम सूरी 32. विनेश कुमार 33. आर० कृष्ण स्वामी 34. टी० चन्द्रसेखरन 35. एस० एस० ए० खान 36. आर० सी० सेठी 37. कालीराम भर्मा 38. अनिल मोहन 39. सिकन्दर 		28-8-8 28-8-8 27-8-8 प्रपरा 26-8-8 9-8-१ 9-9- अप 24-१ अपरा 12-8- प्रपरा 12-8- 3परा 11-8- 3परा
हर्ष पदोन्नित करते हैं। 2. इन्होंने इनके नाम को नार्यभार सम्भाल लिया है। मन अधिकारी का नाम नं सर्वश्री 1. बजमोहन 2. सुरैन सिन्ह 3. भूप सिह 4. मन्जुकल हक 5. एल० आर० सिघरा 6. आर० घई 7. विजयकुमार सिह	आगे दर्शाई गई तारीख से अपना कार्यभार सम्भालने की सारीख	31. टी० बी० एन० प्रेम सूरी 32. विनेश कुमार 33. आर० कृष्ण स्वामी 34. टी० चन्द्रसेखरन 35. एस० एस० ए० खान 36. आर० सी० सेठी 37. कालीराम धर्मा 38. अनिल मोहन 39. सिकन्दर 40. काम्बले तुलसीदास		28-8-8 28-8-8 27-8-8 प्रपरा 26-8-8 9-8-8 9-9- अप 24-1 अपरा 12-8- प्रपर 25-8-3 11-8- अपरा
हर्ष पदोन्नित करते हैं। 2. इन्होंने इनके नाम को कार्यभार सम्भाल लिया है। कम अधिकारी का नाम तं० सर्वश्री 1. बजमोहन 2. सुरैन सिन्ह 3. भूप सिह 4. मन्जुकल हक 5. एल० आर० सिधरा 6. आर० घई 7. विजयकुमार सिह 8. ए० पोनू स्वामी	अगगे दर्गाई गई तारीख से अपना कार्यभार सम्मालने की सारीख	 31. टी० बी० एन० प्रेम सूरी 32. विनेश कुमार 33. आर० कृष्ण स्वामी 34. टी० चन्द्रसेखरन 35. एस० एस० ए० खान 36. आर० सी० सेठी 37. कालीराम धर्मा 38. अनिल मोहन 39. सिकन्दर 40. काम्बले तुलसीदास 		28-8-8 28-8-8 27-8-8 प्रपरा 26-8-8 9-8-8 9-9- अग 24-१ अपरा 12-8-3 प्रपरा 11-8-3 अपरा 16-8-8 अपरा
प्रदेश पदोन्नति करते हैं। 2. इन्होंने इनके नाम को कार्यभार सम्भास लिया है। कम अधिकारी का नाम सं० सर्वश्री 1. जामोहन 2. सुरैन सिन्ह 3. भूप सिह 4. मन्जुकल हक 5. एल० आर० सिघरा 6. आर० घई 7. विजयकुमार सिह 8. ए० पोनू स्वामी 9. दरयल डी० सेशा	आगे दर्शाई गई तारीख से अपना कार्यभार सम्भालने की सारीख	 31. टी० बी० एन० प्रेम सूरी 32. विनेश कुमार 33. आर० कृष्ण स्वामी 34. टी० चन्द्रसेखरन 35. एस० एस० ए० खान 36. आर० सी० सेठी 37. कालीराम प्रमा 38. अनिल मोहन 39. सिकन्दर 40. काम्बले तुलसीदास 41. गोपालदास पेवाल 42. ज्ञान सिन्ह 		28-8-8 28-8-8 27-8-8 अपरा 26-8-8 9-8-8 9-8-8 9-9- अ 24-६ अपरा 12-8- अपर 16-8-8 अपरा 12-8-8 अपरा
सहर्ष पदोन्नित करते हैं। 2. इन्होंने इनके नाम को कार्यभार सम्भास लिया है। कम अधिकारी का नाम सं० सर्वश्री 1. जनमोहन 2. सुरैन सिन्ह 3. भूप सिह 4. मन्जुकल हक 5. एस० आर० सिधरा 6. आर० घई 7. विजयकुमार सिह 8. ए० पोनू स्वामी	अगगे दर्गाई गई तारीख से अपना कार्यभार सम्मालने की सारीख	 31. टी० बी० एन० प्रेम सूरी 32. विनेश कुमार 33. आर० कृष्ण स्वामी 34. टी० चन्द्रसेखरन 35. एस० एस० ए० खान 36. आर० सी० सेठी 37. कालीराम धर्मा 38. अनिल मोहन 39. सिकन्दर 40. काम्बले सुलसीदास 41. गोपालकास पेवाल 42. जान सिन्ह 43. जगमाल सिन्ह 		28-8-8 28-8-8 27-8-8 - 27-8-8
सहर्ष पदोन्नति करते हैं । 2. इन्होंने इनके नाम को कार्यभार सम्भाल लिया है। कम अधिकारी का नाम सं० सर्वश्री 1. जनमोहन 2. सुरैन सिन्ह 3. भूप सिह 4. मन्जुकल हक 5. एल० आर० सिघरा 6. आर० घई 7. विजयकुमार सिह 8. ए० पोनू स्वामी 9. दरयल डी० सेशा	अगो दर्गाई गई तारीख से अपना कार्यभार सम्भालने की हारीख	 31. टी० बी० एन० प्रेम सूरी 32. विनेश कुमार 33. आर० कृष्ण स्वामी 34. टी० चन्द्रसेखरन 35. एस० एस० ए० खान 36. आर० सी० सेठी 37. कालीराम प्रमा 38. अनिल मोहन 39. सिकन्दर 40. काम्बले तुलसीदास 41. गोपालदास पेवाल 42. ज्ञान सिन्ह 		28-8-8 28-8-8 27-8-8 37-8-8 49-8-8 9-8-8 9-9-31 24-1 3977 12-8- 4977 11-8-

1 2			3
46. ग्रीन्कार सिन्ह	, ,		14-8-85
47. सन्तोख सिन्ह			22-8-85
48. प्रहताद सिन्ह			7-9-85
49. सागर सिन्ह्	•		24-8-85
			अपराह्न
50. आर० के० यादव	-	-	22-8-
51. राजपाल सिन्ह	•		9-9-8
5.2. प्रहलाद पा टिल	•		23-9-85
•			अपराह्म
53. एन बी र सिन्ह	•		6-9-85°
54. भोपाल सिन्ह	•		6-9-85
ss. भगवान सिन्ह्			17-9-85
5 G. फ्रोम प्रकाश			16-8:85
57. भिर्मल सिन्ह			14-8-85
58. श्रो०पी० शर्मा			5-9-85
59. सह <mark>ौ</mark> राम		•	30-8-85
30. रमेश गु रवानी			31-8-85
भूलेराम सिन्ह्			31-8-85
32. दुर्गादास			31-8-85
3. फकीर मोहम्म द	•		22-8-85
54. के वल कृष्ण			23-8-85
			अपराह्न
55. खुशीराम	•		16-9-85

्एम० भ्रशोक राज सहायक निवेशक (स्था०)

महानिदेशालय केन्द्रीय प्राधािगिक सुरक्षा बल मई दिल्ली-110003, दिनांक 3 जनवरी 1986

दिनांक 8 जनमरी 1986

सं० ई-16013 (1)/1/86-कार्मिक-1--प्रितियुक्तिः पर नियुक्ति होने के फलस्वरूपं, श्री के०पी० एस० गिल, भा० पु०से० (असम ग्रीरभेषालय 1957) ने 6 जनवरी, 1986 (पूर्वाह्म) में के०ग्री०सु०ब० मुख्यालय, नई दिल्ली में महा-निरीक्षक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

> ह्० अपठनीय महानिदेशक के० भ्रो० सु० ब०

भारत	क	महाराजस्द्रार	का कार्यालय	
नर्ध दिल्ली	-11	0011, বিধাক	ठजनवरी 1986	

सं० 11/1/85-प्रशा० 1—राष्ट्रपति, नीचे कालम 4 में दिशित कार्यालयों में कार्यरत निम्निलिखित अन्वेषकों को उनके नामों के सामने कालम 5 में दिशित कार्यालयों में कालम 3 में दिशित तारीख से 28-2-86 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविध पहले हो, पदोन्नित पर पूर्णत: अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर 700-40-900-द० गे०-40-1100-50-1300 क० के वित्तनमान में सहायक निवेषक अनगणना कार्य (तकनीकी) (मुप-क राजपन्नित) के पद पर सहखं नियुक्त करते हैं:—

फ्र सं∘	अधिकारी का नाम		में कार्य रत है	
1	2	3	4	5

सर्वश्री

1. लखन सिंह 8-1 1-85 जनगणना जनगणना (पूर्वाह्म) कार्य निदेशक कार्य निदे-का कार्यालय, शक का उत्तर प्रदेश, कार्यालय, लखनक उत्तर प्रदेश प्रखनक

2. किरम कांत वर्मा 16-12-85 जनगणना जनगणना (पूर्वाह्म) कार्य निदेशक कार्य निदेशक का कार्यालय, का कार्यालय बिहार, पटना महाराष्ट्र, धम्बई

2. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्तियां संबंधित अधि-कारियों को सहायक निवेशक जनगणना कार्य (लकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रधान नहीं करेगी। तदर्थ आधार पर उनकी सेवायों उस ग्रेड में वरिष्ठला ग्रांर आगे उच्च पद पर पदीक्षति के लिए नहीं गिनी जायेंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्तियों को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

> षी० एस० वर्मा भारत के महारजिस्ट्रार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य दिभाग भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिलांक 1 जनवरी 1986

सं० 669/क—श्री जी० व्ही० क्रांकाल (अ० ज०), तिरीक्षक ियंत्रण, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नास्किरोड को एतद्द्वारा उसी कार्यालय में वेतानान रुपए 650-1200 में उप जियंत्रण अधिकारी (वर्ग ख राजपतित) के पद पर दिजांक 19 दिसम्बर 1985 से छैं माह की अवधितक या उक्त पद पर तियमित जियुक्ति होने तक, इसमें जो भी पहले हो, पूर्णतः तदर्थं आधार पर पदोन्नत श्रीर जियुक्त किया जाता है।

सं० 670/क—विभागीय पदोन्नित समिति वर्ग "ख" भारत प्रित्मृति मुद्रणालय, नासिक रोड को सिफारिश पर श्री श्री-पित राम, स्थायी अनुभाग अधिकारी एवं तदर्थ प्रशासन अधिकारी को एतद्द्रारा अक्ले आदेश तक प्रशासन अधिकारी (वर्ग "ख" राजपत्तित) के पद पर वेदामान रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 में दिनांक 18 दिसम्बर 1985 अपराह्म से नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

उनकी दिलांक 4 मई 1985 से छै माह को तदर्थ आधार पर नियुक्ति को एतद्द्वारा 4 नवम्बर, 1985 से 17 दिसम्बर 1985 तक बढ़ाया जाता है।

दिनांक 8 जनवरी 1986

सं० 683/अ०—िनम्नॉकित अधिकारियों को भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में उप नियंत्रक अधिकारी के पद पर मूल क्षमता के रूप में उपके नाम के सामने श्रांकित दिलांकों से नियुक्त किया जाता है।

1. श्रीए० एम० राउल .	•	•	28-4-84
2. श्री एस० एन० चऋवर्ती		•	20-7-84
3. श्रो ए० एस० पालकर	•		21-7-84

पा० सु० शिवराम महाप्रबन्धक

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद (म० प्र०), दिनांक 1 जनवरी 1986

क्रमांक: सी-7/7881—श्री व्ही० पी० तिवारी निरीक्षक नियंत्रण प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद को रु० 840-40-1000-द० अ०-40-1200 के नेतनमान में अतिरिक्त सुरक्षा अधिकारी के पद पर दिनांक 1 जनवरी, 1986 से छः माह या जब तक यह पद नियमित रूप से नहीं भरा जाता इनमें से जो भी पहले हों, पूर्णतः तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

> भ० रा० पाठक महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लोखा विभाग महालेखाकार लेखा का कार्यालय, आंध्र प्रदेश

हैदराबाद-500 463, दिनांक 3 जनवरी 1986

सं० प्रशा० । लिखा एवं हक | II | 8-88 | 85-86 | 2744— हालेखाकार (लेखा एवं हक) आंध्र प्रदेश, हैदराबाद सहषं मन्ति खित अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न लेखा अधिकारी हरूप में 840-40-1000 द० अ०-40-1200 रु० वेत प्रमाप्त में प्रके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी अगले आंदेश क पदोन्नित दी जाती है।

नाम		 account the second seco	पद ग्रहण
			की
			तारीख
ोमती के० जय	लक्ष्मी		01- 1-1986
			धूर्वाह्न

पदोसित के लिए दिए गए आदेश उनके वरिष्ठों के दावों रिविता कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, और आंध्र प्रदेश उच्च पायालय/उच्चतन न्यायालय में लंबित रिट याचिकास्रों के परि-शर्मों के अवीन माने जायेंगे।

> को० शं० नारायणराव वरिष्ठ उप महासेखाकार (प्रशासन)

पूर्ति तथा भिवटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग 6)

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1985

सं० ए-6/247 (332)— निरीक्षण निर्देशालय (धातु) जमशेदपुर के कार्यालय में तदर्थ सहायक निर्देशक निरीक्षण श्री वी० श्रीनिवासुल, का सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के पद पर प्रत्यावर्तन हो जाने के परिणामस्वरूप, उन्होंने 9 अक्तूबर, 1985 के पूर्वाह्न से सहायक निरेशक मिरीक्षण (धातु) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

श्री श्रीनिवासुलु ने दिनांक 9 अंक्तूबर, 1985 के पूर्वाह्न से निरीक्षण भिदेशक (धातु) जमशेदपुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) वे पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ए-6/247 (368)—िनरीक्षण भिदेशक (धातु) जमशेदपुर के कार्यालय में तदर्थ महायक भिदेशक भिरीक्षण श्री ए० के० चटर्जी का सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के पद पर प्रत्यावर्तन हो जाने के परिणाम स्वरूप उन्होंने 9 अक्तूबर, 1985 के पूर्वाह्म से सहायक भिदेशक निरीक्षण (धातु) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

श्री ए० के० चटर्जी ने दिनांक 9 अक्तूबर, 1985 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक (धातु) जमशेदपुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 26 दिसम्बर 1985

गं ० ए-6/247 (373) — निरीक्षण विदेशक (धातु) जमगेदपुर के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक विदेशक विरीक्षण (धातु) श्री आ० एन० पुरी का महायक विरीक्षण अधिकारी (धातु) के पद पर प्रत्यावर्तन हो जाने के परिणामस्वरूप उन्होंने दिनांक 9 अक्तूबर, 1985 के पूर्वाह्म से महायक निरेशक विरीक्षण (धातु) के पद का कार्यभार छोड़ दिया। श्री पुरी ने उसी तारीख में उसी कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी के पद का कार्यभार भी ग्रहण कर विया है।

लाप० पी० काही ंपं निदेशक (प्रशासन) कृते महाविदेशक पृति ध्या विष्टान

इस्पात श्रील **खा**न मन्द्रालय

(खाप विभाग)

भारतीय भूबेज्ञानित ठबेंक्षण

कल भत्ता-700 016, दिलांक 26 दिसम्बर 1985

मं० 43वी/ए-32013/1-उपमहािदेशक (भू०वि०)/84-19ए---राप्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निदेशक (भूविज्ञान) डा० एस० पी० दास गुप्त को उपमहािनदेशक (भूविज्ञान) के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 2250-125/2-2500/- रु० के वेदलमान के वेतन पर अस्थायी स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 1 दिसम्बर 1985 के पूर्वाह्न में पदोक्षति पर नियुक्त कर रहे हैं।

डां० पी० - दींडियाल वरिष्ठ उप महानिदेशक (प्रचालन)

भारतीय माधवविज्ञान संवेक्षण कनकत्ता-16 3, जनवरी 1986

गत 4-203/8 /स्था०—सारतीय मानव विज्ञात सर्वेक्षण के विदेश र इस सर्वेक्षण के पश्चिमी क्षेत्र के श्री आरत पीठ सन्दर्भित कविष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (राजपन्नित ग्रुप---बी) का उपने प्रार्थना पन दिवाक 25-9-85 के आधार पर 31 दिसम्बर 1985 से उपकार्यविद्यात निवृत्ति स्वीहरा करते हैं।

> ए० ४० दास गुणा परिष्ठ प्रमासतिक अधिकारी

आकाशवाणी गहानिदेणालय नईदिल्ली,दिशाक 7 जनवरी 1986

मं ० 10/67/61-एस-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री के एल ० सच्देव, प्रशासन अधिकारी, आकाशवाणी, इन्दौर को 650-30-740 35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०-रो०-40-1200 क्पए के वेतनमान में 16 दिसम्बर, 1985 में अगले आदेशों तक नियमित आधार पर विष्ठ प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री के० एत० सचदेव ने उसी तारीख से आकाणवाणी, नई दिल्ली में बरिष्ठ प्रणासन अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

> भीहन फ्रांसिस प्रशासन उपनिदेशक हाते महानिदेशक।

्युचना श्रोर प्रमारण मंत्रालय विज्ञापन श्रीर दृष्य प्रचार पिदेणालय नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1985

सं० ए-12025/3/85-स्था०—विज्ञापन और दृष्ट प्रभाग निदेशक, श्री तेत्रासिस सेन गुप्ता को इस निदेशालय में 9 दिसम्बर 1985 के पूर्वाह्म में, अगले आदेश तक, अस्थायी रूप से वरिष्ठ कला गए (वेदनसात ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री सेन गुण्ता उक्त पद पर नियुक्त होने की तारीख से अगले दो वर्ष के लिए परिवीक्षा अवधि पर रहेंगे। इस अवधि को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकानुसार बढ़ाया जा सकता है।

> साहब सिंह संयुक्त निदेशक कृते विज्ञापन ग्रॉर दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिशा ए । 6 जनवरी 1986

मं० ए० 12025/7/84-एन० आई० सी०णी ०/पी० एन० (मी० णी० एंड एन०) — राष्ट्रपति ने डा० (श्रीमती) बीता वाणीदास को 20 सितम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से आगामी अदिलों तक राष्ट्रीय सचारी रोग संस्थात, दिल्ली में उन सहायक जिदेणक (एन्टमोलाजी) के पद पर अस्थायी आधार पर तियुक्त किया है।

र्जसा फ्रांसिस उप निवेभक प्रथासक (पी० एच०)

भाभा परगाणु अनुमन्धान केन्द्र हार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिशांक 29 तवम्बर 1985

मं∘ 7 (70)/85/सतर्कता/2838—-जबिक अभियोग लगाया गया है :—-

श्री अहमुगम मुन्नूस्त्रामी माली (ए) भूदृष्य एव स्वच्छता अंनुरक्षण अनुभाग जिन्हें कि दिशांक 15-4-1985 से 17-5-1985 तक 33 दिनों का अजिन अवकाण स्वीकृत किया गया था, दिशांक 18-5-1985 के बाद से अनिधक्त रूप में छुट्टी पर चल पहें हैं।

अपने इस आचरण के कारण कथित श्री मुश्लुस्वामी ने इयुटी के प्रति अपनी जिल्हा की अबहेलना की है ग्रीर ऐसा व्यवहार किया है जो कि केन्द्रीय सिविल सेवायें (आचरण) नियम, 1964 के नियम 3 के उपनियम (i) (ii) ग्रीर (i) (iii) के अनुमार उनका व्यवहार सरकारी कर्मचारी होने योग्य नहीं है।

योर जबकि कथित श्री मुझूस्वामी की दियोग 6 सितम्बर 1985 के बापन गं.० 7 (70)/85 सतर्कता/2244 द्वारा उनके अभियोग तथा केन्द्रीय पिदिल नेवायें (वर्गीकरण, नियंवण तथा अपील) नियम 1965 के नियम 14 के अधीन उनके विषद्ध प्रस्तावित कार्यं वाही में अवगत करा दिया गया था।

ग्रोर जबकि कथित श्री मुझूस्वामी को उनके अन्तिम भात पते पर भेजा गया उपराक्त ज्ञापन का रिजस्टर्ड ए/डी लिफाफा वितरण हुए बिना वापस लाट आया है।

श्रीर जबिक कथित श्री मुन्नूस्वामी इस कार्यालय की अपनी कोई भी जानभारी दिए बगैर लगातार अपनी ड्यूटी में अतुपस्थित रह रहे हैं, श्रधोहस्ताक्षरी इस बात में सन्तुष्ट है कि अब केन्द्रीय सिविज सेवायें (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1965 के नियम 14 के अनुसार जांच की कार्यवाही जारी रहना ब्याव-हारिक रूप से तर्कसम्मत नहीं है,

अत: अब परमाणु ऊर्जा विभाग के दिशांक 7 जुलाई 1979 के आदेश सं० 22 (i)/68 प्रणा० II के अन्तर्गत प्राप्त केन्द्रीय सिवल गेवाये (वर्गीकरण, नियंत्रण प्रार अपील) नियम 1965 के नियम 12 उपित्रम (2) की धारा (बी) सथा उपरोक्त नियमों के नियम 19 (ii) में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए अधोहरूनाक्षरी इसके द्वारा कथित श्री मुसूरवामी को तत्काल नौकरी से निकालते हैं।

श्री मुझूरवामी को सूचिन किया जाता है कि उपर्युक्त आदेश के विरुद्ध अपील, अध्यक्ष, कामिक प्रभाग भार पर अर्थ केन्द्र, अपीलीकरण अधिकारी, के पास की जा सकती है। यदि कोई, अपील हो तो वह अपीलीकरण अधिकारी के पास इस आदेश की प्राप्त के दिशांक से पैतालिस दिनों के भीतर कर दी जानी चाहिए।

दिनाक 8 जनवरी 1986

सं० पी०/209/एउ० पी० डी०/स्था० 1/112—श्री चिता-मन सिवाराम पाटिल ने वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड "एस० बी०" पद का पदभार 4-11-1985 पूर्वाह्म को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति पर छोड़ दिया।

> एस० कृष्णामूर्ति उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र दिशास 6 जनवरी 1986

सं० ना० ई० स०/का० भ०/0704/35—नाभिकीय ईधन मिम्मश्रां के प्रणासन के उपमुख्य कार्यपालक जो प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री एम० एन० रमूल को तथ्य आधार पर रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में दिनांक 16-12-1985 से 31-1-1986 पर्यन्त अथवा आगामी आदेशों पर्यन्त इनमें से जो भी पहले पूर्व घटित हो, शियुक्त करते हैं।

> जी० जी० कुलकर्णी प्रथम्धक, कार्मिक व प्रशासन ।

अन्तरिक्ष विभाग इसरो उपग्रह केन्द्र

बेंगलूर-560 017, दिनांक 01, जनवरी 1986

सं० 020/1 (15.4)85-स्थापभा-1—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, श्री भागवत अमेया माधव को वैज्ञानिक अभि-यंता "एस० बी०" पद पर दिश्तंक 08 अक्तूबर, 1985 पूर्वाह्म से अगले आदेश प्राप्त होने तक अस्थायी आधार पर अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेगलूर में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> ्राचि एस० रामदास प्रशासन अधिकारी-II

भारतीय यन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

श्रम्तरिक उपयोग केन्द

श्रहमदाबाव-380053, विनांक 16 दिसम्बर, 1985

सं ० श्रंडकें/स्था ०/3/19/85—निवेशक ने निम्नलिखित पदाधिकारियों को श्रम्तिरक्ष विभाग के श्रन्तिरिक उपयोग के ब्र श्रहमदाबाद में प्रत्यक के नाम के श्रागे दिए गए पद पर तथा दी गई तारीख के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेण तक स्थानापन्न/श्रस्थायीं रूप से नियुक्त किया है:--

क्रम सं०	नॉम			[देनांक	पद जिस पद नियुक्ति किए गए
1	2	 	 	3	4
सर्व 1. ए०	श्री के० सिंह			1-7-85	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एसबी'
-	प्रकाश भग्रवाल			1-7-85	"

1					2	3	4	5	6
सर्व श्री				,					
3. वाइ०के० सिंह					1-7-85	11	7.7	11	11
 कुमारी एस० कपागम 		•	•		1-7-85	T T	11	"	11
 एन० पशुपित प्रसाद 					1-7 - 85	11	11	11	7 7
 सुरेन्द्रनाथ 		٠.	•	•	8 - 7-85	11	77	11	,,,
7. उपेन्द्र पासी .				•	1-7-85	**	"	1)	11
8. राजेश ग्रार्थं.		•	•		8-7-85	, 1	,,	"	, ,
9. ऋासिफ डी० गांधी		•			1-7-85	,,	"	11	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
 पुरुषोत्तम श्रीवास्तव 				•	10-7-85	‡ 1	17	11	, 11
 रामराजन अरविन्द 					10-7-85	71	5,	13	"
2. श्यामसुन्दर प्रधिकारी	•	•			15-7 - 85	11	÷,	7.7	71
। 3. एस के० जैन			•		17-7-85	"	, ,	,,	7.7
1,4. जे०बी० एक्का					1-8-85	"	, ,	11	, ,
15. बी० बालकृष्णन					1-8-85	. 11	* ***	"	;
 पार्थं प्रितम घोष 				•	1-8-85	"	,,,	17	J
. 7. टी०पी० सन्दी	•	•	-	•	1-8-85	1.1	, ,	, ,	,
8 भांस्कर ज्योतिदास					1-8-85	3 3	1.1	<i>1</i> 1	,
19. मोहम्मद शाहिम एम० :	प्राई०				1-8-85	17	,,	11	,
20. जयदीप बोम				•	1-8-85	,,	,,,	111	j
 कुमारी श्रवन्धती रे 					2-9-85	1.)	11	17	,
22. पी० एल० मैयाप्पन					2-9-85	11	17	77	,
23. मो हन लाल	-				2-9-85	11) '	***	,

के० एस० कृष्णन प्रकासन प्रधिकारी-II (स्था०)

महानिवेशक भागर विमाधन का कार्यालय नई दिल्ली, दिशांक 24 दिसम्बर, 1985

सं० ए-32013/7/84-ई० मी०---राष्ट्रपति नागर विमानभ के शिम्भक्तिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को दिशांक 25 अक्तूबर, 1985 में ग्रीर अन्य आदेण होने तक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करने हैं :---

ऋम ० नाम सं०

सर्वश्री

- 1. सी० एम० महादेव
- 2. एम० के० चटर्जी
- जी०एस० कोचीकर
- 4. सी० पी० राव
- सी० एल० जैंभ
- 6. ए० के० सम्मेना
- 7. रंजीत घोष
- 8. ए०एस० पाल

李 甲	नाम
मंख्य र	

- 9. कें०सी० एर्सा
- 10. आई० एम० कृष्णन्
- 11. टी० एन० विश्वानाथन्
- 12. एवं० एक्४ अरोग
- 13. सी० के० सोबती
- 14. बीठ के० प्रसोगी
- 15. जे० एम० गरीन
- 16. बी० एम० खुरामा
- 17. सी० वेंकटचेलम्
- 18. आर० एक ० सोखे
- 19. एम० के० कृष्णन्
- 20. कुलवन्त सिंह
- 21. केशो नाथ
- 22. जीवएस० वर्मा
- 23. एम० के० भेट
- 24. जसवन्त सिंह
- 25. श्रो०पी० जुनेजा
- 2 G. वी० के० पुरी
- 27. आर० जयरमन

क्रम० सं० नाम		
28. के०एस० मुखर्जी	- /	.18418- — \$11
29. एरा० शिवा सुब्रहमण्यन्		
30. के०टी० जाम		
31. वी० जी० जोणी		
32. एस० आर०डी० बर्मन		
33. जे०एस० नष्टला		
34. कें० आप० कें० शर्मा		
35 एन० एस० सरा		
36. ए० रामदोस		
37. ए०एन० शिरके (अनु० जाति)		
	बी०	जयचन्द्रन
	उप भिदेश	क, प्रशस्ति
नई दिल्ली दिनांक 7 जनवर	1986	

नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1986

सं० ए-32014/3/83-ई० एस०--महानिदेशक नागर विमानन श्री जीजफ गुरुंग को दिनांक 23-1-85 से ग्रीर अन्य आदेश होने तक 650-1200 रुपए के बेतनमान में नियन्त्रक. केन्द्रीय रेखियो भण्डार डिपो, नई दिल्ली के कार्यालय में भण्डार अधिकारी के पद पर शिथमित। आधार पर नियुक्त करते हैं।

> एम्ब भटटा वा**जी** उपनिदेशक प्रशासन

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर, 1985

सं० 32/3/85-ई० मी०-2---केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित कार्यपालक उंजीनियर श्रेणी-।के के निवर्तन की आयु (58 वर्ष) होने पर संस्कारी सेवा से उनके आगे दी गई तारीख से सेवानिवृत्त किए जाते हैं।

ऋ० ग्रिधिकारीकानाम सं०	ानिवृत्तिकी तारीखा	प्रन्तिम तैनाती का स्थान भार पदनाम
1 2 सर्वश्री	3	4
1. श्रार०एन० भगत	30-11-85 (श्रपराह्म)	प्रशिक्षण संस्थान कार्यपालक इंजी- नियर (प्रशिक्षण,) के० लो० नि० वि० निर्माण भवन, नर्ष्ट्र दिल्ली ।
2. ए० भ्रलकामणी	30-11-85 (म्रपराह्न)	कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) लो० नि० वि० मंडल नं०-12 (दि० प्र०) नई दिल्ली।

1	2	3	4
3.	एम०एस०वी० राजन	30-11-85	्राय ० इंजी०
		थ्रवर:ह्न	(मूरुयांकन) श्रायकर विभाग श्रहमदाबाद
4.	एच० एल० खर्जाची	30-11-85 (भ्रषराह्न)	
			ं प्रोजैक्ट मंडल नं०2
			(বি৹ স৹)
		ı	नई दिल्ली।
			के० मी० देहरी
			प्रशासन उपनिदेशक
		बृ	ते निर्माण महान्दिशक

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1985

सं० 1/168/69-ईमी-9--इस विभाग के तक्रनीकी ग्रधिकारी, श्री एस० डी० ख्राना वार्धक्य की प्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31-12-85 (श्रपणाञ्च) को सरकारी सेवा में ∫निवृत्त होते हैं ।

> पुरुवी पास सिंह उप-निदेशक प्रशासन कृते निर्माण महानिदेशकु

परिवहन मंत्राक्ष्य रेल विभाग (रेलवे बोर्ड) नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1986

सं० 85/ब्रारई/161/6--"पश्चिम रेलवे" के निम्नलिखिन मैक्जनों पर स्थित रेलवे लाइनो ग्रार परिक्षरों के सभी उप-योगकर्ताम्रों के भूचनार्थ एतदहारा प्रधिभूचित किया जाता है कि निम्न सैक्शनों के सामने विनिधिष्ट दिनांक से इन लाइनों पर धिरोपरि कर्षण तारों की 25000 ए० मी० से विद्युन्मय कर दिया जायेगा। उस तारीख को श्रीर से शिरोपरि कर्षण लाइनें हर समय विद्युत्मय मानी जायेंगी श्रौर कोई भी श्रिप्राधिकृत व्यक्ति उक्त शिरोपरि लाइनों के निकट नृती आयेगा ग्रीर न

ही कोई कार्य करेगा।	
सैक्शन	दिनांक
(1) कोसाड रेलवे स्टेशन से मसर्ज ध्रिषक भारती कोस्रोपरेटिय नि० हजीरा सूरत	
के यार्ड तक	15-10-8 5
(2) गोथन गांव मे जंक्शन के विन तक	15-12-85
(3) सावत्य स्टेशन याडं से वांकावोरी धरमल	
्रावर स्टेशन या र्ड	20-12-85
ए०	n,न० वांचू
	बोर्ड सचिव

प्ररूप आइ^र्टी, एन . एस . ------

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांद' 13 त्वम्बर 1985

निर्देश सं॰ ए-272/85-86/शिलांग/237-45- **भ**तः मुझे, **६**० जे॰ माबलांग,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षण प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी मं० म्युनिसियल फ्लोर सं० 130(1), होस्डिंग सं० 115 पट्टा सं० 95, बार्ड संप्या 10 है स्था जो जेल रोड, शिलांग में स्थित है (भीर इसके उपाबद अनुसूर्वा में भीर पूर्ण रूप मे विणित हैं), रिस्ट्रीरित्री अधिकारी के पित्रिय भिलांग में रिस्ट्रीरिएण अधिक्यिम, 1908 (1908 र 18) के भ्रधीन दिनांक 28-5-1985

को प्यांक्स सम्मान्त के उचित बाजार मृत्य में कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों कत सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पत्कह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल कि । म्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण में हुई किसी काय की शक्त उक्त विष नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के द्रियन में कामी कारने या उसके बचने में सुविधा की लिए; बार/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उत्तोजनार्थ अन्तोरती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था था किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत जिल्लीकत व्यक्तियों, अर्थात् :—— 2—436 GI/85 थीं सलेन्द्र नाथ गृहा नैवगी धीर श्रीमित बिजोली गृहा नैवेगी, 222, मुभाग नगर डुम छुम कलकला 700065 ।

(भन्तरक)

2.(1) सुनील भूषण पाल, (2) श्रशीम ग्रीर (3) सरय-जीत पाल, जेल रोड, शिलांग

(भ्रन्तरिती)

3. (1) सुनील भूषण पाल, (2) प्रशीम (3) सत्यजीत पाल, जेल रोड, शिलांग

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह अभाग जारी करके प्यांका सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध मां कोड़ी भी कार्क्षण 🌤

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की गारील से 45 दिन की अविधि या तरणम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 िश का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रविस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) ६५ स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीत्र करने स्थान न शरीक मा दिस ध्रम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विशेषक हो । अन् राजपता

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क बीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्ध तोगाः, जो उस अध्याय में दिया पता ही।

द्धमस् ची

उत्तर श्री ए० ती० वीधरी भीर दारा बना गंगुली का जमीन दक्षिण---फुटपश्च । पूर्व--श्रीमित इनाई मुखर्जी हो दमीन । पश्चिम---स्व० उमेश चन्द्र धर हो दमीन ।

> ई० जे० मायलींग, गक्षम प्राधि गरी, सहायक प्राय गर श्रायुक्त (िरीक्षण), श्रजेत रेंज, शिलांग

दिनांक: 13-11-1985

प्रकृप आईं.टी.एन.एस.-----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायालय, ज्हासक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराब।द, दिनांक 12 दिसम्बर 1985 निर्देण सं० ग्रार० ऐ० सी० नं० 558/85—86——

मतः मुझे, एम० जगत मोहन, आयकर अभितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के शधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्रूं ए

श्रीर जि की सं० पर्लंट है जो दासापल्ला हीलप वैझाक में स्थित है (श्रीप इसके उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जार्यालय वैझाक में रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जार्यालय वैझाक में रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जार्यालय वैझाक में रिजिस्ट्री एण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5/85 को पूर्वित सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रिजात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य में उचत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (स) अन्तरण से हुई किसी नाय की, बाबत, सक्त अधिनियण के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए; और/या
- (म) एंसी किसी आय या जिसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपामें में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीत: निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. मैससंपरामाऊन्ट सद्द्रकाशन बाई पार्टनर श्रीमित नी व ृलक्षमी बासापाला हिस्स, विशा खापटनम । (श्रन्यरक)
- श्री राजेंदर किंग जोहार, पिक्षा भू क्याल जोहार, डी॰ नं॰ 11-2-16/3 दानापलाहिलस, विशाखापटनम । (मनारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए बाहियाँ शुरू करता हूं उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना की राजपत्र मों प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इंग,
- (ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरें।

स्यव्होकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया हैं।

बन्स्ची

फ्लैट नं० 3 डासापाला हिसस विशाखापटनम, घर नं० 11-2-16/ए, विरतीर्ण 1800 ची० फ्ट राज्स्ट्रीष्ट'त दिखेख नं० 5998/85, राजस्ट्रीवृत्ती सिधिषारी वैद्याग ।

> एम० जेगन मोहनः, सक्षम प्राधिकारीः, सहायक मायकर मायुक्तः (निरीक्षण)ः, भर्जन रोजः, हैदराबाद

दिनोक: 12-12-85

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश संब्धार०ए० सी० नं० 570/85-86--अतः मुझे, एम अगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्च त् 'उद्धत अधिनियमा कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बापार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर शिक्षकी सं० धमारत है जो हानूमारन स्ट्रीट, हत्यनारायणा-पुरम में स्थित है (भार इसने उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), दिनस्ट्रीकर्ता अधिकारी के ार्यालय विकयवाड़ा में भारतीय रिनस्ट्रीइरण अधिनियम 1908 (1908 का

16) के झंधीन दिनांक 5/85 को पूर्वीक्त संपत्ति के उत्थित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल सं, एसे द्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिता (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाक गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अस्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए।

जत: अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अन्सरण मं, मंं, उक्षत रुधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नसिक्ति व्यक्तियों. अर्थात ∴—— श्री के० मल्ली तर्जुन राव पिता गुरूनाध त सत्यनारायण-पुरम, विजयवाजा ।

(मरतरक)

2. श्री जी व कोंडारामय्या पिता गोपालकृष्णय्यः, डी व नंव 23'-22-23 सत्यनारायणापुरम विजयवाडा ।

(श्रनारिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पांत क अर्जन क लिए कार्यवाहिकां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्धन के सम्बन्ध मां कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 बिन की अविधिया तत्सवधी व्यक्तियों पर स्मापना जी तामीक में 30 दिन की अवधि, तो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्थितस्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र ें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोहर टक्न स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बहुभ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए का अकाँगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

धनुसूची

इमारत विस्तीर्ण 324 चौ० गज सत्यनारायणापुरम घर नं० 23-22-23 विजयवाडा रिजस्ट्रीवृत विरुद्ध नं० 2913/85 रिजस्ट्रीवर्ती स्रिधकारी विजयवाडा ।

> एम० जगन मोहत ाक्षम प्राधिकारी, राह्ययक प्रायक्षर प्र⊦युक्त (निर्दाक्षण), प्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-12-1985

बक्ष्य बार्षः दौ. एनः एसः ------

ा. श्री वैद्यनाय बन्दोपाध्याय

(भ्रम्तरक)

आयंकर मधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269--म (1) के बभीन स्चना

2. श्री हालिचरन चटाजि

(भग्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज, यल्जना

कल हत्ता, दिलां 🗧 । धनटूबर 1985 निर्देश सं० ए०सी ०-15/रें रं-4/ , सं०/1985-186--भ्राप्तः मुझे शंहर के० बनादिः

२०५० शीधनियम : 1961 (1961 का 43) (जि**र्ध इसमे** ा का प्राप्त कहा गया है. का भारा 21 4- 4 5 हभीन सक्षम प्रतिभक्तारी का, यह जिल्लाम करने का भारत है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाबार मस्य 1,00,000/- छ. से अधिक हैं

भ्रीर जिसकी सं० है तथा जो अबिन्द्रनगर में रियत है (ब्री: इसने उपावस धनुसूची में ब्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रितस्ट्री तो अधिकारी के ायिक्षय आधानसोल म रिस्ट्री-राण प्रधितियम 1908 (1908 ा 16) के प्रधीत दिनां ा

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाशार मूल्य संकम के दंश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ अन्दर्ने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शून्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, एस व्यवमान प्रतिफल का क्ल्ब्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितिमाँ) के बीच एरे अन्तरण के लिए अब शया गया प्रतिफार निम्नतिश्वित उत्दर्धत्य से उत्तर बन्दरण ित्रोक्ति में बास्तीवक क्या में किया नहीं किया नवा है.---

- (भा) **बन्दरन से हुन्द्र कियी बाब की** वाबर उपल क्रीया-शिवास को अधीन काप बोने को अन्तरक को वासिएक को, क्यी करने या अप्रक्षे क्यने में बृषिभा के सिए; व्यक्त/या
- (भ' **प्रेसी किसी काब या किसी ध**न वा प्रकासीकार का, जिन्हें भारतीय मायकर क्षितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम् या अन् कार ाभिवियम, 1957 (1957 का **27) के अयोज**-नार्थ जन्तिरिती दुवारा प्रकेट नहीं किया समा सा का किया जाना वाहिए या फियान में स्विधा 💰 चिष:

को वह बुचना बारी करके प्रशिक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

जबत सम्पत्ति के अभन के सम्बन्ध वा कार्य भी आक्षण .---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाधन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पृक्षेंकरा व्यक्तियों मं से किसी व्यक्ति दुवागः
- (बा) इस सूचना को राजपत्र में प्रकादन की तारीचा वो 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर राग्परित में हितवहुव किसी अन्य व्यक्ति इयारा अभोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए या सकोंगे।

राज्यीकरणः---इसमें प्रयुक्त तथ्यों बीर पर्यों का, जो जनस विभिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगर, जो उस अध्यान में विका नया हु 🗼

धनु 🖓

जमीन--1.516 काटा जमीन का साथ मकान पता---रिवन्द्र नगर थाना हिरा पूर । प्रास्नसोल दलिल-1985 का 3001।

एस० के० बनाजि. अक्षम प्राधिकारी, सहायक **मा**यकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्षन रॉज-4, 54, एपी प्रहमव किंदबाई रोड, कलक्सा-10

नतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो. भे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्षे अधीर, निम्नानियत व्यक्तियो, वर्गन ह---

दिनांक: 1-10-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ∜ धारा 269 व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंजि--4, कलकला

कलकत्ता दिनांक 30 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० एसी--29/एसी क्यू भार-4 -कल०/85--86--पतः मुझे, शेख न्हीमृदीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का खारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी मं० हैं, जो एल जि, सोनारपुर में स्थित है भीर इससे उपाबद अनुधूची में और पूर्ण रूप से वणित है किस्ट्री तो अधिकारी के अधिलय तल सा में रिक्ट्री रूप अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिद्रिफल को लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के दिह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंत-रेती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया वितिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण सिवित में नास्तिक कप से कथित महीं किया गया है:—

- क) बन्तरण सं हुइ किसीं नाम की बानत, डक्त बिश्वियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दियास में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- क) ऐसी किसी अस या किसी वन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना पाहिए था, स्थिपने में स्विधा सरिधा के किए,

बतः बतः, उन्त विधिनियम की भारा 269-न के बन्दरक को, मी, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. बनाजि चारिटेबल दुस्ट

(भ्रन्दरक्)

2. श्री राधा उष्ण मेडिकल इंस्टीच्यूट

(ब्रन्सरिती)

को सह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यनाहियां चुक्त करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप उन्न

- (क) इस स्वतः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की सर्वीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकते।

स्यव्हीकरणः - इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का जां उक्त किंपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा, जो उस अध्याय में विश्व क्या है।

बन्स्बी

18 काठा जमीन का साथ मकान

पता— कुमारपाड़ा एलाचि थाना सोनारपूर जिला 24 परगना

दिलल सं · --- 1985 वर्ग 6788

शेख नईभुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त प्रायक्त (निरीक्षण) प्रजन रॉंग 4 कलक्सा

विनांक: 30-12-1985

प्रक्रम . बाइ". क्षी. एन . एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन स्थना

भारत सरकातु

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, नागपुर

मागपुर, दिनौंक 4 अक्टूबर 1985

निर्वेश सं० म्राई०ए०सी०/एक्की०/26/22/85-86- म्रतः मुझे एम० सो० जोशी

आयकर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिज्ञकी संज्ञ्लाट नंज 2 सिटी एसज नंज 20594 है जो 4000 स्वतेश्वर फोट है जमयं नगर श्रीरंगाजाद में स्थित है (और उससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित्त है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रीरंगावाद (डाकुमेंट संज् 2942) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन 16-5-1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसक दश्यमान प्रतिकल म, एस दश्यमान प्रतिकल का नम्बह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के नीच एसे जंतरण के लिए तय पाया नना प्रतिकल निम्नसिवित सद्देष्ट्य से उच्त जंतरण मिनित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीर शियकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्रो विरजलाल रामनाथ मिनियार धुरकाबाद खेरडी गंगापुर, श्रोरंगाबाद ।

(भन्तरक)

2. श्री करसनदास वेलजी जोगी धन्सालीनगर श्रोरंगाबाद (श्र तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां भुक्त करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की सारोख के 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सद्ध किसी अन्य स्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

धनुसूची

प्लार नं० 2 सोटीएस नं० 20594 जिसका क्षेत्रफल 4000 एकेन रफीट है जो समर्थनगर घीरंगाबाद में स्थित है।

> एम० सी० जीगी, मक्षम प्राधिकारी, सहायक **धायकर घायुक्त (**निरीक्षण), **धर्जन रेंज, नागपुर**

दिनौक: 4-10 1985

प्रक्रम आहे सी एन एम -----

आध्यार अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भाग २६९-व (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनाँक 18 नवम्बर 1985 निर्देश सं० प्राईएसी /एक्त्री/33/23/85-86--प्रतः मुझे, एम० सी० जीमी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन शक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उपित बाजार मृत्य 1,06.000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० खेत नहीं नं० 9/0 है तथा जो 1.74 हैक्टर जो भौगा एरडवाडी ता० वरूउ जिला अन रावती में त्यित है (और उत्तरे उताबद्ध अनुपूर्वों में ओर पृष्टित से विश्वित है,) रिजिट्टी-कर्ता अधिकारी के तार्यालय अम गवती (डाहुमेंट सं० 107) में भारतीय रिजिट्टीकरण अधिज्यिन 1908 (1908 भी 16) के अधीन दिनौंक 3-5-1985

का पूर्वोक्स मम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्ने यह विकास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्शि का उचित बाजार मृत्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्य-धि कप से किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य मं कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यः आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. महम्मः युसूक निर्निर सेंबुरजना ता० वरूड जिला पमरावती । (अन्तरक)
- श्रीमित सीमारानी वेदप्रकाण वजाज 6/2999 गिता कालीनी, नई दिल्ली 31।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाश्रियों स्कूक करता हुई।

उक्स संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्रोप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीक से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इदारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ हात्रेगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

खेती 1974 हैक्टर खेत अवें नं ० 9/0 मौजा एरंडवाडी ता० वरुड जिला भ्रम सवती।

> एम० सी० जोगी, सक्षम प्राधि हारी, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन र्रेज, नागपुर

दिनौंक 18-11-1985 मोहर प्ररूप आर्द्ध .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुणना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज नागपुर,

नागपुर, दिनौंक 18 नवम्बर 1985

निर्देश सं० भाईएसो/एक्वी/35/23-85-86-मत: मुझे, एम० सी० जोशी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्यांत उपात की भारा 269-त के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति जिसका उचित शाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिनकी सं० खेत सर्वे नं० /90 है, जो खेत मौला एरडना श्री ता० जि० धमराबती में स्थित है (और ६सके उपावद भनुभून) में भ्रीर पूर्ण कर से विज्ञ है), रिजस्ट्रे कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रमरावती (डाक् मेंट सं० 1075) में भारतीय रिजस्ट्रे करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 3-5-85 को पूर्वे क्स सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए उसीरत की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं के प्रधापनीकत संपत्ति का उचित पावार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का नृह्द प्रतिवात स अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (अर्जारितयाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नालिकत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नालिकत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नालिकत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नालिकत महानिका क्या गया है हिन्स

- (क) अंतरण सं हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आम या किसी भन या अन्य नास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोशनार्थ अन्तरिशी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिया

ति अब, टक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण ज", मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) जे कथीन, भिक्तिशिक्षक विकासों, जधीत :— महम्मद यूसूफ महम्मद नासीर, सेंदूरजना, ता० वस्त्र.
 जिला धमरावतो

(मन्तरक)

 श्रीमति चंदरराणा डावर 5/238, गिता कालोनी नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

कारे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संवित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी गांधीप :---

- (क) इस सूथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की कर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अथि , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीवत अयिवता में स किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्भाना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

अन् सूची

खेल सर्वे नं० 9/0 मौजा एरंडवाडी ता० वरूड जिला धमरा -वती।

> एम० सी० जोशी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक **धायकर भायु**क्त (निरीक्षण), **धर्ज**म रेंज, नागपुर

ंदिनींक 18-11-1985 मोहर : प्रक्रम काई. टी. एन. एस. - - -

लाककर व्यक्तिनवज्ञ, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-घ (1) के अभीन सुक्तना

भारत स्रकाह

आर्यास्त्र , सहायक आयकर बाय्क्त (निशीक्क)

श्रंजैन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनाँक 18 नवम्बर 1985

निर्देश मं० ग्राईएमी/एकवी/34/23/85~86—श्रतः मुझे, एम० मी० जोशी

अगरकर किंचियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल अं अधीन अक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सध्यनि, जिसका उचित आजार मृष्य 1,00-000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० खेत सर्वे तं० 9/0 है जो 1.74 हैक्टर है जो एरंडवाटी ता० वन्ड जिसा समरावती में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्मूची से श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री हर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमरावती (डाकुमेंट सं० 1076) में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनौंक 3-5-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उभित बाजार मृल्य से कम के **रश्यमान** शितकार के लिए अन्तरित की ग**र्इ है और मुक्ते यह** विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेशत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है ।

- (क) अत्यारण में हुव किसी नाम की बाबल, उक्ल अधितिसम जी अधीम कर दोने में अन्तरफ के धामिल्य में किसी करने या जबसे स्थाने में सुविधा क जिन्ह; सार/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकार नहीं किया पर का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निष्ट:

कतः अब, उक्त श्रीधनियम की धारा 269-ग के बन्सरण माँ, मौ, उत्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के नशीन कि कि कि व्यक्तियाँ, अर्थात् :---3---436 GI/85

- मृतम्बद्धयुक्त मृत्मद ताबिर सेंदूरजना गाउ वरुड जिला अमरावती । (अन्तरक)
- श्रीमति णांतीराती कमीरालाल तनेजा मकात नं ० 250 गीता कालोनो, न्यु दिवलो ३४ ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सल्पत्ति के अर्बन के ट्रिप् कार्रवाहियां करता हुएं

धन्त सम्पत्ति के अर्घन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, खों भें अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकः व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किमी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास तिसित में क्रिए आ सकेंगे।

स्वच्छीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका यस हाँ।

मन्स्ची

खेत 1.74 हैक्टर सर्वे नं० 9/0 मौजा एरंडवाडी ता० वरूड, जिला श्रमरावती में स्थित है।

एम० नी० जोशी, सक्षम **प्रा**धिका**रो,** सहायक श्रागकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, नागपुर

दिनाँक: 18-11-1985

प्रकृष बाहु ेटी पुन ु एस . ---

आयकर विभिन्तियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिश)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 19 दिसम्बर 1985

निर्देण सं० 37 ईई/792/85-86—-ग्रनः मुझे, ग्रनिल कमार

श्रीवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे से अधिक है

श्रीर जिसकी सख्या तर्वे न० 187/1 पी० नं० 1 से० 5 श्रीर 7 से 23 अकोल गाँव ना० बसई जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय महायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण श्रजन रेंज में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक जून 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का उचित गाजार मूल्य, उपके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के शिच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत छद्दिय से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से किया गया है हिन्न

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वर्शयत्व में कमी करने या जसने बचने में सुविधा के किए; और/या
- (ग) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करो, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अल, उक्ट अधिनियम की भारा 269-ग के अम्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की अपधारा (1) के अधीन निकासिक्यन व्यक्तियों, अधीत् हि— संजय विनायक पाठक 2 लक्ष्मी कुंज, मंत्री रोड मुल्लाड (डवल्यू) बम्बई ।

(भ्रस्तंस्क)

2. जयश्री कोश्रापरेटिव होसिंग सोसायटी लि० श्रकोले गाँव नल्लामोपारा ता० वसई जिला थाना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्विध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति से हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम तिस्ति में किए जा सके गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छे कि अध्याय 20-क में परिभाषित के होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता कः 37 ईई | 792 | 85-86 जो जान-बारी 85 को सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त निरीक्षण ध्रजैन रेंज पूना के दफतर में लिखा गया है।

> स्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायक्षत (निरीक्षण), स्रजन रेज, पूना

दिनौंक : 19-12-1985

मोहरः

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकर (निरक्षिक) ग्रर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांक 19 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/2195/85-86--श्रतः मुझे, श्रनिल क्मार,

आयदार अधितियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसम

और जिसकी सं० प्लाट नं०वी/2/1 दूसरा मंजला, रास्तापेठ त्रिमूर्ती प्रपार्टमेंट पूना 11 है तथा जो पूना में स्थित है. (और इससे उपाबद्ध ग्रमुसूनी में और पूर्ण रूप में वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय में सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रपार्टमेंट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक सितम्बर, 85

का पृथींकत सम्पत्ति के उजिस नाजार मृत्य से कम के कामान शितफा के लिए अन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विकास करने का जरूरण है कि यथा पूर्वोंकत संपत्ति का उजिल बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तृह प्रतिशत से बाधिक है बीच अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती' (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिति उद्शवेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्यादक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर किंधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तित्यों, अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तित्यों, अधीन,

- 1. मैं मसं जीमूर्ति विल्डर्स एंड प्रमोटर्स 590, रास्तापेठ, पूना-11। (श्रन्तरक)
- श्री पुरूषोत्तम जी० नेवासकर 476 रिववार पेठ, पूना−2।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्भात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उका संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हानी हा, के भीतर प्रविक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सपांत्त में ।हतद्श्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमं प्रयुक्त काब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत करु सं० 37ईई/21/95/85-86 जो सितम्बर 85 को सहायक आधारर भ्रायुक्त निरीक्षण भ्रजन रेंज-पूना के दफ्त में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार मजन प्राविकारी सहायक आयक्तः अयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

दिनांक: 19-12-85

THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED IN

प्ररूप गाइ. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकार शायकार (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पुना

पूना दिनांक 16 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० 37ईई/4617/85-86--- प्रतः मुझे, ग्रनिल इ.मार,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का भारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित भाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव ग्राफिस नंव 16 में 24, पहला मंजला महाबीर गापिंग मेंटर श्राग्ना रोड कल्याण सर्वे नंव 134 (पार्ट) सीव टीव एसव नंव 2276 (पार्ट) एन्ड 2278 (ए) क्षेत्रफल 2000 चौव फुट है तथा जो कल्याण में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध प्रमुस्ती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेज में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक सितम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वापान प्रतिफल के लिए बन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्रूप, उसके द्वायमान प्रतिफल से, ऐसे द्वायमान प्रतिफल का शृन्द्रह प्रतिकृत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) बौर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्त उद्देश्य से उच्त अन्तरण कि स्थित में बन्तरिक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुड़े किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के भेतरक के दायित्व में कमी करने या उसम बचने में स्विधा के तिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य असितयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अप्राजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया आना आहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

 मैसर्स भार० के० बिल्डर्स, 10 मूचक निवास मुखाद रोड कल्याण ।

(श्रन्तरक)

2. डा॰ राजन एस॰ वैद्य, श्रीरंग सोसायटी थाना (अङ्लयू), (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस मुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में में किए **वा सकों**गे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/4617/85-86 जो सितम्बर 85 को सहायक ग्रायकर ग्रायकत निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है 1

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण बँ, मँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धिन्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ॣि—

दिनांक: 16-12-1985

प्रस्प नार्हे. टी. एन. एस. - " 1. श्री एस० एस० पटवर्धन, 769/9 नारायना

बाधकर लांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

क्षायांतय, सहायक जायकर जायकर (निर्दाक्तक) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 16 दिसम्बर 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

और जितकी सं० सर्वे नं० 43/2बी/2/1 मौजे पर्वती पूना-9 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में सहायक आयकर आव्युत निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1985 को प्वेंचित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह यश्यास करा का फारण है कि यथापूनोंकत सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान अतिफल से एसे दश्यमान अतिफल के पन्द्र प्रसिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और कन्दरिती (बन्तरितियाँ) के नीच एसे बन्तरण के निए उस पाना गया प्रतिफल, निम्निविश्वत उद्योग से उन्तर अन्तरण निवत में वास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (वा) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनयन के अधीन कर दोने के जन्तरक के यिरण में कमी करने या उससे वजले में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपान में सावधा के तिए;

बत: अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

- 1. श्री एस॰ एस॰ पटवर्धन, 769/9 नारायना पूना । (मन्तरक)
- 2. शंकर गजानन शाकीम्नाम 405/9 नारायणपेट पुना-30 (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :---

- (क) इस भूचना के राज्यत्र में प्रकामन की तारांच छ 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पढ़ स्वना की तासीन से 30 दिन की अवधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्मित्त में हितस्दूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्वश्वीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त व्यक्षितियम के अध्याय 26-क में परिभाषिक हो, वहीं अप हारेश को उस अध्याय में विध-मदा हो।

STREET

जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता कि 37ईई/1327/85-86 जो जुलाई 85 को सहायक ग्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रनिल कुनार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 16-12-85

अक्य आहे. टी. एन. एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक नायकर नायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 19 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/4996/**85-8**6--म्रतः मुझे, **ध**निल कुमार,

अग्रमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे सिक पश्चीत् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को मह विश्वास करने का आरण है कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उत्तित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 390ए नारायण पेठ पूनः 30 क्षेत्रफल 700 चौ० फुट है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक श्रक्तुबर, 1985

को पर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया नवा है :---

- (क) वंतरक से हुई किसी बाय की वावत, उक्त श्रीध-पियस के अधीम कार दोने के बंतरक के वादित्य में कभी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; बार/या
- (स) एंग्री किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ जंतीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्हा जाना चाहिए था, डिपान में सुविधा के लिए:

कतः गव, उक्त ओधनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में. मैं, उक्त औधीनयम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैंसर्स शाह एन्ड एसोसिएटस 391 नारायण पेट पुना--30।

(भन्तरक)

2. ग्रर्शवंद कुमार सी० शाह 1554 (नया) शुक्रवार पेट पूना-2।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमें में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्स क्यूभ किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा जथाहरू ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसुधी

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क० 37ईई/4996/85-86 जो सक्तू-बर, 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> स्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

दिनांक 19-12-85 मोहर : प्रकम काई दी एन एक -----

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

लारत सरकार

शायलिय, सहायक आयकर बायुक्त (विरोक्तिक)

ग्रर्जन रेंज, पूना पूना दिनांक 9 दिसम्बर 19**8**5

निर्देश मं० 37ईइ/11)/85-86--- ग्रत: मुझे, ग्रनिल कुमार,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिबे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से बिधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 459ए, ए-3ए+3बी+4बी+10+बी+16एबी+24+25ए+26ए+बी+27 28
मुस्रदेकडी का पूना है तथा जो पूना में स्थित है, (और इससे
उपाधड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रीर हवेली पूना में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक
जुन 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकत के लिए बंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिकत से, एसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकार्ते) बौर बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त बन्तरण निम्नित वे बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मृत्यारण सं हुई किसी नाम की नामस, रुक्य बीधनिश्रम के संधीन कार दोने के सत्यारक की दायिएस में केनी करने या उसके समने में दुविका से निष्; नीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय का किसी का का काय जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारं प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काना कानिए था, कियानों में जुनिया के लिए,

अतः सन, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण हो, जा, उक्त सभिनिधम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैसमैं मुथा अपार्टमेंट 71 नई दिसम्बर मार्केट, पूना ा। (अन्तरक)
- 2. वेस्ट व्हीयू कोश्रापरेटिव होसिंग सोसायटी लि॰ 459-ए, मुलटेकडी, सालिसबरी पार्क पूना ।

(अन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के नर्बन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी शविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीक्त स्पित्यों में से किसी स्पिकत द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गम्न लिकिव यें किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा यो उस अध्याम में दिया गया हैं।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/113/85---86--जो जून 85 को सब रजिस्ट्रार हवेली के दण्तर में दाखल किया गया है।

> श्रतिल कूमार नक्षम प्राधिकारी सङ्ग्रिक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुना

विनांक 9-12-1985 मोहर: प्ररूप आई .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आधक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 37 जी/172/85-86-श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रुट. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव क्लाट नंव 15 वेलभाउन्ट कांग्रापरेटिब हाउभिम सांसायटी निव महाबकेश्वर जिला सालाय है तथा जो मातारा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण ध्य से विणत है), रिअस्ट्रीयानी अधियारी के यार्यालय सब स्थित्द्राय बस्बई में रिजस्ट्रीयारण अधिनियम, 1908 (1908 मा 16) के स्थीन दिनांक अगस्त, 1985

का पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिलित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,

- श्री टेरी वझ, उपा िरण, ारीमचल रोड बम्बई (अन्तरक)
- विलाल अब्दुल रहमान 4था मंजिला 956 वृलाभाई देसाई रोड, बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को शर्जन को सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीम से .15 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मचना की लामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवन व्यविनयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तागल में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गरपत्ति में हितबद्ध किणी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहत्त्यक्षी के पास्क्र निमित्त में किए जा मकींगे।

स्पष्टिकरणः --- हममें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

जैसा कि रिजिस्ट्री**ग्र**न क० 37जी/172/85~86 जो अगस्त 85, को सब रिजिस्ट्रार बम्बई के दफ्तर में दाखल किया गया है।

> हातित कुमाण सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्चर्जन रोंज, पूना

दिनांक 9-12-85 मोहर : प्ररूप नाहै, टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रोज, पूना

पूना दिनांक 5 दिसम्बर 1986

निर्देश सं० 37ईई/798/85-86---श्रतः मुझे धनिल कुमार

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकाएी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्शि, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० प्रकाट नं० 7 प्लाट नं० 50 सर्वे नं० 88/4-138/±161 को थरूड पूर्ण है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध प्रमुक्ती) में ग्रौर पूर्ण क्पसे विणित है), रिक्ट्रिशनीं प्रिष्ठिकारीं के कार्यालय सहाय अव र श्रयुक्त निरीक्षण श्रर्जन रोज में, रिक्ट्रिशरण अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के भधीन दिनोक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकास के सिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एसे दर्यमान प्रतिकास के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निलिखित उद्देश्य से अक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 मेसर्स युगमा द्रमोटर्स अण्ड बिल्डमं 339 महात्मा फ्ले पोण पुना ।

(अन्तर्ह)

7. श्री व्ही० आर० वीसाल 140 भे के नगर, काथकंड पूना 2 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा उधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

जैसा कि रिनिस्ट्रीक्टन कर सं ०3 7ईई/778/85 -86 जो जुलाई 85 को सहायभ प्रायक्त प्रायक्त निरीक्षण धर्जन रोज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, पूना

दिनांक 5-12-1985

मांहर:

प्ररूप आई: टी. एन. एस.-----

श्रायकर किंशिनसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के स्थीन स्थान

MISS. WEAR

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋजेन रोज, पूना

पूना, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/3567/85-86--ग्रतः मुझे, भनिल कुमार,

ायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक्षे परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 69-ख के अधिन कक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का गरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य ,00,000/- रह से अधिक है

ब्रीर जिस्की सं० सी० एउ० नं० 67ए, सोमवारपेठ पूना-11 (क्षेत्रफल: 1547 ची० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (ब्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रीर पूर्ण क्यमे बर्णित है), रिजस्ट्री- कर्ता ब्रिश्चिरी के आयित्य सह्यक ब्रायक्त झायुक्त निरीक्षण धर्जन रोज में रिस्ट्रीय रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनां जून 1985

तो पूर्विक्त सम्पत्तिः को उचित बाजार मृत्य से कम के धरम्यान तिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास उरमे का कारण है

क यथापुर्वित सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान तिफल सं, एंसे द्रश्यमान प्रिक्त के पन्द्रह प्रतिशत सं किथक हैं और अंतर के (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के कि एमें अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य में उन्त अनारण लिभित में वास्तिक रूप से कथित हों विया गया हैं:——

- (क) अन्तरण में हुई िकसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दिण्यत्व मी कमी करने या उत्तस बचने मी सुविधा के लिए; और या
- (स) एसी. किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्णेश्वनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, लियाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्त कथिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीय, जिस्सीकित व्यक्तियों अर्थात :---- 1. श्री भगीरथीबाई काशीताथ मायन हर एन्ड ग्रन्य, 67-ए सोमबार पेट पूना 11 ।

(सन्तरक)

2. मैससं संचती श्रांस्थाल एन्ड कंपनी 321/3 महात्मा फुले पेठ पूना 2 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संबंधि के अरुजन के संबंध में कोई भी नाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के शजपत्र मो प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सकति मो हिंछ- बस्थ किसी व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय की दिया गया है।

नग्स्ची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कि० सं० 37ईई/3567/85-86 जो जून 85 को सहायक आयजार आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण भ्रजन रेंज, पूना

दिनांक 9~12-85 मोहर : प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

कावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269 म (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

भार्यालय, महायक बायकर बाय्क्त (निरीक्तक)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनां ३ 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 37ईई/33/51/85-86---স্পন:, मुझे, प्रनिल कमार

लायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरफ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर िसकी मं० प्ताट नं० 21, रामकाग कालांनी पवड रोड पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण ज्य से विणित है), रिवस्ट्रीकर्ती श्रिधि हारी के कार्यालय सहाय है अस्त हर प्रापुत्त विरीक्षण श्रार्जन रोज में रिजस्ट्री हरण श्रीविनयम, 1908 (1908 है) 16) के श्रिशीत दिनांक श्रवसूद्धर 1985

को प्रेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्य-मान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप के किथा नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण स हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त भीर्मानयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दिस्तियम में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/मा
- (थ) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ह भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना धाहिए था स्थिपाने में शृत्विधा वो लिए?

कतः अव, उक्त किंधिनयम की भारा 269-ए के अनुसरण ज, में अवत अधिनियम की भारा 209-म की उपधारा (1) के सर्धार, निम्मलिखित व्यक्तियों, अभित :---

- ा. बी० वी० दातार 348, मीनवारपेठ पूना । (श्रन्तरक)
- मेसर्स बी०वी० दानार एण्ड एमोसिएटस 348, णनिवार पेठ पूना-39

(ग्रन्तरिती)

को यह सुभना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध मा कीई भी बाह्येप :----

- (क) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की दाएखि है 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि , जा भी विकास में समाप्त होती हों, के भीतर पृत्रीक्त स्थितियाँ में से किसी व्यक्ति हुए।
- (श) इस सूचना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मी हिस्बुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास करने में किए जा सकीये।

स्वकाकरण :---इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, का उक्त अधिनियम के उभ्याय 20-क भा परिवाधिक है वहीं अर्थ हाला, जा उप अध्याय में दिया गया है ।

मन्स्थी

जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता कि 37ईई/3351/85-86 जो अक्तृबर 85 को सहायक आयक्षर आयुक्त तिरीक्षण अर्जन रोज, पूना के दक्तर में निखा गया है।

> घनित कुनार, यजनप्राधि हारी, सहायक आयम्र आयुक्त (पिरीक्षण) प्रजैन रोत, पूना

विनांक: 9-12-185

मोहरः

प्रकल् कार्यः, दर्वः, एतः, एकः,-------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्पीन बुक्ता

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक बायकार जागुक्त (निर्द्रीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांवः 2 दिसम्बर 1985

आमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 1131 सदाणियपेठ, पूना-30 है नथा जो पूना में स्थित है (श्रीर उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के वार्याक्य सहायक श्रायकर श्रायकर निरीक्षण, श्रजन रोंज में में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 1~9~85,

की पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एंसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

कतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के, जनसरण भ, में, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री श्रीकान्त विष्णु गोखले ग्रौर श्रन्थ
1131, सदाशिपेठ, पूना-30 (श्रन्तरक)
2. श्री पी० ग्रार० निगुडकर विष्णुप्रसाद कोपरेटिव हाउसिंग
सोसायटी 1131 सदाशिवपेठ, पूना-30

(श्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्थन के लिए कार्यवाद्वियां करता हूं।

उक्त सुम्बरित के वर्षत्र के सम्बन्ध में नी हैं भी भाकप :~-

- (क) इस सूचन । को राजपत्र को प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपीत्त में हिन्न बद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का नकींगी।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता कः 37ईई/2221/85-86 जो सितम्बर 1985 को सहायन आयनर आयुक्त निरीक्षण, धर्जन रेंड, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> स्रतिल कुमार, मक्षम प्राधिकारी महायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रोज, पूना

दिमांक: 2-1-1985

प्ररूप आहें. टी. एन. एता.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

ं निर्देश सं० 37ईकी/16664/85 ∕85 ─श्रतः मुझे, श्रनिल सार.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 11, दूसरा मंजला, गणेश श्रपार्टम में बिल्डिंग नं० 2 चित्तर जनदास पथ रामनगर डोम्बीवली (ई) जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाब में प्रत्यूची में ग्रीर पूर्ण एप से विणत हैं), रिजिस्ट्रीयर्जा श्रधिकारी के गायिल्य सहायः आय र श्रायुवन निरीक्षण श्रपार्टमेंटस में रिजिस्ट्रीवरण अधिनियमः 1908 (1908 वर्ण 16) के श्रयीन मई 1985

को पूर्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रक्रिकक्त निम्नितिषित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप सं किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से इन्ह्र किसी आय की बाबत, उक्त निवस के अभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसस अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ जन्मिरिसी इतारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, किनाने में सुविधा के लिए;

बत्त∃ क्षत्र, उक्त क्षीभिनियम की धारा 269-ग के अक्टुल्यूक में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसि[बद्ध स्थितवों, सभित् ह— मसर्स एस० के० बिल्डम 111/5 रोड नं० 2, स्कीम नं० 6, मल्लि नाथ भ्वन, मात्ंगा बम्बई ।

(भ्रन्तरह)

2 श्री दीन ार भास्तर सिवेड जान ज्योगि बिल्डिंग नं० 1, दूसरा मंजला रूस नं० 9, शिवमंदिर रोड, रामनगर डोम्बीवली (ई) ।

(भ्रन्तरिती)

को। यह बुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के कर्यान के जिल्ल कार्यवाहियां करता हो।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई. भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तरित के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के वाल सिक्षित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रमूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिक्त, के कथ्याय 20-क में परिभाषित हों, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याद में किया गया हो।

प्रनुसूची

नैसा कि रिजिस्ट्रीशृत कि 37 ईई/16664/84---85 जो मई 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण धर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज, पूना

दिनोकः 9-12-1985

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोज, पूना

पूना, दिनांक 9 दिसम्बर 19**85** निर्देश सं० 37ईई/206/85-86----ग्रनः मुझे, श्रनिल कूमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्याण करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी संब प्लाट नंव 102, सीव टीव्यस्व नव 568, 569 एंड 570 गमेशनेट पूना (क्षेत्रफल 574 चीव्यप्ट) है तथा जो पूना में ज्यित है (स्रीर इससे उपाबद स्नासूची में स्नीर पूर्ण रूप से दिणत है), रिक्ट्री जित स्विज्यारी के पार्यालय में सहाय अध्यक्तर स्नायुक्त निरीक्षण सर्जन रीज में, रिक्ट्री अप स्विनियम 1908 (1908 वर्ण 16) के स्रोधीन दिनांग जुन, 1985

का गूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कब के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ,, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितवां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण मिचित में बास्तविक रूप से अधिन नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरुण से हुई किसी बाव की बाबत, उन्तर विध-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दाबित्व में कमी कारने या उत्तरसे बचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य वास्तियों को, विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना थाहिए था, कियाने में सुविधा के विए;

बहः बद, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ने नधीन, निम्निविक्त व्यक्तियों, वर्धात् — मैससं ठार एन्ड ललवागी बिल्डमं 4321 णान्तीनगर हाउसिंग सोसायटी पूना 2 ।

(भन्तरह)

2 श्री अंताबेन लालवदजी श्रोस्वाल एन्ड श्रत्य 593, नया गणेशपेठ, पूना-2 !

(भ्रन्तरिती)

का यह सुचना जारो करके प्रतिबंद गम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षोप :---

- (क) इस सूचना के ग्रंपपत्र में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी भाजित द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराक से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति मा हिनलदूर किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधोहस्ताक्षरी के पाम निश्चित में किए जा सकांग।

करणः --- इससं प्रयुक्त सब्दों और एका का, को उश्वे अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहां अधं हंका को उस अध्याय मी दिया यया ही।

प्रनुस्ची

जैसा कि रिजिस्ट्री कर्ता कि॰ 37ईई/2 06/85-86 जो जूनके 85 को सहाय है आयश्रद मायुक्त निरीक्षण मर्जन रोज पूना के दक्तर में लिखा गया है ।

म्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायक्तर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रोंज, पूना

दिनांक 9-2-1985 मोहर: प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्तण)

श्रर्जन रोंज, पूना पूना, दिनांः 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/228/85-85-----श्रतः मुझे, **श्र**निल कुमार

नायकर मिर्भानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रह. सं अधिक है

श्रीर जिसकी यं ज्यात नं 15, तीमरा मं जा, गणेण पार्टमेंटस बिल्डिंग नं 2 चित्तरं जनदास पथ रामनगर डोम्बीवली जिला थाना है तथा जो डोम्बीवली में स्थित है, (श्रीर इसने उपाद अन्मूर्ची में श्रीर पूर्ण इप से बिणित है), रिल्ट्रीटर्ता श्रीमारी के वार्यालय में सहाय अगयार अध्वक्त निरीक्षण श्रावंत रेज ; रिलस्ट्रीटरश्च श्रिविनयम, 1908 (1908 का 16) श्रीमा विनांद जून, 1985

को पूर्वोक्त समाप्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के उश्यमान ेलए अन्तिरत की की गई है - प्रतिफल मभ्हे यह विश्वास करने क्त कारण कि यथा पूर्वांक्ट सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसं रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के रिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्दुदेश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित गहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसौ आय की बाबत, स्वक्त बिधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी लाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा भनकर अधिनियम, धा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए:

अतः अतः अतः, उक्त अधिनियमं की धारा≁269-गं के बनुसरणं मी, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1). के अभीतः निमन्तिसित ध्वक्तियों, अधीत् ;---- मैसर्ज एस० के० बिल्डर्स 111/5 रोड न० 2 स्कीम नं०
 माल्ली नाथ भधन, मात्गा अम्बई।

(भ्रन्तरक)

 भवन्ती श्रनील देणपांडे काशीनाथ निवास भाग्यशाला मैदान डोम्बीयली (डब्लू) ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्बक्त के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां जुरू करता हुं ।

उक्त सम्मत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सं संभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति सो औ अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति सुधारा;
- (च) इसे सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर जयत स्थानर संपत्ति में हितदब्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के प्राम लिंग्सित में किए जा सकतें।

रष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियस, के अध्याय 20-के का परिभाषित हा, वहीं अर्थ हसेगा जो उस अध्याय से दिया गया है।

धमस्यी

जैसा कि रिजिस्ट्रीयार्ग कि 37ईई/228/85-86 जो जून 85 को सङ्घायक श्रायकर श्रायक्त निरीक्षण शर्जेंट रोंज पूना के दफ्सर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार. सक्षम प्राधिकारी सहायक द्वायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) द्वर्जन रेंज, पुना

दिनांक 9-12-19,85

प्रकृत कार्याः टीं धृष्_{रि} ए**त**्न ५ ५०००

भागभर म्पिनियम, 1961 (1951 का 43) की भारा 269-म (1) के व्यक्षित स्थान

बाउव ब्युक्त

कार्यातय, बहायक जायकर बाब्यक (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/7578/85-86--ध्रतः मृझे, ध्रनिल कुमार,

अल्बंबर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनगम' कहा गया हैं), की धन्त 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अर्थन हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संब श्राफिस नंव 115 से 120, शिव सेंटर पहला मंजिला प्लाट नंव 72, सेक्टर 17, बसई नई बम्बई (क्षेत्रफल 4300 चौव फुट) है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है). रिजस्ट्री-कर्ता मधिकारी के बार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण भाजन रेंज में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रक्ट्बर 1986

को श्वॉक्त सम्मित के उत्थित बाजार मृस्य से कम के द्रायमाम अंतफल के लिए अन्तरित को गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्मित का उत्थित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल के पंद्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए क्य बाका गया प्रतिफल निम्निसिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि कि में बास्यिक कम ने किया नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तारम से हुई किसी नाम की सामत, समस शासिनयम के नामीन फार दोने के अन्तरक के में कमी करने या उससे बचने में भूषिणा से लिए; सौर/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन ना जन्य नास्तियों का जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) वा उनक निष्यिस्स, वा धन-कर्ड निष्यिस, 1957 (1957 का 27) ने प्रशोजनार्थ नन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया नया था या किया नाम नाहिए था, स्थिन में सुनिधा ने सिर्ण:

गत अब उब्द अधिनियम की भाग 269-भ की अनुसरण मं, सें, उक्त मधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन मिन्न निवित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

- श्री राज चावला, ग्रीर श्रन्य होटल नई बम्बई प्रा०िल । (श्रन्तरक्र)
- श्री ग्रार० एस० भाटंबःनी 312, रहेजा सेंटर, नरीमन पाइंट बम्बई ।

(भ्रन्तरिती)

को यह त्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के हिनए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की हारीब सं 45 दिन की बबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी शांकित दवारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में श्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी कन्य व्यक्ति इवारा सभोहस्ताकारी के पास निस्ति में किए जा सकतो।

स्मक्टोक रण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उससे किया 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विया गया है।

अनुस्ची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कि 37ईई/7578/85 86 जो अक्टूबर 85 की महायक आयक्त आयक्त निरीक्षण अर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकार ब्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज, पुना

दिनांक 4-12-1985

मोहरः

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पुना

पूना, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 3.7ईई/4.035/85∵86--अनः मुझे, श्रनिल स्थाप

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन रक्षिम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति, जिपका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव बंगला नंव 15 श्री-यण कोश्रापरेटिय हाउसिंग सोसारटी किव हजूर दर्गा रोड याना (क्षेत्र फल : 850 चाँव फुट) है तथा जो थाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभू ची में श्रीर पूर्ण कप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के सार्यालय सहायक श्रीवकार श्रीयकृत निरीक्षण श्रजन रेंज में रिजिस्ट्रीकरण, श्रीधनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रीवीन दिनांक अर्प्रेल,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतिय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारार (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 5-436 GI/85

- श्री भारत रत्नाः र गायकवात्र दिमतीकर रोड, भायखला बम्बई ; (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती गीता बापूमाहेब यादव श्रेयण को-श्रापरेटिव हाउसिंग मोमायटी लि० हज्री दर्गा रोड प्लाट नं० 15 थाता ; (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ξ^2 ; नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्री**श्व**न क०37ईई/4035/85-86 जो स्रप्रैल, 85 को महायदा लाग एए श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रोज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनित कुमार गक्षम प्रोधिकारी, सहायक्ष श्राय क्षायुक्त (निरीक्षण,) श्रर्जन रोज, पूना

दिनांद'। 4-12-1985 मोहर:

प्रकार कार्च , यो , स्थ , एव , ****

सामकार गणिनेसन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

आयालयः, तद्वाबक्त बायकर वायुक्त (निर्देशिक)

भ्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 4 दिनास्वर 1986

निर्देश सं० 37ईई/1009/85-86---श्रनः मुझे, श्रनिल कुमार,

बानकर सीधीनसम, 1961 (1961 का 43) (बिले इसमें इसके परेवात 'उक्त अधिनयभ' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राष्टि री को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या तं० 3 छटा मंजिला जानीमल टावर स्लाट तं० 42 सेक्टर तं० 17 डीबीसी वसई नई बम्बई (क्षेत्रफल: 840 ची० फुट) है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). र्जिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 ा 16) के अधीन दिनौंक जून, 1985
को पूर्वोक्त सम्परित के जिल्ल बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
असिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम
पाया गया प्रतिफल, निम्नौलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जा की शायत, उक्त जिसीनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के बिए; जीड/ण
- (क) एसी किसी नाय ना किसी भन या शन्य वास्तियों करे, जिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धार अधिनियम, 1957 रा 57 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भीक्षा के लिए;

अत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुमरण मीं, मीं, अक्त अधिनियम की धार 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिक्त व्यक्तियों, अर्थात :--- नई बंम्बई बिल्डमं कियस्ट चेम्बर्स, टर्मारद लेन, फोर्ट बम्बई ।

(भ्रन्तरक)

 श्री रोशन जै० शिखदागानी 74 बसंन काफी पारेड, कोलाबा बम्बई ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त विकाशों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इंग सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्रभ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास रिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण: इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया वहा है।

ग्रनुसुची

जैसा कि रिजिन्द्रीकृत कर 37ईई/1009/85-86 जो जून 85 को महास्रक्ष ध्रायकर ध्रायुक्त तिरीक्षण धर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (तिराक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनौक 4-12-85

प्रकार नार्चे . टी . एन . एत . ------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

बारत तरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/4641/85---86----ग्रनः मुझे, ग्रनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्यास करने का नारण है कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० सी 6 तीसरा मंजिला विल्डिंग नं० "सी" 258 णुक्रवारोठ पूना 2 (क्षेत्रफल: 900 चां० फुट) है नथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रोक्ता श्रिधिकारी के कार्यालय सहायक सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रेजपूना भेरजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्रवसान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित काजार मृत्य, उदावे दरवमान प्रतिकल से, ऐसे क्यानान प्रतिकल का वन्त्रह प्रतिकत से बाधक है और वंतरक (संकरकों) और वंतर किता (अंकरितेक्य) के बीध हों बंतरण में किए का नामा गमा प्रक्रिका, निक्तिपित्र क्याने वंतरण संकर्ण में किए का नामा गमा प्रक्रिका, निक्तिपित्र क्याने के विश्व हों किया गमा है :---

- (क) अंतरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधि-निवन के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित में कभी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एती किसी नाम ना किसी भन ना बन्म नास्तियों को जिन्हों भारतीय नावकर नीमनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त नीमनियम या भनकर नीमनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंकियों क्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जिना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के सिए;

ंब्रसः अच, उक्त निधिनियन की भारा 269-ग के अनुसक्त में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधाक (१) इं बचीत, निम्मीनिक व्यक्तियों, वक्त क्रिक्ट क्रिक्ट 1. मैं मं उत्कर्ष इंटरप्राईसेस 321/9 महात्मा फुले पेठ गाँतीनगर पूना-2 ।

(भ्रन्तरक)

 श्री खेमधन्द देवीचंद ग्रोस्वाल 1664 शुक्रवारपेठ पूना-2।

(प्रंतरिती)

का यह स्वाना नारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायस से 45 दिन की अविध या उत्सम्बन्धी स्पेक्तियों पर सूत्रका की तानील से 30 दिन की वर्वाध, जो भी अविध सह वें सम्बन्ध होने हो, के भीतर पूर्वेक्ति स्पेक्तियों में से किसी स्वीन्त द्वासः;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींच से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्तिस क्यांत्र अधिक क्यांत्र स्थावर अधिक क्यांत्र सिंगित में किए का सकेंगे।

स्यच्छीकरणः---इसमं प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्वाय 20 के जो परिभाषित है, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वर्ग्य

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत ऋ० 3 7ईई / 4641/85-86 जो सितम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार गक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुना

दिनाँक : 3-12-1985

प्रकम नाहर् . टी. एन. एस .------

आयकार मधिनियमः 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के संधीन मुखना

nize egeng

ार्थानय, सञ्चयक जावकर जानुक्त (पिरक्षिण) ग्रर्जन रेंज पूना

पूना, दिनाँक 5 दिसम्बर 1985

निर्वेश सं० 3 7ईई/687/85-86--प्रतः मुझे, अनिल कुमार,

शंशकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसमें स्वकं परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने क जारण हैं कि स्थावर संपत्ति, किसका स्थित बाबार मून्य 100,000/~ रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या जमीन सी० एस० नं० 1195/2 सी भाम्बू-रडा शिवाजीनगर पूना-5 है तथा जो पूना में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णिम है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्राजन रेंज पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 क 16) के श्रिधीन दिनाँक जून, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान ितकल के लिए अन्तरित का गई है और मसे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, असके स्वयमान प्रतिकत्त से, एसे स्वयमान प्रतिकस का पन्द्रह् शिवकत से कीयक है और अन्तरक (अन्तरका) और जंदरिती (क्लारितवी) के बीच एसे अन्तरक के सिए तब वादा वना प्रतिक्त क्ला गिम्मिनिक्त उद्विक्त से उक्त अन्तरक किस्ति के अन्तरिक्त क्रम से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अल्यहल् वंशूचं किसी मान्य की बाव्य, उपध श्रीविष्ट्रम् के स्पील् कर दोने के अन्यरक के व्यक्तिय में कनी करने वा उसके वचने में सुविधः के निष्ट; बीट्र/वा
- (व) (ति किती शाय या किती भन या अन्य आहिताओं का, जिन्हां भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूभ-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासभार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अर्थ: अब उस्त अधिनियम की भार 269-म की बनुसरम त , भं, उसस अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन , निम्नीलिखित व्यक्तियों , अर्थात :----

- श्री यशवन्त लक्ष्मण थट्टे स्वागत 70 ग्ररूणेश्वर, पूना (ग्रन्तरक)
- मैंसर्स एस० एस० कन्द्रक्शन्स 70 वास्वेकर नगर, श्ररूणुश्वेरपूना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य**ाहियां करता ह**ै।

बच्च सन्तरित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की नविध वा बरक्नपथी व्यक्तिकों पृथ पूचना की वानीय वे 30 दिन की मृतिथ, को भी विधि वाद में बनाप्त होती हो, के भीतर प्रविद्य व्यक्तियों में से किसी स्पिश्त ब्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में द्वितवस्थ किसी बन्न अक्ति स्नारा अभोहस्ताकरी के पास जिल्ला में किए जा सकोंने।

रनक्कीकरण:—हमसे प्रमुख्य कर्जी सीड एसी एस, हो स्वय कीशनिष्य, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्थ होगा को उस मध्याय में दिवा नवा है।

ग्रनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता क० 37ईई/687/85—86 जो जून, 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर सें सिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनौंक: 5-12-85

प्ररूप बाइं. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

पूना, दिनौंक 4 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/4456/85-86--श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदस अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से जीधक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट सारस्वती श्रार्टमेंटस में 1170/9 शिकाजी नगर पूना क्षेत्रफल: 686 चौ० फुट है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी के कार्यालय महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौक नवम्बर, 1985

की प्येषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के क्रममान प्रितेश्वल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकृत से एसे द्रश्यमान प्रतिकृत का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पाया गवा प्रविक्रत निम्निसितित उद्वेषय से उक्त सन्तरण ट्रिकेटिंस में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियंत्र के अभीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे अपने में सूबिभा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्च जास्तिकों की जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के सिए;

जतः अस, उनत जीधिनियम की धारा 269-ग के सभुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के संधीन,, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् हे— भी शाम दामोदर श्रपेट 1170/9 शिवाजीनगर पूना-5।

(अन्तरक)

 श्री लता ध्रशोक खिवसारा 15-बी फुले कालोनी, धुलिया।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वशाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की जबिध, वो भी जबिध बाद में समाप्त होता हो, ने भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति को में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभेहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

-

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क 37ईई/4456/85-86 जो नवस्वर 85 को सहायक आयकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर सें लिखा गया है।

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, पूमा

विनौंक 4-12-1985

प्रकृष बार्ष . द्यो . एष . एक . --------

भायकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सूचना

नारत सरकार

कार्यासया, सहायक जायकर जान्यत (निर्दाक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनौक 31 दिसम्बर 1985 निर्वेश सं० 37जी/1031/84-85-- अतः मुझे, अनिस्न कुमार,

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं ० सर्वे नं ० 15 एँड 16 गट नं 11 अन्ड 12 टकटोले गाँव जालधंर जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है (भौर इससे उपाधद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब—रिजस्ट्रार पालघर में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनौंक मर्थ 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गष्ट है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपास्त का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाम गणा प्रतिफल, निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गणा है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का , जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया शवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने जें स्विधा से लिए;

बत: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीन, —— श्री गोविन्द शंकर केक्कर दामलेवाडी बीर सावरकर पथ, जिला थामें ।

(भ्रन्तरक)

2. चेरमेन, श्री पाँचाल समाज मध्यवर्ती मंडल, 64 गावठण लेन नं० 1, अंधेरी (डब्लू), बम्बई ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधीप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी क्ष से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वारा;
 - (क) इस सुकान के राज्यन में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्व तिश्वित में किए जा सकेंगे।

स्थ्यतीकरण ः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त बीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित दी. वद्यी अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया

नन्त्रा

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कि 37 जी/1031/84-85 जो मई 85 को सब रिजस्ट्रार पालचर के ब्राफिस में दाखिल किया गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 13-12-1985

प्ररूप नाइं.टी. इन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांशय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना

पूना दिनौंक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 37\$ई/4040/85-86—श्रतः मुझे, भनिल कुमार,

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या सर्वे नं 86/13/20/1/12/2 कोषारुड पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौरइ ससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में ग्रोर पूर्ण रूप में विज्ञत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्याख्य सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजंन रेंज में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीम दिनौक नवम्बर, 1985

को पूर्वेकिश सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विकास करने का कारण है कि अभाप्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब शवा गया प्रतिकत निम्निवित्त उद्वेष से उच्न करन्तुण मिवित में वास्तिक कम से कांचित नहीं किया गया हैंद्रेप्प

- (क) अन्तरण से हुर्च किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के जभीन कर दोने के अंतरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वॉर/या
- (क) एसी किसी जाम या किसी धन या जन्म जास्तिकों फरो, जिन्हों भारतीय आयकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के सिय;

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में. स्थलत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर: निम्नीलिखिन व्यक्तिस्ति, अधीत :--- उषा पी मालागे 2. प्रोफेसर्स न्वार्टर्स, पूण युनि-वरिनिटी काम्पन गणेश खिंड रोड, पूना।

(ग्रन्तरक)

2. मेमर्स कुलकर्णी एन्ड कुलकर्णी 2153 सदाशिवपेठ विजयनगर कालानी पुना- 30।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्यत तम्पत्ति के वर्षन के संबंध वें कोई भी बाक्येप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्पित्तमाँ पर सूचना की तानीस से 30 विन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियाँ में से किसी स्पिक्त व्यक्ति इंगारा;
- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की सारीय सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हिसबब्ध किसी बन्न विक्त ब्वारा अधोहस्त्याकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वश्चिकरण: --- इसमें प्रयुक्त वाक्यों और पदों का, को उन्सं अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया हैं।

अनुस्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/4040/85-86 जो नवम्बर 85 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधि कारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनौंक 12-12-1985 मोहर∶ त्ररूप बार्च .टी . एन . एस . ------

बायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक मामकर मायुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जन रोंज, पूना पूना,दिनौंक 12 विसम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/J580/85-86--ग्रतः मुझे, ग्रनिल कुमार,

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत मिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-भ के मधीन सक्तम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारल हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाकार मृस्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

श्रीर जसकी सब प्लाट नं 303, तीसरा मंजिला सर्वे नं 102ए णिवाजीनगर पूना 5 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्राधिकारों के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनौंक श्रक्ट्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उथित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिप्यल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित आजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिप्रल से,

एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के शीच एते अंत-दण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलीबत उद्वोच्य से अक्त अंतरण लिखित में धास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मा कमी करने या उससे बचन भा सृविधा के लिए; ब्रॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भग्या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर एभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया से, से, या किए। जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुशरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 भवसार बिल्डर्स, 25 शिवकुपा लाला देवीदयाल रोड, मृलंद बम्बई ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री अर्णाक शिवाजी भातेपुत, विद्यापीठ रोड, शिवाजी-नगर, पूना 16 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए ।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :~

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्याख्यीकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्दों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/3580/85-86 जो म्रस्टूबर 85 को सहायक स्रायकर स्रायक्त निरीक्षण, स्रर्जन रेंज पूना के वपनर में लिखा गया है।

श्रीतल **कुमार,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्राय_ार श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

दिनौंक 1-12-85 मोहरः ryzza retamba Podaznakowania ka

प्रकथ बाह्री, टी, एन. एस., *******

आवकर अभिनियस,, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-क (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्याक्षयः, सहायक वायकर वायुक्त (रिनर्राक्षण)

म्रर्जन रॅंज, पूना

पूना, दिनौंक 12 दिसम्बर 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा भवा हैं), की धारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थानर स्म्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिपकी सं० प्रलाट नं० 22 श्रीर 23, हिस्सा नं० 29 सर्वे नं० 26 कोथरूड पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर उपपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक नवस्वर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए बम्तिरत की नई है और बृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सभा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके स्थयमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और बंतरिकी (बंतरितियाँ) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित अस्वरेप से उक्त अन्तरण निविद्यत में वास्तिबक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई रैक्करी जाय की बाबत, उक्त अधिविध्य के अधीन कार बोने के अंतरक के शांतिक को नामी बाजने या उससे क्रकों में अधीनका व निवाह और/था
 - (श) एकी किनी बान या किनी धन या बन्ध शास्त्रिश कार, धिन्स भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन कोर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किया

अत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-च के, अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की छपधारा (1) के अधीय.निम्नसिकित व्यक्तिवाँ, क्याँत ः— 6—436 GI/85 श्री णिख अञ्चल करीम सुलेमान श्रौर श्रन्य 144 बुधवारपेठ कराड ।

(भ्रन्तरक)

 श्री पुरेण दिगम्बर चोदेकर श्री कृपा, 167, डहाणु-कर कालोनी कोथरूड पुना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

बक्कर बुज्यस्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप क्रान्त

- (क) इस स्वना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की जनिभ या तत्स्वस्वन्धी स्थितियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की स्वीध, को भी स्वीध बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्स स्यक्तियों में से दिक्सी स्थित हवाए;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीय से 45 विन को भीतुर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित्बबंध किसी करन स्पन्ति द्वारा न्योहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

भ्रन्सुची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत ऋ० 37 ईई/4361/85—86 जो नवम्बर 85 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, पूना दक्तर में सिखा गया है।

> श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनाँक 12-12-1985 मोहर ध प्ररूप कार्ड, सी. एन. एक.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आध्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निवे सं० 37-ईई०/2602/85-86--अतः मुझै, अमिल कुमार,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सिटी सर्वे नं० 67—बी०, सोमवार पेठ, पूना (क्षेत्रफल: 1522 ची० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद्ध अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीफर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तरीख सितम्बर 1985

को प्रंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफक्ष के सिए उन्तरित की गई हैं और मूझे यह विवसास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल का पंचह भौतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय वाया गव। प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण कि सिंह से बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उनत नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/था
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृविधा औं शिष्ट्रः

अक्ष: जब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, भें, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री पी० एस० मयन गण एन्ड अन्य, श्रीलंड बिल्डिंग श्रामा मोहल्ला. ाहबाद।

(अन्तरक)

2. मेसर्स संचेती श्रोसवाल एण्ड कम्पनी 2321/3, महात्मा फुले पेठ, पूना-21

(अन्तरिती)

क्रें यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति को वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आऔप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पाल सिसिस में किए जा सकेंगे।

स्वक्यकिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो जन्म अधिनियम, के अध्याय 20-क गें परिभाषिण हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्यी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-विवे/2602/85-86 जो सितम्बर 85 को महायक आयकर आयुक्त मिरीक्षण, अर्जन रोंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अिंग्ल कपूर सक्षम प्राधियारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख: 13-12-1985

प्रकथ आई.टी.एन.एस.-----

भायकर गीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

HIST STATE

बद्यविय, बह्मयक मानकर मायुक्त (नियीकाग)

अर्जन रेंज, पूमा

पूजा, दिलोंक 13 विजामार 1985

िर्देश मं० 37-ईई०/4470/85-86--अतः मुझे, अनिल

कुमार, नावकर वरिंगिन्न, 1961 (1961 का 43) (विस्ते इस्ते इस्ते पश्चात् 'उन्ते निर्मिनम' ब्रह्म गना हो, की पाछ 269-स के नपीन सक्तन प्रापिकारी को नह रिप्यनक करने का कारण हो कि स्थापर सम्मतिष्ठ, विस्तेश जीवत नावार जुन्स 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० नवघर गांव, ता० वसई, जि० थामा, सर्वे नं० 31, 34, 35, 36 ग्रींग 37 अन्य 55-सी०, फ्लैंट नं० 168, 109 एण्ड 170 इण्डिस्ट्रिक्स यून्टि नं० 1 से 12, ए० वक्ष, महालक्ष्मी इण्डिस्ट्रिक्स स्टेट है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रींग इसरी उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त िरीक्षण, अर्जम रेज में रिजिट्रीकरण अधिमियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1985

को पूर्वोच्या सम्मरित के बौज़त बाबार यून वे कन के क्लानान बीतकन के निए बंसीरित को गई है और मुक्ते वह निश्वान करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य बनके काक्षणान प्रतिकास वे, एखे कामनान प्रतिकास का मनक बीतकत वे निथक है बौज़ बन्तरक (बंतरकों) थीड़ बंबरिती (बन्तरितियों) के बीज दुवे कम्बुड़न के जिए तम् बाबा नवा प्रतिकास के पास के किया विकास के जन्तरण लिखित में अपूर्विक के पास किया नहीं किया नवा है क्लान

- (क) अन्तरण संहुई किती आय की बाबत, उक्त अधिनियत के अधीन धर दोने के बन्तरुक धी वादित्व में नेनी करने वा उत्तते तकने में सुविधा के लिए, बार्ट/बा
- (क) एसी किसी नाम रा किसी उन या जन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकार निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-फर निधिन्यम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किसा थया का या किया जाना चाहिए था, किपार में सुविधा के निष्

क्षतः क्षतः, उपत अधिनियम का धारा 269-ग कै अनुक्रूण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— मेसर्स महावीर एसोसियेट्स लाल गोडाउन, वसई रोड, जिला थाना।

(अन्तरक)

 केमिकल मोहिंडग मैन्यूफैक्चरिंग प्रा० लि०, शाहापुर बाग, एम० वासनजी रोड़, मरोल, श्रंधेरी (६०), बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परिश के अर्जन के लिए अर्जविष्ठिमां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रबस्थ किसी सन्य स्थिति ब्वास अभोहस्ताक्षरी के पास सिकास में किए का सकतें है।

न्यक्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों बौत पदों का, को उनक विभिन्नमा, के सभ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं गर्भ होगा को उस स्थ्याय में विया गया है।

अन्स्ची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कि० 37-ईई०/4470/85-86 जो सितम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त मिरीक्षण, अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख: 12-12-1985

प्रारूप आई.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

मिदेश सं० 37-ईई०/भ्रो० टी०-3623/85-86-अत: मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 1265 सदािशव पेट, पूना-30 (क्षेत्रफल 1130 चौं० फु०) है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक अधिकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख अस्तूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी अग्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मेसर्स जोगी प्रमोटर्स 1217, सदाणिवपेठ, पूना। (अन्तरक)
- श्रीमती प्रमिला अविनाण गंभीर, 290, कसबा पेठ, पूना—11।

(अन्तरिती)

को सृष्ट सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से सूचन से जिल्ल कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्परित के अर्थन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37-ईई/ग्रों० टी०-3623/ 85-86 जो अक्तूबर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख: 11-12-1985

प्रकृष मार्च*ु द*्री_क पुरा_य हुन्नु_{क्रमानस}्य

भायकर निपितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) ने मधीन क्ला

HIST TENE

कार्यातम, सहायक जायकह बायुक्त (निश्रायक)

अर्जन रेंज, पूला

पूना, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 37-ईई०/4862/85-86---अत: मुझे, अनिल कुमार,

भागवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा नवा हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विषयक्ष करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मसि, जिसका उच्चित बाजार जून्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

स्रीय जियकी सं ० णाप नं ० 52 + 53 विल्डिंग नं ० बी०-2 स्कीम अन्डर कल्स्ट्रनगा सर्वे नं ० 125-1-ए०-बी०, को कोथस्ड, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (प्रौर इससे उपावड अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्री-कर्ना अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, विरीक्षण, अज्ञत ज, में रिजिस्ट्री-करण अधिशियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अक्तूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्ययान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तक पावा नवा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किंगत नहीं किंवा नवा है

- (क) मलाइण ने हुई किसी बाब की बाबत, उस्त महिषायम के नधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बंबर्ज में जुनिशा के सिए; मीट्र/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अस्थ आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या सिष्य जाना जाहिए था, किया में सुविधा से सिष्।

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरभ भों, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की तपधारा (1) के अधीन, निस्तिविक्ति व्यक्तिस्तुं, अर्थात् हुन्स-

- श्री डी० व्ही० मेंहदेव, 836, खदाशिवपेठ, पूना--30। (अन्तरक)
- श्री प्रकाण वासुदेव डांगी, 13, ताडीवाला रोड़, प्रता–1।

(अन्तरिती)

को यह सुकना जारी कारके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्बक्ति के वर्जन के सबंध में कार्ड भी कार्योग ----

- (क) इस स्थान के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर स्वान की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी कविध बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतित स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी कें पाम निश्चित में किए जा सकोंगे:

स्पन्धिकरण: - इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कर 37-ईई०/1862/85-86 जो अक्तूबर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रोज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अतिल कुमार ग्रक्षम प्राधि घारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना

नारीख: 12-12-1985

with the the year war.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

श्रारस् वरक्ता

कार्यासय, नहायक बायकर बावूक्त (विश्लेक्स)

अर्जन रेंज--, पूना

पूना, दिनांक 12 दिसम्बर 1985 निदेश मं ० 37-ईई ०/3530/85-86--अतः मुझे, अनिल कुमार,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस्रे इसके परवास 'उक्त अधिनियमं कहा नवा है'), 🐠 पाछा 269-ख के गंधीन राक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने क्षत्र भारता हुँ कि स्थावर सम्मस्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक 🗗

और किल्की भंग वर्षे गंग 154, सांग्टीन प्राप्त गंग 700 कोथरूड कर्वे रोड़, पून, है तथा जो पूना में स्थित है (भ्रोर इसमें उपाबद्ध अनुपूर्वी में शीर पूर्ण रूप से वर्णित है), पजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जाः रो। में, एजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का १८) व अधीन, नारीख अन्तूबर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के व्यवमान प्रतिकाल के सिए अन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापनेक्ति सम्पत्ति का उपित बाबार भूस्य, असके पश्यमान प्रतिफल से, एसे पन्यमान प्रतिफल के **पन्याह प्र**शिक्षणत से अधियक ही गर्ने**र अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती** (#तरितिमः) क को र धार्य अध्य**रण के लिए तम पामा गमा प्रति**॰ क्क्स निभावितिकत उद्देश्याल सञ्ज्ञ जनारण निरिधात में बास्तविक क्ष्य से क्षेत्रिय नहीं विस्ति गया 🗗 :----

- (क) अंतरण स्ट शुक्र किसी बाय की बाबत, उक्त कर्म के क्रिक्र के सम्बद्ध के सामास्त्र र्वे कामी कारने का वसके स्थम को स्थिता के निक्। बर्गर/दा
- (क) ए.जी (१८ की भारती अने मा अन्य **आस**िवा को जिन्हाँ भारतीय नायकार नीधीनयम, 1922 (1922 का (1) या अक्त वर्षिनियम्, या भून-क्कर अधिनियम, 1957 (1957 अत 27) अते अबोधनार्थं बन्तरिसी ध्वास प्रबंध बढ़ीं किया बना ना था किया जाना चाहिए भा, कियाने में बुविधा अ}ाचाष्;

1. श्री सुभाष आंर० कचेर, 1616, कोथरूड, पूना-29

2. श्रीमती जया सुमैय्या सट्टी, इंदरराज अपार्टमेंट, 1180/7/1, शिवाजी नगर, ज्ञानेश्वर पादूका चौक, पूमा-5।

(अन्तरिती)

का यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्परितः के अर्थन के लिए कार्यवाद्वियां करता हुएं।

तक्स बम्परित् के वर्जन के सम्बन्ध वॉ कोई' भी वास्रोद:---

- 🖚) इस त्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय 🕏 🕏 45 विन की अविधि या शत्यंबंधी स्थीक्तवों पर ब्यक्त की वामील से 30 विन् की वयाति, को ब्री अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्**यांकह** न्वन्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क्ष) इस स्चना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब से .45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-िक्रवी क्रम स्थिति वृदारा वधोइस्ताक्षरी के वास निक्ति में किए का सकेंगे।

रचक्क्ष्रीकरणः—इसमें प्रयुक्त सम्बों और रखें का, यो उक्त मिशिनियम , के मध्याय 20-कार्ये परिभाणित है वही पर्य होना जो उत्तत ध्रष्टयाय में दिया गथा है।

नन्स्ची

जैमा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-ईई०/3530/85-86 जो अक्तूबर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

बत: कव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मं, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) ले अधीत, निम्त**िणित स्पन्तियों, वर्षांत्**य 🕨

हारीख: 12-12-1985

मोहार 🕫

अस्त्रमं बार्ड , स्त्री , स्त्र , एस् अस्त्रात्मण्यानमः अस्त्रात्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

माहत हरका

कार्याजय, तद्वायक जायकर वाय्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

- पूना, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निवेश सं ० 37-ईई ०/5650/85-86---अतः मुझे, अमिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्के परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन उक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 222/2/1-बी०, सखडा गांव, ता० हवेली जिला पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त विरीक्षण, अर्जन रोज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख अक्तूबर, 19865

को प्रोंकत सपरित को उक्ति बाकार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के जिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह निकात करने का कारण है कि नवाप्तोंकत संपत्ति का उभित बाकार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे वश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अंतरियों) के कीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया बिकास गिम्नीनिक उन्नदेश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्नीनिक स्था में कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण वे हुइं किसी नाथ की बाबस, अवस अधिनयम के अधीय कर येने के अन्तरक के बादिएक में क्रमी करने या उससे बचने में बृदिधा के सिए: जरि/वा
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या बन्य कास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ज्ञाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के निए;

ज्ञाः वयः, उक्तः अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण

 श्री लिए । प्री केल्ली, १४-५2, खुणीसा गारीक, क्लाहिनूर रोष, दावप, यम्बर्ड।

ಯ ಸುಖ್ಯಾಪ್ನ ಈ ಚಿನ್ನಾಯ ಕ್ರೀಕ್ಷೆ ಕ್ರೀಕ್ಷೆ ಬರುವುದ ಅನ್ಯಾಯುಕ್ತಿಗಳ ಹಾಗಾಗಿಯುತ್ತುವೆ ಚಿ

(अस्त राजा)

 मैं० रचका बिल्डर्स एष्ट भोमोटनी, 562/7. शिवाजी नगर, पूला।

(अन्धरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाविष्यं करका हुं:

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिष सा सन्तार्थ्य जीत्सकर पर सूचना की तामील से 30 दिन की शतिभ, जो भी विकास बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर प्वॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उकत स्थाधर सम्पत्ति में हित- धक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः—हसभी प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त बिलिनेयम, के जन्माय 20-क में परिभाषिठ हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिशा गया हैं।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-ईई०/5650/84-86 जो अक्तूबर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> प्रक्रिया कुमार प्रक्षम प्राधिकारी महायक अध्यक्षर आयुक्त (धिर्वाक्षण) धर्जा रोज, पूना

(1)

तारीख: 13-12-1985

भौ, मौ, उस्त अभिनियम को भारा 269-म की ज्यभारा (१) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्षांच ४---

मोहरः

इंदर बादें. टी. युन्, एवं <u>र</u> ----

जासकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (1) के संवीत सूचना

WILL THEIR

कार्यानय, सहावक बायकर बायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 37—ईई०/55/85–86——अतः मुझे, अनिल कुमा $^{\circ}$,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रकाश पंजार करें। की भारा 269-क से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित शाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिमकी मं० मी० एस० नं० 330/31-बी० वार्ड, सरलास उर भयन, कील्हापुर, शाप नं० 113 (क्षेत्रफल: 308 ची० फुट) है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्री क्रित अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण अर्जन रेंज, में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1985

(1908 का 16) के अधान, ताराख सितम्बर, 1985 को वृतेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से अस के क्स्यमान प्रतिकान में सिए बन्तरित की नृष्टें हैं और मृन्से यह विक्थाच करने का अधरण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित काकार मृन्य, उनके दश्यमान प्रतिकाल से एसे क्रयमान प्रतिकास का वन्तह प्रतिकास से बिधक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीक एसे अन्तरत के सिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखिस उद्देश्य में उक्त अन्तरण सिवित में पास्तिकाल, क्या में किया गया है :----

- (क) जनसरण ते हुई जिल्ली जाय की वावर, उक्त अभिनियम के सभीन कर योगे के जनसरक में सामित्स में कनी करने ना बढ़ने वयने में वृधिया जो जिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी जान या किसी भन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिन्मियम, यह धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में हाजिशा के विद्या;

कतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण जो, जो, डक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिनित व्यक्तियों, स्विति हिन्स श्री यगवंतराव ए० निवाककर, भागीदार अप्रतक्तिगी बिल्डर्स, कोल्हापूर।

(अन्तर्क)

 श्री प्रहलाद दीनामाथ करीकर, 109—सी० वार्ड, कासर गल्ली, कोल्हापुर।

(अन्ऽरि ती)

को यह युवना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्चन के निरु कार्यवाहिमां खुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इब जूबना के राजपन में प्रकाशन की तारींश से 45 दिन की बर्गींथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर जूबना की तामील से 30 दिन की जनिय, जो भी अवध्य बाद में समाप्त झोशी हो, को भीक्षर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुनारा;
- (व) इस बुक्ता के श्राक्षत की प्रकारत की वारीय से 45 वित् के शीवर उनत स्थावर सम्मरित में हिव-क्षत किसी कम न्यांचित द्वारा, अभांहस्ताकारी के नास विविध्य की किस का नकीने ।

स्वच्यीकरण:----इसमें प्रमुख्त कव्यों और पर्यों का, को उनव लेशि--निवन के कथाय 20-क में परिभागत है, वहीं कर्य होता, को उस अभ्याय में दिया नया है।

मनसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-ईई०/55/85-86 जो सितम्बर 1985 को सहाय मध्यस्य आयुक्त मिरीक्षण, अर्जम रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13−12−1985

इक्प बाहाँ. टी. प्-[. एड.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीत बुच्या

माउस स्रकाह

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्राक्ष

मद्रास, दिलाच 7 जनवरी 1986

निद्देश मं० । 3/मई-85--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्याह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिन्नकी सं० वजनजाककम 49 सेन्ट्स है, जो भूमि वलसखाककम में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर ने विजित्त है), किल्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रम, विकामबाककम् लेख सं० 1329/85 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16') के अधीम, तारीख मई 1985

कां पृशेक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मुख्य से काम के दृश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से मिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नविधित उप्रवेष्ट से उच्छ अन्तरण कि विदित्त के वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (%) अन्तर्भ से हुई किसी बाव की वाक्त, उन्नत विध-नियम से अधीन कर दोने के बन्तर्क को वाजित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर जिन्हों भारतीय आयंकर जिन्हों भारतीय अयंकर जिभिनयम, 1922 (1922 को 11) या उन्तर अभिनयम, या भनकर अभिनियम,, 1957 (1957 को 27) खें प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के लिए;

ा श्री चन्द्रकांत एच० षा०।

(अस्त्रकः)

2 श्री ए० मृत्तु पांडियन ।

(अन्यरिती)

को यह सुचना वारी करके पृथीं अस संपत्ति की वर्षात्र के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (कः) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की जनिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वान की तानीन से 30 दिन की अवधि, को भी व्यक्तिमों में से फिसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में फिए जा सकोंगें।

स्वक्षीकरण :----इसमें प्रमुक्त शस्थों और पर्यों का., जो उसके जिल्लामा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं सर्थ होगा जो उस अध्याय में विकास का क्षा हैं।

अनुसूची

भूमि--एस० सं० 181--वा खानकम गांव, विघ-गम्बाक्तम, लेख सं० 1329/85।

> एम० नामुकेल सक्षम प्राधिकारी महास्र आस्कर आस्कृत (रिंधण) अर्जनरेज—2, मदा स

नारीख: 7-1-1986

प्रक्ष बाह्र : दी . एव . एव ..------

ा. श्री टी० आग्० रविन्द्रभ

(अन्तरक)

2. श्री एम० वी० अब्दुल कादर।

(अन्४(रिती)

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के अधीन सुचना

मारत बरकार

कार्यास्य, सहायक आवकर आवक्त (निरक्षिण) अर्जन हें स्टार्

मद्राम, दि'तंत्र 7 जनवरी 1986

निदेश मं० 34/मई-85--अ: मुझे, श्रीमती एम० साम्बेन,

धायकर निर्धानयम, 1961 (1961 कन 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त निर्धानयम' कहा नवा हैं), की भारा 269-ख के निर्धान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से निधक हैं

श्चीर जिस्की सं० आरकाठ रोड़, है तथा जो पुलियूर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडम्बानक्कम् लेख सं० 1350/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अधीर, तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति को उपित बाधार मूच्य से कम के क्रबंधान प्रतिफल को निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाधार मूच्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह्म प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध्य की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुनिधा वे बिक्;
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर जिभिनयम, या धन-कर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुतियभ के सिए; और/या

जतः सव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के, अन्सरण ों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :-- को यह सूचना पारी करके पृथींकत सम्मस्ति के अर्थन के जिल्कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तम्परिष के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्ष्प :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की नविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीत्र पूर्वीक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास निकास में किए का सकरेंगे।

स्पन्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त खन्दों और पदों का जो सन्तर अभिनिजय के अभ्वाय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होता जो उस अभ्याय में दिया नेवा हैं।

भद्रपुची

भूमि--320, आरकाठ रोड़, कोडम्बाक्कम, मद्राप-24, कोडम्बाक्कम लेख सं० 1368/85।

्राम् शामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेक्स-2, महा १

मारीखा: 7—1—1986

मोहर :ः

अक्ष बाह्रें दी एन एवं -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सूचना

सारत पर्का

कार्यास्त्र महायक गायकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रान, दिनां त 7 जावरी 1986

लिदेश सं० 48/मई-85-37: मुझे, श्रीमती एम० स ι मुवेल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षेम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुत से अधिक है

श्रीर शिक्षको सं० 76, मिल्पर्स रोइ, है, जो मद्राम में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर में विशास है), रिकस्ट्रीटर्सा अधिकारी के वार्याब्य, पुरण्यवाकम लेख मं० 757/85 में भारतीय रिकट्रीकरण अधिकारम, 1908 (1908 का 16) के क्रियोन, तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मून्य सं कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाउर मून्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित के बास्तिक क्य से क्षित नहीं किया गया है दे—

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी बाय की वाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कभी करने या बससे वचने में स्विधा के लिए; बॉर/या
- (क) एती किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने ने सिका के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीनः निम्निसिक्त स्यक्तियों, अर्थात् ः—

- श्रीमती टी० नागमल्नैश्वरी और अन्यों। (अन्यरह)
- 2. श्री विश्वेशवरा द्रस्ट, तमिलनाडु ।

(अस्तिस्ती)

का यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुए।

उक्त संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी बद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

म्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, वो उन्त अधिनियम के अध्यार 20-क में परिभाषित हों मही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गांग हों।

अस<u>ु</u>्रदा

भूमि प्राँरि महास -- 76, मिल्तर्स रोड़, मद्रास-- 10, पुरुषवानकम लेख मं० 757/85।

> एम० ऋमुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेज-४, मद्रास

नारीख: 7-1-1986

प्र**कर नार**ित् दौत्त प्रस्तात **एक**्यान-नामक

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के विधीन स्वना

भारत सहकार

कार्यास्य , सहायक बावकर बावक (विरोधाण)

अर्जन रेंज⊷2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जनवरी 1986

निदेश सं० 49/मई-85--अवः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल.

बायक भिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसके पश्चात 'उकत मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्व 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 38 ठांक बण्ड 2, स्ट्रीट, टी० वी० के० नगर है, जो मद्रास-31 में स्थित है (श्रीट इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, पुरुणवानकम, लेख सं० 762/85 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908, का 16) के अधीन, नारीख मही 1985

को पूर्वांक्स सम्परित को उपित बाजार मूल्य सं कम को क्समान प्रितिफाल को लिए अन्तरित की गई है और अभि यह विस्वास करने का कारण है कि यथाए बोंकत सम्परित को उपित बाजार मूल्य, जसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसि दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रोत्तवात से प्रिष्ठक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एने अन्तरण को सिए तय पासा चया प्रतिफास, निम्नलिखित उद्वेषम से उक्त अन्तरण लिखित वे बास्तिकक रूप से काथत महीं किया गया है :—

- (क) बण्डरण से हुई फिकी बाब की सम्बद्ध उक्त बीधनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के साबित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिएए कॉ.र./बा
- (अ) एंबी किसी जाय वा किसी वन या कल वास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1,922 का 11) या उसत विधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरीती ध्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, क्रियानं वो वृषिधा के निक्;

बतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण वं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 1. श्री अग्निता

(अन्तरक)

2. श्री राजेश एन० डोलिया ग्रीर दूसरे।

(अन्तरितीः)

का कह स्थान बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन अ शिस्य कार्यवाहियां कारता हों।

उनस सम्मत्ति के नर्पन के संबंध में कार्य मी नाक्षण ---

- (क) इस ब्या के रायपत्र में त्रकाशन की तारीं है ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी वर्षी वाद में समस्य होती हो, के बीतर पूर्वोक्स क्षितियों में से किसी व्यक्ति त्यारा;
- (क) इस सूचना के रायपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के शीवर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दिय-नय्भ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा धकाने।

स्वक्रीकर्ण:—इसमें प्रयुक्त बन्दों और पर्वो का, जो उक्त विभिनिषम, के नणाम 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा वो उस वच्याय में दिया यक्त है।

अनुस्ची

भूमि ग्राँर मकानः——38, ठांक बण्ड— स्ट्रीट, टी० वी० के० नगर, मद्रास—31 पुरुणवानकम, लेख सं० 762/ 85।

> एम० सामुबेल न जन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्राम

नारीख: 7-1-1986

४**स्प नार**्ड टो_ड क्_{रिस} पुरुष्ठ =====

नायकर् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुभना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जनरेज, मद्रास

मब्रास, दिनांक 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० 56/मई-85---अं: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक्ते पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा १69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व ।,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पेरम्बूर रोड़ है, जो मद्रास-12 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरुष्ट्याक्टम लेख सं० निल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1985

में पूर्वोक्स सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास उरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का न्यूह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और ज्विति (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरक के लिए तय पामा मा प्रतिफल, निम्बितिवत उद्देश्य से उक्त जन्तरण निचित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) वन्तरण **वे हुई किसीं बाय की वावत**, उक्त विधिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व के कमी करने या उक्त वचने के स्विधा के क्षिए; और∕या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनस अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना आहिए था स्थिपने में सुविधा के सिए;

श्रतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— 1. श्री एम० प्रभाकर।

(अन्तरक)

2. श्री बी० रामराव श्रीर कम्पनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

तक। सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाशेष ह---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर श्रृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा मना हैं।

प्रनुपूची

भूमि श्रांर मकान पेरम्बूर है शेड़ मद्रास-12 पुरणवासकम लेख सं० ---

> एम० सामुकेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जक रेजें~2, मद्रास

नारी**ख**: 7-1-1986

मोहर 🕏

त्रक्य आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यांक्रय, सहायक जायकर ब्रायुक्त (निरीक्रण)
श्रर्जन रेंज-2, मब्रास
मद्रास, दिनाँक 7 जनवरी 1986

निदश सं० 138/मई-85--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. संअधिक ही

अप्रैर जिसकी सं० 80, पुराना, (पुराना नं० 68)—भिरदर जंग गार्डन टॉक स्ट्रॅंट रोड़ है तथा जो रायपेट्टा, मद्रोत्त—14 में स्थित है (और इससे उपात्तद्ध श्रनुमृची में श्राप्त पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्ली-केन लेख सं० 407/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, तारीख मई, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्तद्व प्रतिकात से आधक है और बंदर्यक (अंतरकों) और बंदर-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्तिय उद्वेश्य से उक्त बंतरण निवित्त में बास्यीक रूप से की जब नहीं किया गया है :—

- (क) वितरण से हुई किसी बाब की बाबत, अक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के बायित्व में कभी करने या अतले बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम का भनकर अधिनियम का भनकर अधिनियम का भनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के हिए;

बतः बन, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीग, निम्नीस्थित स्थानस्यों, अधीत :---- 1. श्री एस० भ्रब्दुल वाहन ।

(अन्तरक)

2. श्री ई० एम० सलमा गनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के तंत्रभ में कोई भी मासेष् :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तायज्ञ से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर स्थापर सम्बक्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास निचित् में किए णा सकोंगे।

स्वक्यीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा थो उस अध्याय में दिया गया है।

परचर्ची

भूमि ग्रीर मकान-8, सिरदर जंग गार्डन, टाँक स्ट्रीट रोड़, रायपेट्टा, मब्रास-14, ट्रिप्लीकेन लेख सं० 407/85

> एम० सामुवेल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 7-1-1986

मोहरः

प्रक्रम काइ. दी. एम. एस. = = - ----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के सभीन क्षाना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक भागकर वागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज−2, मद्राम मद्राम, दिनाँक 7 जनवरी 1986

निदेश सं० 147/मई-85—प्रातः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इतमें ध्रुकते प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) के भीच 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तस्परित, जिल्ला उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 2, नवनी तम्माल स्ट्रीट, राममामि नगर है, जो सालिगाम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, दक्षिण मद्राम, लेख सं० 1347/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई 1985

का पूर्वोक्त संपांत के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गईं है और मृक्ते सह विद्यास करने का कारण है कि यथनपूर्वोक्त तंपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुई कियी बाय की बावत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिन्य य' कमी करने वा उत्तर बचने हैं हुन्या के लिए:
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक नार्थ अस्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया बाना चाहिए था, क्रियान के किया बीकिया बीकिया

श्रुतक श्रुव, उनत विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के नधीन, निस्तिविक व्यक्तियों कु क्रिकेत क्रिकेट 1. श्रीमती बी० शारदा देवी श्रीर श्रन्यों।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एस० पी० शारदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उन्नर कन्मीरा के वर्णन के संबंध में कोई भी वास्रोध 🏗---

- (क) इत तूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीया को 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियाँ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी क्यक्ति दुवारा;
- (क) इस भूमना के राजपण में प्रकासन की सारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्यि- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्यारा अभाहरसाक्षरी के पास स्थितित में किए जा सर्वोंगे।

स्वाधीकरण — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को स्वक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा वया है।

प्रमुखी

भूमि और मशान---डोर सं० 2, नवनीतम्माल स्ट्रीट, रामुशामि नगर, सालिगाम, दक्षिण मुद्राय, लेख मं० 1347/1985।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∼2, मद्रास

तारीखाः 7−1-1986

प्रकथ नाइं.टी.एज.एस. ------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

बार्यासयः, बहायक प्राथकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज−2, मद्राम मद्राम, दिनाँक 7 जनवरी 1986 निदेश सं० 178/मई-85--ग्रतः, मुझे, श्रीमती एम० केल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस्ने इसकें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्ति, चिसका उचित वाधार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिस्की सं० 12, चित्तरंजन रोड़, तेनाम्पेठ है, तथा जो मद्रास-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल, लेख सं० 480/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के समित बाजार मूस्य से कम के कारकार मूसियास को सिए मन्तरित की नहां हो और मुख्ये यह विकास करने का कारण हो कि मणापूर्वों कर संगीति का क्षित बाजार नृत्य, स्थकों क्षममान प्रतिफल से, एके कारवाम प्रतिकत का बंदाह प्रतिकत से मिया हो और बंदारक (बंदारकों) और बंदारिती (बन्तरितियों) को नीच एके बन्तरण के बिए तब कार्या नवा प्रतिक का निम्मितियार स्वादित के बन्दर से उन्तर वासाय कार्या का कार्या कार्या कर के काणक सही किया क्षम है कन्तर वासाय कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कर के काणक सही किया क्षम है कन्तर वासाय कार्या कार्य क

- (क) अन्तरण वे हुए किसी आय की बाबत उचत विध-विष्यु को ब्योन कुछ योगे के बन्धरक के दावित्य के ककी कुछने वा सबसे अवसे के सुन्तिका के किए; मार्ट/या
- (थ) एसी किसी बाय या किसी थन या अन्य बास्तियों की, विक्तें भारतीय नाव-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, 20 धन कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए:

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अधीतः :--- 1. श्रीमती विशाली बालकृणान्।

(भ्रन्तरक)

2. डा० के० के० रेडी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के तिस् कार्यवाहियां करता हुई।

जनत सम्पत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जबभि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को और जबभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्पिक्तमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवाय अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकांगे।

स्मण्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्वो का, भी उनके अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ण होगा को उसे अध्याय में दिशा गया है।

प्रनुसूची

भूमि श्रौर मकान-12, चित्तरंत्रन रोड़, तेनाम्पेठ मद्रास-18, मद्रास सेन्द्रल, लेख सं० 480/85।

ग्म० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज⊶2, मद्रास

तारीख: 7~1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांनय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मब्रास मद्रास, विनौक 7 जनवरी 1986

निवेश सं० 182/मई-85--- ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल.

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें बरुवात् 'इलता अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षप प्राधिकारी को, यह विद्यास करन का कारण हैं कि स्थावर संवीता जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एकि खेती एगुवरपालयम गाँव है, जो चेंगलगठ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीवकारी के कार्यालय, मद्राज सेन्द्रल, लेख सं० 527, 528/85 में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीवित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रावीन, सारीख मई, 1985

को पूर्वोका संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिपत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बात: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 8—436 GI/85 श्रीमृती चिन्तम्मा ग्रीर ग्रन्थों।

(भन्तरक)

2. मैससं लिटरेक्स प्रा० लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

अबद सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीथ के 45 दिन की सब्धि या तरसंबंधी व्यक्तियों ६२ सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, औं भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रावस्त स्वादत से से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक क्षं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों या, जो उक्त अधिनियम, के अध्याग 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विचा गया है।

अन्स्थी

कृषि खेती एगुवरनालयम गाँव—चेंगलनठ डिस्ट्रिक्ट मद्राप सेन्ट्रस लेख सं० 527 व 528/85।

> एम० ाामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज⊶2, मद्रान

तारीख: 7-1-1986

प्रकृप बाह्ं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जाय्कत (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, मब्रास
मक्रास, दिनौंक 7 जनवरी 1986
निवेण सं० 84/मई-85--श्रतः मुझे, श्रीमती एम०
सामवेल.

अस्पाहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एकान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार सूख्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं० भूमि टी॰ एन॰ सं० 17/2, ब्लाक सं० 26-109, है, जो पुलियूर गाँव में स्थित है (श्रीर इसमें उपावह श्रनुमुनी में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रविकारी के कार्यालय, मद्रास मेन्द्रल, लेख सं० 540/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख गई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके धरमान प्रतिफल से, एसे धरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीव एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हाई किसी बाय की बाबत अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मो कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. भी बी० दामोदरम चेट्टि।

(भन्तरक)

2. श्री टि॰ रत्नम श्रीर टी॰ वरगीस।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

भूमि टी॰ एस॰ सं॰ 17/2, ब्लाङ सं॰ 26, श्राफ 109-पुलियुर गाँव, मद्राम भेन्द्रल, लेख मं॰ 540/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज−2, मब्रास

तारीख: 7-1-1986

भक्षमा नाइग.टी. एवं. एवं.

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-थ (1) भी सभीन स्थान

नारत करवार

कांग्रेसिय, शहायकः मायका वायक्त (निर्वेशका)

मर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० 186/मई-85--- घ्रतः मुझे, श्रीमति एव०

वायकर मीभीनयम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें क्शक परचात् 'सबत मीभीनयम' कहा नया ह"), की भारा 269-व को अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारव 🦸 कि स्थानर संपरित जिसका उचित बाधार मूच

1,00,000/- रु. से अधिक है भौर जिनकी सं० 28, I, मैन रोड, इन्द्रानगर है, जो प्लाट नं० 416 इंडस्यू, महात 20 में स्थित है (फ्रांर इसने उपावद अनुस्ची मेंजो और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, घडवार लेख सं० 1413/85, में भारतीय रजिस्दोरकण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 85 को पृत्रोंकत संपत्ति के योचित बाजार मृत्य में कथ के दश्धमार वितिष्णक के लिए जनतरित की यह है जीर मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यजापूर्वोक्त सम्परित का संविध नाभार मुख्य, उसनी व्ययमान प्रतिकाल से, एसे व्ययमान प्रतिकाल का पेंद्रह प्रतिवात से अधिक है और लन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (**अंतरितियाँ) के बीच एंते बंतरण के जिए** तब पाना नवा श्रीस-क्षम निम्नीनिक्क उनुबादय से अनव धन्तरम लिक्कि में नाम्स-विक रूप से कविता महीं किया गया 🗗 :---

> विभिन्निक के वधीन कर वेने के अन्तरक सक्तिक वों क्यी क्षणे वा बढ़डे वक्षणे वो सुविधा के विष्: क्षर/या

(च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ का, जिल्हें भारतीय बायकार मीभीनवम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त वीधनियम, या पन कार अधिनियम, 1957 (1957 फा 27) 🕏 वबोचनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया बवा वा वा किया बाधा बाहिए था, कियाने में श्रीवचा चे लिए:

क्यः वदः, बक्त अभिविदयं की भारा 269-न के वंतुकरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बचीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, वर्थात् :---

श्रीएम० बलरामन, ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० अनुप कुमार ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुमना बारी अध्यक्षे पृथालक्षः वर्षात्र मं अभी में क्षिप कार्यमाष्ट्रियां करता हा।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्पान्य में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वमा की राजपन में प्रकाशन की ताराम है 45 पिन की कवीं या तरसम्बन्धी व्यक्तियों वह बूचना की वामील से 30 विन की नविभ, को 🕸 अविधि बाद में समाप्त होती हा, को भी तर पूरीबतः व्यक्तिको में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (क) इस सूचता के राज्यक में प्रकासन की छारीच स 45 विन के भीतर जक्त स्थानर उम्पतित में हितनक्ष किसी बन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताकरी के पाइ बिविषय में किए का सकते ।

लक्कीकरण :--इसमें प्रमुक्त शस्त्री और पदा का, आ उनत विधिनियम को अध्याय 20-क में यथा परिशाधिश है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका नया \llbracket ।

श्रमुस्यी

भूमि ग्रीर मकान सं० 28 I मैन रोड, इन्द्रा नगर, मद्रास, 20, शहयार लेख सं० 1413/85 ।

श्रीमती एम० गमुबेल नक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

विनौक: 7-1-1986

प्ररूप बार्द. टी. एन. एस. -----

बाधकर जोभी 1961 (1961 का 43) की भार 2स प के बधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालरः, सहायक जायकर बायूक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II,

मद्रास, विनाम 7 जनवरी, 1986

निवेश सं० 188/मई, 85—ग्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संज्ञाट नंज 12, 11 बी (हिस्सा 4 माधा) प्लाट 11 में), न्यू भारज एसज सज 1/1एफ है, जो 189, पोलिंगनल्लूर, गाँव में स्थित है (ग्रीर इतसे उपावक धनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विज्ञत है) रिज्ञिट्टीनर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय में खड़यार लेख संज्ञ 1376/85 में भारतीय भायकर रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनौंक मई, 1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास अपने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) एसी किसी अप्य या किसी धम या अस्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

नतः शत्र, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण की. मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, क्यांत् हे—

- मैतर्स ब्लूलगृत, मोठरुत एण्ड प्राइवेट लिमिटेड, का डाइरेक्टर: थी भार०वी० जी०के० रंग राव । (धन्तरक)
- 2. मैं प्रसं विजय श्री स्थितिग मिल्प प्राइवेट लिमिटेड (श्रन्सरिती)

की यह पृचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए। कार्यवादियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी **स से**45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में स्थाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास सिष्टित में किए का सकेंगे।

स्पन्धीकरणः ---- इसमी प्रमुक्त इन्दों और पदों का, जो उच्च कियामा, के अध्याय 20-क में दिशायित हैं, वहीं अर्थ हाना जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

कृषि खेती 11 वी (प्लाट सं० 211 में माधा) मीर प्लाट सं० 12, मार० एत० सं० 1/1सी/4, म्यू मार० एत० सं० 1/1एक सं० 189, पोलिगतस्जूर, गांव, गाँदापेठ तालुक, महयार लेख सं० 1376/85।

एम० पामुबेस सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास-6

दिनौंक: 7-1-1986

प्रकम् बाद् .टी.एनं.एसं...----

बारकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) से सधीन सूचना भारत शरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीकाण)

धर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनौंक 7 जनवरी, 1986

निवेश सं ० 221/मई, 85-मातः, मुझे, श्रीमती एम० साम्देश,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें प्रभात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 45 की, भीर 2 दूकान 45 ई, भीर 45 एफ, गाँडिनेरी जवाहरलाल भेहक, स्ट्रीट, है, जो एनड कुप्लैनड, में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध मनुसूची में भीर जो पूर्ण कप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती मधिकारी के कार्यालय पौडिनेरी में लेख सं० 1250/85 में रजिस्ट्रीकरण भिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनौंक मई, 1985

का पृथापत सम्पति क उपात शजार भृत्य स कम के **रश्यमान** प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई **हैं और मुक्ते यह निश्वास** करने का कारण **हैं**

कि यथा पूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके स्थयमान प्रतिफल सं, एसे स्थयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिदात सं अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अधरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्वेष्य से उकत स्नतरण लिबित में वास्तविक इप से कवित नहीं भिक्या गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हों अरितीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकड् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना जाहिए था, छिपान से मुनिशा के लिए.

नत. अस, उक्त विशिष्णम की धारा 269- व के बनुसरक में, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की स्पधारा (1) व अधिन, :-- । तिकित व्यक्तियों, वर्षात क्र--- 1. श्रीमती शाक माय ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एस० शानंद विडिवेलुल श्रीर श्रन्यों। (शन्तरिती)

कां यह सुवना वारी करके पृत्रीकत सम्पत्ति के अर्जन के किन् कार्यवासियों करता हो।

उक्त संपत्ति को बर्जन को संबंध मी काहि भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राजपण में प्रकाशन की तारीश है 45 विन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर व्यक्तियों पर व्यक्तियों को तासीश से 30 विन की अनिध, जो भी अविध बाद में, समाप्त होती है। को भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्ष्रीवरा क्ष्रीवरा में से किसी व्यक्ति क्ष्रीवरा
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकालन की तारींस है 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पर्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास सिचित में अंधर का सकींगे।

धनुसूची

भूमि और मकान 35 वी॰ और 2, बुकान होए सं॰ 45 ई भीर 45 एफ पौडिनेरी, जवाहुरलाल मेंहरू स्ट्रीट, पोडिनेरी,लेख सं॰ 1250/85।

> एम० सानुबेल स्थाम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-2, मद्रास

दिनीक :7 1-1986

क्ष्म बाह्य हो । प्रमु बुद्ध व्यवस्थान

भागकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन स्वता

नारम सहस्रार

कम्बोसन, सहायक नायकर नायुक्त (निरोक्रण)

धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर विनांक 23 विसन्बर, 1985

निदेश सं् ए० पी० नं० 5917-5918-यतः मुझे, जे० एल० गिरंघर,

भागकर निर्मास, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसने इसने परभात् 'उस्त निर्मासन' सहा गया हैं), की भारा 260-स के निर्मास का शिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, चिसका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जितकी सं० मनुसूची के भनुसार है, तथा जो रामपुरा फूल में स्थित है (भीर इससे उपाबक्ष मनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजम्ट्रीकर्ती मधिकारी के कार्यालय रामपुराफूल में रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन दिनौंक मगस्त, 1985

क्यं प्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह बिश्वास करने क्य कारण है कि यथाप्योंक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से ऐसे ध्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक क्य से कथित महीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के के जिए;

सतः सन्, उक्त सिंपिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की स्पंधारा (1) के संधीन, निम्नसिंखित स्पृक्तियों, संधीत् ६——

- भीमती किरण गीयल पत्नी दर्शन कुमार गीयल, (जिलेखनं० 2118), दर्शन कुमार पुत्र श्रमींचन्य (जिलेखनं० 2171), बासी मण्डी, रामपुराफूल। (मन्तरक)
- 2. श्री महेण कुमार नकला, पुत्र हरनामदास नकला, (विलेख सं० 2118), श्री मनिल कुमार नकला पुत्र पुठवोतम बात नकला (विलेख मं० 2171), बासी कलकता, मार्फेंत : भेगनल ट्रेडिंग टी मझेंट्स, एण्ड कमीयन एजेन्ट्स, 3-ममर टोला, स्ट्रीट, कलकता-1

(मन्तरिती)

को बहु बुचना बारी करके पृशीक्त संपत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हु":

उन्ते बंपरित् के नर्बन के संबंध ने काई भी नाक्षेप :----

- (क) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्विध, को भी बद्धि बाद में स्मान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाइन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी बन्य व्यक्ति इनाय अधोहस्साक्षरी के शास सिविट में किए वा सकेंगे।

लक्कीकरणः क्षां अयुक्त अन्यों और पयों का, जो उक्त विविवस, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया यहा ही।

यनुसूची

सम्मति सया व्यक्ति जैसाकि विलेखनं 2118, 2171, दिनौं ह मगस्त, 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, रामपुरफूला में जिला।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जासन्धर

दिनौक : 23-12-1985

प्ररूप डाई. टी. एन. एसं.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (चिर्काण)

धर्जन रेंभ, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 1 जनवरी 1986 निदेश सं० ए० पी० नं० 5923-5924—धरः मुझे, जे० एक्त० गिरुधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 2'69-क के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर समाति, जिसका उचित वाजार सुन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर ि ाकी सं० अनुश्वि के अनुशार है तथा जो ल्मानाव ली में स्थित है (मीत इसके उत्तबद्ध अनु विमें मीर जो भूगें रूप से विजा है) शिल्डियार्त अधिकारी के वार्योक्ष्य, मृक्तार में रिक्टियोक्सण अधिकियम, 1908 (1908 वा 16) के मधीन विनोक मई, 1985

को भ्वोंक्त ग्रन्सित के उचित बाजार मृत्य सं का जै दर-माव प्रतिप्रका के लिए अन्दरित की गर्य है अदि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त संपत्ति का अचित गजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिप्रता से, एोंटे दश्यमान प्रतिप्रता के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया य्या प्रतिप्रता, जिल्लीसिकन उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निष्यित में वास्तविक स्था से किन्त नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी शाय की बावत, अन्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक थं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिएक और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया यथा या या किया बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जै, मैं, उक्त अधिनियम की वारा 269-व की अपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--- 1. श्री माहला जिह पुत्र श्री चणान पिह, श्रांसी सीएगाली, सहसील मुक्ताजर, जिला फरीवकोट (598), गुरजन्त जिह पुत्र राज्यन जिह वासीतीर श्रांसी, सहसील मुक्ताजर, जिला फरीवकोट (599), ।

(भन्तरक)

2. श्री विक्रम सिंह पृष्ठ मुलदीप सिंह, जसमेर कौर परनी नगेनद्र सिंह जासी, सुभानायाली, शहसील मुक्तसर, जिला फरीदकोट (599-98)

(घर:रिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन को निष् कार्यवाहियां करता हुं।

दक्द संपरि के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की हारीय वे 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामीन से 30 दिन की अविधि, वो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किपी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राष्ट्रक में प्रकारन की तारीब से 45 दिन के भीट : अप्त स्थापर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म काक्त इवारा, बभोहस्ताकरी के पास सिखित में शिक्ष या सकींगे।
- (क) इस सूचना के राजण्त्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उपक स्थावर स्म्यत्ति में हिनबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

धनुसूची

सम्मत्ति तया व्यक्ति, जैसा कि विलेख सं ० 599/598, विनांकः मई, 1985 को रजिस्ट्रीक्ता धिधकारी, मुक्तसर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिवारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 1-1-1986

मोइप:

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सूचवा

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंध- जालन्धर,

जालस्थर, दिनांक 1 अनुबरी 1986

निवेश सं० ए० पी० नं० 5925-5926—शतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रकात 'उकत मिथिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तका उचित बाबार मृज्य 1.00.000/-रा. से विधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैक्षा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो लुभानाशाली में स्थित है (भौर इसके उपाधक अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री क्षा अधिकारी के कार्यालय , मुभातर में रिजस्ट्री क्रमा अधिनियम, 1908 (1908 मा 16) के अधीन दिनांक मई, 1985

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के कम्मान प्रात्मकल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिजत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय पाण गया प्रतिफल, निम्निनिक्ति उद्देश्य से उच्त अन्तरण किला में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अल्लरण वं हार्च किसी बाग की वायल, वायल अधिनियम की अधीन कर दोने की जल्टरक की दायित्व में कमी करने या उत्तस बचने में सुविधा की सिए; वरि/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्म व्यक्तियों की जिन्हें भारतीय बायकार विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, धा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा की निए।

अतः अथ, उक्त जिथिनियम की धारा 269-च के, जनुसरण के, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (।। के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, मर्थातः:----

- श्री सक्य िह, पुत्र श्री सज्जन विह, (597),
 श्री नाथा विह पुत्र श्री सज्जन विह (600),
 वासी सीरयासी, तहसील मुक्तसर, जिला फरीदकोट।
 (श्रगारक)
- श्री विकम सिंह, पुत्र श्री कुलदीप सिंह, जसमेर कौर परनी श्री नागेश्व सिंह, बासी सुभानावासी, सहसील मुकाडर, जिला फरीवकोट (597-600)। (ग्रस्तिरिती)

का यह स्वता वारी कारके पूर्वोक्त अन्यस्ति के वर्षन के सिध् कार्यवाहियां धूरू करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई वासीप उन्नन

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविशि या मत्त्रम्बल्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तम्मील से 30 दिन की अविधि, जो भं सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक व्यक्तिसों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी बन्य स्थिति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार सिक्षित में किए जा सर्वार।

स्वकाकिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। नवा है।

यन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 597/800, दिनोक मई, 1985, को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, मृक्तसर, ने लिखा ।

> जे० एस० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) भजैन रेज, जाककार

दिनक : 1-1-1986

प्रकृत काही हो हो । एवं व एक लगान

भागकर नोपनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के नधीन सूचना

शारत सरकार

कार्यासन, सद्भावक बावकर नायुक्त (विद्राक्तिक)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 1 जनवरी 1986 निदेश सं० ए० पी० नं० 5927-5928—श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बावकर गींभनियमं, 1961 (1961 का 43) (चिसे इक्सें इक्सें पश्चात् 'उनत गींभीपयम' नहां गया हैं), की शाह्र 269-व के गींन, तक्स प्राधिकारों को, यह निश्चात करने का कार्य है कि स्थानर सम्मति, जिन्का उचित वाचार गर्म 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं श्रमुलूची के श्रमुसार है तथा जो लुभानावाली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुली में ग्रार जो पूर्ण क्य से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यान्य मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृश्य से कम के क्षवजान प्रतिकाब के सिए बन्दरित की गई है बार मृत्र यह विकास करने का कारण है कि स्थाप्कॉन्स संपत्ति का अधित बाबाइ बृग्य, उसके क्षयमान प्रतिकल से, एसे क्षयमान प्रतिकल का बंक्स प्रतिकत से स्थिक है और मन्दरक (अन्तरकार) और मन्दरिती (बन्दरितिकार) के बीच एसे बन्दरण के सिए तब पावा क्या प्रतिकल, निम्मसिवित उद्यक्षिय से क्यत बन्दरण जिल्कि में बान्दरिक रूप से किया नहीं किया गया है ए——

- दैलां) क्रम्परम् सं हुर्भ किसी अस्य की बासक उनक वर्षभिनिषय में अभीत कर दोने के सक्तरक वे वायित्य में कमी करने या उससे समने मीं सुविधा के रक्तर; क्रांट/बा
- (ख) एसी किसी भाग या किसी धन या जन्य वास्तियों का, विव्ह भारतीय जान-कर सीमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्ता नियमित्रम, वा जन-कर सिमिनियम, वा जन-कर सिमिनियम, वा जन-कर सिमिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं सिका गमा वा वा किया जाना शाहिए था ज्विताने में सुनिया की जिए;

बर्तः सथ, उपत विभिनिषधं की भारा 269-में को जनुबरण वी, बी तक्त विभिनिषमं की भारा 269-म की तपचारा (1) की तमील निम्मिनियस स्वित्वती, वर्षाक्ष रहा। —436 GI/85 श्री चन्द सिंह, नन्द सिंह, मकीयत सिंह पुतान गोदासिंह वासी सीरबाली, तहसील मुक्तकर, जिला फरीदकोट (595), पालासिंह पुत्र नगतर सिंह वासी उपरोक्त (596) ।

(भन्तरक)

2. श्री विक्रम सिंह, पुत्र कुलवीप सिंह, जसमेर कौर परनी नरेन्द्र सिंह, वासी लुभानावाली तहसील मुक्तसर, जिला फरीदकोट (595~596) ।

(ग्रन्तरिती)

का शह सुचया बाटी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि के नर्जन के विक् कार्यवाहियां १५% करता हो।

उन्त क्रमिति के क्रवीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस स्वास के सम्बन्ध में अकाशन की टारीय है 45 विश्व की समित्र में उत्पन्न भी स्वास्तियों पर स्वास की हासीय हो 30 वित्व की नवित्र, में भी नवित्र मों से साथ में समाय होती हो, के सीसर प्रांतिस स्वास्ति में से किसी व्यक्ति द्वार:
- (क) इब बच्चा के राजपन में प्रकाशन की तारीख ते 45 धिन के धीवार उक्त स्थाधर सम्पत्ति भो जिल्लाक्ष किसी बच्च प्यांक्त इवास नथीहत्ताकारी के शक्त सिवित में किए जा सकांगे।

स्पक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनिदम, के अध्याय 20-क में परिशादित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा हैं।

प्रन्सूची

सम्मत्ति तथा व्यक्ति, जैता कि विलेख नं० 595/596, दिनांक मत, 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, मुक्तसर ने लिखा।

जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जंन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 1-1-1986

मोह्नर ;

प्रक्रम् बाह्र'. टी. एवं एवं .-----

भायकर अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अभीन सुपना

बारत बहुकाह

कार्यासय, सहायक जायकर जायूक्त (निर्नेक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 1 जनवरी 1986

निर्वेश नं०/ऐ० पी० नं० 5929-5930---यतः मुझे, जे०एस० गिरधर

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के मधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण

िक स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृस्य, 1.συ.000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसी अनुसूची में लिखा है तथा जो लुभानावाली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिन्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तत्मर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रंबीन, तारीख जुलाई

1985

को पूर्वोक्त सम्मिति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का फारण है कि र्षाप्वॉक्त संपर्धि का उचित कावार व्ह्या उनके दृष्यमान प्रतिफाल से, एसे दृष्यमान प्रतिफाल का बच्छ प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) को बीच एमे अन्तरण को निए तय पाया गया । नि-का गम्निवीचत उद्वोध से उक्त वस्तरण विकित में धास्त्रिक क्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) कलारण सं शुक्त किसी आह को बावस एक्स वीक्षीनयम के अधीन कर दोने के अस्तरक को विक्षियम में कभी करने या उत्तरी बचने में स्विधा नै सिक्; कीर/मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अध्य आहिस्यां को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, दिरपाने में यक्तिक वे किए:

नतः वयः, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक मं, मं अवत अधिनियम की धारा 269-व की तपधारा (1) के अभीतः भिश्तीजीवन स्विधित्यों, अधितः ----- (1) श्री चन्द सिंह नन्द सिंह मलकीयत सिंह पुत्रान गोवा सिंह निवासी सीरवाली सहसील मुक्तसर, जिला फरीदकोट (1487) जंग सिंह पुत्र वजीर सिंह मलकीयत सिंह पुत्र गोदा सिंह बाजी उपरोक्त (1490)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विक्रम सिंह पुत्र कुलदीप सिंह, जसमेर कौर पत्नी नागेन्द्र सिंह वासी लुभानावाली नहसील मुक्तसर।

(ग्रन्तिरती)

को बहु सूचना कर**ो करके प्**र्वोक्त संपत्ति की अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ु-

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविभि या शत्मम्बन्धे त्यक्तियों पर गृचन। की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होते हा, के भीड़ा पृवक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्लाकार्यः — इसमें प्रयुक्त कव्यों भीर पर्यों का, वो वयक विधिनियम की वश्याय 20 क में परिशाविष्ठ है, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

ननस्ची

सम्पक्ति तथा श्वक्ति जैसा कि विलेख नं० 1487/1490 दिनांक जुलाई 85 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारो मुक्तसर ने लिखा है।

> जे॰ एल*ः गिरधर* सक्षम प्राधिकारी **स**हायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजने रेंज, जालक्ष्यर

तारीख: 1-1-1986

मोहर •

प्रकार बार्च . टी . एवं एवं . -----

बायक्षर विधित्रवस, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के समीत सुचना

ब्राह्म बहुन्तर

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रोंज, जालन्धर, जालन्धर, दिनांच 1 जनवरी 1986 निदेश सं० ए०पी० नं० 5931-5932--श्चतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कहरकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्याल 'उत्वत अधिवियम' रहा गया हु"), की धारा 269-स के अधीन सक्य प्राधिकारी का यह विश्वास कारने का अधिक है कि स्वाप्त सम्मित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर िसकी मं० अनुमुची के धनुसार है तथा जो लुभानावाली में स्थित है (श्रार इसने उपत्वद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के धधीन दिनांक जुलाई, 1985

को पृथेविश तल्पीत के उचित वाजार मृत्य ते कन के द्वममान प्रतिफल के लिए क्यारिती की पर्च और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टिक सम्परित का उचित वाजार मृत्य, उसके दवसमान प्रतिफल है, है दे क्यामान प्रतिफल का प्रनिद्ध में जिल्हा है और अ्यारिक (अयारिक) और क्यारित (अयारिक) के जीय एंडे क्यारिक के लिए तब पाका प्राप्त प्रतिफल विश्व क्यारिक एंडे क्यारिक के लिए तब पाका प्राप्त प्रतिफल विश्व क्यारिक क्यारिक के लिए तब क्यारिक में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :--

- (थ) मन्तरण ने हुन् किकी नाम की वावत , अवस निर्धितम्य में वर्णान कर रोचे के वन्तरक के खिराय में कहीं कहते वा उक्को नचने में सुविधा के गिन्ह; नीर/या
- (भा) एंसी किसी बाय या किसी धन या कन्य आस्तियां करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रदाख-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काला वाहिए था कियाने में स्विधा के लिए.

्य: क्य, क्या अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीसिंख व्यक्तियों, अधीय क्रमां श्री नगतर पिंह पुत्र करतार सिंह बासी सीलवाली, तहसील मुक्तनसर, जिला फरीदकोट (1488) श्री बेला तिह पुत्र श्री करतार सिंह, वासी उपरोक्त (1489)

(अन्तरक)

2. श्रीमती श्रमृतकौर, पत्नी कुलदीप सिंह वासी लुगानावाली, तहसील मुक्तसर, जिला फरीदकोट (1488-89) ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सुक्ता आर। करक पूर्वीकत सम्पत्ति के वर्षाय की कार्य कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन की नजींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद सूचका की ताबीस से 30 किन की सबक्ति, को की सबीध पाद में बनाव्त होती हो, के नीतर प्रवेक्त असीकतामा सा सा किसी व्यक्ति ब्यक्ति इंडाया;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीज ते 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकपूथ किसी अन्य न्यक्ति द्वारा मथोइस्ताक्षदी के पास सिसित में किए का सर्वोगे ।

श्र्वकाकरण:---इसमें प्रमुक्त खंडां बार पर्को कर, क्षां खंडा अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं वर्थ होना, को इस अध्याय में किया गमा है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसः कि विलेख नं० 1488, 1489, दिनांच जुलाई, 1985 को रिजम्ट्री वर्ग स्रधिकारी मुक्तसर में लिखा ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, जालन्धर

दिनांक : 1-1-19**8**6

್ಷ ಕೃತ್ತ ಕ್ರಮ್ಮನಿಕ್ ಪ್ರಾಥಾಸ್ಕರ್ ಕ್ರಮ್ಮ

प्राप्त नार्के हो तुन् हुए ----

नायक र विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक बायकार वाय्यत (निरीक्षण)

भ्रजन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांस 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5936 — ग्रतः मुझे, जे० एल०

गिरधर

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसुची के श्रनुसार है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री ति श्रीधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनां से मई, 1985

कं पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की नद्दं हैं और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे खश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका)ं और बन्तरितों (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय नाया गया प्रतिफल, निम्नितिबत उद्देश्य से स्कत अन्तरण जिस्ति में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अप्रभानयम के सभीन कर योगे के बन्दरक के याबित्य में कमी फरने या उक्ते यथने में हुनिया वी सिए; बाँट/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी थन या बन्य बास्तियों को विन्दू भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अप्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा औं विदः

बतः गव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) क वधीन, निम्निशिवत व्यक्तियों, सर्थात् ः— श्रीमती भागो पत्नी रूलिया राम, बासी 712, गुरुतेग बहादुर नगर, जालन्धर ।

(ग्रन्तरकः)

मेजर धनवन्त सिंह पुरी पुत्र सरदार सिंह पुरी,
 केंग्ररग्राफ रिजन्द्रा लाईट हाउस,
 लाडोबाली रोड, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

को मह भूषमा आरी करके प्राचित सम्परित के नर्गन के निय कार्यनाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 शूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उच्च जिभिनियम के अभ्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा का उस अभ्याय में दिया नया है।

अनु**भूची**

सम्पत्ति तसा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 756, दिनांक मई, 1985 के रिजस्ट्रीशर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा।

जे० एत० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सह्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनां ३८ : 6**-**1--19**8**6

प्रक्ष आहु . टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर जनस्कर (निरीक्षण)

भ्रजैन रोज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1986 निर्देश सं० ए०पी० 5937-5938--श्रतः मुझे,जे० एल० गिरधर,

बायकार अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तर्थे स्वकं पश्चात 'उन्त अधिनियम' सद्ध नया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का स्वरंग हैं कि स्वावर सम्मिता, जिसका ग्रीचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० अनुसुची के अनुसार है तथा जो जालन्छर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्री जिता सिक्षिकारी के वार्यालय, जालन्छर में रिजिस्ट्री जरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनांक मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूनाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में आस्मिक इप से कीचत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (क) एंसी किसी बाव वा किसी भन वा काय बास्तिकों को, विकृष्ट आरतीय बायकार विधायको 1922 इं1922 को 11) वा जबस विधायको, या अधिनियम को अधीन कर दोने को बेसरण को सायित्व
- (क) एसी किसी आम या किसी भन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उसत अभिनियस, या धन-भनकर अभिनियस, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रेकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म उपधारा (1) वै वधील, निम्निसिंखत व्यक्तियों, सर्वात क्रिक्त श्री दर्शन लाल पुत्र मुन्गी राम ग्रीर कामलेश रानी, पत्नी दर्शन लाल वासी बस्ती दानशमन्दा, जालन्धर (विलेख नं० 882, 883)।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जोगिन्दर सिंह, पुत्र जसवन्त सिंह (विलेख नं० 882), परमजीत सिंह, पुत्र जोगिन्द्र सिंह (विलेख नं० 883), वासी 55, विजय नगर जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) वात सुचना, को राजणत्र में प्रकाशन की तादीक सं
 45 थिन को भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हिन्नबद्ध फिसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के
 पास निवित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्तर विधिन्धम के अध्यास 20-क में वरिमाधित हैं, यही वर्ष होना भी उन्ह स्थाद में दिया पदा हैं।

मनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख 882, 883, दिनांक मई, 1985 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी जालन्धर में लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांवः 6-1--19**8**6 १---

प्ररूप् आई.टी.एन.एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 8 जनवरी 1986 निर्देश सं० ए० पी० नं० 5939--श्चतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- एत. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव श्रखेडा बेट (कपूरथला) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हे) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कपूरथला, में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1985

का पूर्विकत सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्मत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण कि बिखत में वास्तिवक रूप से कि भित्त नहीं किया गया है अ—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए!

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री वजीर सिंह पुत्र गुरिंदित्ता मल, वासी मुल्हला संसावां, दापूरथला, मुख्तायरे श्राम हरबल्स भगत पुत्र जगवीश लाल भगत, वासी चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

2. श्री तारासिंह, गुरदीप सिंह पुत्र प्रीतम सिंह, वासी प्रीतम सिंह, बासी गांव श्रखेडा, वेट, तहसील व जिला कपूरथला।

(भ्रन्तरिती)

को मह सुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कांड्र भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मं हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ्र 452, दिनांक मई, 1985को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, कपूरथला ने लिखा ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रोंज, जालन्धर

दिनांक: 8-1-1986

म हर:

प्रक्ष आहे. टी. एन . एस-----

बानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जनवरी 1986 निदेश सं० ए० गी० नं० 5940—-अत:, मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिनकी सं अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव उचा,-कपूरथला में स्थित है (श्रौर इसने उपाबद्व अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है) रिक्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1985

के पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसित्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखिस में बास्तिक कप में किशत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्द आस्त्रियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उभत अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) धः प्रयोजनार्थ अन्हिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के सिक्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस स्थानिस्यां अधीन :--- श्री बहादुर सिंह, सरदारा िह पुत्र श्री दल् राम, बासी उचा, तहमील व जिला ज्यूरथला।

(अरु।रक)

2. श्री सुखरेव पिंह, तरलोक विह पुत्र लेखा पिंह, श्रीर लेखा सिंह पुत्र हाकम सिंह, बासी गांव ऊँचा, तह्सील व जिला कपूरथला।

(अन्तरिसी)

क्ये यह सूचना जारी करके पृवर्षेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के तंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हो, की भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्ल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अगुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 587, दिनां क 11 मई, 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, कपूरथला में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 8-1-1986 मोहर :

अक्य आर्थः हो . एन . एच . -------

माध्कर जीभीत्यम, 1961 (1961 का 43) करें भारा 269-म (1) के अभीत स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 8 जनवरी 1986 निर्देश सं० ए०पी० नं० 5941---अत:, मुझे, जे० ए**ल०** गिरधर

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग,00,000/- ए. स जायक हु श्रौर जिसकी मं० अनुसूची के अनुसार है नथा जो जहान खेलां, जिला होशियारपुर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1985

को पूर्वोक्त तम्परित के उचित बाधार मूल्य से कम के क्षवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाधार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल है, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तरिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाग की, बावत, उबत अभिनियत के अधीत कर दोने के अन्तरक के बायित्य में अभी करने वा उससे बचने में सुविधा के निष्ट; और/वा
- (क) होती जिल्ही भाव वा किसी भन वा अभ्य आतिस्त्रवाँ को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियन, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा में सिक्ट

अत: अब, उक्त अविनियम की भारा 269-ग के अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1/) के अधीन, विक्त्रिक व्यक्तियम की अधीन ह——

- 1. श्रामित रक्षा कुमारी पत्नी कृष्ण देव बिह् , वासी जहानखेलां, तहसील व जिला होण्यारपुर । (अन्तरक)
- कुलवीर सिंह पुस्न सुजन सिंह, वासी वडावारा, जिला होशियारपुर।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अवीं के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काहि भी भाकोप :---

- (क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अयिक्तयों पर मूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी जविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के कृष्ण निविद्य में किए जा सकर्गे।

स्पव्यक्तिकरण: - इत्र में प्रश्वेतर काव्यों और पर्यों का, जो उचक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस्त अध्याय में दिवा गवा है:

मन प्राप्त

सम्पत्ति ५था व्यक्ति जैसाकि विलेख नं ० 408, दिनांक मई 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, होणियारपुर में लिखा है।

> जे० एन० गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 8-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन . एस . -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याराय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालनधर जालन्यर, दिनांक 8 जनवरी 1986 निर्देश सं० ए० पी० नं० 5942—-अनः, मुझे खे० एल० गिरधर

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) पिसे इसमें इसके परवात 'अक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्य प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थान संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

भीर ितकी सं विश्वपृत्ति हैं हो गा है तथा को जालकार में स्थित हैं (श्री) इति जातकार से स्थित हैं (श्री) इति जातकार से स्थित हैं) रिक्ट्रिजिसी अधिकारी के वार्यालय, जातकार में रिक्ट्रिजिस अधिकाम 1908 (1908 का 16) के अधील दिश्तिक मई, 1985

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रीत्मल के लिए अन्तरित की रहें हैं और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त कम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिकाल से एरो दश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकाल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) धौर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश से उच्न अन्तरण लिखित में मास्कावक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अध उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, इसत विधिनियम की धारा 269-श की उपधारार (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——
10—436 GI/85

 डाक्टर पम कुमार गुण्य पुत्रश्री देव प्रवाश गुण्या, बासी कपुरयका रोड, जालन्धर ।

(अस्तरक)

2. श्री दर्शनजीत जिह पुत्रश्री अमार जिह, वासी हरमन्दिर गली पटना शहर (बिहार) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस स्पान के राज्यत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्याररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत शिष-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेखनं र 1363, दिलांक मई 1985कों रजिल्ड्रीकर्ता अधिकारी, तस्त्राध में लिखा है।

> जै० एव० गिरधर याजम प्राधि गरी सहायक आयकर भाषुवत (विशीक्षण) अर्जीय रेंब, जावन्धर

वितीक: 8-1-1986

ज्ञान वार्षं तो एन एक .----

बायकर बाधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बंधीन स्चना

नारत वरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिशांक 11 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० ए० पी० नं० 5913—अतः **मुझे जे०** एल० गिरधर

बामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को प्रधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो गोराया में स्थित (भीर इसमें उपाधक अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्सीर में रिजिस्ट्री जर्जा अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनोक जुलाई, 1985

को पृथिकः सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गृद्दे हैं और मृत्रो यह विद्यास करने के कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे अध्यमान प्रतिफल का पंद्रह्म प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी रूप या किसी थन वा अच्छ जारिसयों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा जकत अभिनियम, या धन-धनकर अभिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ती तो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने कें सुविधा है सिहः;

अतः थव, स्वतं जि.तयसं की धारा 269-ग के अनुसरण में,, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के स्थीन, निम्मिमिक चिल्यमें, वर्षायुः—

- श्री सुभाष वस्त्र , विनत्र कुनाः, पत्र कुनाः पुत्र
 रामन्यस्त दान्त, वासी मण्डी, गोजिन्द्र गढ़ अव गोराया
 (अन्तरक)
- श्री जनवीर उद्ध पुन सोहन सिंह, मार्फिंश : सरवार उद्योग, जी० टी० रोड, गोराया।

(अन्तरिती)

का बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के विष् कार्यभाहियां करता हुं।

उक्त नपति के बर्धन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ने 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीचा के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक् किसी अन्य स्थानित व्वारा अधिहस्ताक्षरी के वाण निष्ठित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यार में दिया यस है।

वप्त्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ० 1228, दिनांक जुलाई, 1985 को रिजस्ट्री ति अधिकारी फिल्लीर में लिखा है।

> जै० एत० गिरझर सञ्जय प्राधिकारी सहायत आयकर आयुक्त (लरीक्षण) अर्थेन नेंग, गलन्धर

दिनांक : 11-12-1985

प्रारूप बाई . टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 11 दिसम्बर 1985 निदेश सं० ए० पी० सं० 5914—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति. जिसका उभित शाखार मूख्य 1,06,000/-रा. से अधिक है

मीर जिल्ला सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो गोराया में लियत है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में मीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्योक्य, फिल्लीर में रिल्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, दिनांक जुलाई 1985,

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान श्रीतकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्में, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृन्य, उसके द्वयमान प्रतिफल सं, ऐसे क्यमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा महिकल, निम्निसित उद्देश्य से उन्त बन्तरण जिसित में मास्टिनक स्प सं कथित नहीं किया यथा है क्

- (क) वन्तरण से हुई किसी नाथ की वाबत, उक्त विधिनियम के नधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के बिहा; बीह/बा
- (व) देती किसी बाद वा किसी पत वा अन्य वार्तिसकी को, विन्हीं भारतीय बाय-कर विधिनवन, 1922 (1922 का 11) या उकत विधिनवन, दा भय-कर विधिनवन, दा भय-कर विधिनवन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती वृत्तारा प्रकट नहीं विजया तथा वा का किया बाना वाहिए था, कियाने वे हरिनवा के लिए?

कक्षत करू, उत्तर विधिनयम की धारा 269-व की अनुसरक की, मी, क्षत्र विधिनयम की धारा 269-व की उपभास (1) की वर्धात, निम्मसिद्धिक व्यक्तित्वों, वर्षात् क्र---

- (1) श्री सुभाष चन्द्र; बिमल कुमार, पवनकुमार, पुत श्री रामसरत दास वासी—मण्डी गोविन्द गढ़, अब गोराया । (अन्तरक)
- (2) श्री अमरजीत सिंह पुत्र सोहन सिंह द्वारा सरदार उद्योग, जी० टी० रोड, गोराया। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के वर्षत्र के किंद कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उक्त राजित के वर्षन के राजन्य में कोई' वी वाक्ये :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकारण की तार्षित से 45 दिन की सन्धियां ता तराम्यन्ती कारिक्यों का स्वना की तामील से 30 दिन की नविधि, जो भी सन्धियां में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वों नह व्यक्तियां में ते किसी व्यक्ति हुगाराः
- (व) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की वारीय से 45 दिन के श्रीवर उपन स्थानर सम्मति में हिस्समूक फिटी क्ष्म व्यक्तित हुगारा म्थ्रेहस्वाकारी में शस विकास में किए या सर्वोचे ।

स्वच्दीक रणः — इसमें प्रयुक्त बच्दों और वदों का, जो स्वव अधिनियम, के अध्याय 20-क में वरिभावित हैं, वहीं वर्ष होता, जो उच्च अध्याय में विया एका हैं।

वन्स्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 1229, दिनांक जुलाई 1985 को रजिट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर ने लिखा।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 11-12-1985

महिर इ

गिरधर.

शरूप बाइै.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आधुक्त (निरीक्षण)

वर्जन रेंज, जालन्यर जालन्यर, धिन्तींज 11 दिलम्बर 1985 निर्देश संव ए० पी संव 5915—यत: मुझे, जेव एलव

भायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन-सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समिति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

म्रोत जिल्ला में जी जा जा जूबी में लिया है है एया जो गो स्था में लिया, है (म्रोत इंडो उपाबद्ध जा पूर्वी में मीर पूर्ण रूप से वॉण्ड है), र्राक्रकी तो अधि जरी के लायांच्य, फिल्ली में रिजिल्ड्री करण अधिविधम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन दिसांक जुलाई 1985

का प्वोंका सपात्त के उचित गजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल. निम्नितिसित उद्देश्य से अवत अन्तरण सिक्ति मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा अस्तिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

जतः अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरफ में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री पुनागवः, जिनन कुनायः, पनाकुनाय पुन श्री पाम धान पान, वासी—मण्डी गोजिय्दाक् अब गोराया । (अन्तरक)
- (2) श्री परमजीत िह पुत्र सोहन विह, मार्फा: सरदार उच्चीम, जीव टीव रोड, गोराया (अस्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिष् कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारींच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हां, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सव्य किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगें।

स्थष्टिकरण:---इसमी प्रयुक्त शब्दी और ५दी का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, बही अर्थ होना जो उस अध्याय में विया गया है।

पनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैवा कि विलेख सं० 1230, विनोक जुलाई 1985 को रजिल्ट्री कर्ती अधिकारी फिल्लीर में लिखा है।

> जे॰ एल॰ गिरधर इक्षम प्राधि तरी सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जामन्बर

दिनोंक : 11-12-1985

अरूप बाइ^च.टी. एन. एस_{्ट्र}नानाना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक नामकर नाम्क्य (शिरीक्षण)

अर्जम रेंडः; जासल्घर जासल्घर, दिनांज 1 जनवरी 1986 निदेश सं० ए० पी० सं० 5922—यतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-क के वधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1.00,000/- रा. से वधिक है

भीर जिल्ला सं ० जैला अनुसूची में लिखा है तथा जो जालस्वार में स्थित है (श्रीर इसने उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), रिजिल्हीकर्ता अधिकारी के अर्थास्य, जाल्यर में रिजिल्ही भरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसांक मई 1985,

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाबार मूल्य में कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार बूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चेवह प्रतिकत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्नतिबित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिबित में बाम्यविक क्य से कथित नहीं किया गया है हु—

- (क) बन्तरण तं हुइ किसी बाय की बाबत, उचत बिधिनियम के अधीन कह दीने के अन्तरक के बायित्व में किमी कारने या उसकी बचने में सुविधा के बिए; और/या

नतः सन्, उन्त निर्मानम कौ भारा 269-ग क नमुसरक कै, मैं, उन्त निर्मानयम की भारा 269-म की उपभारा (1) कै नभीन, निम्निविचित व्यक्तियों, सभीत हुल्ल (1) श्री एत० डब्स्यू, मतंत्र पुत डब्स्यू० सी० मतंद, सुनीता जे० मसंद पश्ती जे० डब्स्यू० मसंद असंती सी० मसंद पत्ती सी० डब्स्यू० मसंद , प्रमाद एत० मसंद पुत्र एस० डब्स्यू० मसंद वासी—मसंद शीक जालन्धर ।

(अस्तरः)

(2) जैट एयर ट्रांसपेंटिशम प्राइवेट शिमिटेड रिजिस्टर्ड आफिस I-23, महारानी धाग, न्यू दिल्ली मारफत सुरेन्द्र गोयल डाइरेक्टर फर्म । (अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वीक्स सम्मांस के अर्थन के निरु कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त रंपति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षण 🥌

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की शारील क 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अयिकतथाँ प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, भी भी वदिध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रचंचल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर कम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थिवत द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकांगा

ল সূত্**র্থ**

सम्पत्ति तथा काकित जैसा कि विलेख सं० 1082 दि कि यह 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने निखा।

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्दर

दिनीक : 1-1-1986

वक्य बार्ड ,टी . एन . एड ,)------

भावकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के जधीन स्थना

AND THE RESIDENCE OF THE PROPERTY AND THE PARTY AND THE PA

नार्व तरकार

कार्यांत्रय , सहायक नायकर वायकत (निरीक्षक) अर्जन रेंग, जालन्धर

जालन्धर, दिनांकः । जनवरी 1986 निर्देश सं०ए०पी०सं० 5934—यतः मुझे, जे०एल० गिन्धर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इस

धी: जिन्नि सं० जैना अनुसूची में जिला है तथा जो जानन्तर में स्थित है (और इन्ने स्पाधव अनुसूची में और पूर्ण का से बाँकि है), रिव्स्ट्री ति अधि अरी के कार्यालय, जानन्तर में रिक्ट्री तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) ने अधीन विनाय जुन 1985,

को प्रवेशित सम्मत्ति कं उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफास के लिए जन्तिरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करते का कारण हो कि संधाप्योंक्स सम्बद्धित को शिका वाहार भूग्य, उत्तक स्थमान प्रतिफाल से, एरेस स्थमान प्रतिफाल के यन्द्रह प्रतिशत से अभिक हो और संतरक (अंतरका) गोग योग-भिती (अंतरितिया) ये, भीक्ष एते अंतरण के लिए तम पामा भया प्रतिकस निम्नतिचित उद्वेश्य से उक्त अंतरण जिजितत में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीधिनयन के अधीन कर बामें के बन्धरक के श्रीयत्व में कमी करने वा उससे बचने में अविधा से शिए; बॉर/या
- (ब) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर निधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) जै प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया ध्या या वा किया बाना चाहिए बा, क्रियाने में मुविक्त के किया ।

कत. अस, जक्त सिधिनियम की धारा 269-ए के सनुसरण हो भी, उक्त सिधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों अर्थात् ध—ः (1) दोनावा धिल्डर्ने प्राइोड लिमिटेड, जालन्वर द्वारा श्री नि.म कुन र जारद्वान पुत्र पं० छ।पाल मैनेजिन डाइरेस्टर फार्म, रेडियो बिल्डिंग, मिनाप चीक, जालन्वर ।

المنطقة المنافعة الم

(अस्तर्क)

(2) श्रीमती प्रकाश गोवल पत्नी बी॰ एम॰ गोवल वासी —बी/8-54, राष्ट्रल टाउन, जालन्वर ।

(अग्तरिती)

का वह सुषना बारी करके पृथींक्य सम्पत्ति के वर्षन के शिव कार्यवाहियां सुरू करता हु।

बक्त बम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कांग्ने भी बासेंच :---

- (क) इस बुचवा के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 दिन की क्रमीं, को भी अविध बाद में संगाप्त होंगी हों, के भीतर पूर्विक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति मो हितबस्य
 किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहन्ताक्षरी के पास
 सिवित मो किए वा सकीर्य ।

स्वक्षीकरण १—६ममे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उक्क अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा थ्रो उस अध्याय में दिया वस हैं।

धनुसुची

सम्रक्ति 1/3 कोठी स० 132, न्यू जवाहर नगर, जालन्छर तथा धाकिः जैसा कि विलेख सं० 2012 दिनो क जून 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्छर ने दिखा है।

> श्वे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी **बहायन आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** स्रकृत रज, जालन्**धर**

दिनांक : 1-1-1986

Ling to the Control of the Control o

प्रारूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ण (1) के अधीन स्क्रमा

भारत सरकार

कारसिय,, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) क्रजैन रेंज, आरुम्बर

जालम्बर, दिनांक 1 पन्धरी 1986

निर्देश सं० ए० पी० सं० 5935--- प्रतः मुभे, जे० एस० गरिवर,

अस्यकार करियोंच्याप. १५६१ (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकट अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 26% रू के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का आपण हो कि स्थावर सम्बद्ध , जिसका उचित बाजार मृज्य 1.00.000/- ए. से अधिक हो

धीर िसकी सं० जैसा शनुसुर्जा भे िखा है तथा जो पारत्यर में स्थित है (ब्रीट इससे उपाध्य शनस्वी: भे ब्रीट पूर्ण रूप से वर्णा है), पिन्टी कि श्रीय परी के कायरिक्ष, आत्राहरण में रिन्टी त्रण अधितिसम, 1908 (1908 व्या 16) के धर्धात, दिनांक मही 1985

- , को पर्शीक्षत मध्या के उचित्र बाजार मस्य में कम के क्यमा। प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार म्थ्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (प्रतिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के दीच एसे अंतरण के लिए तम पामा प्रति-फल, निमालिसित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिसित में बास्त-कि क्य से कथित नहीं किया गया है :—
 - (क) बन्तरण में हुंक किसी आग की धावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक की अधितयम के जभी करने दा उससे बचने में सर्विष्ध। में लिए; भार/या
 - (क) एनी किसी लाग या किसी भग या बमा सारित्यां की, जिन्हों भारतीय अधिकर सिमित्यम, 1920 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा की लिए;

बत: अ.ग. उकत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मैं० मंकुर विल्डाज, 363 लायपत राय नगर जालनधर द्वारा श्री मशोब कुमार रिषी, श्रीमती शान्ता सोनी, रूपा ग्रीवर, मालिक फार्म ।
- (2) श्री सुरिन्द्र सिंह, जसविन्द्र सिंह पुत पाखर सिंह, व.सी---गांव रामपुर रसुलपुर, तहशील मीर जिला---जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

(ध्र≛तरक)

की वह स्वा बारों करकं धराकर सम्पत्ति के सक्ता के जिल कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के मध्बन्ध में काई बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में अकाशन की हारीय क्ष 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सचना की नामील में 36 दिन की अविधि, के भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) दब सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच श्रे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अश्रोहस्ताक्षरी के पा सिश्चित में किए जा सकेंगे।

स्थारतीकरण ... पसमी प्रयूक्त शस्त्री श्रीर पदी आ .. जी इत्तर श्रीभिनयम . की अभ्याण १०-४ मी परिभागि : दी, वहीं सभी क्षांगा . को जन सन्याध मी १८ भवा ही ।

यन्स्यो

सम्पत्ति सं० 2/2 गियान नगर, जालन्छर और व्यक्ति जैसा ि विलेख सं० 1319 दिनों के 85 रिक्ट्रिकर्ता प्रविकारी, जालन्छर ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्र.धि घरो सहायक धःयकर धःयुक्त (निरीक्षण) भजेन रेंज, जालन्धर

বিনীক: 1-1-1986

मोष्टर :

प्रकर बाह्", दी. एवं . एवं , ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ∉89-व (1) में संधीय क्षमः।

भारत सरकार

कागांत्रव, सहायक बावकर जान्क (विरोक्तिक) धर्जन रेंज, जालन्धर

आलंधर, दिनोक 1 जनवरी 1986 िर्देश सं०/ए० पी० सं० 5933—स्तः **मुझे, जे० एल०** गिरधर,

कामकर किपनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके दश्यात उकत अधिनियम कहा गया हैं), की धारा ू 69-क के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विक्वास करने का धारल है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार कृष्ण 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर ितकी सं० जैता शनुसुची में जिखा है तथा जो जावन्छर में थिए हैं (भीर इससे उपावक शनुसुची में भीर पूर्ण रूप से विजा है), परिद्धा तो अधिराणी के वायकिय, जावन्धण में परिद्धा एण अधितियम, 1908 (1908 वा 16) के प्रधीन, दिनांक जुलाई, 1985,

प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है गरि मुक्ते वह निष्यां कार के। धारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का शिक्त बाबार मृत्य , उन् के क्ष्म्यमान प्रतिकाल से, एसि क्ष्म्यमान प्रतिकाल का पंद्रप्र प्रतिकाल से लिधक है और जन्तरिक (अन्तरिका) को बीच एसि जन्तरण के लिए तम पामा वदा प्रतिकाल किम्तिनिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विशेषत में वास्तिक का से किंग्ड नहीं किया गया है है—

- (क्क) कलारण त हुए किसी बाय की बावत, प्रश्नक किसिनयम को अभीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कती करने वा उसने बचने के वृत्रिभ। को लिए. बार/ए.
- (व) ऐसी फिसी बाब वा किसी वन वा बच्च बासिस्तर की, फिसी भारतीय बाबकर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त विधिनियम, वा धन कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के एक्स्टिंग के बालारित ब्रह्म किसा स्वास प्रकार बहा निका स्था था वा किया वाना वाहिए वा, कियाने के सर्वका के किए:

क्तः अय उक्त विधिनियम की वारा 269-न वी वम्सरक मो, मी, अपन विधिनियम की भारा 269-व की उपधान (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, क्यांत

- (1) श्रीमती सुदर्शन मेनर पत्नी नरेन्द्रमेयर धासी—10-बस्ती रोड, जालक्षर । (भ्रम्तरह)
- (2) श्रीमती इन्द्रावती परित इवाबाल चन्द तथा र.केश कुमार पुत्र इवाबाल चन्द धासी—डन्ह्यू एम०-55, बस्ती गुजा जालन्छर। (श्रातरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिये कार्यवाहियां करता हुं।

द्वाबत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, के भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के धास जिल्लाक में किए जा सकांगे।

स्वष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-८ में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिना स्वाप्ति

धनसंची

सम्मति तया व्यक्ति जैवा जि विलेख सं० 2248 दिनांक जुलाई 1985 को रजिस्ट्रीक्ती ग्राधिकारी जालन्धर ने लिखा है ।

> जै० एत० निरधर सञ्जम प्राप्ति हारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), प्रजैन रेंज, जालन्धर

विनोग: 1-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सृधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 दिसम्बर 1985 निर्देश सं० 47398/85-86--यतः मुझे, श्रार० भारकाज,

क्षायकर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संगीत जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं 850 है, तथा जो एवं ए० एलं प्लिं स्टेज एक्सटेंगन, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के शायित्य शिवाजी नगर, में दिनक 31-5-1985

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्षण के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कृप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गक्षा था या विचा जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मी. भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर, निम्निनिमित व्यक्तियों, अर्थाल :---

11-436 GI/85

(1) श्री एन० पुरुषात्म,
 सं० 33/1, मीने ग्रविन्यु रोड,
 बेंगलूर I

(श्रनार:)

(2) डाक्टर एम० एए७ डग्माडि,
 556, । स्टेंब, दिन्दरानगर,
 बेंगलूर--'38 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयासत बब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम, के अध्याय 20-क में परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियां गया है।

अनुसूची •

(दस्तावेज सं० 682/85 दिनांक 31-5-85) सम्पत्ति है जिसका सं० 850, जो एच० ए० एल०-II स्टेज एक्सटेंशन, बेंगलुर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक्ष ग्रायः श्रायक्त (िरीक्षण) ग्राजन रोज, बंगलुर

दिनांक : 27-12-1985

कार्याबर्, सङ्घायक नायकर नायुक्त (निहासक)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 दिसम्बर 1985

निदेश मं० 47262/85-86--यतः **मुझे, श्रार० भा**र-ढाज,

कामकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की नारा 269 के के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण थै कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उपित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० सं० 1679-3, 1682-1मी, टीं० एस० ० 13-3, 10-1 है तथा जो बसबा बजार विलेज, मंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, मंगलूर, में दिनांक 13-5-1985

को पूर्विकत संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के शरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्बत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शरममान प्रतिफल से एसे अवमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नतिथित उच्देश्य से उक्त जन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया वसा है है—

- (क) अन्तरण थे हुई किवी साम की वावतः, उक्त मधिनियम के ज़बीनं कर दोने के अन्तरक के शाक्त्व में कानी खरने वा चलसे वचने में वृत्तिका के लिए; जॉर/मा
- (ल) एंसी किसी लाय या किसी धन या जन्य बास्तिबों को, चिन्हें भारतीय लाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था खिपाने बेंस्तिया के लिए;

अतः अव , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धात् :---

(1) श्रीमती मुक्ता श्रितियास गौकरी बाई, श्रीपी० उमानाथ भंडारी के पत्नि , नेत्लिक रोड, मंगलूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेनर्स येतोपाया होडलस , भागस्त :--श्री वै० मोहम्मद कुन्ही; बालम_{री}, संगलूर ।

(ऋन्तरिती)

को बह स्वान भारी करने प्वॉन्स सम्पत्ति के नर्जन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :----

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारींथ से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर स्थान की ताबील से 30 दिन की जनिथ, जो भी अविथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स स्थितियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में हित्तवस्थ किसी मन्य स्थानित व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकींगें।

स्पञ्चिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रकी

(दस्तावेज सं० 261/85-86 दिनांक 13-5-85) संपत्ति है जिसका सं० आर० एस० 1679-3, 1682-1 सी, टि० एस० सं० 13-3-, 10-1, जो वासबा बाजार विलेज, मंगलूर में स्थिम है ।

> श्रीर० भारद्वाज स्क्षम प्राधिकारी सहायक श्रीयकार श्रीयुक्त (निरीक्षण), श्रुजैन रेंज, बंगलर

दिनांवः : 27-12-1985

मोहर 🤋

प्रकाष वार्ष • टी • एन • एत •---

कामकार सभितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के स्थीय सुवना

भारत सरकार

कार्यालयः, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजै∺ रेंज-3, बंगल्र

बंगलूर, दिनांक 24 दिसम्बर 1985

निदेश मं० 47475/85-86--यनः गुझे, स्नार० भारक्राज,

काथकर किथिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के कथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रीर जिलकी सं ० 2 है, तथा जो कूक्सन रोड, िलार्डेंस टौन, बंगलूर में स्थित हैं (ग्राँग इससे उपायड श्रनुजुर्ची में म्रीप पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता क्रिधशारी के कार्यालय जिवाजीनगर, में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनांक 0-5-1985

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास कर, का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से एसे उद्यमान प्रतिफल का पड़े प्रतिफल से एसे उद्यमान प्रतिफल का पड़े प्रतिकात सं अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रांतफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक स्प सं कांधत नहीं किया गया है:—

- (क) बच्चरण हे हुई किसी नाम की नानत, उनक विध-निवस के वधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्य में कभी कड़ने या उससे वधने में सुनिधा के लिए; बौद/वा
- (क) एती किसी भाव या किसी भन या अन्य आस्त्या का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ववा वा या किया जाना आहिए था. कियाने से स्विधा के रिक्या

कतः वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कृ अधीष, निम्मतिविद्य व्यक्तिवासों हो सुर्थाह (1) श्री स्रोक्षत्राल्ड गार्ज वैट, सं० 2, क्ष्यत्त रोड, रिचार्डस टीन, बंगलूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गर बानु , उसकी प्रतिनिधि :--श्री बी० ए० श्रब्दुल हलीम, मं० 13(6), यू मारकेट रोड, क्रास, एम-3, स्ट्रीट, बेंगलूर-51।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारील म 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्थष्टीकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

(दस्ताविज सं० 504/845, दिनांक 0-5-85) संपत्ति है, जिसकी सं० 2, जो कूकसन रोड, रिचाडस टौन बोंग्सूर, में स्थित है ।

> अग्र० भारक्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रजन रेज, बंगलूर

दिनोक : 24-12-85

कायकर लाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, हहायक गायकर बायुक्त (निरक्षिण)

श्रानंत रोंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 26 दिसम्बर 1985

निवेश सं० 47224/85-86-यतः मुझे, श्रार० भारत्वाज, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उन्त अधिनियभ' कहा गया ह"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साथार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० एस०-62-43 है तथा जो इडगा विलेज, मुरत एल, मंगलूर लालुक में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजिस्ट्रीकरण श्रीधितियम, 1908 (1908 ा 16) के श्राधीन, दिनांचा 0-5-85,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और अ्के यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उषित बाजार स्क्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एलाई प्रतिकाल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्मिनित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण निम्मिनित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (भः) बन्धरण सं शुर्क किसी काम की घायतः, उपस् स्थितियम् के सथीत कर देने के बन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्याने में स्विधा के लिए; काँड/या
- ्ष्ट्र) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों किही जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जागा चाहिए था छिपाने में र्विशा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्मरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) विनायका बिल्डसं, उत्तके प्रतिनिधि:—श्री पी० माधव प्रभु, होसबोह् विलेज, मंगलूर, तालुक। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नजीर ग्रहमद, प्रतिनिधः—— श्री ग्रब्धुल श्रजीज, ईडिया विलेज, सूरतकल, मंगलूर तालुक । (श्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरपः । (.बह व्यक्ति, जिसके श्राधभीग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के नर्चन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्मित्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राविक व्यक्तिस्यों में से किसी स्पनित द्वाराह
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त हम्दों और पदों का जो उक्त जिथितियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्या है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 245/85, दिनांक 05-5-85) संपत्ति हैं, जिस्मा सर्वे सं० 62-43, जो ६डया विलेज, सुरतकल, मंगलूर सालुक में स्थित हैं

> र० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोज, बंगलूर

दिनांक : 26-12-85

प्रकृप कार्ड की प्रमाण्य .------

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर लायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज, बंगलूर

बंगलुर, दिनांक 27 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 47380/85-86---यतः मुझे, श्रांट० भारद्वाजः, गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पक्काश् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाएं 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी मं 17/7 है, क्या जो म्रालिम्रासकर रोड, बंगलूर में स्थित है (म्रोर इससे उपाब मनुसूची में म्रांप पूर्ण रूप से बांगत है), रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 / 1908 का 16) के मधीन दिनांक 0-5-85,

का प्रोंधल सम्पत्ति के उक्ति बाजार मृत्य से काम के क्ष्यमान मितफल के लिए संतरित की गई है और मुक्ते गई निश्वात करने का कारण है कि सभाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उभके दश्यमान गाँतफल में, एमं दश्यमान गाँतफल भा पन्यह प्रांतफत से मुभिक हो और संतरक (संतरकों) और संतरिती (संतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तस पास। गमा प्रतिक का मिम्नितिचित उद्वदेस से उक्त जंतरण विचित्त में बास्तविक स्थ से कवित नहीं किया नवा है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कसी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (192,2 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए:

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिकित स्रक्तिसायों, अर्थातः :--- (1) श्रीमती बार सुलनाना, मंद्र 17, श्रालि श्रास हर रोड, बेंगलूर ।

(भन्तरक)

- (2) 1. एम० भ्रार० दौरेस्वामी ऐयगार,
 - 2. श्रीमती एम० डी० वासति,
 - 3. मास्टर एम० डी० भवासुदेवन,
 - 4. मास्टर एम० डी० श्रीराम
 - 5. कुमारी एम० डी० रातिका रंजनि,
 - 8, ।। मन बि०, केंम्थक्षाएण्ड **ग्र**दर्स लेग्नोट, शेशाद्विपुरम, बेंगलुर ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सभ्यारित के बर्जन के निष्

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्भ किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अन्**त्**ची

(दस्तावेज सं० 526/85, दिनांक 0→5-85) संपत्ति है जिसका सं० 17/7, जो अःलि श्रामकर रोड, बंगलूर, में स्थित है ।

> र० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रजनरोंज, बंगलर

दिनांक 27-12-85

माह्य :

प्रकप नाहरं . टी . एन . एस . ------

नायकर निध्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सुचना

भारत बरकार

कार्यासय, बहाबक बायकर बाय्यत (निर्देशक)

श्रजंत रोंज, बंगलूर गलर, दिनांक २७ दिसम्बर

बंगलूर, दिनांक 27 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 47447/85-86--यन: मुझे, प्रार० भारद्वाज, आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वनात करने का कारण हैं कि स्थावर बस्पीरत, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

घौर जिल्लकी सं० एम/15 है, तथा जो त्लारानाहिकल, बेगलूर में स्थित है (भ्रोर दिलंश उशबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिकस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 को 16) के अधीन, दिनांक 8∼5∼85, अगोधीनगर,

कां प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्दें और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिश्वत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नतिबित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिवत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) बन्तरण से शुद्ध किसी बाम की बाबत, उक्क विभिन्नियम के वभीन कर दोने के अन्तरण के वाभित्य में कमी करने या खबसे वचने में सुक्रिया के दिनए; वरि/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी भन या बंग्य आस्तिकों की, विन्हें आस्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया बाना बाहिए बा, क्रियाने में सुविधा के सिए;

- (1) मेसर्स :-- इंडियन टिविसस्ट डिल्स प्रा० लि०, उसके प्रतिनिधि:-- श्री एन० वि० रामन, सं० 27, I मैन, जयामहल एक्सटेंशन, बेगलूर--46। (अन्तरक)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यमाहियां सूक करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षीप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीच से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बह्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

रपच्यीकरणः — इसमे प्रयुक्त कस्यों और पकों का, को उथत वाधिन नियम को अध्याय 20-क में परिआधित हैं, वहीं अर्थ होंगा. को उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

(दस्तावज सं० 545/85, दिनांक 8-5-85) संपत्ति है जिसका संग्राम/15, जो तन्नारानाहिफल, बेंगलूर, में स्थित है ।

> र० भारहाज सक्षम प्राधिकरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, बंगलूर

जतः अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

दिनांक : 27-12-1985

व्यक् वार्ड्ःदी <u>एवं पुर</u> हुनन्त्रन्तनन्त्रत

भाषकर किपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के क्पीन स्थना

STATE STATE

कार्यासन, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्रार०—1709/37ईई/85-86-श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,100/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 45 है तथा जो प्यालेस रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवःरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन, दिनांक 30 5~1985, बेंगलूर,

कों पृत्रों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया। गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृजिधा कोलए: बीर/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा औं किया 🍱

श्राप्त **जब उक्त विधितियम की** धारा 269-म कै बनुसरण में, में, उक्त अधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) **डे बधीन,** निम्नकि**चित व्यक्तियों, बर्धा**त ट—— (1) मेलर्स एस० ए० प्रापर्टी डेबलपमेंट प्रा० लि०, 45, प्यालेस, योड, बेंगलूर ।

(ग्रन्तरकः)

(2) 1 श्री साव स्वतीति, (2) डाक्टर मोईन खलीति, 3 कुमारी अहरा बान् खलीति, 45/1, प्यानेस रोड, बेगलूर । श्री श्रार० महेण, 522, एवेन्यू, रोड, बेंगलूर----2 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीवा वें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की बविध, धो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यष्टिकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उम अध्यास में दिका स्याहै।

मन्स् जी

(दसावित संज 1457/85, दिनोंक 30-5-85) संपत्ति है िसात संज 4208, हूं पांडट—Iv (शोर रूस), जोर संज 45, प्यालेस रोड, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारकाज सक्षम प्राधिकारी सहस्य ६ श्रायकार श्रायका (निरीक्षण) श्रजन रोज, बेंगलूर

दिनांदः : 6-12-1985

मोहर 🖰

O OFFICE AND STREET THE PROPERTY OF THE PROPER

प्ररूप आहुर, टी. एन. एस.----

শাৰ্য অসিবিয়ম, 1961 (1961 का 43) জী भारा 269-ম (1) के अधीन भूजना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 19 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रार०—1665/85—86/37ईई—ग्रान: मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

नावकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिंचे इसमें इसमें इसमें पर्यात् (उक्त अधिनियम) कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रशिकानी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाइ स्थापित जिसका उचित गाजार मुख्य 1,00,000/-ए. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० प्लाट सं० 202 है, तथा जो 47/6, एम० जी रोड, बेंगलूर में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबढ़ श्रनुमुन) में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिक्ट्री हरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनां 31-5-1985, बंगलूर,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के बस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाजार भूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त कन्तरण निस्कित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बावधा, सकत अभिनियम् के ब्रुधीन कर दोने खे अंतरक को आयित्व में अपी कारने या उससे बचने में सुविधा से निष्; और/या
- (त) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अभ्य जास्तियाँ कां, बिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिह्न्

श्रतः लग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वी, मी. उस्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) वी अधीर सिम्निसिटट स्मक्तिस्टों, अधीर क्ल---

- (1) सिहाल इन्वेस्टमेंट कारपोरेमेंन, हथा थ्रो० सिट्टाल टावर्स, बि० विंग, 16-फ्लोर, 210, नारिमन पाइंट, बस्बई —21
- (2) ब्रांच श्राफिस : 47/6, एम० जी०रोड, बेंगलूर-1 श्रो में ारपोरेशन , भागस्त, हंसा, श्रश्रवाल, 31ए, मिट्टाल, चेंम्बर, नारिमन पाइंट, बस्बई-21 (श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुः

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :----

- (क) इत सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी बबिध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृषोबन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताभरों के पास सिवित में दिये वा सकारे।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाष्टित है, वहीं अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याय में जिस दवा है।

अनुसूची

(दस्सावेज सं० 1445/85, दिनांक 31-5-85) प्लाट सं० 202, एफ०-विंग, II फ्लोर, जो मिद्धाल टबर्स, 47/6, एम० जी० रोड, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राविद्यारी सहायक धायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज, बेंगलूर,

दिनांव : 19-12-85

प्रकार वार्चा टी. एन. एस. - - - -

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के जधीन सुचना

भारस सरकार

कार्यामय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांः 20 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 47347/85-86-ग्रमः मुझे, श्रार० भारद्वाज, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से **अधिक है** श्रीर जिसकी मं० 21 है, तथा जो विलसन गार्डन, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबन्न अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के **म्रधीन, दिनां**दः 8-5-1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कन के दश्यभान वितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्थास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाबार भूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल सं, ए'में दश्यमान प्रतिकल् का पन्द्रहः प्रतिकातः संगीधक है और जन्तरक (जन्तरकाँ) और बन्तरिती (बन्दरितियाँ) के बीच एके बन्तरण के तिए तथ शाबा गया प्रतिकास निम्नासिचित अबुबारेय से अच्छ सन्तरण

> (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य के कभी करने या उससे अचन में सृतिधा के लिए और/या

ोनधित में नास्तविक रूप वे कथित नहीं किया बना है :---

(क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों की. जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपान में सिवस के लिए;

(1) श्रीमती शारदम्मा, सं० 21, I फ्लार विलयत गार्डन, बेंगलूर ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती दिलगद बेगम सं० 13, खाति स्ट्रीट, बसवनगुडि, बेंगलूर---4

(भ्रन्तरिती)

की वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के सिर् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की समिति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 20 दिन की अमिति, जा भी मधी बाद में राजप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भी पर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्थाकरण :---हरण्यं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विधान्यम के बच्चाय 20-कं में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा जो उत अच्याय में विद्या नवा हैं।

ग्रन्स्ची

(दस्तावेज सं० 355/85, दिनांक 8-5-85) सम्पत्ति है, जिस*ा* सं० 21, जो विलसन गार्डन एक्सटेंशन, ब्रोंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारताज सञ्जन प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर स्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रजनरोज, बेंगलूर

दिनांक : 20 12-19**85**

मांहर:

कतः अव, उपत विधिनियम की धारा 269-न के वनुतरण में, में, उपत विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल विश्वति व्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २६५ छ। (1) के अधीन सुचना

शारत धरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगसूर .

बंगलूर, दिनांक 20 दिसम्बर 985

निवेण सं० 47381/85-86-ग्रतः मुझे, ग्रार० भारहाज, बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 2'69-क थे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 21/1 है, तथा जो अण्टन कास रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसुकी में श्रीर पूर्ण रूप मे विजित है), रिजिस्ट्रीकरश्र श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांकशिवाजी नगर में, मई 85,

को प्रबंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिफल से अपेर कंतरकों और वंतरिती (जन्तरितयों) के बीच एक अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तिमिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तारण सं हुई किसी नाम की बाभत उसका निधियम के नधीन कह दोने के मन्तरक के समित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के निए; बीच/या
- (व) देश तेक मी अन्य पा कि की वन या अन्य वास्तियों अन् जिल्ला के रतांत्र साम-कर समिनियम, 1922 कि अन्य सामिनियम, अन्य पा कि किया के 1937 की 1957 की 37) के प्रयोगनाथ अन्य किया जाना वाहिए का तिक्या में सामिक से सिए;

बतः वन, उक्त अधिनियम की भारा 269-न को बनुबरण थें, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) स्कैलैन बिल्डर्स प्रा० लि० 21/1, ब्रहंन ऋस रोड, बेंगलूर---25 (भ्रन्तरक)
- (2) रुवामिणि एण्टरप्राइजेस, 310, I, II मैन रोड, VII ब्लावः वेस्ट, जयानगर, बेंगलूर---82। (ग्रन्तरिती)
- (3) 1. श्री ए० द्वारिकानाथ 2.श्रीमती हबीबाई किरमानि
 3.श्री हेथ ० एस० श्रीनिवास 4.श्रीमती जानकी
 श्रीनिवास 5.श्री के० वि० एस० इत्र्ण 6.
 श्रीमती लिल्लि पौल ग्रीर श्री मान्यू पौल
 8 श्रीमती राजेश्वरी इत्र्ण ग्रीर 9. डाक्टर के० वी०
 हरि राव,

14. मेसर्स श्री ट्रास्ट । (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह तुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियों करता हुं।

तकत सक्यक्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्चनी भाषापे :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की अवधि, को भी वर्षी वर्षी वाधि मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) ध्व ब्यान के राज्यन में प्रकारन की दारीय के 45 विषय के बीचर उपत स्थायर सम्मारत में हितनहंग विषयी क्या मानित दुनारा सभोहत्वाकारी के बाद सिवित में किए का सभीचे !

रथव्यक्रिरणः---इतमें प्रयुक्त कर्यां और पर्यो का, को उद् विधिनियम के बध्याय 20-क में परिशायिक है, वहीं वर्ष होगा को उस मध्याय में विका गया है।

वन्स्∜

दस्तावेज सं० 529/85, दिनांक 0-5-85) संपत्ति है, जिसका सं० 21/1, जो अण्टन कास रोड, बेंगलूर-25 में, स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांदः : 20 ·12--1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-न (1) वे स्थीय धूमना

नारत तरकार

कार्यास्य , तक्ष्यक आवकर बाबुक्त (निरीसक)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 152/85-86-- श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थावर संपरित विसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 73 है, तथा जो कसबाग, बेलगाम, तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णकृप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बेलगाम में रिज ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 10-5-1985

स्ते प्वोंस्त संपरित के उचित वाचार मृत्य से कम के स्वयाय प्रतिफल के निए बन्तरित की नहीं हैं और मुफ्ते वह विश्वाद करने का कारण है कि स्थाप्वोंस्त कम्पृतित का उचित वाचार मृत्य, उसके स्वयान प्रतिफल से, एसे स्वयान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-कत निम्नितियों के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-कत निम्नितियों के सीच एसे बन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-

- (क) बन्तरून से इन्हें जिस्सी नाव की वायत, अक्ट विभिन्नियम के स्थीन कर धने के बन्तरुक से दावित्य में कभी करने या उत्तरे वसने में सुविधा के विद्युः बड्डि/वा
- (थ) ऐसी किसी बाब या किसी धुन या जन्य जास्तियों का, जिल्हा भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारी प्रकट नहीं किया गया था वा किसा जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के निक;

गतः अग, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिस्त व्यक्तियों, अर्थास्

श्री हरेन्द्रा,
 श्री महेण,
 "राम निवास", खानापुर रोड,
 तिलकवाडि, बेलगाम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित इन्दिरा वाई इंडणिज खानर, केयर श्राफ/ श्री एस० के० खानर, बूक बाण्ड इण्डिया लि०, वीराबद्रा टेंपल के नजदीक, रायपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विश्व की नगींथ का तत्संगीं व्यक्तियों पर शूचना की तासीस से 30 विश्व की वनिष्, वो और नगींथ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दितनकृष किसी बन्द व्यक्ति दुवास अभोहस्ताकारी के पास जिक्ति में किस वा स्केंचे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शस्त्रों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 962/85 तारीख 9-5-1985)। प्लाट नं० 73, जो खास भाग--बेलगाम तालुक--डिस्ट्रिक्ट बेलगाम, (नापना40'×60'), में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज, बंगसूर ।

तारीख: 23-12-1985

प्ररूप जार्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पुष्रर्जन रें ज, बंगलूर

बंगलूर, दिलांक 2 दिसम्बर 1985

निदेण मं० डी०ग्रार० 512/84-85 - श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव 105 है, तथा जो मझगांव, गोवा में स्थित है (और इससे पाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्य में वर्णित है), रजिट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मडगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 19-5-1985,

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का संदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

बतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अधीत ह— (1) श्री रोजरियो कारवेल्लो, कारपल श्रर्पां मेंट, मङ्गाव, गोया ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रल्बर्ट ईमेलियो केरटिनो श्रीमति गीता इस्पेरन्का केटिनो, बिल्डिंग ट्रे एरिया श्राफ मडगांच ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ः---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रय्क्त शब्दो और पदों का, जो उक्त क अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

डी॰ नं॰ 281/में 1985। (दस्तावेज सं० नारीख 19-5-1985)।

प्लाट नं० 105 रिजिस्ट्रेशन नं० 34, 566 तालूका नं० 1234 एण्ड सर्व नं० चल्टा नं० 78 पिटी मीट नं० 233 श्राफ सिटी मर्वे मञ्जाख, गोवा ।

> ग्रार० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 2-12-1985

मोहर ः

प्रकल नाईं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियज, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालवः, तहायक जावकर जायक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 2 दिसम्बर 1985 निदेश सं० डी०ग्रार० 511/37ईई/85-86-- ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अरेर जिसकी सं 104 है, तथा जो महगांध, गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, महगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-5-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमांन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विकास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के निए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वोक्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकः रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधिन में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आधंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सौक्धा के लिए;

अतः अध , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म कडी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री रोजरियो कारवेल्ला कार्वेलोज श्रपार्टमेंटस, मडगांघ, गोष ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रोजरियो वरिया कारनेरियो और श्रीमति ज्ञाघरिना ई कारनेरियो, नावेलिम फीरगाकामोडी सलसेट, गोवा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनुसूची

डी० नं० 282/में 1985 (दस्तावेज सं० नारीख 19-5-1985)।

्लाट नं 104 बिल्डिंग इन एरिया श्राफ भडगांव म्युनिस-पत्टी लिमिटेड श्रण्डर लैंग्ड रजिस्ट्रेणन नं 34, 566 तालूका नं 1234 और सर्वे चल्टा नं 78 श्राफ पी व्ही सिट नं 233, श्राफ सीटी सर्वे मुख्यांव, गोवा।

> श्रार० भारद्वाज मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगसूर ।

तारीख : 2-12-1985

मोहर 🛭

प्रकल बाह्य, टी. एव., एव.) ॥ - -

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) कई भारा 269-व (1) के अभीन त्य्वा

भारत करकाह

कार्यातय, रहायक बावकर शावृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० डी० भ्रार० नं० 445/37ईई/85-86-- श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

नायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इक्के परचार् 'उक्त सीधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-थ के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने आ कारण है कि स्थावर सम्परित, चित्रका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/-रा. से सीधक हैं

और जिसकी सं णाप नं० 5 है, तथा जो मापुसा गोवा में स्थित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मापुसा गोवा में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 11-5-1985

करे पूर्वेक्ट सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकास के सिक् बन्ति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकास से, एसे स्वयमान प्रतिकास का नंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्ति रिवियों) के बीच एसे जन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निलिक उद्देश्य से उच्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक स्था से किशत नहीं किया गया हैं:—

- (क) ब्रुच्छन वं हुन्नं किसी बाव की वावस, उपल स्थितियम के स्थीत कर देने के नन्तर्रक के स्थित्य में सभी करने का उन्नचे क्यने में कृतिया के तिहर; कार्यु/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियां को, विन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना वाहिए था कियाने में कृषिधा के सिए

वतः वयं उपत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निक्तिवृद्धित व्यक्तियमें, अर्थात् ह— (1) सरिगयो डे जुसीज कारवेल्ला श्रपोजिट दी फजंडा मापुसा गोवा।

(श्रन्तरक)

(2) श्री बालकृष्ण विस्वनाथ पर्नुलेकर "कुसुम" डीलपूहींल रोड मापुसा गोवा।

(भ्रन्तरिती)

की पृष्ट सूचना वाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किश् कार्यवाहियां कुछ करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाणन की तारी करें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरचः - इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, को अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया प्रशाही।

भनुसूची

डी० मं० 284/मई 1985 (दस्तावेज सं० तारीख 11-5-1985) । शाप नं० 5 श्रानम्द ग्राऊंड फ्लोर श्राफ लिबरटी श्रपार्टमेंटस श्रपोजिट दी फुअंडा मापुसा गोषा पर्लीथ एरिया श्राफ दी शाप इंज 26 स्का॰ मीटर बिलंडिंग अण्डर कस्ट्रम्शन ।

> न्नार० भार**द्वाज** सक्षम **त्राधिकारी** सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरेंज, बंगसूर ।

तारी**च** : 2-12-1985

मोहरः

प्ररूप बाइं.टी.एन. एस.-----

आयकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण) श्रर्जन रें ज-1, श्रहमवाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश स० पी० श्रार० नं० 3940-- श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० एच० पी० वेशपाल सिटी में एस० टी० स्टेण्ड के पीछे स्राजाद सोसाइटी है तथा जो जमीन क्षेत्रफल 179.3 वर्ग मीटर मकान 84.76 वर्ग मीटर 87.37 वर्ग मीटर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध सनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, वेरायल में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के सभीन तारीख 29-5-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्रायमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, ए दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिचत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्त्रिक रूप ते क्रीकत नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्व में कजी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; औप/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक्कर अधिनियम, या धनक्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमित सर्विताबेन **बाबूलाल** स**र्खेय्या** श्राजाद सोसाइटी एस० टी० वस स्टैण्ड के पीछे वेरावल (सौराष्ट्र)।

(मन्तरक)

(2) मैं० राजश्री सीमेंण्ट केयर भ्राफ इण्डियन रेयन कारपोरेशन, वेरावल जूनागढ़ रोड, वेरावल ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षम के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त का कितयों में से किसी क्या कित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किती कन्त्र स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किती कन्त्र स्थावत द्वारा जभोहत्ताकरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, श्री खक्त है, वहीं अर्थ होगा श्री उस अध्याय में दिवा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

वर्षकी

एच०पी० वेरायल श्राजाद सोसाइटी एस०टी० बस स्टेण्ड के पीछे जमीन क्षेत्रफल 179.3 वर्ग मीटर \times मकान ग्राउण्ड फ्लोर 84.86 वर्ग मीटर \times फर्स्ट लोर 87.37 वर्ग मीटर रिजस्ट्रेणन नं० 1348/29- 5- 1985।

जी०के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज 1, महमदाबाद

तारीख: 9-12-1985

प्ररूप बाइ : टी. एन. एस. -----

आध्यकर व्योधनियस, 1961 (1961 का 43) की प्राय 269-भ (1) के बधीन सूचना

धारत सरकार

शाधालय, महायक बायकार **आव्यत (निर्देशन)**

भ्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद भ्रहमदाबाद, दिनाँक 6 दिसम्बर 1985 निर्देश सं०पी० श्रार० नं० 3941--श्रतः मुझे, जी०के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० जमीन जूनांगढ़ में स्नार० एस० नं० 270 पैकी क्षेत्रफल 1686.50 हैं तथा जो वर्ग मीटर प्लाट नं० 14 से 21 जूनागढ़ में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 2-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभिन्य वाचार मूस्य से कम के अवसाम प्रतिकास के लिए अन्तरित को यहाँ हैं और मुक्ते यह विक्वाध करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का स्वित वाचार भूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकास से, एसे अवसान प्रतिकास का क्ष्यकू प्रतिकास से अधिक हैं और बंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तब वादा पना प्रति-क्ष निम्नसिवित उद्देश्य से उस्त अन्तरण मैंसीबत में वास्त्यिक क्य में कथित नहीं किया बना है है—

- (क) नन्तरण से हुई हैंकडी नाव की बावध करत वरि-निवध की वधीन कर दोने में नन्तरक के दावित्य के कभी करने या उससे ब्यन में सुविधा के मिए; आर्/या
- (वा) एंसी किसी बस्म का किसी अन का अन्य वास्तिकों करें, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्यत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए वा, कियाने के स्विधा वी लिए:

कतः जव, उक्त विभिनिषम की भारा 269-न के अनुसरक में, मी, उक्त अधिनिषम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोसिक्ति स्थितियों, कर्यात् :—- (1) श्री गोपाल भाई खीमजी भाई वाघेला श्रागोंनाइजर प्रयोज्ड-किरन को० भाँ० हा० मोसाइटो लि० गाँधी ग्राम, जूनागढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री झमीर भाई राताभाई मारू, चेयरमेत-सुभाष नगर को० छो० हा० सोसाइटी लि० श्रामापाली अपार्टमेंन्ट, गाँधीग्राम, कान्वेन्ट स्कूल के पीछे, जूतागढ़।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां कारता हु।

इक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इब स्वना के स्वपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की वर्षा या तस्त्र अपनी व्यक्तियों पर स्वना की ताबील से 30 दिन की व्यक्ति, वो भी अवीय बाद में समस्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उनक स्थानर संपत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए का सकागः।

स्वक्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को स्वक् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा नथा है।

बन्द ची

जमीन में जूनागढ़ श्रार० एस०नं० 270 पैकी प्लाट नं० 14 से 21 क्षेत्रफल 1686.50 वर्ग मोटर रजिस्ट्रेशन नं० 803/ 2-5-1985

> जी० के० पंडपा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रह्मदाबाद

तारीख: 6-12-1985

प्रकार नाइ. टी. एन. एव.------

नायकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में वधीन क्वन

भारत सरकार

कायालया, सहायक कायकार शायक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रें ज-1, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाँक 10 दिसम्बर 1985

निर्देण सं० पी० ग्रार० नं० 3942----- ग्रनः मुझे, जी० के० पंडया

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाचार मूक्व 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिनको सं० एच० पी० राजकोट में ढेबर रोड, गाँडल रोड, मानेक मोंन्यान है तथा जो "बा' जमीन क्षेत्रफल 727 वर्ग यार्ड + मकान में स्थित है (ग्रीर इममे उपाबद्ध प्रतुमूची में ग्रीर पूर्ण ामें बिण्य है), रिजिस्ट्रीकर्ग प्रिविकारी के कार्यालय, 377 अप्रिक्त किया में रिजिस्ट्रीकरण श्रिवित्यम, 1903 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख 6-4 1985

ना पृथा कर संपत्ति को उपित बाजार मून्य सं कम के स्थापन भारतिक को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास क इने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उपित बाजार बन्य, उपने दिवसान प्रतिक सं एंचे प्रस्थान प्रतिक का पान्तर का पान्तर पान्तर प्रतिक सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उप्देश्य सं उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उपन अधि-नियम के सबीन कर बन के अन्तरक के शाहित्य में सामा करने वा उससे बचने के सुविधा के खिये; सार/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा यन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंदनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट यही किया बना था या जिया जाना शाहिए दा. कियाने में मृतिया अंतिय,

अतः अबः, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुहरण भौ, भौ उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उप्धारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् —— 13—43 6GI/85 (1) श्री एच०पी० मानेक,
श्रीमित एल० एच० मानेक
श्री एन० एच० मानेक
श्री जे० एच० मानेक
केयर श्राफ- एम० एन० मानेक एण्ड कर्मानी,
जनक चेम्बर्स, गीरनार सिलेमा के गामने,
राजकोट,।

(अन्तरकः)

(2) श्री निजामुद्दीन युगुकश्रली भारमल. देवयश, गौंडल।

(ग्रन्यस्ति))

की बहु सूचना बारी करक प्रवेक्स सम्पोत्त क अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी कार्यप :---

- (क) इस ब्रुज्त के राज्यभ में प्रकादन की तार श्रेष सं 45 दिन की नविभ मा तरसम्बन्धी स्वक्तियों पर स्थान की तालीज से 30 दिन की संबंधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृज्ञीनस व्यक्तितों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (क) इक ब्रुवना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्रुव किसी बन्च व्यक्ति ध्वारा क्योहस्ताक्षरों के पाम निवित में किए वा सकीन।

स्पानिकरण:---इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उन्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्भ होगा को उस अध्याय में विवा क्या हैं।

ग्रनम्बी

एच० पी० राजकोट में "मानेक मेरिशन" हेबर रोड श्रौर गौंडल रोडपरम्थित है जमीन क्षेत्रफल 727 वर्ग यार्ड + मकान ग्राउण्ड फ्लोर ग्रौर 1 ली मंजिल 334.10 वर्ग मीटर 37ईई दिनौक 6-4-1985 को फाइन किया।

> जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

वारी**ख**: 10-12-1985

प्रकृष बार्च, क्षी, एन, एन, - - - ----

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की पर 760-च (1) के बमीत मुख्या

भारत चतुर्कान

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

श्रर्जनरें ज~], श्रहमदाबाद

श्रहमदांबाद , दिनाँक ,10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3.94.3/— ग्रतः मुझे, जी० कें० पंडया,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अभीन संस्था प्राधिकारी को यह विकास करने का नारण हैं कि स्थावर कम्मित , विसका उचित वाचार प्रक 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संउ एचं ज्यां र राजकोट में ढेवर श्रौर गौंडल रोड, पर जमीन क्षेत्रक है तथा जो वर्ग यार्ड + मकान माने क मेंग़न 'श्र' में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप में विज्ञा है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, 37ईई फाईल िया में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 6-12-1985

को पूर्विक्त सम्परित को उचित बाजार मून्य वे का के दरमान गीतफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विकास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्स संपरित का बाजिश बाजार मूल्य, उसके क्रथमान प्रतिकास से, ऐसे स्वकास प्रतिकाल का बन्तर प्रतिकाल के विकास हैं और जन्तरक (बन्तरकों) जीर अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए अय अया भया प्रतिकाल, रिस्निलिकित उच्चेष्य से उच्ने बन्तरण शिलिकत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) कि प्रश्लेनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा विष्:

भक्षक्ष क्षा, संबंध अभिनियम की भारा 269-य की अध्यक्षरण मो, सक्स अधिनियम की भारा 269-य को उपभाग्य (1) सार नियमिनिस्त अधिकायों संबंदि क्षान्य

- श्रीमिति एल० एच० मानेक
 श्री एन० एच० मानेक
 श्री जै० एन० मानेक
 श्री पी० एच० मानेक
 केयर श्राफ--एम० एन० मानेक एण्ड कम्पनी,
 जनक चेम्बर्स गीरनार मिनेमा के मामने,
 राजकोट।
 - (श्रन्सरक)
- (2) श्री इकीमुद्दीन युगुफग्रली भारमल, देवथरा, गौंडल।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राध सं 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्वना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्तींक्ड व्यक्तियों में है कि.डी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की दारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितवष्ध किसी शन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल चिकित में किए का सक्तेंगे।

स्वयाकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित इ⁸, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विका गया हैं!

वन्त्यौ

एच० पी० राजकोट में गौंडल और देवर रोड पर मानेक मेंशन 'अ', जमीन क्षेत्रफत 232 वर्ग यार्ड \pm मकान 37ईई दिनौंक 6-4-1985 को फाईन किया।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 श्रहमधाबाद

तारीख: 10 12 1985

माहर :

प्रकृप बाह्यं, स्टी., एन., एव.------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन स्थान

बारव ब्रुकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जेम रोज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिशोज 4 दिसम्बर 1985

भिर्देश सं० पी० आए० मं० 3944—-अतः मुझे, जी० के०। पंडया,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परप्पत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वस्म करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मून्स 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिन्नकी सं० णोप सं० 57, हीराभाई मारकेट में रायपुर दरवाजा बहार है तथा जो क्षोतकल 70 वर्ग यार्ड अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-5-1985,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित परें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित पर्व अस्तरक स्थ ये कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त गणि-नियम को अभीन कर दोने को जन्तरक को दायित्व में कमी करने या इससे वचने में सृविभा को निए, गौर/या
- (त) एसी किसी आय ग िकसी भन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हें अभ्रतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा चे सिए;

अप्त अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दे बभीनः निस्मीनीवत स्मृतिकारों, मर्थात के (1) 1.श्री क्रिजिजिंगार वासुदेव
रीटा पार्क सोसायटी
णाहीबाग, अहमदात्राद ।
2. जगदीणचन्द्र वासुदेव
णोप नं० 119 न्यु क्लांथ मारकट रायपुर दश्वाजा बाहर अहमदाबाद ।

(अस्तरका)

(2) श्री संप्रतराज लालचन्द चीधरी शोज संव 57, हीराभाई मारकेट, रायपुर दरवाजा बाहर, अहमदाबाद—2

(अन्तरिती)

का यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्स ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुना ?
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रा 45 दिन के भीतर जक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया नवा है।

नन्स्थी

शोभ सं० 57 हीराभाई मारकेट में टी०पी०एस० 2 ऋँश 18 एफ० पी० सं० 29 पैकी ऋँश 187 क्षेत्रफल 70 वर्गयार्ड रजिस्ट्रेशन नं० 5674/22-5-85।

र्जा० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जक रोज-1 , अहमदाबाद

दिमांक : 4-12-1985

:मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नवपुक्त (निरीक्षण)

अर्जान रेजि—1, हैण्डलूम हाउस अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निदेश मं०पी० आर० सं० 3945—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

शायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (किसे इसकें इसकें पश्चात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-का के अभीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विस्ताद करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति विस्तास स्वित वाणार भूरण 1,00,000/- का से अधिक हैं

ग्रांर जिसकी सं असी। क्षेत्रकल 935-27 वर्ग यार्ड + कन्स्ट्रक्शन अहमदाबाद में है तथा जो टी० पी० एस० 21 एफ० पी० सं 487 एस० पी० सं 2 में स्थित है (ग्रांप इसके उवाबद अनुसूची में ग्रांप पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंक्रिरती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) वन्तरण से हुए जिल्ली बाव की बावत, उन्तर विभिन्न के वभीन कर दोने के क्काइक की वावित्य में कमी कर्ने वा उन्नसे वभने में कृतिया में सिए; जोड/बा
- (क) ऐसी किसी अग या किसी धन वा अन्य वास्तिकों की, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) कुंबभिन, निस्निसिवित स्वक्तियां अधारी प्रस्ता (1) श्री आत्माराम भोगीलाल सुतरीया भरेकामाई भोगीलाल सुतरीया णाहीबाग रेखे क्रासिंग नजदीक, कैम्प रोड, शाहीबाग, अहमदाबाद---4

(अन्तरक)

(2) नवरंग पेम्बर्स एसोसिएशन के/ब्रो० 'संस्कृत' फर्स्ट फ्लोर हाईकोर्ट रोड, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सपत्ति के कर्जन के लिए कार्ववाहियां चुच करता हुं।

उन्य सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध के कोई शक्षीप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की ब्बिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बां मार पदां का, जो उकत मायकर है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेस्रफल 935-27 वर्ग यार्ड कस्ट्रक्शन अहमदा-बाद में टी० पी० एस० 21 एफ० पी० स० 487 एस० पी० सं० 2, रिजिस्ट्रेशन सं० 5603/8-5-85।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज—I, ग्रहमदाबाद

दिभांक : 12-12-1985

RET TIT PER

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वता

सार्ध सरकार

कार्यां नय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज-।, अहमदाबाद

अहमबाबद, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निदेश सं ० पी० और० सं० 3946---अतः मुझे, जी० के० पंडया,

मायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं कि जमीन क्षेत्रकल 935-27 वर्ग यार्ड + कंस्ट्रकशा अहमदावाद में हैं। तथा जो टी क्पी कि एस 21 एफ क्पी के 487 एस के पी कि से 3 में स्थित हैं (श्रीर इस्से उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न हैं), रिजस्ट्रीयर्ती अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में जिस्ट्री रूप कि विभिन्न में 1908 (1908 का 16) के अधीन, कि ने 8-5-1985 की पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिकल सं, एसे रूपयान प्रतिकत का गड़द प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकता, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्त- कारण हैं किया गया हैं:—

- (क) बन्धडम संहुदं किसी बाय की बाबत, उक्त सीधनियस के सधीन कार धानक कम्बरक क दासित्व में कामी कारने या उपसंबंधने में सुविधा व्हें सिए; मोद्र√या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बत्तः वक्त, उक्त विभिनियम की धारा 269-व के वन्तरण के, में, उक्त विधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षातः :---

(1) श्री रजनीकान्त जेसीमभाई सुतरीया रश्मिजान्त जेशीमभाई सुतरिया आत्माराम भोगीलाल सुतरीया कैम्य रोड, शाहीवाग रेल्वे क्रासिंग मजदीक, शाहीवाग, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) सोराव मेम्बर्स एसोफिएणन के/ग्रो० संस्कृत फर्स्ट फ्लोर, हाईकोर्ट नजदीक, नवरंगपुरा, अहमदाबाद—9

(अन्तरिती)

भन्ने यह स्माना जादी कारके प्रशिक्त सम्मान्ति के क्षान के लिहा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्ति के सर्थन के सम्बन्ध में खंडी भी बाह्य उ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वा नर व्यक्तियों में से किसी अविदित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः व्यक्षमा प्रयुक्त शब्दा अरि वर्षा का, **वा उक्त** अधिनियम के जन्माय 20-क माँ परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

जमीन क्षेत्रफल 935.27 वर्ग यार्ड + कस्ट्रक्सन अहमदाबाद में टी० पी० एउ० 21 एफ० पी० सं० 487 एउ० पी० सं० 3 रजिस्ट्रेशन सं० 5598/8-5-85।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण). अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 12-12-1985

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

अगगभागः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमाबाद
अहमदाबाद, दिशांक 24 दिसम्बर 1985

निदेश सं० पी० आर० सं० ३९४७ — अतः मुझे, जी० के० पंच्या

न।यकर अधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्तावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रों जिसकी सं ० एचं ० पी० टी० पी० एम० 3 पर एफ० पी०
सं ० 169 है। तथा जो जमीन क्षेत्रफल 418 वर्ग याई +

मकान अहमदाबाद में स्थित है (धाँर इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप मंबणित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, दिलांक 8-5-1985,

को पूर्वाक्त संम्यत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथांपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अनिरिक्षा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निगनलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथट नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) पंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण भ, भ, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अभीन, निक्तिन्धित अधिकतयों, अभीत् --- (1) श्री जयंतीलाल खुशालदास महेता 140 सन-मेट रो हाउसीस स्वामीनारायस गुरुकुल के सामने, ड्राइव रन रोड, अहमदाबाद—52 ।

(अन्तरका)

(2) कलासीक एवेन्यू श्रोतर्स एसोसिएशन अर्थोनाइजर मोहन लक्ष्मपदाय हीगोरानी श्रीर अन्य मानुष अर्थाटीमेट स्वाति सोसाय टी के नजदीय नवरगपुरा, अहमदाबाद—9

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस ची

एच० पी० अहमदाबाद में टी०पी० एस०-3एफ० पी० सं० 169एस० पी०सं० 15, शेखरपुर—खानपुर जमीन क्षेत्रफल 418 वर्ग यार्डे +मकान रजिस्ट्रेशभ सं० 5599/8-5-85।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज–।, अहमदाबाद

दिसांक : 24-12-1985

प्रकार बार्चा टी. १५ ८ एवं ८ -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जावनर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3948---श्रयः मुझे, जी० के० पंड्या.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रिचात 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपंत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1.00.000 /- रु *से* अधिक ह

श्रीर जिसकी सं० जमीन रोड़ रसमपुर सीमा में सर्वे नं० 260 एस० पी० है तथा जो नं० 3 जमीन क्षेत्रफल 2513 वर्ग यार्ड सी टी तालुका, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में एजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 8-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को सम्बान प्रतिकेत के सिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते वह विक्यात करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मन्य. उसके इत्यमान प्रतिफल से एोरो इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक हैं। और दह अन्तरक (अंतरक्यों) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय **शक्षा गया प्रक्रिकल, निम्नलिखित उड्डक्ट्रेय से उक्त** अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबता, अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा कं लिए; और/या
- (ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयवार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के किए:

कतः अव. उक्त अभिनिवस की भारा 269-न की जनसरक °, मैं, उक्त अधि^{क्}यम की गरा 269-च की उपधारा (1) के अधीन विम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

ender ny prompeny mandendra na vyskom kantala mandana da taken en vyskom ny danske 40, danske na taken na take (1) श्री प्रदशमा प्रयन्त समिकांत नवरंगपूर। टेलीफोन एक्सचेंज के नजदी 🐍 चिमन लाल गिर्धरलाल राइ, एलिसभीज श्रहमदावाद

(भ्रन्तरदर)

(2) श्री ग्रानन्द रमेणचन्द्र दलाल, प्रदीप रमेणचन्द्र दल(ल. श्रमीत रमेशचन्द्र दलाल, फ्लेंट नं० 201/सी, ग्रांड पराडी अपार्टमेंट, ग्रगोष्ट क्रांनि मार्ग, बम्बई-26

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्व क्षेत्र सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उचल सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोर्ब भी शाक्षीय :---

- (क) इस स्थल के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 वित की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की सामीर से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद र. समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- ं(स्र) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास भिष्टि में किये जा सकरें।

स्वव्यक्तिरवा:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्टे का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह अर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन क्षेत्रफल 2513 वर्गयार्ड फैक्टरी रोह, गांव रसनपुर सीमा सर्वे नं 260 एस० पी० नं . 3, सी टी तालुका जिला श्रहमदाबाद एजिस्ट्रेशन नं० 4986/8-5~85 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकर (निरीक्षण) ग्रजन रेंज- 1. ग्रहमदाबाद

दिनांक : 24-12-1985

प्रक्रम बार्ड, टी. एन. एस. ------

अल्पाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन बुचवा

भारत सरकार

क्षसांसन, तहारक सायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाव, दिनांक 29 दिसम्बर 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3949→-श्रनः मुझे, जी० के० पंडया,

लक्कर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (किले ध्वामे जनके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). ऋषी जारा २००३-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने न कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संर एक० भी० टी० पी० एस० 4, घर एफ० पी० नं० 144, एस० पी नं० 4, है तथा जो अमीन क्षेत्रफरा 1277 वर्ग यार्ड महान 284 वर्ग यार्ड, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण व्य से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 6-5-1985

को पूर्वोशत सम्पन्नि के बिक्य बाजार मूल्य से कम के दश्यमान बिक्यन के सिए जंतरित की पढ़ें हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्य सम्मित्त का उचित बाजार भूम्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टभान प्रतिफल का अन्तह प्रतिक्षत से अधिक हो और जन्तरक (अंतरकों) और जंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरक के लिए तम पामा गया जिक्स , निम्मिलिखत उद्वेष्य से उच्य जंतरण निचित में गन्तिक रूप से किया नहीं किया ज्वा है है—

- (क) व्यवरण वं हुई कियी भाग को नागत, उक्त विभिन्नियम के श्रभीन कर दोने के जन्तारक के दायित्थ में कभी करने वा उससे नचने में मुख्यि। अंकिए करि/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रभाजनार कन्तिरती द्वार अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिल्यान में सीविधा के जिल्

बतः केव अन्त विविद्यक्त व्याधारा 269-ग के बन्धरक्ष वं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा /// है क्षीन, निक्रालिकिक व्यक्तिस्तां, बचात क्रम्म (1) श्रीमती कांकी ताबोन मधुदार देसाई िणनयाग, भनीनगर, सहमदाबाद ।

(ग्रन्तरःः)

(2) श्री कानजीभाई कुरजीमाई पटेल, श्री बीरजलाल एम० गजभर श्रीर पमोद श्रीर प्रयोजितः गुम्बीवादी कार्टमेन्ट को० श्री०मोसायटी श्राद्यस्य सीसायटी बटवा रोह, भनीनगर, अहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचन। पारी करके प्रांकित कमारित के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्तर सस्परित के वर्जन के नम्बन्ध में कोई भी वासंप :--

- (क) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन को तारीज है 4.5 दिन की जबकि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 बिन की अधीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति बनारा;
- (ब) इस स्वात के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा नधीहरूताक्षरी के पास निवित में किए जा सकीते।

श्वाक्षीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कर्न्दों और पर्दों का, जो उक्त विभिन्नयम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, कहीं कर्ध क्षोगा जो उक्त कथ्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

एच० पी० टी० पी० एस० 4 पर एफ० पी० नं० 144, एस० पी० नं० 4 श्रहमदाबाद जमीन क्षेत्रफल 1277, 329 वर्ग यार्ड मकान 254 वर्ग अर्ट रिजस्ट्रेशन नं० 5488/6-5-85

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधि हारी सहायक स्रायक्षण स्थायकार स्रायकार स्थायकार स्राजन रेंक-ा, स्रहमदाङ्गाद

दिनांक : 2₄ 12~1985

प्रकृप बार्च .टी .एन .एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांकः 24 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० पी० ग्राप्य नं० 3950—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ज़िसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन श्रधाव सीमा में जिला श्रहमदाबाद मी टी तालुवा सर्वे नं० है तथा जो 468, 15682 वर्ग मीटर टी० पी० एम० 2, एफ० पी० नं० 35/1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीवर्ती श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1985।

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिका के लिए बन्तरित की गई है और बुको बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाबार बूल्य, उसके क्यमान प्रतिकास से एसे क्यमान प्रतिकान का पन्नह प्रतिक्षत से विश्विक है और बन्तरक (बन्दरका) और मन्त्र रिती (बन्तरिविक्त) के बीच एसे बन्तरक के बिए तब बाबा बबा प्रतिका, विक्नसिविक उद्देश से उसक बन्तरक सिकित से बाल्ट्रिक क्य से क्रिका सहीं किया बना है है——

- (क) अंसरण से हुई किसी आय की वाबत, उच्च विश्वित्र के वजीन कर दोने के बन्तरण क राजित्व में कमी करने या उक्तर करणे में युविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी कि सा आप या किसी पन या बन्य शास्तिकों की, पिन्हें भारतीय नावकार विश्वित्यम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ वृश्वित्यम, या चनकर विश्वित्यम, या चनकर विश्वित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रतीववार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा सा किया जाना वाहिए था, जिन्नाने में सविधा के बिए;

बत: प्रव, उन्नत अधिभिषम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उन्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन: निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——
14—436 GI/85

(1) श्री श्रमृतलाल सोमाभाई पटेल श्रीर श्रन्थ 64, मोटी खण्डकी, रखीयाल ग्राम, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कीमतलाल पीठलदास मिस्त्री, चेयरमेन~जय जोगेश्वरी को० ग्रो० मोसायटी, ब्लाक नं० 3, श्रंबीकानगर नीकोल रोड़, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के मिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो औं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकर्ग।

स्मक्टीकरण : इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो अक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना नवा ही।

अनुसूची

जमीन श्रधाव सीमा में सीटी सालुका जिला श्रहमदाबाद सर्वे नं० 468, क्षेत्रफल 15682 वर्ग मीटर टी० पी० एस० नं० 2, श्रीढव एफ० पी० नं० 35/1 ,क्षेत्रफल 11244 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन नं० 4430/मई; 1985।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनांवः : 24-12-1985

त्रक्ष आहे..टी..एन..एव.. ------

भागकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्थीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्क (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 3951—म्रातः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं एक मन्जला मधान स्टेशन प्लोट विस्तार में गोडल श्रेरी नं 8, हैं तथा जो जमीन क्षेत्रफल 533.3 वर्ग मीटर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 30-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके द्रियमान प्रतिफल हो, एसे द्रियमान प्रतिफल क्य पन्द्रह प्रतिक्षा से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पल, निम्नलिखित उच्चदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया हो :---

- (स) अन्तद्वन व सूर्व किसी साम की शबद , उपक विविध्यम के स्थीत कर दोने से अन्युरक के सामित्य वो सनी कड़ने वा अनुने बचने में सुनिधा में गिर्पृः बीद/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री ग्रमृतवाल वसन्तजी कनारिया, स्टेशन प्लोट , गोडल, जिला⊶राजकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पराग जयन्तीलाल शाह्, 2/16, श्रजन्ता अपार्टमेंन्ट, सावन बम्बई।

(ग्रन्तरिती)

को बहु स्थान चारी अहस्य प्राप्त स्थातिह सै नवीन से जिस् कार्यनाहिमा करता हो।

उक्त कम्परित से वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासोद:----

- ्रीकों इस स्वया के राजवृत्त को प्रकाशन की सार्थीय के 48 ं दिन की जनकि या तत्त्रीयंथी स्मित्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, वो भी कविष् बाद को समान्त होती हो, को भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों को ते निक्ती स्थानित ब्वारा;
- (क) इस त्यता के रायवण में त्रकातन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी जन्म स्थानित हवारा, मधोहस्ताकारी के पास निवित में किमो का सकेंग।

स्वक्यीकरण: — इसमें प्रमुख्त कव्यों और पदों का, जो अक्त अधिदेवस के सभ्याय 20-क में परिधालित हैं, यही अर्थ होता जो उस अभ्याय में विका नवा है।

अनुसूत्री

एक मन्जला मकान स्टेशन प्लोट में गौडल जिला-राजकोट।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-1, स्रहमदाबाद

दिनांक : 24-12-1985

प्ररूप आर्ड्: टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के बधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालयः, सहायक नायकर आयुक्तः (निरीक्तण) अर्जन रेंज—ा, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1985

निदेश सं० पी० आए० सं० 3952—अतः मुझे,० जी के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्ट्राँग जिसकी सं० दो मंजला मकान सीटी सर्वे सं० 1532 में प्लोट सं० 15 है तथा जो बोर्ड सं० 8 भिक्तनगर सोसायटी राजकोट में स्थित है (प्राँग इससे उपाबद अनुसूची में प्राँग पूर्ण-रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजरिट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिनांक 20-5-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एेसे दर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक इप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (व) ए'ती किसी या किसी थन या जन्म बास्तियों को जिन्हों भारतीय वासकर विभिनियम, 1922 [(1922 का 11)] वा उक्त अधिनियम, या थन-कर विभिनियम, या थन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27)] के श्रवोचनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया खाना खाना खाहिए था, जिनाने में सुविधा के जिल्हा।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 262-ण की उप्धासर (1) के क्षीन,, जिल्लीसिक्स व्यक्तियों, अधीन् ⊑— (1) श्री नानुभाई लक्ष्मणभाई रानागड कुंभाखास, राजकोट

(अन्तरक)

(2) श्री दामोदरभाई वल्लभदास पलान ठककर प्लोट. पोरवन्दर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की जबिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध ' किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पटकिरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त जिम्हित्यम्, के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसच्जभ्याय में दिया गया हैं।

मनुत्त्वी

जमीन और मकान भिक्तिनगर को० घ्रो० हा० सोसायटी राजकोट में स्थित है सी० टी० सर्वे सं० 1532 प्लोट सं० 15 बोर्ड सं० 8, 374.90 वर्ग मीटर जमीन का क्षेत्रफल है रिजस्ट्रेगन सं० 3567/20-5-85।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—ॉ, अहमदाधाद

दिमांक : 24-12-85

प्रारूप आहे.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) की अधीन सूचना

भारत प्रस्कार

कार्यातम, बहायक बायकर वासूनत (हिराजिन)

अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1985

निवेश सं० पी० आर० सं० 3953—-अतः मुझें, जी० के० पंडया,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जनत मिनियम कहा नमा है), की चारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छीचत बाचार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० विल्डिंग प्लोट सं० 3, बोर्ड सं० 16 सीट सं० 89 सर्वे सं० 2495, जाम है तथा जो टावर नजदी र ओक साहेब बंगलान नजदी र, राजकोट, में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, दिनाक 15-5-85.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दश्यक्षान वितिष्मा के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि मचाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके द्यामान प्रतिष्मत से एसे द्यममान प्रतिष्मत स्म चन्द्रह प्रतिष्ठत से विभिक्त है और बन्तरक (बन्दरका) और अंदरिती (बंदरितिका) से बीच एसे बन्दरक से लिए एस पान चना प्रतिष्मत, निम्नितिष्यत उद्देश्य से उच्छ बन्तरूज जिल्लित को वास्तरिका इन से स्टीचन मुद्धी दिवस प्रस है है—

- (क्रि) जन्मद्रम में हुद्र किसी जान भी नावत उन्ह जीध-नियम को मधीन कर दोने के सन्तरका के दावित्य में क्रियों करने का समुद्र बड़ने में ख़ुतिया के किए मुद्दिना
- (व) एंसी किसी बान ना किसी अन ना अन्य नास्तियों को, किन्हें जारतीय भावकर मिश्रीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मित्रम, पा धन-कर मिश्रीनयम, पा धन-कर मिश्रीनयम, पा धन-कर मिश्रीनयम, पा धन-कर मिश्रीनयम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ मृन्दिरी व्यापा प्रकट नहीं किया गया वा सिक्स खाना शाहिए था, कियाने में सुविधा के बिए;

भारा मन, उक्त भौभिनियम की भारा 269-ण के अनुसहर-में, भैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) भुद्रे अभीत, निम्नीतिस्ति व्यक्तियों, अभात्:-- (1) विमला **बेन म**नीलाल पारेख हरमानी हाउस, पंचनथ प्लोट, राजकोट ।

(अन्तर्क)

(2) श्री जिनेन्द्रकुमार इन्द्रुलाल णाह ब्रह्मऋया, श्रेक रोड, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को बह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्प्रींस को अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करवा हूं ।

उनत सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह—-

- (क) इस स्थान के राज्यन में मकायन की तारीय से 45 विन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामीय से 30 दिन की स्वधि, जो भी जबिंद नाय में समान्य होती हो, के भीतर प्रोंचर क्षित्यों में से किसी व्यक्ति बुवार;
- (क) इस स्वाना के रावपन में मुकाबन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के धास विविद्ध में किए था सकेंगे।

स्वक्षीकरणः --- इसमें प्रवृक्त शब्दों और पद्यों का, वो उक्त मीधीनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

बिल्डिंग प्लोट सं० 3; बोर्ड सं० 16 णीट सं० 89 सर्वे सं० 2495, जाम टावर नजदीक, श्रोफ साहेब का बंगला के नजदीक राजकोट में स्थित है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदबाद

दिनांक: 24-12-1985

प्ररूप **वार्**क **डी, एत्., एत**्, -----

नाथकर विभिनिषम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

ALTER SECTION

जार्थालम, महत्वक नायकर भाग्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज $-\mathbf{I}$, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिःगं रु 🙎 विसम्बर 1985

क्षिदेश सं० पी० भार० स० ३५५√—२३: मुझे, जी**०** के० पंडया.

षायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीतिज्ञाकी संवज्ञमील भावसमानी सर्वे संव 321, 322/1 श्री 322/2 श्रीर 323 है। तथा जो शिक्षफल 56555 वर्ग साई बोध हाम के साथ श्रीर 17 जमीन का अन्य भाग में स्थित है (श्रीर इक्के उताबढ़ अनुपूर्वी में श्रीर पूर्ण कर से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के वार्यालय, भावनगर में तिस्ट्रीकरण अधिकारी के वार्यालय, भावनगर में तिस्ट्रीकरण अधिकारी 1908 (1908 का 16) के अधिकार दिनाक 13-5-85.

को पूर्वितर सम्परित के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की मर्प हैं और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण हैं कि प्रकार के प्रतित का उचित नाजार मृत्य हसके वर्षमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भित्रवा से अधिक हैं और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरिवर्मों) के नीज एसे अन्तरण के सिए त्यु पावा ज्या प्रतिफल किम्मिलिखित उद्देश्य से उथ्य अन्तरण निवर्ध के वास्तरण कर सिर्म के सिर्म के विश्व के वास्तरण के सिर्म के सिर्म के विश्व के वास्तरण के सिर्म के सिर्म के वास्तरण के सिर्म के सिर्म

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत है जस्त विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने की सुविधा के बिपट, बॉट/बा
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी क्षण वा कन्य वास्तियों को, विन्हें भारतीय आय-कर विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) वा उपन्त विभिन्यम वा अनुकु विभिन्यम है। अनुकु विभिन्यम (1957 का 27% के प्रयोगनार्थ वन्तरिती व्याप प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविभा को विद्या

मतः वय, त्रक्त विधिनियम की भारा 269-म की वनुसर्क में, में, जक्त अधिनियम की भारा 269-म की जपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) दा भाधनगर इलैक्ट्रीशिटी उम्पनी लिमिटेड. वरनेत रोड. भावनगर ।

(अन्त रक्षा)

(2) गुजरात इलैक्ट्रीसिटी बोर्ड विद्युत भवन रेस कोसं, बरोड़ा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के विष् कार्यवाहियां करता हुं:

उनक् छश्यरित के बुर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी बाक्कंबु :----

- (क) इस म्पान के राजपक में प्रकाशन की तारीज सं 45 दिन की सर्वधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की सर्वधि, को भी सर्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्विन्यों में सिक्सी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याव के विद्या गया है।

मभ्**त्रकी**

जमीन भावनगर में सर्वे सं० 321, 322/1, वी, 322/2 श्रीर 323 क्षेत्रफल 56555 वर्ग यार्ड बांधकाम के साथ श्रीर 17 जमीन का अन्य भाग

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I,अहमदाबाद

दिनांक : 24-12-85

प्ररूप आर्फ्, टमी. एन: एक्स. ------

आमकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) को भारा 269 घ (1) के अधीन सुखता

भारत सरकार

क्षार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंजर-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1985

निदेश सं० पी० आर० मं० ३९५५— अतः मुझे, जी० के० पंडया.

बायक र मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इत्व इत्व पश्चात 'उक्त विभिन्नम' शहा नया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाचार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० जमील ग्राँग मकाल कृष्यतगर में प्लोट सं० 615-वी बोर्ड सं० 5 है तथा जो णीट सं० 156 जमीन 1157.76 वर्ग मीटर मकाल 222.21 वर्ग मीटर में स्थित है (ग्राँर इसके उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँग पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिनांक 4-3-85 ग्रींर मई, 1985,

को प्रशंकत सम्मतित के उभित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रशंकत सम्मत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके स्थयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिशत से स्थिक है और संतरक (बंतरकों) और संतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया नवा प्रतिक्त कर निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त सम्वरण निम्निवित में बास्त- विक कम से क्षीयत सहीं किया पना है हम्म

- (क) अन्तरण संसूर्व किसी साम की बायत उसत माभु-निसस की अभीन कर दोने के ज्लारक के दायिक से कमी करने या उससे बजने में स्विधा के लिए; कर्मा
- (थ) होती किसी बाद वा किसी थन वा बच्च बास्तियों की, चिन्हों भारतीय बाद-कर ब्रिश्मियन, 1922 (1922 का 11) या जबत बाधिनयम, या पत-कर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मियती क्लास्त प्रकट नहीं किया गया वा दिक्या जाना जाहिए था, कियाने में सुनिधा से जिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्मरण को, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिकित स्थक्तियों वर्षात १---

 श्री अरकेशरे लक्सीशंकर भट्ट किरनकुमार लक्ष्मीशंकर मुमिनाबेने , लक्ष्मीशंकर नर्मदाशंकर की विश्ववा पत्नी 618-बी गीता चौक, कृष्णनगर भावनगर ।

(अन्तरक)

(2) प्रयोजकड श्री पारु को० श्रो० हा० सोसायटी लिमिटेड प्रमोटर श्री डागर भगवानभाई बलुभाई बडवा तलावडी भावभगर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्ल सम्परित के अर्चन के लिए कार्ववाहियां सूच करता है।

उनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र हुं---

- (क) इत सूचना की राज्यका को प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्भ व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के जन निरित् में फिर्ह या सकों ने।

सम्बद्धिकरणः - इसवें प्रयुक्त संबद्धी बाँर पदों का हा उपल वीधीनयम के अध्याय 20-क में पुरिभाषिद हैं । वहीं अर्थ होगा हो उस अध्याय वे दिवा नवा क्षेत्र

मन्स्ची

जमीन श्राँर मकान कुश्ननगर में प्लोट मं० 615-बी बोर्ड सं० 5 शीट सं० 156

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~I, अहमदाबाद

दिनांक : 24-12-1985

प्रस्थ बाह् ु टी, एन ु एस .-----

नावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269÷व (1) के जभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज $-\mathbf{I}$, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 दिसम्बर 1985

निदेश सं० पी० आर० सं० 3956——अतः मुझे_, जी० के० पंडया

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्भत्ति जिसका उचित् बाबार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं जमीन क्षेत्रफल 488 वर्ग यार्ड-ी-मकान टी०पी० एस० 3 पर है। तथा जो एफ० पी० सं 169 एस० पी० सं 3 1/5 शेर ए० एफ० पी० अहमदाबाद में स्थित है (स्रोर इसके उपाबड अनुभूची में श्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-5-1985.

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने, का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई जिसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम या धन कर बिधीनयम या धन कर बिधीनयम 195 / (1957 का 27) बै प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जिनेन्द्र णान्तीकार शाह सावरकुंज, एलिसब्रिज, अहमदाबाद ।

(अन्ध्रक)

(2) श्री परमोत्तमदास हाथीदास पटेल चियरभेष चर्मर फ्लेस विकास मण्डल महेसाना मोसायटी , भवावाउज, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना पारी करके पूर्वी श्रा सम्परित के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्क सम्पृतित के भूषीन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षीय ---

- (क) इस त्यान के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 हिन की बन्धि या तुरसम्बन्धी न्यन्तियों पर सूचना की तालीन से 30 दिन की जनधि, वो भी बन्धि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हित्बब्ध क्रिक्टी कच्च व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे

स्पथ्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया ही।

धनुसूची

जमीम क्षेत्रफल 488 वर्ग याई + मकान टी० पी० एस० 3 पर एफ० पी० सं० 169 एस० पी० सं० 2 अहमदाबाद हरएक का का का 1/5 शेर रिजस्ट्रेशन नं० 4212/3−5−85।

> जी. के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रोज, अहमदाबाद

दिशांक: 26-12-85

प्ररूप बाइं.टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1. अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 26 दिसम्बर 1985

ादिश सं० पी० आग्र०सं० 3957——अनः मुझे, जी० के० पंडया.

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह जिस्सास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिनकी सं जिमीन क्षेत्रफल 488 वर्ग याई ने मकान टी० पी० एम० 3 पर है। तथा जो एफ० पी० सं ज 169 एस० पी० सं ज 2, 1/5 अहमदाबाद में स्थित है (श्रांर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प में विणित हैं), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिगारी के कार्यालय, अहमदाबाद में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 पा 16) के अधीन, दिसांक 3−5−1985.

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का कल्क्स प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

नतः नग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण गं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।:--- (।) श्री औं पंहन शांतीलाल शाह गावस्कुंत सोमायटी एलीनक्रीज, अहमदावाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री परमोत्तमदास हाथीदास पटेल चेयरपेस मुमेर कोर विकास मण्डल महेराना सोनायटी भयावाडज, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाध्येप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन के बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं.4

वन्सू औं

जमीन क्षेत्रफत 488 वर्ग यार्ड + मकान टी० पी० एस० 3 एक पी० गं० 169 एस० पी० सं० 2, अहमदाशाद म्/ऽ शेर हरएक का रिजस्ट्रेंशम सं० 4213/3-5-85 ।

> जी० ६० पडया रक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेज-I, अहमदाबाद

विभोक : 26-12-1985

प्रकृत काहुर टी. एव. एस. ------

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरक 260-च (1) के अधीन सुचना

भारत महकार

कार्यालय, सहायक आएकर आप्तक (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ब्राहमदाबाद, विवर्षक 26 दिसम्बर, 1985

निदेश मंऽपी० श्रारुतनंऽ 3958~⊸श्रनः मृझे जी० के० पंडया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269-ज है अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

फ्लेंट टी० पी० ए५० ३, एफ० पी० नं० ३८६

पर फर्नेट नं रहे तथा भी उद्याय उद्याय 8 क्षेत्रफल 131 वर्ग याई कमलदीप फ्लैटम शहमदादाद में स्थित है (और उपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विभिन्न है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदावाद से रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थम, दिनौंक मई 1985।

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके स्थ्यमान प्रतिफल में, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्स् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकात में बास्तियक हम में कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: अरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया धर या किया जाना नाहिए था, कियाने में सुविधा के निए:

बतः क्षत्र, उपस विधिनियम औ धारा 269-ग के बन्मरण मों, मों, उप ऑधिनियम की धार ∜69-घ की स्मधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :~~ 15—436 GI/85

- (1) श्री हर्षत्माई सार पटे ज, फ्लैट नं रु बब्ल्यू रु बब्ल्यू रु 8 कमलदीप कारु श्रीरु हारु सोमायटों, टेलीफोन एक्प चेंज के सामने नवरंगपुरा, अहमदाबाद- १। (अस्तरक)
- (2) श्री श्रतिल जणवंतलाल णाह, बीरंन जणवंतलाल णाह, फ्लैट नं० 6/1/ए, श्रीबाग फ्लैटम हाईकार्ट के पीछे, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद-9। (ग्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके प्योंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में सम्माप्त होती हो, की भीलर पर्वोक्त ल्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पण्णि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी है पोस लिखित में किए वा सर्कोंगे

स्पष्टिकरण: --- उसमें प्रयूक्त शब्दों आर् पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा के उस अन्याण में दिया गया है।

श्रम्यूची

फ्लैट श्रहमदाबाद टी० पी० एस० 3 एफ० पी० नं० 386/ सी/1 कमलदीप को० ग्रा० हा० मोसायटी श्राइपा मजला फ्लैट नं० डब्ल्यू० डब्ल्यू० ३, रजिस्ट्रेशन नं० 5643/85/मई 1985।

> जी० के० पंडया नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-- । , ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 26-12-1985

पक्रप आर्ड. टी एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालयः, सहाएक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

> श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 26 दिसम्बर 1985

निर्देश सं०पी० ग्रार०न० 3959——ग्रनः मुझे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 131 नवागढ़ सीम में खेती की जमीन है तथा जो क्षेत्रफल 4 ए हड़- 19360 वर्ग यार्ड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकिसी ग्रिधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनौंक 18 मई 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि "भापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से एसे दश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती की एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उक्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दांच के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं स्थान में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया पा या किया जाना बाहिए था, छिपान से सृविधा के लिए;

बत: बब, बब्द, बिमिनबम की पारा 269-ग के बन्हरक मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) इं अभान: निम्निनियन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मूलीभाई माँडलभाई पादरीया, फुलवाड़ी छोटा, नालुका जेनपुर, जिला राजकोट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बाबूलाल नानजीमाई, चैयरमैन-प्रपोजड-श्री पंजवटी को० श्रा० हा० मोमायटी नवागढ़ नालुका जेतपुर, जिला राजकोट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर है पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पंति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

अनुसूची

सर्वे नं० 131 नवागढ़ सीम में खेती की जमीन क्षेत्रफल 4 एकड़—16360 वर्ग यार्ड।

> जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी महायकत्राय हर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज~1,ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 26-12-1985

_'| हर :

प्रकष्, बाह्रों, टी. एन्, एस., *****

बायकार समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यानय, बहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

धर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनौंक 26 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3960—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाए 'उन्कर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ≥69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति, जिसका उचित्र बाबार मृख्य 1,00,000/- सः से अधिक हैं

श्रीर जिनको सं० दो मंजला महान सर्वे नं० 476 स्त्रातिक हा० सोसायटी में है तथा जो रेलत्रे लाइन पोछे राज ोट में जमीन 150-वर्ग यार्ड मकान 139.19 वर्ग मीटर से स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुनूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणिन है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रो-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक 16 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यशम्यूगेंक्त संपित्ति का उाचत बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल में, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात में अधिक हैं और अन्तरक (जलारका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय बाबा नया प्रतिकास, विश्विकाशिक क्ष्यक्ष ये उच्छ बन्तरण जिश्वक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है द—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरकः औ बाबित्य में कजी करने या उससे बचने में सुविधाः के सिए: और/मा
- (सं एंसी किसी बाव या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

नतः प्रव, उन्त विधिनियम की भारा 269-ग के वन्तरण में, में, उन्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) ग्री किशोर कुमार जीवनलाल, स्वास्तिक हा० मोसायटी रेलवे लाइन के रीछे. राजकोट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री अष्टण कुमार भोगीलाल शाह, भिक्तनगर सोमायटी राजकोट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां खुक करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यम में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की जविश्व या तत्नंबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविश्व, को भी अविश्व दाद में समाप्त होती हो, को भीतर पर्वोक्स स्वित्यों में से किसी व्यक्ति एकाराः
- (स) इस सूचना के राजपण मो प्रकाशन की तारीच क्र 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर मंपरित मो हितबप्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहम्साक्षरी के पार लिखित मो किए जा सकीं।

ल्यक्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदां का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविक हा, वहीं अर्थ रांगा, ओ उस ल्याय में विकास पका ही।

अनुसूची

द्रो मंजला बिल्डिंग सर्वे नं० 476 पर,स्वास्तिक हा० सोसायटी, रेलवे लाइन के पीछे, जमीन 150 वर्ग यार्ड---125 वर्ग मीटर मकान 139,19 वर्ग मीटर।

> जी० के० प्**डया** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनौक: 26-12-1985

मुक्त बाह्" . हो . एव . एव . ------

मायकर अधिनियम, 1951 (1961 का 43) का पाच 269-च (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

अर्थायय , सहायक भायकर आध्कत (निरक्षिण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनाँक 27 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3961 —~ भ्रतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/~ क. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० णाप तं० 87 लीवर प्लाजा में चीनुभाई टायर है तथा जो स्राक्षम राइ, क्षेत्रफल 400 वर्ग फीट स्रहमदाबाद में स्थित है (स्रीर इनमें उपायद्ध स्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना शिधकारी के कार्यालय, 37ईई फाइल जिया में रिजस्ट्रीकर्ना शिक्षितियम, 1908 (1908 का 16) के स्राधीन, दिनाँक 12 मार्च 1985।

कां पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कथ के दश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की नद्दें हैं और मूझे यह बिश्वास करने का कारण हैं कि अथायुनेंक्त संवरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे अस्पमान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरम के सिए हव बाबा बुवा प्रदि-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरंग सं हुए जिसी कांग की गावस, उपत व्यक्तिगियम के बचीन कर दोने के जन्मरण के बाधिरम् में कंसी करने वा उससे बक्तने में सुविधा के शिव; खर्रिनम
- (क) प्रेसी किसी बाब वा किसी वर्ष वा सम्ब सास्तियों कों, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधकर्ण अन्यक्तियों क्यारा अवस्य नहीं किया वा वा वा वा किया का की क्या वा किया के अधिका के किया

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:----

- (1) ग्रविनाश एस्टेट ग्रांनर्स एसोसियेशन को ग्रोर से मसर्स हंसमृख शाह एंटरप्राइजेज, फर्स्ट फ्लार, चीनूभाई टावर ग्राश्रम रोड़, श्रहमदाबाद-- 9। (श्रन्तरक)
- (2) श्री जीगुल धीरजलाल, रंगवाला फ्लैटस, फीफ्थ फ्लोर, गुजरात कालेज के नजदीक, एलीमबीज, श्रहमदाबाद-9 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु:

तकत सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में खर्श भी बाक्षण:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विवृ की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी नविध शाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पृथों मद व्यक्तियों में में किसी व्यक्तिय तुथारा;
- (क) इस स्थान के राजधन को अकाशन की बारीय स 45 दिन को भीत र जनत स्थावर सम्यक्ति में हितववृथ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा बकोंगे।

र्व्यक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त स्वयों और वर्षों का, को स्वयक्ष ह्यीकृष्य, को वश्याय 20-क में प्रिशाणित ही, सही वर्षकृष्या को उस कश्याय के दिवा नमा ही।

वम्स्ची

शोप नं० 87 लोबर प्लाजा पर चीनूभाई टावर नटराज सिनेमा के सामने श्राश्रम रोड़, श्रहमदाबाद क्षेत्रफल 400 वर्ग फीट 37ईई दिनाँक 12-3-1985 को फाइल किया।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज– !, स्रहमदाबाद

दिनौंक: 27-12-1985

शक्य बाइ .टी.वन.एस. -----

नावकर निभिन्नम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नवीन सुवना

बार्ड सरकार

न्तर्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (नि<u>र</u>क्तिका) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 27 दिसम्बर 1985

निर्देश स० पो० श्रार० नं० 3962—-ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

नामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अभिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विद्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्परित. जिल्ला उचित वाबार मुख्य 1,00,000 र र . पे विधिक हैं

श्रौर जिसकी स० भाग नं । 18 स्वास्तिक सृपर मार्कीट श्राश्रम रोड़ है तथा जो क्षेत्रफल 308 वर्ग फीट टी० पी० एस० 3 एफ० पी० 121 प्रहमदाबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से व्यक्ति है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में अजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक मई 1985

को प्रवेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार बृध्य, उत्तके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का प्रवृह्ण प्रतिफल का प्रवृह्ण प्रतिफल के प्रवृह्ण प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अंतरिता (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के विए स्थ पाया गया प्रविक्त कर्म विभागिवित उद्वेषम ने उक्त बन्तरण कि विक्त में बाल्यिक क्ष्य से क्षिण करीं कि का मका है:---

- (क) अन्तरण से हुई जिसी बान का नागत, उनके अधिष्वध्ये वृत्तीन कर दोने के सन्तरक के दानिस्थ में काली कहने वा बच्चे न्याने के सुनिया के लिए; ब्रोडिंगा
- (क) ए.ची किसी बाय ना किसी जन या नाय वास्तिकों को, किसी आय ना किसी जन-कर वीधीनवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मानेकलाल हरीलाल मिल्स लिमिटेड, सरसपुर, श्रहमदाबाद-18।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीराज द्राविल्स श्रोर टूर, प्राईवेट लिमिटेड, शाप नं० 18, जी० एफ० स्वास्तिक सुपर मार्कीट, श्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चार् करके प्रतिकत सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हु:

उपत राज्यीत से सर्वन से सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकातन की तारीस से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की समित, को भी नविष नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस ब्वारा,
- (क) इंड सूचना के राज्यक को प्रकारन की तारीक हैं

 45 किन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में जितनकृष्

 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
 हिनकिन मा किए का सकेचा।

ल्लाक्षरणः --इत्रजे प्रवृत्तः वस्ते वरि राष्ट्रे का, को वस्त व्यक्तिवृत्तः, से वस्ताव 20-क से प्रशासक वृ्धि बहुति वर्ष होता को उस वस्ताव् में विसा यहा है।

मग्रं की

शाप नं ० 18 ग्राउंड फ्लोर पर स्वातिक सुपर मार्कीट श्राश्रम रोड, श्रह्मदाबाद क्षेत्रफल 308 वर्ग फीट टी० पी० एस० 3, एफ० पी० 121 रजिस्ट्रेशन नं० 3418/मई 1985।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निराक्षण) स्रर्जन रेंज-1, स्रहमदाबाद

दिनाँक: 27-12-1985

प्रकृप आर्च. दी. एन. एस . -----

भावकाः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-न (1) के अधीन सुचरा

भारत सरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद भ्रहमदाबाद, दिनौंक 27 दिसम्बर 1985 निर्द्रोण सं० पी० भ्रार० नं० 3963--भ्रतः मुझे, जी० के० पंडया

कायकर गाँचित्रमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्यों इक्को प्रवस्ता 'उक्स अधिनियम' महा गमा हैं), भी भारा 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी क्या कह विस्कास करते का कारण हैं कि स्थावर समाना जिलाका उल्लिट कालार मृख्य 1,00,000/- रहा में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सी० टी० एत० तं० 24/एत०/1 माधववाग जामनगर हैं नथा जो विकिशंग नी० एफ० एफ० एफ० श्रीर एस० एफ० में स्थित है (श्रीर इससे उपायख श्रतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री हर्ची अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक 27 मई 1985।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मून्य सं कम के कम्ममन प्रिक्ति की सई है और मूझे यह निश्कास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित सम्बद्ध कृष्य, इसके स्वयमान प्रतिफास स, एसि क्ष्ममान प्रतिफास का प्रकृष स्वयमान प्रतिफास का प्रकृष प्रतिपत्ति (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफास निम्नलिक्षित उद्वेष्य से उन्त अंतरण लिखित में नास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तप्रथ से हुन् किसी बाव की नावक, उससे सचितियम से संशीत कह दोने के संसद्धक में अधिरत में अभी अध्येत मा उससे नवने में सुविधा के निरुष्ट, भीर/या
- (वा) एसी किसी लाम या किसी पर या शत्य बाल्डियो की, जिस्हां भारतीय नामकार लांधीतयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था मा निजा जाना चाहिए था जिनाने में सुदिक्षा के लिए,

बतः वन, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के जनुसरण मो, मी, उक्त आभिन्यक की भार 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, वर्षाकु :— (1) श्री करतनदास लालजी रावड़िया, हरीदास लालजी रावड़िया, श्रोसवाल कालोनी, जामनगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेशचंद्र जमनादास राबड़िया, किगोरचंद्र जमना दास राबड़िया, निरंगन जमनादास राबड़िया, माधन नाग, जामनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुच्छल जारी कराते पृत्रोंकरा सम्पत्ति को अर्थन के सिस् कार्यनाहिकां कराता हो।

उन्तर इंप्लिस्त के वर्षन के इस्मान्य में कोई थी बार्योप:---

- (क) इस तृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औं अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगः

स्वच्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं कर्ष होगा जो उस कथनय में दिया गया है।

नम्ब्रुकी

सी० एम० नं० 24/एच०/1 बिल्डिंग जी० एफ० एफ० एफ० भौर एस० एफ० माधवसाग, जामनगर।

> जी० के० पं**डया** सभम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, **प्रहमदाबाद**

दिनौंक: 27-12-1985

मोहरः

प्ररूप आर्ड.टी.एम.एस.-----

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की शरा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत संरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनाँक 27 दिसम्बर 1985

निर्देश सं०पी० ग्रार० नं० 3964---ग्रतः मुझे जी० के० .

पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 702 सातवीं मंजिल पर किसन्ट 'बी बार्ड नं० 15 है तथा जो सी० टी० एस० नं० 1010 रेस कीर्स रोड़, राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उगाबद्ध श्रनुसूची सें ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रांकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय 37ईई फाइस किया में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौक 2 मई 1985।

करं पृत्रंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रूयमान प्रतिफल के लिए अन्तारत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल में एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिस्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया रितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अस्त अन्तरण निचित के बास्तिविक रूप है कथित अर्ही किया गया है

- (का) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उबसे बचें में सृविधा के लिए; बौर/बा
- (ख) एसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तिथों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

चतः त्रद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) उ व्यक्ति नियमिकित व्यक्तियों, सर्वात् क्र— (1) मैश्स जिं० एन० आपोरियन 48, इन्द्रनारायण रोड़, शांनाकूज (वेस्ट), वोम्बे-400054।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चंद्रभान्त भाई मातजीभाई पटेल 4, न्यू जगन्नाथ प्लाट, राजकोट--360001 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मा सभापत हाती हो, के भीसर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी विकास द्वारा;
- (स) ६म भजना के शजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भें तिर लवत स्थावर सम्पत्ति मी हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निम्बद या किस जा सकेता.

न्यातीकरणः—-इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्चत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं० 702 मातवां मंजला पण क्रिमेंट 'बी' वार्ड नं० 15 सी०टी० एम० नं० 1010 रेमकोर्स रोड, राजकोट।

> जी० के० पंचया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) श्रक्ति रेंज⊶1, श्रहमदाबाद

दिनाँक: 27-12-1985

मोहरः

प्रक्ष बाह्रं. टी, एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के घटीन सूचनः

भारत सरकार

कार्यालय , महायक बायकर नायुक्त (निर्दाक्त)

श्रर्जन रेंज- ${f I}$, ग्रह्मदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 27 दिसम्बर 1985

निर्देश मं०पी० श्रार० नं० 3965— श्रतः मुझे,जी० के∙ पंडया

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाख 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भून्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 701 साँतवा मंजला पर क्रांति विल्डिंग में है तथा जो छेवर रोड राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्मा श्रिधकारी के कार्यालय, 37ईई फाइल किया में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाँक 7 मई 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य सं काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारून है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया घया प्रतिकत निम्मीलिखित उद्वेश्य से उन्त जंतरण लिखिस में अस्तिक क्या से किसा नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण संहुइ किसी बाय की बाबत उक्क बिध-निवस के बधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कमी कहने वा उससे बचने में सुविधा के बिए; सौर/या
- (व) ऐसी किसी जाव वा किसी थम या अन्य आस्तिवां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, क्रियाने में सुविधा वे किए;

बत्त: धव उक्त अधिनियम करी धारा 269-त के शास्त्रारण वी, की, कक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्नतैनवित व्यक्तिकों, अर्थात् क्रिक्स

- (1) बोन्ना इंट बाइ नेण, ७३, भलेक्सी काक्षिणियल सेंटर, सैनिष्ड फ्लोर, जवाहर रोड़, राजकोट-360001 । (अन्तरक)
- (2) इंडियन श्रायल कापारेशन, वेस्टर्न रिज्ञन, क्लर्क रोड, महालक्ष्मी, बोम्बे-400034।

(ग्रन्तरिती)

को सह सूचना चारी कारके प्वॉक्त सम्प्रीत्त के वर्षन d । । । कार्यवाहियां करता हुं।

ड क्य संपरित की वर्षण को संबंध में कोई भी वाक्षण ए--

- (क) इस सूचना के उपचपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विचिष्ठ महिला की समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्यारा:
- (क) इस ब्या के श्वपम में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के सब निवित में किए वा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः --- इसमें प्रमुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के वश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा. को उस वश्याय में दिया गया हैं।

श्रनुसूची

प्लैट नं० 701 सातवाँ मंजला पर ऋांति बिल्डिंग में देवर रोड, राजकोट।

> जी० के० पंडया ्धम प्राचिकारी महायक श्राधकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−1, स्रहमदाबाद

दिनाँक: 27-12-1985

प्ररूप नार्वं ही. एन. एस.-----

बायकर बिधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

प्रज'न रेंज-I, महमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1985

निर्दोश सं० पी० छ। ए० नं० 3966— छतः मुझे, औ० के० पंडया

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट रं० 902 कांि बिल्डिंग टेवर रोड़ है स्था जो एउ० एन० गुरूकुल के नजदिक, राजकीट में स्थित है (और इसते उपाबद अनुभूती में और पूर्ण रूप से विणित है), रिस्ट्री इसी अधि गरी के जार्यालय, 37ईई फील्ड है किया रिस्ट्री इसा प्रतिसिम, 1908 (1908 हा 16) के श्रवीन, दिलांक 7 मई 1985

को ग्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृष्यमान प्रतिफल से, एमें दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकास, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निवित्त में गराविक रूप से किथत नहीं किया गया है दिन्य

- (क) जनगरण संहुई किसी नाम की बावत, उपका व्यथितियम के जभीन कर दोने के वस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा वै जिए; जौर/वा
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की, अनुसरक् भा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) क कभीय, निम्निवित्त व्यक्तियाँ, अभीत :----16---436 GI/85

- (1) बोवनी इंटरप्राइजेज, 25, गलेसी कार्मिशयल सेंस्टर, सैंकिष्ठ फ्लोर जवाहर रोड़, राजकोट-360001। (अस्तरक)
- (2) इंडियन श्रायल कार्पोरेशन, वेस्टर्न रेजियन, कनके रोड़, महालक्ष्मी, बोम्बे -400034 ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के शिष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप उ--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के जन्म निधित में किये का सकती।

स्पव्दीकरणः --- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पर्दों का, जो जनता निधानियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

<u>अनुसूची</u>

प्लीट नं ॰ 902 नवां मंजला ऋति बिल्डिग में टेवर रोड़, एस॰ एन॰ गुरुकुल के नजदीक ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज~; भ्रहमदाभाद

षिनांक: 27-12-1985

मोहरः

प्रस्थ बाइं. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वता

भारत तरकार

भार्यालय, सहायक जायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1985

निर्देश संविधी शार्वनं 3967—श्रतः, मुझे, जीव केव पंडया

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें' इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 702 क्रांति बिल्डिंग ढेबर रोड़ हैं तथा जो एप० एन० गुरूकुल राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनभुवी में श्रार पूणे रूप से विणत है) रिस्ट्रीकर्ता श्रिधारी के शार्यालय 37ईई फाइल विया में रिस्ट्रीवरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 7 मई 1985

को धुर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य में कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार धून्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रम्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे नंतरच के प्रिए तब पाया नवा प्रति-पद्ध किया वहार से उच्छ बच्चरच विश्वित में बाक्सियक रूप से किया नहीं किया नवा है है—

- (क) वस्थरण वे हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अल्लरक के बाबित्य में कमी कारने वा उससे ब्यमें में धुविध. के लिए; और/बा
- (ख) एती किसी आब या किसी अन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्ह अधिनियम, बा अनकर अधिनियम, बा अनकर अधिनियम, बा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अत: अब, उक्त अधिनिवम की धारा 269-ग को, अनुसरण मं मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित काकिनयों. अधीत:----

- (1) मञ्जोद्धनी इंटरप्राइजेज, 25, गेलश्री कार्मिशियल सेंटर, सैंिड फ्लोर जवाहर रोड़, राजकोट-360001। (भ्रातरक)
- (2) इंडियन मायल कार्पोरेशन, बेस्टर्न रीजन, कर्लक रोड, महालक्ष्मी, बोम्बे-400034 । (ग्रन्तरिती)

को यह बुचना जारी करके पूर्वीक्य बम्बुटिय के बर्वन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेंद:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीरार पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर अक्त स्थायर सम्पत्ति में हित अवस्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, वो उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषय। गया है।

धनुसुची

पत्रैट नं ० 702 नवां मंजला पर क्रांति विल्डिंग देवर रोड, एस० एन० गुरुकुल के नजदीक।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिशारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनांक: 27-12-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन्.एस्. -----

नायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्वता

धारत सरकाड

कार्यातय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज-1, महमदाबाद

प्रह्मदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1985

निवेंश सं० पी० भार० नं० 3968— भतः मुझे, जी० के० पंक्रमा

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्रजित बाजार मूंख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं ० एलीसकीं ज टी० पी० एस० नं ० 3, एफ० पी० ं० 592 ए उन्हों नं ० 3 है तथा जो जी० एफ० सुनर कंस्ट्रक्यन 188 वर्ग मीटर जमीन 883 वर्ग मीटर में स्थित है (मीर इससे उनाब अनुजुनी में मोर पूर्ग रूप से विजित है) रिजस्ट्री कर्ता मिं कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रिजस्ट्री क्रां मिं प्रिक्ति कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रिजस्ट्री क्रां मिं प्रिक्ति का 16) के मधीन, दिनांव 4 मुप्रैल 1985

को पूर्व किस सम्पत्ति के उभित काजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दूरयमान प्रतिकल से, एसे दूरयमान प्रतिकल के पेर्ड प्रांत्यात से अभिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जिन्न लिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित्त में वास्त-

- (क) बलारण श्रंहुई किसी बाद की बाबत, श्रम्ब विभिन्नियम के अधीन कर दोने के बनारक के दायित्व में कभी कड़ने या वससे ब्यूने में सुविधा के सिंह; बॉट/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हुं भारतीय बाय-कर वृधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वयर था या किया बावा जाहिए था, किया में जुनिधा के जिए।

अतः अव, स्वतं विभिन्नियमं की भारा 269-प के अवृत्तरण वा, मा, सकतं विभिन्नियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) की वधीतः, निस्त्रसिखिक व्यक्तिकार्तं, अवस्ति च——

- (1) श्री उदयन चिमनलाल, गुजरात कालेज के नजदीक, रसाला मार्ग, एसीसिश्वज, श्रहमदाबाद-380007 (अन्तरका)
- (2) ग्रादीती बेनीकासीयरी ट्रस्ट गीता बाग नजदीक नूतन सोसायटी के नजदीक, पालडी ग्रहमदाबाद--380007।

(अन्तरिती)

को कह सूचना जारी करके पूचाँकत सम्बद्धि के वर्षन के जिए कार्यनाहिकां करता हुँ।

जनत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पष्ट सूचना की तासीस से 30 दिन की अविध, को और जविध बाद में समाच्य होती हो, के भीदर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाइन को शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए था सकेंगे।

स्पादिकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया त्या है।

वनुसुची

एलीसिकादी । पी० एस० नं० 3 एफ० पी० नं० 592 एस० पी० नं० 3 जी० एफ० सुपर कंस्ट्रकान 188 वर्ग मीटर जमीन एरिया 883 वर्ग मीटर ।

जी० के० पडवा गञ्जम त्राधिकारी सहायक शायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रैंज-1, श्रहमदावाद

दिनांक: 30→12→1985

The state of the s

इक्स बाइंड टी., एन , एस , :----

नामकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाद्य 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यास्यः, सहायक भायकार भायकत (निहासण)

पर्जन रेंज-1, धहमदाबाद

श्रहमयाबाद, दिन^क 30 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० मार० नं० 3969--- मतः मुझे , जी० वे०

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-कृष्ठे अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका सजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. संस्थिक हैं

भौर जिसकी सं ० एलीस क्रिंग्ड टी० पी० एस० न० 3, एफ० पी० नं० 592 एस० पी० नं० 2 है तथा जो जी० एफ ० सुपर करंद्र फन 150 वर्ग यार्ड, जमीन 949 वर्ग यार्ड में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध भनुभूची में भौर पूणे रूप से विणित हैं) रिजस्दीकर्ता भधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रिजर्ट्रीवर प्राधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अक्षीन, दिनांक 4 अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान शित्रज के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पढ़ह प्रतिश्व से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-क्ल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्ल से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) मंध्रम सं हुइ किसी नाय की नान्त, क्यस सिंपनियम् से अभीन कर्द दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या सबसे ब्यने में सुविधा ने निए; सरिं/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या कस्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिवयम, 1977 है 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकृष्ट नहीं किया नवा वा या किया वाना वाहिए वा, क्रियान में सुविक्ष के स्विद;

ब्तन बन्, उक्त विधिनियम की भाग 269-गृल अमृतरक बाँ, बाँ, तक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) बां बभीग, जिम्मसिक्ट व्यक्तियों, व्यक्ति क्षान्स

- (1) श्री उष्ठयन चीमनलाल, गुजरात कालेज रसाला मार्ग के नजवीरु, एलीयश्रिन, श्रहमदाबाद-380006। (अन्तरुरु)
- (2) सेजल कस्ट्रक्शन,गीताबागके नजदीक, न्यून सोखाइटी के सामने पालडी ग्रह्मवाबाद-380007। (ग्रन्सरित)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के विष कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोड़ भी वास्तेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो औं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच में 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी चैं पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळितरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा ही।

भग्सूची

एलीसिक्रिज टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 592 एस० पी० नं० 3 जी० एफ० सुपर कन्ट्रक्शन 150 वर्ग मार्ड जमीन एरिया 949 वर्ग मार्ड ।

> जी० के० पंडया मझम प्राधिकारी सहायक पायकर बायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज- 1, बे हुमदाबाब

दिनांक: 30-12-1985

अक्त नार्द्ध डी_ल एन्_ल रुद्ध तु ११ र ४ ४ ४

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) के ब्रभीन सूचना

बार्ड सरकार

कार्यां जय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-- 1, श्रहमदाबाद

महमराबाद, दिनोक 30 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० भार० नं० 3970---श्रवः मृझे, जी० के० पंद्रमा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० चुकात है तथा जो श्रोफ बाजार में भुज (कच्छ) में स्थित है (और इसने उपावद शनुभूवी में और पूर्ण दूप में पणित है) रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, धुज में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1903 (1903 का 16) के श्रधीन दिशांक 21 मई 1935

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विववास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके श्रयमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे बंतरण के लिए तम पावा नमा प्रतिफल का जिल्ल निम्नेलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरंत ते हुएं कियी बाध थाँ बावत , क्यह वीधनियम के वधीन कर दोने के बन्तरंत के शायिक वो कमी करने वा बत्तते बन्नों में बृचिया के दिवए। वीर/मा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बच्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त बिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) वी प्रवोजनार्थ बन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना वाहिए था, कियाने वे युविका के किए हैं।

जतः त्रवः, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के बन्तरूक वी, मी. उक्त विधिनियम की धारा 269-न की उपधारा र्री} के क्षीन, निम्नसिवित व्यक्तियों,। वर्षात् हम्म (1) श्री जवेरी मुलचंद हेमचंद, षात्यिखाड,

(मन्तरक)

(2) कुमारी गीता बहन खाटाउ, गोरपालो बान्दी फलो भूज (कच्छ)।

(भन्वरिती)

का बहु स्थान बारी फरले प्वत्यतः सम्बक्ति के वर्णन के जिस् कार्यनाहियां करता हूं।

क्ष्मत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अर्काप द-

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को और वादि या सामाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध दिश्वित में किए वा सकेंगे।

स्वाहित्य :---इसमें प्रमुक्त खन्यों और पदों का, को उपक अधिनियम के बभ्माय 20-क में प्रिशाधिक है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दियः पदा है।

बन्स्ची

दुकान भोफ बाजार में, भुज बच्छ ।

ॐि कें० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भजेन रेंज-1, श्रहमदाबाद

षिनौक: 30→12→1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

पर्जन रेंज-1, प्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3971---अतः मुझे, जी० के० पंड्या

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह निरुवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं।

भीर जितकी सं० विलिबंग जी० एफ० और एफ० एफ० पटेल कालोनी में रोड़ मं० 4 हैं तथा जी सी० एस० नं० 37 जी-5 जामनार में स्थित हैं (और इसने उन्हाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप ो विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिवारी के कार्यालय, जामनार में रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, दिनांक 9 मई 1935

को पूर्णिकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिकल से, ऐसे दरयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिल्ल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से अधिक नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य व्यक्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम का भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्री वृजनात छग लाल कुंचरिया, ८, पटेल कालोनी, जाम गर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चितोषराय घरनमदास पटेल और श्री कार्तालाल घरनमदास पटेन 4, पटेन कालोती जामतगर।

(भन्जरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वर्ष्यी

बिलिडांग जी० एफ॰ और एफ॰ एफ॰ पटेल कालोनी में रोड़ मं॰ 4, सी॰ एस॰ नं॰ 37 जीं -- 5।

> जी के॰ पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज→1, घहमदाबाद

दिंतीकं: 30-12-1985

. ४**क्य. आर्थ**्टी , **एम् , एस** , ------

बानकर वरिपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वता

गाउव स्टब्स

कार्यानय, सहायक बायकर शायुक्त (निर्राक्षण)

श्रर्जन रेंज-ा, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिन्तक 30 दिसम्बर 1935

निर्देश सं० पी० झार० नं० 3972---श्रतः मुझे, जी० के०, पंदरा

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके प्रकात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्यत बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

अरि जिसकी संव दिल्डिंग महावीर अपार्टमेंट्स कीव आव हार सोसाएटी लिमिटेड में है तथा जो बीव एकीम प्लाट नंव 29 बीव सीव एसवन नंव 1, जी-14, प्लाट नंव 8, जाम सगर में ियह है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से एणित है) रिजल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में रिजर्ट्र अरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, दिनोक 15 मधी

को प्योंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बायार बृक्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरित्यों) के बीच ऐसे अंतरच के निए तय पावा चना प्रति-कस, निक्निसित्त उद्वेषय से उच्त अन्तरण मिस्तित में वास्तविक क्य से कथित गहीं किया गया है के-

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की शावत, उक्त विधिनियत के सभीन कर दोने के बन्तरक कें दायित्व में कमी करने वा उन्नदे क्यने कें बृदिका के निए; और/वा
- (थ) ऐसी किसी बाव या किसी धन वा नन्त शास्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनियम वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती वृवारा प्रकट नहीं किया बवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने से ब्रिया के किए;

मतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री सुरेन कुमार चीमनलाल घसा मानेकचाडी, गिरधारी मंदिए के नजदीक, जामनगर।

(ध्रारक)

(2) श्री चतस्याम लालजी टांक महावीर प्रपार्टमेंट सीताइटी → 2 पार्क कालोती, अंचासी ज्य एस्टेट । आमनगर।

(भन्दिसी)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कुक करता हुए।

सकत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप प्र--

- (क) इस सचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी स्वक्तियाँ पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि; जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी स्वक्ति दुनारा;
- (क) इस स्थाना को राजण्य में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संस्मित में वित्रवृक्ष किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी को पास निचित्त में किए चा सकोगें।

स्पव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यक्तियम, के अध्याय 20-क में वरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननस्थी

बिल्डिंग महाबीर श्रापार्टमेंट को० ओ० हा० सोसायटी लिमिटेड में बी० स्कीम प्लाट नं० 29 बी० सी० एस० नं० 1-जी-4, प्लाट नं० 8 जामनगर।

जी० के० पं**ड**या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **ग्र**जैन रेंज--1, श्रक्षमदाबाद

धिनांक: 30-·12-·1985

हिर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

'बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेज-1, ग्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० भार० नं० 3973---भतः मुझे, जी० के० पंडरा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

बीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 442 तक्षणिला को ० बी ० हा ० सोसारटी में वार्ड नं ० 16 है तथा जो राजकोट कंस्ट्रफ्णन एरीया 1250 वर्ग फीट 139 वर्ग यार्ड में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्याना, सक्षम प्राधिकारी अहमवाबाद 37६६ वम्पलैक्स एरिया में एजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31 मई 1935

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) वार अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, रिम्नलिशित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारत्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नस्थिति व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री दयालाल मनीलाल मेहता की ओर से कुल मृहत्यार रजनीकान्त कान्तीलाल खानी बोम्बे।

(भन्तरक)

(2) श्री जयंतीलाल श्रमुक्तलाल शाह 442, तक्षशिला सोसायटी रेस कोर्स के सामने राजकोट ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अयधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व किंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सापिति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्याररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पच्छीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त शिभ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 442 तक्षशिला को अो हा सोसाइटी में वार्ड नं 16 राजकोट कर्युक्शन एरीया 1250 वर्ग फीट---139 वर्ग यार्ड ।

> जी० कें॰ पंश्वया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, भ्रह्मदाबाष

विनोक: 30~12~1985

मोहर 🗈

प्रकप आही. टी. एन. एव. -----

कायकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यामय, राज्ञानक नायकार जागुक्त (निरीक्सय)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 30 दिसम्बर 1985 निर्देश सं०पी० ध्रार० नं० 3974----- प्रनः मुझे, जी० के० पंडया

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया ह्री,, की धारा 26.)-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य ।,00,000/- रु. में अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० चार दकान ढेवर रोड़ पर राजकोट जमीन 28.2, 3 वर्ग थाई है तथा जो कंस्ट्रक्शन एरीया 214, 13 वर्ग मीटर--257 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रौर इसमे उपायद ग्रन्भूची संग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी ब्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक 6 **श्रप्रै**ल 1985।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास **कारने का कारण है कि यथाप्**र्वेक्त संपत्ति का उचित मृत्य, जासके दश्यमान प्रतिकार से एसे अध्यमान प्रतिकाल की र∙द्रह प्रशिष्यत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकॉ) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय भाषा गया प्रतिफल, निम्नलि**बित उद्देश्य से उक्त बन्तरण** निक्षित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त विधानसम् के अभीत कर दोने के अल्सरक के दामित्व में कभी कररे वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (का) ऐसी किसी साम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम,, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने से सुविधा के निए;

कतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

🖛 क्यीन जिल्लीकी **व्यक्तियों, वर्षात् :---**17-436 GI/85

(1) कोर को० भ्रोनर्स, श्रीमती एल० एच० मानेक, श्री एन० एच० माने ह, श्री ते० एच० माने ह और कुमारी बिन्दिया एव० मानेक के०/ओ। एम० एन० मानेक एंड कंपनो जतक चेम्बर्स, गीरनार सिनेमा के सामने, राजकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मञ्जीर हमैन ग्रब्जामग्रली भारमल, देवपरा, गोंडल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करको पूर्वोक्त सम्परित को अर्जन को निए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपर्वत के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की व्यवधि, जो भी वयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्याजितयों में में कि सी व्यक्ति दवाशा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मेक्ष हिनबद्धः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाध लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्टौकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याग 20-क में ह", यही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गवा है 1,

नमुस्पी

चार दुकान ढेंबर रोड पर राजकोट में जमीन 282.3 वर्ग सार्थ करेन्द्रवान एरिया 214.13 वर्ग मीटर--257 वर्ग यार्घ ।

> जी० के० पं**द्रश** सक्षम प्राधिकारी सहायक आधकर आधुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, श्रह्मदाबा द

दिनाँक: 30-12-19**8**5

प्रस्य भाष्: 2] प्र. एस . -----

नायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-न (1) के अधीन सुचना

नारत सरकाड

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज−1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाँक 30 दिसम्बर 1985 निर्देश सं०पी० श्रार० नं० 3975—श्रतः मुझे जी० के०

पं**ड्**या

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, निसका उचित वाकार मुख्य 1,00,000/-रा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 301 थर्ड फ्लोर पर क्रिसेंट एफ० वार्ड नं० 15 है तथा जो सी० टी० एस० नं० 1010 रेसकोर्स रोड राजकोट में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी श्रह्मदाबाद रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाँक 7 मई 1985।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के करमान प्रतिफल के निए बन्तरित की गई है और मृश्ते बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितिमां) के बीच एसे अन्वरण के तिए दब पाना गथा प्रशिक्त , विश्वतिक्त उक्दबंदर से उच्छ बज्दरण किथित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भारतहम् से हुन्दिकियी बाग की बावस्त क्रिक्ट क्रिक्ट से क्रिक्ट के सम्बद्ध के समीन क्रिक्ट से से सम्बद्ध के सामित्र के समी क्रिक्ट के सामित्र के लिए; और/या
- (क) होती किसी बास् वा किसी पूर्व वा सम्ब बाहितकों की, विस्तृ नारतीय आय-कर निर्धानयम्, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निर्धानयम्, या अनकर विधिनयम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिये था. कियान में स्विधा के लिए;

बतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण भं, भं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) भीत, निक्तिकित स्पित्यों स्विति है— (1) मेसर्स जे० एस० कार्पोरेशन 48, इन्द्रकारायण रोड, र्याताऋज (वेस्ट) बोम्बे-400054।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र कालीदास पटेल के०/ग्री० गोवर्धनदास पी० पछानी, ब्लाक नं० 7, विद्याभवन सोसायटी 22, न्यू जगन्नाय, राजकोट-360001।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना पारी करके प्वानित सम्प्रित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

वच्य वस्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत ले 45 दिन की समिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नर स्वना की तामील से 30 दिन की अविथ, को भी वर्षां बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्पनित द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबहुध किया बन्म व्यक्ति ह्वारा अभोहस्ताक्षरी के गष्ट निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्वच्यां चारण:---इसमें प्रयुक्त कट्यों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिका क्या हैं ॥

अनुसूची

प्लैट नं० 301 थर्ड फ्लोर पर क्रिमेंट एफ, बार्ड नं० 15 सी ०टी ० एस०नं० 1010 रेमकोर्स रोड, राजकोट।

> जी० के० पं**ड**्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 1, श्रहमदाङा^०

दिनौंक: 30-12-1985

प्ररूप आहर्षे ही एन एस , - - -

नायकर नोधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म(1) के नधीन सुमना

भारत सरकाड

कार्थालय, सहायक आक्कर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1985 निर्देण सं० पीर० श्रार० न० 3976--प्रतः मुझे जी० के० पंडमा

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भासा 209-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्डित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 891 से। बिल्डिंग के साथ है तथा जो कष्ण नगर भाष नगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वॉणत हैं) रजिस्ट्रीकर्सी श्रधिकारी के कार्यालय, भाषतगर में र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 1मई 1985।

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित साजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास के में का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूद्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल कम पन्ध्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्वित में वास्तिवक स्थ

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबस उक्स अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने हों सविभा के लिए;

सत: वथ, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण को, जो, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अध्येत, निम्निसित व्यवसायों, वर्भात् :--

(1) श्री मुकेग गांगुभाई पुरोहीत 591 - वी मानेकवाड़ी भावनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री राजीव विनोदराय बोस, संजीव विनोदराय योस, कनकलना विनोदरय बोरा गुलाबचीक पीरछल्ला, भाषनगर।

(ग्रन्तरिती)

कां बहु सूचना चारौ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिपू कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं त्रकाशन की तार्यांच से 45 दिन की अनिश्च या तत्त्वम्बन्धी व्यक्तिया बद्ध मूचना का तामील से 30 दिन की अनिश्च, जो भी सनिश्च बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांच्य व्यक्तिया मों से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के सामप्त में प्रकाशन की तार्या से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिस- बद्ध किसी अन्य स्थावन द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यध्दोकरण: --इसमं प्रमृतम शब्का और पथा का, जां जन्म अधिनयम, के बच्चाय 20-क में परिभाषिक है, वहां अथ हागा, जां उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

प्लॉट न 891-सी बिल्डिंग के साथ कृष्ण नगर भाव नगर।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राविकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज-1, प्रह्मदाबाद

दिनाक: 30-12-1985

भ्रष्ट भारे. दी. एस. एस.----

नायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-७ (1) के समीन सुणना

मारठ वरकार

कार्याचय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज--1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिन्तींक 30 दिसम्बर 1985

निर्देश सं पार शार नं 3977---श्रतः मुझे, जी वेर **प**द्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसम इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भन्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

अरेर जिसकी गं० पलैंट गं० 502 पांचवी मंजिल पर किसेंट एफ बाई गं० 15 है तथा जो मीं० टीं० एम० गं० 1010 रेमवोर्स रोड़, राजकोट में स्थित है (ऑस इसमें उधाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हम से विधित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्राधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण श्रावित्यम, 1908 (1903 का 16) के श्राधीन, दिशांक 2 मई

को पूर्विश्वत सम्पत्ति के उश्वित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूमें वह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्विक सम्पत्ति का उश्वित बाजार मृत्य, उसके द्रम्यमान प्रतिफल से, एसे द्रम्यमान प्रतिफल को पद्धह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त क्षि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरकं के दामित्य में कमी करने या उससे यचने में सूबिधा के लिए; जॉर/या
- ग) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा की लिए;

नत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ब्स्टिन्तयों, अर्थात् ५—-

- (1) नसर्म जे० एस० कार्पोरोणन 40 इम्तरायण रोड, (णाताकुज वस्ट), बोम्बे-400 054।
 - (श्रम्तरक)
- (2) श्रीमती तारा कुमारी भंजीलाल मेहता, श्री दिनेश भागीलाल महता के ब्रिजा प्रभात ग्राग्व कोठारी कोठारी कं जा, श्राणापुरा रोड, राजकोट-360001 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्बद्धि के बर्जन के सम्बन्ध में कोई नी आक्रोब?--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा मक्ती।

स्पच्छीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औ उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

भग्स्ची

पर्लंड नं० 502 फिप्पय फ्लोर क्रिसेंम्ड एफ बार्ड तं० 15 मीठ टीठ एस० नं० 10 10 रेस कोर्स रोड़ राजकोट (गुजरात राज्य)।

> र्जा० के० पं**ड**या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण)** श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनोंक: 30-12-1985

ब्राचन भारती, बी., एम , ऐसा : अल्लान

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) ने नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदावाद, दिनांक २० दिपम्बर 1985

निर्देश स० पी० आर० न० 3978——अतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

र्योग जिनकी सं० जमीत ग्रींग महान हाहाभयाई रोड पर जवाहर मैदान है तथा जो नखतेधर प्लाट न० 2107 सी० एम० बोर्ड नं० 7 शिट न० 243 सी० एम० नं० 1879 में स्थित है (ग्रींग इससे उपायड अनुसूची में ग्रींग पूर्ण कर से वर्णित है) पिजन्द्री एनी अधिकारी के कायांलय भावनगर में रिजर्ड़ी एरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीत 24-5-85

कां पूर्वेक्ति सम्पत्ति के तिचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धरयभान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशास से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्दारय से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचाने में सृदिधा के सिए; और/या
- (क) एेमी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियां को, जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्ध जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया

बतः अब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग्य के जम्बरण मंं, मंं, उदत विभिनियम की भारा 269-श्य की उपधारा (1) लेलभीन, निम्न्सियित व्यक्तियाँ, संवाद —

- श्री मत्ती लगुभनी येन चंद्र कांत परीख, ७, ऐल्जीन रोड. अमृत- विला कल क्ता ।
 अन्तरक)
- श्री भुष्तिराय मोहनलात जाह नेयरभेत त्यू भातीतिकेतन त्री० श्री० हा० सोषायटी ववा नीरा घमेलीया कली, भावनगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिध कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त नंपील के अर्थन के संबंध में काहे भी मालोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबेक्ट
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन को भीतर उक्षक स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए का सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका स्वा है।

अनुसूची

जमीन और महात आनाभाई रोड पर जवाहर मैदान तकतिबर प्लाट नं० 2107 स० सी० एस० बोर्ड नं० 1879

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकरी, सहामक भायकर आयक्त (निरीक्षण); अर्जनरेंज- अहमक्षानाद

दिनांक: 30-12-85

प्रक्ष आई.बी.एन.एस.-----

जायफर अभिनिजम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 10 दिसम्बर 1985 निर्देश मं० पी० आए० नं० 1979—अतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

भ्रीर जिसकी स० टी० पी० एस० नं० 3 एफ० पी० नं० 759 एस० पी० नं० 17 जमीन क्षेत्रफल 3372/3 जर्ग मीटर बिल्डिंग जि० एफ भ्रीर एफ एफ 350 वर्ग यार्ड 350 वर्ग यार्ड 37 आई आई फाइल किया है तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (भ्रीण इसमे उपाबड अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय समक्ष प्राधिकारी श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय समक्ष प्राधिकारी श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत दिनाक 5-4-85

का पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाधार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, एसे दृश्यमान प्रतिकत के पंत्रह प्रतिकत से विकास है

करेंर अंतरक (अंतरिक्तों) और अंतरिती (अंतरितियों) के किया एसे अंतरिक के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निकिकिक क्य से कियत क्या किया किया की किया गया है। —

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाब की बाबस, उपका अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी साय या किसी धन या जन्म आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभादा (1) के अधीन, निक्नितिधिष श्राक्तियों, वर्षाद्य हिन्स श्रीमनी लीलावती बेथ बुधालाल, जयमन बंगला, सजी बनी अस्पनाल के नजदीक नया शारदा मंदिर रोड, ऐलीसक्रीज, अहमदाबाद ।

(अन्त रक)

 राजेण एपार्टमेंटम श्रोनर्स ऐसोसिएशन, राजेण एपार्ट-मेंट, आयुर्वेदिक भवन रोड, आश्रम रोड, अहमदा-बाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अमिश या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जरे की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर 'पूर्विकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हाश्लीख अ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितश्रव्य किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

टी० पी० एस० 3 ए०ए पी० नं० 759 एस० पी० नं० 17 जमीन क्षेत्रफल 337 2/3 वर्ग मीटर क्षील्डिंग जी० एफ० मीट एफ० एफ० 350 वर्ग यार्ड ।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज अहमदाबाद

दिनांक: 20-12-85

प्रकप माइं.टी.एन.एस.-----

भायकर बीधनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिक)

अर्जन रज-ा, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 30 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3980——अतः मुझे, जी० के० पंडयाः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँग जिमकी मं० टी० पी० एस० नं० 3 एफ० पी० नं० 759 एस० पी० नं० 17 जमीन क्षेत्रफल तथा जो 337 2/3 वर्ग मीटर बिलडिंग जी० एफ० ग्रॉग एफ० एफ० 350 वर्ग याई में स्थित है (ग्रींग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रींग पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय समक्ष प्राधितारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधील दिशांक 6-4-85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास कश्मे का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अन्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे इस्पमान प्रतिफल का पंत्रह अतिकत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-कन निश्निसित उद्योग्य से उक्त अंतरण निकित में भारतिक कम निश्निसित उद्योग्य से उक्त अंतरण निकित में भारतिक

- (क) बन्करच वे हुई फिली नाथ की बावज क्यर बीविश्वन के बचील कर वेचे के बन्धरूक की दावित्य में कमी करने वा उत्तब वचने में स्विधा के जिए; और/या
- (क) ध्रेसी किसी बाय या किसी अन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय जार-फर लिक भियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में तिवधा के सिद्ध;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण वें, बीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वै बधीन निम्मनिवित व्यक्तितयों, अधीत :---- श्रीमित लीलावती बेन बुधालाले जयमन बंगलो संजीवनी अस्पताल मजदीक, नया शारदा मंदिर रोड, ऐलीमब्रीज अहमदाबाद ।

(अन्तरकः)

2. राजेश एपार्टमेटस श्रोतर्स ऐसोसिएशन राजेश एपार्ट-मेंट आयुवेदिक भवन रोड, आश्रम रोड, अहमदा-बाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिशिकरण: --इसमं प्रयुक्त शब्दों आरै पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा गया है,

अनुसूची

टी॰ पी० एस० 3 एफ० पी० नं० 759 एस० पी० नं० 17 जमीस क्षेत्रफल 337 2/3 वर्गमीटर **बिलर्डिंग** जी० एफ० श्रीर एफ० एफ० 350 वर्ग यार्ड ।

> जी के० पंडया, समक्ष प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अहमदाबाद

दिशांक 30-12-85 मोहर: प्रक्प नाइ¹. टी. एन. उस. ------

भासकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद-दिनांक 30 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० आग्रु० नं० 398)——अतः मुझे, जी० के पंडया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

र्यार जिसकी से टीं पीं एसे नं 3 एफ पीं नं 759 एसे पीं नं 17 जमीन क्षेत्रफल है तथा जो 337 2/3 वर्ग मीटर विलिंडम जीं एफ ब्रॉग एफ एफ एफ 350 वर्ग यार्ड में स्थित है (ब्रॉग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ब्रॉग पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान् लय समक्ष प्राधिकारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास् कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देषय से उचित कम्तरण सिचित में बास्तिविक क्य से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक जो दायित्व में कमी करने या तससे अचले में सुविधा के लिए; बार/बा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्सियों को जिन्हों भारतीय बायकार बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्य अधिनियम, पाधन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती इवारा प्रकट नहीं किया क्या धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा चे लिए:

मतः भव, उक्त विभिन्यम की भारा 269-ए के वन्तरण मं, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमिति लीलावती बेध बुधालाल जयमन बंजली संजीवनी अस्पताल के धनदीक क्या शारदा मंदिर रोड ऐलीस ब्रिज अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

 राजेश ऐपार्टमेंटम श्रोक्स ऐसोसिएशन राजेश एपार्ट-मेन्ट, आयुर्वेदिक भवत रोड, अध्यम रोड, अहमदा-बाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में में कि भी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शम लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्षिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगा को उन्न अध्याय में दिवस वया हैं।

धनुसूची

टीं० पीं० एस० 3 एफ० पीं० नें० 759 एस० पीं० नें० 17 जमीन क्षेत्रफल 337 2/3 वर्ग मीटर बल्डिंग जी० एफ० ग्राँर एफ० एफ० 350 वर्ग बार्डे।

> जीं० के० पंड्या, समक्ष प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरोज, अहमदाबाद

टिनांक 30-12-85

भाहर :

प्रकथ बार्च, टी. एन. एस. -----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आवृक्त (रिनर्जिक)

श्रजंन रेंज-II, श्रह्मदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० पी० श्रार्० नं० 3949/II/85-86-श्रतः मझे, जी० के० पंड्या

शायकर गिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का आरण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उपित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिल्ली मं० श्रोफिय नं० 1408 बोम्बे मारकेट, तथा जो उमरपाडा भूरत में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध श्रनुभुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिलस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 37 ईई का 16 के श्रिधीन 20-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) शल्तरल से हुई किती जाब की बाबत, अवस निवास के अभीन कर दोने के सम्तुरक के बायरल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (च) प्रेस किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, विक् भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिकी स्थारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

 बोस्बीमारकेट आर्ट लिल्स को० ग्रो० सोसायटी अगरवाला, सुरक्ष ।

(भ्रन्तरक)

मैं० अमित कोआपरेटिव ऐम० जॅ० मारकेट बम्बई
 2 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र है—

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस ृशना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसा अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकेंगे।

गर्य सामि

37ईई का फ़ार्म यह कार्यालय में दिनांक 20-4-85 को । पैरा किया गया है।

> जी० के० पंडया, समक्ष प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 1 श्रहमदाबाद

मतः अदं, उक्तं विधिनियम् का भारा 269-व के वन्सरण मी, मी, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 18—436 GI/85

दिनांक: 6-12-85

प्रकृष कार्यः, दौ ् एतः, एवः -------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन व्यक्ता

भारत सरकार

कार्यास्य, महायक सायकर आयुक्त (निर्काण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रष्टमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांछ 6 दिसम्बर 1985

काश्रकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव श्राफिस नंव 1208, बोम्बे मारकेट, हैं तथा जो उमरपाडा सुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रतुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम (37ईई का 16) के श्रधीन 20-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का वेदह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्क के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष्म, निम्मिनिश्चित उच्चेश्य से उक्त अंतरण सिश्चित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- [क) अन्तरण वे शुर्प किसी बाद की बादठ अच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की समित्य में कभी करने या उससे स्थाने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (बा) ऐसी किसी आय वा किसी भन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर लिभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर लिभीनयम, या भन-कर लिभीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने संस्थिभा के सिष्;

- 1. बोम्बे मास्केट ग्राटं शिल्क को० श्रो० सोनायटी उमरपाडा सूरतः ।
 - (भ्रन्तरक)
- 2. मैं० योगेन्द्र ट्रेडमं नया बाजार वालयर। (अन्तरिती)

स्त्री बहु सूचना बाड़ी करके पृथानित सम्परित के वर्षन के तिए। कार्यवाहियां करता हो।

उक्त कम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई सी वाखेंड्:--

- (क) इस धूमभा के राज्यन में प्रकासन की ताड़ीय में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूमना की सामील से 30 दिन की अवधि, को भी वर्षां भाद में समाप्त होती हो, के शिवर प्यॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय स्वाराः
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर स्ट्यांत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास तिस्ति में किए जा सकींग।

स्पटीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभावित दी, वहीं क्या होता को उस क्यान भें जिया दवा ही के

श्रन्सू भी

37ईई का फ़ार्म पर कार्यालय म दिनांक 20-4-85 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया, समक्ष प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरोज-2, अहमदाबाद

कतः कवः, उत्तर अधितियम की धारा 269-न के जन्दरन में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तिकें नार्थात् :---

दिनांक: 6-12-85

प्ररूप आहूर, दी, एन्, पुस, ,-----

नावनर निविवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) में नमीन स्वना

भाग्स सरकार

नार्याचन , बद्धावक मानकर आकृत्त (निरोधण)

श्रर्जन रोंज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांकः 6 दिल्लाच्या १०००

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 39: जी० के० पंडया, वाबक्षर अधिनियम, 1961 (1961 (समं इसके पश्थाह् 'उक्क विधिक्किक' व भाषा 200-स के अधीन सक्षम प्राधि**यका**री को ने बज अक्षरण है कि स्थावर श्रम्पति विक मुख्य ঃ,00,000/- रु. से अभिक हैं। श्रीर जिसकी सं० जमीन लाजपार त जो में सं० नं० 212, 213, 214, व 4(से स्थित है (श्रीर इपके उपावड श्रनुसूची वर्णित है), रुफ्स्ट्रिं! ता अधिकारी के ब ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908) ान 4-5-85

- (क) बन्बरण संसूच किसी बाथ की बावत अवस निध-दिवस में अवीय बहु होते में बन्दहक के दामित्य में कमी करने या उससे अवने में सुविभा के लिए; बीर/वा
- (क) एंसी किली बाय या किसी भन या अन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधानयम, या भन- कर निधानयम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजपार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना नाहिए था, कियाने में सुविधा है तिए;

- 1- फ़ातिमा ईस्माईल मारिदसा, मोहमद सुलेमान वर-वारीया लाजपोर, ता० चौर्यासी जिला भूरत । (अन्तरक)
- 2. साजीन उद्योगनगर सरका**री** मंडली लि०, खटोदय जेल के पीछे, सुरत ।

(श्रन्सरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्थन के सिए कार्यवाहिमां कुक करता हुं।

उन्त सम्मत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क), इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्पीकतमों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, को भी सूचीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत स्वीकतमों में से किसी स्पीकत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-क्यूप किती जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वाल सिन्धित में किए वा सर्वोगे।
- त्रणः इसमें प्रमृक्त कर्वों और पर्वों का, को स्वक्त विभिन्तियम, के कृष्माय 20 के में परिभाषित हुँ, वहीं वर्ष होगा को उस कृष्याय में दिका दक्षा है।

श्रन्सूची

जमीन जो लाजपार, ता० चौर्यासी में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार सूरत में 2921 नजर पुर दिनांक ॄ्र4-5-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया समक्ष प्राधिकारी सहायक **षा**यकर_्ष्रायुक्त (निरीक्षण) **ध**र्जन रोज-U **श्र**हसदाबाद

電前板: 6-12-85

मोहर:

अप प्राप्त , उकत अधिनियम की धारा 269-व क वन्सरण को, मी, उकत अधिनियम की भारा 269-व की क्यभारा (1). को ी, निम्मीनीवात व्यक्तियों, वर्षात क्र-- प्रकल आहें, दी. एन . एस . -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-क (1) की बाबीय प्राथम

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक भायकर माध्यत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3952/II/85-86---- ग्रतः मझे, जी० के० पंड्या,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी स० आफ़िस नं० 637, अजन्य शोपिण मारकेट, है तथा जो सूरत में स्थित है (और इसके उपाबद अनुसूर्वा मे भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री क्रिक्ष अधिकारी के कार्यालय अह-मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 37ईई का 16) के अधीन 19-4-85

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रविक्त का पल्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियाें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिस्त उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित वे वास्तिक स्व से करिया मुझाँ विश्वा गया है है—

- (क) बन्बरुण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्विथित में क्रमी करने वा उससे वचने में सुविधा मो सिए; और/बा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, किसी आप या किसी भाग अभ्य अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध बन्दाहिस बुधास प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना असीहर था, कियाने में सुविधा के सिए;

क्क नवं, उन्त केशिनवंद की थाए 269-न के जनुसरण में, में, अन्त जीभिनियम की भारा 269-न की उप्भास (४) के अभीन, निकाबिक्त व्यक्तियों, अर्जुल् ॥ — मै भांति बिल्डर्स रिग रोड, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

2. मैं वश्वज्योति सिलक मिलस गलेमंडी, सुरत । (श्रन्तरिती)

को बहु बुबना जारी करके पूर्वोक्त सन्त्रीत से अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियों कारता होते।

उन्त सम्पत्ति को नर्जन के संबंध में कोई भी मानुष ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच थें 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की सामील ले 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितक्ष्य किसी स्थित ब्वारा नथों इस्ताक्षरी के पात निवित में किए वा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः ----- इसमं प्रयुक्त कटां और पर्धां का, जो जक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

aved)

मिलकत जो मुरत में 637 नंबर पर स्थित है। दिनांक 19-4-85 को 37ईई का फ़ार्म यह शायिलय में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रज, स्रहमदाबाद

दिनांक: 9-12-85

मृत्यम् सङ्ग<u>ः हो तुन स</u>्वतः-----

जानकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन भूकना

भाग्य धरकार काम्तिम, स्ट्रावक मायकार मायुक्त (निर्मीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3953/II/85-86--श्रनः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर मिश्निमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन तकम प्राधिकारों को यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, जिसका उभित बाजार मृत्य 1,00,000/- कः से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० आफ़िस नं० 636 रिग रोड, है तथा जो भूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय अहमदाबाद मे रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम (37ईई का 16) के श्रिधीन 19-4-85

मां पूर्वन्ति वर्णाय के जिया बाजार मुख्य से कम के धारतमान बिद्यमन में सिए बस्तीरत की नद्दं हैं और मुख्ये वह विवयाय करने का कारण हैं कि बचा पूर्वेक्त कम्मित का उपनित नामार मृत्य, उत्तर्थे स्थ्यमान प्रतिकान के पंद्रह प्रतियात ते बीधक हैं जीर अंतरक (अंतरका) जीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंशरण के लिए तय पावा नया प्रतिकान, जिन्मिन वर्षे उत्तर्भ अन्तरण मिचिक में बास्विक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरप् चे हुई किसी जान की बावसं, जनक बीजिनन के अभीत कु दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उत्तरे बचने में सुविभा के लिए; बॉर/वा
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या नस्य नास्तियों को, चिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त निधिनयम, या धनकर निधिनयम, या धनकर निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया भा ना किसा जाना चाहिए था, कियाने में जूनिभा के निक्;

अकः अव, उन्त अभिनियम की पारा 269-ग के बनुतरण को, की उक्त अधिनियम की धारा 269-च की सपभारा (1) के अधीन, निम्नितिथित व्यक्तियों, अधीन, ह—

- 1. मैं० शांति बिल्डर्स श्रजन्ता शापिग रिंगरोड, सूरत (श्रन्तरक)
- 2. मैं ॰ सोडावाला टेक्सटाईल जगमपुरा भूरत । (श्रन्तरिती)

को यह क्षता प्राप्ती कालो पूर्वोक्त वन्नीत के वर्वन के विक् कार्यगाहियों सकता हो।

दनत संपत्ति के भवीन के संबंध में कोई भी नाबोप :---

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ठारीच से अबंदिन की बचीप या तत्संत्रंथी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की जबिथ, को औं जबिथ बाद में समाप्त हानेती हो, के नीतर प्रवेचिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवपृथ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक विवित्त में कियु वा सकेंगे।

स्मच्यीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, वो उपल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होना को उस अध्याक में दिशा नवा है।

वन्यूकी

37ईई का फ़ार्म यह कार्यालय में दिनांक 19-4-85 की पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया, मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 9-12-85

प्रकृष् बाह्री,दी,पुन्,पुन्,-------

नावकार क्षांभितिनय, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के क्षभीत सूचका नाया क्ष्मकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

म्रजन रेंज, महमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० $3954/\Pi/85 → 86 → - श्रतः$ मुक्को, जी० के० पंडया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात् 'उकत निधिनयम' कहा जया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौ र जिसकी सं श्राफिल नं 642 ए रिंग रोड है तथा जो सूरत में स्थित है (भ्रौर इसके उपायद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वांणत है), रजिस्ट्रीवर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम (37ईई वा 16) के श्रधीन दिनाँक 19-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पर्ति को उचित बाजार मून्य से कम के स्वमान प्रित्तिक को निए अंतरित की गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि संभापवाँकत सम्पर्ति का उचित बाजार मून्य, असके स्थमान प्रतिकाल से एसे स्थमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकाल से एसे स्थमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकाल से बाद अंतरक (बंतरका) जीर अंतरिती (अम्तरितियाँ) के बीच एसे कन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, विम्निसिवित उद्देश्य से स्थत अन्तर्त्रण निस्तित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया नवा है।

- (क) वृत्यद्वल वे हृदं शिक्की नाम की शामक, उनक द्रीप्रियम के अपीत कड़ दोने के क्यादक की व्यक्तिय में क्यी क्टर्य या उपने बाह्य में हृदिका के सिक्; कोट/का
- (प) होती किसी शांव ना निजी भन या जन्म आक्रियों को चिन्हें भारतीय नायक्त विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधभार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

भतः नग, उन्त जिभिनियम की भारा 269-ग के नम्तरण में, नेंं, उन्त निमियम की भः । 269-म की उपभाद (1) के नभीन, निम्नीलीयत म्यमिस्टंं, नभीतः :--- मै० शाँती बिल्डर्स रिंग रोड, सूरत ।

(भ्रन्सरक)

2. श्री मनुभाई ग्रार० पटेल, साझा बाजार, सूरत । (ग्रन्तरिती)

नो नष्ट् बुचना बाडी करको पूर्णेनच कम्मृतिस् से नर्डन के जिल्ह कार्यवाहिको करसा हुई ॥

क्या सम्मति से वर्षन के सम्बन्ध के कोई थी बार्बंप हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी नविधि नाव में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचमा के राजमन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबहुध किसी अन्य क्यक्ति ह्वारा अभोइस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुवत शब्दों और पदा का, जो उक्त अभितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ., वहाँ कर्ष होगा, जो उस मध्याय में विका नवा हैं।

भ्रनुसूची

37ईई का फार्म पर कार्यालय में दिनाँक 19-4-85 को पेश किया है।

> जी० के० पं**डया,** समक्ष प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-**, अहयदाबा**द

विनौंक : 9-12-19**8**5

मोध्र 🖫

श्रमक बाही है है है। एक, देखें , - - व ल---

जावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत हरकार

भारतीस्य, आहानक कावकर आवृक्त (निर्देक्तण) ग्राजैन रेंज-11, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 9 दिसम्बर 1985

बावकर नौंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पहनात उन्त नौंधनियम मन्न गया हैं), को भाष 269-व के अधीन तक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्ति वाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से नौंधक हैं

श्रीर जिसकी मं० घ्लाट नं० 1ए, श्रीनगर सोमायटी है तथा जो जेनलपुर बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनौंक मई 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूस्य ते का के अवकान प्रतिफन के निष् जन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाबार अल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का चंब्रह प्रतिकात से मधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गंवा प्रविक्ता, निम्निसित्ति उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निविद्त में अक्तिक स्प से किया गंवा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त श्रीधीनग्रज के अधीन कर दोने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के चिए; और/वा
- (क) श्रेती किती आय वा किसी भन वा जन्म जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना प्राहिए था, जिपाने में जुनिभा के जिए;

श्रकः जनः, जन्तः जीभीनवम् की भारा 269-ग के अनुवरण भः, नेंं, उत्तत अभिनियम् की भारा 269-ग की अपभारा (1) के अभीन, निम्नीजीयाद व्यक्तियकों, अभीव् हः— श्री नटवरणाल यंबालाल पटेल रेसकोर्स सर्क ल' बड़ीया ।

(ग्रन्तरक)

 रूबो डेबलोपर्स, सुरेण कुमार हरगोबिन्द मोनी, जेनलपुर रोड, बड़ोदरा 5 ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना भारी करके पूर्वेक्स सञ्चीत्त के अर्थन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :----

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अनिधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तवों पर ब्रावा को तामील से 30 दिन की वविष, वो जी द्वापि बाद में समाप्त होती हो, वो धीलव प्रोपेख व्यक्तियों में वे किसी स्पनित व्यक्ति।
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी जन्म स्थानत द्वारा जधोइस्ताकरी के शक्ष विविद्या में किये का सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसनों प्रयुक्त सम्बों जौर पदों का, वो उक्त जीभ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिना गना है।

मिलकत जो जेतलपुर बड़ौदा सें स्थित है जिसका कुल मूल्य 2,65,000/--- रुपये हैं । सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 3494 नवर पर मर्ड 85 सें रजिस्टर्ड की गई है ।

> जी० के० पंड्या, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 9-12-85

प्रकार श्राह् . टी . एन . एस------

माथकर मिनिनम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्याजय, सहायक माजनार नापुनत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० $3956/\Pi/85-86--$ यतः मुझे, जी० के० पंडया

काशकार विधितियन, 1961 (1961 का 43) (जिये इक्सें इक्के राष्ट्रात् 'उनत अधिनियन' कहा गया है), की वास 269-य के अधीन बक्षन प्राधिकारी को यह विख्यात करने का कारन है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उपित नामार नृज्य 1,00,000/- रु. वे निधक है

ग्नौर जिसकी सं० 507 1/7 सायाजीगंज है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (ग्नौर इसके उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 24-5-85

को पूर्णनेक बन्गरित से जीवत वागर गुरून वे कन के जनजान अधिका के विद् शन्ति का गई ही और कृष्ठी नह विकास करने का कारण है कि वया पूर्णनेक बन्गरित का उपित नागार गुरून, उपने अवनाम अधिका थे, श्रीबे जनवान शितका के पनाइ प्रतिकार वे गीभाश है और नंतरफ (नंतरका) नीर नंतरिती (बंतनितीयका) के बीध श्रीबे क्यारण के सिंह बन पाना नथा शितका, निम्मीकांध्या अकृष्टित से उस्त नर्यारण निवित्त में नास्त्रिक कन वे क्याब महीं किया नवा है हिल्ल

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाग की गासता, उथत क्रीमिक्स के बधीन कर दोने के बन्तरक के शास्त्रिक में क्रियों करने ना उसके बचने में क्रीक्श के क्रिया; क्रीक/का
- (वा) होती किकी नाम या किसी भग का अन्य अमितिकां कां, किकों भारतीय आवश्य अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उन्ता अधिनियम, वा भगवार जीधीनयम, 1957 (1957 का 27) को अकोचवार्थ अन्तरीरती द्वारा प्रकाट नहीं किया कथा भा का विकास वाना पातीहर का, किवान में द्विश्य के विकास

जत: अस, उक्त निधीनयम की धारा 269-म के जन्मरण में. में, उक्त निधीनमन की भाषा 269-म की क्ष्मणरा (1) के अधीन जिन्निकित व्यक्तिमों, अभीन :--- श्रीमित मणीबेन मनुभाई पटेल संपारणय कालोनी, रेसकोसं, बड़ौदा ।

(ग्रन्तरक)

 मै० गुजरात आल्कलीज एंड केमिक्टज लि०, सायाजी गंज, बड़ौदा ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना वादी करके पूर्वोक्त सम्बक्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बनक बनाय से नज़न को बंबंध में सोड़ों भी नासीय ८---

- (क) इस बुचना के रायपण में प्रकाशन की शारीया से 45 दिश की ज़रीय ना तरखंगंगी स्थीतनों पर सूचना की तासील से 30 दिन की नदीय, को भी अपीय नाथ में समाच्या होती हो, से भीतार पूर्वीयक स्थापनों में किसी स्थीतस सुवारा;
- (क) इक क्यान के राज्यन में प्रकाशन की सार्यां के 45 दिन के शीवर जनत स्थावर तंत्रीत में दिवस्थ किसी अन्य स्थानत स्थारा नमोहत्वाकरी में गत निविद्य में किए का समोंगे।

ألصو

मिलकत जो बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 4,96,856/-रुपये हैं । सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 24-585 को रजिस्टर्ड की गई है ।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-, श्रहमदाबाद

विनांक: 9-12-85

प्रारूप आर्थः ठी. ध्न . ध्रस 🗸

आयकार किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अभीत सुवना

भाषा सामा

कार्याचय, सहायक कायकार आयुक्त (निरोक्तण)

श्चर्जन रेंज-ग्रा, ग्रहमदाबाद ग्रह्मदाबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देण मं० पी० श्रार्० नं० 3957/ **/8**5--**8**6---यत: मझे, जी० के० पंडया

और जिसकी मं० प्लाट मं० नं० 291, अकोटा बड़ौदा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजिस्ट्रीकरण अधिक्यिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिलांक 31-5-85

को प्रोंक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्वयमान शिकक को निष्ण अल्लीपित की गई हैं और धुमा पह जिश्याल कारने का कारण हैं कि स्थाप्नित संपित्य का उचित्र नामाण मृत्य, पश्चि स्थापन शिक्षत में, एसे स्वयमान प्रतिकान को पन्छ प्रतिकास से बाधिक हैं और सन्तर्क (बंदरकार) और बोब्बैरती (अन्सरित्यक) के तीना होने कातरण के जिल्ल सब बाबा गया प्रतिकास का निम्नितिक्त उद्देश्य से उत्तर अन्तर्क निम्नित में प्रास्त-

- (क्क) शक्तरण में हुई दिश्ली कात की शक्तर, हरत अधिनिवस के अधीन कर योगे के अन्तरक की वासिक्स में ककी कारने या अक्षये अवने में गर्वकर के विष्; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों आहे, किस्ते भारतीय आय-कर श्रीधीनधन , १५०० (1922 का 11) वा तकत स्वीधीनयम, १५०० व्यक्तियम, १५ वर्ग किसीनयम, १५०० (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिधी वृधारा प्रकट नहीं विकास धन्तियों का वा या किया जाना वाहिए था विज्ञान से वृद्धिना वे किया

 पटेल छोटाभाई कासीभाई विजय भाई छोटाभाई पटेल ग्रानंद ।

(ग्रन्तरक)

2. मनहरभाई शनाभाई पटेल खंभोलाज, ता० ग्रानंद। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्सवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के हम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भींतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरों के पास सिसित मों किए जा सकींगे।

स्यव्यीकरण: --- उसमो प्रयुक्त यज्दों और पथों का, जो उभत अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित हौ, जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मों दिवा गया हो।

अनुसुची

मिलकत जो बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मल्य 78000/-- रूपमें है सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 31-5-85 को रजिस्टर्ड की गई है ।

जी० **के**० पंडमा, मक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (नि**रीक्ष**ण) स्रर्जन रेंज-II, स्रहमदाबाद

दिनांक: 9-12-85

मोहरः

क्षम् बाद् . ट^१्वल . १७ .-----

भाग्यर विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के सभीन त्यता

धारक सरकर स

कार्याबय, तहायक जायकर बाबुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं पी० श्रार० नं० 3958/II/**8**5-86---यतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (कियो इसमें इसके नक्षात् 'क्ष्यत अधिनियम' कहा नया है), की भाग 269 स की नधीन वक्षय प्राधिकारी को, यह किस्तास करने का कारण है कि स्भावर संपरित विस्तका स्थित नामार मुख्य

1,00,000/- फ. से अधिक है

और जिसकी सं० पादरा, सं० नं० 320, 921/1, पादरा है तथा जो जिला बड़ौदा में स्थित है(और इसके उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिल्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पादरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-5-85

भी पूर्वोक्त सम्परित के अधित बाजार मुख्य से कम के अस्पर्धास प्रक्रियाम के सिए अन्तरित की नहीं ही नौर मुख्ये यह जिल्लास करने का कारण ही कि यभाप्योंकत बंपरित का उचित बाजार मुख्य, उसके रहममान प्रतिफाल से, एसे रहममान प्रतिफाल का पन्नक् प्रतिषत से सिभक ही और कन्तरक (अन्तरकार्गे) और बंदिएकी (बंतरितियों) के बीच होसे अंतरण के बिक् तब पाचा पदा प्रति-क्रम, निम्निसिक्त उस्विक्षय से उक्त जेतरण विस्तिस में नास्त-विक कप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीध-नियंत्र के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उक्तमे बचने में सुविधा के निष्ण सीह-वा
- (क) ऐसे किसी आब वा किसी धन या जन्य जास्तियों करे, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा विधार,

जरा: क्रम, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्सरण मों, जाँ, उक्त औधिनियम को धारा ⊇ु०-ण की उपधारा (1) के जभीण, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- गंकर भाई छीटा भाई, और घ्रन्य पादरा, जिला बड़ौदा ।

(अन्तरक)

 रामविजय को० ओ० हा० सोसायटी, पादरा । (श्रन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्स स्व्यक्ति के वर्षन के किए कार्यवाहिया करता हूं।

जबत सम्पत्ति के वर्जन के बुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीं के सं 45 हिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर बूचना की तानीं व दे 30 हिन की जबिंध, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकर व्यक्तिकारों में व किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वाम के राजपन में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन के भीतर संबंद स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म स्थायत ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकेंगे:

क्पड्टीकरण:----इसमें प्रमुक्त सन्धों और पर्दों का, जो उक्त जीधनियम को अध्याद 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याद में दिका पदा ही।

वन्न्यी

मिलकत जो पादरा में स्थित है जिसका मूल्य 2,79,111/रूपये है । सब रिजस्ट्रार पादरा में दिनांक 22-5-85 की
रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया, समक्ष प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज-II, ग्रहमदबबद

दिनांक: 10-12-85

मोहरः

प्ररूप आइ.टी.एने.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निर**ीक्षण**)

अर्जन रेज-H, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिशांक 10 दिसम्बर 1985 सिदेश सं० पी० आर० नं० 3959/H/85-86—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रींप जिसकी सं जमीन विलयुन, ता यलोल है तथा जो जिला पंचमराल में स्थित है (श्रींर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रींर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, यलोल में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीक, नारीख 29-5-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्हें अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अत. अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारार (1) के अधीन, निम्मलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री सुनील कुमार ठाउनर लान शेठ, श्री वासंतीयरथ ठाकारेलाल शेठ, पिलपुरा, ता० यलोल। (अन्तरक)
- 2. मे० बजाज आटो लिमिटेड, पुणे रोड़, पुणे। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के ितए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्हर सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सांपत्ति में हित्तब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्यों।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त निध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जो विठठ्लपुरा, ता० यलोल में स्थित है। जिसका कुल मुल्य 1,40,760/- रुपण है।

> जी० के० पंडया चक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंजेस्ट, अहमदाबाद

तारीख: 10-12-1985

मोहर 🛭

प्रकृप बाह् .टी. एत. एस. -----

आयकर **अधिरि**यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) ले अधील सूचना

भारत तरकार

कार्यक्रम, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षाप)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिशांक 17 दिसम्बर 1985

सिदेण सं० पी० अ70 - 70 - 3960/H/85-86---अत्रः मुझे, जी० के० पंड्या,

गादकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

र्श्वार जिस्की संव मजुरा, सूरत, टीव पीव नंव 8, है तथा जो ब्लाम नव 7, सुरत में स्थित हैं (श्वीर इससे एक्ष बद्ध अनुसूची में श्वीर पूर्ण रूप से बिणत हैं) रिजिस्ट्रीमर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजिस्ट्रीमरण अधिन्यम 1908 (1908 मा 18) के अधीम तारीख 15-5-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूम्य से कम की दश्यमान रिक्फल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वाक्स सम्पत्सि का उजित बाजार भूक्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पत्मह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के खिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखिन में भारतिक क्य से कथित नहीं किया गया है क्र--

- (का) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बायत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए अधि/का
- (का) श्रेषी किसी बाव या किशी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया धाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के किया

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (!) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तितयों, वर्धात्:---

 श्री अय्यानभाई एणछोड़ आई पटेल श्री गणेण डी० पटेल द्वेषशी संगमपुरा, सुरत ।

(अन्त्र्स)

 मै० वरवारिया टैक्पटाईल मार्केट श्री रामलाल मगनलाल पटेल नवापुरा, सूरत।

(अन्तरिती)

का यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करना हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपर में प्रकाशन की तारांस में 45 विन की वनिध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की बदिध, जो थे। अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित स्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख सं 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर संपत्ति में छित-क्व्म किसी अल्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियस के कथ्याय 20-क में परिभावित हूँ, वहीं वर्ध होगा को उस कथ्याय में दिया मुंबा हूँ।

अमुसुची

जमीत जो सूरत में स्थित है। सब राजिस्ट्रार, सूरत भे 2114 नंबर पर दिन्ति 16-5-1985 को राजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, अहमदाबाद

नारीख: 17-12-1985

माहर:

प्रकृष काह". डी. एत्. एस.-----

भाषकर व्यक्तिस्था, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के समीन सुमना

A STATE OF THE PROPERTY OF T

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद .

अहमदाबाद, दिपांक 17 दिसम्बर 1985 निदेश सं० पी० अार० नं० 39.61/II/85-86--अत:

मुझे, जी० के० पंडया,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-ख के अधीर सक्षम प्राध्कारों का, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० क्षांज, ता० चोर्यासी है तथा जो जि० सूरत में स्थित है (श्रीर इसने उपायद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-5-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाण्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे श्र्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रीतिशत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) व्यक्तरण ने हुई फिली जाय की वाबत, उक्त मधिनियम नो अधीन कर दोने के बन्तरक वी बासिस्य में कभी करने या उन्हरें यालने में सुविधा के विषय; बारि/या
- (थ) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय आयक ए अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विव्या जाना चाहियेथा, छिपान में ख्रिया के जिथ;

कतः जब, उक्त जिमिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ा. श्री नोहम्मद इब्राहीम नातला **मुल**सुलिया, त्वांझ, ता० चोर्यासी, जिला सुरता

internation of the control of the co

(अन्धरक)

2. मैं स्थीन उद्योग नगर उह्हारी मंडली लि॰, प्लाट नं० 8, खरोदरा, सुरत ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

रुवत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नासंप :

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर नृचना की तामील से 30 दिन की बचिथ, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) ध्रम सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीध ए 45 विश के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हिटबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पाक्ष लिखित में किए जा सकरें।

विष्टिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, को उक्त अधिनियम के रूप्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, था उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुभूची

अमीन को सूरत में स्थित है। सब रिजिस्ट्रार, सूरत में 1698 तम्बर पर दिलांक 4-5-85 को एजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राविकारी बहाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंग रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 17-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-थ (1) के नधीन स्थना

भारत बहुकार

कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्तन)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिशास्त्र 17 दिलम्बर 1985 शिदेश संर पीर आरंश नंश 3962/II/85-86---अतः मुझे, जीरु केश पडेया,

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से लॉधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट-वार्ड नं० 1, नार्थ नं० 1435, फ्लैंट नं० 17-बी०, है तथा जो कदमाल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 14-5-1985

को पूर्विक्ध सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पर्ति का उचित बाजार बृह्ब, ध्यक व्यवमान प्रतिपन्न सं, एस व्यवमान प्रविक्त का बन्दह प्रातशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे वंतरण के निए इय पासन भवा प्रात्यकन, निम्निसित उद्देश्य से व्यत् बंतरण मिन्यत् में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) नंबरण संहूर किसी बाय की बाब्द्र, उक्ट अभिनियम के अभीन कर बाने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बुखने में सुविधा के सिए; कार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बल्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचमार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बना का या किया में स्विधा के निष्

जराः श्व, उक्त जीभिनियम की भारा 269-न के जनुसरण कों, मीं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की जपधारा (1) को जधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, जथीत् क्र-- मै० अरिहृंत कोपंरियान ।, रिख्नि-सिद्धि अपार्टमेट, सोनी फलिया, सुरत।

(अन्तरकः)

 श्री अजय कुमार चन्द्रकान मेहता, 303, अरिह्त अपार्टमेंट, नानपुरा, सूरन।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

चक्ठ सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीए ह

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच हैं
 45 बिन की अविध सा शत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर तक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के । पास निरुद्ध में किए का सक्तेंचे ।

स्पव्यक्तिस्य :--इसमें प्रयुक्त सम्यों और पक्षों का, वो उक्त विक-नियम के बध्याय 20-क में परिभालित हैं, हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में द्रमा गया है।

यनुसूची

फ्लैंट नं० 17-बी०, वाई नं० 1 सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूर्व में 2200 नम्बर पर 14-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायज आयकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेज⊶II,अहमदाबाद

नारीख: 17-12-1985

मा हर :

प्रस्य बाह्". हो. एन. एस.-----

भायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन त्चमा

भारच सहस्राद

कार्यालय, सहायक भाषकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांच 17 दिसम्बर 1985 निदेश सं०पी० श्चार० नैं० 3964/11/85--86--श्वनः मझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें (तक पश्चात (उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित शाबार मृस्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सैं० उमरा, स० न० 45, प्लाट न० 3, है, तथा जो भूरत में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षित्रारी के कार्यालय भूरत में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के स्रिधीन, तारीख 30-5-1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित भाषार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के जिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्यांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के कि एमें अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यक्त से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कीवत निकारका गया है:—

- (क) बन्सरक से हुइ किसी भाव की बाबत , अकत जीविविवय से अधीन कर दोनें के बन्सरक से ताबित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा से सिए; जीर/बा
- (च) एसी किसी वास वा किसी पून वा कत्व वास्तिवों ज्या, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 की 11) या उन्हा अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार बन्दिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था कियाने में स्विभा के विद्या

लतः वसः, उक्तः अभिनियमं की भाग 269-ण के अनुसरण मं, मं, धक्तः वभिनियमं की भाग 269-ण की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—— मै० शाह एन्टरप्राईजेस, श्रम्बुका सदन, पोपट मोहालवा, नानपुरा, भुरत।

(अन्तरक)

ं वैक श्राफ बड़ोदा, रीजनल श्राफ़िस, सैयदपुर्रा. सूरत ।

(श्रन्सिंग्सी)

को बहु सुचना चारी करके पूर्वोंक्त संपरित से नर्धन के निष् कार्यनाहियां करता हुएं।

बक्त संपृत्ति के वर्षन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेत्र 🌣 ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्बाध, कां भी क्षिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी क्षित ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण भी प्रंकाणन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्प्रीतन में जिनवस्थ किसी बन्ध स्थानित द्वारा अधाहस्वाक्षरी के पास सिचित में किए वा सर्वोगे।

स्वक्टीकरणः - इतमे प्रयुक्त शस्दां और पदां का, वा उन्छ अधिनियम, कं अध्याय 20-कं में परिभाजित इ., बही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गका है।

अनुसूची

मिलकत जो उमरा, भूरत में स्थित है। क्षत्र रिजस्ट्रार भूरत में 4332 नंबर पर 30-5-85 को किस्टर्ड की की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज~2, श्रहमदाबाद

न(रीख: 17-12-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)
श्रर्जन रेजेंं —2, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1985
निदेश सं० पी० श्राः० न० 3964/11/85 —86 —-श्रातः
मझें, जी० के० पंडया.

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चिह बाजार मूल्य 1.00.000/- रह. से अधिक ही

श्रीर जिसकी मं० श्राम्बा लाईन्य, जिला विकास श्रिधनारी, सोसायटी, है तथा जो भ्रत में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध मनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिक्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, भूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 190 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 3-5-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उपित बाजार मृत्य में कम के क्रथमान प्रतिफार के लिए उन्तरित की गर्छ हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उपित बाजार बृत्य, इसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का जंबह प्रतिकृत से अभिका है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के निए तय पाम कल प्रतिकृत, निम्निनिष्त उद्देश्य से उच्छ बन्तरण निम्निनिष्त उद्देश्य से उच्छ बन्तरण निम्नितियों मास्त्रीविक रूप से किथात नहीं किया गया है क्

- (क) अन्तरण में हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बखने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आथकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में यिविधा के लिए;

अतः अवः अकतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उच्न अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभोन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्धात् क्ष्म श्री मधमूदन दोलतराम देशाई, संग्रामपुरा, मुख्य मार्ग, सूरत।

(भ्रन्तरक)

 श्री जैरामभाई पदमणीभाई पटेल, सीता अवार्टमेंटर्स, नानपुरा, भूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जकत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यिचित द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधांह्रस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उपन अधिनियम, की अध्याप २०-४ में परिभाषित ही, कही अर्थ ड्रांगा जा उस अध्याप में दिया गया ही।

नग्राची

मिलिषियत जो स्रम्या लाईन्स, भूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 3811 नंबर पर दिनांक 3-5-85 को रिजस्टर्ड की गई है.।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधितारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन्दोज्ञ—2, ब्रह्दाबाद

नारी**ख**ः 17--12--1985

प्रमुख बाइ¹. टो., एन . एक .-----

आयकर अधिमियम 1961 (1961 का 43) की 269-क (1) की अधीन स्वना

भारत चरकाह

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीर्जन रेजि— Π , श्रहमदद्वाद श्रहमदाबाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1985 निदेश संविष्यी श्रीर्व नंव 3965/ Π /85—86—श्रत: मुझो, जीव केव पन्डया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूँ), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० डुमस, जि० सुरत है क्था जो डूमस, सुरत में स्थिक है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, कारीख 30-5-1985

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जाब की वाबत, उनक मिनियम के अभीन कार दोने के बन्तरक के सावित्व में कनी करने वा उत्तते वचने में सुविधा के लिए; भीर/मा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या ज्या कास्सिनों को, चिन्हों भारतीय जायकर जीधनित्रम, 1922 (1922 को 11) या उक्त जीधनियम, या धनकर जीधनियम, या धनकर जीधनियम, 1957 (1957 को 27) के प्योजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा जा या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा खे निए;

नतः अन, उनत निधिनियम की धारा 269-म के नमृतरण ॐ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :── 20—436 G1/85 1. श्री चन्दूलाल प्रसोत्तमदास, श्री गोविदभाई जुमस, ता० धोर्यासी, जिला सुरत।

(अन्तर्क)

2. मैं० जी० के० फ़ार्मिंग के० श्रो० खेती सामुदायिक सहकारी मन्डली लि०, मजरा गेट, सूरतः। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपल संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विषि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थानर संपर्कत में हितनद्र के सिक्सी अन्य व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताकारी के पाड़ सिक्ति में किए जा सकती।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षम्यों बीर पदों का, को उक्त जायकर जिथितियम के अध्याय 20 का में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याम में दिया कथा है।

वनसूची

जमीन जो डुमस में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 1746 नम्बर पर दिनांक 30~5-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकासी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , श्रहमदाबाद

तारीच: 17-12-1985

मोहरः

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. ------

शायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन सुचना

STEEL HEERS

कार्याजय, भड़ावन जायकर जायका (किरीवाक)
प्रजीन रोज-II, श्रह्मदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1985

निदेश सं० पी०धार० नं० 3966/II/85-86--- ग्रहः

मुझ, जी० मी० पटेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,90,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं किल कत-- उमरवाडा, रिंग रोड़ है तथा जो सुरत में स्थित [है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिष्ट्रिक्ती श्रधिकारी के

कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, सारीख 9-5-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे इप्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण निखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय का किसी धन या जन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनाथ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा चै खिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) इ अधील, निस्तिसित् व्यक्तिकों, क्यांति ध—-

- 1. श्री ईप्रवरलाल वाडीलाल काजीवाला, श्री मनहण्लाल वाडीलाल, काजीवाला, बेगमपुरा, सूरत। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री म्रशोक कुमार ऐसोसियेट्स, सी--22, ल्ज भ्रपार्टमेंट, बेगमपुरा, सुरत।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके प्याँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिवित में किए वा सकों ने।

स्वव्यक्तिकरण:----इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त विधितियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं कथें होगा जो उस कथ्याय में दिवा प्या है।

and the

सब रिजस्ट्रार, सुरक्ष में 3938 नम्बर पर दिनांक 9-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-Ц, ग्रहमदाबोद

तारीख: 24-12-1985

मोहरः

प्ररूप शाही. टी. एन. एस 🗸 -----

नावकार संभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के सभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदावाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 29 दिसम्बर 1985

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 3967/II/८5-86--भ्रतः मझे, जी० के० पंडया,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसके परचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि वभाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित वाचार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संव मोताली, ताव अंत्रलेश्वर है तथा जो श्रंकलेश्वर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रंकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-5-85

का पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूलय से कन के क्रायमान प्रतिकत के लिए जन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार जून्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकत से एसे स्थ्यमान प्रतिकत का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय बाया गया प्रति-कत्, विश्वतिक्ति स्थ्यों के बीच एसे अंतरण के लिए तय बाया गया प्रति-कत्, विश्वतिक्ति स्थ्यों के बीच स्था है ———

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बानित्स में कभी करनेश समझे एकने में सुविका के दिए; बॉद/वा
- (च) एवी किसी बान वा किसी थन वा अन्य जास्तिनी की, जिन्हें भारतीन नानकर नर्देशनिननज्ञ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन-कर नर्देशनिननज्ञ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्दीरती द्यारा प्रकट नहीं किना नवा वा वा वा किया जाना चाहिए वा, कियाने में स्विधा के लिए;

नतः क्रेन, उस्त माँभीनवन की भारत 269-त के अनुसरक में,, में, उस्त मोभीनवन की भारत 269-त की उपभारत (1) के वभीन, निज्नलिकित व्यक्तियों, समित् :— विकासभाई कोयाभाई भोसाली, ता० ग्रंबलेख्वर
 जिला भरूच।

भ्रन्दरका)

2. मैं ० नर्मदा लैण्ड धेवलपमेंट प्रा० लि०, प्रीतमनगर सोसायटी, भरूच।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त संपरिश के अर्थन के निष् कार्यवाहिया करता हुए।

वक्त कम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस त्यान के रायपत्र में प्रकाशन की शारीक अं 45 दिन की नविभ या तत्त्रम्बन्धी स्थाबितकों कर स्थान की मानील से 30 दिन की बविभ, यो भी जबिए बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

त्यव्यक्तिकार — इत्रमें प्रमुक्त बच्चों सीर पर्यों का, को उक्त वर्षितिषय के बच्चाव 20-क में परिभाषिक ही, बहु वर्ष होगा, जो उत्त मध्याय में दिया पत्रा ही।

नगत्त्वी

मिलकत जो मोताली में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, श्रंकलेखर - 1417 नम्बर पर दिनांक 6-5-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 29-12-1985

प्रस्य मार्ड ्टी. **एर**्य्या. -----

नामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सूचना

भारत बहुकारू

कार्यासय, सहायक जायकार नायुक्त (विरक्षिण)

श्रजेन रेंज⊷2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांवः 29 दिसम्बर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3968/II/85-86-- अतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका जीवत बाजार सूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० उमरा—स० नं० 20/3 ए०, 21/2-बी० है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवार्ता ग्रिधिवारी के वायित्य सूरत में रिजस्ट्रीवारण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, तारीख 10-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाधार मूस्य से कम के अध्यक्षान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाधार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अभ्यरण विश्वित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया वया है -

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कजी करने वा उत्तरके क्वाने में सुविधाः के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या वन्य वास्तियां को, जिन्हां भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोच-नार्थ अमरिती क्कारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविभा के किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सेरण में, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री महेशचन्द्र मोहनलाल वरवारिया, नवापुरा, सूरत।

(ग्रन्सरक)

 श्री विणसरन नगीनदास चावला, 105, ग्रिभियान ग्रपार्टमेंट, सूरत।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्धन के सिए कार्यवाहिया कुरू करता हुं।

सम्बद्ध सम्बद्धित को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यभ में प्रकाशन की तारीच इ 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 विन की जनिथ, को औ जनिव नाथ में समझ्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित दुवारा;
- (ब) इस त्याना के राजपन में प्रकाशन की तारीब हैं

 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनव्ध

 किसी सन्य स्थिति द्वारा नभीहस्ताक्षरी के पार्क
 चिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः --- इसमें अयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उनत क्रिभिनयम के कथ्याक 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस कथ्याय में दिया गन्म हैं।

प्रनुस्ची

मिलकत जो उमरा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, -रत में 3657 नंबर पर दिनांक 10-5-85 को रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज-2, स्रहमदाबाद

तारीख: 24-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व(1) के बधीन स्वन।

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक भागकर नावृत्त (निर्ज्ञान)

श्चर्जन रोंज-[], श्वहमदावाद श्वहदामबाद, दिनांदः 29 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3969/11/85-86---श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव मव नंव 2013/ए श्रीर 21/2/बीव है तथा जो प्लाट नंव उमर.. सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीय तो श्रिक्ष्या के या बिल्य, सूरन में रिजस्ट्रीय रूण श्रीवित्यम, 1908 (1968 वर्ष 16) के श्रिक्षीन, तार्राख 10-5-1985

कां पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्ज अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया बाना बाहिए था, कियाने में सुविधा के शिष्ट;

नतः नम्, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:--- श्री राजेन्द्र मनहरलाल बरवारिया, नवापुरा, यारवा रोड, सूरतः

(ग्रन्तरयः)

 श्री विज्ञासरन नगीनदास ने ालीः 105, अभिजात अपार्टमेंट, नानपुरा, सूरत।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध मा कोड़ों भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

मिलकात जो उमरा में स्थित है। सब राजिस्ट्रार, सूरत में 3958 नंबर पर दिनांक 10-5-1985 में राजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायदः ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज–2, ग्रहमदाबाद

नारीख: 24-12-1985

प्रकल बाइं.टी. एन. एस. -----

धावकार विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के वधीन ब्याना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर बायुक्त (रिनरीक्रफ)

प्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3970/II/85~86--ग्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

भागकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (भिक्त इसमें इसके प्रभात् 'उक्त निभिन्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-क से सभीन सक्षम प्राभिकारी को, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उभिष्य बाबार मूस्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 5, सूरत, नार्थ नं० 838, है, तथा जो हीयाग्रेरी महिघरपुरा, सूरत में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-5:1985

को प्रवेक्त सम्परित के उचित नाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभी यह विस्तास करने का कारण है कि यथाप्यों क्त सम्परित का उचित्त माजार ब्रुच, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकृत से अधिक है और नंतरक (नंतरका) और अंतरिती (जन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब नावा क्या इंडिफल निम्नसिवित नद्वां के स्था क्यारण विशिष्ठ के अस्तरिक इस से कीच्छ को अस्तरिक इस से कीच्छ को अस्तरिक इस से कीच्छ को

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय का बाबत, उपका नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दानित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए? और/या
- (क) ऐसी किसी जान या किसी पत्र या बन्य बास्तिहाँ काँ, विक्टूं भारतीय बायकर सीमीनयन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त वीमीनवंध, या पत्र-कर विभिन्नक, 1957 (1957 का 27) के इसोब्नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट वहीं किया पता भा वा किया धाना चाहिए चा, किनाम में सुविधा ने जिया

जतः असः जनतः जीभीनयम की भारा 269-ग के जनकरण सो, में, उक्त विभिन्निम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के ≡भीन निकासिकित स्थितियों, क्याँत हिल्ल

- श्री चन्द्रलाल ग्रंसाराम, महिधरपुरा, सूरत। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मनसुखलाल नायूभाई राणा, गलेमंडी, सूरत। (अन्तरिती)

को बहु सूचवा जारी करके पृथांकत संपत्ति के वर्णन के विश् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी कार्य हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 किन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीज से 30 दिन की जनभि, को भी जनभि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (ख) इस तूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्वथ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा बभोहस्ताकारी के बात सिचित में किए वा सकोंचे ।

स्वय्योकरण:—इसमे प्रयुक्त सन्वो तौर पर्यो का, वो उन्त वीधनियम् के वध्याय 20-क में प्रिभाविक ही, वहीं वर्ष होगा वो उस वध्याय् में विका नवा है।

प्रनुसूची

सब रजिस्ट्रीर, सूरत में 4137 नम्बर पर दिनांक 20-5-1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 24-12-1985

प्रकार बाइ. टी. एन. एस्.-----

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के सभीन स्थान

भारत तरकार

खार्यांसय, सहायक जायकर जायकत (निराक्षण) अर्जन रेंज- श्रहमदाबाट

- **प्रह**मदाबाद दिनांक 24 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० $3971/I^{1}/85-86$ - श्रतः मुझे पी० के० पंडया

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० ए 18, सब प्लाट 6 व 7 है छ्या जो उधना उद्योगनगर, सूरत में स्थित है (श्रीर इसके उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्याख्य सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिलांव 22-5-85

को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाब सम्ते का खादण है कि ययापूर्वोक्त सम्मति का उचित्र बार मूस इसके वृश्यमान प्रतिक्षत से, ऐसे वृश्यमान श्रीतफल का पण्डह[प्रतिण से प्रतिक है और बन्तरफ (बग्तरकों) और बग्तरितों (बग्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरफ के लिए तय पाया ग्या प्रतिक्रम विश्वतिविध उद्देश्य से क्वत प्रस्तुद्ध किया में बास्त्यिक कर से ब्रिश्त वहीं किया गया है। ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबदा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक को दासित्क में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों को, विक्ट भारतीय वायकर अभिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियस, या भन-कर अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यस्ति व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, कियाने में सविभा के किए; वार/वा

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- पलेसीकोन प्रा० लि०, डायरेक्टर श्री गुणधन्तरी वी०भट्ट 105, ग्रादर्श सोमायटी, सूरत। (श्रन्तरक)
- 2. उर्मिलावेन चंपकल'ल ग्याल यमुनाबाग, सूरत (ग्रन्निरती)

को बह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्ते :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की धवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बदिध, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इत सूचना के ऱाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात निवित्त में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमे प्रयुक्त व्यव्यों जीह पदों का, जो उक्त विधानियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिया वया हैं।

वप्यूची

ण्ताट नं० ए 18 जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 4193 नंबर पर दिनांक 22-5-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० के० पंडया, समक्ष प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

दिनांक 24-1-85 मोहर: प्ररूप बार्च, टी.एन. एस.,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, श्रह्मदाबाद

ब्रह्मदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० जी० ग्राट० नं० $3972/I^{1}/85--86--- श्रतः मुझे, पी० के० पंड्या$

रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 4, श्रार० एस० नं० 138 है तथा जो उधना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री इर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्री इरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचीन दिनांक 29-5885

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित भाजार मृल्य से कम को दश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है

नीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सञ्चारत का उचित बाजार मुख्य उसके खब्यमान प्रतिफल से, एसे खब्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के निए तय पात्रा गया प्रविफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उच्ते अन्त-रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाक्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाब या किसी ४४ या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बाव-कर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृदिशा ने स्थित

पत्तः वन उत्तर विधिनियम की भारा 269-न के विवृद्धस्य में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निम्नसिधित स्वितिकों, स्थाति ह—-

1. मैं ॰ णारदा ट्रेडिंग कं ॰ श्रार ॰ बी ॰ गजीवाला, ना पुरा सूरत ।

(भ्रन्तरकः)

 श्री सर्दाक ईस्माईल लालुबाला धवलगिरी एपार्टमें ट, सूरत ।

(भ्रन्तिरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच थ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्यक्रिरणः — इसमं प्रयुक्त सम्बां आरि पर्वो का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा, जो यस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

जमीन जोडधना में स्थित है । सब-रिजस्ट्रार सूरत में 3229 नंबर पर दिनांक 29-5-85 को रिजस्टर्ड की गई है ।

> पी० के० पंडया, समक्ष प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांकः 24-12-8**5**

वाधकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-च (1) के वभीन स्वया

भाष्य संस्कार

कार्यामय, सहायक मायकर कार्यकत (रैनरीक्क)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० भ्राप्य नं० 3973/ —— म्राप्तः मुझे, पी० के० पंडया,

जाबकर अभानवन, 1961 (1961 का 43) शिवतं इसमें इसके पर्यात् 'उक्स अभिनिवन' कहा क्या हैं), की मास्र 269-स से अभीन तक्षम प्राधिकारी को बहु विस्वास सरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

भीर जिल्ला मं० डुमरा, ता० चोर्यामी है तथा जो जिला सूरत में स्थित है (श्रीर इसके उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी के सार्यालय सूरत में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 10-5-85

का प्रतिभिक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार सन्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक सम्पत्ति का उचित बाजार भन्य, उसके एश्यमान प्रतिफल स एमें दश्यमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिशान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, सिम्नितियाँ उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लाक एक से किया गया प्रतिफल है ----

- (का) अन्तरण सं हुन्दं किसी जार, की बाबत, उक्त अभिनिवस के अभीन कर दौने के अन्तरक के बासित्व में कभी करने या उक्क बकाने में सुविवा को सिद्; और/बा
- (य) इंबी किसी साथ या किसी अन या बस्त आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, वा धनकर अभिनियम, 1957 (19/ / का 27) के प्रवोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा वा किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविका के किए;

किया वय, उनत अभिनियम की शस्य 200-न के बाजूनरूप कें. कें सभत अभिनियम की भाषा 269-व की उपवाद (1) के अभीत निम्नितिस्ति व्यक्तियों, सभीत् :---21-436 GI/85 शनजीभाई डाह्याभाई, डुमस, ता० चौर्यासी, जिला सूरत ।

(ग्रन्तर र)

2. श्री के० फ़ालींग को० ग्रा० मामुदायिक खेती सह-कारी भंडारी, लि०, 1 खुशीना ग्रार्टमेंट मजृदारेट, सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करको पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृचना को राजपत्र में अकश्रवन की तारीक स 45 विस की अविध ना अस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायन सम्पत्ति में हितबब्द किसी अन्य व्यक्ति द्वार माहिस्ताकारी के पास सिकित में किए जा सकें

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जमीन| जो बुमरा में स्थित हैं । जब-रिजस्ट्रार, सूरत में 3977 नंबर पर दिनांक 10-5-85 को रिजस्टर्ड की गई है ।

> पीठ केठ पंडगा, समक्ष प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजीन रेज-II, प्रहमदाबाद

दिनांक: 24-12-85

प्रकृषः बाद्यः टी. एतः एसः ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की लास 269-च (1) के अभीन स्चना

भागत मरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्रक)

श्रर्जन रेंज्-11, श्रहभदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनांकः 24 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० म्रान्थ नं० 3974/II/85—86—म्म्रतः मुझे, जी० के० पंडया

्यकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें सके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी संव तस्बे मारकेट, उमरपाडा, है तथा जो सरत में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण का में बर्णित है) रिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के शायित्य सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14-5-85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के निए बन्तरित की गई है बीर मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अक्तरितंत्रयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अश्विफल निम्नलिखित उद्वेषय से जक्त अन्तरण लिखित में कारतिक रूप से किचल नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाग की गाव्स, उभस विभिन्तिक से अभीन कर दोने से बन्दारक वै दायित्व में कभी करने वा उससे वचने हो भृतिका के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, बा कन-कर अधिनियम, बा कन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वाह्म प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए वा छिपाने में सुविध्य के लिए.

णतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मॅं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, जिस्तिसिक स्थितकार्यों, अर्थात् :---

- 1. िशानचंद ग्यानचंद सादवीपाला मारकेट, सुरता । (श्रन्तरक)
- पी० के० नामलोन्स कंचनलाल नटवरलाल झांसा बाजार, सुरत ।

(ग्रन्तिरिती)

कार्यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकासन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियां में से फिसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए का सकतेंगे।

स्वच्यीकरण :---इसमाँ प्रयुक्त शस्त्रों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क माँ गरिभाषित ही, बसी अली होगा, जो उस अध्याय माँ तिया गया ही।

प्रनुसुची

मिलकत जो सुरत में स्थित है। सब राजिस्ट्रार सुरत में 4015 नबर पर दिनांछ 14-5-85 को राजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया, समक्ष प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोज-II, श्रहमदाबाट

दिनांक : 24-12-1985

प्रकल, बार्च, टी. एन्. एवं. ----

नाथकर संधितियम, 1961 (1961 का 43) स्त्री धादा 269-व (1) के नधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गयक मामकर वाष्ट्रकत (निरोक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3975/ I^{I} --श्रातः मुझे, जी० के० पंडया

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धास 269-स के अभीन तक्षम प्राधिकारी की, वह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका अधित श्राचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० धुकान नं० एस 3 बोम्बे मारकेट, है तथा जो सूरत में स्थित है (श्राँग इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्राँग पूर्ण रूप से विणिम है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 6-5-85

को प्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाबार मूस्य से कम के क्षयबान प्रितेक स के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्बत्ति का उषित बाबार मूख्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकत से, एसे क्ष्यमान प्रतिकत का बेब्ह प्रतिकत से विभिन्न हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिकत, मिन्नसिवित उबुदोस्य से उक्त बन्तरण विवित में वास्तिक क्य से किथत नहीं किया नया हैं

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की बावत उपके विभिन्न पित्रस की वर्णन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में अभी करन या उत्सं स्थल में सुविधा के जिए बीर/सा
- (ब) एंची किसी बाव या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय वाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, बा धन-कार निधिनियम, बा धन-कार निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती बुवारा प्रकट नहीं कियम गया था या किया जाना करिंद्र था कियाने में सुविधा के सिद्ध

अतः शब्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री इमलादेवी छगन लाल सात्र बाजार, श्रह्मदाबाद। (अन्तरक)
- 2. लापसी वाला यानं ट्रेडसं, श्री भुमनलाल नटवरलाल, नवकारी बाजार, भूरत ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वों कर सम्परित को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करका हूँ श

जन्म सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध थ कोई भी लाकों :---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशक की तारील के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर क्यान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी क्याम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यांक्सभी में से किसी क्यांक्त द्यारा;

स्वक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जवस विभिन्नमं, को अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बहुरे अर्थ होता. को उक अध्याय में विका यका हैं हैं

अनुसुची

दुकान जो सुरत में स्थित है । सब रजिस्ट्रार **सूरत** में 3862 नंबर पर दिनांक 6-5-85 को रजिस्टर्ड की गई **है** ।

जी० के० पंडय,
भिमक्ष प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-11, श्रस्मदाबाद

दिनांक : 24-12-85

प्ररूप आह⁵.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमवाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० म्रार० नं० $3976/\Pi/85-86$ —म्राप्तः मुझे जी० के० पंडया

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यात करने का कारण है कि धावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000∕- रु. से अधिक **ह**ै

भौर जिसकी सं० लिमड़ाचौक, बोर्ड नं० 9, नार्थ नं० 11910 हैं तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनूसूची सें और पूर्ण रूप से विंगत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाँक 15-5-1985

को पूर्वोक्स संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार भूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

- कल्पना एजेंसी, प्रदीप चन्द ठाकुर दास नानपुरा सूरत।
 (ग्रन्तरक)
- 2. कियोर चन्द्र ठाकुर दास गफी ताराजीलाब सूरत (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

मकान जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 4033 नंबर पर दिनाँक 15-5-85 को रजिस्जर्ड किया गया है।

डी० के० पंडया समक्ष प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्राक्युत (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

दिनाँक : 24-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनॉक 24 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० $3977/\Pi/85-86$ -- श्रतः मुझे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० दुकान नं० 1 3949 सूरन टेक्सटाईल है तथा जो मारकेट सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिल्ह्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रजिल्ह्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधोन 29-5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मै० गोपीलाल भाईदास मारफितया, पारले पोइँन्ट, श्रम्बा लाईन्स सुरत ।

(भ्रन्तरक)

 श्रशोक कुमार ठाकुरलाल सिद्धराम एपार्टमेंट नानपुरा सुरन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्को

दुकान नं ० I 3299 जो सूरत में स्थित है । सब रिज-स्ट्रार सूरत में 4327 नंबर पर दिनाँक 29-5-85 को रिज-स्टर्ड की गई है ।

जी० के० पंडया समक्ष प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, ग्रहमदाबाद

दिनौंक : 24-12-85

मोहरः

प्ररूप आह .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज- , ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 24 दिसस्बर 1995

निदेण सं० पी० ग्रार० नं० 3978/II/85-86--ग्रतः मूझे, जी० के० पंडया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का

कारण ह^{*} कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रु.से अधिक ह^{*}

स्रौर जिसकी सं गंगीपुरा वार्ड नं 8 नोर्थ नं 0 1801 है तथा जो सूरत में स्थित है (स्रार इसमे उपावद्ध प्रनृसूची में स्रौर पूर्ण रूप मे विगत है) रिजर्म्डाकर्ता स्रीधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण स्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन ता 7-5-85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अर्लारित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री प्रसन्त सरत राम जन्द ग्रतप ग्रन्थ गोपीपूरा सूरत

(श्रम्तरक)

 श्रारिवद लाल मकरे लाल जरीवाला मूख्य मार्ग, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवररा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो सूरत में स्थित हैं। सब रजिस्ट्रार सूरत में 3896 नम्बर पर दिनाँक 7-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पं**ड्या** सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ध, ग्रहमदाबाद

दिनौंक : 24-12-85

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्चमा

भारत सरकार

कार्यासय, तहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनाँक 24 दिसम्बर 1985

निर्मेश सं०पी० ग्रार०नं० 3979/II/85-86—श्रतः मुझे जी० के० पंडया

वावकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसको व्यक्त (उन्स किपिनियम के क्षा गया ही, की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० 70 गनीपर ता० धर्थानी है तथा जो जिला सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के धर्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाँक 10-5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के करणमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा- पूर्वोक्त सम्पत्ति का रिचत बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रति-फल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबात उच्होंस से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से अधिक नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाय को बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के किस; बौह/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या करव बास्तियों अंत, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- भू लजीभाई उकाभाई और अन्य यागदल्ला, ता० यथांसी जिला मुरन ।

(अन्तरक)

2. श्री घनश्यामलाल मोहन लाल गण्जर ट्रालसावाड सूरते (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्ववाहियां गुरू करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औ अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अभ्याय अं दिया वंदा है।

मन्सूची

जमीन जो गनपर गांव में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 3944 नंबर पर दिनाँक 10-5-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जीं० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर स्रायकत (निरीक्षण), श्रर्जन रेंच-II, स्रहमशबाद

दिनौंक : 24-12-85

मो

प्रसम् वाद्'.टी. एन. एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बभीन सूचना

धारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 24 दिसम्बर 1985

निदेश मं० पी० ग्रार० नं० 3980/II/85-86--श्रतः मझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स से अधीए सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० लिमडाचौक वार्ड नं० 9 नार्थ नं० 1910 हैं तथा जो सूरत में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबढ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है) राजिस्ट्र)कर्ना श्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-5-1985

का प्रतिपत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दिश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तिरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार महम, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र-श्रेतियाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित के बास्तिव्यः रूप से किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुइं किसी बाय की बाबद्ध, उक्त बीधिमिद्य से अभीत कर दीने के बन्तरक में अधिमन्द्र में उन्ने का असमे बचने में मृतिभा को भाष: सीद/या
- (ख) एसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव. उमत अधिनियम की भारा 269-त के अनुसरण भा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीर, निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. कल्पना एजे से।, बानपुरा सूरत ।

(ग्रन्तरक)

 पृतमचन्द्रे भगवानदास राजी तालाब, डबगरवाड, सूरत । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृथ्वींक्ल सम्मरित को अर्थन के किय कार्यवाहियां कारता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजधन में प्रकाशन की तहरील से 45 दिन की अविध ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध साद में समाप्त होती हो, के मीत्तर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण :---इसमें प्रयूत्रश शम्यों और वर्षों का, वो अवव्य अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा को उस प्रध्याय में विद्या गुगा हुं।

शनस्ची

मकान जो स्रत में स्थित है। यब रजिस्ट्रार सूरत में 4032 नंबर पर दिनांक 15-5-85 को रजिस्टई किया गया है।

जी० के० पंड्या समक्ष प्राधिकारी महावण आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनौंक: 24-12-85

मोहरः

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार्०नं० 3981/II/85-86—यतः, मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाटनं० 120 है तथा जो सिलपस में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजन है), रिस्ट्रीनर्ता श्रिधनारी के नार्यालय, सिलास में रिस्ट्री-क्रण श्रिधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के श्रधीन दिनांक 21-5-85

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपनत बाजार मूक्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तर्भ (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय श्रा गया प्रतिफल, निम्नितिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिल्ला में वास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीम कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बौर/या
- ह) ऐसी किसी आय या किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः सथा, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुकरण है, मैं,, उक्त अधिनियम की भारा 269-म को उपवारा (1) के विभीन निम्नीनिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :

22—436 GI/85

(1) श्रीमिति जरीना रमजानग्रली लोखंडवाला श्रांर श्रन्य, यवन श्रपार्टमेंट, मेरी रोड, बांद्रा, बम्बई ।

(श्रन्तर्ह)

(2) श्री बहुदीन ई० धारीवाला, नानमें शत, बम्बई-26। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

प्लाट नं० 120 जो सिलपसा में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार सिलपता 99 नम्बर पर दिनांक 21-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० कें० पंडवा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयाकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेक-II, श्रहमदाबाद

दिनांक : 24-12-85

प्ररूप आई. दी. एत. एस. -----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 26 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार्० नं० 3982/II/85-86—श्रतः मुझे, पी० के० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर स्ट्यति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हुँ

स्रोर जिल्ला सं जलुन्सीकुई बाई गं विनवतारी है तथा जे? नव गरी में स्थित है (स्रीर इयने उपावड़ अनुसूची में स्रीए पूर्ण रूप से विणित है) रिप्स्ट्री तो स्रिध गरी के ार्यालय सहमदाबाद में रिप्स्ट्री रण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन 11-3-85

करे पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्हरित की गई है और मुक्त यह विष्वाम करने का कररण है. कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इक्समान प्रतिकल से, ए से इक्समान प्रतिकल से, ए से इक्समान प्रतिकल से, ए से इक्समान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिक्षा (अंतरिक्यों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, जिम्मिलिल उक्बदेव से उक्त अन्तरण कि लिए तम पाया गया प्रतिकल, जिम्मिलिल उक्बदेव से उक्त अन्तरण कि लिए तम पाया गया प्रतिकल क्या में अधिक कर्षों किया गया है:—

- (क) अन्तरण संधूर किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीर कर दोने के उन्तरण के दायित्व मों कमी करने या उत्तब क्यने में स्विधा के बिष्; और/मा
- (च) हेती किसी बाब वा किसी धन का अध्य आस्तियों कों, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानो जाहिए था, छिपाने में स्तिधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— 1. श्री के:मी के० डेस्सू श्रीर श्रन्य श्रिगियारी मोहल्ला नवसारी (श्रन्तरक)

2. श्री जे० ई० लिमथवाला और श्रन्य बायकुल्ला बम्बई (श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहिका करता हूं।

उक्त संपत्ति के नर्भन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अभि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पृषीक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबस्थ कियी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास जिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 2-0-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

37ईई का फ़ार्म पर कार्यालय में 11-3-85 को पेण किया गया है ।

> पी० के० पडया सत्तम प्राधिकारी सहायक अध्यक्त आयुक्त (किरीक्षण) श्रर्जन रेनिशा, ग्रहमदाबाद।

दिनांक 24-1*2*-85 मोहर: प्रकृत **वार्ष** .टी.एन. एस.----- १० ५०० । एसलासरम् शान्ती लाल शक्ता महेसाणा ।

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुणना

भारत सरकार

दायां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज, श्र**हमदाबा**द

श्रहभदाबाद, दिलांक 24 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3983/11/85—86--आतः मुझे, पी० के० पंडया;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 - स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं 1990/136 महोसाणा कसटा है तथा जो में स्थित है (श्रौर इसके उपाबद्ध श्रमुसूर्चा में ग्रौर पूर्ण कर से वर्णित है) रिष्ट्रिंट्रता ग्रिधनारी के कार्यालय महेसाणा में रिष्ट्रियरण श्रीधनियम, 1908 (1908 ना 16) के श्रधीन 14-5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रितिफल के पन्द्रह प्रितिशत से अलाव और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :— ः जमलासरन शान्ती लाल शुक्ला महेसाणा । (ग्रन्तरक)

2. पटेल खाडो भाई नारसंगभाई ग्रीर ग्रन्य महेराणा। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः ---६समें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गीरभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हो।

थनुसूची

ामीन जो महेस।णा में स्थित हैं । सब रिजस्ट्रार, महेस।णा में दिनाक 14-5-85 को रिजस्टिंड की गई है जिसकी कुल कीमत $2,60,000/\sim$ रूपये हैं ।

जी० के० पांख्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (नि क्षिण) ग्रर्जन रेंब, में श्रहमदाबाद

दिनां 🕾 24-12-85

माहर:

प्रकल कार्ड , टॉ. एक , एक ; ≥ ≈ = ====

नायकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

भारत बहकाड

कार्यालय, सहायक बायकार वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2 ग्रहमदाबाद

श्रह्मवाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1985

निर्देश सं०पी० अन्दर्गं 3984/II/85--86---श्रतः मुझे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाय 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

मीर जिल्की सं 83, सरदारगं बाजार मार्किट, है तथा जो पाटण में स्थित हैं (मीर इतसे उपाबद्ध भनुभूची में मीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्री तो मिश्रिवारी के सार्यात्मय पाटण में रिजस्ट्री करण मिश्रिवारी के सार्यात्मय पाटण में रिजस्ट्री करण मिश्रिवार 1908 (1908 का 16) के मधीन 29-5-85 कां पृथीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिपालन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का वारण है कि यथापृवीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिव है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल, निम्निसित उद्योग से उकत बन्तरण लिक्टि में वास्तविक रूप से किथल नहीं किया गया हैं:----

- (क) जन्तरम सं हुई किसी जाय की बावर, उपर अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के सामित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिया के लिए सरिं या
- (क) एसी किसी नाय वा किसी धन वा जन्म जासिकां का, जिस्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में सुविधा के जिल्हा

- 1. गांधी अमृतलाल वेवचंद श्राडीया, ताः यरिज (श्रन्तरक)
- 2. में ० नरेशचन्द्र जयंतीलाल मु० ५टण, सरदारगंज मार्किट (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहिया जुरु करता हुं।

जनत सम्मति के वर्णन के सम्मन्ध में कोई भी भाक्षप :- -

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध,, जो भी संविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृधारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्परित में हित-बब्भ किसी अन्य व्यक्ति ब्वास अभोहस्ताक्षरी के गांच निवात में किए वा सकोंगे।

स्वक्तीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुस्ची

दुकान जो पाटण में स्थित है। एव रिजस्ट्रार महेसाणा में 29-5-85 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी स्रर्जन रेंज, II स्रहमदाबाद

अतः अषः, उत्रतः अभिनियमं की धारा 269-न के अनुवर्षः वा, मा, उत्रतः अधिनियमं की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिवित व्यक्तिया स्थाप्त :---

दिनांक : 24-12-85

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

नायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के नधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

ब्रहमदाबाद, दिनांस 24 दिसम्बर 1985

निर्देश संवर्षाव ग्राउवनंव 3985/II/85—86→-ग्रतः मुझे जीव केव पंडया

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 3038 वीलीमोरा है तथा जो जलसाड में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्य से विणित है) रिजस्ट्रीरित्री ग्रीधकारी के कार्यालय जलसाड में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 रा 16) के श्रधीन दिनांक 24-5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे उश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहे प्रतिक्रत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिरियम के भ्रीत कर दोने के अंतरक के वाजित्व के कभी करन वा उससे वचने में सुविधा कालए; और या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उपांजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा किया जाना वाहिए वा, खिपाने में सुविधा वे सिए;

 विजय कुमार दौलिश्वाय देनाई और श्रन्य मुरादनगर चिखलीरोड विलोमीरा।

(ऋन्तरक्)

 गानसरन गरोज बीलोमोरिया प्रारं प्रन्य जिला विलीभोर। दसेर रोड ।

(भ्रन्त्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अजग के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अर्वाध या तत्मम्बन्धी अतिवारों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पच्डीकरण :---इसमी प्रयावत शब्दों आर्थ गर्दों का, को उक्तर विभिनियम के अध्यार 20-क मी परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यात में विकास नहीं ।

an well

मिलकत जो सलगाड में स्थित है। सब रजिस्ट्रार राजनाड में 364 नम्बर पर दिनांक 24-5-85 को रजिस्टड की गई है।

> जी० के० पंडया. सक्षम प्राधिकारी सहायक **श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रजंन रोज, **श्रहमदाबाद**

नत:, नव, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरक में, में सजत अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के बचीन, निम्नजिक्ति स्पिक्तियों, वर्षात्:—

दिनांक : 24-12-85

प्रकल आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सहस्वार

द्धार्यास्य, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांग 24 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3986/II/85-86---श्रतः मुझे, जी० के०पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब रहें अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से बिधक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 114 टी० पी० एस० नं० 18 है तथा जो गड़ीदा लाल बाग बड़ीदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कर से विणित है) रहिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिक्स्ट्रीकरण ग्राधिनियम 37ईई के 16) के ग्राधीन 30-5-85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अन्सरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के रेलए तय पामा क्या प्रतिफल, निम्निविचत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ! किसी बाय की बावत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/ए
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-म के जन्तरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. सुग्रासाई जीवाभाई गुलाबहेन गान्धी गेट रोड, बड़ौदा (ग्रन्तरङ)
- 2. श्री मनो विन्द्रबदन ग्रोह्मा 703/1, बार्ड एगर्टमेंट, बम्बई ।

(अन्तरिती)

को वह त्वना जारी करके वृत्तेक्त सम्यक्ति के वर्जन के निय कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्बों और पर्वो का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बर्युकी

37ईई का फार्म बड़ीदा कार्यालय में 30-5-85 को पेश किया गया है पार्टी से श्रहमदाबाद कार्यालय में 9-1-85 को पेश किया गया है ।,

> जी० के० पंडया, समक्ष प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेज-2 श्रहमदाबाद

दिनांक 24-1-85 मोहर

ध्रक्य बर्ह्याः द्वीत ध्रम् हृष्ट्यान्यान्यः

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग-2, अहमदाबाद अहमदागाद,दिनांक24 दिसम्बर 1985

भिर्देश मं० जी० आर० नं० 3987/2/85—85— अतः मुझे, जी० के० पंडया,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात 'उक्त मिनियम' कहां गया है), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 281, 566, 567 है। तथा जो, कसीलपारे, ता नपसारी में स्थित है (और इसमें उपायड स्नास्ति में स्रोप पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के सर्वारा प्रवासी में एजिस्ट्री एए अधिनियम 1908, (1908 कर 16) के अधीत दिनाँक 23-5-85

क्षेत्र पूर्विक्स सम्पत्ति के उपयमान प्रतिकल के । लए अन्तरित की गई और

मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल सं, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया प्या है:---

- (क) अन्तरम संहुई फिसी बाई की बाबत; समस अमितिका के कथीन कर दोने के अफ्ट्रक को बामिरम में कड़ी करने या उससे वचने में सुविधा असिए; बार/बा
- (ख) एंसी किसी आव या किसी धन वा बन्य आस्तियाँ अह जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) - या उक्त - अधिनियम, - या हन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अहे प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं कियह तथा था मा किया बाना चाहिए था, जिनाने में नावा के सिक्:

अतः अतः अतः विभिनियम की भारा 269-व के जनुबदण मों, मीं, उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) नरोत्तम भाई दयालभाई क्रोंश अन्य भवशारी (अन्यक)
 - (2) सम्सो कॅमिक्ट प्रा० लि० महाराणा शांमादेवी रोड महावीर कॅसिक्री भवसारी

(ग्रन्धरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षीप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-क्यूभ किसी अन्य स्थापत ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्थिकरण: --- इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पर्यों का, की उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु³, बही कर्ष होगेग को उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

मिलंकत जो कबीलवार में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, नवसंरी में 1315 नंबर परिद्यांक 23-5-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (धिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिशांक: 24-12-85

प्रकृष बार्ड .टी . एन . एस . ------

नायकर नीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सुचना

भारत शहकाह

कार्याक्रक, सहायक जायकर जायूक्त (निरिक्षक)

अर्जभ रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, भांक 21 दिशम्बर 1985

िर्देश सं० जी० आर० नं० 3988/2/85-86— अतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें प्रचात् 'उनत निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के निधीन सक्क प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रींग जिसकी सं० 64, प्लाट नं० 9, जलेलपूर है तथा कुजों बड़ोदा में स्थित है (ग्रींग इससे उपायद अनुसूची में ग्रींग पूर्ण रूप से विशेष है) रिजस्ट्री प्रती अधिकारी के कार्यालय बड़ोदा में रिजस्ट्री प्रण अधिक्यम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिलांक 16-5-85

को वृत्रोंक्त सम्मित्त के उचित सावार मृस्य से कम के स्थामान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृज्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का चृत्र्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल का चृत्र्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल का चृत्र्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय चृत्रा प्रतिकल, निम्निलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में सास्तिक रूप में कथित नहीं किया वया है है—

- (क) अन्तरम ने हुई किसी नाव की वावत, उक्त विध-नियम के वधीन कार दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी कारने वा उत्तते वचने में सुनिया के लिए: वरि/वा
- (ब) ऐसी कि स्पे बाय या कि सी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया बाना चाहिए था, छिपाने धं स्विधा के सिए;

कंडः कंड, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के बन्धरक ों, में उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ओ विधिन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्धात ह—

- (1) अनीत कॉल विजय लास पटवा रेसकोर्स बडोदा। (अन्तर्क)
- (2) ईन्द्रवधाः हीरताल चौकर्षा मेहतापौल नजदीक पटना खादली बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

क्या बन्दित के वृद्धि के बुम्बुन्य में कोई भी भाक्षेप्य--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबींथ या तत्सम्बर्धी स्थानितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थानितयों में से किसी स्थानत ब्वारा;
- (क) इस सूथना का राजपण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हित-बब्ध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्वाकांकरण --इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उनस् विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिया। गया है।

ग्रन्**स्**ची

जमीत जो जलेलपूर बड़ौदा में स्थित है। सब रिजस्टरार बडोदा में 3803 नंबर पर दिनांक 16-5-85 को रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिमांक: 24-12-1985

प्रकप आई. टी. एन. एत्. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिशांक 26 हदसम्बर 1985

শির্টিশ শৃত জীত জাতেলত 3989/2/85 - 86 - - স্বাদ্ধী জী কৈও প্তথা

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रें(र जिसकी सं० दूरान नं० E-सं० नं० 2004/331 है तथा जो महतीणा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महसीणा में रजिस्ट्रीकरण अधितियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दितांक 9-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल के बन्द्र प्रशिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब शया गया प्रतिफल, निम्नतिस्ति उद्देश्य से उसत अन्तरण निस्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दो के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी अब या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानां चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपभारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

23-436 GI/85

(1) श्रो चन्द्रकान्त चन्द्रलाल पटेल अन्य, मटसेलाहरा, महसोणा

(अस्परका)

(2) श्री जेठालाल शिवरामदास कुंज ग्रांर अन्य ना/जि० महसोणा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्वन के लिए कार्यवाही शुरू करता हो।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की बारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी में वात निधित में किए जा सकींगे।

क्ष्मचीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम के अध्याम 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ शृरेगा, को उस अध्याध में दिया गया है।

वन्स्या

ब्लाक नं ० E-7, जो महसोणा में स्थित है सब रजिस्ट्रार महसोणा में 974 नंबर पर दिांनक 9-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक: 26-12-1985

प्रकप बाह . बी . धन . एक . -----

श्रीयकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-भ (1) के बभीम सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० जी० आग्० नं० 3990/2/85-86—अतः मुझे, जी के० पंड्या

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया हैं), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृश्च

1.00 000/- क. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी संब्ष्या नं 39, जो गंगापार्क है तथा जो जेतलपूर
बडोदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसुधी में श्रीर
पूर्ण क्य से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीत दिशांक 27-5-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य ते कम के इरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दुरमान प्रतिफल से ऐसे दुरयमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिका है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धिषय से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तियक रूप से अधित गहीं किया गया है :—

- (क) बसराय संहुई किसी बाय की शब्त, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के वाबित्य में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) इसी किसी बाय का किसी वन वा कप्य वास्तियों कों, विक्टू भारतीय बावकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने कें स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) वसुमित महेन्द्र पटेल गंगा सदम बड़ोदा। (अन्तरक)
- (2) अमरदीप प्रिमािई सेस प्रा० लि० अलकापूरा बडोदा। (अन्तरिती)

को नह सूचना चारी गारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाद्वियां करता हो ।

उपत सम्पत्ति के ग्रानि के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राज्यमं में प्रकाशन की नारीय से 45 दिन की अविधि मा तत्संसंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि या भी नविध साद में समान्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (व) इस वृत्रका के राज्यक में प्रकाबन को नार्यक्त 45 वित्र के शीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी बन्द स्थावर व्यास, वशहस्ताक्षरी के पाव विश्वित में किस् वा सकींने।

स्पच्डी हरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

37ईई का फार्म पर कार्यालय में 27-5-1985 को पेण किया गया है।

> जी० कें ० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (फिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिक्ति : 26-12-1985

प्रकर बाई ु टी ु एन ु एक ु------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वे वधीय व्यवा

नारम दरम्ब

कार्यासय, सहायक नायक र नायुक्त (निरीक्क)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनां के 24 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० जी० आर० 3991/2/85-84—अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० निमामपूरा बड़ौदा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्राम्नाधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1985

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास अरने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिपात से अधिक है और अन्तरिक (अंतरिकारें) और अन्तरिती (अंतरितिकारें) के बीच एसे अन्तर्ज के जिए तब पाना चना प्रति-क्ष्य विश्वतिकार क्ष्यों के सेचा क्या क्ष्य क्ष्युन्तर विश्वत के वास्त्रिक अप से क्षित नहीं किया क्या है ——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

बत जब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण व", सँ, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) ब्रें कथीन, निम्नति**चित व्यक्तिवाँ, वर्षात ड**---- (1) बड़ौदा इलक्ट्रोनिक्स इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०, जिजामपूरा बडौदा

(अन्तरक्)

(2) रेंकन रेमेडीज सुभाष रण छोड़लास पटेल बड़ीदा दिश्रांति पार्क (अन्तरिती)

व्यं वह व्यवा पाडी कडके प्याँक्त सम्मित के वर्षन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पृतित् के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इत् सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की बर्वाम, को भी वर्षाम वाद में समाध्य होती हो, के भीतण वर्षों का व्यक्ति व्यक्ति होती हो,
- (ण) इस स्थान के राषपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्मरित में हित-ब्रूथ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी से पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

क्यानिकरण:----इसमें प्रयुक्त कव्यों भीए पदों का, की तक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होना को उस्त अध्याय में दिया पया हैं।

arrest.

जमीन जो निजामपूरा में स्थित है सब रिजस्ट्रार बड़ोदा में मई 85, में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी०के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक: 24-12-1985

प्रसम्भ नाइ . टी. एव . एव . ------

नायकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यसम्, तहानक बावकाड मानुनत (निर्द्रालन)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० टी० आर.० $3992/\Pi/85-86$ —अतः, मुझे, जी० के० पंडया

कायक र मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उपित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

र्श्चार जिसकी सं० 19-139 और 3-1-32 है तथा जो मांडवी बड़ौदा में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रांत पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधि नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-5-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-रिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के निए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्वाद से उचत वंतरण निविद्य में बास्तविक रूप से कांचित नहीं किया नवा है

- (क) अंतरण से हुर्द्य किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीग निम्निसित व्यक्तियों, अथीत:—

- (1) श्री जयंतिलाल छोटालाल भीर अन्य, मा**डवी बड़ो**दा (अन्तरक)
- (2) केदारभायी हाजी अब्दुल रहेमान मदमजप्पा बड़ौदा (अन्तरिती)

को वह कुषमा बारी करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां कहता हूं।

बन्द संपरित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस कूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कृचना की तानीज से 30 दिन की अनभि, जो भी जनमि नाव में सुमाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सुमना के राज्यमन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए या सकेंगे।

स्वक्रीक द्वा :---इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त विविवय के बच्चाय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

प्रनुसूची

मकान जो बड़ौदा में स्थित है जिसका मूल्य 3,505000/-रुपये हैं। सब रजिस्ट्रर बड़ौदा में 3639 नंबर पर दिनांक 10-5-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक: 26-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनारु 24 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० आ२०नं० 3993/11/85-86—अतः मुझे जी, के० पंड्या.

कार्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त वििनयम' कहा गया है) की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट जैतलपुर, बड़ौदा है तथा जो बड़ोदा में स्थित हैं (ग्रीर इससे उजाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जार्यालय बड़ौदा में रिजिस्ट्रीटरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिसांक 23-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिफल का अन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कभी करने या उससे वचारे में सुविधा के लिए; बौर/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए:

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) उपाकान्त प्रणीकान्त देसाई नेषियन्स रोड, बम्बई बड़ौदा

(अन्तर्क)

(2) प्रभासरन रमेण चन्द्र णर्मा नाना अवार्टमेंटस बड़ीदा

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसुची

प्लाट जो जेतलपुर बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 23-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया पक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आंयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रिज-2, अहमदाबाद

दिशाँक: 24--12--1985

प्ररूप थाइ . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के नभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वाबकर बाब्क्स (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बार 1985

निर्देश मं०जी० आर० मं० नं० 3994/2/85-86---अत: मझे, जी० के० पंडया,

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० टी काँ नं० 15/3/ए ऑपन प्लाट है तथा बडौदा में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँप पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बडोदा में रिजस्ट्रीकरण अधिभियम 1908, (1908 का 16) के अधिन दिसांक 14-51985

को पूर्वोक्त संगति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार भूल्य, असके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नसिचित उच्चदेव से उच्त अन्तरण लिचित में बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उपस जिथितियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने वा उसने बचने में स्विधा के सिद्; और/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या कम्य नास्तिनों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उनत निवृत्यम, या धनकर निवृत्यम, या धनकर निवृत्यम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहियेथा छिपाने में वे निवृद्ध;

(1) चन्द्रेश नटवरलाल झवेरी भारती चंदेरा मांदुंगा बम्बई

(अन्तरक)

(2) रामचंद्र भाई दयालभाई पटेल माटुंगा बम्बई (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यमहियां करता हूं।

उक्त संबक्ति के कर्मन संबंध में क्षेट्र भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (प) इब सूचना के राष्प्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बद्धि में हितबब्ध किसी ज्ञाब व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ सिवित में किए वा सकते।

स्वक्रीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

प्रनुसूची

प्लाट जो बबामा पूर बड़ौदा में स्थित है सब रिजस्ट्राप्ट 3006 नम्बर पर दिनांक 14-5-1985 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पं**डया** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अ**ह**मदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिमांक: 24-12-1985

मोहरः

प्रकर बाह". टी. एनं ; एस , ----

कायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुजुना

प्राप्त वाम्बर्

कार्यासय, सहायक बायकर सामृक्त (विरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिमांक 24 दिसम्बर 1985

मिदेश मं० पी० आर० नं० 3995/II/85-86---अतः मुझे, जी० के० पंडमा,

शायकर सिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रकात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन श्रीर मकान मुदामापुरी, है तथा जो भागलपुर, बड़ाँदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में श्रीर पूर्ण च्य से बर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ाँदा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाय प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया बबा प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण शिकित के वास्तरिक रूप से कांचित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरम् चं हृदं किवी बाव की वाव्यः, उपक विभिन्नम् कं सभीत कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; वि≝/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्यू बास्तियों का जिल्हा भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना बाहिए बा, कियाने में सुविधा के लिए;

बत्तः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में: उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारत (1) के बभीत, निम्नतिकित व्यक्तियों, अभीत :--- श्री इन्दिरासरत रमणलाल पटेल झाँर अन्य, सुदामापुरी, मांगलपुर, बडौदा।

(अन्तरक)

 श्री मधुकान्तसरन नागजीभाई पड़ौल, मांगलपुर, वडौदा।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पृथींकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन को भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्वाक्षीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, यो उवस विश्वित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया दवा है।

धनुस्ची

मिलकियत जो मांगलपुर ,बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में मर्ड, 1985 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

तारीख: 24-12-1985

प्रकप बाइ . टी. एन, एस. -----

बायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, महामक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1985

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्व 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

म्रीर जिमकी सं० 33, हरिमका कालोनी, है तथा जो जैनलपुर ,वड़ीदा में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्री करण अधिकियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-5-1985

हो पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के असमान गितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके द्श्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरफ के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप के कियत नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत.. उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा े निष्ए: बीर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय जाय-कर नीभीनयम, 1927 (1922 का 11) या उच्य अभिनियम, या धनकर निधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियानों में नुविधा के निए;

अध्यक्ष अथ, उस्त विभिन्नियम की धारा 269-न की वन्तरक र्ल, की उस्त विभिन्नियम की धारा 269-न की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

- ा. श्री रजनीकान्त चतुरभाई पटेल, बड़ौदा। (अन्सरक)
- मै० ताभा कन्स्ट्रक्शन्स कं० प्रा० लि०।45, गौतम-नगर, रेसकोर्स, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह भ्यता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) क्षत सूचना के ताबपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस ब्वास;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी जन्म स्थावित व्यारा जभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, भो उक्त सिभिनियम के अध्याय 20-क में पीरभागिष हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

मन्सू ची

फार्म नं० 37-ईई का यह कार्यालय में दिशांक 20-5-85 को पेश किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

नारीख: 21-12-1985

मांहर :

प्ररूप बाहा. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायितिय, तहायक आयुक्त (निरोक्षण) अर्जम रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिशांक 24 दिसम्बर 1985

मिद्रेण सं० पी० आर० नं० $3997/\mathbf{I}^{I}/85-86$ —-अतः मक्षे. जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस रें इसके पश्चात् 'उक्त विभीगियम' कहा गया हैं), की वारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

क्रीर जिसकी संव दो फ्लैट्स नंव 49-एव क्रींग 50-एव है, तथा जो श्रीनगर सोसायटी, बड़ोदा में स्थित है (क्रींग इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रींग पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1985

को प्रबंक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथल नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत, उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 24-436 GI/85

 श्री कान्तासरभ जयभाई अमील, बड़ाँदा बिल्डर्स, आर० सी०-रोड़, बड़ाँदा।

(अन्धरकः)

2. मैं० इण्डियम आयल कार्पोरेशम, प्रभादेवी रोड़, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसची

मिलिकियत जो बड़ौदा में स्थित है। जिसका कुल मूल्य 7,90,000/- रुपए है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में मई 85 में रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहाय अध्यक्तर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जात रेजें-2, अहमदाबाद

तारीख: 24-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अशीन न्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1985

भि**दें**श सं० पी० आग० नं० 3998/II/85-86—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शिक्क परचात् 'जिक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रशिकारी को, यह विश्वास करने का घरने का घरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिए का उधिल बाजार 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जितकी संव जमीत भौर महान-वर्गदा है तथा जो बर्गदा में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद अनुसूची में भार पूर्ण रूप से बिणा है), पिकट्टी ती क्षि र्सी के स्पष्टिए, बर्गदा में रिजस्ट्री रण अधिनियम, 19(8 (1908 ना 16) के स्थित, तारीख 14-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उभित्र बाजार जान कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से. एमि दृश्यमान प्रतिकल का बन्तह प्रतिकात से ग्रीभक है और यंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयाँ) के कीच एमि अंतरिण के निए तब प्रता ग्रीत का कि निए तब प्रता विकास के निए तब प्रता विकास के कि निए ति विकास के कि निए तब प्रता विकास के कि निए ति विकास के कि न

- (क) अन्तरण सं क्ष्मुं किसी अध्य की बाबस, बन्ध अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने में के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भवः, उपति विधितियमं की धारा 169-ग के अनुसरकः भाँ, माँ- उपति विधितयमं की धारा 269-घ की उपभारत (१) के वधीनः, निम्नसिवित व्यक्तियों, जयति हास्स मै2 इन्दुमती एन्थांनी त्रेस, संगम सांसायटी, हन्नो रोड. बड़ादा।

(अन्तरक)

 श्री गेलेश कुमार भटवरलाल शाह, होली लडला, हरती रोड, बड़ोदा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के निक कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्द सम्परित् को अर्थन को सम्मन्ध में काइ भी आक्षंप: --

- (क) इस ब्यमा के रावपण में प्रकासन की तार्रीय हैं

 45 दिन की जनिय मा तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अनिथ, जो भी
 जनिथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिः
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दूनाय ।
- (ख) इ.स. मचना क राजणा क जनका का नार्याक क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताका। के पाम विश्विका मार्थिन स्थान

रपस्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अन<u>ुस</u>्ती

मिनिक्यित जो बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 2,50,000/- रुपए है। सब-रिजिस्ट्रार, बड़ौदा में 3727 नंबर पर दिनांक 14-5-1985 को रिजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंड्या क्षम प्राधि करी सहायक आयक्तर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रोज-2, अहमदाबाद

तारीख: 24-12-1985

भ्रष्ट्य बाह्र . टॉ . एन . एस . ----

बायकर श्रीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शक्षण)

श्वर्जन रेंज→2, श्रह्मदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 26 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० जी० श्रार० नं० 3999/2/85--86--श्रतः मुझे जी० के० पंडया

नायकर जोधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके क्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फलैंट नं० 301 श्रम्बा लाईसेंस सुग्म है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 37ईई का 16 के स्थीन दिनौंक 4-3-1985

का पूर्वोक्त संपरित के उभित बाजार भूल्य से कम के द्रायमान प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई उ और मुक्ते यह रिष्याम करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपतित का उभित बाजार भूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिकाल से एसे उद्यमान प्रतिकाल का उभित बाजार भूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिकाल के एसे उद्यमान प्रतिकाल का उभित का उम्बद्ध प्रतिकात से जोवज है और अन्तरक (अन्तरका) और असरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया अतिकाल निम्नितियों उद्योचय से उक्त अंतरण निम्निकात में वास्तिक रूप स कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण हा ुर्द जिल्ली बन्ध की बाबत, उक्त ब्रिधिनियस को अधीन कर दाने को अस्तरक क दावित्व में कमी करने या उससे वस्तों में सुविधा को लिए; बार/या
- (क) १०० वि. ते अति का अपनी अने का अपने आस्तिका का , जिल्हों भारतीय जाम-कर विधिनियम, १०७२ (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या व्यक्त विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ वन्तरिती व्वार प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना वाहिए जा, स्थिन में सुनिधा के निए;

कराः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण गाँ, ग्री, उक्ता अधिशीनयर की धारा १८९ म भी उपधारः (1) के अधीन, निम्नातिनित व्याक्तयों अर्थात् :--- (1) सुशीला बहन सतीशभाई नयाल नानपूरा निमली-श्रापाड़, सूरत

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मित लक्ष्मी देवी मनीहर लाल नयाल श्रम्बा लाईन्स, सूरत

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना चरशी करके पृष्ठकित सम्मति के शत्रीत से लिए कार्यवाहियां करता हुए।

इंबर सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षण :---

- (क) इस सुभना के राजपण में प्रकाशन की उपराध से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पार सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यांतिलयों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः ---- इसमा प्रभूति शब्दी और पद्मी अग्न, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है वहीं अर्थ द्वींगा को उस अध्याय में दिया मना है।

असमची

37ईई का फार्म पर कार्यालय में 4-3-1985 की पेण किया गया है।

> जी० के० पंडया पक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंजन2, ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 26-12-1965

मोहर।

प्रकप बाइ .टी.एन.एस.-----

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनाँक 26 दिसम्बर 1985

निर्देग मं० जी० श्रार० नं० 4000/2/85--86--श्रतः भज्ञे जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० श्राफिस नं० 321 स्टेशन रोड, है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रहमझबाद सें रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 37ईई का 16 के श्रिधीन दिनाँक मई-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ज्व्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- [(क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरण को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया दवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए;

अतः कवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में., में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैं० जे० एम० सी० एण्ड मेधाजी बिल्डर्स (सुरत प्रोजेक्टम) जे० एम० सी० हाऊस झवेरी बाजाय सम्सई (प्रन्तरक)
 - (2) मनीण नदिनचंद्र मेहना शदरे रोड, सूरत (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के न्याएं कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येय '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की लविष या तत्से वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37ईई का फार्म पर कार्यालय में 3-5-1985 की पेश किया गया है।

जी**०** के० **पड्या** सक्षम प्राधिकारी सह्यक्र आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 26-12-1985

प्रकवः, बाह्रं, टी. एतः एसः ----

आखकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्भना

भारत सरका

कार्यात्मय, महायक आग्रकर आग्रुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनाँक 26 दिपम्बर 1985

निर्द्रोण मं० जी० श्रार०नं० 40001/2/85-86—श्रतः मुझे जी० के० पंडया

आयेकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 101, डायमंड हाउस, है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण प्रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 37ईई का 16 के ग्रिधीन दिनाँक 25-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्दरक (बन्दरक्ः) द्वार बंदरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित म् वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (वो सम्बन्ध से शह किसी साथ को दावत, उक्त • स्थितिहरू में भूतीक कड़ दोने में स्नुरक के दासित्य मा कभी करने या उससे वचन या सुविधा के सिए; सर्/बा
- (ल) एती किसी नाथ या किसी घण ला लाय नामितया की, जिन्हों भारतीय जाय-कर सिंधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मानयम, या धन-कर निर्मानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा का बाहिए था, छिपाने में दिवस के निर्दा:

नतः सम, उन्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरभ में, में, उन्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मं० जे० ग्रेम० सी० ग्रेण्ड मेधानी बिल्डर्म झवेरी बाजार सम्सई

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेश चंद्र शोवलाल पाठक शक्ति सेन्सन नपापूरा भावनगर

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 14 हिन्स की मनीस या तत्सवंथी अपिक्समी पर स्वाम की तामीन से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट स्पिक्समों में से किसी व्यक्ति इंदाड:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वयद्यीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उल्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभक्षिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिए। सवा है।

अन्स्भी

37ईई का फार्न पर कार्यालय में मई 85 को पेण किया गया ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, स्रहमदाबाद

दिनाँक: 26-12-1985

प्रक्ष वाह . टी . एस . एस . - - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) को मुधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 26 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० जी० श्रार०नं० 40002/2/85—86⊸-श्रतः सुझे जी० वेः० पंडया

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके के चाह् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अभीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह यिएवास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उपित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी फलैंट नं० सी० रिबद्धा एन्टरप्राईसेर्ज है तथा जो सुन्छ में स्थित है (प्रोर इसने उपावड अनुसूची में और पूर्ण कर ने विश्वत है), रिजन्द्री इसी अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजन्द्री वरण श्रीधनियम 37ईई का 16 के श्रिधीन दिनाँक 20-5~1985

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमात प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई

हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मून्य, उसके दृश्यमान प्रति-कल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदाह प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित खुद्देश्य से उक्त अंतरण निविक्त में वास्तिविक कप से करिया नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, अक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एगां जिसी बाय या किसी धन या अन्य आसिस्याँ धर्म केन्द्रों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या टक्ट अधिनियम, या धन-क्ट अधिनियम, विश्वास्त्री क्लारा प्रकट नहीं किया गया का था किया वासा वाहिए बा, क्टियान में स्विका के बिक;

जतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) अधिन, निम्निचित व्यक्तिमों, जर्भात् ४--- (1) मैं रवि एन्टेरबाईत नातपूरा सूरत

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रत्तन लाल जानकी रीकु नानपूरा पूरत (श्रन्तरिती)

का वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित अं वर्षभ के रित्य वार्यकोहमा करता हुन।

जनत सम्पन्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कार्य भी आधार :---

- (क) इस स्थान को राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 विच की कविथ या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर गुजनः की तालीस से 30 दिन की अवधि, जो भी जनीय वात में समाच्य होती हो, को मीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (व) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर सकत स्थानर संपत्ति में क्रिंड- बक्स क्वारा अधोह्स्सध्यरी के वार निर्माशन को भिन्न का स्थान का स्थान के वार निर्माशन को भिन्न का स्थान के

र्म्बर्डिक्स द - पुसर्ने प्रमुक्त सम्बं ब्रीर परी का, को उत्तर अधिकित्रम को सम्माद 20-क भा परिकाधित है, बहु अर्थ होगा जा देउ तन्त्राम व विका गवा है।

अनुसूची

37ईई का फार्न पर कार्यालय सें दिनांक 20-5-1985 को पेण किया गया है।

> जी० के० पंडया ज्ञक्षम प्राधिजारी सहायक प्रायकार आधुका (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 26~12-1585

प्ररूप आहें ही . यून . एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जाप रेंज-2, अहमदाबाद अडमदाबाद विकास १८०० व

निर्देश मं० जी० आए० नं० 4003/2/85-86—अतः मुझे, जी० वेर० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के के अधीन सक्षय पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीप शिहिती सं० फलॅट प्रिय दर्शनी मरूच है तथा जो मरूप में स्थित है (और इसने उपाबद अनुमूची में श्रीर पूर्ण का ने विगा है), प्रशिस्ट्री एती अधिकारी के शामित श्रह दावाद में प्रतिस्ट्री एरण अधितियम 37ईई का 16) के अधीन दिल्ले 20-5-1985

को पूर्विक्त संपत्त को उष्णित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुन्ने यह जिल्लाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उष्णित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिवित उद्देश्य से उक्त बंतरण मिकित में बाला- विक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कार्यकाल भी कमी कार्य का ज़रासे बादमें में स्वीतिका क निर्मा और निर्मा
- (क्ष) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्म जास्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्हरिली द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाने चाहिए था, छिपाने में समिश्रा के लिए;

कर्षा अयः, सक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण जों, भीं, सकता अधिनियम की धारा 269-घ की सपधारा (1) हैं क्यीतः, निमालिकित व्यक्तियों, अर्थातः

- (1) प्रियदर्गनी को० ग्रो० टा० सोसायटी भरूच (अन्तरिती)
- (2) मित आक्रम बहुन वासुपय रायजी० मेरा अफ० जी० टाईम नं० 7 टाऊनिशप भन्च (अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त तस्पत्ति के वर्षन के विवर् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त तत्र्यात्त को कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारों।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि ही, कड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

ग्रनुसूची

37ईई का फार्म यह कार्यालय में 20-5-1985 की पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया यक्षम प्राधिकारी सहायक अ:यकर अ:युका (शिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक: 26-12-1985

प्रकल कार्ष. सी. एवं: एवं: -----

काम्प्य र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुख्या

भारत तरकार

कार्यां जब् , सहारक अधिकर बाबुक्त (निर्दाक्षक)

अर्जान रेज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाक 26 दिसम्बर 1985

निर्देण सं० जी० आर० नं० 4004/2/85-86--अतः मुझे जी० के० पंड्या

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, कह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसवह उजिन बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फलॅट नं० जे--502, ईन्डीया टेक्सटाईन तथा जो रिंग रोड सुधी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनय म 37ईई का 16) के श्रीधीन दिनांक 20--5-1985

कतं पूर्णेक्त सम्पति के उचित बाचार मूक्य से कम के दण्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह व्यवास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उनके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तम पामा गया प्रति-फक, निम्नलिखित उद्योध्य से उनत अंतरण लिखित में बास्त-विक क्य से किंधन नहीं किया गया है :--

- (●) अन्तरण ते हुद्दं किथी भाग की शबक, उक्क वीधीनवन के सधीन कर दोने के जन्तरफ के कमिरच में कभी करने या उक्क बचने में तिन्धा के निए; सौर/वा
- (ख) एसी किसी नाम मा किसी धन वा नव्य आस्तिकों को, विनहां भारतीय नाम-कर निधिनियम, 192? (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती युनारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना वाहिए था खियाने में तुविधा के लिए:

बतः वब, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभाग (1) के अभीन, निकालिबित व्यक्तिकों अभीन हम्म मैं० संजीव शिमःयातिस नि०, िन्नरी सिनेमा के पास, सुरतः।

(अन्तरक)

 श्री परंश कुमार शाराफ, बाम्बेयान हाउस, प्रयोग स्ट्रीट, सूरता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यचाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी नासीप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतन्त्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितववध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाणिक्ष हैं, वहीं अर्थ होंगा, को उस अध्याय में क्रिक्ट यहां है।

श्रनुसूची

फार्म नं० 37-- हिई यह कार्यालय में दिनांक 20-5-85 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 26-12-1985

अटम अक्षे. ती. एव. मुख्य क्षा कार्या

জ্ঞত ক্রিভিনিয়ন, 1961 (1**961 का 43) की भारा** ০০০-২ (1) से अधीत सुचना

भारत सरकार्

ध्यमानिय, स्पन्नथा, आगका **अगुक्त (निरीक्षण)**

अर्जम रेंज-∏, अहमदाबाद अङ्गदाबाद, दिनां हु 26 दिसम्बर 19ध5

िदेश सं० गी० अस्र० नं० 4005/II/85-86—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

ब्राह्मिक गरिविनिया, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्ष्याम् (अल्ल अधिनियमं कहा गया है), की धारर 269 में के अभीन एक्स प्राधिकारी को यह सिक्सम लग्ने का आग्रा है कि महाबर सम्पत्ति, जिसका द्विग्ध क्षाप्रार जूल्य 1,00,000/- रहे, से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जे०-701, इंडिया टैक्सटाईल मार्केट हैं तथा को रिंग रोड़, सूरत में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबढ़ अनुंभूची में ग्रीर पूर्ण रूप वे विणित है), रिक्स्ट्रीरती अधिकाली के कार्याला, अहमजाबाद में रिजिस्ट्रीरूरण अधिनियम, 1908 (1908 ज 16) के अवीप, तारीख़ 20-5-85

ने। पुर्वे ति समानित के कित बम्बार मूण्य से कम के कामान मिलिता के निमा समारित की नहीं हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्तित सम्पति का उचित्र साज़र भाष जगरण है कि स्थाप्तित सम्पति का उचित्र साज़र भाष जगरण है कि स्थाप्तित सम्पति का उचित्र साज़र भाष जगरण देशामान प्रतिकृत से, गुमें त्र्यमान प्रतिकृत का चन्त्रह प्रतिप्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिनियों) के की भाग भाग अतिकृत के निग् तथ पाया गया प्रतिकृत है निग् तथ पाया गया प्रतिकृत है निग् स्थाप में स्थाप से स्थाप के स्थाप से स्था स्थाप से स

- (क) जन्तरण से हुई कितीं मान की रामतः, उत्का अधिनियम के अधीन कर दोने औं अन्तरक से दायित्य में कमी करने या उससे कमने में सुविधा के लिया: और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किली धन या नंत्र्य व्यक्तियाँ की किसी जाय या किली धन या नंत्र्य व्यक्तियाँ भागकार व्यक्तियाँ सारकार व्यक्तियाँ सारकार व्यक्तियाँ सारकार स्वाधितयाँ स्वाधितयाँ पर भनकार खिपितयाँ 1937 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया त वा किथा जाना परितृष् था, खिपाने में स्विधा में स्विधा

ब्रत: तम, उक्त अधिनियम की भाग 260-ग के जनस्रण में, सैं, उक्त अधिनियम की भाग 260-ण की उपधारः (1) के अधीन निम्नतिवित व्यक्तियों, अर्थात् ∷—— 25-——436 GI/85 1 मै० प्रशीस क्षिप्त की अन्न हारु सीमायटी; किन्नरी सिनेमा के पास, सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री रमेश कास्ता, इंडिया टैक्सटाईल मार्केट, रिग रोड़, सूरत।

(अन्तिरितीः)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हु।

सक्त सम्मित्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोहाँ भी बाहोप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में एकाशन की तारील हैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों क्र सचमा की तामील से 30 दिन की अविध लो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया सभा हों:

वन्त्यी

3 /ईई का फार्म यह कार्यालय में 20-5-1985 की पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्रांधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेंग रेंज–II, अहमदाबाद

दिनांक: 26-12-1985

मोह्रर:

प्रकृत साही_{लें} हो ., प्रद_् प्रक_{्रास्थ}

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की. भारा 269-म (1) में मधीन सुमना

भारत सहकार

कार्याक्षमः सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज- , अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 26 दिसम्बर 1985

मिर्देश मं० जी० आर०नं० 40006/II/85-86—-अतः मझे जी० के० पंडया

अग्रेयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हु), की भारा 269-च के बभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है' कि स्थावर सम्मित, विश्वका उचिह बाजार मृश्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लेंट नं० जे-607, इन्डीया टैक्सटाईल मार्कीट तथा जो रींग रोड, सूरत में स्थित है (श्रीर इसमे

उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप संवर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम (37ईई का 16) के श्रीधीन दिनांक 20-5-1985

को प्रोंक्स सम्पत्ति के स्वित ब्राम्य मृत्य से कम के दरस्थान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की वहाँ हैं और मृत्ये कह विकास करने का कारण हैं कि ब्रथान्वोंक्स ब्रम्पीस मह स्विका बाजार मृत्य, सक्के दरमाना प्रतिफल है, क्वे दस्क्याल प्रतिफल क्य पंत्रह प्रतिकत से अभिक हैं औड बंकरक पूँजरायक में जेता पंता प्रतिकति (अंतरितिकों) के बीच एसे जंतरिक के बिक् स्व पावा गया प्रक्रिक कस निम्निसित स्क्येट्स से बक्त बंकरक लिखक में सास्त्रिक रूप से क्विस नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण वे हुई किबी बाद की बादत उपत विधि-नियम के बच्चेंग कर दीने के अन्तरक के दावित्य में कवी करने या उत्तरी वचने में खुनिया के लिए: बौद/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी भव या बन्य जास्तियों की, विन्हें भारतींच जावकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किया

लक्ष: अब, उक्त बिधनियम की धारा 269-क के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निक्नालिकिस व्यक्तिक्कों, क्यांत् स (1) संजीत प्रिमाईसीस को० श्रो० ह० सोहाईटज रींग रोड. सूरित ।

(अन्तरक)

(2) श्री मूश्रा जैन झांया माझार सूरत । (अन्तरिती)

क्षों श्रष्ट्र सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्मित्त के नर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरु करता हूं।

क्षक्त कमारत के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विस की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचतः की सामीज से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि वास के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस स्वता के राज्यत्र में प्रकाबन की लाधील के 45 दिन के भीकर उत्तत स्थावर संविक्त में हित- बद्दा किसी अन्य स्विक्त द्वारा जभोइस्ताकारी के शक्त किंवित में किए आ सकांगे।

स्वक्रिकेट :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उपर अधिनयम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हो, बहु कर्ष होगा जो उस अध्याय में विचा शक्र हो।

वन्स्ची

37ईई का फार्म यह कार्यालय में 7-5-1985 को पेण किया गया।

> जी० के० पंडया ाक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-I^I, अहमदाबाद

বিশাজ: 2--12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आग्कत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 26 दिसम्बर 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 608, इण्डिया टैक्सटाईल मार्केट है, तथा जो रिंग रोड़, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-5-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुड़ किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के बंग्ररक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय का िकसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या िकया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः भव, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ण की अगुसरक मों, मों, उक्त अभिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- मैं० संजीव त्रिमायसिस को० भ्रा० हा० सोसायटी, रिंग रोड़, सूरत।

(भ्रन्तरक)

 मैं० रस्तोगी ट्रेडिंग एण्ड एजेंसीज सिं०, जॉंब बाजार, सूरत।

(भन्तरिसी)

को यह सूचना आरी करके प्योंक्त संपत्ति को अर्जन की सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध के कोई भी वाश्रीय 🕾 \cdots

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्त्र्ची

37-ईई का फार्म यह कार्यालय में 8-5-1985 को पेश किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, स्रहुमदाबाद

नारीख: 26~12-1985

प्रश्नम् आहं ु दी, एउ. एस. ----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत स्रकाड

कार्यालय, सञ्चयक वायकर आयुक्त (निर्धिक्य)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 26 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4008/II/85-86--- अतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने के कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्रूब्य 1,00,000/-छ से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० मोगर—सं० नं० 299, ता० भ्रामंव है तथा जो जि० खेड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रध-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ताीरीख 13-5-1985

(1908 का 16) के अधीन, तारिख 13-5-1985
का पृथांक्त संपत्ति के जीवत बाधार मृत्य से कम के स्वमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करन का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,
इसे पश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीय
बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्निलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वासिविक रूप से किथत नहीं किया
गया है :---

- (क) ब्लाह्म वे हुई किती थान की बान्त, उपस् अधिनियम के अधीन कर दोने के बंदरक के दावित्व के किती कहने वा कहते बुक्त में सुविधा के लिए; अरि/वा
- (क) होती किसी बाव वा किसी थम वा वस्थ अधितयों की, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ अधिवियम, या चन-कर अधिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया अया या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मूर्ति की सिए;

सर्ध अय, उक्त विशिषय की भारा 269-म के अभूबरण को, बी, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की जपधारा (1) के व्योग, निस्तिचित व्यक्तिकों, अर्थात क्ष्र-- ठाकारे श्री नटवरसिंह जी, केतरीसिंह जी, ग्रौर ग्रन्य, मोगर, ता० ग्रानंद, जि० खेड़ा।

(भ्रन्तरक)

 मैं० नेशनम्न को० ग्रां० टोसेको ग्रावसं फेडरेशन लि० नर्भदाशंकर डी० पंडया, ग्राणंद।

(ग्रन्तरिती)

क्षा बहु सुज्वा बादी करके वृब्देक्द सुम्पणि के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण :----

- (क) इत स्थान के प्रथमत में त्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन को समित या तत्संबंधी न्यन्तियों पर
 क्षान की तामील से 30 दिन की समित, यो भी
 समित मां में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए आ सर्की थे।

स्पर्धाकरण :—हसमी प्रयुक्त शब्दों शोध पर्दा का , जो उक्त अधिनिक्द को अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, यहीं अर्थ मुतित को उस अध्याय मा विदा स्या हैं।

अनुसूचा

जमीन जो मोगेर तहमील ाग्राणंद मैं स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, श्राणंद में 602 नंबर पर दिनौंक 13-5-85 रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

नारीख: 26-12-1985

श्रुप् भार्ष्टी **एन् एक**्नान्त्रात्रात्रात्रात्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सृथना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 26 दिसम्बर 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4009/II/85--86---श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति. जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी जर्माम चकलामी पट्टी, स० 1050/ 12-3-4 है तथा जो संज नंज 1051(2-3-4) निडयाद, में स्थित है (और इसी उपाबद्ध ग्रनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय, निडयाड में रिजरिट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन दिनांक 12-5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल से एंसे द्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरक से हुइ फिली बाव की बावत , उच्छ अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 की 17) से उक्त अधिनियम, या स्वक्त अधिनियम, या स्वक्त अधिनियम, या स्वक्त अधिनियम, 1987 (1987 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधा के जिए।

अतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, ाक्ष विधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री जलुभाई णोलभाई बाघरी, नांडबाड। (श्रन्तरक)
- श्री नरेन्द्र मणीलाल पटेल भ्रौर अन्य, ऐकनाथ सोसायटी, निष्ठयाड ।

(अन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्द सम्परित को नर्जन को सम्बन्ध मां कोई भी आक्षरेप 🐃

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को जी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी स्थानत बुवारा,
- (च) इस स्चना के राजपच में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त जिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या है।

अन्त्रची

जमीन जो चकलासी पट्टी—नडियाड में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार नडियाड में 1111 नंबर पर दिनाँक 12-5-1985 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 20-12-1985

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण) श्रंजीन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 27 दिसम्बर 1985

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 4010/11/85-86--श्रतःमुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हाँ), की धारा 269-च से अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- फ. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 9, नोर्थ न० 1642, बड़ौदा, है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख 13-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का अंतरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित मे सस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी जान की बालता, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आप या किसी धम या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-त के अनुसरण थें, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अभीन, निम्निविकित व्यक्तियों, अभीत् :--- श्री जी० सी० त्रिवेद्री, ऐस० सी० त्रिवेद्री, सी० जे० त्रिवेद्री, वर्षा सोसायटी, पालनपुर रोइ, सूरत।

(अन्तरक)

2. मै॰ महाबीर आर्गेनाइजरर्स, भागीदार—श्री जयेग चन्द्रकाँत शाह, कायस्य मोहल्ला, सूरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स संपत्ति के अर्जन कें सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति तुवारा;
- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

मकान जो सुरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 3985 से 3987 नम्बर पर दिनाँक 13-5-85 को रजि-स्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर म्रायक्त (निरीक्षण) म्रजंन रेंज- 2, स्रहमदाबाद

नारीख: 26-12-1985

मोहरः

अष्ट द्वार्'_छ की_य प्रत्_य पुर_ं-अ-------

ा. श्री चन्दन आर० एस०

(अन्तरक)

भायकार विविध्यान्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वृथीन बृखना 2. श्रीमती एम० जी० थापा।

(अन्तरिती)

भारत् सरकाङ

कार्यास्त्र - सहायक वासकर वास्त्रत (निर्शिक्त)

अर्ज्भ रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिमांक 2 दिसम्बर 1985

भिदेश मं० अई--3/37--ईई/19303/84--85---अनः मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त भिनियम' कहा गया हैं), की भाडा 269-स के सभीन सक्तम प्राधिकारी को,, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विसका उनित वाबाद मुख्य ;

1,00,000/- क. से अधिक हैं
शौर जिसकी मं० फ्लैट नं० ए-18, जो, राजकुंज को-आप०
हाउसिंग सोसायटी, लि०, वाधवली विलेज, जेंबूर, वस्वई-74
में स्थित है (श्रांग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रांर पूर्ण कप मे विणित है), श्रांर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को प्राप्ति सम्मित्त के विश्वत वाबार मुख्य से कम के अवमान वृत्तिप्रभा को सिए बन्तरित की यहाँ हैं, जोर मुखे वह विश्वाद करने का कारण है कि वभावाँक्त बंगीति का जीवतः वाबाद मुख्य, उदावे अनाम प्रतिभाग हो होने अनामन प्रतिभाग का पंचर प्रतिभाग हो जीव को अनामन प्रतिभाग का पंचर प्रतिभाग हो जीव होने अन्यस्थ (अंतरका) और जीवरिती (अन्तरितिवार) को बीच होने अन्तरण थे जिए उद्य पावा न्या प्रतिभाग, रिज्यूनिवित अपूर्ण के व्यवत बन्दरण जिल्हा के वास्तरिक कम के क्षित महीं किया गया है अन्तर्

- (क) अच्छित वे हुई जिलों नाम की नाम्छ उपय निध-दिश्व के वर्षीय कर दोने के अच्छित के दानिता में केनी करने ना उपये नमने में दनिया के लिय; बीट/शा
- (क) एसी किसी बाब या किसी भन वा बल्च वास्तिनों को, जिन्हों बारतीय नाव-कर निर्धानियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्चत निर्धानियम वा भनकर निर्धानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ बन्तरियी ब्लाय प्रकट नहीं किया गया था ना किया नावा साहिए वा. कियाने में क्षित्रभा के सिक्;

बल: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण प्रों, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) ∾े बधीन, निकासिनिब काविस्तों, वर्षीय ड— की यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त धम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहिया खुरू करता हूं।

उनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाकोप া

- [क] इस ब्रुजन के राजपन के प्रकारन की राष्ट्रीय के 45 विन की नविध का उत्संबंधी व्यक्तियों कुछ ब्रुजन की तामील से 30 विन की व्यक्ति, जो शी जनभि नक के समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुषाहा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए का सकोंगे।

स्वध्योकरण :----इसमें प्रयुक्त घष्यों और पर्योक्त, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में विमा ग्या है।

वन्स्ची

फ्लैंट नं० ए-18, जो, राजकुंज को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, वाधवली विलेज, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि करु सं० अई-3/37—हैंई/19303/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 1-5-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 2~12--1985

प्रारूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आवकर अभिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारत 289- च के जभीन स्चना

शरक सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश मं० अई-3/37-ईई/19225/84-85--अतः मुझें, ए० प्रसाद.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्भात 'उक्त अधिनियम।' कहा गया है), की धारी 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह निश्चात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० एल०-18/10, जो जलरनन दिप की-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बांगुर नगर, गोरे-गांव (प०), बम्बई-90 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करा नामा आयार अधिमयम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीप, त्रम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, नारीख 1-5-1985

को पूर्वोग्रंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्चाब करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का बंदह प्रतिशत से जिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्का नियम के अधीन कर बोने के अंतरक के कामिरव में असी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी अाब या किसी धन वा अस्य जात्तिकों को जिल्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 19242 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में तृषिभा के लिए:

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभात (1) के अधीन, निम्निवितिक व्यक्तियों, अर्थात:—

1. कुमारी पी० सी० राव पाँच 🕥 🖽

(अन्तरकः)

2. श्री बी० डी० कमानी ग्रींर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह तूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनक सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसार;
- (का) इस्त स्कूलना के राजवन में अक्सशन की तारीका से 45 दिन कों भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबह्ध किसी जन्म व्यक्ति स्थाग अधोहस्ताकारी के पास लिकिका में किस्स आ सर्थोंगे।

स्पक्षीकरण :---इसमें प्रमुक्त शन्दों और पदों को जो उन्त अधिनियम, के अध्वाक 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्वाय में दिला गया है।

धनसूची

फ्लैट नं एल०-18/10, जो, जलरतन दिए को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बांगुर नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई-90 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-3/37–ईं5/19225/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5–1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद ाधम प्राधिनारी राज्यक आवकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3 सम्बद्ध

दिनांक: 21-12-1985

मो**ह**रः

प्रकर बार्ड् है है दूर पुर ुक्तान्यकार

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जभ रेज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 19 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अर्ध-3/37—र्ह्म/19198/84—85—अत: मुझे, ए० प्रसाद,

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाष 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 4, जो, इमारत नं० 13, भवजीवन सोसायटी, चेंबूर, वस्वई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्व अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रीर जिसका करारभामा अयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीम, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 1~5—1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्या में बास्तविक रूप से किया गया प्रतिफल से स्थ

- (क) सन्तरण ते हुई किथी बाद की बाबत, उक्त सिंपितका के वधीन कर दोने में अन्तरक से दायित्व में कभी करने या उससे सवने में सुविधा के निग्ध; सार/या
- एसी किसी जास या किसी धन या जन्य जासिसयों जा जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा जे लिए।

ा. श्रीमती आय० के० वाधवा।

(अन्तरका)

2. श्री के० एस० पामनानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ी हैं के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ब्वारा;
- [क] इब सूचना के हायपुत्र के प्रकाबन की तारीब के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिंशित में किए आ सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अभिनियम, के अध्याय 20 का में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो, इमार्यः मं० 13, नवजीवन मोसायटी चेम्बुर, बम्बर्ड में स्थित है।

अनुमुची जैसा कि क० सं० ग्राई -3/37-ईई/19198/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवन (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्ब**ई**

वतः वयः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम मों, मों. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों अधीत् :— 26——436 GI/85

दिनोंक: 19-11-1985

प्रकृष बाह्य . यो . यथ . पस . -----

बायकर निपतियम्,। 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नपीन सुपना

हारत चर्चात्र

कार्यासय, सहायक बायकर वायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिमांक 19 गवम्बर 1985

निदेण सं० अई—3/37—ईई/19722/84—85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,090/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 204, जो बल्वा नगर, यूनि नं० 2, को-आप० हाउक्तिंग सोसायटी लि०, सुन्दर नगर के सामने, एस० बी० रोड़, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (स्रौर इससे उपाणद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से ब्रीणित है) स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269क, खबे अधीन, बम्बई स्थित स्थाम प्राधिकारी के जार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उपित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उपित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निश्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है दे—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बस्य जास्तियों की, विन्हों भारतीय आय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1,957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना थाहिए था, छिपाने से विश्वा के विष्य;

जितः वयः वक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण यों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिशियतं व्यक्तियों, अर्थात् ८ा श्री मोहम्मद हनीफ जमाल कादीबाल।

(अन्तरक)

2. श्री हिफजूर रेहमान अब्दुल रहीम पटेल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त स्थ्यत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पृथंकित स्थिनता में से किसी स्विन्त पुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्वक्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उत्कल विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिजावित हैं, बही वर्थ होगा को उस वध्याय में विद्या नया है।

वनुसूची

पलैट नं० 204, जो, बलवा नगर, यूमिट नं० 2, को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सुन्दर नगर के मामने, एम० वी० रोड़, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि करु सं० अर्ड-3/37-ईई/19722/84-85 प्रींर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वस्बई

दिनां क : 19-11-1985

म(हर:

शक्य बाइ िटी∴ एन ∴ एत ज्र∗----

बायकर विधितियस, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-भ (1) खे वभीन सुचना

प्रारत सरकाइ

कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निडाक्षिण)

ग्नर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 19 नवम्बर 1985

निर्देण र्स० **श्रई**-3/37-ईई/19485/84-85--श्रतः मुसे, ए० प्रसाद

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो, इमारत नं० 8-बी, नवजीवन सोसाईटी चेंबूर बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुमुची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 1 मई 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कौ गई और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-जिमित्यम की अधीन कर बोन के जन्तरक वे दायित्य को कभी करने या उक्कसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा को हिंसए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निमनिकृत्ता व्यक्तयों, अर्थात् :-- (1) श्री एन० जी० मिरचंदानी।

(ग्रन्धरकः)

(2) कुमारी पी० जे० मनेंझिस ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वीयत सम्मत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी अयक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में त्रकाक्षन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पाल निकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त विश्वास के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं कर्भ होगा थो उस अध्याय में विया पता है।

नन्स्ची

फ्लैट नं० 4, जो, इमारत नं० 8-बी, नवजीवन सोसाईटी, चेंबूर, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसुची जैसा कि कि० सं० ग्रई-3/37–ईई/19485/84–85ग्रीर जो सक्षम प्राधिारी बम्बर्ट द्वारा दिनांक 1–5–1985को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 19-·11-1985

प्रकृष बाहु े द्वी हुन् प्रकृतनामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1), को क्षीन स्चना

न्यर्स् स्रकार कार्यक्रम, सहामक नामकर भाग्क्स (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, द्विनांक 19 नवम्बर 1985

निष्म सं अर्ह-3/37-ईई/19203/84-85 -- अतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवाल जिला अधिनियम कहा जवा हैं), की भारा 269-व के अधीव सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बहवार मूस्ट 1,00,000/- रूट. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 602, जो, 6ठी मंजिल, बी-विंग, तोलाराम अपार्टमेंटस, वाधवली व्हिलेज के पीछे, चेंबूर गालाती, बस्बई-74 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर, अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1 मई 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मून्य, उसके द्रयमान प्रतिकास से, एवे द्रयमान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तर्कों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्क के जिए तम् बागा गया प्रतिकास, निम्निसिया स्मूचिय से अन्तर् अंतरम जिल्ला में वास्तिक कर से किथा सुनी किया गुमा है है

- (क) अन्धरन में हुई किसी बाप की बाबका_र उपह अभिनित्तम के संभीत कर को के अन्यरक की वाश्वरक में काफी कहारी वा उन्नवे करते में सुविधा को जिल्हा नहीं हैं।
- (भ) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गुमा था किया जाना का किया था के सिद्धा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स कुकरेजा इन्स्ट्रक्शन कंपनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० जे० सन्नोल।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी खरके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुतं ॥

उन्तु सुध्यक्ति में अर्थन में संबंध में कोई भी बाओप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां ५२ सूचना की तासील से 30 दिन की सर्वाध, को भी क्रम्भि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) श्रय सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विव को भीकर उचन स्थायर सम्पत्ति में हिंत- वृद्धभृ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी का गास सिचित में किए जा स्केंग।

श्रनुसूची

फ्लैंट नं० 602, जो, 65ा मंजिल, बी-विंग, तोलाराम प्रपार्टमेंटस, बाधवल व्हिलेज के पीछे, चेंबूर जालोनी, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुमुची जैसा कि कि सं प्रई-3/37-ईई/19203/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारीं सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 19-11-1985

प्ररूप बार्डा, टी. एन. एस्,------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक गायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रिंग- 3, बम्बई बम्बई, दिनांश 19 प्रतस्वर 1985

निर्देश मं० श्रई- 3/37- ईंग्री 19049/84-85--श्रत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी संव फ्लैंट नंव 106, जी, 1ली मंजिल, पूजा, माहल रोड़, चेंब्र, बस्बई--71 में स्थित है (श्रांग इससे उपाबद अनुमुची में ग्रांग पूर्ण व्यासे विणित है), ग्राँग जिसका अपान-नामा ग्रायकण ग्रीविधिशम, 1961 की धारा 269 के ब ग्रीवीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिकस्ट्री है, दिनाव 1 मही 1985।

को पूर्विति सम्पन्ति के उचित बाजार मुल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त औध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किमी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर विभिन्यम, या भन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के अपोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः सवा, उक्त भाषिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिनित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्रीमती फार्न्सीदेवी घेवरचद ।

(ग्रन्तरमः)

(2) श्रीमनी एस० भारत प्रकानी ।

(भ्रन्तिरिनी)

कां यह स्वनः आर्रा करकं प्वांक्त सर्पात्त के कर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

चक्त संपत्ति को भर्णन को संबंध में कोई भी मानोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्कार।

रषष्टिशिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

अनुसूचा

फ्लैंट नं० 106, जो, 1ली मंजिल, पुना, पाहुल **रोड़, चेंबूर,** बम्बई- 71 में स्थिप हैं।

अनुसुर्वा जैसा कि फल्संल थ्रष्ट-3/37-ईई/19049/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद ाजन प्राविकारी सहायाः श्रायचर प्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 19-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 नवम्बर 1985

निर्देज सं० अई- 3/37-ईई/19211/84---85ग्रतः मुझ, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात 'उकत अधिनियम'कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उच्चित नाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9, जो, इमारत नं० 6, योर्ला को-स्राप० हाउसिंग सोमाईटी लि०, बसंत सिनेमा के सामने, चेंबूर, बम्बई— 74 में स्थित है (स्रोंट इससे उपाबढ़ अनुसुची में स्रोर पूर्ण रूप से विद्यत है), स्रार जिसवा उपारनामा स्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269 ज, ख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाक 1 मई 1985

की पूर्वीश्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा पया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित भें बास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है क्रिया-

- (क) बन्तरम चेहुइं किती बाद की बादत, उक्त निधनियम के नभीन कर दोने के जन्तरक के दाबित्व में कभी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के सिन्ध; बीद्ध/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या नन्य नार्टिसयों को, चिन्हों भाउतीय भाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा जनत नीधनियम या धन्-कर विधिनियम न 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया वाना धाहिए वा, कियाने में स्विधा भी निए;

बतः अव, उस्त जिथिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, में उबत अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अभीन, निम्मिलिखित व्यक्तिसमों, अर्थात् ः— (1) श्री ए० बी० श्रडवानी।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० जे० सयाल श्रीर श्रन्य ।

(ग्रन्तरिर्तः)

की वह सूचना चारो कड़के पूर्वोत्रत सञ्परित को वर्जन के तिवय कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संखंधी अम्बित्यों पड़ स्थना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाड़ा;
- ((व)) इत सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस्त्र निवित में किए वा सकें ने।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, आ उस अध्याय में दिया गया है।

मनसर्ची

फ्लैंट नं० 9, जो, इमारत नं० 6, बोर्ला को-भ्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, बसंत सिनेमा के सामने, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि श्र० ४० श्रई-3/37-ईई/19211/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रगाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-3, बम्बई

दिनांक 🕻 19-11-1985 मोश्रार: प्रारूप आई.टी.एन.एस.------

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भाजीन रेंज-3, अस्कर्ड

बम्बई, दिनांक 19 नवम्बर 1985 निर्देश सं० ऋई--3/37-ईई/19510/84-85----श्रनः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात 'उक्त अधितियम' वहा गया है), की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित शाकार मूक्त 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव फ्लैंट नं डी-5, जो, इसारत नंव 5, बसंत पार्क को-श्रापक है। उसिंग सोसाईटी लिव, श्रापक सीव मार्ग, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रापतार श्रधितियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री ई, दिनांक 1 मई, 1985

को पुर्वोक्त सम्परित के स्वित्व बाजार मून्य ते कम के क्याबान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्से वह क्षिक्रसाव करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वित्व बाजार मूक्य, ससके दश्यमान प्रतिकल से, एवे दश्यमान प्रतिपास का देख्य प्रतिकत से अधिक है और संतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नतिवित स्वृद्धिय के उसत संतरण विश्विद में बालाहिक स्पू से किश्व मुद्दी किया गया है है—

- (क) मन्तरण वे हुई कि वी जाव की बावब, उनक श्रीभीनयद के बधीन कर दोने के बंतरक को दासिक में कवी करने या उत्तरी वचने में कृष्टिया के तिहा? वर्ष्ट्र/वा
 - (ख) एती किसी नाव या किसी धर्म या नन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त जिथिनयम, या धनकर निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाम चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अघ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिस्त व्यक्तियों, अर्थात् म—— (1) श्री ए० ए० देवैयाह ।

(श्रान्तपः वः)

(2) श्री एस० एस० दिदवानिया।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वनित सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिमा करता हूं।

उन्त कुन्ति के वर्षन के सम्बन्ध के कोई भी बाओर 🛶 🕒

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामीस से 30 दिन की जनिथ, जो भी वनीथ वाद में बनाया होती हो, के भीतर प्रांचत व्यक्तियों के ते किसी न्यामा
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब त 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्दा किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहत्ताक्षरी के वात विद्या में किए का स्केमे।

स्वाचिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और वर्षों का, जो उक्क अधिनियम के बध्याय 20 के में परिभाषित हैं, अधी वर्ष होता जो उस अध्याय में विवा त्रवा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं की - 5, जो, इमारत नं 5, बसंत पार्क को-ग्राप हार्जीसग सोसाईटी लि०, ग्राट० मी० मार्ग, चेंबूर, बस्बई-71 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/19510/84- 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 की रिजिय्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिवगरी सहायक स्राधिक स्रा

दिनोंच*ः* 19--11--1985

मुरूष बार्'् टी_ट पुन्<u>छ पुन</u>्

ावसहार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीत सुवना

बाउच प्राच्या

कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 नयम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37~ईई/19199/84-85-यतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फर्नेट नं० 4-बी/9, जो, नित्यानंद बाग को-श्राप० हाउसिंग मोसाईटी, चेंबूर कालोनी, बम्बई-74 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिज्ञिंदी है, दिनांक 1 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उष्णित नाजार मृह्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उष्णित याजार मृह्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिसत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गवा है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त जिम्मियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के शावित्य में किसी करने वा चनके वधने में भृतिधा से सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन् या कन्य आरिसयों को, बिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ट अधिनियम, या धन- कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने बें सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) की अभीन, निम्नुलिखित कर्ण्यतयों, असाँत ह— (1) थी मनजीत सिंह श्रद्धील ।

(ऋन्तरक)

(2) श्री गोपालदास मधनमल गारी।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निव् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की समिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाह में ससाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तिमाँ में एं किसी व्यक्तिय दवारा;
- (क) इस स्वना के राजध्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मच्छीकर्ण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्हों अभिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4-बी/9, जो, नित्यानंद बाग को-स्राप० हाउसिंग मोमाईटी, चबुर जालीनी, बम्बई-74 में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा ि क० मं० ग्रई-3/37-ईई/19199/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को जिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद गक्षम प्राधिकारी सह्यक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज→3, बम्बई

दिनां : 19-11-1985

प्ररूप. बार्च. टी. एन. एस. - - - -

आयंकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरक्षिक) इंग्लैन रेंग्र-3, बम्दर्घ बम्बर्घ, दिनांग 25 नवम्बर 1985

निर्देश तं ॰ ६६ -3/37- ईई/19452/84--85---यतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

कायकः अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, गह विख्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर िसकी सं० दुशान नं० 14, जो, तल माला, मनिष- विशय शाम्प्लेक्स, चेंबूए, सम्बद्ध 74 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीरा िस ता श्रापर-नामा आया प्र शिक्षिताम, 1961 की धारत 269 के खाके श्रीतीन, बम्बद्ध स्थित सक्षम श्रीधिशारी के कार्यालय में रिक्ट्री है, दिनों ते 1 मई 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्य में शस्तिक कप सं कथित नहीं किया यथा है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी साव की वाबक, उक्त बिधिनियमं के बधीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्य में कमी करने वा उससे दवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकेट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान मा स्विधा के लिए;

(1) श्री एन० पी० ग्राजना ।

(ग्रन्तरक)

(2) डा॰ (श्रीमती) मोहिनी शिवलदास चावला । (धन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन की सिए कार्यवाहियों करता हुं।

टक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात शिचित में किए का सकते।

स्थब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

दुकान नं० 14, जो, तल माला, मतिष-विजय काम्प्लेखस, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/19452/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधितारी बम्बई द्वारा दिनोक 1-5-1985 को रिक्टिड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिवारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांका: 25-11-1985

महिर 🛭

श्रुषम् सार्धः क्षत्रेः, एनः एकः, -------

अस्यकर शिधिनिधम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

आरद सर्वार

कामालयः, यन्यकः धान्यसः भाष्कः (पिरीक्षण)

श्रर्जन रें न - 3, बम्बई

बम्बई, दिनांब 25 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/19443/84-85 यतः मुझे, ए० प्रसाद,

कामकर तिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धनक परणात् 'उनत अधितियम' कहा समा हैं), की आरा ्69-स के प्रांत सक्ष्म ाधितायम' के मह विश्वाल करने का कास्त्र हैं कि सभाप्त्रेंकित सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक ही

प्रौर िसकी सं ामीत ा हिम्सा, शिसा एलाट नं 58, सी विदेश एस व नं 1837, सेक्टर ही स्कीम नं 3, चेंबूर, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और िसा व रारनामा आयवार प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 ल ख के अशीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के वार्याच्या में रिस्ट्री है, दिनांक 1 मई, 1985

को प्विषेत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान इतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त मम्पत्ति को उचित बाजार बल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल में. एमे रश्यमान प्रतिफल का बन्तर प्रतिफल का का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिक का प्रतिफल का प्रतिक का प

- (क) अन्तरण मं हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर योगे के अन्तरक के शीलाय में कमी करने या समझे कनने में सुविधा का अञ्चार और/वा
- (अ) एसी फिसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम या अप-कार अधिनियम या अप-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) । अधीतनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

भन अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत्ः— (1) श्री मणिबेन जे० पटेल।

(मन्तरक)

(2) श्री सी० वी० जाजं भीर प्रस्य।

(भ्रग्तरिती)

को वह स्वना बार्री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ब्याना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिस्तवद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में सिग्ध का सकेंगे।

स्थव्योकरण ,----इसमां प्रयुक्त शब्दा और पर्यो का, जो जनते अध्याय 20-क मों परिभाषित हैं, वही अर्थ द्वीगर, जो जस अध्यान के दिया गया हैं।

प्रनुस्ची

जमीन ना हिस्सा, जिसना प्लाट नं० 58, सी० टी० एस० नं० 1837, सेक्टर डी स्कीम नं० 3, चेंनूर, बम्बई में स्थित है। अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० शई-3/37-ईई/19443/84-85 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1--5-1985 को रिजस्टर्ड निया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायदार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 25-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन समना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनां 20 नवम्बर 1985

निर्देश सं० मध्-3/37 ईई/19205/84-85--म्रत: मुझे ए० प्रसन्द,

कायकर प्रभितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदभात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की भाग्र 269-- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाधार स्टब 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर िस्की सं० फ्रॅंट नं० 301, जो, 3री मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, शक्ति शापिंग अक्तिंड, आगरा रोड़, भाड्प (प०), बम्बई 78 में स्थित है (ब्रीट इससे उपादब अनुसूची में ब्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और िस हा करारनामा आयकर प्रतिनियम, 1961 की धारा 269 इ, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रिनस्ट्री है, दिनांक 1 मई 1985।

को पर्धोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने **का कारण है कि यथापूर्वोक्त** संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिकल का **बंब्रह प्रसिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंत**-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनं के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; मौर/या
- (इ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अप्रितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए आ, छिपाने बें स्विधाके लिए।

भवः मध, उन्नत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्क निधनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्निकित व्यक्तियाँ, वर्षात् 🖫

(1) मेसर्स तोलाराम एंड कंपनी ।

(श्रन्तरः)

(2) श्री मदनलाल मोहनलाल परभार ।

(प्रन्तिःती)

करी बह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के सम्बन्ध के लोड़ भी आशोब :----

- (क) इस स्वाना के राजपक में प्रकाशन की लादील की 45 दिन की अयीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, भी भी अविधि याद में समाध्त होती हो, के शीतर पर्वोकत व्यक्तियां में सं किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर स्थाति में हित-षष्ध किसी अन्य व्यक्ति बुदारा, जबोहरसाक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पर्वो का, जा उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुस्ची

फ्लैट नं० 301, जो, 3री मंजिल, निर्माणाधीन इसारत; मिक्त मार्पिम ऋकिंड, अभिरा रोड़, हाडूंप (प०), बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि अ० सं० अई−3/37-ईई/19205/ 84-85 और जो सक्षय प्राधिकारी बस्वई हारा दिनांक 1--5-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद ाजन अधि असी सहायक ग्रह्म हर श्रह्म । (निरोक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनाय: 20-11-1985

प्रकल् बाह् ः टौ । एन् । एस् । -----

बायकर बिश्वितयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुबना

नारव व्रकाड

कार्यासय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-3, बस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रू. से अधिक हैं

भौर िसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो, न्यू शाहूर को-श्राप० हाउसिंग सोसाईटी, फ्लाट नं० 2, एस० नं० 109, एच० नं० 3 और 5 (अंश), नाहूर, मुलूंड, बम्बई 80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिसना करारनामा आयक्र अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रिक्ट्री है, दिनांक 1 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित हाजार मूल्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से एसे दश्यमान श्रीतफल के पन्द्रह श्रीतशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निष्कृतव गया गया श्रीतफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उपल कन्तरण निष्कृत में वास्तविक कप से कृष्यित वहाँ किया बया है क्ष्री

- (क) अन्तरण से शुद्धं किसी बाय की अव्यक्त अवत सिथितियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने वा बृतिभा के सिए; शौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, जियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री संजीप बसंत विपन :टटी ।

CHARLES TO SERVE

(भन्तरक)

(2) श्री पाडुरंग प्रस्हाद प्रबद्यानी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सि कार्यवाहियां करता हुं।

चनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों की पास लिखित में किए जा सकाँग ।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियमं, के अध्याय 20-क में पित्भाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया म्या है।

अनुसुची

फ्लैंट नं० 4, जो, न्यू नृहूर को-प्राप० हाउलिंग सोसाईटी, प्लाट नं० 2, एस० नं० 109, एस० नं० 3 कीर 5 (ब्रंग), नाहूर, मुमुंड, बम्बई-80में स्थित है।

क्रिनुसूची जैसा कि कि से धई-3/37-ईई/19673/ 84-85 और जो सज़म प्राविशारी बयमई द्वारा दिनांक 1-5-1985 की रिन्स्टर्ड िया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुषत (निरीक्षण) प्रजन रेंज-3, बम्बर्ष

दिनांक: 20-11-1985

मोहर 🙂

प्ररूप आई. टी. एत. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंत्र−3, बम्बई

बम्बई, विनास 20 नवम्बर 1985

िवेंग सं० ऋई-3/37-ईई/19060/84-85—ऋतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्यास कारने का कारण है कि स्थायर संपीत, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर निसकी सं० गाला नं० 216, जो, 2री मंजिल, हिर नंदानी इंडिस्ट्रियल इस्टेट, तांजूर मार्ग (प०), अम्बर्ध में स्थित है (और इसने उपबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से वंणित है), और िसता वरारनामा असार अधिनियम, 1961 की धारा 269 का, ख के अधीन, अम्बर्ध स्थित राक्षम प्राधिवारी के वार्यालय ; रिस्ट्री है, दिनां रामर्घ 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जोचत आजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्ल बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) गौर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक है पसे किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपक अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मेजर्स हिरानदानी इंडस्ट्रियल इटरप्राइजेस ।

(अक्षरक)

(2) अ.भिश जिन्दर्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्षत सम्परित के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्नान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तरसमान्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ध्यितयों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपीत्त में हितबद्ध किसी जना व्यक्ति द्याररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनें।

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त शिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

गाला नं 216, जो, 2री मिजिल, हिरानशानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, वांजूर मार्ग (प०), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा वि: ऋ० स० अह-3/37-स्मी 1006 व

श्रनुसूची जैसा कि क० स० श्रई-3/37-ईई/19060/ 84-85 और जो सभन प्राधिकारी अस्बई द्वारा दिनांक 1--5-1985 को रिजस्टड किया गया है।

> ए० प्रयास सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रैंन-3, बस्बर्ट

दिनांक: 20-11-1985

प्ररूप आहें.टी.एन.एस-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत संदुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंअ--3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नदम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/19479/84-85 अतः मुझे, १० प्रसावः

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर िन्नि संव गाला नव 205, जो, 2री मंजिल, हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, बांजूर मार्ग, बम्बई में स्थित है (भीर इस्से उपाबस अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर िसका करारतामा आयार अधितियम, 1961 की धारा 269 क, ख के सर्धान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रिजर्ट्स है, दिनांक 1 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बावत, नायकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धून या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत्:---

- (1) मेतर्स हिंधनंदानी इल्ट्रियल इंडटाप्राइणेस । (मन्तरक)
- (2) मेनर्स बेलमोन्ट वः सेवगन्य ।

(ग्रन्थिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पञ्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्या

गाला नं 205, जो, 2री मिजिल, हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, वर्तजुर मार्ग, बस्दई में स्थित है।

भारत्भी जैसा कि कि के संव भई -3/37-ईई/19479/ 84-83 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बन्बई ब्राया दितांक 1-5-1985 की रिनस्टर्ड वियागया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिशारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, सम्बद्ध

दिनांक: 20-11-1985

प्रकृप आर्थ, टी, एन, एस्. -----

शायकाः विधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

बारत सरकत

कार्यासय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-III, बम्बई

बम्बई, दिलांक 20 त्रघम्बर 1985

िर्देश सं ० अई-3/37-ईई/19712/34--85---यतः, मुसे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाबार ज्यूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी संव गाला नंव 137, जो, 1ली मंजिल, हिरानंधानी इंडिंग्रान इस्टेंग्र, का तूर मार्ग (पव), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबक प्रमुद्देश में और पूर्ण रूप से विधान है) और जिसका करारतामा प्रायक्तर अधितियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रश्री , बमनई लिए। सक्षम प्राधिकारी के कार्योलय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल को पन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी जाथ या भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर विधितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधितयम, या भनकार विधितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा ज्ञकट नहीं किया व्या था वा किया चाना चाहिए था, कियाने वें सुविधा के सिए;

अतः थवः, उक्त विधिनियमं कौ धारा 269-गं कै वन्सरण भैं, भैं; उक्त विधिनियमं की धारा 269-पं की उपधारा (1) कै वधीय, निम्निसिसित व्यक्तियों, वर्धात् ह—-

- (1) भेसर्व हिरानंपानी इंडस्टीयल इंटरशाइनेज । (घन्डरक)
- (2) में सर्स भेएकॉन ।

(मन्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी स्थिक्तमो एइ स्वना की सामील से 30 दिन की बन्धि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स स्थिक्तयों में भे किसी व्यक्ति बुबारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त बीधीनयम, के बध्याब 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुमूची

गाला नं । 137, जो, 1ली मंजिल, हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, बाजूर मार्ग (प), बम्बई- में स्थित है।

श्रमुपुर्वा जैसा कि कि॰ सं० श्रई-3/37-देई/19712/34-85 औं : जो सक्षा प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 1-5-1935 को रजिल्ड के किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राविकारी सहातक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्मन रेंज-III, वस्ब**र्ध**

धिनांक: 20-11-1985

स्वत् नार्वे डो. एन्. एवं _{अस्यव्यवस्थान}

बायबार विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धाए 269-भ (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बावकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज⊶3, बल्द**ई**

बन्बई, दिन्तंक 20 स्वस्बर 1985

िर्देश सं० ६**६** -3/37-६६/19168/34-35---अतः मुक्ते, ए० प्रसाद,

प्रायकर कि भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिन्न ही सं० गाला नं० 101, जो, हिरानंधानी इंडिस्ट्रिल इस्ट्रि, वाजूर मार्ग (५०), बच्छ में स्थित हैं (और इस्ता उपाध्य अनुसूर्वा में और पूर्ण का से घणित हैं), और जिसका करारामा आकर अधिक्रिम, 1931 की धारा 239 के, ख से प्रतीत, बच्च स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में द्जिन्द्री हैं, दिनांक 1 सर्थ 1935

कर पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य सं कम के दृश्यमान पितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्त्रिक रूप से अन्तरण नहीं किया गया है दिन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत , क्यल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वाँ शायित्व में कमी करने या उससे व्यक्ते में सुन्धि। श्री अध्; व्यदि/मा
- (ह) एंसी किसी बाब वा किसी भन वा अन्य जारितकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर सिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर सिंधनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, विश्व प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ववा था वा किया थाना वाहिए था कियाने जे स्विया के विश्व के विश्व है

अतः सम्म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों क्षणीत रू---

- (1) भेसर्स हिंदानंधानी इंटरिक्ट्सल इंटरप्राञ्चलेस । (धन्दरक)
- (2) श्री मेखर एम० पुजारी। (भन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्टित के अर्जन के लिए कार्यशिहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्ववा के राजपत्र में प्रकाशन की तारांच के 45 दिन की जविश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दर स्वना की तामील से 30 दिन की अविश, जो भी अविश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति य्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा थी उस अध्याय में दिया स्या है।

बन्स्ची

माला नं ० 101, जो, हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांजूर मार्ग (५०), बन्द ६ में स्थित है।

अनुपूर्वः जैसा कि कि सं० अई 3/3/ईई/19:06/ 84:05 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1--5--1935 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्मनेन रेंज--3, बस्बर्ध

दितींक: 20-11-1935

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1985

निर्देश मं० श्र**र-3/37ईई**/19169/84--85--श्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

ायकथ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 था के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1.,00,000 ∕- रु. से अधिक है

और जिसकी संव औद्यागिक यूनिट नंव 56, जो, 1ली मंजिल, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट, मुलूंड (पंव), वस्बई-80 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीत, वस्वई स्थित सक्षम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 मई 1985

को पूर्वित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह अतिशत स अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित टब्दिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के फिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा को सिए;

अंत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण औं, जों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) अं अभोन, निम्नम्लिकित व्यक्तियों उपधित :—
28—436 GI/85

(1) राजा बिल्डर्म।

(श्रन्तरक)

(2) गोल्ड स्टार इलेक्ट्रानिधम प्राईवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ::---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वत्रा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणै:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ मुपेगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

औद्योगिक यूनिट नं० 56, जो पहली मंजिल, राजा इंड-स्ट्रियल इस्टेट, मुलूंड (प०), बम्बई-१८० में स्थित है।

श्रमुर्च। जैमा कि कि० सं० श्रई-3/37ईई/19169/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक क्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज--3, बम्बई

दिनांक: 20-11-1985

मोहरः

प्रकम कार्र, टी. एन. एच., ----

कारवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन जूचना

भारत सरकार

कार्यांतमः, बद्दायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांक 20 नवम्बर, 1985 निर्देण सं० श्रार्थ-3/37र्ष्ट्19201/84-85- श्रदः, मुझे, ए० प्रसाद

कामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्वाने पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी मं० नं० 31, जो, बी- विग, 5वी मंजिल, हर्षा िल्या की-पाप० हार्गिंग मंत्राईटी लिल, प्रार० पी० रेड्, म्लूड (प०), बम्बई में स्थित है (और इसने उपाबड़ शनुभूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका कराज्यामा प्रारकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 व, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राविकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री, विजीक 1 मई

को व्योक्त तत्र्यति के बिजत बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मृत्रे यह निक्वात करने का कारण हैं कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्व, उत्तके क्रयमान प्रतिकल से, एसे क्ष्ममान प्रतिकल के पन्नह प्रतिवात से अधिक हैं और वंतरक (बंबरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम धावा जमा प्रतिकला, निम्मिनिकल क्ष्मक्ष से उक्त अन्तरण लिजित में बास्तविक रूप से काथित किया गया है:----

- (का) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावस, उन्न अभिनियम के अधीन कर दोने को बन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के बिए; बॉर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के सिए;

वतः वक्त अधिनियम की धारा 269-त की अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की छपभारा (1) के वधीन निस्त्रकिक व्यक्तियों, अभित् :--- (1) श्रीमती पी० ए० श्रमीत ।

(धन्तरक)

(2) श्रीमती गौरीबेन प्रेमकुमार गोहील और श्रन्य । (ग्रन्तरिती)

को क्यू बूजना जारी अपको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिक् कार्यपाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अवस्ति के संसंध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बंध 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृबना की तामील से 30 दिन की अविध, की भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तस्पत्ति में कित- वक्ष किसी स्पक्ति दवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त खब्दों और वर्षों का, को उनका बिधिनियम, के अध्याय 20-क में वरिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया। गवा है।

अनुसृची

फ्लैट नं० 31, जो, बी—िवग, 5र्व मंजिल, हर्षा —िनिकेतन को—प्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, ग्रार० पी० रोड, मुलूंड (प०), बम्बई में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कर संर श्रई-3/37ईई/19201/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनांक: 20--11-1985

प्रकार बाही, दी, एन्ड १६ 🕫 🗝 🤫

श्राचकर वॉंपीनबस, 1961 (1961 का 43) की शरा 2∕49-घ के अधीन स्थना

प्रारत सरकार

कार्याजन, सहायक नायकर मायुक्त (मिरीक्रम)

ग्रर्जंग रेंज⊶3, वस्व**ई** बम्बई, दितांक 22 नवम्बर 1985

निर्देण मं० गई--3/37 ईई/19664/84--85 - अतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह दिश्यास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित भाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव यूनिट तंव 73. जो, 2री मंजिल, गहाण एंड गेठ इंडस्ट्रियल इन्डेट, एणा सिनेमा और शांग्रीला विस्कीट फैक्टरी के पास, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, भांडूप (पव), बम्बई-78 में लिया हूं (और इसमे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण का ने निवत हूं), और जिसका करान्यामा आपवार प्रधितियम, 1961 की धारा 269 के खंश प्रधीत, वम्बई स्थित सक्षम प्राप्तिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिलाक 1 मई 1985

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उषित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे द्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिश्वत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध एसे अन्तरण में लिए उस पासा एक प्रति क कन, निम्नलिसित उस्वोच्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिबक कम से कृषित नहीं किया गया है है—

- (क) अल्लारण संध्य किसी नाय की नामत उक्त निधानिकार के अधीन कर दोने के जन्तरक के सामित्य में कामी भारते मा उससे नचने में सुविधा के लिए, क्षेत्रिंगा
- (था) एंसी किसी शाय गा किसी धन था अल्प आस्तिकं अती, जिल्हा भारतीय नायकार निधीनयन, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनवन, था प्याप्त कार कंशिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किमा काला वाहिए था, कियाने के स्वित्र के स्थित

बाद: अस. अस्य अरेमांनयम की भाषा 269-म की अनुसरभ में, में, उक्त मिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:— (1) शोठ एंड महता एसोसिएटस ।

(अन्तरक)

(2) विनोद हरीलाल देसाई ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रविक्त सम्बन्धि के बच्चे के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्द सन्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बासेंब:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीश से 45 विन की अविभि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 विन की अविभि, जो भी समीथ वाद में कवाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वों के स्थित स्थापत होती हो, जे भीतर पूर्वों के स्थापत होती हो।
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बक्ष किसी बन्द क्यक्ति दवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकति।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं ० 73. हो, 2रो मंजिल, नहार एंड शेठ इंडस्ट्रियल इस्टेंट, क्या सिनेमा और गांग्रीला बिस्कीट फैक्टरी के पास, लान प्रशुहा गत्स्त्री सार्ग, भांडूप (प०), बम्बई-78 में स्थित है।

्रानुसूची जैसा कि कि के संश्र श्रई-3/37-ईई/19664/ 84-85 और का सक्षप प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1--5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० त्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--3, बम्बई

दिनांक: 22-11-1985

महर ह

प्रकृषः बाह्यं, द्रौ. एन . एवं . ------

भाषक १ सिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) के बधीन सुबना

भारत सरकाड

कार्याक्ष, सहायक वायकर बाव्यत (निरक्षिण)

ध्रर्जन रेज--3, बम्बई

बभ्बई, दिनांक 21 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई--3/37-ईई/19656/84--85---अतः मुझे, ए० प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 ∕- रः. से अधिक हैं

और जिसकी संव युद्धि नंव 20, जो, 2री मंजिल, नहार एंड शेठ इंडस्ट्रियल इस्टेट, ृष्णा सिनेमा और शांग्रीला विस्कीट फैक्टरी के ताम, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, भांडूप (५०), बम्बई-78 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में आंट पूर्ण रु: से वर्णित है),और जिसका करारलामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, दिनांक 1 मई 1935

को पर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विक्यास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अक्स, उसके क्रायमान प्रतिकत्त से, एसे कारमान प्रतिकत्त का पन्त्रह प्रतिकार से विधिक है और वंतरक (वंतरकाँ) वरि वेस-रती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंदरण चंहूद किथी बाय की बाबस, उक्स अधिनियम के समीन कर देने के अंतरक के दायिए में कभी करने या उससे वधने में सुनिभा के सिए; और/या
- (क) एोसी किसी काय मा किसी भन या अन्य कास्तियो को, जिन्ही भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, बा 1957 (1957 का 27) धन-कर अधिनियम, क्षे प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया अका था या किया कानः वाहिए था, छिपाने म मुख्या के अए:

धतः अधः, रुक्त विधिनियमं की पारः 269-गं के अवसरण 🖈, में, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) 😅 बभीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, वर्षात:---

(1) मेशेठ एंड हता एसोसिएटस ।

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स मंघनाना एक्सपोर्ट प्राधिनट लिमिटेड । (ऋन्ज़रिनी)

का वह स्थान जारी कर्यों प्योंक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संस्थान्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को शाचपत्र भें प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी कविभ बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्बबुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अभोहस्ताक्षरी के नास तिचित्र में चित्र या सकें ने।

ल्लाकिरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा करें उस अध्याय में विवा न्या है ।

युक्तिट नं ० 20, जो, 2री मंजिन, तहा∴ एंड शेठ इंडस्ट्रियल इस्टेट, अध्या सिनेमा और गोंग्रोला बिस्कीट फैक्टरी के पास, लाल बहुाहुर आस्त्रों मार्ग, शांडुप (प०), बम्बई--78 में स्थित हैं।

श्रत्मुची जैसा कि कि के सं० अई-3/37-ईई/19656/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1--5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 21-11-1985

प्ररूप आर्द. ती. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

नारत प्रस्कर

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त ([नरीक्स)

ग्रर्जन रेंज- 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 नवम्बर 1985

निर्देश सं० **अई**--3/37—ईई/19662/84--85 --अतः **मुझे,** ए० प्रमाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार अस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

आ: जिन ही सं व्याहित तं व 14, जो, 2की मंजिल, तहार एंड मंत्र दंडिस्ट्रान डम्डेट, जिमा सिनेना और जांग्रीला बिस्कीट मेक्टरी के पास, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, भाडूप (५०), फैम्बई-78 में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुपूची में और पूर्ण का ने बर्णित है), और जिमका करारनामा सायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीत, बम्बई स्थित सक्षत प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्रा है, दिशाक 1 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार कृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिजत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिति (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के निए तम पाया प्रतिफल, निम्नसिवित उच्चेय से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है है—

- (क) मन्तरण से हुई कि तो बाव की आकत, उक्क शीमनियन के बभीन कर दोने के अन्तरक धें दासित्य में कमी कारने मा उससे बचने में कृषिका के शिप्ता बार या/
- [क) एसी किसी बाव वा किसी बन वा बन्य बास्तियाँ का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अश्रीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों. अर्थात ::--- (1) शेठ एंड महता एसं सिएटस ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स मंघनानी एक्सपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

को यह स्थान थाड़ी काहके पूर्वोक्त संवरित के वर्षन के शिष्ट कार्यगाहियां करता हुए।

उन्त सम्मत्ति से वर्षन के ग्रंबंध में कोई भी बार्बंप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि से तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशीस से 30 दिन की जबिध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति : इवारा नभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकर्ण।

स्वध्योंकरणः -- इसमें प्रवृत्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गड़ा है।

यम संची

यूजिट नं 14. जो. 2गे मंजिल, नहार एंड गेठ इंडस्ट्रियल इस्टेट, उष्णा सिलेमा और जांग्राला बिस्कीट फैक्टरी के पास, लाल बहादुर गास्त्री मार्ग, भांवृष (५०), वस्बई- 78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० अई--3/37-ईई/19662/ 84-85 ओर जो सजम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मझम प्राधिकारा सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंजे⊸3, बम्बई

दिलाक: 21-11-1985

महिर :

प्ररूप नाइ^र.टौ. एम<u>. एस., -------</u>

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य भारा 269-व (1) के अभीन स्वाना

बारत क्यमेंड

कार्यालय, सहायक माथकर मायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज--3, बम्बई

बमबर्ध, दिनांक 21 नवम्बर 1985

· निर्देश सं० प्रई-·3/37—ईई/19665/84→85---प्रतः मुझे, ए० प्रसादः

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 169 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव यूनिट नंव 13, जो, 2री मंजिल, नहार एंड ग्रेंठ इंडिन्ट्रियल इस्टेट, एणा सिनेमा और शांग्रीला बिस्कीट फैक्टरा के पास, लाल बहादुर जास्त्री मार्ग, भांडूप (पव), जम्बई-78 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धाणा 269 क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 1 मई 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यणान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के विए वय बाया गया प्रतिफल, निम्नितिषक उच्चोवय से उच्चा अन्तरक मिला का सिए सम

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वावस, अक्ट अधिरियम के अधीत केय येने के सम्बद्ध की दामिल्य में कारी करने वा उदसे क्षणे में कृषिणा के लिए; कीर/मा
- (क) एती किसी नाय या किसी थय या अस्य नास्तियों को, जिन्ही भारतीय वाय-कार निधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तत् अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना चाहिए था, कियाने जे समिथा से लिख;

कतः तम, उमत मधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, अवत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) गोठ एड मेहता एसोसिएटस ।

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्य मंघनानीः एक्सपोर्ट प्राईवेट लिमिटेट । (अन्तरिती)

को वह बुचना चारी करके पूर्वीक्स संपोध्य के अधन के जिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

बन्द संपरित की वर्षन के तंत्रंथ में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की बविध या तत्संबंधी क्वितियों पर स्वा की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपभ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकीं।

स्पष्टीक रण: ---- इत्तर्जे प्रयुक्त धन्यों और पर्दों का, को जन्द अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं क्यें होगा को उस्त्र अध्याय भें दिश्य शक्ष हैं ।

वयुषुचीं

यूनिट नं 13, जो, 2री मंजिल, नहार एंड शेठ इंडस्ट्रियल इस्टेट, तृष्णा सिनेमा और शांधीला बिस्कीट फैक्टरी के पास, लालबहादुर शास्त्री मार्ग, भांडूप (प०), बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०--3/37--ईई/19665/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 21-11-1985

प्रस्थ याहाँ हो , स्व. एस. -- -----

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीत सूचना

मार्ग *सम्बद्धार*

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेज-3. बम्बई

वम्बई, दिनांक 21 नवम्बर 1985 निर्देश सं० यई-०/37—ईई/19666/84--85---श्रतः मुझे, ० प्रसाद,

जायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विस्तान करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी गं० यूनिट नं० 21, जो, 2री मंजिल, नहार एंड शेठ इंडस्ट्रियल इस्टेट, एष्णा सिनेमा और गांग्रीला बिस्कीट फैस्टरी के पास, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, भांडूप (प०), बम्बई-78 में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है),और जिसका करारनामा श्रायकर शिविनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 1 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवाँकत सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की विषयं भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 कि को किस की पान की किस की किस की किस की किस की विषयं के या अनकर विधिनयम, या अनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) घोठ एंड मेहता एमोसिएटस ।

(श्रन्तंरक)

(2) मेमर्स मघनानी एक्सपोर्ट प्राईवेट लि०।

(ग्रन्भरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (कं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विभिन्न जा किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरण: — इसमें प्रधीकत भव्दों और पवों का, जो उन्नत विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

यूनिट नं० 21, जो, 2री मंजिल, नहार एंड गेट इंडस्ट्रियल इस्टेट, ग्रुंगा सिनेमा और णांग्रोला बिस्कीट फैक्टरी के पास, लाल बहादुर शास्त्री पाम, भाडूप (प०), प्रव्वई 78 में स्थित है।

श्रनुसूची प्रौंसा कि ऋ० सं० श्र ξ -3/37-ई ξ /19666/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1--5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्य (निरीक्षण) श्रजीन रेंज⊶3, बम्बई

दिनांक: 21-·11-1985

मोहरः

शक्य **शर्व**ाडी, **ए**वा, एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउा 269-व (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर भायक (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज--3, बम्बई बम्बई, दिनांक 21 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई--3/37--ईई/19660/84--85----अत: मुझे ए० प्रसाद,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सभम प्राधिकारी के वह विश्वात करने का अपरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसको सं यूनिट नं 12, जो, 2री मंजिल, नहार एंड शेठ इंडस्ट्रियल इस्टेट, ज्या सिनेमा और पाप्रीला बिस्कीट फैक्टरी के पाम, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, भांडूप (प०), बस्बई—78 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप ने व्यापत हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर प्राधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 मई 1985

हो पृथंक्ति सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रितिक्क के सिए अंतरित की गई है और मुम्ने बह निश्नास करने का कारण है कि यथापृबंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके द्रश्यकान प्रतिकल से, एसे व्यवभान प्रतिकल कर पत्त्वह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिबाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धारतिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण वे हुई किसी आय की बाबत, उसके जिथिनियम को अभीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व मों कभी करने या उससे अभने मो सूर्विधा के सिष्; और/या
- (श) एसी जिसी आप या किसी धन या जन्म आस्तिमाँ की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम वा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में निकास के निए:

कतः जबः, उक्त अभिधिकन्, की भारा 269-म के अनुसरण कैं, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन कि जिल्लाकित व्यक्तियों, कर्मात् थ—— (1) पोठ एंड मेहना एसं। सिएटस ।

(अन्तर्क)

(2) नेसर्स मंघनानी एक्सपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करको पूर्वोक्त सम्पर्टित को अर्थन को निष् कार्यमाहिया करता हुं।

उक्त सम्मत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् हं—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की जनिथ या तरसंबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अवधि, को भी अवधि बन्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अयिक्त बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदा- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा स्कोंगे।

स्पर्काकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त जिथितियम, के अध्याय 20-क में परिजाजित ही, कही जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही:

ग्रनुसूची

यूनिट नं ० 1 2, जो, 2री मंजिल, नहार एंड शेठ इंडस्ट्रियल इस्टेट, ुटणा भिनेमा और शांधीला बिस्किट फैक्टरी के पास, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, भांडूप (प०), बस्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर संर श्रई--3/37--ईई/19660/ 84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1--5--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--3, ब∓बई

दिनांक: 21-11-1985

प्रकार बाह्य हो । एव । एक .:----

नामफर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) के न्यीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार जायुक्त (निर्द्रीकाण)

ध्रजेन रेंज~3, बम्बई बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1985

निर्देश सं० म्रई-3/37 -ईई/19447/84-85--म्ब्रतः मुझे ए० प्रमादः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सन्परित, जिसकार उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिमको सं० 246, जो, 2री मंजिल, गोविंद इंडस्ट्रियल इस्टेट, डी० पी० रोड़, मुलूड, वम्बई में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 मई 1985।

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कन के स्वयान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्तु प्रतिकृत से विश्व है और वंतरक (वंतरकों) वर वंदरिती (बन्तरितिकों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया क्वा प्रतिकृत, निम्नीकविष्य उच्चेक्व से उच्च अन्तरण किविक के बाला किविक के बाला निम्नीकविष्य उच्चेक्व से उच्च अन्तरण किविक के बाला किविक के बाला निम्नीकविष्य उच्चेक्व से उच्चेक्व अन्तरण किविक के बाला किविक के बाला निम्नीकविष्य उच्चेक्व स्थान किविक के बाला किवक के बाला किविक किविक किविक किविक किविक किविक के बाला किविक के बाला किविक कि

- (क) अन्तरण से हुई कियो बाब की बाबत, उच्च अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य के क्यों करने वा उच्च वचने के द्विधा के तिए; बरि/या
- (क) एसे किसी आब या किसी धन वा बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकार जिपनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना चाहिए वा, कियाने में न्यिशा के सिए।

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, इक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) चे अधीन, निस्तिवित व्यक्तिकों क्ष वर्षात के स्थान 29—436 GI/85 (1) मेसर्स इंडो मायगन एजेंसी ।

(भ्रातरक)

(2) श्री पेसी मिनू पटेल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूजांकत संपरित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त सम्महित् के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृह्य किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्यव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जा उक्त विश्विम, के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होया को उस अध्यास में विशः यदा है।

नगर,ची

यूनिट नं० 246. जो, 2री मंजिल, गोविद इंडस्ट्रियल इस्टेट, डी०पी० रोड़, मुलूङ, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि प्रई-.3/ई7-.ईई 19447/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० साद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶3, बम्**बई**

दिनांक: 20·11-1985

N.

प्ररूप आहूर टी. एन एस .-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज--3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1985

निर्देग मं० प्रई--3/37 ईई/19223/84--85---अतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 19, जो, 4थी मंजिल, गोकुल प्याम को-गाय० हाऊसिंग मोसाईटी, देशीदयाल रोड़, मुलूंड बम्बई-80 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 260 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 1-5-1985।

को गुर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान यांतफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निक्तिक व्यक्तियों, अधीन :--- (1) प्रसाप रामजी डागा।

(श्रन्तरक)

र्भः (2) रमश फुलचंद करानिया।

(भ्रन्थरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त्यो

फ्लैट नं० 19, जो, 4थी मंजिल, गोकुल म्याम को-श्राप० हाउसिंग सोसाईटी, देवी दयाल रोड़, मुलूंड, बम्बई-80 में स्थित है।

श्रेतुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई--3/37--ईई/19223/ 84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाक 1--5--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--3, वस्बई

दिनांक: 20-11-1985

मुक्त कार् क डॉ. व्यं प्रस्

वायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

श्रर्जन रेंज 3, बम्बई बम्बई, दिनौंक 18 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्रई 3/37 ईई/19114/84-85-- श्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं दुकान नं 8, जो, 5-4 इमारत, प्लाट नं 21-22, व्हिलेज चिचवली, सुन्दर नगर, एस० वी० रोड, मालाड (प), बम्बई 64 में स्थित है (श्रौर इससे उपाध्य श्रनुसूत्री में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

भी पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के ध्ययमान वितिक्त को लिए जन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वाद करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार भूका, उसके ध्ययमान प्रतिक्षत से एसे ध्ययमान प्रतिक्षत का पन्तह प्रतिकात से अभिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितिभों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिक्त, निम्मिलिखत खब्दोस्य से उक्त जन्तरण कि जित में बास्त-विक स्प से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एरा किसी बाब या किसी थन या थम्य कास्तिवाँ को, विन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए

बतः जयः, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, जर्भात् ह— (1) मैट्रोपोलिटन डेव्हलोतमेंट कारपोरेशन श्रौर दि माडर्न कन्स्ट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) डा० श्रार० के० टाइनवाला

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🏗 🖚

- (क) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की सारीय के 45 विन की जनकिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामीत से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस बद्ध किसी मन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकार में किए वा सकेंने।

नियान का जी प्रमुक्त का जी पत्रों का, को अवस्थ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया क्या हैं।

ग्रनुमुची

दुकान नं० 8, जो, 5-4 इमारत, प्लाट नं० 21-22, व्हिलेज चिचवली, भुन्दर नगर, एस० बी० रोड, मालाड (प), बम्बई 64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि लं श्रई 3/37 ईई/19114/84-85 श्रौरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनौंक : 18- 11- 1985

प्रकम भाइति, द्वी., द्वार, एव ., - - - --

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नधीन स्वना

STATE WESTER

कार्यासन, तहायक बायकर बायुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनौंक 18 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/19120/84-85—-म्रतः, मुझे, ए०प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परचात् 'क्क्स मधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-च के नधीन समम प्रशिकारी को यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर कनस्ति, विश्वका उचित वाबार मुख्य 1,00,000/- का से जिथक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 23, जिसका सर्वे नं० 26, एच० नं० 1 (ग्रंग), सर्वे नं० 26, एच० नं० 4 (ग्रंग), विहलेज वालनाय, तालुका बोरिवली, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वेजित सम्पत्ति के स्थित बाजार मून्य से कन के बद्धवान प्रतिपत्त को सिए मन्तरित की गई है और मुख्ये वह विद्यास करने का कारण है कि स्थापुर्वेजित सम्पति का स्थित बाजार ब्रुच्च, उसके ज्यमान प्रतिकान हे, देशे अस्थान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकात से निध्य है और मंतरिका से (मंतरिका) ने वीचा एसे मन्तरण के तिए तय पाया स्था प्रतिकात , जिल्लीतिका उस्क्रिकेन हे उसके अन्तरण निविध में वाकादिक कर से अध्वाद मही किया प्रवाद है हम्म

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ही आम की बाक्स, उक्स जिमिनसम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी अक्नो वा उक्स वक्नो में सूर्विधा के फिल्हा और/या
- (ण) ऐसी किसी बाव वा किसी धन वा बन्सू जास्तिकों को विक्तुं भारतीय जायकर जिथितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथितियम, 1922 कर जिथितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्लास प्रकट नहीं किया बना था या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुनिधा को लिए;

भतः सम्, उन्त निधनियम कौ धारा 269-ग मे बनुसरण में, में: अन्त नीधनियम की धारा 269-म कौ उपधादा (1) में बधीग, रिनम्पसिचिक व्यक्तियों, अभित् छ—— (1) जया शशिकौत भून

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भन्वरलाल एस० जैन

(मन्तरिती)

को वह बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के द्वायपण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की नवींथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की क्षत्रीय, जो भी स्वीध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाए;
- (च) इच सूचना के राज्यन में प्रकाषन की तारीस तें 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्मत्ति में हित-वद्भ किसी जन्म स्थावत द्वारा अथोहस्ताक्षरी के बास विविधत में किस का सर्वोत्ते।

स्त्रज्ञीकरणः ——इसने प्रयुक्त सन्दां बीर पदों का, को उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिवा पदा है।

मपुष्की

प्लाटनं० 23, जिसका सर्वे सं० 26, एच० नं० 1 (ग्रंश) सर्वे नं० 26, एच० नं० 4 (ग्रंश), व्हिलेज वालनाय, तालुका बोरियली, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि ऋ० सं० मई-3/37-ईई/19120/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सङ्कातक आज्ञकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, अस्बई

दिनौंक: 18-11-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनौक 18 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० श्रई,3/37-ईई/19117/94-85—श्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उधित वाजार मूज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

- (क) बन्तरुष् से हुइं सिन्धी भाग की भागतः, उत्रक्ष विभिन्निष् के अभीत् कर दोने के बन्तरक के वास्तिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; विश्व/वा
- (व) एसी किसी नाय था किसी भन का अन्य जास्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर निभिन्यन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जीभनियम, या भूनकर अभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के श्रिवोणनार्थ कृत्यरिती ब्वारा प्रकट बहुएँ किया ववा वा ता किया वाना वाहिए ते कियाने में सुविभा के हिन्दु।

मतः सवः, उनतः अभिनियमः की भारा 269-न के अनुसरण मों, में, उन्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिकित अविक्त्यों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स मनाली कारपोरेशन

(भ्रन्तरक)

(2) श्लोमती माथा तेजराभ मोटवानी श्रौर श्रन्य (श्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पृथीं तथा सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्वनाहियां करवा हूं।

ड क्त सम्मृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र 🖛

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की स्वित्ति का तत्त्वम्बर्गी म्युक्तवाँ पर सूचना की दानीन से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकर क्यक्तियों में से किसी स्थित ब्वाचा;
- (व) इस स्वना के स्वपन् में प्रकाशन की तारीब वें 45 वित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवब्ध किसी बन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षाडी के शक् दिकत में किए वा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगुसूची

फ्लैट नं० ए-52, जो, 5वीं मंजिल, मनाली इमारत नं० 3, प्लाट नं० 48, 49 फ्रीर 50, वालनाय व्हिलेज, मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/19117/84-85 सभम प्राधिकारी बम्बई द्वारा तारीखें। 1-5-85 और जो रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनौंक : 18-11-1985

प्ररूप बाइ टी.एन.एत. ------

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 28 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अर्ध-3/37-ईई/19167/84-85--- ऋतः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-22, जो, 2री मंजिल, मनाली इमारत नं० 4, प्लाट नं० 48, 49 श्रौर 50, बालनाय व्हिलेज मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1986

कां पूर्वांकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा।पूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती मिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्वेश्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की बानत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के स्विक्त के स्वती सर्वे वा स्वयं में भूषिका के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सिवधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्यक्तियां, अधीत्:—— (1) मैसर्स मनाली कारपोरेशन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरना एस० सन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच भे 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्ष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गना है।

भगुलुषी

फ्लैंट नं० बी-22, जो, 2री मंजिल, मनाली हमारत नं० 3, फ्लाट नं० 48, 49 और 50, वालनाथ व्हिलेज, मालाङ (प) बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/19167/845- 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक: 28-11-1985

मोहर 🕄

प्र**वन शह**ै, डी. इस. एवं.------

भाष्यात व्यक्तिक्त्, 1961 (1961 का 43) को पाझ 269-व (1) के वर्षण क्ष्या

नार्व प्रकार

कार्यालय, सङ्ग्रहम बायकर बायुक्त (निष्कृतिक्य)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई ह निर्मंक 19 नवस्तर 199

बम्बई, दिनाँक 18 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/19206/84-85--श्रतः, मुझे, ० प्रसाद

वाक्ष्यर विधिनवम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें क्ष्यों परवात् 'उक्त निधिनवम' कहा गवा है), की धारा 269-व के वधीन कतान प्राधिकारी की, यह विष्वात करने का बारव है कि स्वामर सम्पत्ति, विस्था स्वित वाजार मुस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० दुकान नं० 24, जो, तल माला, महाराजा भगार्टमेंट, एस० वी० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची सें श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-5-1985

को पूर्णेक्य सम्मित्त के उपित बाबार मूक्य से क्या के दबससाल प्रीक्षणक को तिए अन्तरित की नद्दं हैं स्त्रीन मूओ यह विकास करने का कारण हैं कि सभापूर्णेन्स सम्मित्त का उपित कक्सर मृत्य उत्तके दश्यभाव प्रीक्षणक हैं हों है इश्यकान प्रीक्षण का प्रमुद्ध प्रतिकत सिथक हैं और अंत्ररक (अंत्ररका) और बंबरिती (अंत्रितियाँ) को बीच एके वंतरण के बिस् इय प्राणा स्वा प्रतिकत, विकासित उद्देशक ने जनत अंत्ररण विशिष्ठ में वास्त्रिक स्था के क्षीथक नहीं किया प्रधा है र——

- (क) बन्यडम ते हुई-चिक्की बाल की बान्ता, क्षमक बीधियम के अधीन कर दोने के अन्यत्य के ग्रीयत्य में कभी करने या उपसे बचने में तृतिधा के लिए; और/या
- (क) एकी किसी आज ना किसी थम या अल्य आखिकां को, जिल्हों भारतीय मानकर विधियनम्, 1922 (1922 का 11) या उपत अभिनियन, वा मन-कर विधियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ क्लारिसी क्वार प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, स्थिमने में स्विधा के सिन्ह;

अतः अये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण हो, गी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थानः — (1) श्रीमती मधुकाँता जी० मेहता

(ग्रन्तरक)

(2) हेमलता डी० देमाई

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चाडी कड़की पूर्वोक्त संपर्तित के नर्जन के जिए कार्यवाहियां कड़वा हुई।

इक्ट सम्पत्ति के वर्षन के तम्बन्ध में कोई भी बाध्येप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थानितयों पर सूचवा की तानीज से 30 दिन की अविध, जो भी क्षिप बाद में समाप्त होती हो, के भीतर धूबोंक्ल न्यांक्तयों में से किसी स्थानत बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच कें 45 विन के जीतर उक्त स्थापर सम्मत्ति में हिस्टब्स्थ किसी बन्द व्यक्ति स्थाप अधोहस्ताक्षरी के शब्द निवित में किस वा सकीने।

स्वव्यक्तिसरण :---इक्षमें त्रयुक्त सन्तों बीर वर्षों का, भी उनक जीवृत्तिसम के बच्चाव 20-क के विद्यास्तित हैं, वहीं वर्ष होता को उस सम्बास में विद्या नदा है।

नगसची

दुकान नं ० 24, जो, तल माला, महाराजा स्रपार्टसेंट, एस० वी०रोड, मालाङ (प), बम्बई-64 सें स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/19 206/84~85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनौंक: 18-11-1985

इक्स बार्च और एम्, एक ,-----

तायकट विभिन्यम, 19% / (1961 क 43) की भारत

शास्त्र प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 18 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/19133/84-85--श्रतः, मुझे ए० प्रसाद

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो, तल माला, भुलेस्कर श्रपार्ट-मेंट्स, नानाभाई भुलेस्कर मार्ग, चिचौली, मालाड (प), बस्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध सनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने कम कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके क्रयमान प्रतिफल के, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंडह प्रतिकृत से विभक्त है जीर जन्तरक (जन्तरका) जार अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीनिधित उक्षेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई जिल्ली जाम करे बावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रापित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के जिए; बौर/मा
- (क) एसी किसी बाव या किसी भन या जन्य जानित्यों को जिन्हों भारतीय शिवकर विधितियम, 1922 (1922 का 11) वा श्रेल्स अभिरित्यम, वा भनकर अभिनिवम, 1957 (1957 का 27) ते प्रयोजनार्थ बन्दरिती क्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, छिनाने में सुविधा है तिए;

शतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वें ताँ, उक्त अधिनियम की भारा-269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अधीत् हु—— (1) धिरज बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती काँचनपी० चौधरी श्रीर अन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 घिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 घिन की अवधी, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी अविकत व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विष गया हैं।

नन्त्रवी

दुकान नं० 3, जो, तल माला, भुस्लेकर ग्रापार्टसेंट्स, नाबा-भाई भुलेस्कर मार्ग, नियोली मालाड (प), बम्बई में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-3/37-ईई/19133/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसा सक्षम प्राधिकार सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ३, बस्क

दिनौंक : 18-11-1985

प्रकर मार्च टी. एन. एस. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3. बम्बई वम्बई, दिनौंक 18 नवम्भर, 1985

निदेश मं० ग्रई-3/37-ईई/19305/84-85---ग्रन:, मुझे ए० ग्रमाद

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'अक्त अविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सत्यति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- स्त. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 31, जो, इमारत नं० 3, तल माला बाफ-हीरा नगर, मार्वे रोड, माताड (प), वस्वई में स्थित है (ग्रौर इपसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है) श्रीर जिपका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क. ख अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकाी के कार्यालय में रजिस्दी है, नारीख 1-5-1985

को पूर्वीक्त सपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाण्यींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक की राधिस्य में कमी करने या उसमें बमने में सविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी वन या अन्य बास्तियहें को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, **कर ब्रोधनियम, 1957 (1957 का 27) के** प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने निए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीतः निम्नितिषित व्यक्तियों, अर्थात् :--30-436G1/85

(1) मैनमं बाफ-हिरा बिल्डर्स प्रायबेट लि०

(श्रन्तरक)

(2) श्री राजगोपाल नायर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए *नार्यदर्श*हियां **करता ह**ै 🏗

सकत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्सेंच :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा
- (सं) इस सचना के राजवत्र में प्रकाबन की तारीस से 45 दिन को भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति इवाग भर्भोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और धरों का, जो उक्त विधिनियम 👪 अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ज्ञाश्रं होगा. जो उस अध्याव में दिया शका है.

अनुसूची

दुकान नं० ३1, जो, इमारत नं० ३, तल माला, बाफ-हिरा नगर, मार्वे रोड, मालाइ (प), बम्बई में स्थित है।

85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिवाँ है 1-5-1985 को रजिस्टर्न किया गया है।

> Ųο प्रभाद पक्षम प्राधिकारी सटायक प्रायक्तर श्रायक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-3, बस्त्रई

दिनांक: 18-11-1985

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाला 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 18नवम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्रर्ड-3/37-र्हर्द्य/18118/84-85---ग्रनः, मुझे, ए० प्रसाद

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उस्त अधिनियम' नक्षा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 54, जो, बी-विग. 5वीं मंजिल, मनाली इमारत नं० 4, प्लाट नं० 48, 49 फ्रौर 50, वालनाय विहले ज, मालाड (प) वस्वई-64 में स्थित है (स्रौर इससे उपा-बाद्ध स्रत्युची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) स्रौर जिसका करार-नामा स्रायक्तर स्रिवित्यम 1961 को बारा 269 के, खे के स्रधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रो है नारीख

1-5-1985

का प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत से अधिक ही और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एस अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वस्य से उक्त अंतरिण लिखित में वास्तिवक हम में किथत नहीं किया गया है:—

- ंक) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितय करें. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उस्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

सत: अब, धक्त अधिनियम की धारा 269-ग के कन्सरण भा, भी, अकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्सीलिखित व्यक्तियाँ, अधीत :--- (1) मैसर्स मनाची कारपारणन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती किरन म्रारीलाल भारानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस मं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचरा की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सञ्पत्ति मो हिनजद्ध किमी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखिन मो किए जा सकेने।

स्मध्दीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

फ्लैटनं 5.4 जो बी बिग 5वीं संजिल मनाती इमारन नं 4, फ्लाटनं 5.48 और 50 बालनाए व्हिनेज, मालाड (प) बम्बई 6.4 में स्थित है।

श्रनुभुर्चा जै ।। कि क्र० सं० श्रई अा 37--ईईा 19118/84--85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनकि 1−5--1985 को रजिस्टर्श किया गया है।

> ए० प्रभाद ज्याम प्राधिकारी भहासक सामकर बाधुक्त (निरोक्षण) यजैन रीज-3, बस्बई

दिनाँक : 18--11-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ग-3. बम्बई

बम्बई, िनाँक 1९ तबम्बर 1985

निदश मं० शई 3/37 ईंं/ 19306/84-85—श्रतः. मुझे ए० प्रसाद

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने कह कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रोर जिपकी सं ८ दुष्टान सं ० 16. जो इसारत सं ० 1. बाफ-हिरा नगर, भार्बे राइ. मानाइ (५०), बस्तई में स्थित है (ब्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुस्चा में ब्रारपूर्ण रूप से वणित है) ब्रोर जिसका करारतामा बायहर श्रधिनियम, 1961 की धारा 369 ं, ख के अधीन, बस्पई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-5-1985

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहर्ष किसी आय की बाबत, उक्स नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व भी वभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (म) लेगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीर आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: उदा, उदत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्का अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) को अर्थान, निम्निः सितः स्मिलतयों, अर्थात् ६(1) मैनर्ष बाक हिया बिटार्ष।

(अन्तरक)

(2) एल ० के ० उपाध्याय ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जार. करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ::---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अर्बाध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्ति हों। में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य स्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमं प्रय्वत शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिआषित हैं , वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

दुकात नं ० ! 6, जो इमारत नं ० 1, बाक हिरा नगर, भावें रोड,मालाड (५०), बम्बई में स्थित है ।

श्रमुम्मी जैसा कि ऋ० मं० ग्रई 3/37 ईई/19306/84-85 श्रीर जी सक्ष्म प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनोंक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रनाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर त्रापुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज:3, बम्बई

दिनौंक: 18-11-1985

बरूप बाइं.टी.एन.एस.------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बिधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 18 नवम्बर 1985

निषण मं० ऋई-3/37-ईई/19119/84--85—-श्रनः, मुझे ए० प्रमाद

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000√- था. से अधिक हो

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-51, जा: 5वी मंजिल, मनाली इमारत नं० 3, प्लाट नं० 48, 49 भीर 50, बालनाय व्हिलेज मालाड (प०), बस्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्वा में भीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा क, ख वे श्रधीन, बस्बई स्थित राक्षन प्राधिकारी के कार्यालय में रजिरही है, तार्राख 1-5-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उसत अन्तरण विश्वित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण संहुई किमी जाब की बाबत, उसत जिम्मिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या िक्सी थे. या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे निष्ट:

अतः अब, उस्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्नत अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) अधिन सम्मितिक व्यक्तियों, अवित् (1) मैगर्स मनाली कार्पेरिशन।

(ग्रन्तरक)

(2) मास्टर ग्रार० टी० मोटवानी।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारौब स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, अ शीनर पूर्विस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पच्दीकरणः—-इसमें प्रमुक्त शब्दी और पर्यो का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

श्रनुमुची

. पर्लैट नं० ए-51, जो 5बी मंजिल मनाली इमारत नं० 3, प्लाट नं० 48, 49 श्रीर 50, वालनाय व्हिलेज; मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुनुचा जैसा कि क० सं० अई-3/37-ई/19119/84-85 और जो प्यान प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौंक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> ए० प्रमाद मक्षम प्राधिकारी महायक <mark>स्रायकर</mark> ऋर्युक्त (निर्मक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनोक : 18-11-1985

ನಿರ್ವಾಣದ ಸಂಪ್ರದೇಶ ಸಂಪರ್ಕ ಕರ್ನಾಣಕ ಸಂಪರ್ಣಗಳು ಅವರು ಸಂಪರ್ಕ ಸರ್ವಾಣಕ ಪ್ರವೇಶಕ ಸಂಪ್ರದೇಶ ಪ್ರವೇಶಕ ಸಂಪ್ರದೇಶ ಸಂಪ್ರದೇಶ ಸಂಪ್ರ प्रकृष् भाष'. २१. एत. इस., ----

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अभीन स्थना

भारत त्रकाह

अर्थालय, महायक आयकर आयुक्त (निकीक्षण) श्चर्यन जेज-३, बम्बई

वस्वर्ध, दिनॉक 18 सबस्वर 1985

निर्देश सं । अई-3/37-ईई/19070/84-85—अतः मुझे, ए० प्रमाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसर वर्गात १११ वर्गात । अस्मान क्रिकेट के **भारा** 269 भ के प्राप्त एक्ट प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मृत्व 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट गं० ए-62, जो. 6वी मंजिल, मनाली इसारतनं ० ३. प्लाटनं ० ४४, ४९ % १९ ५०, बालनाय ब्हिलज मालाड (प), बस्बई-64 में स्थित है (और इससे उपान्नढ़ श्रत्भुची में योर पूर्ण का से विषित है), श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रधीन, वस्तर्द्ध स्थित । सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, वारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य असके दश्यमान प्रतिफल सं, एरों दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेमे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तविक रूप में कश्यित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण संहुद्दं किसी **वाय की शब्दत,** उच्च की धनियम को अभीत कार दोनों को जन्तरक को दायिल्ल मां कभी करने मा उससे बचने माँ स्विधा को लिए; ## E - 41
- (का) एंडी किसी आय या किसी धन या अन्य जारितकों को चिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तर्रत्। बुवारा प्रकट नहीं किया गया जा वा किया जामा चाहिए था, छिपाने में सविधा ने लिए।

शक्य क्रम, अक्स काँधनियम की भारा 269-न के क्रम्सहम में. में उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपभाग (1) को बाहित, विकासि**स्त व्यक्तियों, वक्ति ४---**

(१) मैंस्स मनालाः नापर्विता।

(३) श्रीमता एस० एत० ध्रगरवाल ग्रार ग्रन्य । (ग्रन्तरिता)

क्रों वह स्थना बारी करके प्वेंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाद्विमा करतः हा।

बन्त सम्पत्ति के गर्थन के सम्बन्ध में कोई भी कक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा ख 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी मबिथ बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के एप्यपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, वां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हांगा जो उस अध्याद में दिया गया 🗗 🛚

अनु**सूची**

फ्लैंट न० ए-62, जी, 6 ठी मीजिल, मनाली इमारत नं० 3, प्ताट नं ० 48, 49 फ्रींग 50, वालनाय व्हिलेज, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

अन्मूची जैसा कि किश्रां० अई-3/37-ईई/19070/84-85 और जो नक्षम पाधिकारी बम्बई द्वारा दिनौक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रशाद सक्षम पाधिहारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जत रेंज-3, बम्बई

दिनाँक: 1 -11-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के अधीन स्चना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 18 नवम्बर 1985

निर्देण सं० यर्ड-3/37-ईई/19069/84--85--्यतः, मुझे. ए० प्रसाद. दें

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त किधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्ये 1,00,000/- क. से अधिक है

श्रीर जियकी सं० फ्लैंट नं० बी-64, जो, स्टी मंजिल, मताली इमारत नं० 4, प्लाट नं० 48, 49 ग्रीर 50, 50, वालनाय विहलेज, सालाड (प), बस्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण च्या ग्रे विणित है) ग्रीर जिमका करारनामा ग्रायकर अधितियम, 1961 की धारा 269 क, खे के ग्रेधीन, बस्बई स्थित एक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1-5-1985

कर पूर्विक्स सभ्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम् के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और

मुभे यह विश्यास करने का कारण हैं कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्चित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रति-कंज से एंसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अतरक (अतरक) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविचित उद्वदेश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आर/यप
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों ह्यां, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छणाने में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं सर्स मनाला कार्येरिशन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जै० डी० पुरोहित ग्रीर श्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

की यह स्वना बारी करके पूर्वीक्त सम्परित की वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कांड्र भी बासंग्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र पें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्वता के राजपात्र मा प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तः अर्थ के पास विविद्य में किए का सकेंगे।

स्थष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हमेगा जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं ० बी-64, जो, 65ी मंजिल, मनाली इमारत नं ० 4, प्लाट नं ० 48, 49 ग्रार 50, 50, वालनाय व्हिलेज, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि यल सं ० स्रई-3/37-ईई/19069/84-85 स्रीर जो भक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोंक 1-5-1985 की रोजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-३, बस्बई

दिनांक: 18-11-1985

प्रक्य बाह् .टी. एन . एस .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुभा

मार्ट सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 18 तक्षम्बर 1985

निर्देण सं० शई-3/37 ईई/19171/84-85---शतः मुझे ए० प्रसादः

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्रत अधिनियम अहा पया हैं), की भारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारों को, यह निवनत करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव दुकान नंव 4, जो, प्लाट नंव 4, "शौदुंबर" रोड नंव 3, लिबर्टी काई मालाड (पव), बम्बई-64 में स्थित है (और इसने उपाबह अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारणामा आयकर श्रविविध्म, 1961 की धारा 269 के, खाने अधीन, बम्बई विश्वत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिलांक 1-5-1985

के। प्रविद्य नम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वधमाण प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्य के लिए तय पत्या यहा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखिए ने वास्तविक रूप से कथित नहीं विज्ञा गया है है

- (क) अन्तर्ण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देनेके अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/श्रा
- (व) ऐसी किसी जाए या किसी धन या जन्य जास्तियीं करें. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपका अधिनियम, या धन-कर जीधिनियम, 1957 (1967 का 27) जे प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्यारा प्रवाद कहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, । छपाने में सुविधी खें निष्

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर. निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् अस्म (1) मेसर्सं एस० आर० इंटरप्राइजेस।

(अनंतरक)

(2) श्री एल० डी० अल्मेडा और अन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसके अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

दुकान नं० 4, जो, प्लाट नं० 4, "औदुंबर" रोड नं० 3, लिबर्टी गार्डन, मालाड (५०), बम्बर्ड- 64 में स्थित है।

अनुसूबी जैसा कि क० सं० अई -3/37-ईई/19171/ 84~85 और जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1--5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-3, बन्**वर्ध**

दिनांक: 18-11-1985

प्रकार कार्यः दी एन् एस्य चनन सन

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के संधीय सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बस्त्र**ई** वस्त्रई, दिनांव 18 नवस्त्र 1985

िर्देश सं ० अडि $\cdot 3/37$ --ईंड्री 19166/84 $\cdot \cdot 85$ ----अत. मुझे ए० शसाद.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-33, जो, 3री मंजिल, मनाली इमारत नं० 3, प्लाट नं० 48, 49 और 50, व्हिलेज बालनाय, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 1 मई 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एांसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किन निम्निलियित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नित में शान्तिक रूप के कियत नहीं किया नया है है—

- (क) बन्तरण संहूर किसी शय की शावत, बक्त अधिनियंत्र के अधीन कार दोने के जन्तरक के अधिरख मी काशी करने था उससे ल्लाने भी सृविधा क किए, और/सा
- (क) एसी किसी आब या किसी भन या बरण साम्लियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर श्रीविधियम, 1999 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या भार-गार अधिभियम, 1957 (1957 का 27) के प्रगोजनार्थ अन्तरिती सुकारा प्रकाट नहीं किया गार था या किया जाता जाता था. फिलाने प्राप्तिया विकास विकास करिता का प्राप्तिया था. फिलाने प्राप्तिया वै किया

बत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, पी, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) भेसाम् महालं(कापरिणस्)

(अन्तरक)

(2) श्री मृत्युंजय रसटोगी।

(श्रन्त्रिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के सर्जन के किए कार्यमहिमां करता हुए ।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन् 🕾 संबंध में कोई भी नाक्रोप 🖫

- (क) इस स्वना के राजपक लें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील ले 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त आर्थिनयों में से किसी स्वित्त त्यागः
- (व) इस स्थान क राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिराबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रभोहस्ताक्षरी के पास मिनित मा विकास का गरींचे।

स्पष्टीकरण :---इसमी प्रयुक्त शक्कों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, बहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

प्लैंट नं ० ए-- 33, जी. 3री मंजिल, मजाली हमारत नं ० 3, प्लाट नं ० 48, 49 और 50, व्हिलेज बालनाय, मालाड (५०), बम्बई-- 64 में स्थित हैं।

श्रानुसूची जैसा कि कर संर श्राष्ट्री-3/37-ईई/191.66/ 84-85 और जो सक्षम श्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 1--5-1985 को रिजिटर्ड किया गया है।

> ए० तसाद सक्षम प्राप्तिकारी सतायक पायकर आयुक्त (क्रिक्षण) अर्जन रेजें-3, क्रक्दई

दिनावा: 18-11--1985

मोहुर 🛭

স্কৃত্ লাছ⁶, হী_ং হুল, **বুল**্ডলকন----লক্ষ্য লাখনিকল ১০৪৭ (১৪৪) জা ১৩) **লা** পাক

नायकर निभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की बाउर 269-व (1) के नपीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज--3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 नथम्बर 1985

निर्देण मं० अर्ह ·3/37--ईई/19571/84--85----अतः मुझे ए० प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त सिंभिनयमं' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

और जिसकी संव फ्लैट नंव 108, जो. क्वैया पैलेस, सोमवार वाजार, वाम्बे टाकीज कंपाउंड के पिछे, मालांड (पव), बम्बई-64 में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य के बणित हैं), और जिसका करारतामा आयकर अधि-तियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 1 मई 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाबार ब्रुक्ट से कम बै इस्वमाथ परिकल के लिए अन्तरित ही गई है और बुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभा पूर्वोक्त सस्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्पमान प्रतिकल से, एसे अस्पान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरिक (अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम प्रतिकल निम्नलिबित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं पामा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी कियो नाम यह किसी अन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय नाम-कर निधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त निधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जोता साहिए था, रिख्यान में विवास के किया जीता साहिए था, रिख्यान में विवास के किया

क्त: नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अमृतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन जिल्लाकित अयिकतायों, अर्थात :——
31—436 GI/85

(1) करमञ्जली इंटरपाइजीप ।

(अन्यस्क)

(2) जमाते--इ--इस्लामी हिंद बाम्बे।

(अन्तरिती)

को सह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के किए कार्यवाहिया ए-रू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर स्थान की तासील से 30 दिन की सर्विध, यो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (व) इस स्वान के राजधन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वास, जधोहस्ताक्षरी के पाव विश्वित में किए वा सकोंगे।

अनुसूची

प्लैट नं० 108, जो, रूकैया पैलेस, सोमवार बाजार, बाम्बे टाकीज कंपाउंड के पीछे, मालाड (प०), बम्बई--64 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि क्ष० सं० श्रई-3-37-ईई/19571/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकार वस्बई द्वारा दिलांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसप्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रापकः आयुक्त (तिरीक्षण) प्रार्जन रेज--3, बम्बई

दिनोक: 18-11-1985

मोहरः

प्रारूप आहे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्तण) ग्रर्जेन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर 1985

निर्देश मं० श्रई--3/37--ईई/19105/84--85---श्रतः मुझे. ए० प्रसास.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 12, जो, इमारत नंव एच-1, महेंद्र नगर, हाजी बायू रोड़, मालाड़ (पूर्व), बम्बई-400 097 में स्थित है (और इसपे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), और जिसका करारतामा प्रायकर प्रधितियम, 1961 की धारा 269 के, ख के प्रधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 मई

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित्र नाजार मूल्य से काम के व्यवसान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई और मूभं यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से ऐसे इच्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अनसरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उब्देख्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से विषय एसे विकास एसे हैं --

- (क) अन्तरण में हुउू किसी काय हो यबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा से लिए:

अक्ष: अम्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात (1) के० के० केंसराता

(अन्तरक)

(2) देखराज 'ष्णन'।

(भ्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पृथीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिसर्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उसत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लैट नं० 12, जो, इसारत नं० एच--1, महेंब्र नगर, हाजी बापू रोड़, मालाट (पूर्व), बस्वई--97 में स्थित हैं।

श्रनुसूकी जैसा कि कर मंद्र श्रई -3/37--ईई/19105/ 84--85 औं: जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ढारा दिनांक 1--5--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्ब**र्ध**

दिनाँक: 18-11-1985

प्रका बाह्य, टी. एवं. एवं.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्थान

नारत चर्डकार

कार्यात्रव, सहायक वायकर वाय्क्ट (निड्रीक्स)

अर्ज न रें ज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर 1985

नवेश मं० अई-3/37-ईई०/19275/84-85—-अतः मुझे ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो, साकेत, दादी मेंठ रोड भीर स्कूल रोड का कानेर, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारवामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उरुयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उरुयमान प्रतिफल से ऐसे उरुयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती कुमूद एन० भटकुली।

(अन्तरक)

(2) श्री लाल सिष्ट उदय सिंह राजपूत ग्रांर अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्ज पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 फिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रशाशन की तारीस से विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टिषरण:--इसमे प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकाम नं । तो, साकेन, नावीशेठ रोड धौर स्कूल रोड का कार्नर, मालानेंड (प) बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं०आ 2-3/37 ईई/19275 84-85 धौर जो सक्षम प्रधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मि**री**क्षण) **ग**र्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 18-11-1985

प्रकृत कार्य , टी , एवं , एवं , न्यावानकारक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बर्ष, दिनां रू 18 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० अई-3-37-ईई /19301/84-85—अनः मुझे ए० प्रसात,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रकात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रींग जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5, जो, 2री मंजिल बी-विंग, चर्च ब्हियू अपार्टमेन्टरा, जिमिणाधिन इसारत, ग्रोलेंम, मालाइ (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (ग्रांग इससे उपाबक अनूसूची में ग्रींग पूर्ण रूप से विणित, हैं, ग्रींग जिसका क्रांस्तामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्मालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारन हैं कि वशाप्तोंकर उम्मत्ति का उचित बाबार बुम्ब, उनके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिकत का बलाइ प्रतिकत से बीचन हैं और बंतरक (बंतरकों) नीर बंतरिती (बंति-तियों) से बीच एसे बन्दरन के सिए इस शाबा प्रवा प्रशिक्त का पित्नविक्ति उद्योक्त से स्थल बंदरन जिल्ला में बालाविक क्य से कथित नहीं किया गवा है है——

- कि कराय पे हुई किसी वाय की बावच दयद विध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करन या उससे अधन वा सुविधा के लिए बीड/पा
- (क) होती किन्दी नाथ का किन्दी धर ना संभ्य नास्तिकों की, विश्वह धारतीय वास्त्रकर समितियन, 1922 (1922 का 11) ना उनता समितियन, वा धन-कर निमित्रकर, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ सन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किना क्या था ना किना नामा चाहिए ना, किनाने ने वृत्विधा के लिए;

अतः अब, उत्कर अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैसर्स दीप कांपोरिशम ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी जें० जें० मनें झिसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चादी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्णन के किए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

यक्त संगीत से वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विश्व की बनिध मा तरसंबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामीस से 30 दिन की नगिंध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति ब्वारा;
- (क) इस अपूजना को राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविश्व में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त सको और पर्यो का, को उक्त विश्वित्यम के बन्धाद 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होंगा को उस बन्धाय में किया वंश हैं।

मन्सूची

फ्लैंट नं० 5, जो, 2री मंजिल, बी-विंग, चर्च ब्यूय अपार्टमेंन्ट भिर्माणाधिन इमारत, श्रोलेंम, मालाड (प), बस्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/19301/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिशांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारी**ख**: 18-11-1985

CAN CONTRACTOR CONTRAC प्रकर आहाँ.टी.एन.एस.-----

नावन्त्रप अधिनिक्य, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सूचना

भारत तरकार

व्यार्थसम्, तहरमक जानकर जायुक्त (निरीक्यण)

अर्ज्य रंज-3, बम्बई

बम्बर्ड, दिलांक 18 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/19185/85-86--अनः मुझे. ए० प्रसाद,

जायकार अभिनियम, 1961 (1**961 का 43) (चित्र**े इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों का नह विकास करने का कारण हु कि स्थावर सम्परित, जिलका उचित वाचार वृज्य 1,00,000 ∕- उःसे विधिक हैं

भ्रौर जिसकी तं० दुष्पाध नं० ७, जो, ब्रॉप-इन्यम ३, अफि लिकींग रोड, मित चौकी, मार्बे मालाट (प), बम्बई-64 मे स्थित है (योग इससे उपावह अनुसूची श्रीप पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिल्हा करास्त्रामा अध्यक्तर अधिनियम, 1961 की धारा, 289 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी क कार्याच्या में रजिस्ट्री है, वारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित साबार मृख्य से कव के जनवान रितफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्त यह निश्नास करन करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्स्य, उसके बद्यमान प्रतिकल से, एसे बद्यमान प्रतिकल का पम्द्रहूपितकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्दरिती (अन्तरिर्तियां) के बीच एस अन्तरण के सिए तब नामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देवस्य से उपत अन्तरण बिचित्त में नास्तिनक रूप संकाजित नहीं किना गना 🗗 :---

- (क) अन्तरव से हुन्दें किसी शाव की, वावस, अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने मा जुनिभा कॅ सिए; बौर/वा
- (**१८४) ए**न्सी किसी अस्य या किसी भन या अस्य आस्तियों को चिन्हे भारतीय वायकर जीधनिवस, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, बाधन-1957 (1957 का 27) 🤻 कर जधिनियम, प्रयोजनार्थ जन्स्र रिकी दुवारा प्रकट नहीं किया गवा काया किया जाना चाहिए का, स्थिपने में सुविधा के लिए:

बत: अब, उक्त अविनियम को धारा 269-न के अनुसरण मैं। उक्त विभिनियम की धारा 269 म की उपभारा (1) 🚯 बभीतः, रिक्सिविकित स्पेक्तिका, अर्थात् 🖫

(1) अनीमा इंटरप्रावजेल ।

(अन्तर्क)

(3) श्री भूमैया धरमैया कोटटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुक्र करता हुं।

सकत सम्बक्ति को अर्जन को सम्बन्ध में का**र्ड भी अर्ज्य** रू—

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवश्यि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंका व्यक्तियों में किसीव्यक्ति व्यक्तिः;
- (ब) इत्तत्वना के राधपन में प्रकालन की तारीक बे 45 विभ के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में प्रिवकद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाँच लिखित में किए था सकी।

लक्कीकरण:----इतमें प्रमुक्त सन्दों और दवों का, वो उनक निधनियम के अध्याय 20-क में परिजासिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिशा वया है:

अनुसूची

दुकान नं० 9, जो, वाल-ई-राम 3, आफ लिंकींग रोड. मित चौकी, मार्वे, मालाङ (प), बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/19185/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिक्टिंड ियागया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 18-11-1985

प्ररूप आई. टी. एनं एस .-----

भावकार अधिविधार. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बदई, दिमांक 18 मवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/19113/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,06,000∕-रु. से अधिक है

भीर जिसकी मं० फ्लेट नं० 602, जो, एस-4 इमारत, प्लाट नं० 21-22, सी० टी० एस० नं० 33/10 (श्रंश), व्हिलेज चिंचवली, सुन्दर नगर, एस० वि० रोड, मालाड (प), बम्बई -64 में स्थित हैं (प्रार इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है, और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त कंत्र्यांतः के स्थित याधार मृत्य ने कम के क्यायान विश्वाक के किए अन्यस्ति की वर्ष है कोर मुखे नह विश्वाक करने का करण है कि वथापूर्वोक्त कलातित का खिलक वाचार क्ष्य , उपने क्षय क्षय अपनाम अधिकाय है, एवं उपनाम अधिकाय का वृद्ध प्रतिचय से विश्वाक का वृद्ध प्रतिचय से विश्वाक का वृद्ध प्रतिचय से विश्वाक का विश्वाक के विश्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जीभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे कवने में सूकिभा के निष्ट; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था, कियाने में सूनिया के निए;

अतः जब, उक्त जिमिनियम की भारा 269-ग के जन्मरण म', में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त स्वीक्तवों, अर्थीत् ६—- (1) मेट्रोपालिटन डेन्हलोपमेंट कापौरेशम ।

(अत्ररक

(2) श्री राजाराम रामचंदर मसाने।

(अन्तरिती)

भा यह स्थान कारी करके पृकालत सम्पत्ति के वर्धन के किए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेत् --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 विन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राज्यका में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा नथाहस्ताक्षरी के पास चिवत में किए वा बकेंचे।

स्पादीकरणः — इसमें प्रमुक्त धन्यों की दानों का, जा उनत अधिनियम क जध्याम 20-क में परिभाषित ही, वहीं अधे होगा जो उस अध्यास में दिया गया ही।

बन्द्रको

फ्लैंट नं० 602, जो, एस-4 इमारत, प्लाट नं० 21-22 सीं० टी० एस० नं० 33/10 (प्रंग), व्हिलेज चिचवली, संदर भगर, एस० वि० रोड, मालाड (प), बम्बई-6 4में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/19113/ 84-85 थ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्झ किया गया है।

> ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेज-3 **बम्बर्ध**

तारीख: 18-11-1985 मोहर: प्रस्प बार्ड ् टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए को अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिशां रु 18 सबम्बर 1985

निवेश सं० ग्रई- /37-ईई/19156/84-85---अतः मझी, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियमः' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,0/1,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० फ्लैंट नं० सी/4, जो, पहली मंजिल, जय विशास प्रिमायमेस की-आप० हाउपिंग सोसाईटी, 31, रामचंदर लेभ, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इस उपाबक्क श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है, श्रौर जिसका करारतामा आक्रिर अधिभियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं क्रम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्ल, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिफाट सं अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयः की बाबत, उक्त कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अपः ब्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीव, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल्:—— (1) श्री रामचंद्र प्रभावत्र देशपांडे ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्रकुमार के० पटवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजफ में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसुची

पलैट नं० सी/4, जो पहली मंजिल, जय विकास प्रिमाय-सेस की-ऑप० हाऊसिंग मोलाइटी, 31, रामचंद्र लेंग, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थि[ा]है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-3/37-ईई/19156/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिसोक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड स्थिमायक्षरहै।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महास का आक्षण आसुक्त (किश्क्षिण) अर्जन रेज-3, **बस्बई**

दिशाँक 18-11-1985 माहर प्रारूप आर्हा.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बर्ड

बमदर्ह, दिनांज 3 दिसम्बर 1985

निर्देई अई-3/37-ईई/19505/84-85--- अतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित पाजार मुख्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

श्रौंर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-6, जो, ाली मंजिल, मिद्धार्थ आपार्टमेंन्ट, पाईप लाइम रोड, कुर्सा बम्बई-70 में स्थित है (श्रीप इससे उपाबद अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है श्रौर जिलका करारक्षामा आयकर अधिदियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5~1985 का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के उपयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्थ उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्कमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तक्कों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एभे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित भें बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है "---

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबस, इक्ट अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक का^{*} वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एमी फिसी आय या किसी वन वा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ह धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गयः यदा मा या किया **वाना पाहिए या, कियाने स**ें स्विभाके सिद्

वतः लग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ा के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तिकों, अर्थात् :--

(1) में र्स मंती इंड प्रावर्गा।

(अस्भर ह)

(2) श्री भाषावित्रत बंनेरा।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्तिः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु ।

तकत सम्मति के अर्थन के संबंध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस स्थना क राजपत्र मा प्रकाशन का ताराच स 45 बिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तिया पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा मा अविध बाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वीक्त श्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच का 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बवुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास निश्चित में किए जा सकीगे।

पक्टीकरण:~—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, **को स्वर** अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही कर्भ हारित, जो उस अध्याय में किया गरू **5**,11

अनुसुधी

फ्लैंट नं० बी-६, जो, ानी मंजिल, सिद्धार्थ आपार्टमेंन्ट, पाईप लाईन रोड, कुर्ली, वस्बई-70 में स्थित है।

अनुमूची जैया कि क० मं० अई-3/36 ईई/19505/ 84-85 और जो अक्षम प्राधि भरी बस्बई द्वारा दिशांक 1-5-1985 को रिचिस्टर्र िया गया है।

> ए० प्रसाद ाजम प्राधिकारी पहायक आयाचर आय्वन (निरिक्षण) अर्जन रेज-3 सम्बद्ध

दिशांक 3-12-1985 मोहर

मारकार अभिनियम 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के अभीन सुचना

ं नाइत चड्डकार

कार्यालय, बहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्मई बम्बई, दिशांक 18 दिसम्बर 1985

निर्देष्ट मं० आई-3/37-ईई/19710/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कर्ष भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास र रने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उजित बाजार नृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० युनिट नं० 46, जो, 1ली मंजिल, सुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, विफोली (प), पम्बई-83 में हियत है (श्रीर इस उपाबढ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारवामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वनमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृष्य असके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बौर (अंतरितियों) के बौच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्नलिचित उच्चेक्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्त-धिक रूप में कथित नहीं किया ब्या हैंड--

- (क) अन्तरक से हुई किसी जान की वावधान अक्ष अधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक बी वायित्य भी कमी करने या उत्तस नवने में सुविधा के शिष्ट; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिनों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था डिप्पाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-ग के अनुसरण
के में सक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1'
के अपीत नियमितिक व्यक्तिकों, वर्षोद्य का 32-436 GI/85

(1) मेनर्स सुयोग इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक्रा)

(2) श्री राजीब एस० थत्ते (हि० अ० कु०) (अन्तरिती)

को यह स्वना चारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां क्र<u>डता हूं</u>

उन्त संपृत्ति के वर्जन में संबंध में कोई भी बाक्षेष ह—-

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की जबिंध, जो भी जनिंध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षाय;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित्व में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उन्न अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं । बही वर्ष होगा वो उस अध्याय में दिया। भवा हैं।

ग्रनुसूची

यूनिट नं ० 46, जो, 1ली मंजिल, मुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एस० गोड, विकोसी (प), अम्बई-83 में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि करु सं० अई-3/37 ईई-19710/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिमांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बई

विांतक: 18-11-1985

प्रकप कार्ड .टी . एन . एस .-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985 निर्वेश सं० अई-3/37-ईई/19092/84-85—अतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार' 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 404, जो, 4थी मंलिज, इमाप्त नं० डी-2, फ्लाट नं० डी, राधाग्राम क्लिज, कोले कल्याण, सांलाकुज (पूर्व) बम्बई-55 में स्थित हैं (श्रीप: इस उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है) श्रीर जिस ता करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा कें लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :----

(1) मेसर्स सुनील बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) भिवृति सम्बाराम गेटये।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करुके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षत के संबंध में कोई भी वाशोप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लैंट नं० 404, जो, 4थी मंलिज, इमारत नं०डी-2 प्लाट नं० दी, राधाग्रांम ब्लिज, कोले कल्याण, माताऋज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कर संर आई-3/37 ईई/19092-ए 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक: 3-12-1985

प्रकरः, बाह्यं, स्क्रीत पुरस्त पुरस्त सम स स स

आयकार निर्मानयम, 1961 (19क् का 43) की बाह्य 269-म (1) के नभीत स्वता

भाउत प्रदेशांड

शार्यानमः, सहायक मायकार वायुक्त (निरीक्तण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-3/37 र्हर्श/19590/84-85—-यतः मृज्ञे ए० प्रसद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भ्राँर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 203, जो, बी-विंग, विक्रम, आपर्टीमेंन्टस, न्यू माणेकलाल इस्टेट, एल.० बी० एम० मार्ग घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (भ्राँर इससे उपाबद्ध अनूसूची में भ्रार पूर्ण रूप से वर्णित है,) भ्रार जिसका करारनामा आयार अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के काय लिय में रिजम्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिविक कृप में किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त को, जिन्हें भारतीय र यक्टर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, वा धन- कर अधिनियम, वा धन- अधिकार प्राप्त करना रही दुवार प्राप्त नहीं करना रही विधा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

वतः वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के० चुनीलाल ग्रीर अन्य।

(अन्रक्षक)

(2) श्रीमती के जी मेहता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर^{्यक्}त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरा के पार सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थय्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं ऋषे होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

बार संची

पर्लौट नं० 203, जो, बी-विंग, विक्रम अपार्टमेंन्टस, माणेकलाल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-3/37 ईई/19590/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिसांक 1-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भि**री**क्षण) अर्जम रेंज-3, बम्ब**ई**

दिनांक । 3-12-1985 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/19337/84-85---यत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ग्रह्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० पर्लंट नं० 39, जो, ए-इमारत, सिबा इंडस्ट्रियल वर्कर्स को-आंग० हाउंतिंग सोलाईटी लि०, घाटकोपर (प), बम्बई 86 में स्थित हैं (ग्राँर इससे उापबढ़ अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप सेवणित है) ग्राँर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पृथिकत संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अन्तरितयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (५५) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आर्/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

क्रीत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती वत्तना आर० वारीअर।

(अन्तरका)

(2) श्री रामन बालकृष्णन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पलैट नं० 39, जो, ए-इमास्त्रत, तिया इंडस्ट्रियल वर्कर्स को-आँप० हार्जिसम मोसाईटी लि०, घाटकोपार (प), बम्बई 86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कु० सं० आई-3 /37 19337/ 84-85 फ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नि**रीक्षण)** अर्जन रेंज-3, **बम्बई**

दिनांक: 3-12-1985

त्रक्य बाह्रं, दी. एन. एस.------

काधकार मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्मई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

भिर्देश मं० अ.ई-3/37-ईई/19380/84-85— अरु: मुझे ए० प्रसाद,

नायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-च के कधीन सक्षम शिक्षिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित बाजार सूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं० फ्लैंट नं० ए/12, जो, 3री मंजिल, सीटी० एस० नं० 5637, ब्हिलेंग कोले कल्याण, कालिना, बम्बई-78 में स्थित है (ग्रीर इपरें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण का से बंजित है, ग्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिक्यम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोश्वत सम्पत्ति के उपित याजार मुख्य से कम के ज्ञायभाव बन्तरित की प्रतिफल के लिए गद् विष्वास करन कारण का पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिपत्न से, एसे क्यमान प्रतिकान के पन्द्रह प्रतिशत सी मिक है वार बन्तरक (अभ्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ६---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ध) एसी किसी थाय या किसी धन या बन्य बास्तिवाँ को, जिन्हाँ अपरतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को खिक्नः

(1) मेसर्स गोल्डन जन्स्ट्रवश्भ कंपनी।

(अन्तरिक)

(2) श्रीमती आय अल्फयन्सो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्पत्ति के अर्थन को निए कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रेप ः--

- (क) इस सूधना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद मों समान्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदा स्या है।

म्रनुषुची

फ्लैट नं० ए/12, जो, 3री मंजिल, सी० टी० एस० नं० 5637, ब्हिलेज कोले अल्याण, कालिका, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० आई०-3/37 ई० ई०/ 19380/84-85 प्रांर जो सक्षम प्रधिकारी बम्बई द्वारा दिनंत 1-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायकर आयकर अध्युक्त (भिरिक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधील, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

दिनांक 3-12-1985

आरूप नार्हें दी एन एस

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 को भारा 269 ध (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहावक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिभांक 3 दिसम्बर 1985

भिर्दोग सं० आई-3/37 ई॰ई॰/19401/84-85— अतः मुझे ए० प्रसाद,

बाक्कर अधिनियम, ↓961 (1961 का 43) ं(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रशिकारी को वह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर तम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, जो, इमारत नं० 8, अर्रावद नगर, फेन्डिशिप को-आंप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, कालिया, सानाकुज (पूर्व), बम्बई-29 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप वर्णित है, ग्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिभियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीभ, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यलय में रिजस्ट्री है, कारीख 1-5-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृत्रों यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण मिसिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं कथा गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुमिशा के लिए; बॉर/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना वाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिद्ध;

(1) श्रीमती शोभा वि० रायकर।

(अन्रतक)

(2) श्रीमती मेर्सी थॉमस ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त बम्मिक के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र है—

- (क) इस सूचना को राजपत्र में अकाकत की तारीब ते 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस ब्वारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिच- क्युध किसी अन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः ----इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदौं का, को उनस विधितियम, के सध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

मन्स्पी

फ्लैंट नं० 10, जो, इमारत नं० 8, अरविंद नगर, फेन्डिशिप को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, कालिभा, साताकृज (पूर्व) बम्बई 29 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कर संर आई-3/37 ईर्व्हर/19401/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिसांक 1-5-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद) सक्षम प्राधिमारी सहायक आयंकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

जतः: शत्रा, उक्त अधिनियमं की भाषा 269-ग के अनुकरक कें, ती, उक्त अधिनियमं की भाषा 269-म की उपभाषा (1) की अधीप, पिक्तिविस व्यक्तियों, अर्थाप्: :---

दिनांक 3-12-1985 मोहर : प्ररूप बाहै, टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देई सं० भ्रई-3/37-ईई/19393/84-85—म्बतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो, ज्योती श्रपार्टमेंन्ट, सुलसोरी कालनी, सांताकुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित हैं) श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 3-12-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे ख्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक अप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन मा मन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना माहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उत्र, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन,, निम्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री परेश अण्ड शहा

(अस्तर ह)

(2) मालती निहला सिंह

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी वरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्य होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लैंट नं० 301, जो, ज्योती श्रवार्टमन्ट मुलसोरी कालनी, सांताक्रुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

म्रानुभूको जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-3/37~ई० ई० 19393/84-85 मीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-198० को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक 3-12-1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयम्बस निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ई०ई०/19249/84-85--ग्रसः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्री । जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो, 1 ली मंजिल, कृष्ण इमारत, मथुरादास कालनी के पास, कालिना, सांताकुज (पूर्व), बम्बई-98 में स्थित ई (प्रीर इसमे उपाबद्ध सनूसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न है) स्रीर जिसका करारनामा श्रायकर स्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के स्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायालय में रिजस्ट्री है, सारीख 1-5-1985

को पूर्वेक्स सम्पित्त के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर क (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतिय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री सुनील प्रभाकर धागे।

(श्रन्तरक)

(2) श्री राउफ़ खान ग्रमीर खान।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्वव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलट नं० 2, जो, 1ली मंजिल, कृष्णा हमारत, मथुरादास कालनी के पास, किलना, सांताऋज (पूर्व), बम्बई-98 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ई०ई/19249/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 बस्बई

दिनांक 3-12-1985 मोहर: मुख्य द्वारा हो , यह 🕆

भागकार वर्षभिनियम : 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीम समना

बार्क संस्कृत

कार्यालय, सहायव अध्यक्त गावकत (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० म्राई-3/37-ई०ई०/19615/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आग्रकः तिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) विक्री क्रिमें इनके प्रव्यात् 'उक्त कथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तका उचित् वाबार मूल्य १ ८८,०००/- प्रा**ने लिभक ह**ै

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 104, जो, 1ली मंजिल, हमान्य नं० डी-2, प्नाट नं० डी. राधांग्राम व्हिलेज, कोले वल्याण. सांताऋत (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (ग्रीए इस से उपाबढ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसला करानामा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

की पूर्वीयत सम्बद्धित के उपित मध्यार मुख्य से कव के अवसान प्रतिकल के सिर्शनसारित की गई है और मुक्ते यह विस्वात करने का नतरण ही कि यथाव्योंका सम्मत्ति का स्थित वापार बन्दा, संसक्ते सरकारण अधिकार है, एसे करवजार ब्रिटिकम का मित पश्चित्रम से क्लीसक हैं **सौर संबदक (बंदारकों) और बंदरिस्ती** (बन्तरितियों) के नीच गंदी सन्तरण के निम तम नावा गया गरिन-काल निक्तिसिक अवद्येष से उत्तत संतर्भ मिनिकत में शक्तिमा कार्य में ्रिक्ता एक्की कियाचा समा ही रूक्ता

- (का) अन्तरण में हुई किसी आयकी बाबत, उक्त कथिमियन के अधीन कर दोने के समारक के दायिएवं में कमी करते या सरूचे वचने के मिला के लिए: और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को . जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रायोजनार्थ पत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में गरिक्सा के लिए;

के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :---

अतः अव , उक्त अधिनियम की भारा 269-र के अभूस्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 33-436 GI/85

(1) में अर्ग सुनील खिल्डमं ।

(ग्रन्दरकः)

(2) श्रीमिति प्रिया बी० ग्रानेराव।

(ग्रन्यरिती)

की यह सूजना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन 🕬 🎉 🕬 🕏 कार्यवाहियां करता 🛫 ।

अवत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी आगर्ष ---

- (क) इस सुचना के राज्यका में अधावन की **दारी**ख 45 विम की जविभ या तत्सम्बन्धी अथिकतयाँ तुषनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, अर्थ भी जबीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किती व्यक्ति बुबारा;
- (ख) इस स्थाना के राजधन में प्रकाशन को तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिलबद्ध किसी कन्य व्यक्ति इवारा अभोहरताक्षरी के पास लिसित में किए का सकती।

ल्याकरणः --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष दोगा, को उस अध्यास में जिया will Egi

उनसमी

फ्लैंट नं० 104, जो, 1 ली मंजिल, इमारत नं० डी-2, प्लाट गं॰ दी, राधाग्राम व्हिलेज, कोले कल्याण सांताकुज (पूर्व) बम्बई-55 में स्थित है।

ग्रनसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई०-3/37 ई० ई*०*/ 19615/84-85 श्रीर जी सक्षम प्राधिारी बम्बई उत्तर दिनांक 1-5-1985 को रिक्स्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी) सहायक आयक आयुक्त (निरिक्षण) प्रार्जन रेंज-न3, बम्बर्ड

दिनां 3-12-1985

भारत सरकार

कार्याक्षय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० प्राई-3/37 ई०ई०/19617/84-85---- मतः मझे ए० प्रसाद,

जायकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (पिको इसमें इसके प्रकान 'उकल अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/-रु. से विभक्त है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 407, जो. 4थी मंजिल, हमारत ही-2 फ्लाट नं० डी०, राधाग्रांस व्हिलेज, कोले कल्याण, साताकूज बम्बई-55 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), श्रीर जिसका करारनाम श्रायकर स्थितियम, 1962 की घारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-5-1985

कां वर्गोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिकास के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिकान में, एसे क्रयमान प्रतिकान के पंक्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्निति कित उद्देश्य से उकत अंतरण मिकित में आस्तिवक क्या में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक कें वाजित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
- (श) ग्रेसी किसी बाय या किसी धन या बत्य बास्तियों की. जिल्हों भारतीय द्यायकर अधिनिष्या. 1999 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम. ज्ञा धनकर अधिनियम. जा धनकर अधिनियम. जा धनकर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती देशारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जारा दाहिए थो, छिपाने में सुविधा से शिष्ट:

अतः अवः, ज्वतः अधिनिध्यः की धारा २६०-॥ वं, बहासकाः में में नातः कीधिनियम की धारा २६०-च की उपस्पान के क्षीतः निस्तिमित कावित्यों, ब्रथींस् : (1) में अर्न भूनील चिल्डमं।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मंगला पी० र।उन ।

(श्रन्तिरती)

कार्य सह स्वाना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिप् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अमिश, को भी जबिश बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यापत;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वध्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, को उच्छे अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित ही, बही कर्ष होगा को उस अध्याय में विया गया है।

नगस्य

फ्लैट नं० 407, जो, 4थी मंजिल इमारत नं० डी-2 फ्लाट नं० डी, राधाग्रांम व्हिलेज, कोले कल्याण, सौनाऋज, बम्बई-55 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि फल सं अई-3/37-ई०ई०/19617/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्रयिश्वनारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद न्क्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण) ग्रजन रेज-3 बम्बई

विनांक: 3-12-1985

प्ररूप नार्दः टी. एम. एस.,-----

नायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्गन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3, दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ऋई०-3/37-ई०ई०-19170/84-85—-**अ**तः मझे, ए० प्रस्तुत

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर शिवकी सं० फ्लट तं० 3, जो, 2री मंजिल, श्रक्बर श्राण्डंमेंन्ट्स, उपलिन्ता, बम्बई-29 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रिजिस्ट्री है, नारीख़ 1-5-1985

की प्रें कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शिक्कल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रांच, अतके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्र प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के कीच एसे अन्तरण के लिए तम वाया गवा प्रतिकात निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक क्रम से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्मरण तं हुई किसी भाग की बाबत, उसत नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाज़ित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविभा के जिए; और/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नजा भा वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुकिथा के लिए;

अतः बयः, उक्त जीधीनयमं की धारा 269-ग के अनुकरण में, भैं, उक्त अधिनियमः की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित स्वक्तियों, अर्थात् :--- (1) मसर्सं कुरेशी इंटरप्रायजेस ।

(श्रन्तरक)

(2) उमा पदमनाभन।

(श्रन्तरिली)

कों यह सूचना जारी करके पृथींयत तस्पत्ति के अर्थन के सिख् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्ले**इ भी आक्षेप** ;---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी मन्य भ्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पाइं विविद्या में किए जा सकोंगे।

स्थळकिरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

अनुसूची

फ्लट नं० 3, जो, 2री मंजिल, श्रकबर श्रपार्टमेन्ट्स, कालिना, बम्बई-29 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि फ़ मं श्रई-3/37-ईई/19170/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्राप्त अम पाधि हारी सहायक श्रायकार श्रायुक्त (तिरिक्षण) श्रजनरेज-3, वस्वई

दिनांक: 3-12-1985

मुक्त भाषी हो, धून एक

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) में सभीन सुखना

नार्व क्यान

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रोज-3, बम्बई
बम्बई, दिनौक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० प्रई-3/37 ई ई/19488/84-85--- मतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-द के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विकास करने के कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1.00,000/- रहत से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं पर्नेट नं बी-20, जो, रेनबो व्ह्यू को-श्राप हाउसिंग सोसाइटी लिं , वाकोला, सांनाफुज (पूर्ण), बम्बई-55 में स्थित हैं (श्रीर इस उपावद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित आजार मृत्य से कम के कपमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गुर्द विष्वास करने का कारण यह हैं कि सभापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्योध्य से उन्त संतरण निवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर देने के मृत्यरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के न्सर, श्रीद्व/के
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, विनहीं सारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या धनकर वृधिनियम, या धनकर वृधिनियम, या धनकर वृधिनियम, विश्व (1957 का 27) के अधोषनार्थ अन्तरियो द्वारा मुख्य नहीं किया वृधा था या किया श्राम आमा आहिए था किया में बुद्दिया में बुद्दिया में बुद्दिया में विद्युः

अतः आः, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग क्षे अन्सरण मो, भौ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अन्ने अधीर 'निम्नलिखित व्यक्तिगों, अर्थात् ∷— (1) श्रीमती भारती करनाकर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एल० एम० मनाडो।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी कारनी पृष्टियस सम्पत्ति सै अर्थन के हिन्छ कार्यवाहियां करता हुं।

अक्षय हरणित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई मी नामोद :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क), इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकर्ग

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त बच्दों और पदों का, जो जस्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याम में दिया भना (°)

बनुसूची

फ्लैंट नं० बी-20, जो, रेनबो व्हयू को-भ्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, वाकोला, सांताकूज (पूर्व), तम्बई:55 प्रें स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि सं भई-3/37-ईई/19488/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रताद नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

चिनांदा: 3-12-1985 गंटर च

माहर 🖫

प्रकथ बार्ड ती एस एए ----

1001 (1001 = 10) =

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुजन

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरक्षिण) भर्जनरेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देण सं० म्राई-3/37-ईई/19052/84-85---म्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह निश्वास अर्ज कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो, 1ली मंजिल, सी-विंग इमारत नं० 4, दामोदर पार्क, ए० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (स्रीर इससे उवाबद्ध स्रतुसूची में स्रीर पूर्ण रूप वर्णित है स्रीर जिसका करारनामा स्रायएर प्रधितियम, 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिए।री के ायात्रय में रजिस्ट्री है, सारीख 1-5-1985

को पूर्वों कर सम्पत्ति को उचित बाजार बृस्य से कम को इस्समान प्रतिकान को लिए अन्तरित को नहीं हों जार सभी यह विक्रवास सन्दे का नारण हो ति वधापूर्वित सम्पत्ति का उचित अन्तर पूर्व्य, उसके दस्यमान प्रतिकाल से एसे क्रयमान प्रतिकाल का पत्नद्रह एकिएण से अधिक ही और अन्तर्यः (अन्तरकार) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया वया प्रतिकाल, निकालिक्षित उद्देश्य को उक्त अन्तरण लिखित को बास्तरिका कर से अधिक नहीं किया सवा है :---

- (क) अञ्चल ने हुए जिल्ली पान कर बावत, जनस अधिनियम के लभीन कर बाने के अन्तरक के दासित्व में कभी कारने या उसने वचने में सुविश्व के निष्; और/या
- (का) एसी किसी नाम मा किसी भन या जन्म जास्तियों को, जिन्ही भारतीय नाम-कर जिन्ही मार 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या भनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, जियाने में सुविधा से निस्ता

क्ष**त: अब, उक्त अधिनियम**ं की भारा 269-ग के अनसरण क्षें, औं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) क्ष्रुं त्रुभीत, जिल्लीचित्र क्य**्विस्यों, अर्थात्** (1) पारूल इंटरप्राइन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री स्त्रामीनाथन श्रीनिवासन।

(ग्रन्तरिती)

की यह श्षता **वारी करने प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्षत के विए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोड़ों भी आक्ष्मेप .---

- (क) इस सूचना के राजपण्णी में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ कर सूचना की तामील से 30 दिन की लविधि, जिल्ला भी अविधि बाद में समाप्त होती हुए, के भीतर एक्किन न्यिन्तयों में से किसी स्विकत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितम्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सकोंगे।

स्वय्यौकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त जिथितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मबा है

प्रनुसूषी

प्लैट नं० 1, जो, 1ली मंजिल, सी-विंग, इमारत नं० 4 धामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-3/37 ई०ई०/19052 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद कक्षम गाविकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्क (दिरीक्षण) भ्रजन रेजि-3 वस्त्रई

दिनांक 3-12-1985 मोहरः प्ररूप बाई.टी.एन.एस. ******

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/19035/84-85----- अतः ृमुझे, ए० प्रसाद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परवात 'उकत विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावण सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, 4थी मंजिल, कृष्णा इमारत, फ्लाट नं० 1866 से 1869 ए० बी०, कालिना, सांताकुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका सरारनामा श्राक्तर श्रिधिनम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के नायिलिय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्याबान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार ब्रूच, उबके क्याबान प्रतिफल से, एसे क्याबान प्रतिफल का पम्सह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उकत अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उपत बॉक्शनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,, बार/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नया था या किया आना आहिए था, छिषाने के स्विका भी विषय;

क्या अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को उधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अ्थोंत् :--- (1) राजगोत्स बिल्डसं प्रायवेट लि०।

(म्रन्तरकः)

(2) श्री जी० वेन्टीश जे० डिसोमा।

(भन्तरिती)

को यह ब्यान वा<u>रों कडके पूर्वोक्स सम्पत्ति के मूर्वन में विव</u> कार्यवाहियां करता हुने।।

दक्क सम्मित् के ब्रुवंश के संबंध को कोई भी नाक्षेत् :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारिंच से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्ध अभिक्ष इसरा, अभोइस्ताकरी के पास किसित में किसे का क्केंचे।

स्थ्यतीकरण :-- ६ अमें प्रयुक्त क्षेत्र्यों और पदों का, को उक्त अधिनियक, को अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वही अर्थ होगा, जो उच अध्याय में दिशा वृक्ष हैं।

ननसूची

फ्लट नं० 1, जो, 4थी मंजिल, फ्रुष्णा इमारत, प्लाट नं० 1866 से 1869 ए० बी०, हालिया, सांताऋुत (पूर्व) बम्बई-55 में स्थित है।

ग्रनुमुची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/19035/ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राविकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बस्बई

दिनांक 3-12-1985 मी**हर**ः

प्रकार बाहाँ । द्या , एव । एक , -----

बाथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाहा 269-व (1) वे गणीन स्वना

भएक बेह्नाड

कार्थालय, सहायन नायकर नायुक्त (पिरीक्षक)

श्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर 1985

निर्देश सं० प्रई-3/37-ईई/18986/84-85---अतः; मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन संाम प्राचित्र की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बंद , जिसका उचित वाधार मुक्य 1,00,000/-का से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव फ्लैट नंव 12, जो, इमारत नंव 8, 3री मंजिल, सीटी एक नंव 5983, ध्रुरविंद नगर, बालिका, सांताक्षुज (पूर्व), बम्बई-29 में स्थित है (ग्रीर इससे उणबंद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीफ़ जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 1-5-1985

को पूर्वेषित सम्मरित को जीवत बाजार ब्रुप्य से क्रम के ज्यानान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंनत सम्मरित के उचित बाजार ब्रुप्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से. एसे रस मन प्रतिफल का जन्मह प्रतिवात से विश्वास है बीर वंता है (वं... रखीं) बीर वंतरिकी (वन्तरितियों) के बीच पूर्व अन्तरम से लिए हम दाया वना प्रतिकात, निम्नतियित के देन से क्षम बन्य कर्मा की स्वास कर से स्विम्स क्षम से स्वास कर से से स्वास कर से स्वास कर से से स्वास कर से स्वास कर से

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (।) शीमनी एम० ए५० मुस्ते।

(ऋन्त्र्ह)

(2) श्रीमती एस० श्रार० देशमुखा

(ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जा । करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन की निष् कार्यवाहियां कारहा दूर्य।

उक्त सम्पत्ति है अर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप--

- (क) इस सुवान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुवान की तार्शन से 30 दिन को अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हि तबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरण:—-इसमें प्रमुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अभिनियम के ने याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कथे हैं या जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

वन्त्र्या

फ्लैंट नं 12, जो, इमारत नं 8, 3री मंजिल, सीटीएस नं 5983, भरबिंद नगर, कालिना, सांतौकुर्फ (पूर्व) बम्बई-29 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि कि नि श्रई-3/37-ईई/18986/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रताद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग-३, गम्बई

विनांकः 18-11-85 बोहर: प्ररूप बाह्यं हो पुरा पुरा प्राप्त ।

आयकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, अहायक बायकर बायुक्त (निक्रीक्षण)

ग्रर्जनरें ज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 18 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्राई-3/37ईई/19074/84-75--- ग्रतः मुझे,

आमकर सभिनित्तम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उत्पन अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वनस करने का कारण हैं कि स्थानर कन्मित, विश्वनता उचित आकार मुख्य 1.0⊌,9⊌9/- कः तै करियक हैं

भीर जिसकी मं० फलेट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० 11, कपाडिया नगर, सी॰एस॰टी॰ रोड, कुर्ला(प), बम्बई-86 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), श्रौर जिसका श्रीयकर करारनामा श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-5-1985

का प्यायत सम्पात के उभिन्त वामार मृज्य से कम के बच्छामान प्रतिफल के लिए अंतिरत की गर्द हैं और मूम्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथल्लेक्त सम्पत्ति का अभिन्त बाजार मृज्य, उसके बच्छामान मित्तिकल ने एसे बच्छामान प्रतिकल का पत्तह प्रतिक्षत से अधिक हैं और जन्तरक (अञ्चरकों) और जन्ति पति (अञ्चरिवियों) के सैन्य एसे अख्याय से लिख सम्प्राया गया, प्रशिक्त , मिन्निस्थित उद्दर्शन से स्वस्त अध्वरण निश्चित में बाल्किक रूप से सिक्त महीं क्या गया है हैं

- (क) अन्तरण से मुद्द जिसी आय की वायत, उक्त विधिनियन के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कनी करने या उससे वचने में सुविधा वायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनायक, पा १८१-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविभ्य भे सिद्ध;

नतः सव, उक्त कीर्धनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, !तस्त्रजिनिकत व्यक्तियाँ,; जर्मात् स— (1) श्री एसः एच० नियामत्ल्लाह् ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री एस० बाय० काशी।

(भ्रन्तरिती)

का यह तुचना जारी करने पूर्वोक्य सभ्यक्ति के अर्थन के विद्र कार्यवाहियां करल हो।

उचल सम्बन्धि के बर्चन के बंबंध में कोई भी आक्षेत्र हु---

- (क) इस त्याम के रायमत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की वर्षीय या तत्यांचन्त्री व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अवस्थ याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इंशारा;
- (क) इत सूनमा के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिश के मीतर उक्त स्थावर कम्मीत में हिस-बक्त किसी जन्म करिक्त द्वारा, अभोहत्ताभारी के गाव शिक्ति में किश् का क्रिकेंगे।

अनुसूत्री

पलेट न० 403, जो, 4पी मंजिल, इमारत न० 11, जपाडिया-नगर, सी०ए स०टी० रोड, जुर्ला (प) इ बम्बई-86 में स्थित है। श्रमुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/19084/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक 'श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रें ज-3, बस्बई

तारीख: 18-11-1985

मोहरः

बद्धाः बाह्रांछ दी_ल एत*् एत*् -----

बावकर विधित्तियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-त (1) के अधीन कुल्ला

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आवृक्तं (निरुक्तिण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 18 नबम्बर, 1985

निदेश सं० श्रई-3/37ईई/19179/34-85— श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ब्लाक नं 4875, जो, हमारत नं 175, मुवर्ण रेखा को ब्लाप हाउसिंग सोसाइटी लिं , पंत नगर, घाट-की पर, बस्बई-75 से स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबंब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका कारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रों है तारीख 1-5-1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिक्त कल निम्मिलिखत उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक क्या से कांधत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के अधिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के अधिनयम के किसी करने या उससे बचने याँ स्विधा के लिए; आरि/या
- (क) एसी किसी जाय या वि.सी धन या अन्य आस्तिय। को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया काना भाहिए था छिपाने में सुविधा

भतः नव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, अवत अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीय नियमितिका व्यक्तियों व्यक्ति :—
34—436 GI/85

(1) थार्मि०एस० जोशी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीर ए० जे० मेहता।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किए व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

ल्क्डोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया दै।

अन्स्ची

ब्लाक नं ० 4875, जो, इमारत नं ० 175, युवर्णरेखा को०-ग्राप० हार्डीसंग मोमाईटो लि०, पत नगर, घाटकोपर, बम्बई-75 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कर संर अई-3/37ईई/19179/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को र्राजस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 1 -11-1985

मंहर:

श्रक्य आहाँ, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की गारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासक, भहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 18 नवज्बर 1985

निदेश सं० श्रई-3/37^{ईई}/19466/84-85--- स्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर मीभिनियम, 19'6'1 (1961 का 43) (जिले स्टिंग स्टेंग्डान जिल्ल मीभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 1, जो, श्राणिण इमारत 38, गारो-डिया नगर, घाटकोपर (प), बम्बई-77 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णस्य से विश्वत है), ग्रौर जिनका जा रर-नामा श्रोयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क्य के स्रोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-5-198 5

को पूर्वोक्षत संपरित के उचित बाजार मूल्य यं कम के अध्यक्षणन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिक्वास मुखे यह विक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके उस्ममान प्रतिफल से, एमे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरित (अन्तरिक्षित) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्तितिस्स उच्चेद्य से उक्त अन्तरण सिखत में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया, हो :—

- कि) बन्तह्व वे हुई कियी बाय की बाबत अक्त कथितियम के अधील कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में विभिन्न के लिए; बीर/मा
- (क) होती किसी बाब वा किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 की 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के बक्तेयवार्थ बन्दरिती हवारा प्रकट नहीं किया वस या या किसा जाना धाहिए था किसा है ये सुविधा के सिए;

शतः वय, स्वतः विविधित्र की बारा 269-व की व्यम्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) व्यः अधीर, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्रीमति पो० बी० खाजी।

(श्रन्तरक)

(2) श्रोग्स० सः चोधरी।

(ग्रन्तिंग्तीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्जन के लिए कार्यकाहियां करका है।

उक्त सम्बक्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाखीप :---

- (क) इस ब्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सजाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त स्थानितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाणित की तारीच हैं
 45 दिन के भीएर उचत स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखिश में किए का सकींचे ।

रमस्त्रीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगां जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुशुची

ब्लाक नं ० 1, जो, श्राणिण इमारत, 38, गरोडिया नगर, घाटकोपर(पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

श्रनुसूची जैना कि कि में श्रई-3/37ईई/19466/84-85 श्रौर जो ाक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रशाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बम्ब**ई**

तारीख: 18-11-1985

मोहरः

अष्य आहु . टी. ध्न. एस.-----

जायकर प्रार्थनिएम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-क (1) जे अधील मुक्का

भारत भरकार

कार्यात्रथ, सहायक जायकर काश्यस (निरोधान)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 18 नवम्तर 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37ईई/19412/84-85—→ श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आमकर क्रांधिनियम, 1961 (1961 का 43) । जिसे इनमें इसके पश्चात 'उक्त क्रांधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के क्षीन मक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बत्ता, जिसका उचित बाजार भृष्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संज्ञ फलेट नंज 103, जो, 1 ली मंजिल, शिल्पा-इमारत, प्लाट नंज 40, गारोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बस्बई-77 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णस्य से विगत है), ग्रीर जिसका कराज्ञामा श्रायक्षर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कला के ग्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। सारीख 1-5-1985

कों प्वेंक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्वंद्य स उकत अंतरण लिश्वित में बास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंदरण संहुइ किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम की अभीन कार योगे को अंतरता, ल दायिस्थ मी कामी कार्य मा उससे बचन म स्थित। कालिए, और/का
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की पिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, अस्ति। कि अधिनियम, अस्ति। कि अधिनियम, अस्ति। कि अधिनियम, 1957 (1957 का प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

बतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के सभी ।, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रोमति सो०एच० डाक्नन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमति जी०क० थांगामल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के जीतए क संबर्धहर्म करता हो

उन्त सम्बंदित के अनंत के सम्बन्ध में कार्र भी शक्ष्म .---

- (क) रस सुष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पृथान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्योक्त व्यक्तिया में से किन्दी अवस्ति होता है।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वारें। जो उस अध्याय में दिया गया हो।

ग्रनुसूची

पलेट नं ० 103, जो, 1 ली मंजिल, शिल्या इमारत, प्लाट नं ० 40, गारोडिया नगर, भाटकी मा (पूर्व), यमप्रई-77 में स्थित है। धनुसूची जैसा कि कर सं ० प्रई-3/32ईई/19412/84-85 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, यम्बई हारा दिनाँक 1-5-1985 को रिजस्टडई किया गया है।

ए० प्रसाद, यक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रात्क्य (निरोक्षण) ब्रजीन रिज-३, बभ्बई

नारीख: 18-11-1985

प्ररूप आर्धं.टी.इन.एत.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) स्नर्गर रेंज-3, वस्वर्ष

बम्बई, पिर्तांक 10 प्रकाशन 1985

िर्देश मं० %ई-3/37~ईई/19489/84-85 —अलः, मुझे, ए० प्रसाद,

आगकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

आँ। जिसकी मंद फ्लैंट नंद 23. जा, 3री मंजिल, उपा, प्लाट नंद 194, गरराडित त्यार, बाटकी ए (प), बस्बई-77 में स्थित है (ओर इसमें उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण क्या से घणित है), और जिसकी करार तमा जारकर विधितिसम, 1961 की धारी 269 कुछ प्र अजात, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीज 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आप । बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (धं) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्म बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

(1) श्रा कि एत० भट्ट ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री बीठ एउठ दुकिया ।

(अन्तर्गःतीः)

का यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

. उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

पण्डा नं ० 23. जी, अरी मंजिल, उसा, प्लाट नं ० 1.91, गारोडिया नगर, घाटकोयर (४), बण्बई-77 में स्थित है।

व्यनुसूर्वा जैमा कि कर्रार प्रष्ट्-3/37-ईई/19489/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनाक - 1-5-1985 की रिजिल्ड के किया प्रथा है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राथकार स्नायुक्त (िर्दाक्षण) स्रजैन रें ज-3, जम्बई

भारों ब : 18-11-19**8**5

महिंद

प्ररूप आहर् . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बल्बई

बमबई, दि तक 18 नवल्बर 1985

िব্রীণ ল'ত সাই-3/37—ইছ/19079/৪4-৪5 - সাল:, मुझे, দ্তস্পারে

आयकर अधिितयन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी लंक फ्बैट नंक 406, तो, 4थी मंजिल, इसारत नंक 1.6, का ति । भग , साव्यस्व रोक रोड, कुली (प), वस्बई-70 मान्यत है (और इस । उत्ताबद्ध पतुत्वा में और पूर्ण रूप ने विणित है), और जिनका कता । तमा आधक आधिनियम, 1961 की धारा 239 जहां कि व्यक्ति अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में जिस्ट्रें, है, सार्वास्त्र 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके रहरमान प्रतिफल से, एमे रहरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त आधिराग के पंधीर कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) दोला बिल्डर्भ प्रा० लिए।

(अन्तर्गका)

(2) थामानि एव० ए० रक्साका।

(क्ष्यारितंत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'रेनेट नें० 406, जो, 4थी मंजिल, इसारक्ष नं० 16. कर्णाइया नगर, सी०एस०टों० जोड, कुर्ली(प), वस्बई-70 में स्थित है।

अनुसूर्चः जैसा कि कर संर अई-3/37-ईई/19079/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिन्तक 1-5-1985 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, बक्बई

निसं**स्थ**ः 18-11-1985

महिर:

प्रकष भाइ. टी. एन, एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत भारकार

कार्यालय , सहावक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजित् रेजिन्यः बस्वई

बम्बर्ध, दिनांक 18 तदम्बर 1985

िर्देश सा० - यई-3/37—ईई/19078/84-85 · -यतः, सुझे. ए० प्रसाद,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 265 का अधिन अध्य आ प्रकार की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 401, जी, 4थी मंजिल, इसारत नं० 6, कर्राडिया तमर, सिल्एमर्ल्टा० रोड, कुर्ली(प), बम्बई-70 में स्थित है (आर इस र उसबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कर ने बिणित है), जाए जिसका करारतामा आएकर अधिनियम, 1961 के धारा 269 गई उसे से समूचे स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सार्रिक 1-5-1985

को पृत्रों क्त सम्पोरत के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाउत, उक्त अधि-ित्यम को अधीन कर दोने को बात्रक को बाबित्य में नक्षी करने मा अससे व्यने में ख़ीनवा को बिख; बीक्ष/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आपकार अधिनिज्ञ, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बीभिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवेचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियान में सुविची के लिए;

क्तः अव, उक्त किंधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) दापक विरुद्धने प्रा० लिए।

(धनग्रह)

(2) श्री एस० एम० छर-रणीद :

(अन्तरिनी)

का वह स्वना खारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन कं लिए कार्यवाहियां करता हा॥

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को जी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से सिक्ती व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए का सफ्तेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उपत विधिनियम के अध्याय 20-क कें परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता. वो उस अध्याय कें विक. प्या हैं।

अनुसूची

पलेट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० 6, कपाडिया नगर, सी०एस०टि१० रॉड, कुर्ली(११), एफनई-70 में स्थित है। स्रमुखी औसा कि कर्र मं० %ई-3/37ईई/19078/34-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिजिस्टर्ड किया गंगा है।

> ए० प्रसाद सहायक प्राप्तक 'आशुक्त' (क्रि.**क्ष**ण) सहायक प्राप्तक 'आशुक्त' (क्रि.**क्ष**ण)

सारीख: 18-11-19**8**5

माहर:

त्ररूप काइं.टी. एन. एस. -----

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत संस्कार

भागांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

इक्षिरें ज-3, बस्बई

बन्बई, दिलांक 18 नवस्वर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/19147/84-85 - अत:, मुझे, ए० प्रसाद.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269 का के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,09,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी तं जिस्ते नं 4 ो, जिस्मिजिल, सी-चिम, इमारत नं 4, दामोदर पार्ट, एल०बी०एस० मार्ट, घरटकोपर(प), बल्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का ने जिलत है), और जिसका करायनामा आयकर अधिविरम, 1961 की धारा 269 कह के खील, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को प्वांक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भून्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में अस्त-विक कुल से क्यिश नहीं किया यसा है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बागत, उक्त शॉंधातियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (का) एँसी किसी गाय या किसी धन या जन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता बाड़िए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण त', कैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) पारूल इन्टरप्राईन।

(अन्तरक)

(2) श्रंत जीव रंगताथन ।

(अन्तरितं:)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं:

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरों को पाल सिखित में किए का सकोंगे।

स्पर्खाकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियक, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यान में दिया गया है।

अन्सूची

प्लैट नं० 4, जो, 1ती नंजिल, सं-िया, इना हा नं० 4, बामोदर पार्क, एल०वी ०ए५० मार्च, घाटकी वर्ष प्र), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० ऋई-3/37-ईई/19147/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर कायुक्त (िरीक्षण) प्रजेन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 18-11-1985

प्रकार अस्ति हो एक प्रस्ता (1) अ

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

क्षश्रीमय, सहायक मायकर नायक्त (निद्रीकाक)

अर्जन रेंज-3, पम्पई

बम्बई, दिशांक 18 अवम्बर 1 85

िदिश मं० अई-3/3/37-ईई/19188/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद

भागकर गाँभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतवाँ इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

द्यार जिल्लकी सं० जमीत का स्थिता, जिसका सी० एक० 229 ग्रॅंस 229/1 ग्रॅंस 2, 541-542 541-542 सुभाप अगर गली, न्यू मिल रोड, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है (ग्रॉंस इससे उपाबड़ अनुभूची में ग्रॉस पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीस जिसा करार नामा आयण्य अधिक्षिम 1961 की धारा 269क,ख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि बभापबोंक्त सम्मत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एते दश्यमान प्रतिकल का यन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया भया प्रतिकल, निम्नलिबित उब्देश्य से उसत अन्तरण जिल्लान में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आम की आवत, उक्त आधिनियम के अधीप कर दोने के अंतरक के वाबित्य में कनी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर निधित्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधित्तियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अंतरिसी व्यापा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, खिपाने में सुविधा के निहाः

शत: गव, उक्त जीधनियम की धारा 269-ण के जन्सरण भं, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की सपधारा (1) के अधीन, नियनिजिसिस सास्तिस्पर्ध अधीर क----

- (1) अमीन।बाई डी० मिठाईबाला ग्रांर अन्य । (अन्तरक)
- (2) श्री वि० एस० केनिया।

(अन्तरिती)

को यह सुचना कारी करके पूर्वोक्स सन्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उन्दा सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्चना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपन मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित्ववथ किसी बन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्रणकारी के पास सिचित मों किए जा सकोंगे।

स्पन्निकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्बों और पर्वों का, को उक्त अधिनिक्स, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मना हैं॥

अनुसूची

जमीत का हिस्सा जिसका सी० एस० नं० 229 ग्रीर 229/1 ग्रीर 2, 541-542, जुभाष तगर गली, न्यु मिल रोड, कुर्ला, बम्ब ξ -70 में स्थिन है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37 ई $\frac{1}{5}/19188/84-85$ फ्रींर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढ़ारा दिनांक 1-5-1985 को एजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद लक्षम प्राधि पारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) ऋति रेंते—3, बाबई

दिनांक : 18-11-1985

मुख्य शाय . टा. १न. एस. .-----

आयकर अभिनित्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (१) के अभीन सचरा

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनां र 18 सवम्पर 1985

भिदेश सं० अ**ई**-3/37ई**ई**/19340/84-85--अत: **मुझे,** ए० प्रसाद.

वायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थाप्तर संपत्ति, जिसका उचित बाजार स्वय 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव दुराध नंव 6, जी धा माला, स्वास्थिक चेंधर्स पाईध, रोड, कुर्ला बम्बई-70 में स्थित है (श्रीर इक्से उपापड़ अनुभूची में श्रीप पूर्ण रूप में विवत है) श्रीर जिसका क्यारनामा आयकर अधिक्षिम 1961 की धारा 269र, ख थे अवीध बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-5-1985

को प्रयोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ब्रियमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यभाउनोंबत सम्पत्ति का उचित बाबार मृष्ट, उसके ब्रियमान प्रतिफल से, एसे ब्रियमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया ज्या प्रतिफल, निम्नसिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिनिक्त में अस्तिनक रूप से किया नहीं किया, गया है,

- (क) बन्दरण सं हुई किसी बास की बायदा, समझ बीधवितन में अधीन कार दोने को बन्दरक की बामित्य में कामी कारने वा उसने व्याप्ट में सुविधा के सिए; बीट/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या किसी आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्वारा अकट नहीं किया गया था मा किया वापा वाहिए था, जियाने में वृद्धिया के निराप्त

जतः अर्था, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर मिस्टिनिक्स क्यक्तियों, अर्थात् म्च-35—436 GI/85 (1) भेक्षमं एम० जिल्डसं ।

(अन्तश्क)

(2) नेवर्म बालेसिमा प्रोडक्टम ।

(अन्न रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्पद संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 किन की जबिध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकिंब व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियुं इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरू क्षरी के पास निस्ति में किए या सकी ।

स्थव्यिकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विवा मवा है।

अ**न्भूची**

दुकात नं क को 14 नाना, स्वास्तित वेंबर्स पाईप रोड़, कुर्ला (५), पस्पई-70 में स्थित है ब अतुंसूची जैसा कि कम मं अई-3/3/ईई/19340/ 85-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई दारा दिनांक 1-5-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद चलम प्राधिकारी सहायकं अध्यकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्ब**ई**

दिन्ति : 18-11-1985

मोहर ।

THE REPORT OF A PROPERTY OF THE PROPERTY OF TH

अक्ष बाह्र हों. एवं. एसं. अन्यन

नामकर गोपनिवास, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-न (1) के अभीन सुवाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिशांक 18 भवम्बर 1985

निवेश सं० अई-3/3;ईई/19341/84-85---अत: मुझें, ए॰ प्रसाद,

बायकार बीधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तर्में इसके प्रकात 'उक्त बीधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिनकी संव दुहान नंव 15, जो तल माला, ह्यास्तिक चेंबर्स , पाईप रोड़, कुर्ला (पव), बस्बई-70 में स्थित हैं (धौर इससे उपाबद अनुभूची में और पूर्ण क्य से विशित हैं), धौर जिसहा प्राप्तामा आयकर अधिरियम 1961 की धारा 269 हे, खाके अधीर बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय ह रिजिस्ट्री है नारीख 1-5-1985

की पर्वाक्त सम्पन्ति के तिला आकार सम्य में कम के श्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गढ़ है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार म्स्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में, एसे इश्यमान एतिफल का बंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया हिफक, निम्निनिवित उद्देश्य में अक्त अस्तरण किवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की पावस उक्त अधि-लिगम के प्रजीन कर की के अन्तरक के दायित्य मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; वरि/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण भौं, मैं उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) कें अधीन, अमस्तिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भेसर्स एम० बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० पी० जगदाले।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करकों प्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्ठ कार्यवाहियां करता हुं।

उत्कत संपरित के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रस् स्थान की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, जो भीतर प्रांतिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशारा;
- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन के भीटर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरेंगे।

न्यच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एशों का. को अक्त श्रीधनियस के अध्याप 20 का में परिशाचित ही, वहीं कर्थ होगा को उस सध्याय में दिया वजा ही।

वन्स्ची

दुकाम नं ० 15, जो नल माला, स्वास्तिक चेंबर्स, पाईप रोड, कुर्ला (५०), बम्बई--70 में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि कम मं० अई-3/3/ईई/19341/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद पक्षम प्राधिकारी संपायक आयकर जाबुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्**यई**

दिभांक : 18-11-1985

والمستعدات والمتعالية والمتعادية والمتعادية

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-3, बम्बई

बसाई, दिनांस 18 प्रस्वर 1985

िदेश सं० अई--3/37ईई/19345/84--85--वनः मुझे, ए० प्रयाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्ली सं ब्लाब नं 101, जो रायरिंग सन को , श्रीप ब्रह्मित सोनायदी, पार्रजात इमान्त, गल माला कुर्ला, बम्बई—24 में स्पि। है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने बणित है) श्रीर जिसका करारमामा आयहर अधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रावीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्बत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए

अत: अब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण मे, मैं,, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (†) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मिरादास गुप्ता।

(अन्तरक)

(2) श्री वि०डी० अमोणाहर ग्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिष्यं अध्याहां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूर्च}

अनुसूची

ब्लाइनिरु 101, जो रायितिहान हो अप्रोपन हाउसिन सोनायटी ,पारीनात इमारा, तन माना, कुर्ता,वनाई-34 ई स्थित है।

अनुभूची जैता कि कत पंच तहे-3/37ईई/19345/ 84-85 श्रीर जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिहेड 1-5-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ्र गाउ सिक्षा गाविकारी सहायक आयाकर आयुक्त (किरीकाण) अर्जाक्षेज—3, बाम्बई

विभाग : 18-11-1985

प्रस्प बार्ड : थी : एव : एव : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

बारत बरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोंज⊸3, व**म्बई**

बम्बई, दिलांक 18 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ईई---3 37--हैई, 19371/84-85 · यतः मझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी संब दुशन तंब 7, जो. तेल माला, बी-दिंग, स्मारित तंब 6, दामोदर पार्क, एन बी विराह एवं मार्ग, घाटकोपर (प), बभ्वई—68 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिस्ता करारनामा आयद र स्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, केख अधीन बभ्वई स्थित सक्षम प्राधिनार्ग दें र यार्थ में एकिस्ट्री है, तारीख 1—5—1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपोर्त का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, 'नम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में में बास्तविक रूप में कार्यन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयृ की बाबत, उभन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/बा
- (का) एसी किसी आग या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिही द्वारा प्रकण नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, कियान में सुविधा है किया:

नत: अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्धरन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) पारून इंटरप्राइस ।

(अन्तर ह)

(2) श्री टी० थाकूमल ग्रांर **अ**न्य।

(স্থান নির্বা)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ववाहिशं करते हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना क राज्यतत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्यक्तिस दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीकं है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहत्ताक्षरी औं पास लिखित में किए जा सकने।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विया गवा है।

अनुसूची

दुकान नं० 7, जो एल माला, बी-विस, इमारस नं० 6, दासोदर पार्क, ए र**ंबी** ०एन० मार्ग, घाटकोषण, (प), बस्बई- 86 में स्थित है।

ग्रमुभुनी जैसा कि अ० सं० ग्रई-3/37-ईई/19371/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्रमाधकारी, बभ्बई ब्रासा दिनांक 1-5-1985 को रिवस्टर्ड भिष्रागया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज्~3, बम्बई

दिनांक : 18-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीय ब्यूमा

भारत सरकार

क्षयां जय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्-3, बभवई

बम्बई, दिनांक 18 नवभ्बर, 1985

निदेश मं० ऋई--3/37ईई/19398/85--85--श्रनः मुझे ए० प्रसाद,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वके पर नात् 'उवत आंधिनियय' कहा गया है , की धारा 269-ख के गंधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्र गाजार मूल्य 1,09,000/- रह. से मुभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं इ/14, जो तल माला, कालना विहार दर्शन को० श्रीप० हाउरिण सोसायटी, लि०, विवेर अपार्टमेंट, विधानगरी मार्ग, वश्वई-28 मे स्थित हैं (श्रीप इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीप जिसका अरापनामा श्रायन श्रमधित्यम 1961 की धारा 2690, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के यार्थित में रिजस्की हैं, तारीख 1-5-1995

को प्रतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाम प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिकत्त से, एसे दृश्यमान प्रतिकत के बन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा कम निन्नलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तरण म हुई किसी जान की यावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दार्थित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए, और/या
- ्ष) ऐसे किसी जाय या किसी भन या जन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर निभिनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त आंधीनयन, या प्रान्कर विभिनयन, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भारति या राज्य सामित्र स

वतः वयः, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त विभिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती ितित ाड्डिंग ।

श्रान्तरक)

(2) श्रीमती एम० यू० खान।

(भ्रन्तं रिती)

की वह स्थान धारी करके पृथीयत सभ्यत्ति की अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान को राजपण में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ५र स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपात में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबह्य किमी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरः के पास लिजिन में किए जा सकाँगे।

स्पद्धिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, चा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्धी

फ्लेट नं० इ.14, जो तल मासा, वातिना बिहार दर्शन को० ग्रोप० हालिसिंग सोयायटी लि०, विवेद श्रणटंमेंट, विद्या नगरी, मार्ग, बरबई 58 में स्थित है।

श्रनुभूषी जैसा ि क्या सं० ६ (१५६) १८५६ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसील 1-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एक प्रकाद उक्षम प्राधिकारी संपायक ग्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रार्वन रैंग-3, बम्बई

दिनांक : 18-11-1985

मोहर '

प्रकप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) शर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांव: 18 नवम्बः, 1985

निदेश सं० श्रई- 3/37ईई/19459/84- 85- - अत:- गुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव फ्लैंट नंव ए- 401, जो कैलाश प्रस्तत कोव ग्रोपव हाउरिय सोसायटी लिव . 173, विद्यानगरी मार्ग, कालिना, बरवई- 98 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर किसका रागरनामा श्रायतर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1~5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण स्तिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण स हुई किसी आय की बाबत., उक्त आर्थिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा में जिए; बॉए/या
- (च) एसी किसी अाय या किसी अन अस्य बास्तियों की चिन्हों भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

भतः भव, जनत निभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिश्वित स्पृक्तिओं, अधीन है——

(1) श्रीबी० जी० कुलकर्णी।

(अन्परक्)

(2) श्रीमती श्राप्त ए० नलवाला।

(भ्रन्गिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो शी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीं शै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के बादिसार है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नथा है।

मन्यूर्या

फ्लैंट नं० ए/401, जो कॅलाश पर्श्वत को० ग्रोप० हाउसिंग सोक्षायटी लि०, 173, विद्यानगरी मार्ग, कालिना, बम्बई-98 में स्थित हैं ।

श्रनुभुको जैना कि क्रम नं० श्रई--3/37ईई/19459/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद यक्षम प्राधि प्राची सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-३, बम्बई

दिनां क : 18-11-1985 मोहर : प्रकृप शाह^र.टी.एस.एस., ------ (1) १

नायकार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-व (1) के सधीन सुवना

नारत सरकार

कार्गालय, महायक बायकर बायक्त (निर्शक्तिक) श्रर्जन रेज--3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० स्रई--3/37ईई/19288/84-85------स्रतः-- मुझे ए० प्रसाद

शामकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार दिक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धार १६०-स के अधीर गक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्कारित, जिसका उचित बाजार मुख्य (,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रांग शिक्ती संव पलैट तंव 106, जो 1ली मंजिल, इमारस तंव 9, घपाडिया रागण, सीव एमाव टीव गोड , विद्यानगरी मार्ग, कुर्ला (प), यम्बर्ड--70 में स्थित हैं (ग्रांग इससे उंपाबद्ध अनुसूची में ग्रांग पूर्ण रूप में विणित हैं) ग्रांग जिसका गणार-नाम। श्रायकार श्रीधित्यम 1961 की धारा 269क, ख के अधीत बम्बर्ष स्थित रक्षम ग्राधिकारी के कार्याक्य में पिस्ट्री हैं, तारीख 1--5-1985

ो प्योंक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मृस्य से कम के द्रयमान तियाल के लिए अस्तरित की गर्द हैं और मृसं यह विश्वास रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का अधित पाजा पूल्य उसके द्रयमान प्रतिकत्त से, एसे द्रयमान प्रतिकत का रन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और कंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए उच पामा गया प्रतिकात, निम्नति कि के बीच एसे अंतरक अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया वा है ए—

- (क) अन्धरण में हुई किसी बाब की बाबस, अबस मीधितियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दाजिएक में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के बिए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी किया अन्य आस्तियों को निन्ही भारतीय आयक अधिवियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तस अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोषनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में परिवधा से निया;

क्यः वयं, उक्त विभिनियमं की भारा 269-व के अनुसरण में, में उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के तथीन, निम्नीशिक्ष व्यक्तियों, वर्षास् ४----

- (1) श्रीमनी आर्० पी० कौर। (अटारक)
- (2) मास्टार जुनेड ए० के० शेख । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सभ्यत्ति के अर्चन के सिए कार्च-गाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षण:--

- (क) इस स्वाम के श्रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस तृचना ये राजपन में प्रकाशन को भारीभ है 45 बिन के मीलर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्बारा बधोहस्ताक्षरी के शक्ष निकित में किए वा सक्ति।

स्पष्टिकरण: -- इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 106, जो, 1ली मंजिल, इमारत नं० 9, अभाडिया नगर, भी० एस० टी० घोड, विद्यानगरी मार्ग, कुर्ला (प), बम्बई- 70 में स्थित है

अनुभूची जैसा कि फ्रम सं० ग्रई- 3/37ईई/19288/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद उक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकार आधुक्ता (निरीक्षण) स्रजैन रेज- 3, बस्बई

दिनांः : 18·11-1985

प्रारूप बाइ . टी. एन . एत . -----

माधकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 ध (1) के अधीन सचना

धारत शास्त्राक

कार्यासय, सहायक सायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर, 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/19310/84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें का कारण है कि यथापृबंकित संपत्ति का उचित बाजार मृक्व, इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 9, जो, 2री मंजिल, श्री धनलक्ष्मी 78, आर० बी० भेरता रोड़, घटकोपर (पूर्व), बस्बई-77 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारवामा ग्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के प्रतिक का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के प्रतिकत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के निए तय पाया गवा शितुकन, निम्नीनियत स्थ्यकां से उच्य बन्तरम विचित्र में वास्तिवक रूप से किया गया है दिन

- (क) बन्दर्भ वं हुई किसी बाम की नावत, उपक ताँशितियम से संभीत कर दोने के अन्तर्क के खिल्ल् मों कभी करने वा उससे वचने में सुविशा के लिए; बरि/वा
- (श) होती किसी बाय वा किसी पन या जन्य बारित की की चिन्हों भारतीय बाय कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा हो लिखा।

अत: अब, उक्त आंधनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती जीव एचिव कारीया और अन्य । (अन्तरक)
- (2) श्री एम० एन० वारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जब्धि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्यक्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निश्चित में किए वा करों ने।

त्यक्तीकरण:---इतमें प्रयुक्त कव्यों बाँद पकों का, को उपस विभिनियम के वश्याव 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होगा को उस स्थाय में दिका ग्या है ॥

प्रनुसूची

फ्लेट नं० 9, जो 2री मंजिल, श्री धनलक्ष्मी, 78, आर० बी० भेरता रोड़, घाटकोपर, (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कम सं० अई-3/37ईई/19310/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिभांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ट किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जभ रेंज-3, बम्बई

দিন্তি : 18-1-1985

प्रकर बार्_छ हो_य एर्_य प्रव_{ाणकरण}

आंबद-र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के वर्षीन सूचना

HISTER HISTORY

कार्याखण, सहायक नायकर नायुक्त (विद्वक्रिक)

अर्जम रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिलांक 18 मवम्बर 1985

निर्वेश सं० अई-3/37ईई/19470/84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाद

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस

श्रींग जिसकी सं० युक्तिट तं० 4-ए, जो तल माला, इंडस्ट्रियल माला "ए" ब्लाक, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर,, (प), बम्बई-86 में स्थित है (श्रींर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) श्रींर विजसका करारलामा आयकर अधितियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृस्य से कम के सम्बान प्रितिफर को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने अह विश्वास का पंच प्रकार उसके अवनान प्रतिक्त तो, एसे स्वयस्य अतिफल का पंच प्रतिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्धरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए बन पाम न्या प्रतिकत निम्निसित उद्देश्य से उसत अन्तरक सिस्तर में वास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, \$9.22 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधियोजनार्थ अन्यरिती क्लारा प्रकट नहीं किया क्या था वा किया जाना काहिए था जियाने में स्विधा है जिए।

कतः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) बे अधील, निम्निसिक्क व्यक्तिकृषों क शर्वात् ध⊷ 36—436 GI/85 (1) थी पारक एलक समतानी।

(अन्तर्क)

(2) मेदर्भ प्रेसिणन एन्ड आदोमेशन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति को नर्धन के सिए कार्यशाहियों करता हुं।

उक्त संपत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ए---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तादीस के 45 दिन की जविश्व मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ का स्थाना की तामील से 30 दिन की जविश्व, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत क्ष्मा के राजपन में प्रकासन की तारीं हैं. 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्भ किसी सम्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए सा सकेने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जनत जीधीनयम, के अध्याद 20-क में यथा परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया ही।

मनुसूची

युनिट नं० 4ए, जो तल माला इंडस्ट्रियल माला "ए" क्लाक, एल० बी० एउ० मार्ग, घाटकोपर, (प), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसची जैसा कि कम सं० अई—3/37ईई/19470/ 84--85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 1--5--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसा**द** ंजन प्राधिकारी सहायक आयक्य आपुका (शिरीक्षण) अर्जन रेंज−3, **बस्बई**

दिभाक : 18-11-1985

प्ररूप बार्ड. टी., एन्. इस., ***********

भाषकर विविध्यम् , 1961 (1961 का 43) की भारत २६०-म (1) को वधील स्थान

भारत सरकार

कार्जाकयः, सङ्गयक आवकर वार्वतः (विदीवाच)

अर्जम रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 महस्यर 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/19468/84-85---अत: मुर्झे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं युनिट नं 2, जो तल माला, श्री डायमन्ड सेंटर, प्लाट नं 13, एल बी एएस मार्ग, विकोली, बस्बई –83 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण फूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985 को पूबोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिकत के सिए अन्तरित की गई है और एमें वह विश्वास का कारण है कि यथापूबोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के पंतर अस्ति का उचित वाजार मूल्य उसके रच्यमान प्रतिकत के पंतर असकित रच्यमान प्रतिकत के पंतर अस्ति का उचित वाजार मूल्य उसके रच्यमान प्रतिकत के पंतर असित वाजार मूल्य उसके रच्यमान प्रतिकत के पंतर असित वाजार मूल्य उसके रच्यमान प्रतिकत के पंतर असित वाजार मूल्य उसके रच्यमान प्रतिकत के पंतर अस्ति का उचित वाजार मूल्य उसके स्थान प्रतिकत चे पंतर अस्ति का उचित वाजार मूल्य उसके स्थान परित वाजार से पंतर अस्ति का उचित वाजार प्रतिकत के पंतर अस्ति का उचित वाजार प्रतिकत के पंतर अस्ति स्थान परित वाजार पर

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उपस अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के द्धारित्य में कमी करमें मा सससे वचने में सुविधा से विद्यु: कीस्/का
- (मा) इसी किसी आप या किसी वन या अन्य आविकारों को, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत विधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया यया भा या किया जाना चाहिए था. छिपाने यें दिवा के नियम के नियम

अतः अव, उक्त जीविनयम की धारा 269-ग के अनसरण ४. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के शक्षील जिल्लानिका व्यक्तियों वर्षा मान (1) मेमर्स चंद्रा एन्ड कस्पनी।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स दामोदर चाकूभाई एन्ड कम्पनी । (अस्रीयनी)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर
 मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पृवेक्ति
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकानन की तारील के 45 दिन के मीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकाष्टिक्षः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का भी उपक अधिनिवस, के अध्याद 20-क में परिभाषित हीं, बही वर्ष होता को तस अध्याप सें निवदा गया है।

धममुची

युनिट नं ० 2, जी, पन माला , श्री डायमन्ड सेंटर, प्लाट नं ० 13, एल० बी० एस० मार्ग, विकोली, बम्बई--83 में स्थित है ।

अनुस्ची जैसाकि कम सं० अई-3-37ईई/19468/ 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहाय ह आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अजभ रेंज~3, बम्बई

दिनां म : 18-11-1985

प्रकप आई .बी. एन. इस . -----

शामध्वर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के सभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज्-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर, 1985

निदेश रॉ० ा ई-3/3 ह-ईई/19319/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रमाद

जासकार अधिनियम , 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकर अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी रांव दुकार नंव 7 जा इमारत नंव वी, तल माला, कैनाण पर्या हो-पापव हाउमिंग पोसाएटी लिव, विद्या लगरी मार्थ, सीव एसव टीव रीड, बम्बई-98 में स्थित हैं (और इसमें व्याबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बणित हैं), और जिसका करारतामा इत्यक्त अधिक्तिम, 1961 की धारा 269फ व ले अधीन, वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, दिनाक 1-5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह पात्रवात में अधिक है और संतर्क (अंतरकों) और संतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नृतिविक स्व्य से उन्त अन्तरण निम्नुतिविक में बाल्य कि का प्रतिक में कारिय के कार्य में कारिय के विद्या गया हैं:——

- (क) अभ्तरण से इन्हें फिली आग की बाबत, उन्चंच भौधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाग्रिक में कमी करने या उत्तर बचने में सूनिधा के किइ; सार/बा
- (था) एसी फिली अभव का फिली भग वा अन्य आस्तियों करों, जिन्हें आरतीय जाय-अन्य अधिनियम, १९०० (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के खिक्;

अतः अबः. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :--- (1) श्रामती मकेराबाई और श्रन्य ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती नजमा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ट सम्पटित के बर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हो।

जमत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजधन्न मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तृपना की तामील से 30 दिन की जवधि, जो भी जवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वक्ति स्थितकारों में सं किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूक्षना के रावषण में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति मां ति । किया कियी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्थित में किए जा सकेंगे।

स्प्रकोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, यो उक्त अधिनियम, अने अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

दुकान तं० 7, जो. इमारत नं० बी, तल माला, कैलाग पर्वत को-श्राप० हाउसिंग सोमायटी लि०, विद्यानगरी रोड, सी० एस० टी० रोड, बम्बई-98 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर संर प्रई-3/37-ईई/19319/84-85 और ं: सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-85 को रस्टिंद फिला गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुक्त रेज-3 बम्बई।

दिलांक 18-11-1985 मोहर : प्रस्प आहें, टी., एन., एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्थेल रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनोक 18 नघम्बर, 1985
निर्देश मं० प्राई-3/37-ईई/19159/84-85---अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 2, जो, 1ली मंजिल, मी-विंग, गजातल नियाम, बाफोला (बहलेज रोड, गांताकुज पूर्व) बम्बई-55 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णिल है), और जिसका करारतामा श्रापकर अधिनियम 1961 की धारा 269क.ख के अधीत बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के क्रायिलय में रजिस्ट्री है, विनाक 1-5-85

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्चेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की आवत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः गव, उक्त अभिनियम की भाग 269 म के आप्रमरण की, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन ह निम्नलिखित व्यक्तियमों,, अर्थात् :---

(1) वैसर्भ राव एण्ड एसासिएट्सर।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रार० डब्ल्यू० श्ररेझ।

(अन्तरिर्तः)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

पलैट नं० 2, जो. 1ती विजित्त. मी-विंग, गजानव निवास, पाकीला ह्विजेज रोष्ट, मोनाकुज (पु०), बन्बई -55 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/19159/ 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी वस्त्रई द्वारा दिनांक 1-5-85 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर शासुक्त (दिरीक्षण) श्रर्जेन रेंज-3, बम्ब**ई।**

दिनोक: 18-11-1935

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अत्थकर वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्का 269-व (1) के धार्थीय स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 18 नवस्वर, 1985

निदेश सं० ऋई-3/3 -ईई/1928 /84-85 - श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

मायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा मया हैं) की धारा 269-स की अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का सकरण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उच्चित्र नाकार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 40%, जो, 4थी मंजिल, सी-विंग, इमार नं० 2, सांति पार्क, पारोडिया जार, घाटको-पर (पूर्व), वस्बई-81 में स्थित है (और इससे स्पाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से पणित है) और जिसका करार-नामा आधकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 209क, ध के ग्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-5-85

को पूर्वोक्त संस्पत्ति को उवित वाकार मूल्य है की कह कि ब्रह्मान क्षितिक को निष्ध अन्तरित की गई है और बहु विक्वास करने का कारण हो कि स्थापनोंकत संस्पति का ब्रिक्त बाजार पृस्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का फदह प्रविचत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंसरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण को लिए एक पावा गया प्रतिकाल, निस्तिवित उद्योगों हो उपन अन्तरण लिखित में मानाविक रूप से कियान नहीं किया गया है

- कि करात्य से हुई पिछती आप को बाजब उन्त क्षीप-विकास के संधीन कर दोने के बन्तरक के जारित्य में कर्मी कहा था उपसे स्थल में सुविधा के लिख;
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) धा अन्य अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रित इनारा प्रकट नहीं किया क्या था का किया जाना चाहिए था, दिनाने में दिया के जिए;

का कर, सक्त कि विश्व की शक्त 269 के के अनुसरण को, में, उकत अधिनियम की भारा 269 के की उपनारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) मैसर्भ निलम डैवलोपर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० बी० घिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्रियां करका हूं।

क्यत सम्मणि के अर्थत के सम्बन्ध में बेतर भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस क्ष्ममा के सम्बंध में प्रकासन की सारीस से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 दिन की समिप, जो भी समिष बाद में समाप्त होती हो, के मौतर पूर्वित्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीखर उक्त स्थावर सम्मीत में द्वित-क्ष्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सर्काने।

स्पन्धीत स्थान प्रस्ते प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत व्यीधनियम, के अध्याव 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होना, जो उस अध्याय में दिका स्था है।

अनुसूचीं

फ्लैट नं 401, जो, 4थी मंजिल, ली-विंग, इमारत नं 2, गांति पार्क, गारोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-8/37-ईई/19281/ 84-85 सार का सक्षान प्राविकारी वश्वई द्वारा दिलांक 1-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-3, बम्बई

दिनांक: 18-11-1985

प्रका सम्बद्धाः की श्री श्री श्री श्री राज्यान

भावकर वीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

PEPER COIK

कार्याक्षयः, सञ्चायक वायकार बाब्यूयसः (विद्शियाण)

प्रजित र्रेज 3. बम्बई बम्बई, दितांबः 18 गवस्त्रप, 1985 निदेश सं० अई-3/37-ईई/19239/84-85----श्रतः मुझे, ए० प्रमाद,

भावकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रक्तात् 'उक्त किभिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार नुस्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिपकी गाँउ फ्लैंट नाँउ 1, जो, 1ली मीजिल, डी-दिग, इमारत नाँउ 6, दामोदार पार्क, एलंड बीट एसंड मार्ग, घाटकोषर (पंड), बन्बई-86 में स्थित और इसले उपाबद्ध धारुमूजी में जो पूर्ण कर ए विश्व है), और जिसका करार-नामा श्रापकर घांचित्यम 1961 की धारा 269क, ख के प्रजीत बम्बई स्थित जन्नम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्हे। है, दिलोक 1-5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूम्य से कम के क्यमान प्रतिफल के जिए संतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूम्य, उसके ध्रवमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यममान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से विश्व है और अंतरक अंतरकों) और अंतर ध्रित (अंतरितियों) के बीध ऐसे जंतरण से निए तम समा प्रवा कितराज , निम्निशित उद्देश्य से उन्ह बंतरण कितराज में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरक से हुए किसी बाय की नावत, उनत विच-पियस की जबीन कर दोने के नंतरक के द्यायिक की कमी करने वा उससे वचने की स्थित के जिए; विष्/का
- हैंक) होती किसी बाब वा किसी धर वा मन्य मास्तियों को जिन्ही भारतीय वायकर वीधनियम, 1922 (1922 का ११) या उपत अधिनियम, वा धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ वंसीरती हुनाय प्रकट वहीं किया नयर का या किसा प्रस्ता प्रसिद्ध था, किया में चूनिया के विका

बकः बब, उपल बनिनित्रम की भारा 269-म के बमुकरक मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- (1) पारुल इंटरप्राइजेस।

(अन्तर्क)

(2) श्री एस० जी० एस० हुसैन।

(भ्रन्तरिती)

क्षा यह सुचमा वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षक के विद कार्यवाहियां शुरू करता हुई

उक्त सम्पत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस तृष्या के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिव वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (व) इस स्थान के राज्यत में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के शीसर उपत स्थानर सम्यक्ति में दितनक्ष किसी बन्द क्ष्मित द्वारा अंथोहस्ताक्षरी के पाड विविद्य में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त कींश-चियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, कही वर्ष होंगा को उसे अध्याय में दिया नवा है।

नप्रस्ति

फ्लैंट न० 1, जो 1ली गंभिल, डी-विंग, इमारत नं० 6, दानोदर पार्क, एन० बी० एम० मार्ग, घाटकोपर (प) बम्बई-86 में स्थित है।

प्रतुर्ज्ञा जैसा कि कि कि श्रई-3/37-ईई/19239/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारया दिनांक 1-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

चिताक: 18-11-1985

जायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनां छ 18 भवम्बर, 1985

भिर्देश सं० अई-3/37-हेर्ह/19724/84-85---अतः मुझें, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं जमीन का हिस्सा, जो, कोलैंकल्याण व्हिलेज एस० नं० 346, एच० नं० 15, सी० टी० एस० नं० 6998 से 3004, स्ट्रक्चर्स के साथ, सांताश्रुज बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रायधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-5-1985

की पूर्वोक्त संस्थित के उपित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितकाय के सिर्फ बन्तरित की गई है और भूमों यह किरवास करने का कारण है कि अभाष्यों यह प्रशिक्त का उपित बाजार मृत्य, अअके प्रक्रान प्रितकाल से एसे प्रक्रान प्रतिकाल में क्लाइ प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (अंतरका) और बंतरिती बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब बाया गया प्रतिकाल, मिस्मिसिबत उद्देश्य से उक्त अभारण कि कि इन्न अभारण

- (क) जन्तरण से हुए किसी बाव की वावत, उच्च अधिनियंत्र के ज्यीन कर दोने के जन्तरक के शांतरण तो कसी करने या उससे वजने में शुनिशा के सिक: और/का
- (क) ऐसी किसी अवय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिस्हें भारतीय आवकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उसत विभिन्नम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उभत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नि**सित व्यक्तियों, अर्थात्**:—- (।) गैंशन । हम एष्ड टीन फैक्टरी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० वि० मोलंकी।,

(अस्तरिती)

को यह तुमना खारी कारके पूर्वोक्त सम्मिक्त के अर्थन के सिय कार्यनाहियां गुरू करता हुए ।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविति या तत्सम्बन्धी अवित्याँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हते, से भीतर ब्वोंक्त स्वित्यों में से किसी स्वित्य इवाहा:
- (त) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशम की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्लिन बहुभ किनी क्षितिक द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के बात विश्वित में किने का सकती।

स्यष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त बन्दों और पहाँ का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुँ अर्थ होना, जो उस अध्याम में विचा नया हैं।

मन्सूची

जमीन का हिस्सा, जो, कोले कलायाण हिंहुलेंज, एस० न० 346, एच० नं० 15, सी०टी०एस० नं० 6998 से 3004, स्ट्रक्यर्स के सार्थ, सांताकुण बम्बई में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/19724/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिमाक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (िरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 18-11-1985

<u>ganga</u> malah salah sala

प्रकृष आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 मवम्बर, 1985

निदेश सं० अर्ह-3/37-ईई/19074/84-85——अतः मुझें, ए० प्रसाद,

आयकर जिमिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात् 'उजत विधिनियम' कहा गया हूं), जरी धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित्र काकाल मृत्य 1,00,000/- रहे. से जिथक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, जो, तल माला, ए-विंग, प्लाट नं० 7/8, सम्बना अपार्टमेंट, असल्का बिबलेज, होम गार्ड पष्ट्रेलियन के पास, नेताजी पालवार रोख, हिमालय को-आप० हाउसिंग मोसायटी, घाटकोपर (प), बम्बई-84 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिस्थिम 1961 की धारा 269क, ख के अधील बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्टी है, दिलांक 1-5-1985 की पर्दोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मध्य से अक्स के उस्थलन प्रतिकत के लिए बन्तरिट की गई है और बजे यह किक्कब करने का कारण है कि यभापबोंक्त सम्बद्धि का उच्चित बाजार मृत्य, उस्के दरयमान प्रतिकल से एसे दल्यमान प्रतिकल का पेक्रड प्रतिकथा से अभिकाती और अंतरका (शंचरका) और अंखरिक्सी (अन्बरिकियों) के बीच एसे अन्बरण के जिल्ला का गच्म प्रतिकास निम्मीसिंखित उदस्योग्य से उक्क अप्तरण सिंहित से बारवानिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण वे हुए जिसी बाब की बाबत उक्त विधिनव्य से स्वीव कर योगे से अन्तरक औ समित्य में कमी करने वा समसे अन्तरे में स्वीक्ष्म से सिंह; क्षांद्व/सा
- (क) ऐसी किसी नाय मा किसी प्रभ या वस्य नास्थियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, जा प्रमुक्तर वीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरियों बुनाय प्रकट नहीं किया नया था या किया बाना वाहित का क्रियान में मुस्तिका वीकिया

अतः अव, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के उत्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के जभीन, निकासिक व्यक्तिकों, अधिक उ (🕡) । न र्रे । स्टाप्ट जिल्डर्स ।

(अन्तरक्)

(2) प्राप्ती एव० एम० शेखा।

(अन्यरिती)

को यह स्मान जारी करके पूर्वेक्त सम्मिरित के मर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी नाकांप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका करिन्यों में कि सी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजधन में जनसबन को बार्ड के 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में दितवद्य किसी अन्य स्थावक यूवारा वभोहस्तावरी के वाच किस कर में विकार का सकते।

स्वक्कीकरणः --- इससं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उपके अधिनियमः, के अध्याय 20-क के परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 4, जो, तज शाला, ए-विंग, प्लाट नं० 1/8, सबीना जपार्टमेंट, अतरफा विकेज, होम गार्ड पैवेलियन के के पान, नेपाजी जाज हर, रोड, हिमालय को-आप० हाउसिंग सोस(यटी, बाटकोपर (प), बम्बई-84 में स्थित है।

अनुपूनी जैता कि क मं० अई-3/37-ईई/19074/84-35 पर जो लजम प्राधिकारी बम्बई ढारा दिनांक 1-5-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 18-11-19**85**

प्ररूप आही. टी. एन. एस.-----

आयक्षर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन गुचना

भारत सरकार

कार्यालयः,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

वस्बई, दिशांक 18 भवस्वर, 1985

िदेश सं० अई-3/37-ईई/19157/84-85——आः मुझे, ए० प्रवाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया हुँ), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिल्लकी संव पर्लंड नंव 6, जो, 2री मंजिल, सी-विंग, गजाता दिवान, बाकोला विलेज रोड, प्रांताकुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (श्रीर इतसं उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगि: है), श्रीर जिल्लका करारमामा आयकर अधिक्षियम 1961 की धारा 2697, ख के अधिक बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ष, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ख्र्यमान प्रतिफल का पद्रष्ट प्रतिशास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्टविक हुए से किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के 'लए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण औ, औ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) औं अधीन, किम्नोलियन व्यक्तियों, अर्थात :-37—436 GI/85 (1) पौत्रतं ाप एण्ड एसोकिएट्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० ए५० विडकर्।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकःशन की तारौक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों सो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्वाय 20-क में ६रिभाषित हैं, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

फ्लैंट नं० 6. जो, प्रशि संस्थित, सी-विंग, गजानन, निवास, बाकोला विलेज रोड, शांतऋज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अर्ड-3/37-ईई/19157/ 81-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिलांक 1-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद ज्ञाम प्राधिकारी सामक आयकर आयुक्त (पिरीक्षण) अर्जप रोंझ-३, बस्बई

दिमांक: 18-11-1985

प्रकृष बाह्री, टी., पृष्, एत्,,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिशांक 18 भवम्बर, 1985

निवेण सं० अई-3/37-ईई/19158/84-85,—अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, जो, 3री मंजिल, सी-विंग, गंजानन तिवास, वाकोला, विलेज रोड, सांताकुज (पूर्व), वस्वई-55 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप संवर्णित है), श्रीर जिल्ला उरायकार अधितियम 1961 की धारा 269ए, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्य में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-5-85

को प्रविक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि संधाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शितशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में बास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है :---

- [166] बन्दरण मं द्वार्थ नियमि साथ की बाबत उपक्ष अधिनियम के अधीन न्यार के कन्तरक व ्यार गाँग मार्ग करणे मा अध्यक्ष दाक्रों की स्वतिक्क्ष के म्लाइ: और/वा
- (क) एसी किसी बाब या किसी थन या कन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गीता चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अन अब, उक्त अधिनियम ही दांग 269-ग क अनुसरण हो, मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निस्मतिकित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) मैसर्स पाव एण्ड एमोसिएट्स।

(अस्तरमा)

(2) श्रीमती बि० ए० गोन्साल्बीज।

(अन्धरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यमाहियां करवा हुई।

उक्त क्षेपरित की अर्थन की संबंध में कोई भी बाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति बुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 4.5 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पार जिल्ला में किए जा सकोंगे।

स्थळिकरण: -- इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पदाँका, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 9, जो, 3री मंजिल, सी-विंग, गजानन निवास वाकोला विकेत रोड, सांताकुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/19158/ 84-85 और जो सक्सम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद ंक्षय प्राधि कारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 18-11-1985

The state of the s

प्रकम् बार्चः टी. एन्. एस . -----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिशां ह 18 सबस्वर 1985

लिदेश सं० अई-3/37-ईई/19508/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थागर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

श्रील जिसकी संव दुास नंव 9, जो, घाटकोपर लक्ष्मी पैलेस को-श्रॉपव हाउसिंग सोसाईटी लिव, आरव बीव हमेशा मार्ग, घाटकोपर (पूर्व), बस्बई-77 में स्थित है (श्रीर इक्से उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिल्ला करारभामा आयलप अधिकियम, 1961 की घारा 269 ा, ख के अधीय, घम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाबार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे स्थमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अम्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूनिभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) ध सभीना, नियासिक ध्यास्तरों, अर्थात् ह--- (1) श्रीमती एल० एम० देढीया ।

(अन्तरक)

 $(2^{\prime}$ श्रीमती आर० आर० दोशी।

(अन्⊹रिती)

को यह सूथना बारी अधरके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वृर्धन के शिय कर्मवाहियां कुरू करता हुं।

अन्त कम्पत्ति के अर्जन के कम्पन्य में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन क्रिंगी तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद्ध लिखित में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 9, जो, घाटकोपर लक्ष्मी पैलेस को-ध्रॉप० हाउसिंग सोक्षाईटी लि०, आर० बी० मेहता मार्ग, घाटकोपर (पूर्व), बम्ब ξ -77 में स्थित है। '

अनुभूची जैसाकि ऋ० सं० अर्ह-3/37ईई/1950884-85 श्रांर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रजाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) जैम रैंज-3, बस्बई

तारीख: 18-11-19**8**5

प्रकृष कार्ड . टी . **एन् . एक** , --------------

and the second of the second o

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीन सुचना

भारत सरकानु

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्ज': रेंज-3, बम्बई

बम्बई, (दिशास 18 सदम्बर 1985

शिर्देश सं० ्रई-3/37–ईई/19524/84–85—यतः मुझे, ए. प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ह") की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रा. से अधिक **ह**ै

प्रांत जिनकी संख्या फ्लैंट नं एए/2, जो, कालिया विहास दर्शन को-प्रांति हार्शनिय संनाईटी लिंक विद्यानगी, पीठ प्रोठ धमबई--98 में िथा है (प्रांत इससे उपाबड़ निर्देश में प्रांत पूर्ण रूप से विणित है), श्रीप जिसक कराणनामा आयहर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 1--5-1985

को पृथों पत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास कारने का कारण है कि यथापूजां दत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे पश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रशिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त कन्तरण लिखित में शास्त्रविक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण सं हुइ किसी भाग की बाबत, उक्त बाधिनियम के बधीन कर दोन के अन्तरक के बायित मां कभी करने या उसस ब्याने मां सुविधा के किए; बार/या
- एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) वा उन्त् अधिनियम, वा धन-कर प्रवाजनार्थ अन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

लत: कथ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण को, मा, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा ्(1) कुंबर्शन किस्नितिवात व्यक्तिकों, अभिति किस्स (1) मैं पर्स एमेश , ट्रेडिंग कपनी ।

(अन्तर्क)

(2) श्री ए० एन० चांधरी ग्रांर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुन्।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अवधि भा तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविन्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा, बा उस अध्याय में दिया गया है।

वपृत्यी

फ्लैंट न० ए/2, जो, कालिना विहार दर्गन की-प्रॉप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, विद्यापगरी, पी० ग्रो० त्रम्बई-98 में स्थित है।

्राह्म जैला कि कि के सं अई-3/37-ईई/19524/84-85 फ्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 का रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख: 18-11-1985

प्रकप आर्च . हो . एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, अम्बई

बम्बर्घ, दिनाँ / 13 धवम्बर, 1985

भिर्देश सं० अई--3/37--ईई/19527/84-85---यल: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीए जिल्ला संख्या यूपिट नं० 26, जो धन माला, प्लैट नं० 13, हरीयाली विलेज, एल० बी० एस० मार्ग, विकली (प), बम्बई-83 में स्थित है (श्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीप जिल्ला जरास्तामा एएकर अधिप्यम, 1961 की धारा 269 ज, ख के अधीप, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के जार्यालय में एजिस्ट्री है, धारीक 1-5-1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया इति कस, निम्नलिक उद्दरण्य से उक्त बन्तरण मिचित में बास्तिबक कम, निम्नलिकित उद्दरण्य से उक्त बन्तरण मिचित में बास्तिबक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मा कमी करन या उसस वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविध्य के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीनः, निम्निलिशित व्यक्तियों, अधीतः :---

- (1) मैं तो डी॰ के० बिल्डर्स एण्ड एसोसिएटस । (अन्यरक)
- (2) मैं अर्म नेजानत रब्बर ट्रेडिंग कार्पोरेशन । (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए काञ्जाहरणं करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) अस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की जगिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील में 30 दिन की जगिध, जो भी अगिध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्नोक्स व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्ध किसी अन्य व्याप्त व्वारा, अभाहस्ताक्षरी के गम दिस्ति में कि धे जा सकी।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अथ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

ग्रनुसूची

यूगिट नं० 26, जो, नल माना, फ्लैंट नं० 13, हरीयाली विलेज, एत्व० बी० एत० मार्ग, विकोती (प) बस्बई-83 में स्थित है।

अनुभ्वी जैना वि कर संर अई--3/37-ईई/19527/ 84-85 ऑप जो लक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रधाद उत्तम प्राधिकारी सहायक अत्याक अतुक्त (विरोक्षण) अर्जभ रेंच-3, तम्बई

तारीख: 18-11-1985

त्रकप बाइं.टी.एन.एस.------

चायक र माधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) वो सधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक जायकार बावुक्त (निरीक्षण)

अर्जभ रेंज-3, बम्बई अस्बई, दिनांच 18 नवम्बर 1985

भिदेश सं० अई-3/37-ईई/19541/84-85--अस : मुझे, ए० प्रसार,

कार्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), अर्धी धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्यास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रांर जिलकी संख्या पलेंट नं 1, जो (ठी मंजिल, इमान्त नं 6ए, दामोदर पार्क, एल बीठ एस मार्ग, घाटकोपर बम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त मे वास्तिक रूप से कथित महीं किवा नया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की बाबत, उक्त लीभित्रियम के अधीन कार दोन के बन्तरक अर्थ दायित्थ में कमी करने या उससे उचने में सुनिक्ष; के लिए; बार्डिंग
- (च) एसी किसी आम् या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिनों में सुविधा के लिए;

बत: एवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्द्रसरण में, भें. अक्त अधिनितम की भारा 269-म की उपवारा (1) को अभीव, निस्निकश्चिक स्वत्यसम्बद्धाः, समृद्धिः— (1) श्री एच० बी० भाह

(जन्हार क्र.)

(2) श्रीमती एम० के० अजीत सिंह,

(अन्तरिती)

का नह सूचना बारी करके प्रांक्त सम्प्रांत के अपन के किए कार्यवाहियां सूच करता हों।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास निषित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रक्षेक्र एक: — इसमें प्रयुक्त तक्की नीर पत्नी का, जो अनत अधिनियम को तक्ष्याय 20-क में विरिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा थीं तक्ष्याय में दिया जवा हुँ।

अनुसूची

पर्लेट नं० 1, जो उठी मंजिल, इमारत न० ७ए, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, बस्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैयाकि ऋ० सं० अई--3/37-ईई/19541/. 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रवाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बर्ध

तारीख: 18—11—1985

和資料:

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एवं .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) श्री भारा 269-व (1) के अधीन सुबना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकार वायुक्त (निरीक्षण)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनिवम' कहा नया हैं), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृक्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० डी-6, जो, शांति निकेतन अराफन को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला, बस्बई-70 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रांयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिस्ट्री है, दिनांक 1-5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथ्यपृष्टेंबत सम्पत्ति का उणित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे अप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में गम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किती बाय की बाबत, उक्त विश्वनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के रायित्व में कमी करने या उसने सचने कें सुविधा के लिए; औ<u>र</u>/सा
- (अ) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्वीकतार्थ अंतिकारि द्वारा प्रकट नहीं किया गरा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा सै विद्य;

वतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ण में अनुसरण में, प्रें, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधित, निम्तिसित व्यक्तियों, अंशीस हिल्ल (1) श्रीमती जैंड० ए० घासग्रली।

(श्रन्त्र ः)

(2) श्री एम० ई० हुसेनी (रंगनवाला) श्रीर श्रन्य। (श्रन्तरिती)

को नह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

रुक्त सम्मरित के अर्थन के सम्मन्ध में कोई भी काकोप ?---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवीकत ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किये जा सकरेंगे।

स्पंचािकरणः - इसमें प्रयुक्त सक्यों और पवां का., जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नेवा हैं।

-

फ्लैंट नं॰ डी-6, जो, भांति निकेतन श्रराफ़त को-श्रॉप॰ हाउसिंग सोस।यटी लि॰,सी॰ एस॰ टी॰ भेड, कुर्ली, बस्बई-70 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि कि मंश्राई-3/37-ईई/19557/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिशारी बम्बई द्वाश दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रताद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयदर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 18-11-1985

प्रश्रम आई. सी. एन. एत. -----

आसा । अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ए∺०-व (1) के अधीन सुखना

भारत तरकार

कार्यालय , सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिक)

श्चर्णन रेंज-3, बम्बर्ड बम्बई दिनांक 18 नवम्बर 1985

निदेश सं० म्रई-3/37-ईई/19600/84-85—म्प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी मं० प्लॉट नं० 133/134, पर्लंट नं० बी-34 जो, इमारत नं० बी-1, पार्क साइड, एल० बी० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रमुस्त्री में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269क, ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-5-85

कां पृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास कर? का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार गृत्य उसके अध्यमान प्रतिफल से, ऐसे उप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबता, उक्त अधिनियम को जभीन कार योने के जन्तरण को पायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृतिका औं लिए; की दु/या
- (श) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में भाषा के लिए;

अत: अब, उक्ट अविनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपप अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री निजार म्राली।

(श्रन्तरङ्)

(2) श्रीमती वि० एस० मेहता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के नर्चन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उचल सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में काई भी बाधीप :---

- (क) इस स्वांश के राजपत्र में प्रकाधन की तारी के से 45 विन की संवंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाः कि तामी स से 30 दिन की संवधि, जो भी अवधि वाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिंद-व्या किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिजित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण :----दूसमें प्रयुक्त काव्यों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया कका है शि

प्रनुसूची

ण्लॉट नं० 133/134, फ्लॅट नं० 34, इमारत नं० बी--1, पार्क साइड, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), सम्बई-86 में स्थिन है।

श्रनुसूची जैजा ि क० सं० श्रई-3/37-ईई/19600/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेज-३, बम्बई

दिनांक: 18-11-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

मायधार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर 1985

निर्देश मं० श्रई-3/37-ईई/19603/84-85--श्रतः, मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 36, जो 2री मंजिल, शांति निकेतन, सी-द्यमारन, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनसूती में श्रार पूर्ण रूप से बणित हैं), श्रीर जिसला बरारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितियों) के जैन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत अब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; बॉर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से सिए;

कशः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मो. मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणियित कान्नित्यों, अधीत :----38--436 GI/85 (1) श्रीमती एस० ग्राप्ट वक्की।

(श्रन्धर ह)

(2) श्री बी० एम० दक्षा।

(ग्रन्चरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर संपत्ति में हिसब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के राम लिक्सित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क माँ परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय माँ दिया। गया है।

अन्मूची

फ्लैंट न० 36. जो 2री पत्तिन, णॉनिकिनेर सी-इमारत, एल० बी० ए५० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुमुची जैसा कि कि० सं० श्राई-3/37-ईई/19603/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद नजम श्राक्षिक्तरी प्रजायक श्राक्कर सामुक्त (क्रिक्षण) स्वर्जन सेंदन्त्र, सम्बर्ज

दिनांक: 18-11-1985

माहर

प्रकथ आहे. टी. एन , एसं,,------

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रोज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर 1985 निर्दोग सं० श्रई-3/37-ईई/19638/84-85—ग्रनः, सुझे, ए० प्रसाद

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 1. जो तल माला, किम काँटेज सी० टी० एस० नं० 115, प्रारमीवाडी, घाटकोपर (प), बम्बर्ड-84 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), श्रीर जिसका एरास्तामा श्रीयकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के **स्र**यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द **है और मूक्ते यह** विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मा बास्तिविक रूप से कथित हुते। विद्या गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक्र के दायित्व में कमी करने या उससे ब्लाने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अत्रे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एस० एन० भ्रह्मद।

(ऋन्त्रह)

(2) श्री एक० एव० कोक् ग्रांट ग्रन्य।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्ज्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेरिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निख्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

फ्लैंट नं० 1, जो नल माला, किम कॉटेंज, सी० टी० एस० नं० 115. पारसीवाडी, घाटकोपर (प), बस्बई-84 में स्थित है।

श्रनुभुची जैसा कि कि० सं० श्रर्ट-3/37-ईई/19638/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिजस्टई किया गया है।

> ए० प्रनाद सक्षम प्राधि पारी गहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रोज-३, बम्बई

दिनांक: 18-11-1985

प्रस्त नाइ

माथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्वना

शास्त्र सहस्राष्ट्र

कार्यासय, सहायक आयकर सायुक्त (विरक्षिण) अर्जन रेज-३, बस्बई

बम्बई, दिनां ७ 18 अवम्बर 1985

भिवेष सं० अई-3/37-ईई/19709/84-85---अतः सुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीण जिसकी सं गाला नं 55, जो, 1ली मंजिल, मुयोग, इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल बी एस मार्ग, विक्रोंली (प), बस्बई-83 में स्थित है (श्रीण इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीण पूर्ण क्य में विणित है), श्रीण जिसका जारातामा आयकर अधितिमम, 1961 की धारा 269 एख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजर्दी है, दिना ह

कों प्वेंक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एसे बंबरण के निष् तय पादा गया प्रति-क्ष्म, निन्निमिक्त उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित्त में वास्त्रिक इस में कार्य बन्तरण निवार में वास्त्रिक इस में कार्य कार

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नावत, उक्त अभिनियर के अभीन कर दोने के अन्तरक के स्विथित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा से निए; सौर/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी अन या ब्रन्थ कास्तियों को जिन्हों भारतीय अयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था. कियाने में सुविधा को किए:

अत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण को, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीम, निम्नजिखित व्यक्तियों, अभीत् "--- (1) मैसर्स सुयोग इटरप्राइनेज।

(असारका)

(2) श्रीमती पी० ए० सेजपाल ग्रांप अन्य। (अन्तरिती)

का बहु बूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्श्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्वब सम्मत्ति के सर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :----

- (क) इस त्यना के रावपन में प्रकाशन की शारीस के 45 दिन की अवधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वात की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिभ नाव में समाप्त होती हो, के भीतर क्लोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस तुमना के राजपन में प्रकाशन की तारीला से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्थ किसी अन्य स्थिति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकती।

स्पष्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, भी उपका अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अभ्यान में विदेश पद्मा है।

श्रनुसूकी

गालान न० 55, जो, ाली मंजिल, सुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, विकाली (प), बम्बई-83 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/19709/ 84-85 श्रॉर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिशाँक 1-5-1985 को रिजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि गरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बस्बई

दिशांक: 18-11-1985

प्रस्य बार्ड्, टी. एवं. एसं., वनवनन्त्रव

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुवना

नाइत तरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बस्बई बस्बई, दिशांक 18 शबस्बर 1985 भिदेण सक अई-3/37-ईई/19320/84-85---अतः मुझे, एक प्रसाद.

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाआर मूल्य 1,00,000/- रुट. से अधिक हैं

प्रांग जिसकी सं० ''डायस चाल'', जिसका सर्वे नं० 2682, पाईप लाईन के पास, कांका कुज (पूर्व), बस्बई-55 में स्थित हैं (प्रंग इसमें उपावद्ध अनुसूची में ग्रांग पूर्ण क्य में विणित हैं), ग्रांग जिसका कराणनामा आयकर अधिनियम 1961 की धाणा 269, ख के अधीन, बस्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में गिजिस्ट्री हैं, दिनांच 1-5-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का प्रांतरितियाँ। के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्हितियाँ। उसके स्थम संवरण सिवित में बास्सिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी बाध की अध्वड, उन्ध स्थितियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दासित्व में कसी करने या उससे क्वाने में स्थितका के लिए; स्थिर/या
- (का) एमी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कर जिन्ही भारतीय अयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या बनकार अधिनियम, या बनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मुकिथा के छिए;

हाभः संत्र अवस् अभिनियम को भारा १६० व व्यः अवतः । भा, भा, अस्त अभिनियम को भारा १६९-व की उपभारा (1) वे स्थित, निम्तिविक व्यक्तियाँ, नर्वात् ॥—— (1) श्री मायकेल डायस।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एल० लांबो ग्रांप अन्य।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के सिष् फार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संदय में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त हासी हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानार संपरित में हितनव्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें अयुक्त शब्दों और पदी का, जो उनक विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही वर्ष होगा को उस वध्याय में दिक नमा है।

भनसूची

''डायस चाल'' जिसका सर्वे मं० 2682, पाईप लाईन के पास. सांताकुज (पूर्व), बम्बई-55 में म्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई-3/37-ईई/19320/ 84-85 ग्रींग जी सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिजस्टर्ड मिया गया है।

> ए० प्रमाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरी**क्षण**) अर्जन रेंज-3, **बस्बई**

दिगांम,: 18-11-1985

प्रकृष मार्चु दी_य पुर्_य पुरा_{य नवन}----

बायकर कॅपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिशांक 18 नवम्बर, 1985 भिदेश मं ० अई-3/37-ईई/19338/84-85—अनः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, जी, 2री मंजिल, अनुभव धाम की-आप० हाउमिंग सीमायटी, प्लाट नं० 99, गारीडिया नगर, घाटकीपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयजर अधिक्षियम 1961 की धारा 2695, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिशांक 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के स्थवनाम प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई बार मूझे यह निश्वास करने का भारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित माबार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एरो क्यमान प्रतिफल का बन्द्रह्म प्रतिसत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के निष्ट तम गया नया प्रतिक्ता, निम्नितियों क्यूबरेस से स्थल क्यारण किस्स में गस्तिका रूम से क्यित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने मा उससे अधने में सृविधा के लिए; और/मा
- (७) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किया स्विभा के निष्

ब्रुत: बब उक्त अभिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण जैं, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ए० मी० एम० सुदर्शन।

(अन्तरक)

 $\left(2\,
ight)$ श्री पी० आर० मेहना भ्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन करी अविधि ए तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधाहरनाक्षरा के भास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, को उसके अधिनियम के अध्याय 20-क में पोरशाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसू**ची**

फ्लैट नं० 11, जो, 2री मजिल, अनुभव धाम को-आप० हाउपिंग सोपायटी, प्लाट नं० 99, गरगेडिया नगर, घाटको-पर (पूर्व), बस्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि नं अई-3/37-ईई/19338/ 84-85 क्रींग जी सभम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिश्लोक 1-5-1985 की रिजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेज-३, बम्बई

दिनोंग: 18-11-1985

प्रकप बार्'. टी.एम. एइ. .----

बामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बभीन स्वना

माउत सरकार

फार्श्वतय, सङ्घायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3. बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर, 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/19339/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० दुरान नं० 3, जो, तल माला, स्वास्तिक चेंबर्स, पाईप रोड, कुर्ला (प०), बम्बई-70 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), स्रौर जिसका वरारमामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के अबीच बम्बई स्थित दक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है. दिसां क

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्छे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियोः की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं निया गया या वा किया जाना चाहिए था. क्रिपाने सं सुनिधा के लिक्ट:

बतः सव, इक्त विधिनियम की भारा 269-म की अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैसर्स एम० विल्डर्स।

(अन्तरक्)

(2) श्री पी० एम० जगदाले।

(अन्तंरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाधी :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसम प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को अवत अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

अनुस्ची

दुकान नं० 3, जो, तल माला, स्वास्तिक चेंबर्स, पाइप रोड, कुर्ला (प०), बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37-ईई/19339/84- 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिसांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ट किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 18-11-1985

प्रकप आहें ही एन एस हमान्य

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयक्तर अन्युक्त (चिरक्षिण)

श्रर्जन रेंडा-3, बश्बई

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/19686/84-85---अतः सक्षे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित वाकार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर, जिसकी, 3री फ्लैट गं० 301, 3री खंडिल, इमारत नं० 24, स्पाडिया नगर, सी० एस० टी०, रीड, कुर्ली (प), बम्बई-70 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावज्ञ अनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है, श्रीर विरुक्त कराय-नामा ग्रायवर ग्रीविनियम, 1961 की कारा 268, ख के ग्रीवीन, बम्बई स्थित स्थाम प्राधिकारी के कार्यास्य में रिजस्ती है, दिनांक 1-5-1985 की

को पूर्वोक्त संपत्ति के जीपन बाकार मृत्य से क्रम के स्थापमा।
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और बुक्त गढ़ विश्वपत्ति
करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति कर विश्वद कारण स्थाप, उसके स्थमान प्रतिफल के एसे स्थमान अतिफल के स्थम (जैन्तरित से अधिक हैं और अंतरिक (जैनरितों) को बीच एसे अन्तरण के लिए व्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से जन्त अन्तरण जिल्लित की में वास्तविक रूप से काथत नहीं किया गया हैं ——

- (क) अन्तरण में हुई किसी साथ की शाकत, उसस अधिनियम के अधीन कर यांचे के अन्तरण की बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा और/या
- (ए) एसी किसी जाय था किसी धर या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या न्तर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट कहीं किया गर्दा या किया जाना वाहिए या जिल्हाने के सहित्या जी किया।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में: उक्क अधिनयम की धारा 269-ग की नम्माला (१) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) प्रशिक्त जिल्लाहर्न प्राप्तिका

(ग्रन्तरेक)

(१) श्रीपनी ए० ए० गेख और अन्व

(यः तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य विद्या करता हो ।

उक्त सम्बक्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस मुख्या के राजपात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की कवींथ या सत्साख्नधी व्यक्तियां पर सुवना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी लग्नि कार्य में समाप्त होतों हो, के भीतर प्रवेक्त कार्यक्रिका में से विकरी व्यक्ति स्वारा;

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर विविधित्य के अध्यक्त 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया

जन्र वी

पर्वट नं०301, जो 3री मंजिल, इमारत नं० 24, क्यांडिया नगर, सीएस दी रोड, कुली (प०) बम्बई-70 में स्थित है। अनसूधी जैसा जिल क० सं० ई-3/3/37-ईई/19080/ 84-85 और जो सक्षम प्राप्तिकारी बम्बई द्वारा दिनां 1-5-1085 को रिकटर्ड स्थि। स्था है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी ल्हालक श्रायकर सत्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-३, बम्बई

विनांक: 18-11-1985

सीहरः

प्ररूप आई^{*}.टी.एन.एस.------

आपकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-3, बम्बई

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

जन्नीर जिसकी सं० फ्लैंट तं० 103, जो, 1ली मंजिल, क्षपाडिया नगर, इसारत नं० 24, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प), बस्बई-70 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनु-- भूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका टरार-नामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन बस्बई हिथन सक्षम प्राधिलारी के बार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 1-5-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचा प्रतिफल का पंचा प्रतिफल के अंदिर अंतरितों (अन्तरितं कों) और अंतरिती (अन्तरितं कों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबरा उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब उधत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उचत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारार (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) जदीपक बिल्डमं प्राइवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एन० भरतगन और श्रन्य।

(ग्रन्गरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वित्स सम्परित के अर्जन के लिस् कार्वनाहियां कारता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अगिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सांगितित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अथोहस्ताक्षवी के नात सिसित में किए जा सकरेंगें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त कट्टों और पदों का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

फ्लैट नं० 103, जो, 1ली मंजिल, क्याडिया नगर, इमारत नं० 24, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प); बम्बई-70 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/19081/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि गरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष**क्ष**) धर्जन **ए**ज-३, बम्बई

दिनांक: 18-11-1985

सोहर:

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

ासकर भणितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालर:, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रोज-3, बम्बई वम्बई, दिनांक 18 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/19082/84-85—**-श्र**तः म**झे**, ए० प्रसाद

हाधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्बें इसके परवात 'उक्त बिधिनियम' केंद्वा गया हैं), की धारा 260-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 302, जो, 3री मंजिल, इमारत नं० 7, ज्याडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित है (श्रीर इससे उणाबज श्रनुसूनी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269र, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम पाधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-5-1985

को पृथांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, एमके दृश् मान प्रतिफल से एोमे क्लयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निति खित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में सास्त्रिक रूप से कंप्यतिक रूप सि कंप्यतिक रूप से केप से किया से केप स

- (क्ष) अन्तरण संहुदं िकसी आयः की बाबतः, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/भा
- (स) एके हि किसी आग या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर पिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः ४वः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) रू अधीनः, निम्नलि**बि**ट व्यक्तियों अधीत्— 33—436 GI/85 (1) भीभाती ए० युनूस और अन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एव० एफ० रशीद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां ग्रुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के रज्जपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पार में हिता। वृधे किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शादों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लैट नं० 302, जो, 3री मंजिल, इमारत नं० 7, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ली (प), ब्रिक्सई-में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-3/37-ईई/19082/ 84-85 भीर जो पक्षम पाबिजारी बम्बई ढारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष आयुकः (निरीक्षण) अर्जन रोज-३, क्रम्बई

दिनांक: 18-11-1985

मोहरः

क्ष्म बाह्यं, टी स्व त द्वा . -----

बावकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के बधीन सुबना

भारत बरकार

कार्यांजब . नहाबक आयकार आयुक्त (निरासिण) श्रर्जन रेंज-3, सम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर, 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/19083/84-85—श्रतः मझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 112, जो, 1सी मंजिल, इमारत नं० 6, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ली (प), बम्बई-70 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबड ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 1-5-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यवमान परिकल के लिए अंतरित की गई है और मुर्भे यह विश्वास ध्रश्ने का कारण है कि नथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत नाबार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, एों स्थ्यमान प्रतिकल का श्राह्म प्रतिकत से निषक है और अंतरक (अंतरका) और बंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एों अंतरण के लिए तय पाया वैवा प्रतिकत निम्नीस्थत सड्डोंय से उक्त बंतरण शिवित के बास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है दे--

- (क) बंग्रहण ते हुई किसी नाव की नावत, उक्त जीविनदश के जपीन कर देने के जंतरक कें शामित्य में कभी करने या उससे क्यने में सुनिधा ने किए; और/या
- म्बं गामी किसी अप या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भर या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा की जिए;

कतः वजः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अन्सरण कं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥— (1) दीपक बिल्डमं प्राइवेट लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रव्लह्मन।

(भ्रन्तिरती)

स्त्रे वह क्षमा वारी करवी द्वींक्त मन्यस्ति के वर्णम के सिए कार्यभाष्टिमां करता हो।

उक्त सम्परित क्षे अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी विक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकीय।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयासन शब्दों और पक्षों का, जो उसता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

म्म् ची

फ्लैट नं० 112, जो, 1ली मंजिल, इमारत नं० 6, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि कि नं श्रई-3/37-ईई/19083 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रीयुक्त निरीक्षण) अही देखेंज, तस्वर्ष

दिनांक : 18-11-85

हक्य बाह[ी]ल ही , एमे , एक _र ननन-भारत

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक नायकर नायकत (निर्याजन)

ग्रर्जन रेंज→3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 नघम्बर 1985

निर्देश सं० अई--3/37--ईई/19262/84--85 म्झे, ए० प्रसाद.

बायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 9. जो, 1ली मंजिल, शिष निधास फ्लाट नंव 11, टीव पीव एसव 3, घाटकोपर (पूर्व), बस्बई-77 में स्थित हैं (और इसस उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से घींगत हैं), और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, हिलांक 1 मई 1985।

को पूर्वेक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, हिनम्बिविय उद्वोध्य से उस्त बन्तरण सिविक के साराविक स्थ से किवल कहीं विका का है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उसस भीभीनयम से जभीन कर, दोने के अन्तरक से दावित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा से सिद्द; बीह/वा
- (क) एसी किसी नाय वा किसी भन वा जन्म शास्तियों को जिन्हों भारतीय सायकेर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, पा पन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा वी जिए।

वर्षः वयः, च्यतः विधितिषयः, कौ भारा 269-व से वनुभारण मो, मी, उक्त विधितियमं की धारा 269-व की जवधारः (1) वी वधीन, निम्लीनियतं व्यक्तियों, वधित् इ (1) श्री के० एम० पटेल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जै० पी० पालेजा।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को हैं भी बाक्षेष 🌬 🔻

- (क) इस स्वान के रावपन के प्रकाशन की तारीय वें

 45 विन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वान की तामील से 30 विन को अविध जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी क्वा क्यमित क्वारा मुभोहस्ताक्षरी के गास विकास में किए का सकेंने।

स्वध्योक्षरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, वो उक्क अभिनियम के अभ्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अभ्याय में दिया गवा है।

मनुसूची

फ्लैंट नं० 9, जो, 1ली मंजिल, णिल निवास, प्लाट नं० 11, टी० पी० एम० 3, घाटकीपर (पूर्व), बम्ब**६**- 77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं प्राधिन 3/37-६६/19262/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3, वःवई

程序等: 18~11~1985

पक्ष वार्ड टी. एन . एक . - - --

शायकर वर्षधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विश्वीत स्वेचा

गारत चरकाह

कार्यासय, शहरक नामकर मायुक्त (निरीक्त)

प्रजन रेंज-∙3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 एवम्बः: 1985

निर्देश सं० अई-3/37अईई/19277/84→85- शतः मुझे, ए० प्रसाद,

णायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 5369, जो, इमारत नं० 194-र्वः, सुगम इमारत, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-75 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका कराजनामा आयकर प्रीधिन्यम, 1961 के धारा 269 के, खूके अधीन, बम्बई स्थित सक्षम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 1 मई 1985।

को पूर्वक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूच्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पुन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पाया क्या प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण विश्वित को बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरम् संहुद्द किसी नाय की बाबत, उन्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण मों, मीं उत्तत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्राची० एम० महिचिया।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती वीव बीव महता और अन्य।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्बक्ति के बर्बन के संबंध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्तव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

ब्लाक तं० 5369, जो, इमारत नं० 194-बी, सुगर्म इमारत, घाटकोपर (पूर्व), बस्ब $\xi-75$ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० प्रई-3/37–ईई $/19277/84 \cdot 85$ और ना सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्वेत रेंग-३, बस्बई

दिनीक: 18--11- 1985

मोहर 🖫

त्र**कर बाह**ै, दी, एन, एस ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचनः

भारत तरकार

कार्याखय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज⊶3, बन्यई अम्बई, दिनांक 18 नवम्बर 1985

अमबद्द, दिनाक 18 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ऋहै-- 3/37-- हेई/ ! 9088/84--85---- अन. मुझे, ए० प्रमाद,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-अप को अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. स अधिक है

और जिसकी संव दुकान नंव 7. जी, विक्रम श्रपार्टमेंट, सीव टीव एसव नंव 407 से 419, सर्वे नंव 46 (अंग), विहलेज किरील, घाटकीपर, बम्बई में स्थित है (और इसरी उपाबत श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), और जिसका करारणमा श्रीयका श्रवितियम, 1961 की धारा 269 क, ख़ के श्रवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिलाग 1 मई 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के क्षयमान प्रतिफल को लिए अंतरित को गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिकात से मिथक है जोर बंतरक (अंतरकों) और वंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष्य, शिक्तिसिंबर स्व्यंक्ष से व्यव बन्तरण निर्मालक में नास्त्र- विक कम ने किथल नहीं निका गया है :---

- (क) सन्धरम सं हुए किसी बान की बानत समझ स्थित नियम की क्षीय कर दोने के सम्बद्धक की दाविहरू मी कमी करने वा समने मानने में सुविना के लिने; स्रोर वा/
- (श) एँसी किसी आय या किसी धन या करण आस्तियों की, जिल्हों भारतीय आयकार जाँधनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-धार ऑधिनियम, या धन-धार ऑधिनियम, या धन-धार ऑधिनियम, विश्वा 1957 (1957 का 27) के स्थाधनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया वाना वादिए था, जियाने में दृशिया हैं। सिए;

जल, जब, जज़त जीपिनियम की भाग 269-थ कें, अनुसरण भ्रों, भी, उज्जन अधिनिसम की भाग 269-च की उपभाग (1⁵ कें अधीन, निस्मीसिकित स्वीकार्यों, अर्थात ⊯ (1) श्री एत० डी० संघानी ।

(श्रान्त रकः)

(2) श्री एमा० सी० गोहील और श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित को अर्जन के सिह्य कार्यवाहियां करता हुं।

इ.स्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह----

- (क) इस सूचना तै राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन कैं। अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जनिध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त प्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वर्ष किसी जन्म स्थावित इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए वा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त कस्यों और पदों का, को जक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं वर्ध होगा को उत वध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

दुशार तं० 7, जो, विकास असार्टमेंट, सी० टी० एस० नं० 407 वे 419, सर्वे तं० ४० (अंग), घाटकापर, व्हिलेज किरोल, यस्बर्ध में स्थित है।

श्रतुमुची जैसा कि कुछ एं० प्रई-3/37ईई/19088/ 84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∽ 3. बस्बई

विध्यक्ति : 18-11-1985

माहर:

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बमबई, दिनांक 18 नवम्बर 1985

निर्देश मं० श्रई-3/37-ईई/19126/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्रे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रुः. से अधिक है

और जिसकी सं पलैट नं 501, जो, 5वी मंजिल, सी-विंग, इसारत नं 1, गांती पार्क, गारोडिया दगर, घाटकोपर (पूर्व), वम्बई-81 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा धायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 268 क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 मई 1985

को पृथेकि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्नके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रशिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय कर्न बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—- (1) मेसर्म निलम डेव्हलोपर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जे० रामनाथन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा- अ षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैंट नं० 501, जो, 5वी मंजिल, सी⊸िंघग, इमारत नं० 1, शांतो पार्क, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रार्ह-3/37– ईर्ह/19126/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1–5–1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज- ३, बम्बई

दिनांक: 18-11--1985

नोहर :

प्रकृष वार्ष्: टी. एव. एव_{ी वनश्चन}

कायकर अधिनियक, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुपना

नारतं संस्कात

कार्यालय, महायक कार्यकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 18 नवम्बर 1985

निर्देश मं० ग्रई-3/37-ईई/19127/84-85--- प्रता मुझे, ए० प्रसाद,

बानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 502, जो, 5वी मंजिल, सी-विंग, इमारत नं० 1, णाँती पार्क, गारोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व) अम्बई-81 में स्थित है (ख्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ख्रौर पूर्ण रूप से बाँगत है), ख्रौर जिसका करारनामा आयकर ख्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाँक 1 मई 1985

की पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाबार भूस्य से कम के ध्ययमान प्रिक्षिण के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाबार मूस्य सस्के ध्यमान प्रतिकत से, एसे ध्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा गया प्रतिकत, निम्निविच उद्योगों से उच्त बन्तरण विविच में बास्यविक रूप में कथित यहीं किया नया है :---

- (फ) बन्तरूप से हुई किसी बाव की बावस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की दार्पित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और या
- (भ) एसे किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ की, चिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के जधीन, निकासिष्त व्यक्तियों, क्रआहि है— (1) भितर्छ निलम डेव्हलोपर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन असानाथन ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्मित् के वर्णन के सबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस वें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मबिध, जो भी नवीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी स्थवित दुवाब;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकोंगे।

स्पच्छोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याव 20-क में परिवर्तित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है!

मनुसूची

फ्लैट तं 502, जो, 5वी मंजिल, सी-विंग, इमारतर्द्रेनं 01 शौती पार्क, गारोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि ऋ० मं० ग्रई-3/37-ईई/19127/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी त्रम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को रजिम्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसा**द** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, *ब*स्बर्ध

दिनाँक: 18-11-1985

मोहर 🕄

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-3. बम्बई

बम्बई, दिननांक 18 नवम्बर 1985

निर्देण सं० ग्रई-3/37-ईई'19086/84-85--ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का काम्य है कि स्थावर संभ्यति, जिस्का उचित बाजार प्रत्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० फ्लैंट सं ० 3, जो, ए-विंग, 2री संज्ञिल, श्रिभिजीत श्रपर्टमेंट्स, बाकोला ब्रीज पोलिस स्टेशन के पाम, साँताकृझ (पूर्व), बस्बई-5.5 में स्थित है (श्रौर इनसे उपाबब श्रनुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारी 269 के, खे के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाँक 1 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुक्रिधा के लिए; और/या
- (स्थ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः रुवः, उक्त अधिनियम की धारा 260 ग के जनगरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसां, अधित् हु— (1) चानोलकर एंड देसा**ई बिल्डिंग डे**व्हलोपमेंट प्रा**ईवेट** लिए।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीकें ० बी० दलवी।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चन जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चिन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसृची

पलैट नं० 3, जो, ए-विंग, 2री मंजिल, धिभिजीत श्रवार्टमेंट्स, वाकोला क्रीज पोलीस स्टेशन के पाय, सांताकझ (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सर्व श्रई-3/37-ईई/19086/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रभाद सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (किरीक्षण्र श्रुप्तेन रेंज-3, बम्बई

दिनौंक: 18-11-1985

मुख्य बार्ब ्य हो .. पुर्व पुर्व

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-वं (1) के बधीन स्वारा

भारत चहुनगढ

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 18 नवम्बर 85

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईर्ह/19238/84-85--श्रनः मुझे, ए० प्रसाद,

नायक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये व विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 1, जो, 7वी मंजिल, इमारत नं० 6-डी, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोरर (पूर्व), बम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रतुमूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खं के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाँक 1 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) कंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य वास्तियों का जिन्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

(1) महता श्रामानिएट्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमी ० एच ० मव्होदा श्रीर श्रन्य ।

(श्रन्तिर्मा)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्ड भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बर्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त स्थानितयों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर मंपत्ति से हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहम्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकीय।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, आँउ क्स अभिनियम: के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अन्याय में दिशा गया है।

वनस्थी

फ्लैंटनं ० 1, जो 7वीं मंश्विल, इमारत नं ० 6—इी, दामोदर पार्क, एल ० बी० एस० मार्ग, घाटकोतर (प०), बस्बर्ड-8 6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि ने अई-3/37-ईई/19238/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनौंक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम पाधिकारी सहायक भागका प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रशिव रेजल्ड, जस्बई

दिनांक: 18-11-1985

प्रकृष् बाह् . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 260-घ (1) के प्रधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 17 दिसावर 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/19309/8 4-8 5---ग्रनः मुझे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 16, जो, 3री मंजिल, श्रोम श्राणा निकेतन की-श्राप० हाउमिंग सोसाईटी लि०, जितेन्द्र कास रोड, मलाड (पूर्ण) बम्बई--97 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाँक 1 मई 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के के लिए;

अत: अय, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के बन्सरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत क्र— (1) श्रीमती श्रार० पी० णहा ।

(ग्रन्त रक)

(2) श्रीमती के० वी० छेडा ग्रांर अन्य।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रुजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अर्जाध या तत्मंबंधी व्यक्तियो पर अविध बाद में समाप्त हम्नेती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूधना के राज्यश में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिया के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

ह्लाक नं र 16. जो, 3री मंजिल, श्रोम ग्राणा निकेतन को-ग्राप० हाउसिंग सोभाईटी लि०, जितेन्द्र रोड़, मालाड (पूर्व) बम्बई-97 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि ऋ० सं श्रई 3/37-ईई/19309/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रमाद यक्षम प्राधि नरी महायक आय ४ आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्गन रेंजें–3, बस्बई

दिनाँक: 16-12-1985

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

जाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 16 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० घ्राई—3/37—ईई/19478/84→85——अतः मुझे, ए०प्रमाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत किधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिख्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्चीर जिसकी सं यूनिट नं 38, जो, तल माना, माउंट ब्ह्यू, सी टी एस नं 10-बी-1, गव्हर्नमेंट सब-स्कीम नं 2, प्लॉट नं 3, ट्राम्बे उत्तर-पश्चिम मानखुदं डिनीजन, बम्बई में स्थित है (श्चीर इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका करारनामा श्चायकर अधिनियम, 1961 की धीरा 269 क, खके श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यावय में रजिस्ट्री है, दिनौंक 1 मई 1985

को पूर्विकः सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि सभापूर्विकत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए द्रय पाया गया मृतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिकित में वास्तविक कृप में कथित नहीं किया गया है।——

- त) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सृविधा के लिए, और/या
- ा) एसी किसी आय व। किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अरा अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मों, भों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रोमतो जो ० एन ० संपत स्रौर श्रन्य । (श्रन्तरक)
- (2) श्रों हरीकृष्ण मदनलाल (हि० अ० कु०) श्रीर श्रन्य । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां ग्रह्क करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्भव्योकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुभूची

यूनिट नं० 38, जो, तल माला, मर्डट व्हयू, सी०टी० एस० नं० 10बी-1, गव्हर्नमेंट सब-स्कीम नं० 2, प्लाट नं० 3, ट्राम्बे उत्तर-पश्चिम, मानखुदं डिबीजन, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई -3/37—ईई/19478/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-3, बस्बई

दिनौंक: 16-12-1985

प्रका बाई. थी. एन. एस. -----

भग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत बरकाड

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 16 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० यर्ज-3/37-ईई/19672/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

द्यौर जिनकी सं० प्लाट नं० 72/3ए (श्रंण), सी० टी० एस० नं० 298 (श्रंण), श्रनीक हिहलेज, तालूका कुर्ली, वाशी नाका, चेंबूर, वस्बई-74 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिशित्यम, 1961 की धारी 269 के, खे के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनौंक 1 मई 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के क्यमान प्रतिकार के लिए अतिरित को गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्यमान प्रतिकाल से, ऐसे क्यमान प्रतिकाल का रन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिस्तित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण त हुई किसी भाग की भावत उक्त गरिपत्तिकात के अभीन कर दोने के अन्तरक के दिशास्त्र मां कमी करने वा उवाले बचने में सुविधा के सिए; बार/या
- (अ) ऐसी किसी नाय या किसी धन या बन्य जास्तियों कां, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया वाना वाहिए वा, कियाने में सुविधा कांनए;

अप: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीत, जिल्लीकिंक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रोमतीपी० जे० इराणी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डी० एन० पंजाबी।

(ग्रन्तरिती)

को वह तुचना पारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के सिध कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के संबंध में कोई भी वासने ह----

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी नन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास सिखित में किए वा सकेंगे।

स्वध्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्दों आर पर्यों का, को उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा थी उस अध्याय में दिया क्या हैं।

प्रनुसूची

प्लाट नं० 72/3ए (ग्रंश), सी० टी० एस० नं० 298 (ग्रंश), श्रनीक व्हिलेज, तालूका कुर्ला, वाशी नाका, चेंबूर, वस्बई - 74 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ब्रई-3/37-ईई/19672/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद गक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक: 16~12-1985

प्रकल भारा 🗓 🖭 सुर्ग 🗷 🖛 👓

ज्ञानकर मीधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

नारत सरकाह

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 12 दिसम्बर 1985

निदश सं० ऋई-3/37—ईई/19330/84-85—-ऋतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनता निजनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-च के नभीन नक्षम प्राधिकारी को, यह निवसम करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाशार मूल्य 1,00,000/- रा. संविधिक हैं

स्रौर जिनकी मं० फ्लैंट नं० 8, 3री माला. श्री दुर्गा भवन, प्लाट नं० 19, एम० जी० रोड़, गोरेगाँव (पिण्चम), बस्त्रई में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारतामा स्रायकर श्रिधिनियुष, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रिधीन, बस्बई स्थित सक्षम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाँक 1 मई

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान अतिकस् के सिए कस्तरित की गई हैं जार मुख्ये वह निकास करने का कारण है कि यूथापूर्वोक्त क्यारित का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकत से, एसे क्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरम के सिए तय बाया गया प्रतिकत, निम्नितिखित उच्चक्य से उकत बन्तरम सिकत यें नास्तिक रूप से कथिश नहीं किया गया हैं :---

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबत ज़ब्बर बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दियार में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/बा
- (क) पांती किसी बाध या किसी कर्न वा बन्य नास्तियों को विस्तृ भारतीय बायकर विधिनवन्, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधनयम, या धन-कर विधिनवन्, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रेचनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया काना वाहिए था, कियाने में कृतिका के लिए;

वतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-व के वनुकरण के, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मसर्मबी० के० ऋष्पाएंड कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० मालिवन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पृत्रोंचय सम्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आसीप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर तक्कित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी को
 पास लिखित में किए जा सकों ने।

स्थाव्यक्तिरण:---इसमा प्रयुक्त शब्दा आहे. पदा का, आ उक्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

धनसूची

पर्लंट नं० 8, 3रा माला, श्री दुर्गा भवन, प्लाट नं० 19, एम० जी० रोड़, गोरेगाँव (पश्चिम) बम्बई ।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं श्रई-3/37-ईई/19330/ 84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, **बम्बई**

दिनाँक: 12-12-1985

प्ररूप जाइ.टी.एन.एस.-----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० प्रई-3/37-ईई/19685/84-85--प्रतः,मुझे, ए० प्रमाव,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 209-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव यूनिट तंव 212. 2रा माला, भोला भगवान इंडस्ट्रियल इस्टेट, ग्राईव बीव पटेल रोड़, गोरेगाँव (पूर्व) बम्बई ~ 63 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण स्व में विणित है), श्रीर जिनका करारनामा श्रापकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खे के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाँक 1 मई

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मून्य, उशके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यंश्य से उक्त जन्तरण जिल्हा में अस्तिकल, निम्नलिखित उद्यंश्य से उक्त जन्तरण जिल्हा में अस्तिकल कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (का) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के बिए;

बतः अव, अवत निधितियत्र की वारा 269-ग के जनुसरण हो, भी, उक्त मेधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बभीन, निम्निसिक स्पविद्याँ, बभीत् ८—- (1) मंसर्स श्रीराम इंडस्ट्रीज।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती भार० खिलनाना।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच डें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्किरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जिन्दाम, को अध्यास 20-क में परिभाजित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुस्ची

यूनिट नं० 212, 2रा माला, भोला भगवान इंडस्ट्रियल इस्टेट, श्राई० बी० पटेल रीड़, गोरेगाँव, (पूर्व) बग्बई-63। श्रनुसूची जैया कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/19685/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–3, बस्बई

दिनौंक: 12-12-1985

मोहरः

४क्स बार^{*}ु टौ_ल एस_लएस_{ल स}न्त्रकालक

भागकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-म (1) के अभीत स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज ५ रेंज-3, बम्बई

बस्बर्छ, दिशाँ र 18 दिशम्बर, 1985

िर्दोण सं० अई—3/37—\$ई/19614/84—85——भ∵ः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ∠59-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाबार मूख्य !,00,000/- रु. संअधिक है

श्रीर जियकी संज फ्लैंट नंज 5, जो, 2री मंजिल, मिशा सदम, 94—बी, गोवंदी रोड़, चेंबूप, बम्बई—7! में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबढ़ अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिनका कराप्यामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खें के अशीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याचिय में रजिस्ही है, दिशोक । मई 1985

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुद्र किसी साम की वावत, अकत स्रीपनियम के वधीन कर दोने की अन्तरक को रामित्व में कमी करने वा उससे वधने में सुविवा के लिए; और/सा
- (का) एसी किसी आय दा किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हें भारतीय आय-कर आधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना काहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अयः, उक्त अधिनियम का शाः. 269-म के अगृतः। भाः, माः, लक्ष्म अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती आर० के० मधरवाल ।

(अस्पर हा)

(2) श्री एम० पी० देढीया श्रीर अन्य ।

(अनः रिती)

की नह सूचना बारा करके पूर्वोक्त समाभ के कजन की लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोश भी जोकोंद :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियां वद स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य श्यक्ति दुदारा अशोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रन्सूची

पर्नैट नं० 5, जो, 2री मंजिल मिला सदल 94-की गोबंडी रोड़ चेंबुर बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैस ि कि कि स० अई-3/37-ईई/19614/ 84-85 और जो पक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को अभिटर्ड जिया गया है।

> ए० प्रशास नक्षम प्राधिकारी सहाय व जाय पर आयुक्तः (विरोक्षण) अर्जव रेजि–3 यम्बई

दिशां ह : 18--12--1985

प्रारूप आर्थ.टी.एन.एस्.-----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० अई-3/37-ईई/19668/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद.

जायकर अधिनियज, 1961 (1961 का 43) (विससे इसमें इसके नवजात् 'प्रवत जीधिनियज' कहा गया ही, की धारा 269-स से जधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बद्धि, विश्वास जीवत शांधार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

- (क) बन्तरण से हुई किसी आम की मानत, उक्स मिश्रिनयम के मधीन कर दोने के बन्तरक बी दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी बाय सा किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रथाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकाट नदी किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियान में मुनिया चै लिए;

जतः अब, ७४। अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण भे, में. अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, भिम्मीलिखित व्यक्तितामं, अर्थातः :--- (1) श्रीमती आए० सी० मोदी।

(अन्धर का)

(2) श्री बी० पी० गाला श्रीप अन्य।

(अन् जिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के नम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस त्यान के रायपत्र में प्रकादन की तारीय से 45 दिन की नवींथ या तत्यंग्यः न्यानिसमां प्रः सूत्रवा की कामील के 30 दिन की वयांथि, यो भी अविष कार्य में स्वाप्त होती हों, से भीतप पूर्विका म्यानिकां में से किसी म्यानिक स्वकृत;
- (का) हक अपूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्षभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थानिक हुन : इब में प्रमुक्त धन्मों कौर वर्षों का, को उन्ह अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में विका गया ही।

अनुसूची

फ्लैट नं ० 9, 1का माला, प्याट नं ० 179, ब्यंकटेश मदन, स्टेशन एवेन्यू रोड़, चेंबूर, बस्बई-74।

अनुसूत्री जैसा कि कि० सं० अई-3/37-ईई/19668/ 84-85 प्रोर जो लजम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को प्रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद ाजम प्राधिकारी सहाया आयाण आयुक्ते (किरीक्षण) अर्जा रेजिस्ड, बस्बर्ष

दिनांक: 12-13-1985

म ।हरः

प्रकृत नाह[े] हों <u>एन एक उक्तानक क</u>

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ की धारा 269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर वायुक्त (निराक्षण) अर्जाभ रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिलांक 12 दिसम्बर 1985

भिर्देश सं० अई-3/37-ईई/19271/84-85--अतः मुझे ए० प्रसाद,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिज्ञकी सं० सी-1, माय डिविह्न को-आपरेटिव्ह हाऊसिंग सोपायटी लिमिटेड, अझिझ बाग, आर० टी० मार्ग, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थि। है (प्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रार पूर्ण रूप से विणित है), प्रार जिसका करारकामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, विभाक 1 अप्रैल 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में अस्तिक रूप से अधिक नहीं किया वधा है —

- हुँक) अंतरण वे हुइं किसी बाव की बावतं, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के बंतरक के शायित्व से कजी करने या उसके क्या से कृतिथा के सिए; ऑर/शा
- (थ) एसी किसी जाब या किसी भून या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अबत जिथिनियम, या ब्ल-कार जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यो स्विथा थी जिए;

(1) श्री जे० एन० धूपर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स रिलायन्स ब्हेपर सीलिंग सिस्टम प्राईविट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

का' यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अयक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकर्ण : इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सी-1, माय डिविहन को-आपरेटिक्ह हार्ऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, अशिष्ठा बाग, आर० सी० मार्ग, चेंबूर, अम्बई-74। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/19271/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनोक: 12-12-1985

मोहर 🖫

प्रकम बाह्", टी. एवं . एसं , -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भार 269-ए (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-3, बमबर्ध

वम्बई, दिशांश 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई--3/37-ईई/19688/84-85--अतः, मुझे, ए० प्रसाद,

गायकार तिभिनित्रम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क में छात्रैन अधाय पाधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्त 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं ० पलैट नं ० 11, 1ला माला, क्यसख को -आपरेटिट्ट् हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, 11वां रोड़, चेंबृर, बम्बर्ड में स्थित हैं (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बर्ड स्थित, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिशांक 1-5-1985

को प्रांतिका सम्पत्ति को सिण्त नाकान मृत्य से कम के दरममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे मह विकास कारने का लारण है कि स्थापनोंक्त संपत्ति का उचित प्राणार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंदिती (अंतरितियों) के बीच को एसे अन्तरण के किए लग्न पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण किस्तर के किस कही किया नहा है :----

- (...) जन्मरण में उन्हों किसी ग्रांब की ग्राम्स, जर्मन अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उकते बचने भी अधिशा के सिए; बार/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या अन अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्ज कन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया जा या किया जाना वाडिए बा. कियाने में मुविधा के निका

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती एम० अनंथकृष्णभ ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० बी० श्रीनिवासम ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के तिथ् कार्यवाहियां क्रप्ता हुं :

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:-

- (क्ष) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों कर स्वान की तामीस से 30 दिन की अविधि, को औं जविध बाद में समाप्त होती हो, है शैवर पूक्षक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताकारों के पास निकास में किए जा सकरो।

रवळीकरण:--इसमें प्रयुवक शब्दों मार पंतों का, जो राज्य अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं ० 11, 1ला माला, ब्यसख को-आपरेटिब्ह हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, 11वां रोड़, चेंबूर, बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/19688/ 84-85 प्रांप जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसा**द** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज⊸3, बम्ब**र्ष**

दिमांक: 12-12-1985

मोहर ः

प्रारत्व वार्डः टी. एव. एस.-----

भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुभरा

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भाग्वत (निर्दोक्तण)

अर्जाः रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिन क 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई--3/37-ईई/19190/84--85---अतः, मुझे ए० प्रसाद,

नायकार संधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पत्रवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अभीन सक्षम प्राधिकारों का यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मूक्ब 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० 4, बिल्डिंग नं० 30/ए, प्रवजीवन सोझायटी, एम० जी० रोड़, चेंबूर कैंम्प, बम्बई-74 में स्थित हैं (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण क्प मे विणय हैं), श्रौर जिसता नरारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269, क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि- कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, बिलांक 1 मई 1985

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मून्य संक्रम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके ब्ध्यमान प्रतिफल से एसे ब्ध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नावा गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरच किसार में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उसत विभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिग्रु, और/बा
- (था) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च बिल्ह्सि, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के क्यील, निम्नसिविक चिक्तों, क्यील क्

(1) श्री एस० एस० भादार ग्रांर अन्य ।

(अन्तरका)

(2) श्री कें विश्व सराई।

(अन्दर्शिती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वेक्त सम्परित के अर्जन के तिः। कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में स्माप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की गराल सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कर्कों और पदों का आ उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिश ही, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया स्वा ही।

अनुसूची

प्लैट नं० 4, बिल्डिंग नं० 30/ए, प्रवजीवन सोसायटी, एम० जी० रोड़, चेंबूर कैंम्प, बम्बई-74।

अनुसूची जैता ि क० सं० ाई ~3-37/ईई/19190/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रजाद नक्षम प्राधि लगी सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 12-12-1985

रूप बार् न की एक एक

वारकर वर्षेपीयवन, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-न (1) के बनीय क्ष्मण

align appear

कार्यक्रव , बहुवक बावकर बावक्क (विद्वांक्र्य)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 विसम्बर 1985

निर्वेश सं० अई-3/37-ईई/19655/84-85--अतः **मुझे,** ए० प्रसाध,

भायकर सिंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत सिंभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गाला सं० 48-ए, जो, 1ली मंजिल, विरवानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरेगांव (५०) बम्बई-63 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिभयम, 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विभाक 1 मई 1985

को न्दींबस तम्पति के उचित बादार मृत्य से कम के स्थमान शितपाल के शिष्ट अन्तरित को पर्द है बीट मुख्ये यह विद्याद करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके श्रवमान प्रतिफल से, एचे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्वरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए वस पासा गया इतिक व विश्वसिक्त क्यूबोक्स से सक्त अन्तर्म विश्वस में वास्तर्भक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरक सं हुई किसी बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के श्रीयत्व में कमी कर्तके वा उद्यक्त विलये में बुन्तिका के किए; मॉर/मा
- (श) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आमकर मधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उनके स्विनियम, वा धन-कर निधीन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया क्या वा सा किया आवा चाहिए चा, जिनाने के खींजा के जिन्दा

बत्तः। बन्तः वन्तः विधिनियमः की भारा 269-न विश्वनुवरमः वी, प्रवतः विधिनियमं की भारा 269-म की वर्ण्यारा (1) प्रधीनः, निम्मतिचित स्थितिकारी, वर्णात् हम्मा

(1) श्रीपी० ए० शहा।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स प्रेरमा पर्कोजिंग इंबस्ट्रिज ।

(अन्तरिती)

को यह बुक्ता वाही कहकी क्वोंक्स संपृत्ति को अर्थन की जिल् कार्यवाहियां कहता हो।

क्या प्रमाण में वर्षन ने बालन ने बोर्ड ही बालेक--

- [क] इब ब्रुवता के राज्यत वो प्रश्नावन की तारीज ही
 45 विन की अविभ या तत्सवंधी व्यक्तियों पर
 कृषना की तामील वे 30 विन की व्यक्ति को भी
 वृद्दि बाद के स्वास्त होती हो, के बीतर पृथ्वीका
 व्यक्तियों के वे दिश्ली व्यक्ति दुधारा;
- (क) इस स्थान के राजका में प्रकाशन की शारीय से 45 दिन के भीतर उनल स्थानर संपर्तित में हित्तक्ष्य किसी बन्ध व्यक्ति वृतारा, बभोइस्ताक्षरी के वाल विविश्व में किए वा क्केंचे।

स्थव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त कव्यां और परों का, को उत्तर विभिनियमः, के सध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होगा को तस सध्याय में दिवा क्या है।

वन्त्र्या

गाला नं० 48-ए, जो, 1ली मंजिल, विरवानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरेगांव (५०), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि कि के सं अई-3/37-ईई/19655/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिशांक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (फिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, सम्बद्ध

विमान: 12-12-1985

प्रकथ बाइ. डी. एत. एस.

कत्त्रकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत संस्कार

ार्याजय, सहायक जायकर जायुक्त (विरीक्षण) अर्जाभ रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

मिर्देश सं॰ अई-3/37-ईई/19376/84-85--अत:, मुझे ए॰ प्रसाद,

गायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक्तेपच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, का भारा !69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का प्रत्य है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाचार मूच्य 00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7, जो, तल माला, सी-इमारत, कुमूद मगर, एस० बी० रोड़, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिशांक 1 मई 1985

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पूक्त प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत बम्दरण विकास में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है

- (क) कलरण तं हुई किसी बाय की शवत, शक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिग्र; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्त बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंशरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बल्य बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) चै अधीन, निम्निजियित, व्यक्तियों, अर्थात् ड— (1) जे० डी० एंड कंपनी प्राईवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्रीपी० एम० साक्षियम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

बक्त सम्पन्ति के बर्चन के संबंध में कोई बाधेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अमितर द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी कम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए वा सकेंगे।

स्वक्रीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों बार पर्यों का, वो उक्त व्यथिनियम, के बंध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं बर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बनुस्यो

पलैट नं० 7; जो, तन माला, सी-इमारत, कुमूद नगर, एस० बी॰ रोड़, गोरेगांव (प०) धम्बई-62 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/19376/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 1-5-1985 को रजिस्ट के किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षणः) अर्जन रॅज-3, बस्बई

विनाक: 12-12-1985

नोहर:

अचन नार्यः, दर्शः, दल_ः इत्_{रा} ॥ ४ - ०००

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में सभीय मुचना

मारत बहुन्यह

कार्याचन, ब्रह्मयक नायकर नायुक्त (र्रिनरीक्रक)

अर्जेन रेंज-3, बम्बर्ड् बम्बर्ड, विनोक 12 विसम्बर 1985

ित्रंश सं० अई-3/37-ईई/19243/84-85--अतः, मुझे ए० प्रसाद,

नामकर प्रिंभित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'छक्त निभित्यम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अभीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाकर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिनकी सं० प्याट नं० 39—बी, जो, विधी सोताईटी, चेंबूर, बम्बई—71 में स्थित है (धाँर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विधित है), भीर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 मई 1985

को पूर्वोक्त संगीत्त के स्वित बाजार मूल्य से कम के बच्यमान पतिफल के मिए अन्तरित की गई है और अफ़्रे यह विकास अरने का कारण के कि यंशायवीयत संपत्ति का उपित आवार अल्य, उसकं क्ष्यमान प्रतिफल से एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिचत से लिभक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निविद्य भी वास्तविक रूप से किंग्ड नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी जान की नायत, उपल जिथिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी नाथ वा किसी धन या अध्य अस्थितों की जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया यया था वा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा की किए।

अतः अवं, उक्त निधिनियम की धाख 269-म की जनुसरण इ., में उक्त निधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) से गुभीन, निस्तिसिक्त व्यक्तियों। अर्थाव्यक्त (1) श्रीमती आर० एम० यादव।

(अन्तरक)

(2) कुमारी एस० एस० कुल कर्णी।

(अन्तरिती)

का यह स्वना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिष् कार्यगाहियां करता हूं ।;

रक्त सम्बन्धि के अर्थन के संबंध में कोई भी आखेर ह—

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध कि को अन्य स्थिकत व्यारा, अधोहस्ताकारी को पास सिबित में किए या स्कोंगे।

स्वकातिकरणः ----इसमें प्रमुक्त खब्दों नीर पवों का, जा सकत नीभीनवम, के अभ्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिया गया है।

वनुसूची

ब्लाट नं० 38-बी, जो, सिधी मोसाईटी, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई-3/37-ईई/19243/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलाक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद तक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जेश रेंज-3, धम्बई

दिनांक: 12-12-1985

मोहर ध

प्ररूपः वार्डः टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/19646/84-85--- मतः, मुसे, ए० प्रसाद

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पण्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं माला गं 6, ग्राउन्ड फ्लोधर, क्रिजवासी इन्डिन्ट्रिस, इस्टेट, श्राफ बी पटेल रोड, गोरेगांच (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित हैं (और इससे उपाबद श्रमुस्की में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारकामा श्रास्कर श्रिटिसम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-5-85

को पूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृ<mark>स्य से कम के श्वयमान</mark> प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि

यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच क्से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बंतरण ते हुइ किसी भाग की बाबत, उक्त वृधिनियम, के बभीन कर देने के अन्तरक के बाबित्य में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन वा अन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियक्ष की भारा 269-ग के अनुवरक तै, तै, अकत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) अं अधीत, निस्तिविक व्यक्तियों, अभित ड—— (1) श्री एज एस हाजी प्रवृ और ग्रन्थ ।

(मन्तरक)

(2) श्री में। कें। प्रसला

(भ्रन्तरिती)

को यह त्वता चारी करके पूर्णेक्त सब्मरित के वर्णन के सिम् कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्परित के भर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ए-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 15 विन की समित या तत्सवंभी स्थितियों पर गुजान की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी शिवधि माद में समाया होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (वा) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाबन की हारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्वध्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त राख्यों और पर्योका को स्वक् विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया प्रवाही।

मन्स्ची

माला तं० 6, प्राउन्ड पनोअर, ब्रिजनासी इन्डिस्ट्रियल इस्टेट, ग्रार० बी० पटेल रोड, गोरेगान (पूर्व), बम्बई-63 । ग्रानुसूत्री जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/19646/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-85 को रजिस्ट डें किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बम्ब**ई**

विनोक: 12-12-1985

भक्त अस्ति <u>. यो . एन . एक</u>

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन

HIGH STANE

कार्वासय. सहायक नायकर नायुक्त (निडांश्वण) धर्जन रेंज-3, बस्बर्ध

बम्बई, विनोक 19 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० श्र**ई**-3/37-ईई/19429/84--85----मतः, मुझे, ए० प्रसाव

कावकर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत स्थितियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के स्थीत सक्षत प्राधिकारी की वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्भिता, विश्वका जीवत वाचार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं पलैंट नं बी-41, जो, 4थी मंजिल, मताली इमारन नं 4, प्लाट नं 48, 49 और 50, पालनाय व्हिलेज, मार्ने रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में श्यित है (और इससे उग्रक्क अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269, क, ख के अवीन, बन्बई श्यित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरही है, तारीख 1-5-1985

को प्रोंक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के संस्थान श्रीतिक स के सिए अन्तरित की गए है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्बेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे ध्रमंमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तियक कप से कथित नहीं किया गया है ध्रम

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त बिधिनियम के लधीन कर दोने के जन्तरण के कार्यण में कमी करने वा उसते दचने में बुविधा के बिए? जीर/सा
- (क) एसी किसी बार्य या किसी भन वा जन्य वास्तिकों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अधिनियंत्र, या जन-कर अधिनियंत्र, या जन-कर अधिनियंत्र, या जन-कर अधिनियंत्र, या जन-कर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में वृदिधा वे सिया।

बतः बदः, उक्त विभिन्नम की भारा 269-न की बनुसरण के मी, इक्त विभिन्नम की भारा 269-ने की स्पर्भाय (1) वे भारीतः, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षाव क (1) मनाली कापॅरिशन।

(धन्तरक)

(2) श्री उसी ∗ुषणन।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

सकत सम्पत्ति को नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की वनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, थो भी वनिध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के धाजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी मन्य स्थित द्वारा अर्थोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकींगे।

स्वकातिकरणः — इसमें प्रयुक्त खन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को सध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भवा है।

वन्स्ची

पलैंट नं बी-41, जो, 4थी मंजिल, मनाली इमारत नं 4, प्लाट नं 48, 49 और 50, बालनाय विहलेज, मार्वे रोड, मालाड (प), बस्बई-64 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ध्रई-3/37-ईई/19429/84---85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनोक: 19-11-1985

प्रचल बाह्"्र ही, युन् ् वृद्धाः हान्यस्थाः

नावकर वीधीतवज्ञ. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के वधीत क्लवा

नारत सहस्रापु

शर्वासय, सहायक कावकर वायुक्त (विरक्षिक)

श्रर्जन रेंज-3, बम्ब€

बम्बई, दिनांक 19 नवम्बर, 1985

निर्देण सं० श्र**ई-3/37-ईई/19448/84-85---- ग्र**तः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निधिनयन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पण्यात 'उक्त निधिनयम' कहा गवा हैं), की धारा 269-क के नधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह निध्यास करने का जारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित्त वाचार मृस्य 1,00,000/- रह. से निधक हैं

और जिसकी संव दुष्णान नंव 156, जो, तल माला, मालाष्ट्र णापिंग मेंटर, एसव जीव रेड, मालाष्ट्र (प), बस्बई-64 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं) और जिसका करारनामा श्रायंकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ज के श्रिधीन, वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को प्रशंकत सम्मन्ति के उचित बाजार नृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि बयाप्वॉक्त सम्बद्धि का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकास से, एंचे स्वयमान प्रतिकास का उचित बाजार पन्त्रह प्रतिभात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरितों (अन्तरितेंंंंं) के बीच एंसे सन्वरण के तिए स्वय गामा बचा प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) सन्तरण ने हुई किसी बाय की बायत, उक्क मधिनियम के अभीत कर बाने के बन्तरक के -शियत्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; बीद/था
- णेसी किसी अाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय बंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था फिपाने में स्विथा के विद्;

श्रतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनलरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अयिक्तयों, अर्थात् :—— 42—436 GI/85 (1) श्री भौगिलाल एफ० शेठ

(अन्तर्क)

(2) श्राहरीलाल ए० देशिंग

(अन्दरिती)

को मह सुषाना जारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के जर्जन के लिए भार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से
 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर
 सूचना की तानीस से 30 दिन की जनिध, को भी
 वर्षीध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इंड ब्रूपना के राज्यन में प्रकावन की शारीखं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्पत्ति में हित- बद्ध किमी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकों ने।

लक्कीकरणः -इवर्गे प्रयुक्त बन्धों और पर्यों का, को उपह अधिनिवस, के बध्याय 20-के में परिभावित है, नहीं वर्ष होनेन को उस सध्याव में दिवा गया है।

नग्सूची

दुकान नं० 156, जो, तल माला, मालाड णापिंग मेंटर, एस० जी० रोड, मालाड (प), बस्बई-64 में स्थित है। प्रमुस्तो जैसा कि क० मं० प्रई-3/37-ईई/19448/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुपंत रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 19-11-1985

मोहरः

प्रस्य बार्ड, टी. एव. एस्. प्रान्तान

नामकर निभिन्निमम. 1961 (1961 का 43) की पारा ?64-थ (1) के जभीन सुधना

नारत चहुकाह

कार्णालकः महारूपः कामकार वाक्षः (विशोजन) धर्जन रेज-3, सम्बर्षः

बम्बई, दिनांक 19 नवम्बर, 1985

गायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उम्रत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-म के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संबंदित जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० बी-23. जो, 2री मंजिल, मनाली इमारत नं० 4, प्लाट नं० 48, 49 और 50. व्हिलेज बाल तर, मालाड (प), वश्वई-64 में स्थित हैं (और इसने उपावद्ध अनुभूवी में और पूर्ण रूप में विश्वत हैं) और जिसका करारतामा आयकर अधितियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास जारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्हिलांखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया वस्प था या स्थिया जाना बाहिए था छिलाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) भैसर्थ मनासी कार्परिशन

(भ्रन्तरक)

(2) केंग्टन फिलिप्स एच० पर्इस

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्बन्धि के बर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेप हैं---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्यारा बधोह्स्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंने।

अनुसूची

फ्लैट तं० बी-23, जो, 2री मंजिल, मनाली इमार्त नं० 4, फ्लाट तं० 48, 49 आर. 50. विह्लेज बालनाय, मालाङ (प), बम्बई-64 में स्थित हैं।

प्रमुखी जैसा कि क० सं० प्रष्ठ-3/37-११/19707/84:85 प्रीर जा सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 1-5-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्राधकर आयुक्त (निरीक्षण) र्जन रेंज-3, बम्बई

दिलांक: 19-11-1985

महिर:

मक्त बार्स . डॉ. ५२ . पुर

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) से नदीन स्वता

बार्य प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर 1985

निवेश सं० आई-3/37-ईई/19403/84·85----श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (थियों इसमें इसके परवात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-च के अभीन दक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का धारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाधार मूख्य 1,00,000/- क से अभिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 1, जो, तल माला, श्रजीत पार्क-बी. सोमधार बजार रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित हैं (और इसरे) उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विशिक्ष हैं), और जिसका करारतामा प्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित दाकार मृस्य से कम के करमणा प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई आर सुभे यह विद्यास

करने का कारण है कि यथापूर्वोंबत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बंग्रह प्रतिश्वत से बीधक है जौर अंतरक (बंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितिबों) के कीच ऐसे अन्तर्क के सिए सम नाका गंदा प्रतिफल निक्नीलिंकित उद्देश्य से उक्त बर्शरण जिल्लिक में बास्त्रविक रूप से किथन नहीं किया गंदा है सूर्यन

- (क) मन्सरम से हुई किती थायु की वाद्युः, उपध नियनिवस् के मुद्रीय कर दने के ब्लाइक औ द्यायत्व में क्यी कड़ने वा उपने वज्यों में द्रीयमा के थिए; बाह्र/मा
- (क) ऐसी किसी जान या किसी वर्ग वा वन्य नास्तिन्तं की चिन्हें नार्तीन नाय-कर निर्मानयम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मानयम्, या भन-कार निर्मानयम्, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट मही किया स्था वा या किया जाना नाहिए था, कियाने में सुनिशा के लिए;

बत: बब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुबरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभास्त (१) के बभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अभीर :-- (1) देशमुख बिल्डमं प्रायबेट लि०

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्रशेखर बी० दुवे

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान बाड़ी करके पूर्वोक्त स्थारित के वर्षन के किए कार्यवाहियां सूक करता हुई ।

उक्द कन्दीत् में वर्षम् में वंबंध में कोई भी मार्थप :---

- (क) इस त्यना के द्रायमन में प्रकाशन की तारीय वें 45 विन की बदीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीन से 30 दिन की अवधि, को भी बदीन वाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (थ) इस सूचना के राजवज में प्रकाशन की तारिया में 45 विश्व के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, जधोहस्ताक्षरी के पास सिरोधत में किए वा सकेंगे।

्चच्यीकरण ----इसमें प्रयुक्त वृद्धों और पद्यों का, जॉ उच्छे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया

मनुसूची

फ्लैंट नं ।, जी, तल मीली, शतीत पार्क-बी, सीमवार बजार रोड, मालाड (प), बस्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्र**ई-3/37/ईई/19**403/84− 85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्ब**ई** द्वारा दिलॉक 1~5-/1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्ब**ई**

दिनांक: 18-11-1985

प्ररूप आहें. टी. एव. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कार्यकर वायुक्त (निर्धालक)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दि तंक 19 नवस्वर 1985

निवेश सं० अई-3/37-ईई/19680/84--85---अत: मुझे, ए० प्रमाद,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य ।,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 15, जो, 1की मंजिल, जालन्दा इमारत नं० 2. आफ लिकिंग रोड, मालाड (प), वस्वई में स्थित है (और इसने उपाबड़ अनुसूचा में और पूर्ण रूप से बर्णित है), और जिसका करारतामा प्रायंकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीय, वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीस्व 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान तिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से, ऐसे इश्यमान प्रतिकल का मन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रेती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित कें भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) उन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन वा अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिक्;

अक्षक अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिचित व्यक्तिकों. वर्षात ए--- (1) श्री लालजी देवचन्द दोधीया

(ग्रन्तरक)

(2) श्री उपय शंकर गेल्ली

(अन्तरिती)

को यह तुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के मिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (वा) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 विन के श्रीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध नेस्क्वी कम्य क्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकेंगे।

सम्बद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर क्याँ कार, को उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होना को उस अध्याय में विया गया है।

अनलची

फ्लैट नं 15, 1ली मंजिल, नालन्दा इमारत नं 2, आफ लिकिंग रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा नि क० सं० अई-3/37-ईई/19680/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (जिरीक्षण) स्रजैत रेंज-3, बम्बई

विमांक: 19-11-1985

मोहरः

अक्ष बार्च वर्षे हों. एन . एस . - - - ----

आधकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के नधीन सूचना

STATE WHEN

कार्यालय, सहायक भायकर जायक्स (निरौक्षण)

श्रजीत रेंज-3, बम्बई

निदेश मं० अर्थ-3/37-ईई/19500/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बार कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-स के अधीन सकाम प्राधिकारों को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्बद्धित, जिसका संचित साबार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी मं ब्रुकान नं 25, जो, मालाड णापिंग सेंटर, एस० बी० रोड, मालाड (1), बस्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्चः में ऑप पूर्ण रूप ने घणित है), और जिसका करार गमा ग्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क. ख के ग्रीचेन, बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

कां पूर्वोवत सम्पत्ति के बीचत बाजार मृत्य से कम के रवममान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास स्थान का कारण है कि यथापुर्वोचत संरत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, इसे स्थमान प्रतिचल के बन्द्रह प्रक्रिक से अधिक है है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविक्त , निम्नलिखत उद्योच्य से उच्य अन्तरण निम्लिखत में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्दारण संहुद्दं भिन्नी नाम की शावक, उनक अभिक्षित्रम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने था उसके श्वन में सुविधा के लिए आरं/शा
- (क) एंसी किसी अन या किसी थन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया वा वा किया जाना पाहिए था किया में त्विभा के सिक्त;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधास (1) के कधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैसर्स श्री राम बेल्म का पोरेशन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पारसमलपी० मोनी

(श्रन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति क अर्थन कं लिए कार्ववाहिको कुरू करका हुँ।

उक्त कर्यारत के कर्पन के संबंध में कोई भी भारते :---

- (क) इब सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की बनिक, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस त्वना के राजवत में प्रकाशन की नारीस् हैं 45 किन के भीतर उक्त स्मावर सम्मत्ति में हित-क्व्य किशी जन्म व्यक्ति व्याच वशहस्ताकरी वे पाच विधित में किए या करों में ।

न्यव्यक्तिरण ----इसमें प्रभूतिः शब्दों और पर्वों का, वां जक्त विधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाविष्ठ हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

सन्त्ची

जदुकान नं ० 25. जो. मालाड शापिंग सेंटर, एस० बी० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/19500/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) अर्थन रेज-३, बस्ब**र्ष**

दिनांक: 19-11-1985

प्ररूप आहरें.टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम्,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिलांक 19 नवम्बर 1985

निदेश मं० श्रई-3/37-ईई/19237/83-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० दुकाल नं० 1. जो तल माला, सकेत, दादी शेठ रोड का जंक्यत, आफ एस० वी० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे प्रयावड अनुसूची में ऑर पूर्ण क्य मे विणत है), और जिसका करारतामा शायकर रुधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के श्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीका 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारार (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्रीमती कुमुद एउ० भटकुली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लालसिंग उदयसिंग राजपूत

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्स में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त जिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

दुकान गं० 1, जो, सकेत, तल माला, दादी गेठ रोड का जंकणन, ग्राफ एस०वी० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/19237/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 1,9-11-1,985

प्रस्म बाह् , टी , प्रमु, प्रच्य प्रस्थात

(1) श्री शारंगधर ने० कुलकर्णी

(३,न्स ' व)

(2) मैसर्स प्रसिक कन्स्ट्रनणन कम्पनी

(अन्तरिती)

बायकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 2 दिशम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/19528/84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

काग्रकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-ए के अधिन गराम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्यु 1,00,000/- क. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं जिसेन का हिस्सा, जिसेका सीटीएस तं 474 स्रौर 482, एच वर्न जिसेन के स्रोर 4, व्हिलेज भाइप, बम्बई में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), स्रौर जिसेका करारनामा आयक्र अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं., एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्धाः प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिति उद्देष्य से उक्त अम्तरण निकास में बास्तविक रूप ने कथित नहीं किया नया है।

- (क) लन्तरण ह हुए किसी बाय की वायल, उपल अभिनियम के बजीन कर दोने के मृत्तरक के शिवाय में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के सिय: और/वा
- (का) एसं फिली बाय का किसी धन का करक कास्तिकां करों जिन्हों भारतीय जायकर जिनिसम, 1922 (1922 का 11) या जकत बिधिनिसम, या धन कर अधिनिसम, 1957 (1957 का 27) को प्रसोजनार्थ जन्मरिती व्यारा प्रकट नहीं किया यस था या किसा जाना चाहिए था, जिन्माने में स्विधा की लिए !!!

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, रिप्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— को यह सूचना जारी रूपके पूर्वोक्ष्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अनिधि या अत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की टामील से 30 दिन की त्रनांध, को भी अवधि नाद में तमान्त हाती हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (थ) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर क्षम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थावित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए जा सकोंगे।

अन्सूची

जमीन का हिस्पा, जिसका नीटीएस नं ० 474 और 482, एच० नं ० 1 और 4, व्हिलेक भांडूप, वस्बई में स्थित है।

अतुसूची जैला कि कर गंर शई-3/37-ईई/19528/84-85 और जो सक्ष म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिशांक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रधाद विकास प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, वस्वर्ष

दिनांक: 2-12-1985

प्रकृष बाह्रं टी. एन. इस. -----

कायभार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-व (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यासम्, सहायक अध्यक्षर वास्त्रम् (निराधनः)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांज 2 दिसम्बर, 1985

सिर्दोग सं ० अई-3/37-ईई/19417/84-85-—अत: मुझे ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा रूपा हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जुल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं० औद्योगिय यूनिट नं० 39, जो, तल माला राजा इंडिस्ट्रियल इस्टेंट, मुलूंड (ए), बम्बई-80 में स्थित है (प्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रार पूर्ण क्ल से बर्णित है) श्रार जिसका करारतामा आयजर अधिनियम, 1961 की धारा 269 फ, ख के अधील, बम्बई स्थित अक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वो कत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निक्यास करने का कारण है कि बनाय बेंकल संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्वयमान प्रतिफल से एके अवसान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकास से विभक्त हैं और वह कि अवस्थ (अंदरका) और अंतरिती रिसी (अक्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण से सिए तय पावा नया प्रतिफल, निक्निसित उद्योग से उस्त अन्तरण सिवित में वास्तिकस कम से किंकत नहीं किया नया है अन्तरण से सिक्त

- (क) जन्तरक से हुई किथी बाय की बाबत, उक्त विधिनिक्स के बधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी कदने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँद/बा
- (ग) एसी किसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय जाय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जातिए था कियाने में सुविधा के लिए:

बता स्था, उस्त स्थितियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के क्रणीन, निम्निलियन स्थावित्यों, अर्थात् (1) मैनर्स एस० एम० हफ एण्ड फम्पनी

(अन्तर हा)

(2) मैं अर्स विभोन इंजीशियिंग एण्ड ट्रेनिंग जम्पनी (अन्तरिती)

को यह स्थना धारी करके पृथिकत सम्मत्ति के वर्षन के पिए कार्यवाहियां करता हूं

उमत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की जनीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृत्यन की डामील से 30 दिन की अविधि, को भी जनीभ नाम में समान्त होती हो, के भीतर पृथींकर व्यक्तियों में से किसी स्पीक्त द्वारा;
- (ज) इस सूचना के सम्पन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबस्थ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किस जा सकींचे :

स्वध्यक्तियः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहाँ अथ होगा, जो उस कथ्याय में विका गया हैं।

अप संचित्र

श्रीद्योगिक यूनिट नं० 39, जो, तल माला, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट, मुल्ड (प), बम्बई-80मे स्थित है।

अनुसूची जैपा कि क० सं० अई-3/37-ईई/19417/84-85 श्रीर जो नक्षम प्राधि हारी बम्बई द्वारा दियो है। -5-1985 की रजिस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्रसाद एजम प्राधिकारी महायक अत्याकर आयुक्त (किरीक्षण) नजीत रोजि-३, बस्बर्फ

दिनांक: 2-12-1985

प्रक्ष बाद .टी.एन.एवं.-----

बायफर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुवना

भारत बरकाउ

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जा रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिलांत 2 दिसम्बर, 1985

ि विशेष सं० अई-3/37-ईई/19234/84-85---अतः मुझे, ए० प्र⊲द,

अध्यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, जो, संस्था को-भाष० हाउटिंग सो प्राईटी जि०, एम० बी० मार्ग, मुलूंड (प), बम्बई-80 में स्थित है (ग्रौर इतसे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्व रूप से विधित है) ग्रौर जिसका करायतामा आयकर अधिषियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि तरी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-5-1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपीला का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्बेश्य से उक्त कन्तरण निश्चित में बास्तियिक कप से किशत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अथीन कर रोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुधिभा के लिए; बाँर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अ अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विद्याप्त अधिनियम अधिनिय

(1) श्री आर० एन० नारायण

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला लक्ष्मीकांत भद्रा।

(अन्तरिती)

का यह त्यना बारी करके प्वास्त सम्पत्ति सं अर्थन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्योकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उल्ले श्विनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याय में दिया एवा है।

ग्रनुसूची

पर्लंट नं ० 10, जो, संस्था को-आप० हाउसिंग सोझाईटी लि०, एस० बी० मार्ग, मुलूंड (प), बम्बई-80 में स्थित है। अनुसूची जैसा जि क० सं० अई-3/37-ईई/19234/84-85 ग्रीर जो खक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **बम्ब**ई

दिनाक: 2-12-1985

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बस्बई

बम्बई, दिनाक 2 दिसम्बर, 1985

िर्देश मं ० ाई-3/37-ईई/19115/84-85----शरः मुझे, ए० प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीण जिसकी सं० पर्लंट नं० 103, जो. 4थी मंजिल, एप-इमारतः, वर्धमाण पगण, 307 (2), डा० आण० पी० रोड और एम० जी० रोड, का जंक्याः, मुलूंड, (प०) बम्बई-80 में स्थित है (और डा.से उपावद्ध अनुपूची में श्रीण पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीण जिसका करणप्तामा आप राजियिक्स, 1901 की धाला 239 के, खेरे अधीत, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, कारीख 1-5-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रयमान प्रतिफल में, एों द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिनित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथा नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सविधा के लिए; और/या
- (क) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भेप्तर्स बर्बभान निल्डर्ग (इडिया) ।

(अस्टाएका)

(2) श्रीमती कराबेप एवं गेजपाल श्रीर अस्य । (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 किए की अजिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की ताशील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूबना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों दितबद्ध किकी अन्य व्यक्तित द्वास अक्षेत्रस्ताक्षरी को पाम लिखित नो किए जा नकींगे।

स्पष्टिश्तरणः ----इसमों प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उक्त ारिपीयण के प्रायश 20-क मो परिशाणित हो, बही अर्थ होता के उस अध्यास मों दिया गया हो।

अनुसूची

गर्नंड नं० 100, जो, थ्या संचित्र, गुप्टमान्य, वर्धमान सन्थ, 307 (2), डा० आण्डपीट रोडश्रीट गुम्र जीटरोड, ग्राक्तिक, मुलूड (५०), बस्थई-৪০ में स्थित्है।

अनुसूची जैसा कि कर सर अई-3/37-ईई/19115/34-85 माराजी जलम आधिकारी अमाई तारा लिसी उप-5-1985 को राजिस्टर्ड जिया गया है।

> ए० प्रभाद जक्षम प्राधिकारी कहाबाह आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेज-३, बस्बई

行宣五: 2-12-1985

माहर :

प्रस्प शार्थ टी. एत. एवं . ----

भाषकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय सङ्ख्यक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिलांक 2 दिसम्बर, 1985

गिर्वेश सं० **ःई-**3/37**-ईई**/19107/84-85—अतः मुक्को, ए० प्रसाद,

नासकर लिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थल पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन संक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थलार सम्बत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं ० पर्लंटनं ० 15, जो, गोवर्ध भ मगर, 4थी मंजिल, टावर-बी, ई० एस० आई० एस० हारपीटत के पार, मुलुड (प), वम्बई-80 में स्थित है (स्रौर इससे उपावड अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से बॉणत है) स्रोर जिसका करारपामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ल, ख के अधीभ, वम्बई स्थित सक्षम प्राविकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तरीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यशाप्तोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा यवा शितफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण विचित्त में भास्तिक रूप से किथत नहीं फिया गया है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वायत उक्त अधिनियम के अधीन कर पोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उठते यक्ती में सुविधा के लिए, और/भा
- (क) एंसी किसी बाय या भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बांधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. जियाने में सर्विधा की किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक ं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्किकिक व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री एस० राजगोपालम ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० आर० बनशी।

(अन्तरिती)

का बह ब्यमा बारी करके पृत्ते कर राज्यति के ब्यंत के निष्
कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मृति के बर्बन के सम्मृत्य में खोड़े ही मासोदा--

- (क) इस सूच्या 3 राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिय, जो भी स्वर्ध बाद में समस्त होती हो, से जीवर प्रविक्त व्यक्ति में से दिन्दी व्यक्ति हुए।
- (स) इस स्वमा के राजधन में प्रकाशन की तारीय ते 45 सिन् के भीत्र उन्दर स्थापुर सम्मत्ति में हितवह्म किती मृश्य व्यक्ति द्वारा मुशोहस्ताक्षरों के शह निवित में किए वा सकींगे।

स्पक्टीकरणः — इसमें प्रयम्त बन्दों और पदों का, जो उनके विधिनियम क बन्धाय 20-क में परिभाष्टिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अन्याय में दिया गया हैं।

बन्सूची

फ्लैंट नं 15, जो, गोवर्ध प नगर, 4थी मंजिल, टावर-बी, इ० एस० आई० एस० हास्पीटल के पास, मुलुंड (प), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/19107/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षेप प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 2-12-1985

प्रक्य बार्ड . ही . एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरंज-3, बम्बई

बम्बई, दिशांक 2 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अ**ई-**3/37**-ईई**/19628/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मृख्य ,00,000/- रह. संअधिक है

र्त्रार जिसकी सं दुकार न ० 22, जो, अरीहंन को-आप० हा उ-सिंग मोसाईटी लि०, गोराल कृष्ण गोखले रोड, मुलूड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित हैं (ग्रेंडिंड इसमें उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं) ग्रींडिजमका जगरनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

भी प्रबंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य सं कम के दूरयमान गतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभी यह विश्वास करन का कारण है कि सथा प्रवंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ब्रथमान प्रतिफल से पंग्रह मिलात ते अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मिल सित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक हम के कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा को लिए; अर्र/या
- (क) एसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वय, जनत विधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, मं, उथत विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्रीमती विनीता वसन्त ओक ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री खिमजी भामजी और अन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को वर्जन को संबंध में ओई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मं जेपी अर्था क्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिश को अविधि, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भी हर पूर्वोत्र व्यक्तियों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत तो प्रकाशन की सारीश स 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर प्रयोग भी हिसपद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्याप अधोहस्ताक्षरी को पास निखित में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त क्रींघरियम, को अध्याय 20-क गा पाणकारित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याप गा विधा गया है।

ग्रन्म्भी

दुकान नं० 22, जो, घ्ररीहंत को-ग्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, गोपाल कृष्ण गोखले शेष्ठ, मुल्ंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/19628/84- **85 और जो स**अम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी **स**हायक स्रायकर श्राप्युक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 2-12-1985

अरूप बाह', टी. एन. एस.----

भाषकर विभिन्नियम, 1961 (1961 को 43) की भाडा 269-थ (1) के बचीन सुचना

MICK SECTION

कार्यालय, सहा मक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ड. दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

निदश सं० ग्रई -3/37-ईई/19408/84-85--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ब्लाक नं 125/140, जो, सीटीएस नं 203 विहलेज मुलूंड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का से बिणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1 985 को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मृल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रहिफल, निम्नीलिखत उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक का से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन रण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनिया की सभीन कर दीने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसने बचने में स्विधा के लिए; श्रीर/या
- श्वि) एसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य वास्तियों की, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ववा था या किया जाना चाहिए था, जिलाने में स्विधा औ लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, क्वा अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्ति व्यक्तियों, अर्थात् ध—

(1) श्री मुकेश जमनादास नरसेन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० डी० ठाकुर और ग्रन्य।

(मन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्मीत्त के कर्षन के सम्बन्ध में काई भी सामाध :---

- (क) इब ब्रुचना के राज्यम के मुकारम की ताडींच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

ब्लाक नं० 125/140, जो सीटीएस नं० 203, व्हिलेज मुलुंड, बम्बई में स्थित है।

यनुसूची जैसा कि क० सं० य्रई-3/37-ईई/19408/84-85 और जो सञ्जम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 2-12-1985

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

ल्या का धनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जनरेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/19176/84--85----ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ५२ चात् 'छवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन छक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्तावर संपर्ध जिनका उचित दाजार मूल्य

1.00.000/- फ. से अधिक हैं और जिसकी सं माला नं 41, जो, नवनन्दन इंडस्ट्रियल ६स्टेट, रेलिज कम्याउन्ड के सामन. मुलूड (प), बम्बई में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धरा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्टी है, नारीख 1-5-1985

वां पूर्वाकर संस्थास के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लए अतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित वाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एस उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निशिंखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हुए से किंग्रित नहीं किया गया है ए—

- (क) अंतरण स हाइ' फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणेजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मों, मों, उक्त उदिपित्यम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैसर्स पुत्रर पूछ प्रांडक्टस

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लाल सिहमल भोजवा नी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यचाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्संदंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि कर में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (र) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीन से 45 दिन को शीतर उकत स्थावर सम्पत्ति मो हित- बद्ध जिसी अप व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी की पास निष्यत मो किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

माला नं 41, जो, नवनन्दन इंडस्ट्रियल इस्टेट, रेसिन ओल्फ कम्पाउन्ड के सामने, मुलूंड (प), त्रभ्वई-80 में स्थित है।

भ्रमुस्त्री जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/19176/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद संजम प्राधिकार सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंच-३, बस्बई

दिनांक: 2-12-1985

मोहः :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जुत रेंज-3, बम्ब**ई**

वम्बई, दिनांक 25 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० ाई-3/3**7-ईई**/19315/84-85----श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा संजिधक है

और जिसकी सं गोडाउन नं 201, जो पी एपन कोठारी इंडस्ट्रियल इस्टेट, सर्वे नं 200 (अन्य), सीटीएस नं 280, आधारीड, भाइप बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारणमा आपकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बमई िश्व सक्षप प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और गुभो यह विश्वास करने का कारण है

क यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान शिल कल सं, एोसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत हों विद्या गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन भा अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट महीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध असे लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीपी० एन० कोठारी

(अन्तरक)

(2) टेट्राचल्लेट केमिकल्स प्राईवेट लि०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ध 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 प्रेटन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

मनसर्वी

गोडाउन पट 201, जो, पी० एन० कोठारी इस्टेट, सर्वे नं० 200 (अश), सीटीएस नं० 280, आग्रा रोड, भांडूप, बार्ट्ड-75 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/19315/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 3, बस्व**ई**

दिनांक: 25-11-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन., एस. -----

बायकार जीधीनयम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांसर, सहायक बायकर लाय्क्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, वस्बई

बम्बई, दिनांक 25 तबस्वर, 1985

निर्देश सं ० अई-3/37-ईई/19321/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संज यूनिट नंज 105, जो, 2री मंजिल, यूनिक इंडिस्ट्रियल इस्टेट नंज 310, 311 और 317, बारज पीजरोड, मुलुंड (प), वस्बई-700 080 में स्थित है (और इससे उपाबद मनुसूवी में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, वण्वई रिवत संअप प्राधिकारी के बार्यांकर में किस्ट्री है, तारी ख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से एसे द्ध्यसान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उकत अधिनियम के अधान कर दार के कराइक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियाँ सी, जिन्हें भारतीय आयक्त अधिरियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया क्या भा या किया जाना अहिए था, हिस्सी मा सीनियम के निए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण तैं. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के लखीन, निमननिधित व्यविद्यों. अर्थात् :---

(1) युनिक बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सिंघू डायस

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभावत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपरा स्थानर सकाति में हिनवब्ध किसी अन्य व्यक्ति तथारा अपोहरसाधारी के पास निष्या में किए जा सकीय।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, जे अध्याद 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा के उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

यूतिट नं 105, लो, 2शे लंजिज, यूतिल इंडस्ट्रियल इस्टेट, नं 310, 311 और 317, आए० भी० रोड, मुल्ड (ए), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रमुच्ची जैसा कि क० सं० हाई-3,37-ईई/. 9321, 84-85 और जो सक्षम प्राजिकारी बच्चई ग्रांट विराश 2-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ीं ए० प्रसाद संसम् प्राधिकारी सहायक जानकर पासुन्ह (तिरो**क्षण)** शर्वत रेंज-3, **बम्बई**

दिनांक: 25-11-1985

प्ररूप आहर् . टी . एन . एस . -----

आवकर अधिनिजन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहामक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

बम्बई, धिनांक 25 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3,37-ईई,19297,84-485---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 5, जी, तल माला, शानु धपार्टमेंट इमारत नं० ए-2, एल० बी० एस० मार्ग, मुलूंड (प), बम्बई-80 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1--5-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खबजान प्रतिफल के लिए बन्सिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिमिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वादित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तिवों, जर्भात् :----44---436 GI/85 (1) श्रो देवीलाल भे० राजावत और अन्य।

(भन्तरक)

(2) श्री शांतीलाल वालजी टाचा।

(भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गवा है।

अनुसूची

दुकान नं०, 5, जो, तल माला, भानू श्रपार्टसेंट, इमारत नं० ए-2, एल० बी० एस० मार्ग, मुल्ड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3,37-ईई,19297,84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

विनांक: 25-11-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्डन रेंज-3, बम्बद्ध

बमबर्ड, दिनांक 25 नवम्बर, 1985

निर्देश मं० श्रई-3/37-ईई/19555/84-∙85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ते इसके दसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उनित बाबार मृत्य 1,00,000/-क. से अधिक है

और जिसकी मं० भाला नं० 50, जो, तल माला, नहार एण्ड णेट इंडस्ट्रियल इस्टेट, ज्या टाकीज और शांग्रीला विस्कीट फैस्टिंग के पाम. एल० वी० एस० मार्ग भौडूप (प०). बस्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप में बणित है) और जिसका करारनाम सायकर श्रिधित्यम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीत, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के कारवाय विश्वास के लिए बल्तरित की नहीं हैं और मुखे वह विश्वास करने का कारण हैं कि वभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाजार ब्ल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पेड़् प्रतिकत से बाधिक हैं और ब्ल्यर्ड (ब्ल्यर्ड) और बंतरिती (बल्तरितियों) के बीथ एसे बल्तर्ड किए सब पाना नवा प्रतिक कम निम्मसिद्दित उद्योक्त से उस्त बल्तर्ड विश्वत में वास्त्रिक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (स्त) अन्तरण सं हुई किसी बाव की बावतः, द्ववदः अधिनियम के अभीन कर दोने की बंतरक की शांतिरव में कभी करने वा उपासे वचने में सुविधा के लिए; सरि/वा
- (व) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा अन्य वास्तियाँ को, चिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर विधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवादमार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या निज्ञा जाना चाहिए था, कियाने बें ब्रिया के ब्रिहा;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की क्थारा (1) के अधीन, न्यिन्तिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्रीमती छाया भागवत जावले और अन्य

(भ्रन्तरक)

(2) दुरोपन इंजीनियर्स (इंडिया) प्रायवेट लि॰। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपल बन्धील के वर्षम् के बन्धन्य में कोई भी वाक्रीय:---

- (क) इस ब्यान के एकपन में त्रकायन की तारीय है 45 विन की नविभिया तत्त्वस्थानी स्वित्यों पर त्यान की तात्रील से 30 विन की नविभि, को भी जविन वाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी स्थित बुवाए;
- (क) इव सूचना के राज्यम को प्रकाशन की तारीक वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर तम्पत्ति में हित-मब्भ किसी मन्त्र व्यक्ति ब्वार जभाहरताक्षरी के राक्ष सिक्ति में किए या तकोंने।

अगृत्यीं

माला नं 50, जो, तल माला, नहार एण्ड शेट इंडस्ट्रियल इस्टेट, कृष्णा टाकीज और शांग्रीला बिस्कीट फैक्टरी के पाम, एस० बी० एस० मार्ग, भांडूप (प०), बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची संव जैसा कि काव संव श्रई-3/37-ईई/19555/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्ष**म** प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 25-11-1985

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ष्रई-3/37-ईई/19538/84--85-----ष्रनः मुझे, ए० प्रसाद

नामकर निर्धापयम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके प्रकात (उक्त निर्धानयम' कहा गया है) की भारा 269-क के निर्धान समय प्राधिकारी की, यह निर्धास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित जिसका उचित बाबार नृज्य 1,00,000/- रा. से निधक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 102, जो, लक्ष्मी सदन, मुरार रोड, मुलूंड (प), बम्बई-80 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबछ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रीधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-5-1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति में उणित बाजार मूक्य से कम में अवजान मृतिकत के विष् मृत्तिरित की नहीं है बीर मुळे वह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाबार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिकत से, पूर्वे क्यमान प्रतिकत का मृज्य प्रतिकत से विश्व है बीर बंदरक (बंदरकों) बीर बंदिखी (बंदिलियों) के बीच एके बंदरक में सिन्ध हव बाबा बचा प्रतिक्र फल निम्निस्तित उब्देश्य से उक्त अन्तरण जिवित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) बजारण चं हुई किसी जाय की बावक, उपक विभिनियम के बधीन कर योगे के बजारक के व्यक्तिय में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के हैंबए; वीर/या
- े प्रेची किसी बाद वा किसी यह वा वस्त वास्तियों को, किस् बाइतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तत वृधिनियम वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया नया वा किया प्राता श्रीहिए वा, कियाने के स्विधा के किए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त स्वित्यों, अधीत् ध— (1) श्री किशोर भान्तीलाल शहा।

(भ्रन्धरक)

(2) श्री चन्द्रलाल रायमी शहा।

(ग्रन्तरिती)

की यह शूचना भारी करके पूर्वोक्त संपर्देत के अर्थन की विश् कार्यनाहिकों करता हों?।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विष की बनिभ या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर सूचना की सामीस से 30 विन की अविभ, का भी अविश वास में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशित व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्-बहुध किबी कन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी भी पाच किवित में किए वा करों ने ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त घळ्यों और पदों का, जो उक्त वीधीनवन, के बध्याय 20-क में परिभाविक हैं, नहीं अर्थ होगा को उस बध्याय में दिया गया हैं।

जगत्त्वर्गी

फ्लैंट नं० 102, जो, लक्ष्मी सदन, मुरार रोड, मुलूँड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रम्तुची जैसा कि कि कि सं श्रई-3/37-ईई/19538/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-3, बम्बई

दिनांक: 25-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० म्रई-3/37-ईई/19494/84--85-म्रतः मुझे, ए० प्रसाद

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें हसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, जो, जे-इमारत, 3री मंजिल, डॉ० श्रार०पी० रोड, प्लॉट नं० 387, सी०एस० नं० 878, मुलूँड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (भौर इससे उपावस अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भश्रीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कथ के इश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का इंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्वरेग से उक्त अन्तरण लिखित में ।स्तिक रूप से किथा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्रीमती सरला के॰ माणेक।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुभाष मावणी रायचना भौर श्रन्य। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्पष्टोक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्न अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं ० 304, जो, जे-इमारत, 3री मंजिल, डॉ॰ आर० पी० रोड, फ्लॉट नं ० 387, सी० एस० नं ० 878, मुलूँड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि क० सं० मई-3/37-ईई/19494/84-85 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बस्मई

दिनांकः 25-11-1985 मोहर्

प्रकार बार्ड . टी. एनं. वक् . ------

नायकर मीपनिन्म, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के भारत समया

बाह्य ब्रह्मार

कार्याक्षय , तहायक भायकर भायकत ((नर्राक्षण)

मर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० **घ**ई-3/37-ईई/19497/84-85——श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके परचात् 'उच्छ अधिनियम' कहा गया हैं), की बाहा 269-च के अधीन संक्षण प्राधिकारी को, वह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थापन क्यारित, विश्वका अधित बाहार मूम्ब 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं दुकान नं 11-बी, जो. जलाराम श्राशिश बी-इमारत, वेविदयाल रोड, मुलूड (प), बग्बई-६० में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसुची में और पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोच्छ बेपीस से जीवत वापार शून्य से सन से स्ववाद शिक्षण से सिए वन्स्टीइस की वर्ष है और वृत्ते वह विद्याध करने का कारण है कि व्यापूर्वोच्छ कमित का विकास वाहार शून्य उत्तर्भ कावतान प्रतिकथ है, एोडे स्ववाद प्रतिकत का वन्सह प्रतिवाद से विध्या है और जंबरक (अन्तरकार) और कन्सिइसी (अन्तरितिकार) से बीच एोडे बन्दरन के बिए इय शबा एवा इरिएक्ट दिन्निक्टिस जूडिया है अवद वंतरन विधिय ने शक्सिक कर है सीचद सूत्री स्थित एवा है 8---

- (क) अन्तरम् वे हुन्दं जिली जाम् की धान्य, क्यतः विभिन्न के वचीन कर वोने के मृत्युहक के शन्दिल में कनी करने ना उसने अपने में सुनिधा के विष्: नहिं/वा
- (स) ऐसी किसी बान था किसी यन या बन्ध वास्तियों की, विस्तृ प्रायमित्र अनकार विपिन्त्र , 1922 (1922 का 11) या उन्त्य वीधीनवम, या चनकर विधिनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजभाषी बन्सिकी द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जन्म था हिए था किसी वीधिक;

(1) श्रीमती देविन्दर कौर धनेजा

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लता बन्सीलाल वछानी

(भन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्थन के लिए कार्यशहियां जुरू करता हैं।

उक्त सम्बन्धि को सर्वन के बस्त्रम्थ में कोई भी सामेद अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि था उत्संबंधी व्यक्तियों पर चूचना की तारील के 30 दिन की अविधि, को बी बक्षि नाव में तमान्य होती हो, के भीतर प्रांचित स्वित्यों में से किसी स्वीच्छ कुनारा;
- (क) इस ब्राइन के राज्यम में प्रकारन की तारीय थे 45 जिन के मीसर उपन स्थापर सम्भात में हिए-रह्य किसी मन्त स्थापत स्थापत, अक्षत स्वासरों के शास विविध में किस का सकेंगे।

स्वयाक्षरण:--इत्यां प्रमुक्त बर्धायी पर, श्र, को असत् अभिनियम को अध्याय 20-क ग्रं परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उन्ह बध्धार को विका गया ही।

अनुसूची

दुकान नं० 1-बी, जो, जलाराम माशिषा, बी-इमारत, देविदयाल रोड, मुलूँड (प०), अम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/19497/84-85 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, बम्बई

जतः अव, उक्त जीधनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वें, वें, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के जधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 26-11-1985

मोह्र 🖫

प्रकल् वार्चाः दीः इतः एक्त् प्रसान अल् कावकार् वाधिनिवसः, 1961 (1961 चस 43) को चाडा 269-म (1) के ज्योत् सूचना

भारत सरकार

कार्यासक, बहायक कारकार नागुस्त (निद्राक्षण)

भ्रार्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 नथम्बर, 1985

निर्देश सं॰ अई-3/37-ईई/19308/85-85-अतः मुझे, ए॰ प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-302, जो. 3री मंजिल, संजय भगार्टमेंटस, सर्वे नं० 7, एच० नं० 1 (भ्रांश), सीटीएस नं० 10044, भांडूप, बम्बई में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबंद अनुस्वी में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा भायकर अधिनियम, 1961 की धारा क, ख के भ्रधीन, बम्बई रियत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1 5-1985 को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मून्य र कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास का कारक हैं कि यमापूर्वोक्त सम्मति का प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरका अतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरका अन्तरका और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त कृषिविवन के क्वीन कर दोने के बन्दरक के दावित्व वे कसी करने वा अववे वक्षने में तृविधा के लिए; कार्द्र/या
- (क) एसी किसी बार वा किसी भव का बन्स बास्तिकों को, विनकों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वाधिनियम, मा भन-कर अधिनियम, मा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वै विद्वारा

वर्ताः अवन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् ः—

(1) श्री तुकाराम बनर्जी खुर्जे ।

(ग्रन्तरक)

(2) दादा साहेब बीरा बर्जे।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति में अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचरा की तामील से 30 दिन की बविध, वो धी धविध बाद कें समाप्त होत्री हो, वो भीतर प्रोंक्त स्विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य स्थाबन व्यारा कथाहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ ह्योगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

भनुसूची

फ्लैट नं० ए-302, जो, 3री मंजिल, संजय भ्रापार्टमेंटस, सर्वे नं० 7, एष० नं० 1 (श्रंष), सीटीएस नं० 10044, भाडूप, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-3/37-ईई/19308/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-3, बम्बई

दिनांक: 25~11-1985

इक्स बार् ्रही १५ १५ ल्या सम्बद्धान

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 25 नवम्बर 1985

निर्देश सं ० ऋई-3/37-ईई/19522/84-85---श्रतः, मुझे, ए० प्रसाद

नावकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के जभीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ० ग्रौधोगिक यूनिटनं ० 58, जो, 1ली मंजिल, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट, मुलूंड (प), बम्बई-80 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खंके श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

करं पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह पद्भ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्त हुन् हुन् किया आप की नायल, स्वय् जिन्दियम के वादीन कर दोने के बन्दरक के दाकित्व में कभी फरने या उनमें नचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाव वा किसी धन वा अन्य आस्तिनों को, चिन्हुं भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के आए;

ज्ञतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) राजा बिल्डर्स

(भ्रन्सरक)

(2) गोल्ड स्टार इलैक्ट्रानिक्स (प्रायवेट) लि० (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की नवींथ, को भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स म्यक्तियों में से किसी स्पन्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में द्वितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किस वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक प्याहै।

मनसची ।

ग्रीद्योगिक यूनिट नं० 58, जो, 1ली मंजिल, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० श्रई-3/37-ईई/19522/84-85 श्रीरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनाँक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनाँक: 25-11-1985

मोहर ३

प्ररूप नार्द. टी. एन. एस. -----

काथकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जनरेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 25 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ऋई-3/37-ईई/19063/84-85-अतः, मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृख्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 14, जो 1ली मंजिल हेम दर्शन, डा० श्रार०पी० कासरोड, प्लाट नं० 306-307, सी० एम० नं० 2508 (4), मुलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौरपूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयं का प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मूभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके स्वयं मान प्रतिकल से, एसे स्वयं मान प्रतिकल से, एसे स्वयं मान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है जौर अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में नास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से क्रूड किसी आया की वाबत, उक्त निवम के अभीन कर कोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे कवने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या निजी धंन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: इ.स., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निसिक्त स्पिक्तयों, अर्थात् ॥——

- (1) श्री रमिश जंठालाल शहा श्रीर भ्रन्य ।
- (भन्तरक)
- (2) श्रीमती हेमलता दयाराम धनम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेत्र 🖫

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति सं
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्तः शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अपूर्वी

फ्लैटनं 14, जो, 1ली मंजिल,हेम वर्शन, डॉ॰ ग्नार पी० कास रोड, प्लाट नं ० 306-307, सी० एस० नं ० 2508 (श्रंश), मुलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-3/37-ईई/19063/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक: 25-11-1985

प्रकार वाहाँ, टी. एवं. एडं.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्घ, दिनाँक 25 नवम्बर 1985

निर्देण मं० श्रई-3/37-ईई/19480/84-85--श्रनः, मृझे, ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० गाला नं० 204, जो 2 री मंजिल, हिरानन्दानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, कॉंजूर मार्ग (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबढ़ श्रनमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्दी है, नारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त बीभीन्यम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा वै शिष्ट;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

45—436 GI/85

(1) हिरानन्दानी हंटरप्रायदेस ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स बेल्मींट कलेक्शन्स ।

(ग्रन्तिरनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट सम्पृत्ति के वृजन के निष्क कार्यवाहियां करता हुए ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मंत्रंथी व्यक्तियों पर स्पना की तामीन से 30 दिन की सर्विध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में में किसी न्यन्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितबबृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्लाक्षरी के प्रमितिबास में किस वा सकीये।

बसम्ब

गाला नं ० 204 जो । 2री मंजिल, डिरानन्दानी । इंडस्ट्रियल इस्टेट, कॉज़र मार्ग (पश्चिम), बम्बर्ड में स्थित है ।

ग्रन्यूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/19480/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, त्रम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-4985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-3, बम्बई

दिनाँक: 25-11-1985

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 25 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/19645/84-85--श्रतः, मुझे. ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 153, जो नित्त मंजिल, णांती इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० एन० रोड, मुलुंड (प०), बस्बई-80 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खे के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1→5→1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूका से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अंतरक के दाणित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंडी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निष्टिनिसित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) मैसर्स टिक्रा बिल्डसं (ब्राम्बे) प्रायकेट) लि०। (ऋन्तरक)
- (2) स्टॉलन्ग होजरी वर्क्स ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

यूनिट नं ० 153, जो 1वीं मंजिल, णांती इंडस्ट्रियल इस्टेंट, एस०एन० रोड, मुलंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जसा कि ऋ० सं० ग्राई-3/37-ईई/19645/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद नक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेंज-३, बस्मई

दिनाँक : 25-11-1985

प्रकष आई'_टी.एन.एच.,=----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

1 मेंसर्गे इंडा लाजगा एजेन्सी।

(अन्द्रन्क)

2 श्री जातं ग्रलेक्स परेगा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

269-च (1) के वधीन स्चना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ार्ज र रेज--3, बस्वई बस्बई, दिनाल 25 नघम्बर 1985 निर्देश सं० अ**१**-3/37-**ईई**/19530/84--85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसे इसमें श्वकों पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-भा के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह चिन्नास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिनत नाजार मुक्क 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसका संव यूनिट गंव 236 जो दूसरी मंजिल गोबिद उद्योग प्रचा बाल राजेग्वर रोड, मॉडल टाउन के सामने मूलुंड (५०), बाबई-80 में स्थित है (ऑर इससे उपावड़ प्रनुसूची में और पूर्ण कर ने विजय है) और जिसका करारनामा प्राथकर प्रधिनिथम 1961, की धारा 269 क. ख के प्रधीन बाबई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 1-5-1985

की पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ए से कम को एवं प्रकार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के शन्द्रह प्रतिकात से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए यय बाया गया प्रतिफल, निय्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्दरण तिचित में बास्तिक रूप से कृतिक नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिल्ला नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने वा उससे क्याने में सर्विभा के लिए; कीझ/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

सत: सत, उनत मधिनियम की भारा 269-ग की समृतरू को, मी, उनत अधिनियम की भारा 269-भ की नपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

की वह तुमना चारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाद्वियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस ब्रांश के राज्य मं अकाशन को तारीस सं 4.5 विन की मन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समस्य होती हो, के भीतर प्रकेत व्यक्तियों में से किसी स्पानत हुता है।
- (क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकासन की हारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य स्थावित ब्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए का सकता।

स्वयक्तिरणः --- इतने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क्ष अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

यूनिट नं ० 236. जो. दूसरी मंजिल गोबिए स्वात, बाल राजेण्डर रोड, मोडल टाऊन के सामने मुलुंड (५०), वण्बई⊸ 80 में स्थित है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरःक्षण) प्रजेन रेज⊶3, बस्बई

दिनांक: 25~11-1985

मोहर 🖫

वस्य बाइं.टी.एइ.एस. -----

क्षायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

अर्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक)

म्रर्जन रेंज-∙3, बन्बई

बम्बई, दिनांक 25 नयम्बर 1986

निदेश स० अ**ई** - 3/37 - ईई/19597/84 - 85 - अतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- उ. से अधिक हैं

अं: जिसके: सं० यूदि नं० 61, जो, 1जो संजिल, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट, मुलूंड (५०), बस्बई 80 में स्थित है और इससे उनावद्ध प्रतुस्वी में और पूर्ण रूप से विणित है), (और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रविविधम, 1961 की धारा 2695, ख के अशोन, बन्बई स्थित सक्षम श्रविकारी के कार्योजय में रिजर्ज सक्षम श्रविकारी

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मुल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी क्ष्य या किसी धन या अस्व बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर लिखिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (४957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती पुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने थें सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-म के अनुसरण में, हो, एक्ट अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियाँ हु संभित्ति के मै० राजा विल्ड्स।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स धरमेश इंडस्ट्रीज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

चलत संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए वा सकांगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

यूनिट नं० 61, जो, 1 d मंजिल, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट, मुलूंड (प०), बज्ब ξ -80 में स्थित है।

श्रनुंद्वी जैसा कि क० स० श्र $\frac{1}{2}$ - $\frac{3}{3}$ - $\frac{3}{2}$ श्र्र्ड्ड् $\frac{1}{1}$ 959 $\frac{8}{4}$ - $\frac{8}{3}$ और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वर्ष्ट् हारा दिनाक 1- $\frac{5}{1}$ - $\frac{1}{2}$ 85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्ब**ई**

विनांक: 25-11-1985

प्रकल बार्ड . हो . एव . एस . -----

नायकर सिंपिनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज-∙3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर 1985

निदेश गं० ऋई -3/37-ईई/19334/84--85----ऋतः, मुझे, ए० प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे न्यांत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी संदर्भ के क

और जिसकी सं० यूनिट नं० 57, जो, 1ली संजिल, राजा इंडिस्ट्र्यल इस्टेट, मुलूंड (४०), बस्बई-80 में स्थित हैं (और इसने उनाबद्ध ध्रुपूची में और पूर्ण कर से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रविक्तिसम, 1961 की धारा 269 के ख के ब्राधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्र हैं, नार्राख 1-45-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरस्मान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आद्र/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— मै० १जा बिल्डमें।

(अन्तरक)

2. मैं० गोल्ड स्थार इलेक्ट्रोनिक्स (प्रा०) लिए। (श्रन्तिर्दि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उयत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

वन्सामा

यूनिट नं० 57, जो. 1लो संजिल, राजा इंडस्ट्रियल इम्हेट, मृलुइ (५०), बस्बई-80 में स्थित हैं।

श्रम् χ तः जैसा कि अ० सं० श्र $\$ \cdot 3/3.7 - \$ \$/193.34/84 - 85 आर जा सक्षम प्राधिकारों, बम्ब<math>\$ \$$ द्वारा दिलांक 1 - 5 - 1985 को र्जिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राधकर प्राधुक्त (निरोक्षण) श्रजेस रेंज⊶3, वस्ब**र्**

दितीन : 25 · 1··1985

प्ररूप बार्ं.टी.एन.एस. ------

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के व्यक्ति स्वता

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

श्रजं : रेज- 3, बम्बई

बम्बई, दिलांक 25 नवम्बर 1985

निदेश मं० छई 3/37-ईई/19649/84-85---भ्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उसत अधिनियम कहा गया है), की भार 269 स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रा. सं आधिक है

ऑर जिसका पं० पर्नेट नं० 4. जो, 65ो मंजिल, गौतमधाम निर्माणाठीन इसारत, सर्वे नं० 152, एच० नं० 5, सी० टी० एस० नं० 188 और 188/1 पे 28 शांड्र विलेज, बस्बई में स्थित हैं (और इसपे उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने चर्णात हैं), और जिसका कारणामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बस्बई सिरत सक्षम शाधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी हैं, कारीख़ 1-5-1985

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप बेंकिन संदत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह वित्वति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; इरि/या
- (च) एसी किसी आय वा किसी धन या अस्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्ना में स्विधा वी जिस्सा।

क्तः वाव , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरम् में , में , उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात :-- इसम् द्वारित कल्स्ट्रुक्शन्य ।

(भन्त एक)

2. श्री पुरुषातम रामजी भानूमाली।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके प्रबोधत सम्पत्ति के अर्जन् के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जा भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वादः
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस क्षं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्मिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुभूची

फ्लैंट नं० 4, जो, 65ी संजिल, गौतमधाम, निर्माणाधीन इमारत, सर्वे नं० 152, एच० नं० 5, सी० टी० एस० नं० 188 और 188/1 में 28, भाडूप चिलेज, तस्ब**ई** में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० श्र**ई** ⋅3/37-ईई/19649/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1--5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राविकारी सहायक प्राविकर ग्रापुक्त (तिरीक्षण) ग्रार्जन रेंज⊶3, बस्ब**ई**

दिकांक: 25 11-1985

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

भोगीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बग्बई

बम्बई, दिशीय 25 नवम्बर 1985

निदेण सं ० अई-3/37-ईई/19670/85-85--अतः, मुझे , ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके एथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रांत जित्ति सं पर्नेट नं 201, जो 2रो मंजित, वर्ष मान नगर, एफ०-इमारत, 307(2), डा० आर० पी० रोड, और एम० जी० रोड का जंक्यत, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित हैं (प्रांत इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिलका कराज्यामा आय-कर अधितियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीम, बम्बई स्थित यक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 1-5-1985

का पूर्वाक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजान मूल्य, उसके इप्रयमान प्रतिफल से, एसे इप्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्ती कि इप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) जंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एची किसी आग या किसी थन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, ग इनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए:

अत: अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उहार अधिनिध्य की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- । भेसमं दर्धमाः विल्डमं (इडिया)।

(अंग्रहका)

2. श्रीमती चंपाबेन नागजी पटेल।

(अन् :भिती)

को यह मूचना अपि करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशः की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः —--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियः गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 201, जो 2री मंजिल, वर्धमाभ नगर, एफ-इमारत, 307 (2), डा० आर० पी० रोड, ग्रांर एम० जी० रोड का जंकणन, मुल्ड (५०), बस्वई-80 में स्थित है।

अनुभूची जैदा कि कर मंद अई-3/37-ईई/19670/ 84-85 धार जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेज-3, अक्र.ई

दिनोम: 25-11-1985

बह्न बार्च ॄ टी ु एक ु एस . •----

बाशकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सहकार

क्षचित्रक, बहायक नायंकार नायुक्त (निरक्षित्र)

अर्जन रेज-3. बम्बर्ड

बम्बई, दिमांश 2 दिसम्बर 1985

भिवेश सं० अई-3/37-ईडी/19200/84-85--अन:, मुझे ए० प्रसाद,

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00000/-क. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, जो, इमापन नं० 1, पाकेश स्मृति, डा० आप० पी० कात रोड़, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (स्रोप इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोप पूण रूप से विभिन्न है), स्रोप जिसका जगरमामा आयण्य अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के जार्यालय में एजिस्ट्री है, सारीख 1-5-1985

को पूर्विक्य संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्चित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिवित में बास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरम से हुई किसी बाय की बाक्ट, उस्त बिधिनियम के सभीन कर दोने की अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/बा
- (थ) रंगी किसी बाध या किसी धन वा अन्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उत्तः अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने के सुविधा वै शिष्

नतः भव, उच्च वरिपनियम की भाग 269-ग की अनुसरण क्रि, में उक्त अभिनियम की भाग 269-मूं की उरभाग (1) के अभीग, निम्निसिविहा व्यक्तियों, अभीत् हि—

1. श्री रणछोड़भाई एम० वाधवाना।

(असर्क)

2. श्रीमती पी० एम० भहा।

(अन्त्रसित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि वा तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हो किसी म्यक्ति बुवारा;
- (ण) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाज सिकित में किए जा सकोंगे।

स्वध्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को सबस्य अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो, इमारत नं० 1, राकेश स्मृति, डा० आर०पी० कास रोड, मुलूंड (प०), बस्बई—80 में स्थित है।

अनुसूची जैंदा कि करु संर अई-3/37-ईई/19200/ 84-85 फ्रींर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांद 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रभाद स्थाम प्राधिकारी सहायक आयक्ष आयुक्त (किरीक्षण) अर्जाक रोज-3, बम्बई

दिशांक: 2-12-1985

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 25 नवम्बर 1985

निदेश सं ० अई-3/37-ईई/19426/84-85-अत:, मुझे ए० प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० डी/11, जो, 2री संजिल ईएवर थगा की-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, भांडू (प०), तम्बई-88 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करायताम आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक रूप में कथिस नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अष्ठ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

46 -436 GI/85

ा श्रीमती रक्षा कोरा।

(अन्धर्क)

2. श्री बक्तावर डी० जैन श्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्घन को लिए कार्यश्रीहर्मा करता हुं।

जनत संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों को**इ** भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौध कें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधौहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, भी उसत जिभिनियम, के अध्याय 20-क में अभा परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जनस्य 🗗

फ्लैट नं० डी/11, जो, 2री मंजिल, **६एवर** नगर की-आप० हाउमिंग सोसायटी लि०, भांडूप (प०), बम्ब**६**-78 में स्थित है।

अनुसूची जैपा कि कि० सं० अई-3/37-ईई/19426/ 84-85 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिमां क: 25-11-1985

ब्रह्म बाइं. टी. एस. एस. - -

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

1. भेजनं गणेश बिल्डमं।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रेखा वर्मा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कायौलब,, तहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज्-ः, बम्बई

बम्बई, दिनांद 25 स्थरबर 1985

निदेश सं० ३:ई--3/37-ईई/1934.5/84-85---अतः, मुझे, ए० प्रसाद,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्म अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने के आएक है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- स्व. से अधिक है

और जिसकों सं० फ्लैंट नं० 64, जो बी-विंग, 65 मंजिल निलिमा अपार्टमेंट, एस० पी० एस० मार्ग, भांडूए (प०), बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विंगत है), और जिसका करारनामा आयणर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वेक्त संपरित के उभित बाबार मूल्य वे कन के क्यामान नित्रकल को लिए अन्तरित की गईं है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित बाबार बृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल है, एसे दृश्यमान प्रतिकल का धन्द्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया यवा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखिल में बास्वविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरम् तं हुई किसी बाव की बावतः, उपत विभिन्नियमं के वधीन कर दोने के बन्तर्क के दायिता में कमी करने या उससे वधने में सुविधा के लिए; बार/या
- (च) एस किसा आय था िनसी वन या अन्य आस्तियां को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क,र ऑचिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बंत: अब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ए के अन्मरण मों, भौं, उक्त अधिनिया की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, नियनलिखित व्यक्तियों, अभौत् :--- को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्द सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी शार्कप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उभत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्थव्यक्षिकरण: — इसमें प्रयूक्त कव्यां और पदों का, जो उक्त अभिनियमः, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गवा हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं ० 64, जो बी-विंग, 6ठी मंजिल, निलीमा अपार्टमेंटन, एव० पी० एव० भाग, भांडूर, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैंमा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/19349/ 84-85 और जो प्रक्षम प्राधिकारी, बस्पई द्वारा दिलांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड स्था गया है।

> ए० प्रसाद नजम प्राधिजारी सहायक आयाजर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन नेंग 3. बस्बर्ध

दिसांक: 25-11-1935

प्रका बार्', दी, एत्, एवं, क्लान्य

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन स्वना

नारव वहुन्दर

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, वम्बई

बम्बई, दिशाक 25 नवम्बर 1985

निदेश मं० अई-3/37-ईई/19350/84-85--अत:, मुझें; ए० प्राह्

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

र्श्वार जिल्लकी सं० पर्लंड नं० 31, जो, डी-विंग, उरी मंजिल, जिल्लमा अपार्टमेंट, एस० पी० एस० मार्ग, भांडूप (प०), बम्बई-78 में स्थिन हैं (ग्रंग इसमें उपाबक्क अनुसूची में ग्रांग पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रांग जिसका करारनामा आय-कर अधिनयम, 1961 की धारा 2695, ख के अधीन, बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी के पार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

का पूर्णक्ति सम्पत्ति के उचित काजार मृत्य से कम के शस्य बात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कि संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से, एसे शश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसं अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण कि चि

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की आवत उक्त विध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व, में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के निए; बौर/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का. जिन्हों भारतीय अध्वकर आधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राजनाय स्थापनी त्वाप प्रवास नहीं किया गया शा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के किए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की पारा 269-ग के बन्सरण को, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- 1. मैसर्म गणेश बिल्डर्स।

(अन्तरकः)

2. श्री प्रीतम सिंग भ्रौर श्रीमती अटेर कली सिंग। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां गुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में अकाशन की तारीच हैं 45 बिन की अवधि या तत्यम्बन्धी स्पन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पन्तियों में से किसी स्पन्ति हुवारा;
- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की तारीय हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में द्वित «
 बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरी के
 पास लिखित भ किए जा सकारे।

स्वकाकरण: इसमें प्रयासत पान्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा गरिभाषित हैं, वहीं वर्ष होता जस अध्याय में विका

अनुसूची

फ्लैंट नं० 31, जो, "इीं" विंग, उरी मंजिल, विलिमा अपार्टमेंट, एस० पी० एस० मार्ग, भोंडूप, बस्पई--78 में स्थित है।

अनुसूची जैदा कि कर संश्र आई-3/37-ईई/19350/ 84~85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1~5~1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनांक: 25-11-1985

प्ररूप आर्च _टी _एन _एस . ------

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिशांत 25 नवम्बर 1985

निवेश सं ॰ अई-3/37-ईई/19374/84-85--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, जो 1ली मंजिल, भूषभर मिलन, प्लाट एस० नं० 74, सी० टी० एस० नं० 565, ऑफ 90 फिट बाइड, डी० पी० रोड़, मुलुंड (प०), बम्बई-81 में स्थित है (श्रीर इतमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पंद्र प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——[

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबस उन्तर अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वाधिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को अनुसरण मी, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म-अ 1. वेसर्स अजय बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री सतीश गणेश कुल मणीं।

(अन्।रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूष।

पलैट नं० 3, जो ाला मोजल, भूषभ मिलन, प्लाट नं० एस० नं० 74, सी० टी० एस० नं० 565, आफ 90 फिट बाइड, डी० पी० रोड, मुजुड (प०), ानाई-81 में स्थित है।

अनुसूती जैसा कि कर संर अई-3/37-ईई/19374/ 84-85 ग्रींग जो सक्षम प्राधिकाणी, बस्बई द्वारा दिमांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ण्० प्रजाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, **बम्बई**

दिनांक: 25--11--1985

प्रक्य कार्यः वर्षः एतः एसः ------

नाभकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नुभीन सुकना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाम्क्त (निर्वाक्षक)

अर्जम रेज-3, धम्बई

धम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निदेश स॰ अई-3/37-ईई/19051/84-85--अत: मुझे; ए॰ प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इस्त्रों इसके वृद्धात् 'उक्त निभिनयम' कहा गया हैं), की गरा 269- ज निभीन सभा निभकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी मं० यूनिट नं० 14, जो वल माला, मेघल सर्विस इंडिस्ट्रियल इस्टेट, देवीदयाल रोड, मुलुंड (५०), बम्बई-80 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रार जिसका कराज्यामा आयश्य अधिनयम, 1961 की धारा 269 हें, ब के अधीत, बस्बई स्थित तक्षम प्राधिनारी के जार्यालय में र्यानस्ट्री हैं, तारीख 1~5~1985

को पूर्शेक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृन्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह जिंग्जाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अभ्तरितियाँ) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नीसित उद्देश्य से उक्त अंतरण विवित्त में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है उन्न

- (क) अन्तरण चं शुर्व सिखी बाव को बावस उपस बहिन-निवय के मधीन कर दोने के मन्तरक के साबित्य भो कभी करने वा नक्को वस्त्रों में सविधा के सिस्टाः
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अभ्य आसिताओं, कर्ता, जिन्हें भारतीय श्रीयकार अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उपय विभिनियस, या अस-अर अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वाडा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियानं से सुनिधा न्दे लिए:

बत्त वन, उस्त विधिनियम की भारा 269-न से बनुसर्थ में, में, अस्त विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (१) के जधीन, निम्निनिवित मक्तिकों, बनात रूक्त

- भेसर्स हायटेम्य फर्नासिस प्रायवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- 2. मेसर्स मैक्सीमा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री करके प्रांक्त सम्पात्त</u> के अर्थन के लिख् कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अधिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधिभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किय जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

यूनिट नं 14, जो धन माला, मेधल सर्विस इंडस्ट्रियल इस्टेंट, देवीदयाल रोड, मुलुंड (५०), बम्बई-80 में स्थित है।

अतुसूची जैसा कि कर सर्व अई-3/37-2ई $\frac{1}{9}/19051/84-85$ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिजिस्टई सिया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 3-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्था, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बर्ष बम्बर्ष, दिशांक 25 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई--3/37-ईई/19322/84-85--अतः मुझें। ग० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 111, जो 3री मंजिल, यूनिक इंडस्ट्रियल इस्टेट, सर्वे नं० 310, 311 ग्रीर 317, आर० पी० रोड, मुलुड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है); ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 2695,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, दिनांण 1-5-1985

को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए उन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि अअपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिशित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी इस्य की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए। और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीर प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (195? का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुनरण मं, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मैं० युधिश बिल्डमं।

(अन्तरक)

2. श्रोमती आणा मनोहर छात्रीया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कार्चन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृशारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

यूनिट नं० 111, जो 3री मंजिल, युनिङ इंडस्ट्रियल इस्टेट, सर्वे नं० 310, 311 औं 317, आर० पी० रोड, मुल्ंड (प०), अम्बई-80 में स्थिन है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/19322/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनां क : 25-11-1985

प्रकृष वार्षाः, टी., एन., एक्.,------

जायकर जीधीनथम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

प्रजीत रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 16 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/19256/84-85---अनः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर रूपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- फ. स आधक ह

श्रीर जिसकी संव फ्लैट नंव 2, जो, शाँट लैल्ड अपार्टमेंटम
लॉर्डेन कालोनी, मार्ने रोख, मालाइ (पव), बम्बई-64 में
स्थित है (श्रीर इनमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप
से बणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम,
1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985
करे पूर्वेदित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिक्रन के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास
करने के। कारण है कि यथापूर्वेदिस सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिक्रत में. एसे ध्रयमान प्रतिक्रत का
बन्ताह प्रशिष्ठत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिक्रन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बश्चरण वं कृषं किली का ले अध्यक्ष के अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा
- (क) एसी किसी आय या किन्नै धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवान्य प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, कियाने में सकिया की किए;

बतः अव, उक्त अधिनियः ेकारा 2ी , के अगसण्य में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० रोज विल्डर्स एण्ड आसोवियेट्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्रार० बी० मोदी।

(भ्रन्तरिता)

क्यों बहुस्थना कारी करकों पूर्वोक्त संप्र्यक्ति को कर्णन को लिए क करता हुं।

चयत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से ा दिन की अवधि, को भी वदिष बाद में लाएक क्रिति हा, के भीतर प्रकेशन व्यक्तियों में सं
- (च) इस स्वना के राज्यभ में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा विशोहस्ताक्षरी के पास विविध्त में किए वा सकरें।

स्थावतीक रूप : ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसुची

फ्लैट नं० 2 जो शांत लैण्ड प्रपार्टमेंट लार्डेन कालांनी मार्वे रोड, मालांड (प०) बम्बई-64 में स्थित है। प्रानुसूची जैपा कि क्र० सं० ग्राई-3/37—ईई $_{l}$ 1925 6_{l} 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षत्र प्राधिकरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶3 बस्बई

दिनौंक: 16-12-1985

प्रकप आईं.टी. एन. एस .-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मंभीन सुमा

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 19 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/19011/84-85---अतः मुे, ए० प्रसाद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपन अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 506-ए०, जो, 5वी मंजिल, रामचन्त्र लेन एक्पटेंशन, कस्तूरबा नगर, मालाइ (प०), बस्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाद्धि श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधि-नियम, 1961 की धारा 269क,ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्या भान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्या मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उथत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी कारने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुन्तिया औं छिए।

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ भी उपभारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, नर्भोत् : ---

1. श्रो जपवंतमल भंडारी।

(भ्रन्तरक)

श्री विन्सेंट रैं मक्यून्हा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति वै वर्णन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

बन्त रंपति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशल की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्तित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

अपव्यक्तिकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ क्षेगा को उस अध्याय में विमा सया है

प्रन्सूची

फ्लैट नं० 506-ए, जो, 5वी मंजिल, रामचन्द्र लेन एक्सटेंशन, मालाङ (प०), कस्तूरबा नगर, बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुक्ष्यं जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/19011/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 19-11-1985

हरून नाह[®]् ह**ै**ं एनं _य एकं _या । । ।

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

भारतः सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 19 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/19428/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-33, जो, 3री मंजिल, मनाली इमारत नं० 4, प्लाट नं० 48, 49 श्रीर 50, बालनाय विलेज, मालाड (प०), बस्बई-64 में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 सं, ख के श्रिधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के उपमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है बीर मुख्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित वाबाए मूक्य, उसके उर्यमान प्रतिकल से, एसे उपमान प्रतिकल का पंक्रह प्रतिक्षण से अधिक है और अंतरिक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए उच पाया नवा प्रतिकल, निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबद, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिक्; आर्टिशा
- (ख) ऐसी किसी आथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के प्रधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :——

1. मैं० मनाली कार्पीरेशन।

(ग्रन्तर्क)

2. श्री मायकल ए० पिटो श्रौर श्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख के 45 दिन की वविष या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविष, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रमुसूची

फ्लैंट नं० बी-33, जो, 3री मंजिल, मनाली इमारत नं० 4, प्लाट नं० 48, 49 ध्रैीर 50, बालनाय विलेज, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि करु सं० अई-3/37-ईई/19428/ 84-85 श्रौर जें। सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक: 19-11--1985

मोहर 🛭

प्रस्प बार्च . ही, एवं. एवं

बायकर विधिनवन, 1961 (1961 का 43) की बार 269-व (1) के वधीन स्वना

धारत बुद्धकाड

कार्यालयं, सहायक बायकर बायकतं (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 16 दिसम्बर, 1985

निदेश सं ० अई-3/37-ईई/19012/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 क कभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकों सं पलैट नं 74, जो, सिद्धी अपार्टमेंट्स को-प्रापं हाउसिंग सोसायटी लिं, अक्ती नगर, आदर्श दुग्धालय कंपाउण्ड, मालाड (प), वम्बर्ड-64 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने पणित है), और जिसका कराएतमा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के अधीन वस्वई स्थित सक्षम आधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-5-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के स्वयमाय प्रतिफास को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूक्त उसके स्वयमान प्रतिफाल से, एस स्वयमान प्रतिफाल स्व बन्द्रह प्रतिस्वत से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) नौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए अय पाया मुबा प्रतिफाल, जिम्मिनिसित उद्वेश्य से उक्य अन्तर्थम सिकिस में वास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (व) बन्तरण से हुई किसी आय की पावत., उच्क अधिनियम के अधीन कर दोरे के अन्तरक की द्वीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लए: बार/या
- (क) इसी किसी बाय या किसी बन या बन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय अध्य कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या इक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

कतः वस, जकत कार्णिनयम की घारा 269-व के अनसरक में, में, अवत अधिनियम की घा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तिकों वर्षात् :-- (1) क्षी जीव पी० पारीख।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० जे० पारीख।

(अन्तरितंत)

कार्यमह स्थाना चारी करके प्यांक्त संपत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्वित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य न्यिक. द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस भ्याय में दिवा गया है।

ग्रनुमुची

पत्नैट नं० 74, जो, सिद्धी अपार्टमेंट की-आप० हाउसिंग सोसायटी, शक्ति नगर, आदर्श दुग्धालय कंपाउण्ड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूर्वा जैसा कि का संव अई-3/47-ईई/19012/ 84-85 और जा सक्षम पाधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1935 ो रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारः सह्यक प्रायका प्रायका (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 16-12-1935

शक्रम बाइ. टी. एन. एस.-----

भाषकर विधित्त्रवर्ग, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-क (1) के कभीन स्थान

TIME TONIS

श्रावासिक, सङ्गङ्क बावकर बायक्त (निरोक्षक) अर्जन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर 1985

निर्देश मं० अई-3/37-ईई/19103/84-485---श्रतः मुझे,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को नधीन सक्षत्र प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका स्वित्त वाजार मक्य 1,00,000/- छ. संजिधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० वी-75, जो, 7वी मंजिल, इमारत नालंदा-2, प्लाट नं० 32, ग्रौर 33, विलेज वाल-नाय, ग्रॉफ मार्वे रोड. मालाड (५०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधित्यम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्राधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-दारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के प्रस्मान प्रतिकस के निष्ध अंतरित की चक्र

हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंकत सम्भित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से विभक्त है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एचे अंतरित से सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य त इक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किश्व नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक को वाहिस्ता में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जार्-बा
- (ग) एसी किसी जाय या कसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हुं धाउतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा चै सिए;

अतः; अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त सिधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के क्योग, गिक्तनिक्त व्यक्तियों सर्थात् अ--- 1. श्री एन० डी० ताखानी श्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरक्)

2. भारटर रोमी के० परमान निल्लॉन।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल्लामिया करता हूं।

सक्त सम्मत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बासरे ⊱ 🤛

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गमा हैं।

नन्त्वी

पलैंट नं० बी-75, जो, 7वी मंजिल, इमारह नं० नालंदा-2, प्लॉट नं० 32 फ्रीर 33, विलेज वालनाय, ग्रॉफ मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-3/37-ईई/19103/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, **बम्बई**

दिनांक. 18-11-1985

प्रकल कार्याः, द्वीः, एतः, एतः, अस्तरकारः

बायकर मधिनियम, 1961 ((1961 का 43)) की भारत 269-भ (1) के सभीत सूचना

माइत तर्का

कार्यास्य, सहायक आयम्बर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-3, अम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर 1985 निर्वेश सं० प्रई--3/37-ईई/19192/84--85---श्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

नायक र निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे एस्सें स्वकं पश्चात् 'उन्त अधिनियम,' कहा गया हैं), की धारा (169-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास कारने का कारण है कि स्थावर स्म्मिस, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,35:190/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 11, जो, श्रारा०-7, 3री मंजिल, सुन्दर नगर, एस० वी० रोड, चिचोली के पास, मालाङ (प०) बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद श्रनृधुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रश्रीर जिसका करारनामा श्रीयवर श्रीटिन्यम, 1961 की धारा 269व, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिवस्ट्री हैं, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के किए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उधत अंतरण जिल्ला में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरत व दूर कियो नाव की नावत उपत गाँध-निवस के अभीन कर दोने के अन्तरक की वादित्य के कानी कारने वा उससे वचने में सुविधा के सिवी; शीर/या
- (क्) एंडी किसी बान का किसी बन बन्द आस्तिकों को, चिन्द्रे भारतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया का वा वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा को किया

जतः अव, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण थें, थें, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के वधीन, निम्मीतविष्ठ व्यक्तियों, वर्णात डें--- श्री तारासिंग जी० गर्मा।

(अन्तर्क)

2. थी ए० बी० गुप्ता

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के निष् कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप क-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सक्ये

नगृह्य

फ्लैंट नं० 11, जो, ग्रार०-7, 3री मंजिल, सुन्दर नगर, एस० वी० रोड, चिंचोली के पास, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है

श्रनुमूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-3/37-ईई/19192/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गय। है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज−3, बम्बई

दिनांक: 18-11-1985

प्ररूप नाइ^र. टी. एव*ं,* एस_{ं,पर-नवन्तर}

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायक्त (निरीक्षण)

ग्राजीन रोज-3, वस्बई बस्बई, दिनांछ 18 नवस्बर 1985 निदेश सं० ग्राई-3/37-ईई/19361/84-85--ग्रान सभे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसको सं० फ्लैंट सं० 704, जो, 7वी मंजिल, श्रट-लांटा डी-विंग, मार्च रोड़, मालांड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसरे उपाबड़ श्रनसूची में श्रीर पूर्ण हप से बणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिःंरी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख़ 1-5-1985

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रृष्टमान प्रतिफल से ऐसे रृष्टमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पापा गया प्रतिफल निम्निवित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तीयक स्प से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबल, उच्स अभिनियम के अभीन कर दोने के बातरक आहे बामित्व में कभी करने वा उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) एंबी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, जिया स मृत्रिमा वे विद्रा

कतः भव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ध में, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन निम्नीसिकत व्यक्तियों, अर्थात श्री स्रेशचन्द्र सी० शर्मा।

(ग्रन्तरक)

2 मेसर्स अपराध कील विल्डर्स प्राप्त लिए। (अस्परिती)

उक्स सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

का यह मूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिर्थों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राज्यत्र मो प्रकाशन का जानीत अ 45 दिन के भीतर उत्तर स्थातर समापत मो जिलबद्ध किसी अस्य व्यक्ति देवारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित मो किए जा सकेगी।

स्पब्दोकरणः — इसमाँ प्रयुक्त शब्दां और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ सामा के समय का दिया गया है।

मग्रापी

फ्लैट नं० 704, जो, 7वीं मंजिल, श्रंटलांटा, डी-विग गर्वे रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि करु सं० श्रई-3/37—ईई/19361/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 18-11-1985 मोहर

प्ररूप् भार्ये..दी. एन...पास्.,------

साथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमृना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्बई

बस्बई, दिनांक 18 नवस्बर 1985 निदेश सं० ग्राई-3/37-ईई/19274/84-85---ग्रत मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्राँर जिसकी सं० फ्लैंट नं० सी-2/जो. णालिमार श्रपार्टमेंट, को-श्राँप० हाउसिंग सोमायटी लि०, मालाड मार्वे रोड, मालाड (५०), वम्बई-64 में स्थित है (श्राँर इससे उपावड अनसूची में श्राँर पूर्ण का मे वर्णित है), श्राँर जिसका करोर-नामा श्रायकर अधिनियम. 1961 की धारा 269क, खंक श्रधीन, वस्बई स्थित शक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है, तारोंख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से क्रम के रूपमान प्रिप्तफलं के लिए अन्तिरत की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एमे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उक्त वचने में स्विधा के लिए; मीर/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविभा के लिए;

जतः सर्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षांच रे⊸ल 1. श्रीमती हिरागारी चनीलाल ठक्तर।

(अन्दरक)

 श्रीमती ग्रार० एम० महना ग्रौर ग्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मूरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 जिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमृजुषी

फ्लैंट नं० सी-2, जो. णालिमार ग्रयार्टमेंट को-ग्रांप० हाउसिंग मोसाईटी लि०, मालाड मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37—ईई/19274/84-85 श्रौर जो पक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायङ्गर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 18-11-1985 मोहर

(धन्तरक)

क्ष्म भार[ं]ः टी_{डे} प्रकृत सुक्_स क्राक्त

1. मैं० कर्नश्रमः इटरप्राईजसः।

2. औन्नवा हमानार्ना भ्रब्दल सर्वीफा।

(अन्तरितीः)

अायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्वना

शास्त तस्कार

व्यागीलय, अहायक वायकर वाय्यत (निरीक्षण)

श्चर्तन रेज-3, बम्बई

वस्वर्ध, दिन क 18 नवस्वर 1985

निदेश मं० ग्रई- 3/37-ईई 19572/04-85----ग्रत म्से, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है 🖅 स्थावर सभ्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000∕- रह. से अभिक है

और जिसका सरु दुकार नंर 7, भी, क्कैशा पैलेस, सीमवार वातार, वाध्ये टाकोज कल्लाउंड, मालाड (प०),

बम्बई 64 में स्थित है (और इसस उपाबह प्रतस्ती) में ओर पूर्ण हा ने वर्णित है), और जिसका करारनामा धायकर अधिनियम, 1961 की धार्ग 269क, खार्क अधीत. तारीख वस्त्रई स्थित स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजम्द्री हैं, तारीख 1--5-1985

का पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित काजार मुख्य से कम के इस्यमान श्रीतकान के जिए बंदारित की नई हैं और भूसे यह विक्यास करने का कारण 💕 कि वभाग्वोंक्त तम्मदित का उचित वाबार मन्त्र, उसके अध्यमान प्रतिकस् से, एसे अध्यमान प्रतिकस का पन्त्रह **श्रीतकत ने मंभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यन्तरिती** (कम्बरिशितयाँ) के बीच एसे बन्तरण के सिए तय पागा बना बोबपन , निन्नतिबत उत्पेदमाँ से उत्त बन्तरम निवित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया 📬 :---

- (क) मन्द्रम् वे हुए किसी भाग को सम्बद्धः विभिन्निक की वर्षीय कर दोने के वस्तरक के शायित में सभी फरने या उत्तर स्थान में मिषा के किए:
- (ध) एोची किसी बाय या किसी भन या बन्य बारिहार्जे को, जिन्हें भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नही किया गया **था या किया पाना था, छिपाने** में सुविधा के बिए,

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (b) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यें क्लियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (का) इस स्थला के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदंश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाष्ट्रस्ताकारी के पास लिखित में किए वासकों में।

स्वक्टीकरण:--इसमे प्रयक्त सम्बंधीर पदी का. विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

अनुसुची

दुकान नं० 7, जो, रूकैया पैलेस, मोमधार नाजार बाग्रे टाकीन कम्पाउंडो, कालाइ (प०), वस्बई 64, में स्थित है।

प्रत्युची जैसा कि कल संल श्रई<u>+ 3/37-ईई/19572/</u> 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिलांक 1--5--1985 की एजिस्टई किया गरा है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (िरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶3, वस्वई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण **गै, मैं, एक्त अधिनिय**ग की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै लक्ष्मिन, निम्नलि**सित व्यक्तियों, जर्भात** ।:—-

दिनांक ·→ 18-11-1985 मोहरू

प्ररूप बार्, टी.एव.एस. : ------

श्रं अग्बाताल इं.० पटेला।

(ग्रन्तरकः)

2 थीं भफतलाल डी० पटेल।

(ऋन्दरिती)

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकातु

कार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज-13, बभवर्ड

बम्बई, दिनांक 19 नवम्बर: 1985

निर्देण सं० प्रई ·3/37 ·ईई/19032/84--85----- प्रनः मझे ए० प्रसाद

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पक्ष्यात् 'उन्ते अधिनियम' सहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० दूकान नं० 2 जो कोठारी टेरेस, मुभाश लेन दफ्तरी रोड, मालाइ (पूर्व), बम्बई--97 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). -और जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम 1961, की धारा 269, क. ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनोक 1--5--1985

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (४) घेसी किसी जाय या किसी ४न या अन्य कास्तिये को, जिन्हें भारतीय गाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नह किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के पिए:

थतः थथ उक्त विधिनियमं की भारा 269-मं को वनुसरण मं, मं, उवत शीरानियम की भारा 269-म की उपभारा (1) 🔹 कारीय - दिस्तिविश्वत स्थावित्यों , वर्षात 🖫

को। यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित को अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बार में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वोक्त म्मन्द्रितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की लारीख ये 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सर्लेगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

षनुसूची

दुकान नं० 2, जो, कोठारी टैरेस, सुभाप लेन, दफ्तरी रोड़, मालाड (पूर्व), बम्बई- 97 में स्थित है। जन्तुवी जैसा कि क० सं० **ग्रई-**3/37-**ईई/19**032/

84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक

1--5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी महासक आयकर आयक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंग-3, बम्बई

दिनांक: 19-11-1985

प्रकृत बार्ड , डी. एर . एरा . ----

बायकर विधिनियम, 196 : 1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जाय्क्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/19602/84-85--अत मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार्य 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 158, बतगूर तगए, एस० जी० रोड़, गोरेगांव (अधिकावम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यापर में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1935

का प्वांक्त संपत्ति के उचित बाबार मृन्य सं कम के अध्यक्षाक्ष श्रीतफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्त यह विक्याम करने करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरितीं (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अ एण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देह ए उचकत अन्तरम निकास में वास्तविक रूप से किथित नहीं वि. गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क विष: बार/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 2269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थर [——

1. श्री बी० बिज्ञाती।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स नवज्याता डेवलपर्स।

(ग्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में शकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव पंपति में हितपद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा के पाक विश्वित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दें और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्य 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उसे अध्याय म दिया ग**वा है**।

ग्रनुसूची

प्लाट नं 158, बन्गूर नगर, एम० जी० रोड़, गोरेगांच (पश्चिम), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई--3/37-ईई 19602/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई हारा दिनाक 1--5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहारक आयकर राष्ट्रहा (निरीक्षण) अर्जन रेजिन्छ, बल्**बई**

दिनांक: 12 ·12 ·1985

मोहरः

प्रस्त वाहे हो एव एम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करें भारा 269-म (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बर्ध, दिलांक 18 विसयवर 1985

निदेश सं० अ**ई** 3/37% ईई/19191/34-35--- अत मुझे,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'तात विधितियम' बहा गया है), की बारा 269- व में नवीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बीत, जिसका उचित बाजार बच्च 1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी लं दुकान नं 4, जो, मेहता इंडस्ट्रियल इस्टेट के सामने, डी० पी० रोड़ मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिल्ही है, तारीख 1-5-1985

को पूर्धीकत सम्पत्ति को उचित बाजार मल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उत्तित बाजार मुल्या, उत्तको क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिभत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नीलीसत उददोश्य से उबत अन्तरण विशिष्त में वान्तियक च्या से किथा नहीं किया गया है :--

- कि अस्तरण से हर्ष किसी साम ा वा बाबस, उक्त र्वालिंद्यम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित में अर्थ करते या उत्तम तपने में स्विभा के निर्द: बरि/श
- (का) एसी किसी बाद या जिल्ली धन या बज्य बास्तियों को, जिन्हीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या इत्या अधिनियस, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा यह किया जाना चाहिए था, लिगाने में स्विथा अ निए;

अतं और उदतं अधिनियम की धारा 269-ए के अनसरण में, में, उनत अधिनिया की भारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :

ा. **स्**वेरहेट और पितले ।

(जन्दर्क)

2 मैं शीतल इंटरप्राईज।

(अन्तरिती)

को बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वाविध बाद में समाप्त हाति हो, के भीतर प्वॉक्स व्यक्तिको से से किसी व्यक्ति कार्या
- (क) इस इसना के राज्यम में प्रकाशन की तारीस से 45 दिव के भीतर उपरा स्थावर सम्मेरित के दिलवद्य किसी बन्य व्यक्ति ब्यारा वशहस्ताक्षरी के बाल विकित में किए वा इबों में

स्वक्रीकरण:-- इसमें त्युक्त सन्यों और स्थाँ भा, **यां उच्छ** विधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं... मही बर्भ होना के उन अध्याद में दिया गया है।

अन्स्ची

ः शन्सूची

दुकार नं 4, जो, धेहुशा इंडल्ड्रियल इस्टिट के सामने, ही० पीं० रोड़, **मालाड** (प०), वस्व**र**-64 हैं खिवत है। शतस्त्री जैसा कि त्राव संव अई-अं37ईई 19191/ 84-85 और जो सक्षम प्राक्षिकारी, वम्बई द्वारा विनांक 1--5-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक यायकर अध्वेत (िर्रोक्षण) प्यर्नेस रिंश- 3, वस्बई

दिनांक: 18-12-1985

प्रकार हार्ड हो। एन. एड.

बायकर बधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन स्वना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेज- 3, बम्बई बस्बई, दिनांक 17 दिसम्बर 1985

निदेश लंग अई -3/37-ईई/19273/84-85--अतः म्झे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर उंपति, जिसका उचित बाबार मस्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी संव सार नंव 1, ग्राउण्ड फ्लोर, पिजया अपार्टमेंट, जे० एत० अभाँक स्कुल रोड़, और वादी शेठ रोड़, मालांड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अजीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिका (वंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्त्रिक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ब्तर्ण से इइं किसी आय की वावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के बिए: और/वा
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपान में सुविधा के लिए।

बतः बन्, उक्त विधिनयम की भारा 269-ग के वनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, बधाँत:--

1. मेसर्स विजय कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

2. मेसर्स मेट्टी एन्टरप्राईज।

(अन्उरिती)

को यह सूचना बारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हूं।

उक्त सम्मित्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हन

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख म 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की गविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इ.स. सुचना के राजपत्र में पंकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पार लिखित में किए जा तर्जानी।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क हैं परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्पुत्री

शाप नं 1, प्राउण्ड फ्लोर, विजया जनाटमेंट, जे० एन० ग्राफ स्कूल रोड़ और दादी शेठ रोड़ मालाड (प०), बम्बईं-69 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/19273/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद । सक्षम प्राधिकारी सहायक पायकर बायुक्त (तिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 17-12-1985

प्रक्ष बार्षं .टां .पन .पस . -----

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्पना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज--3, वस्वर्ष

वस्वई, दिलांक 17 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई- 3/37-ईई/19415/84-85-- न्नतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की वाद 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुक्ब 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० गान तं० 2/11, ग्राउण्ड फ्लोर, फती हिल को-पारिटिव हाउसिंग सातायटी लिमिटेड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारतामा धाय-कर ग्राधितियम, 1961 की धारा 269फ, ख के ग्राधीत, बम्बई स्थित सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्ट्ट है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दश्यमान गीतफल के निए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने आरण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके अयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में गास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धरण से हुइ किसी बाय की बाबसा, उक्त वीधनियम के बधीन कर दोने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिल्हियम, 1922 की 11) या उक्त अधिनियम, शा बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती हर्षबेन एम० वोहरा।

(अन्तरक)

2. श्री वे ० एच० झव्हेरी और प्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राचपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की जविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी ब्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास बिसिल में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिभीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

णाप नं० 2/11, ग्राउण्ड फ्लोर, फर्नी हिल को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिटिंड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97। ग्रानुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/19425/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड विद्या गया है।

ए० प्रसाद उक्षम प्राधिकारी सहायक श्रादकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 17-12-1985

प्रकृप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अिंगिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, वस्पई

बम्बई, दिना । 17 दिलम्बर, 1985

निर्देश ने० श्रई--3/37-ईई/19611/84-85---श्रन: मुझे, ए० प्राप्तः

आयकर शिंपित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके अचात् 'उक्त शिंपित्यम' कहा गया है), की धारा 269-स के अर्थात नथाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ब्री जिनकी संव णांप नंव 3, प्राउंड फलीग्रर, "ए" विम धिरज ब्रसर्वमीटन, पोदार लोड, मालाड, (पूर्व) बस्वई-97 है ब्रीर इनसे उनावड प्रकृत्वों में ब्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ब्रीर जिनका करारमामा ब्रायकर ब्राधितयम 1961, को बारा 269, क. ५ के ब्राधीत वस्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है दिनकि 1-5-1985

को पूर्वकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अलारित की गई डै और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसको स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेदृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मो कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ा. श्रो एस्० श्रार० गुला।

(भन्तरक)

2. श्रीमती जय नक्ष्मी एच० गाँधी।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध यातत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस पचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के कीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

णांप न० 3, आउंड फलाखर, ए विग धिरज अपार्टमोंन्टग, पोदाररोड, मालाड (पूर्व) वम्बई-97 अनुपूर्वा गीनाकी क० सं० श्रई-3-37लईई/19611/ 84-85 जो पौर तक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-5~85 को राजिस्टैंड किया गया है।

> ए० प्रसाद नजन प्राधिकारी सहायक आयंकर त्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, **बस्बई**

विनौक :- 17-12-1**985**

१९७१ आहे. ही. युन् , युन . ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की लग (1961 प्राप्त मुख्या

मारत सहस्राह

कार्याच्य सहायक शायकर वायकः (निद्रोक्सण) भर्जन रेज--3, बम्बई

वस्बर्ष, दिनाँक 17 दिपम्बर 1985 निर्देश मं० ग्रई-3/37-ईई/19652/84-85--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त विभिन्नियम' कहा गया है')., की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फलैंट नं० 102, 1ला माला, ए, जिलगिरी ग्रपार्टमेंट, श्रीर खूली पाकिंग स्पेस, एस० व्हि० रोड. भासाड़ बस्बई में स्थित हैं (ग्रीर इत्तरे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), अंग जिसका कराग्नामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961, की धारा 2:9, क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित गक्षम प्राधिकारी केकायलिय में रिज्**रद्री हैं** जिनौंक 1-5-1985

कत पृथा यत सपरित के उचित बाजार मूस्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति की उचित बरगार ब्रम्थ, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल की पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफाल, निम्निलिखित उच्च देन से उस्त अन्तरण सिचित के सम्मानक रूप स किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त क्रिश्नियम, को बधीब कर दोने के बनारक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के किए; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी आव वा किसी भन या अन्य जास्तियों को , जिन्हें भारतीय बाय-कर विभिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या अन-कर विभिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया जया था वा किया वाया नाहिए ना, जियाने में व्याबा के लिए;

रखा: लक्ष, अक्ष्म व्यक्तिकम क्रिकेश १८८ मा क्रिकेश कर्म क्रिकेश कर कर्म क्रिकेश क्र क्रिकेश कर्म क्रिकेश कर्म क्रिकेश कर्म क्रिकेश कर्म क्रिकेश कर्

1. नहार बिल्डमं (इन्डिया)

(भन्तरक)

2. मेसर्स त्रियाँग् पाली किसनिक।

(मन्तरिती)

की यह सूचना वारी करके पूर्वावत प्रस्पत्ति के क्षान् के जिए कार्यनाहियां गुरू करता हु।

राष्ट्रत संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेय ---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 विन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामीन से 30 विन की व्यक्ति सो भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्णिक धान्न में में भी क्ष्मी व्यक्ति व्यक्ति हों।
- (व) इश्व प्यता के राष्ट्र में प्रकासन की तारीय से 45 दिन में भीतूर अच्छ स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी ब्रम्य व्यक्तित बुवारा ब्योहस्ताकारी के पास तिस्ति में किए या कर्यों ने ।

ग्रनुसूची

फनॅट नं 102. 1ला माला, "ए" निलगिरी श्रपार्टमेंट श्रीर खुली पार्किंग स्तेन, एम० व्ही० रोड, मालाड, बम्बई श्रनुसूची जैपाकी क० नं श्रई-3/37-ईई/19652/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनौक 13-5-1985 को रजिस्टई किया गया है

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी जहासक श्राबका स्वायुवन (जिसीकाण) भर्जन रोज-3, बम्बई

दिनौक:- 17-12-1**98**5 मोहरः en to the state of the state of the second state of the s प्रकथ कार्ड. टी. एत. एस.-----

बायकर बर्शिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्तव सहायक बायकर आयत्तन (निरक्षिण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांश 17 दिसम्बर 1985

निर्देश सं अई-3/37-ईई/19525/84-85--श्रन: मझे ए० प्रसाद

शासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें हसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया हों), की भारा 269-हा के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं नि स्भावर सम्परित जिसका उचित वाशार मृत्य 1.00000/-रापये से क्रिका है

ग्रीर जिसकी मं० फलॅंट नं० 110, 1ला माला, मालाइ सोनल हेवी इन्डरद्रीयल प्रिम ईरोरा को -म्रापरेटिन्ह हार्डिंग सोशाईटी लिमिटेड, रामचढ़ लेन एवसेटेशन मालाड, बम्बई-64 है (ब्रोर इससे उपाबद अनुसूची। में ब्रीप पूर्ण रूप से वर्णितहैं)और जिसका करारनामा क्रायवर अधिनियम 1961 की धारा 269, क. ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है दिनांचः 1-5-1985

को पूर्विक्त सम्बन्धि के उचित बाजार मध्य से कम के राशमान प्रतिकल के लिए अन्तरिक को गई ही और मुन्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिकल सं, एसं इश्वमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकरें) और अन्तरिकी (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए पर्य पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित वास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया हैं :--

- (क) लन्तरण हं हुई किसी भाग की शावश उक्स मधि-किंगिनयम के अधीन कर दान के अन्तरक क बाबित्व में कमी करने या उससे अघने में समिधा के निए; भौग/या
- (च) ऐसी किसी गाय या धन या अन्य अपितयाँ को, जिम्ह भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा बीसिए:

अप्तः अप्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण माँ, माँ, उन्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) हे अभीतः, रिक्तिजितिका व्यक्तियाँ, वर्षाकः

ा. श्री कान्ती लाल बी० श्री मनकर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती जय श्री व्हि० गोहिल।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की ताभील से 30 दिन की अविधि, तो भी अविधि बाज में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में स किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अना व्यक्ति हवारा अधोहस्नाक्षरी के पास लिसित में थिए जा सकरेंगा।

स्यब्दीकारण:---इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उन्हार अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वड़ी अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

युनिट नं० 110, 1ला माला, मालाड, मोनस हेबी इन्डस्ट्रीयल प्रिमाईसेस को-ग्रापरेटिब्ह् हाउसिंग सोपाईटी लिमिटेड, रामचंद्र लेग एकस्टैन्शन, मालाड, बम्बई-64 श्रनुसूची जैसाकी क० मं० श्रई-3-37ईई/1952*5*/ 84-85 क्रोर जो अक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनोक । 17-12-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयका (निरीक्षण) अर्जन रेज-3. बस्बई

वस्त्रई, दिनांक 1,7 दिसम्बर, 1985 निर्देश मं० घई-3/37-ईई/19146/84-85---ग्रनः मुझे, ए० प्रनाद,

आयकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्केत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी मं० फर्नेट नं०-बी 6, 2रा, माला, लेंड बेर्घारंग सी० टी० एस० नं० 201 ट्रैंक रांड, श्रोरेलेम बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ अनुसूची में पूर्ण और रूप से बणित है) घौर जिसका करारनामा भायकर श्रधिनियम 1961, की धारा 269, क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कथिलय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-5-1985

को पूर्विक्स सम्पित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उपत अधित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उच्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — 1. मेसर्म लुंबिन एन्टरप्राईसेस।

(भन्सरक)

2. श्री मक्सी डिक्सल्व्हा।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूत्रा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकरें।

स्पट्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

फलैंट नं॰ बी-6, 2रा माला, लेंड बेंग्ररिंग मी॰ टी॰ एम॰ नं॰ 201 ट्रेंट रोड़ श्री³लेम अम्बई-64 अन्तसबी जेंसा की कु॰ सं॰ श्र-8432-88

भनुसूची जेंसा की क० सं० भई-3/37-ईई/ 19146/ 84-85 भेर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद) सञ्जय प्राधिकारी सहायक ग्राधक अस्पका (जिस्**क्षण**) शर्जात सिंग-3, **सम्बद्ध**

तारी**ख** : 17--12--1985

महिरा

कार्यवाहियां करता हूं।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अस्त्रक्षर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ब्योग स्माना

भारत सरकार

कार्थानय, सहायक आयकर जायकत (निरक्षिक)

श्चर्यन रेंज⊶3, बम्बई बम्बई, दिनांक 17 दिसम्बर 1985

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत निर्मानयम्' बहा नवा हैं), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निर्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित वाकार नृस्त्, 1,00,000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रह. स बाधक हैं

श्रीर जिसकी सं० फलेट नं० 16, 2रा माला, वृंदावन कोश्रापरेटिव्ह हाउसिंग मोराईटी लिमिटेड, डाक्टर गॅम्बर्स इस्टेट,
कम्पाउन्ड, एस० व्ही रोइ, मालाइ (पिचम) बम्बई-८४ में
रिथत है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण
रूप में विणत है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम
1961, की श्रीरा 269 के, ख श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीध 1-5-1985
को पूर्ववित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान
दिसम के सिए बंतरित की गई है और बुभे यह विकास
करने का कारण है कि स्थाप्येक्ति संपरित का उचित बाजार
नूख, उसके स्थमान प्रतिकृत सं, एसे खब्बान प्रतिकृत का
पन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और

अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निय तय पाया

न्या प्रतिकत् निम्नसिधित उन्हरीय से उन्हर मन्तरण विविध से

गस्तविक एवं से कश्वित नहीं किया व्या 🗱 –

- (क) जनसरण से हुई जिल्ही आय की बाक्त, सबस् लिभिनियम के सभीन कर दोने के जनसरण के समित्य में कभी करने या उपने बचने में सुविधा ने सिग्र; लोख/का
- (च) एंसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर जिपिनियम, 1922 (1922 को 11) या उच्छ अधिनियम, वा धन-कर जिपिनियम, वा धन-कर जिपिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोगनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बना था को किया बाता चाहिए था, कियाने घे सविधा के लिए;

जतः भव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण गं, मी, उक्त व्यक्तियम की भारा 269-व की उपभारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---49----436 GT/85 1 श्रीमती चंद्रिमा एच० भारशादा।

(ग्रन्तरक)

श्री किरीट कुमार जय सिंह जेसरानी।
 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास सिमित में किए पा सकों है।

स्वच्छीकरण :---इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा हैं।

श्रनुसूची

फलेट नं 16, 2रा माला, वृदावन, को श्रापरेटिक् हाउमिंग सोयाईटी तिमिटेड गॅबर्स इस्टेंट कंपाउंड एस० व्हि रोड, मालाड (पश्चिम) बम्बई-64

ग्रनुस्ची जैंशा कि क०मं० श्रई-3/37-ईई/19458/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

ि दिनांक '-- 17--12-1985 जेकर

प्रकृष वाद्ये हो , दूस , पुस , ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अभीन स्चमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर गायक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज-1, बम्बई

वम्बई, दिनाँक 17 दिसम्बर 1935

निर्धेण सं० ग्रई-3/37-ईई/19414/84~85---ग्रन: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संस्था णांप नं 6 प्राइत्ड पलीग्रर चंद्रीरी सीं उटी उ एस० दं व 447, के दारभल रोड, मालाष्ट (पण्चिम) बम्बर्ड में स्थित हैं (श्रीर उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण चप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनाम आयार श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन, दिनौक 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल सं, एस रहयमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिशित उद्विषय से उन्त अंतरण निश्वित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वितरण संहुई किसी बासू की बाबत, उबक विधिनियम के अभीन कर दीने की अन्तरक को दासित्त्र में कमी गणने या उससे उक्तरे की स्विधा के लिए, गौर/सा
- (व) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्य आस्सिक्षं का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरियो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भारा चालिए था. क्लिया मा स्थिता अंतरिया विस्ता भारा चालिए था. क्लिया मा स्थिता अंतिया;

नराष्ट्र अब उनत अधिनियम का भारा 263 म क अन्मरण को, को, बानत अधिनियम की भारा 269-त्र को उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ा. मैसमं झव्हेरी एण्ड सन्प।

(भ्रन्तरकः)

श्रीम्ती हत्या रमेणचंद्र झब्हेरी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के दिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप .-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीश्व सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिनु की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्री उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिस्ताधित है, वहीं अर्थ होगा को लग अध्याय में दिया नवा है।

भनुसूची

णाप नं० ६,ग्राउंड फलोग्रर, चंद्रपूरी सी० टी० एम० नं० 447, केदारमल रोड, मालाड (पिचन) बम्बई

श्रनुसूची जैसाकि अ० सं० ग्रई-3/37-ईई/19414/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टई किखा गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम पाधिकारी सहायक आधकर आयुक्त (दिरीक्षण) पर्वन रेंज-1, बस्बई

दिनाँक . 17-12-1985

प्रक्रप आर्द्दः, टी. एन. एस.-----

1.नहार विल्डर्स (इन्डिया)

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, दिनाँक 17 दिसम्बर 1985 निर्द्रोग सं० श्रई-3/37-ईई/19653/84-85--ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके सचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० फलैट नं० 101, 1ला और एक खुली स्पेस, निलिगिरी अपार्टमेंन्टस, एस् व्ही रोड, मालाड, बम्बई— (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से विणित है), और जितहा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 261 के खके अधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख दिनाक 1-5-1985

को पूर्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिकित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बारतिक हुए से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण स हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाग (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- 2.प्राप्रायटर डा० श्रीका बी० खती० (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ल) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फर्नंट न० 101, माला माश, ग्रार खुली पाकिंग स्पेस निश्निरी ग्रशार्टमेन्ट्य, एस् व्ही रोड, मालाड, वस्त्रई-64

त्रातुसूनो जैनाको क० सं० ऋई-3/37-ईई/19653/ 34-85 फ्रोर जो सथन प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनॉक 1/5/1985 होरोजस्टई विया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहस्य ३ अस्पिकर अस्पुक्त (तारीकाण) अर्जन रेंज-3, अम्बई

तारीख: 17-12-1985

प्ररूप आर्द्घ.टी.एन.एस.-----

आप्रकर मेथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत करकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 18 दिसम्बर 1985 । निर्वेश सं० ग्रई-3/37-ईई/19272/84-84--अतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिराज्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इसमी** इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के नधीन सक्षान प्राधिकारी की यह विस्वास करने की कार्ण है कि स्थापर सम्पत्ति, विसका उपित नाभार मुस्य 1,00,000/- रु. से अधिक **है**

भ्रौर जिसकी सं० फलैंट न० 506, जो, 5वी मंजिल, "दि स्वीग" मार्वे रोड, राज महल इमाएन के सामने मालाड, (प.) बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रन्यूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) , और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961, की धारा 269 क, ख केन्राधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राःधकारी के कार्यालय में रजिस्दी है। दिनांक 1-5-1985

को पूर्वेक्ट सम्पत्ति की उचित बाबार मृज्य से कम की सम्मान शिविफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुख्या, उसके दश्यभान प्रतिपाल से शुर्वे दश्यमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिवत से अभिक है और अंतरक (मंतरकों) और बंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एंडे अन्तरम के लिए ठव पावा बुवा प्रतिकृत, निम्त्रसिविक उद्देश्य हे उस्त अञ्चल विश्वित में बारवानिक रूप से कवित नहीं किया पदा है ह—

- (क) मंतरण से हुई किसी भाव की बावक, क्या कथि-निजय के जभीन कर दोने के जंतरक के दायिला औ कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिहरी षर/दा
- (च) ऐंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 कर्म 11) या उक्त अधिनियम, या भन-क्षर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविधा केलिए।

वातः अव, उत्वर्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🛊 बंधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, बर्धात् :-

1. श्रो शरद जयंतीलाल खांड वाला ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री नवीनचंद्र झवेरचंद महता ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध मी कोई भी आक्षेप :--

- (क) इसं सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच चै 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी नाकिन बतारा
- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकातन को तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविष्ठ में किए का सकों ये।

लक्कीकरणः---इसमं प्रयुक्त कस्दौ और पदौ का, कि भिनियम के अध्याय 20-क में हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय भौ दिया नया है।

मनसची

फलैट नं० 506, जो, 5वीं मंजिल "दि रुवींग" मार्वे रोड राजमहल इमारत[,] के सामने, मालाड (प), बम्बई~64 में स्थित है।

ग्रन्युची जैगाकी ऋ० मं० ग्रई-3/37-ईई/19272/ 84-85 ऑर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रभाद यक्षम प्राधिकारी सहायक आयन्तर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्बई

दिनाँक:- 18-12-1985

मोहर :--

श्रुष्य बार् हो । हुन् पुरु

बायफार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

धारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयक र काय्क्स (निरीक्क)

अर्जर रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 17 दिसम्बर 1985 निर्देश सं० अई-3/37-ईई/19635/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

अगयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह रिक्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्ति। 1,00000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिन्नको सं ० पनैट नं ० ए-11/ए-2, प्राउड फ्लोर, नालंदा उषा जालोवी को-अपरेटिव्ह हाटिंका सोसायटी लिमिटेड, रामचंद्र एक्डटेंशन लेन, मालाड (१ एकम) बम्बई-64 में स्थित है (स्रोर इतसे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), स्रोर जिनका करारामा अपकर अधिनियम, 1961 की धारा 261 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यावय में रजिस्ट्री है, दिलांक 1 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँद/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतक्ष जन, उक्त निधिनियम की धारा 269-म की जनुसरण में, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) निक एंड फेशल एन्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री केरसी जें ० तावाडिया और अन्य ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके प्यानित संपरित के वर्षन के निष्

उनत सम्मत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधित, को भी अपिय वाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य त्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गास विशेष में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

पत्रैट नं ० ए-11,/ए-2, ग्राउंड फ्लोर, नालंदा उषा कालोनी को-आपरेटिव्ह हार्डिसग सोसायटी, लिमिटेड, रामचंद्र एक्सटेंशन लेन, मालाड (पश्चिम) बम्बई-64।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/19635/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिलांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वस्बई

दिनांक: 17-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्ज न रेंज-3, वस्बई बस्बई, दिनांक 17 दिसभ्बर 1985

भिर्देश सं० अई-3/37-ईई/19633/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00.000/- रु. से अधिक है

र्द्धार जिसकी मं० आफिस गाला नं० 8, 1ला माला, मालाड गाणिम मेटर, एस० व्ही० रोड़, मालाड (पण्चिम) बस्बई-64 में स्थित हैं (श्रार इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम श्राधि-कारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, दिनांक 1 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल सं, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अित है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखिस उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वाम्तिक हप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की यावतः, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उता, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित् क्र- (1) श्री जगदीश प्रमाद पी० केडिया।

(अन्तर्क)

(2) मेशर्म व्हरायटी प्लासिटक्स ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हं-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पञ्चीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

क्रक्र

अाफिस गाला नं० 8, 1ला माला, मालाड शापिंग सेंटर एम० व्ही० रोड़, मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 ।

अनुमूचो जैसा कि कि नं अई-3/37-ईई/19633/ 84-85 और जो तक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिजस्टई किया गया है।

> ए० प्रासद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 17-12-1985

माहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयंकर आयंक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, बम्बई

वम्बई, दिनाक 17 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० अई-3/37-ईई/19632/84-85---अतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारो को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्रौर जिसकी सं० आफिस नं० 7, 1ला माला, मालाड णापिग सेटर, एस० व्ही० रोड़, मत्लाड (पिण्चम), वस्बर्ध—64 में स्थित हैं (फ्राँर, इससे उपावड अनुसूची में खीर पूर्ण रूप से बणित है), खीर जिसका उपारनामा आयाजर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खाने अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 1 मई 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अयः, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मं, में, उक्तं अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कं अधीरः, निम्लिसित व्यक्तियोः, अर्थात् :--- (1) के० गो० केडिया ट्रस्टि आफ मेमर्स भागीन्थ प्रकृति
 केडिया फैंगिली ट्रस्ट ।

(अस्तरह)

(2) श्रीमती एव० के० पटेव

(अन्यस्ति)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाय निवित्त में किए जा सकींगे।

स्पष्टाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ननुसूची

आफिस नं ० ७, 1ला माला, मालाड शापिंग सेटर, एस० व्ही० रोड़, मालार्ड (पश्चिम) बस्पई-७। ।

अनुसूची जैसा कि कि से अई-3/37-ईई/19632/ 84-85 द्यार जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिलात 1-5-1985 को रिकस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायाः आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बस्बई

दिभाक: 17-12-1985

मा 🗀 :

the last of the transfer of the second secon

(1) में तर्गसाम विल्डमी।

(সালাধ্য)

(2) भी सदीप निकृष सेट।

(अन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं पारा 269-प (1) के सभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकार नामुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

बम्बई. दिनांक 18 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/19404/84-85--अतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रहा. से अधिक हैं

श्रोर जिनको सं० अर्किस नं० 8, 1ला माला, सुबलक्ष्मी शापिग सेंटर, कार्नर आफ पोदार रोड़, क्येरी रोड़, मालाड (पूर्व) बस्बई— 64 में खिया है (श्रीर इसमें उपाबंड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा अत्यकर अधि-सियम, 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनोक 1 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उचत अन्तरण निम्लिच में कारशिक क्य से किंचत नहीं निम्मा गया है हिन्स---

अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामिल्य में कभी करने या उक्षसे अचने में स्थिश के किए. और/मा

्सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कर्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तात्रीम से 30 दिन की अविधि, को भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से निक्टी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास दिन्तर में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ह—हसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्क किंगिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एका

नन्स्यो

अर्तकत्म नं ० ८, 1ता माणा, सुधालक्ष्मी जार्पिंग सेंटर, कार्नर आफ पोदार रोड़,क्बरी रोड,मालाड (पूर्व) धम्बई – ७४।

अनुष्वी जैया कि कर सर अई -3/37-ईई/19404/ 84-85 भाग जो एक्स प्राधिकारी, बम्बई हारा दिलाक 1-5-1985 की रोजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रनाद सक्षम प्राधि गरी पहास र आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि–3, बम्बई

विनाम: 18-12-1985

मोहरः

प्ररूप आहें. टी. एन. एसा. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 दिसम्बर 1985

निषेश सं० मई-3/37-ईई/19651/84-85--- मतः मुझे; ए० प्रसाय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संस्पत्ति, जिस्का उजित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक ही

भीर जिउनी सं० पलैट नं० बी-601, 6वां माला, शीसल छाया बिल्डिंग, सी० टी० एस० नं० 77 एस० बी० रोड, मालाड (पश्चिम) बन्बई-64 में स्थित है (भीर इससे उपाबद भनुभूजी में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा भायकर श्रीधिनियम 1961 1961 की धारा 269 ह, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-5-1985

को प्योंक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के बिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यक्षान प्रतिफल का पेस्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आ4 की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

(1) धनद्रविजय बिरुडसं

(प्रन्तरक)

(2) श्री रसिकलाल चंदूलाक्ष महिता भीर भन्य। (अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन को अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधे हस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंं है।

स्पब्सीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में दिशायित हैं, वहीं अर्थ होगा यो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्त्ची

फ्लैंट नं० बी-601, 6वां माला, शीतल छाया बिस्डिंग सी० टी० एस० नं० 652, 77 एस० वी० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई 64।

धनुसूची जैसा कि कि के सं धई-37-ईई/19651/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

वितोक : 18-12-1985

प्रकृत वार्ष व दी . एक व एक व अन्यवननन

(1) मैंसर्स वैरायटी फारिटयस।

(भन्तरक)

नावकर मीभीनवन, 1961 (1961 का 43) की शहर 269-न (1) में स्थीन क्षना

(2) हरीभाई डी० पटेल।

(भ्रन्सरिती)

भारत सरस्या

धार्यालय, सहायक बायकार नायुक्त (निर्दोक्तण)

श्रर्जन रेंज-!, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 17 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/19631/854-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

जावकर मीभीत्यम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें इसमें वश्वात 'उसत मीभीत्यम' कहा गया है, की धार 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित वाकार मुख्य 1,00,000/-रा. से मधिक है

श्रौर जिल्लकी संव गाला नंव 8, 1ला माला, मालाड शार्षिंग सेंटर, एसव बीव रोड, मालाड (पश्चिम) बस्बई-64 में स्थित हैं (चीर इत्रये उगाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणित हैं) सीए जिल्ला हरारनामा श्रामकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269%, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के क्षायिल्य, में रिजर्ड्डी है दिनांक 1-5-1985

प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजिस्ट्री है दिनकि 1-5-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुने यह विकास करने का कारण है कि संधापनीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उर्घ क्यमान प्रतिकत्त से, एवे क्यमान प्रतिकत्त का पंचा वर्षित का पंचा वर्षित का पंचा वर्षित के की कि है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीज एके अन्तरक के सिए जब पाना कम प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाग की बागत, सकत अधिनिवन के अधीन कर दोने के कन्तरक के अधिनिवन में कमी कले या उसले सवर्ष की लिखा के तिए; बौर/बा
- (व) होती किसी बाब वा किसी धन या अन्य बास्तियां की, विक्इं भारतीय बाब-कर अधिनियमं, 1922 ई1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, वा धन-कर अधिनियमं, वा धन-कर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए व्या कियाने में सर्विधा से किए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात् :---- को बहु शूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

तकत संपरित के गर्बन के संबंध में कोई भी आश्रेष :---

- (क) इस भूजना में राज्यक में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी क्युंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास;
- (च) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितन्द्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के वाच निक्ति में किश वा बकेंगे।

क्ला करणः -- इसमें प्रमुक्त कर्मा बार पदा का, वा स्वक अधिनियम, को अध्याय 20-का में परिभाषित है, कही वर्ष होना, वो उस संभाय में दिया नका

प्रनुसूची

गाला नं 8, 1ला माला, मालाह शादिग सेटर, एसंव बीव रोड, मालाह (पश्चिम) बम्बई में स्थित है।

भ्रतुसूची जैसा कि कि सं भई-3/37-ईई/19631/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनीक 1-5-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बस्बर्ध

दिनांक 17-12-1985 मोहर: अस्य बार्ड, टी. एन. एत.------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-मं (1) के वभीन स्वना

ज्ञारत चरकार

कार्यांस्य, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिमांक 17 दिसम्बर, 1985

निदेश स० प्रई-3/37-ईई/19727/84-85---मतः मुझे, ए० प्रसाद

भावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 4.2) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भाप नं० 22, ग्राउण्ड पलोर, श्रीराम टावर्स, टन्क लन, श्रीरलम चर्च के पास, श्राफ मार्थे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उग्रबद अनुपूर्वी में श्रीर पूर्ण इप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम की 1961 की धारा 269क, ख के श्रीधीन बन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के अधित बाधार मून्य से कम् के ध्रवमाण् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का अधित बाबार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तर्यों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तब्भावा यथा प्रतिफल, निम्निश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में भारतिक क्य से ब्रिश्त यहाँ किया यथा है क्र--

- (क) शुन्तरम वे हुए किसी नावं की नावंत्र जक्त नाथ-रिन्यम् के सभीत् कर दीने के जन्तरक के दानित्य में कनी करने ना उससे नचने में सुनिधां के सिये; अप (१९)
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या नन्य नास्तिनी की, चिन्ही भारतीय नामकर निधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त निधिनियम, या धनकर निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 की 27) नी प्रयोजनार्थ निस्ति वृत्तार प्रकट नहीं किया न्या ना वा किया नामा चाहिए था, छिपाने में सुनिधा नी सिष्ट;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री राम कन्स्द्रकशन्स प्राईवेट लि० । (स्रन्तरक)
- (2) श्री कीनेथ मिकीप्ले श्रौर श्रीमतीर। (श्रन्तिस्ती)

को यह सूचना जारौँ करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के कर्णनं के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या प्रत्सेश में स्थानितयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतित स्थानित देशाराः
- (च) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था हकोंगे।

स्पव्यक्तिस्य :--इसमें प्रयुक्त खन्यों और पर्यों का, को उक्त निर्माणक के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया क्या हैं।

नवृत्त्वी

शाप नं० 22, प्राउण्ड फ्लोर, श्रीराम टावर्स, ∤टन्क लेन, भ्रोरलेम चर्च के पास, ग्राफ मार्चे रोड, ामालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

भ्रनसूची जैसा की क० सं० ग्रई-3/37-ईई/19727/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम शाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्दाई

दिनांक: 17-12-1985

मोहरः

प्ररूप बार्ड. टी., एन., एस.,-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के नधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक थायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--63, बस्यई

क जर्ह, दिनांस 18 दिसम्बर 1985 निवेश सं० धाई-3/37-ईई/19402/84-85--- घतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य १.,00,000/- रह. से अधिक हैं भीर जिसकी संव शाप मंव 3, प्लाट नंव 4, घोंदुबर, रोड नंव 3, लिबर्टी, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची और पूणं रूप से बिणत हैं) और जिसका करारनामा भायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 1-5-1985 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के जिन्त बाजार मृल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य,

उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण वे हुई फिसी बाब की बाब्द, उक्त अभिनियम के अभीत कर देने के बन्चरक की दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सूबिधा के लिए; और/बा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

र्जत: अब, उन्नेंत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उन्नेंत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्नोलिंखत व्यक्तियों, अर्थात ⊈— (1) मसर्स एस० भार० एन्टरप्राइजेसर।

(भन्तरक)

(2) भी जान बैपटिस्ट जिसूजा घौर धम्य। (धन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूजींक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहिनां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के तस्वन्ध में कोई भी आक्षेप ह----

- (क) इस स्वाना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध जो औ अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थ हस्ताक्षरी के पास किसिक्ष में किए का सकेंगे।

स्पर्वाकरणं:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुज्ञी

शाप नं2 3, प्लाट नं० 4, घोंदुबर रोड नं०, लिबर्टी, गार्डन, मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि से धर्म-3/37ईई /19402/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मजन रेंज⊶31, बम्बर

थिनांक 18-12-1985 मोहर: प्रकार वाह^र्टी <u>. एन . एवं ४</u>-००-००का

बावकार वांधनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

बारह बरकार

कार्यासय, सहायक मायकर भाग्क्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनोंक 16 दिसम्ब 1985

निवेश सं० श्रई-3/37-ईई/19669/84-85---श्रत' भृते, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/-रु से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, जो, 1ली मंजिल, देवकी विक्षा को-प्राप० हाउसिंग सोसायदी, गोरसवाही, माला (प), बम्बई-09 में स्थित हैं (और इससे उपाबद धनुभूची में और पूर्ण ख्य से व्यक्ति हैं), और जिसका करारनामा प्रायक्तर प्रविनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 1-5-1985

का प्रॉक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्तोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, स्सक्षे दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रांतसत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरल के निए तब पाया यवा अतिकास, निम्नतिसित उच्चेश्य से उच्च अन्तरल जिलाक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया के द्

- (क) जनतरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त विभिनियम के वभीन कर को के बन्तरक के विभिन्न में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (ण) एसी किसी जाग या किसी भन या जस्य जास्तिकों को जिन्हें भारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 को 11) या उच्क अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में स्टिका के लिए;

ब्रदाः बन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिवित व्यक्तियों, वर्धात :— (1) श्रीपती के टी० मोटवानी।

(श्रन्∴रक)

(2) श्री एम० के० पटेल।

(मन्तरिती)

को यह भूषना चारीं करकें पूर्वोक्त सम्पति के अर्धन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

वनस सन्वरित् के वर्षाय के सम्बन्ध में काई भी नाक्षेप:---

- (च) इस स्वना ने राज्यत्र में प्रकालन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवब्ध किसी कन्य स्मित्व वृद्धारा अभोहस्ताक्षरी के पास विविक्त में किये का सकोंगे।

स्पन्नीकरण:--इसमें प्रयूक्त तकों और पर्यो का, को उनके अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होरे। को उस अध्याय में विदा गया

प्रमुखी

क्लैट नं० 6, जो, 1ली मंजिल, देवकी दिला को-ग्राप० हाउसिंग सोसापटी, गोरसवाडी, मालाझ (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूत्री जैसा कि क० सं० अई-3/387-ईई/19669/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलीक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाव **रुव्यय** प्राधिकारी **सहायक धायकर भायुक्त** (निरीक्षण) **धर्जन रॅज-3, बस्बई**

दिवांक: 16-12-1985

मोहर:

प्रकप बार्चाः, टी., एन.,, एस.,, २-------

नायफर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ब्रुपीय सुवता

शाउँव वहका

कार्यासय, सहायक कायकर काम्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 16 दिसम्बर, 1985 निवेश सं० प्रई-3/37-ईई/19714/34-85--फारा मसे, ए० प्रसाद,

भायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अभीन संकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्रका उचित वाजार मूश्य 1,00,000/- रा. से मधिक हैं।

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7, जो, 1ली मंजिल, ए-विंग, ब्रशोका अपार्टमेंट, बचानी नगर रोड, मालाइ पूर्व), बम्बई-400097 में स्थित है (और इसर) उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारतामा भ्रायकर प्रधितियम 1961 की घारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनोक 1-5-85

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम् के अस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति को उपित बाबार मुक्य, उसके व्ययमान प्रतिकास से, एसे व्ययमान प्रतिकात का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पाया यदा हितिकान, निम्निनिचित उन्दर्भय से उन्तर मन्तरण सिद्धिक से बास्तविक रूप से कथित नहीं किया शवा है ड—

- -(क) बंदरन वे हुन् कियी बाद की बादत, धनड विधिनियम के वधीन कर दोने की बंतुरक की दारित्य में कभी कहने वा उत्तरे वक्ते में सुविधा के विष: वरि/वा
- (व) एती किसी जाग वा किसी भव वा बन्धः शास्त्रिकों का, जिल्हें भारतीय अध्यकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त मधिनियम, बा र्यन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) **व** प्रयोजनार्थ जन्तरियो बुवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाला जाहिए था, क्रियाने में सुविधा ने पिए:

वतः वदः, उक्त विधिनियम् की वारा 269-व के बनुसरक् वें, वें, उक्त वीभनियम की भा<u>रा 269-त की उपभारा (1)</u> 🖈 अधीत, निम्नसिचित स्वशिक्तवाँ, वर्षात 🗣 🛲

(1) श्री टी० प्रार० प्रहमद।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस० पी० गोसर।

(भन्तरिती)

का बाह्य स्थाना बारी कारको पूर्वोक्ता सम्पत्ति को वर्धन को लिए। कार्ववाहियां करता हूं।

बक्त बस्पत्ति के वर्षन के बस्तरभं में कोई भी वाक्षेत्र ह—-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति दुवाय;
- [बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबहुध किसी बन्द न्वन्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के नाव सिचित में किये का सकेंगे।

लक्कीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विवित्यम के वध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ध होना को उस्त अध्याय में विकः यवा है।

अनुसूची

पलैट नं ० ७, जो, 1ली मंजिल, ए-विंग, ग्रशोका धपार्ट-मेंट, बचानी नगर रोष्ट, मालाष्ट (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित 81

धनुसूत्री जैसा कि ऋ० सं० प्राई-3/37-ईई/19714/84-85 और जो सभन प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 16-12-1985

मोहरः

प्रस्य नाह्यं ही पुन पुरस्तान-जन्मन

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर बायुक्त (जिरिक्षक) धर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 16 दिसम्बर, 1985 निवेश सं० श्रई-3/37-ईई/19 /84-85----**पतः मुझे**, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

जिसकी सं कमरा नं 1, जो, 1ली मंजिल, शिषम अपार्टमेंट्स, लाल लाजपतराय रोड गोरसवाडी मालाड (प), ब बई-G4 में स्थित है और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), और जिसकी करारनामा ग्रायकर प्रवितियम 1961 की धारा 269क, ख के धिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिसंक 1-5-1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान बितफल के लिए अन्तिरत की गई है और कुफ यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित तक्षी पन्द्रह से उक्त अन्तरण जिचित में वास्तिक क्य से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय गा किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति (ती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में. में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर निम्निलिसित व्यक्तियों. अर्थात्:— (1) भी एम० के० डेलीशला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० ए० शहा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राज्यन में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की नगीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर स्वा की तामील से 30 दिन की नगीं , जो औं अविध नाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास्ट;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिल-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति इवारा नभोहस्ताक्षरी के वास स्थितित में किए जा सकते।

स्थाकीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूचीं

कमरा नं 1, जो, 1ली मंजिल, शिवम प्रपार्टमेंट्स, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। लाला लाजपतराय रोड, गोरसधाडी।

भ्रतुमूची जैसा कि कि के श्रई-3/37-ईई/19213/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिनोंक 1-5-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनोक: 16-12-1985

मोहर :

इक्ष्म बार्च दी पूर्व , एत . ------

बावंकर नीथीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मं(1) के नथीन सुखना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 16 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० म्पर्ड-3/37-ईई/19327/84-85--मतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 8, जो, 2री मंजिल, फ्लाट नं० 8, नाडियादबाला कालोनी, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस पनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार भूक्य से अस के द्यवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह निकास करने का कारण है कि स्थाप्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्स, उसके दश्वमान प्रतिफल के एंडे व्यस्तान प्रतिफल का पस्तह प्रतिशत ते अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितिवा) के बीच एंडे बन्डरण के लिए तथ जाता गया प्रतिफल, विक्विसित्त तथु विष्य प्रतिकार के किए तथु जाता गया प्रतिफल, विक्विसित्त तथु विष्य वाही किया वचा है अन्तरका के विष्य क्या के किया वाही किया वचा है अन्तरका विक्विस क्या वे किया वचा है अन्तरका विक्विस का विक्विस

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आयं की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर देने के बन्तरक की दायित्व में कमी करदे या उत्तरी वजने में सुनिया के मिए; कौर/या
- (क) एसी किसी बाव वा किसी वन या नत्य बास्तियों की चिन्हों भारतीय नावकर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्क विभिन्नियम, या धन-कर निर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, कियाने में सुनिका के लिए।

सत: अब, उक्त स्विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण भी, में अस्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) संक्षित, निकासियाद स्थितमें, सर्वाद् क्रम्म मेतर्स प्रजय बिल्डर्स एण्ड डेवलपर्स ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जे॰ पी॰ चेंठमलानी।

(भग्तरिती)

 बेर यह सूचना बारी करके वृत्रोंकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक् करता हुं.।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच हैं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट
 व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा त्रघोहस्ताकारी के पास निवास में किए जा सकोंगे।

स्प्रस्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 8, जो, 2री मंजिल, प्लाट नं० 8, नाडीयाद-बाला कालोनी, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/19327/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, वस्यई

दिनांक: 16-12-1985

मोष्ठर ः

प्ररूप आहें, दी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

पारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयम् र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ने । रेज-३, दम्बई

वस्बई, दिलांक 16 दिसम्बर, 1985

विदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/19344/84-85---पतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्याः 'अक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको गं० फ्लैंट नं० 201, भो, 2री मंजिल, भिससेस, दिव्य पार्थ, माल (ती, श्राफ मार्थे रोष्ठ, माल प्र (प), बस्बई-95 में स्थित हैं (और इसमें उत्तवह अनुसूची में और पूर्ण रूप से विभाग हैं),और जिसका करारवामा श्रासकर श्रीविधिस 1961 की धारा 269 क. ज के प्रवात प्रवाई स्थित स्थान प्राविकारों के कार्यालय में रिजिल्हीं हैं, दिलोक 1-5-1985

की प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिकल के लिप्न सन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथप्षेक्त तम्पित्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फाल, निम्नलिखित उद्देश्य में उद्देत अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिंद्री व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 262-ग की उपधारा (1) के ज्धीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- 51—436 GI/85

- (1) वर्ष तना (इंडिया सायग्य) वरंस्तृष्यास्य प्रार्थाल० (अन्तरक)
- (2) थी ने एम एफ व्यां पी बागन्जा और अन्य। (शानिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता। हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्पी

पत्रैट नं ० 201, जो. 2री भंजिल, पिसपेस, दिन्य पार्क, माल-वनो, श्राफ मार्वे रॉड, (मालाड (प), जम्बई-95 में स्वित है।

अनुभूची जैसा कि कुठ संठ अई-3/37-ईई/19344/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी यम्बई द्वारा दिनाक 1-5-85 को राजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेज-३, बस्बई

दि:हेक: 16-12**-1985**

म हिर

सम लोक सेवा प्रायोग

मोटिस

भारतीय वन सेवा परीक्षा 1986 सं० एक 13/4/85-प० $I(\mathbf{w})$

नई विस्ली-110011, दिनांक 1 फरवरी 1986

भारत के राजपत्न दिसांक 1 फरवरी, 1986 में पर्यावरण तथा वन संन्नालय (पर्यावरण, वन तथा बन्य जीव विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के धनुसार भारतीय वन सेवा में मर्ती के लिए संव लोक सेवा आयोग द्वारा धगरतला, प्रहमदाबाद, इलाहाबाद, एजल, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकना, घण्डीगढ, कोबीन, कटक, विस्ली, दिसपुर (ग्रोताटी), हैदराबाद इस्फाल, ईटानगर, जयपुर, जस्म, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मदाम, नागपुर, पणजी (ग्रोवा), पटना, पोटंब्लेयर, रायपुर शिलांग, शिमला, श्रीनगर, तिरुपति, विवेग्द्रम, उदयपुर तथा विशाखापतनम में 27 जुलाई 1986 से एक प्रिन-योगिता परीक्षा सी जाएगी।

भाषोग यदि नाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों गया नारीकों में परिवर्तन कर मकता है। यद्यपि उम्मीदयारों को उक्त परीक्षा के लिए उनके पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जार्थेंगे तो भी भाषोग स्थितिवण जिसी उम्मीदवार की भ्रपनी वियक्षा पर ग्रस्त केन्द्र दे नकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय मारणी तथा परीक्षा स्थान (स्थानों) की जानकारी दे वी जाएसी (श्रनुबन्ध 1, परा 11 देखिए)।

- 2. इस परीक्षा के परिणाम के धाधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की धनुमानित सं 175 (इनमें भाग जाग के लिए 26 भीर खन जाग जाग के लिए 13 भारिकत रिक्तियों सम्मिलित हैं।) इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।
- 3. परीक्षा में प्रथेश चाहने वाले, उम्मीदिश को निर्धारित प्रपन्न पर सचिव, संघ लोक सेवा धायोग, धौलपुर हाउम, नई दिल्ली—110011 को धावेदन करना चाहिए। निर्धारित धावेदन प्रपन्न तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो कपए (६० 2.00) भेज कर धायोग से काल द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं, यह राशि, सचिव, संघ लोक सेवा धायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली—110011, को मनीधार्धर या सचिव, संघ लोक सेवा धायोग को भई दिल्ली जनरल बालघर पर देय भारतीय पोस्टल धार्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआईर पोस्टल धार्डर के स्थान रर चैक या करेंसी नोट स्वीकार पहीं किए जायंग्रे। ये धावेदन प्रपन्न धायोग के काउण्डर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो क्षण (६० 2 00) की यह शिंग किसी भी हालन में वापस नहीं की जाएग्री।

टिप्पणी :-- उम्मीदवारों को चेतावती दी जाती है कि वे पाने प्रावेदन-पत्न भारतीय जन सेवा परीक्षा, 1986 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्न में ही प्रस्तुन करें। भारतीय बन सेवा परीक्षा, 1986 के लिए निर्दारित आदेदन-प्रपन्नों से इतर प्रपत्नों पर मरे हुए मानेदन-पानें पर विचार नही किया जाएगा।

4 उम्मीदबार उक्त सेवा के लिए जिस राज्य/संपुक्त संवर्ध में भावंटन तुष्यचारण का ६०छुक है उसे उपके यारे में भावेदत-प्रपन्न के कालम 24 में भवना वरीयना कम लिखना चाहिए।

उम्मीक्यार द्वारा प्रावेदन-प्रयक्त में निर्दिष्ट राश्यासपृथन संबर्ग हेतु बरायता त्रम में परिवर्तन के प्रनुराध पर कोई ध्यान तत्र क नहीं दिया जाएगा जब तक ऐसे परिवर्तन का प्रनुराध प्रायोग में कार्यात्व में उन्त परीका के लिखित माम के परिणाम के "राजगार समाचार" में प्रकाणन की नारीख से 30दिन के अन्वर प्राप्त नहीं हो जाता है। श्रायोग या भारत सरकार उम्मीव-वारों को काई ऐसा पक्ष नहीं मेजेगा जिलमें उनसे उनके प्रावेदन-पन्न प्रस्तुन

कर देने के बाद विभिन्न राज्य/सयुवत संवर्षों के लिए परिशोधिन वरीयता, यदि कोई है निविष्ट करने को कहा जाए।

5 भरा दुआ आवेदन-पक्ष भावप्यक प्रमेखों के साथ मिवव, संघ लोक सेवा प्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 31 मार्च 1986 (31 मार्च 1986 से पहले की किसी तारीख से निदेशों में तथा अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूह, लक्षद्वीप, असम, मेथालय, ध्रश्णाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागार्वण्ड, लिपुरा, सिकिस्म नथा जस्मू छोर कश्मीर के लक्ष्म अश्रीजन/ हिमाचल प्रयेश के लाहौल धौर स्थीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगे उपमण्डल में रहने जाले उम्मीदनारों धौर जिनके आवेदन-प्रपक्त उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामने में 14 सप्रेल 1986) नक या उमसे पहले जाक द्वारा अवक्य मिजवा दिया जाए या स्वयं धायोग के काउण्डर पर आकर जमा कर दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त अंने नाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, असम, मेघालय, अक्षणांचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालेण्ड, लिपुरा, सिक्किम और अस्म एवं कश्मीर राज्य के लहांच डिवीजन/हिमाचल प्रदेश के लाहौन और स्वीति जिले नथा चरवा जिले के पांधी उपमण्डल में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो हम बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 31 मार्च 1986 से पहले की किसी तारीच से विदेशों में या अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, असम, मेघालय, अरुणांचल प्रदेश, मिजोरम, मिणिपुर, नागालण्ड, विपुरा, सिक्किम और अम्मू एवं कश्मीर राज्य के लहांच डिवीजन/हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमण्डल में रह रहा था।

- टिप्पणी (i) जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेन्नु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें भावेदन-पत्न के संगत कालम में भ्रपने पतों में भ्रतिरिक्त समय के हकदार दिलाके या क्षेत्र का नाम (भ्रमिष् भ्रसम, मेघालय, जम्मृतथा कण्मीर राज्य का लक्ष्य क्षेत्र आदि) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए भ्रम्यथा हो सकता है कि उन्हें प्रनिरिक्त समय का लाभ न मिले।
 - (ii) उम्मीदवारों को सलाह की आती है कि वे प्रपने श्रावेदन-पत्नों को स्वयं सं० लो० से० झा० के काउण्टर पर जमा करायें प्रथवा रिजस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। प्रायोग के फिसी घन्य कर्मचारी को दिए गए घावेदन-पत्नों के लिए प्रायोग उत्तरदायी नहीं होगा ।
- 6 परीक्षा में प्रवेश चाहते वाले उम्मीववारों को भरे हुए धावेदत-पक्ष के साथ आयोग को द० 48.00 (ए० प्रमृतालीस) का गुरूक मेजना होगा जो कि सचिव, सब लोक सेवा आयोग को नई दिस्ली के प्रधान डाकबर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल झार्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया की मृष्य शाखा, नई दिल्ली में देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक झाफ्ट के रूप में।

भनुसूचित जानियों/ग्रनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को कोई शुल्क नहीं देना है ।

विदेश में रहते वाले उम्मीववारों की निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्याचन में पड़ चत्रोध करते हुए जमा करना होगा नाकि वह "051 जोक सेवा प्राधीन - नगीका शृत्क" के लेखाशीप में जमा हो आए और उम्मीदवार की आवेदन-पत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर मैजनी चाहिए।

जिन भानेवन-पत्नों में यह प्रपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकवम प्रस्वीकार कर दिया जाएगा । यह उन उम्मीवकारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 7 के प्रस्तर्गत निर्धारित शुरुक से छूट भाहते हैं। 7. शाथीग यदि चाहे तां, उस स्थिति में निर्धारित गृहक से सूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुर हो कि पानेदक या तो 1 अनवरी, 1964 श्रीर 25 सार्च 1971 के बीच की श्रविध में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (श्रव बंगला देग) से भारत श्राया हुआ बारतिब विस्थापित व्यक्ति है या बमा से बास्तिबक रूप में प्रत्यावतित मूलतः भारतीय व्यक्ति है श्रीर 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत में श्राया है या बहु एक वस्तुतः प्रत्यावतित मूलतः भारतीय व्यक्ति है, जो श्रवत् यर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के श्रत्वातित 1 नवस्वर, 1964 को या उसके बाद भारत प्राया है या श्रा है या भूतपूर्व पिजम पाकिस्तान से बास्तिबक विस्थापित व्यक्ति है जो 1 जनवरी 1971 तथा 31 मार्च 1973 के बीच की श्रविध के दौरान भारत प्रवणन कर चुका था श्रीर निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

8 जिस जम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे भायोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे ६० 30/- (रुपए तीस) की राशि पापस कर दी आएगी।

उपर्युक्त एवं नीचे पैरा 9 में उपविधित त्यवस्था को छोड़कर श्रन्य किसी भी स्थिति में श्रायोग को भुगतान किए गए शुरूक की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया आएगा श्रीर न ही शुरूक को किसी श्रन्य परीक्षा या स्थान के लिए श्रारक्षित रखा जा सकेगा।

- 9 यदि कोई उम्मीदवार 1985 में भारतीय वन सेवा परीक्षा में बैठा है और बह अब इस परीक्षा में प्रवेण का इच्हुक हो, तो बह परीक्षा परिणाम अथवा नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना अपना आधेदन-पक निर्धारित तारीख तक आयांग के कार्यालय में प्रस्तुत कर दें। यदि 1985 के परीक्षा परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेतु उनकी अनुशंसा हो जाती है, जो 1986 की परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी उनके अनुरोध पर रह कर दी जाएगी और उन्हें परीक्षा शुक्त वापस कर दिया जाएगा, किन्तु धार्र यह है कि उम्मीदवारी रह करने हथा शुक्त वापस के कार्य ने उनका अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1985 की परीक्षा के फाइनल परिणाम के 'रोजगार समाचार'' में प्रकाशन की हारीक्ष्य से 30 दिन के अन्दर अवन्य पहुंच जाए।
- 10 आवेदन-पक्ष प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदनारी की वापसी के हिए उम्मीदनार के थिसी श्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार महीं किया जाएगा ।
- 11 जैसा कि परीक्षा नियमावर्ला के परिशिष्ट 1 में उल्लिखित परीक्षा भोजना में निर्दिष्ट किया गया था, सामान्य कात के प्रश्न पत्न में वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंग्रे। नमूने के प्रक्षन सहित वस्तुपूरक परीक्षण सम्बन्धी क्यौरे के लिए कृपया "उम्मीदवार-सूचना विषरणिका" के भनुबन्ध II का प्रवेलोकन करें। मा० बालाक्षरणन, उप सचिव

संघ लोक सेवा प्रायोग

धनु**ष**स्य I

उम्मीवनारों को भनुदेश

1. उन्मीदियार को मानेदन पक्ष भरने से पहले मपनी पालता समझ लेने के लिए मोटिस भौर नियमायली को ज्यान से पक्ष लेने चाहिए। निर्धारित शतों में कोई छूट महीं दी जा सकती है।

ग्राबेदन-पत्न भरने से पहले जम्मीदवार को नोटिस के पैराधाफ 1 में विए गए केन्द्रों में से किसी 1 को, जहां यह परीक्षा देने का इच्छुक हैं, प्रान्तम रूप से चुन लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को घ्यान रखना थाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध ब्रन्-रोख को सामान्यतया स्त्रीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार घपने उस केन्द्र में परिवर्तन जाहना है जो उसने उसन परीक्षा हेतु प्रपने आवेदन में निविद्ध किया या तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा प्रायोग को इस बात का पूरा श्रीचित्य बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ट अक से शवश्य भेजना वाहिए कि बह केन्द्र में परिवर्षन क्यों भाहता है। ऐसे धनुरोधों पर गुणवता के घाघार पर जिनार किया आएमा हिन्दु 27 जू। 1986 के बाद प्राप्त प्रनुरोधों की किसी भी स्थिमि में स्वीकार नहीं किया आएमा।

2. उम्मीटवार को स्रावेदन-पत्न तथा पावती-कार्ड प्रपते हाथ से ही स्याही रो या बाल प्वाइण्ड पेन रो भरते चाहिएँ। अधूरा या गलत भरा हुआ स्रावेदन पत्र अस्थीकार कर दिया जाएगा ।

उम्मीदवार यह भान रखें कि प्रायेदन पत्न भरते समय उन्हें भारतीय अंकों के केवल श्रम्तरीष्ट्रीय रूपों का ही प्रयोग करना है। पाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्न या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख हिन्दी भंकों में दर्ज है तो भी उम्मीदवार यह सुनिश्वित करले कि वे भावेदन-प्रपत्न में प्रविध्य करते रामय---इसको मारतीय अंकों के केवल भन्त-राष्ट्रीय रूप ही लिखें ये द्रम बारे में विणेग सावधानी बरतें कि भावेदन-पत्न में भी गयी प्रविध्यां स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि ये प्रविध्यां भ्रपाठ्य या भ्रामक हैं तो उनके निर्वेचन में होने वाली भ्रांनि या संदेह के लिए उम्मीदवार जिम्मेवार होंगे।

उम्मीदयार यह भी घ्यान रखें कि झायोग प्रावेदन-पक्ष में प्रविष्टियों में परिवर्तन करने से सम्बद्ध किसी भी पत्न व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगा। इसिलए उन्हें भावेदन-पन्न सही रूग से भरने के लिए विशेष सावधानी सरतनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उन्हें किसी भी परि-स्थिति में उस विषय की अप्रलने की अनुमति नहीं दी जाएगी जो उन्होंने उक्त परीक्षा हुतु अपने आवेदन-पत्र में निधिष्ट किया था।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी श्रीयोगिक उपक्रमों भें या इसी अकार के अन्य संगठनों में हों या ग्रीर-सरकारी संस्थाओं में तियुक्त हों, अपने आवेदन-पत्न आयोग को सीधे भेजने चाहिएं। अगर किसी उम्मीदबार ने अपना आवेदन-पत्न अपने नियोक्ता के आरा मेजा हो भीर वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्न पर विचार नहीं किया आएगा भले हो यह नियोक्ता को आखिरी तारीख से पहले प्रस्तुन किया गया हो।

जो श्यक्ति पहले से ही सरकारी नौतारों में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थानी या अस्थायी हैिमियन से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैिस्यत से काम कर रहे हैं या जो लंक उद्यमों के प्रस्तारेत सेवा कर रहें उन्हें यह परिजचन (ग्रण्डरटेंकिंग) प्रस्तुन करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से प्रपत्ने कार्यान गितान क प्रध्यक्ष का सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए प्रायदिन किया है।

उम्मीदवारों को ष्यात रखना चाहिए कि परि आयोग की उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए प्रावेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध प्रनुमति रोकते कुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

- उम्मीदनार को अपने भावेदन-पत्न के साथ निम्निलिखित प्रमाण-पत्न भ्रवस्य भेजने चाहिएं:----
 - (1) निर्धारित गुरुक के लिए रेखांकित किए धुए भारतीय पोस्टल आईर या वैंक डापट या गुरुक भेजने के सपने दावे के समर्थन में प्रमाणनात्र की प्रमाणित/प्रनुप्रनाणित प्रतिलिपि (देखिए नोटिस का परा 6 प्रीर 7 और नीचे परा 6)।
 - (2) आयु के त्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणिन/प्रप्राणिन प्रतिलिपि।
 - (3) सैक्षिक पीष्यता के प्रमाण-पत्न को प्रतृप्रमाणित प्रित-लिपि ।
 - (4) उम्मीदशार को अपने हाल ही के पामपोर्ट प्राकार (जगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो नी दो एक जैसी प्रतियां भेजनी लाहिएं। इतमें से एक प्रति पानदतन्त्र के पहले पृष्ठ पर पियका देनी भाहिए ग्रीर हुनरी प्रति उपस्थिति पद्यक्त पर निर्धारित स्थान पर विषका देनी चाहिए।

- (5) लगणग 11.5 सें० मी०×27.5 से० मी० आकार के बिना टिकट लगे धुन दो लिफाफे जिन पर आनाम पता लिखा हो।
- (6) जहां लागू हो बहां अनुमूचिन जाति/धनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4) '
- (7) जहां लागू हो वहां द्यायु में छूट के दावे के समर्थन में प्रभाण-पत्न की क्रनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।
- (8) उपस्थिति पत्नक (ग्रावेदन-पत्न के माथ संलग्न) विधिवत् भरा हुन्ना है ।

िष्पणी (1) जम्मीदवारी का ग्रावेदन-पत्नी के माथ उपर्युक्त मद (2)(3), (6) और (7) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्नों की कंबल प्रतियां ही प्रस्तुत करती हैं जो सरकार के किसी राजपत्न प्रधिकारी द्वारा प्रमाणित ही प्रथवा स्वयं उम्मीदवार 🖫 रा सही 💌 में सस्थापित हों। जो उम्मीदनार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर व्यक्तिस्व परीक्षण हेतु साक्षारकार के लिए ग्रर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें सिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्नी की मूल प्रतियो प्रस्तुत करनी होंसी। लिखित परीक्षा के परिणाम नवम्बर 1986 के महीने में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्नों की व्यक्तित्व परीक्षण के समय प्रस्तुत करने हेतु तैयार रखना जाहिए। जो उम्मीदवार उम समय अपेक्षित प्रमाण-पन्नों को मूल रूप में प्रस्तृत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी भीर उनका भागे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नही होगा।

हिःपणी (11) ग्रावेदन एवों के साथ भेजी गयी समी प्रमाण-पत्नों की ग्रानुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति पर उम्मीदवार की हस्ताक्षर करने होते ग्रीर तारीख भी देनी होती।

उपर्युक्त पैरा 3 की मद (1) से (4) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे भौर पैरा 6 में विए गए हैं, भौर मद (5) भौर (7) के शिवरण पैरा 4 भौर 5 में विए गए हैं।

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल भारते :

प्रस्येक पोस्टल धार्डर ग्रनिवार्येतः रेखांकित किया जाए तथा उस पर "सिचव, संग्र लोक सेवा भायोग को नई दिल्ली प्रधान डाकचर पर देय" लिखा जाना चाहिए ।

किसी धन्य डांकघर पर देय पोस्टल ध्रांडर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल घ्रांडर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आईरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर सौर जारी करने वाले सकवर की स्पष्ट मोहर होनी चाहिए।

उम्मी क्वारों को यह अवध्य मोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आईर म तो रेखांकित किए गए हों भीरन ही सचिय, संघ लोक सेवा आयोग को नई विस्ली के प्रधान काकघर पर देय हों, उन्हें भेजना मुरक्षित नहीं है।

(खा) निर्धारित मुल्क केलिए रेख्योकित सैंक द्वापट ।

मैंक दूपिट स्टेट बैंक द्याफ इडिण्या की किसी शाखा में लिया जाता चाहिए भीर सचित्र, संघ लोक सेवा श्रायोग को स्टेट बैंक आफ इडिण्या मुख्य शाखा वई विल्ली में देय होना चाहिए तथा विधियत् रेखांकित होना चाहिए। किसी अन्य बैदा के नाम देश किए गए बैदा भूगक्ट किसी भी झालत में स्वीकार नहीं किए आएंगे। किलीपन या एंट फरे के क्राफ्ट भी रवा गए नहीं किए आएंगे।

टिप्पणी:—- उम्मीदवारों को श्रपने धार्वदन-पक्ष प्रस्तुत करते समय श्रैक ड्रापट की पिछली और सिरे पर घपना नाम नथा पना तिखना बाहिए । पोस्टन घार्डरों के मामले में उम्मीदवारों को पोस्टल झार्डर के पिछली घोर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान वर प्रपना नाम पना लिखें ।

(ii) श्रायुका प्रमाण-पत्न :— प्रायोग जन्म की यह तारीक्ष स्त्रीकार क्षरता है जो मैद्रिकुलेशन या माध्योमक विद्यानन छोड़ने के पमाण पत्न था किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैद्रिकुलेशन के समकल माने गए प्रमाण-पत्न या किसी विश्वविद्यालय द्वारा श्रनुरक्षित मैद्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गथी हो श्रीर वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उनकी समक्क्ष परीक्षा उत्तरीणं कर चुका है, यह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समक्क्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप प्रस्तुत कर सकता है।

ध्रायु के सम्बन्ध में कोई धन्य अस्तावेज जैसे जन्मकुण्डली, शपथपत्न, नगर निगम से धौर सेवा ध्रमिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धो उद्धरण तथा धन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंग्रे।

श्चनुदेशों के इस भाग में श्राए हुए ''मैं द्रिकुलेशन/उच्यतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न''वाक्यांण के अस्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्न सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैद्रिकुलेशन /उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण -पन्न में जन्म की तारीका नहीं हीती या त्रायु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों की मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा/प्रमाण-पन्न की धनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के भ्रतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रितिपल से लिए गए प्रमाण-पन्न की एक धनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्य-मिक परीक्षा उत्तीर्ण को हों। इस प्रमाण-पन्न उस संस्था के वाखिला रिजस्टर में दर्ज की गयी उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक भ्रायु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावती दी जाती है कि यदि आवेदन-पन्न के साथ इन अनुवेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो धाबेदन-पन्न अस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी 1:--जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यभिक विद्यालय प्रमाण-प्रत हो, उसे केवल थ्रायू से सम्बद्ध प्रविध्टि बाले पृष्ट की ग्रमित्रमाणित /प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी नाहिए।

टिप्पणी 2:—-जम्मीदवारों को घ्यान में रखना चाहिए कि मायोग जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन-पत्न प्रस्तुन करने की तारीख को मेंट्रिकुलेशन/जम्मतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्न में दर्ज है भीर इसके बाद उगमें परिवर्तन के किसी भन्-रोध पर न तो विवार किया जाएगा भीर न उसे स्वीकार किया जाएगा ।

टिल्पणी 3: -- उम्मीदवार यह भी घ्यान रखें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारी का एक बार घोषित कर देने भीर प्रायोग द्वारा उसे भ्रपने भ्रभिलेख में वर्ज कर लेने के बाव उसमें बाव में या किसी परीक्षा में परिनर्शन करने की भ्रमुमति नहीं वी जाएगी।

(iii) शैक्षिक मौष्यता का प्रमाण-पक्ष : — उम्मीदवार की एक प्रमाण-पत्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिक्षिप भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में ने कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्न उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी प्रत्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे वह योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसा प्रमाण-पत्न न भेजा जाए सो उम्मीदवार को उमे न भोजने का कारण प्रवण्य वतानी चाहिए और प्रपक्षित याग्यता से सम्बद्ध

श्रपने दावे के प्रमाण में कोई घन्य साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहिए । आयौग इस साक्ष्य की मुणकत्ता पर विचार करेगा किन्तु वह उसे पर्याप्त सानने के लिए बाह्य नहीं हैं ।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा अपनी गैंकिक योग्यताओं के समर्थन में हिंगी परीक्षा में उत्तीर्ण होने के संबद्ध विश्वविद्यालय के प्रमाण-पन्न की ग्रिभिन प्रमाणित /प्रमाणित प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिए गए हों, तो उसे विश्वविद्यालय के प्रमाण-पन्न की ग्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के ग्रिति-रिक्त, प्रिसिपल/विभागाध्यक्ष से इस ग्रायय का एक प्रमाण-पन्न लेकर उसकी एक ग्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए कि उसके नियम 6 में निर्दिष्ट विषयों में अर्डक परीका उसीर्ण कर ली है।

टिप्पणी: -- जन उम्मीदवारों को जो ऐती परीक्षा में बँठ चुके हों जिसे उसीण कर लेने पर वे सायोग की उकत परीक्षा के लिए शैक्षिक दृष्टि के पास हो जाते हैं किन्तु इस परीक्षा का परिणाप सूचित न किया गया हो तथा ऐसे उम्मीदवारों को भी जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहते हों, द्वायोग की इस परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा ।

(iv) फोटोग्राफ :— उम्मीयवार को अपने हाल हो के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सं० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिएं। इनमें से एक प्रति आवेदन-प्रपत्न के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थित पत्नक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

विशेष ध्यान: - उम्मीदवारों को नेतावनी हो जाती है कि यदि आवेदन-पत्न के साथ उपर्युक्त पैराग्राफ 3(2), 3(3) ग्रीर 3(4) के ग्रन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण-पत्न में से कोई एक संलग्न न होगा ग्रीर उसे न भेजने का कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया गया हो तो आवेदन पत्न ग्रस्वीकार किया जाएगा तथा इस ग्रस्वीकृति के विषद्ध किसी श्रपील पर विचार नहीं किया जाएगा ।

4 यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करें तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उनके माता-पिता (या जीवित साता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप मण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी, से जिसे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पन्न जारी करने के लिए सक्तम अधिकारी के रूप में गांवित जिला हो, नीचे रिए गए फार्म में प्रमाण-पन्न लेकर उसकी एक अधिक्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिंग अस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोगों को मत्यु हो गयी हो तो यह प्रमाण पन्न उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोगन से आम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनु-सूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती कुमारी*
जो गांव/कस्बा*/जिला/मण्डल*
——— राज्य/संघ*/राज्य क्षेत्र————
——के/की निवासी हैं————————————————————————————————————
संविधान (धनुसूचित जातियां) ग्रादेश, 1950 हें
संविधान (अनुसूचित जन जातियां) ग्रादेश, 1950
संविधान (मनुसुनित जातियां) (संध राज्य क्षेत्र) ग्रादेश, 1951
संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) ग्रादेश, 1951

[अनुस्चित जातियां धीर प्रमस्चित जन जातियां सूची (ग्रामोधन) शादेश, 1956, बन्बई पुत्रीटन शर्धानियम, 1960, पंजाब पुनर्गटन ग्रधिनियम, 1966, हिभाचल प्रदेश राज्य प्रशिनियम, 1970 ग्रीर जमरी पूर्वी क्षेत्र पुनर्गटन अधिनियम 1971 शीर धनुसूचित जातियां तथा ग्रनुसूचित जन-जातियां ग्रादेश (संशोधन) ग्रिधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित]

संविधान (लम्मू और कश्मीर) अनुमुचित जातियां आदेश, 1956

संविधात (श्रञ्डमान श्रौर निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959 अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां धादेश (संशोधन) श्रिबिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित ।

संविधान (दादरा श्रीर नागर हवेली) श्रनुसूचित जातियां श्राडेश 1962† संविधान (दादरा श्रीर नगर हवेली) श्रनुसूचित जन जातियां श्रादेश 1962†

संविधान (पांडिकेरी) अनुसूचित जातियां आदेश 1964 । संविधान (अनसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1964 । संविधान (गोवा, दमन तया दियू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968 । संविधान (गोवा, दमन तथा दियू) अनुसूचित जन जातियां आदेश,

1968†

संविधान (नागालेण्ड) अनुसूचित जातियां आदेश, 1970†

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जातियां आदेश, 1978†

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1978†

@ 2 अनुसूचित जातियों/अनुदूचित जनजातियों के उन उम्मीदगरों के मामलों में लागू जो एक राज्य /संघ राज्य क्षेत्र से प्रवजन कर चुके हैं।

> हस्ताक्षर* पदनाम**

पदनाम (कार्यालय की मोहर)

तारीख----

राज्य*/संघ राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागून हो उन्हें कृपया काट दें।

†कृपया राष्ट्रपति का विशिष्ट ग्रादेश निर्दिष्ट करें।

@जो पैराग्राफ लागून हो उसे कृपया काट दं।

नोट:--यहां "श्रामतीर से रहते/रहती हैं" का यर्थ वही होगा जो "रिप्रेजेन्टेशन श्राफ पीपुल एक्ट, 1950" की धारा 20 में हैं।

**ग्रनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए सक्षम ग्रधिकारियों की सूची : (1) जिला मैजिस्ट्रेट/प्रतिरिवन जिला मैजिस्ट्रेट/कसैक्टर/बिप्टी कमि-इनर/एडिशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाईपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रट/नथां/डिविजनल मैजिस्ट्रेट/नालुक मैजिस्ट्रेट/एक्जी-क्यूटिव मैजिस्ट्रट /एक्स्ट्रा ग्रसिस्टेंट कमिश्नर ।

ीप्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम छोहदे का नहीं।

- (2) चीफ प्रेसी कैंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/ प्रेसीक्षेसी मजिस्ट्रेट ।
 - (3) रेवेन्यू ग्रफसर, जिनका भ्रोहदा संहक्षीलदार से कम न हां।
- (4) उस इलाके का सब-विविजनल प्रफसर जहां उम्मीदवार धोर/ या उसका परिवार भामनौर से रहना हो।
- (5) ऐबिमिनिस्ट्रटर/ऐबिमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेबलपर्मेंट श्रफसर, लक्स्क्रीप ।
- 5. (1) (क) नियम 5 (क) (2) प्रयम 5 (क) (3) के प्रत्यांत प्रायम प्रष्ट भीर/या नोटिस के पैरा 7 के प्रनुसार गुल्क से छूट का वाचा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगा देश) के विस्थापित व्यक्ति को निम्मलिश्वित प्राधिकारियों में से किया एक से लिए गए प्रमाण-पक्ष की प्रक्षिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुन करनी बाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) के बास्तविध विस्थापित व्यक्ति है भीर 1 जनवरी, 1964 ग्रीर 25 मार्च, 1971 के बीच की श्रविध में प्रग्नजन कर भारत ग्राया है।
 - (1) वंशकारण्य परियोजना के ट्रांजिट कंग्डों अथना विभिन्न राग्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमार्थेट।
 - (2) उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रट जहां वह इस समय नियान कर रहा है।
 - (3) सम्बद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभागी ग्रतिरिश्त জिला मैं जिस्ट्रेट ।
 - (4) श्रपने ही कार्यभार के अधीन, सम्बद्ध सब-डिबीजन का सब-डिबी-जनल श्रफसर ।
 - (5) उप शरणार्थी पुनर्नास भ्रायुक्त, पश्चिमो बंगाल/निदेशक (पुन-विस्), कलकत्ता ।
- (2) नियम 4(ख) (5) अयथा 5(ख) 5 के मन्तर्गत धायु में छूट भीर/या नोटम के पैरा 7 के मनुमार गुर्क में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रस्थावितत या प्रत्यावित होने नाले मूलनः भारतीय व्यक्ति को श्रीलका में भारत के उच्च धायुक्त के कार्यालय से निए गए इस आण्य के प्रमाणयत की प्रभिन्नमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप यह विश्वलाने के लिए अन्तुत करनी बाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवस्वर, 1964 को या उसके बाद भारत झाया है या ग्राने वाला है।
- (3) नियम 5(ख) (6) प्रथम 5(ख) (7) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट जीर/या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुरूक में छूट का दावा करने बाले बर्मा से प्रत्यावित मूलनः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राज-दूतावाम रंगृत क्षारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पन्न की अधिप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक हैं जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा जिस क्षत्र का वह निवामी हैं उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गए प्रमाण-पन्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए, कि वह वर्मा से आया हुआ बास्तविक प्रस्थावित व्यक्ति हैं और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।
- (4) नियम 5(स) (8) प्रभवा 5(स) (9) के घन्तगंत प्रायु-सीमा में छुट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार की जी रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुमा है, सहानिदेशक, पुनर्वात, रक्षा मंक्षालय से गीचे दिये गये निर्धारित कार्मपर क्षिये गये प्रमाण-पन्न की एक अभिप्रमाणित/

प्रमाणित प्रतिलिणि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाश्रों में कार्य करते हुए, विदेशी शब् देश के साथ रंघर्य अथवा श्रशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के योरान विकलांग हुआ और परिशामस्वरूप निर्मृक्त हुआ।

उम्मीदबार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट ''के रक में ''श्री ''रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शह देश के साथ संघर्ष में/अशांतिप्रस्त* क्षेत्र में फीजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मृक्त हुए।

हस्ताक्षर
पवनाम
ता रीख

***जो श**ब्द लागृन हो उसे कृपया काट दें।

- (5) नियम 5(क्ष) (X) या 5(क्ष) (Xi) के प्रश्तगंत प्रायु में कूट का वावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावित मूलनः भारतीय व्यक्ति को, फि.लहाल, जिस क्षेत्र का वह नियासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पव की भिष्ममाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विकासने के लिये अस्तुत करनी चाहिये कि वह वियतनाम से प्राया हुआ वास्तविक प्रत्यावित व्यक्ति है छीर वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं भाया है।
- (७) नियम 5(ख) (xii) या 5(ख) (xiii) के छतर्गत धामु में छूट धाहने वाले की निया, उगांडा तथा रंगुक्त गणराज्य जानिया (भूतपूर्व टांगानीका ता जंीबार) से प्रमुजन कर धाये ये या जास्त्रिया मलाी, जरे तथा दशीयोपिया से प्रत्यावित हुए उम्मीदयार को उस क्षेत्र के जिला मैं जिस्ट्रेट से जहां यह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पन्न की एक श्रिष्ठमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि षष्ठ बास्तव में उप कि देशों से प्रमुजन कर भ्राया है।
- (7) जो भूतपूर्व यैनिक तथा कसीशन प्राप्त प्रधिकारी (प्रापात-कालीन सेवा कसीशन प्राप्त प्रधिकारियों/प्रत्यकालीन सेवा कसीशन प्राप्त प्रधिकः रियों सहित) नियम 5(खा) (xiv) या 5(खा) (xv) की शर्ती के प्रीत प्रायु सीमाधों में छट का दावा करने हुँ उन्हें संबद्ध प्रधिका-रियों से निम्नलिखित निर्धारित प्राप्त में उन पर लागू होने वाले प्रमाण पक्ष की एक प्रमाणित/प्रांभप्रमाणित प्रतिलिपि प्रश्तुस करनी बाहिए

(क) <u>कार्यमुक्त/सेवानिवृक्त कार्मिको पर</u> लाग्	
प्रमाणित किया जाता 🖁 कि सं ं	
रैंक'''' नाम '''''	ने
जिनकी जन्म की तारीख '''''' हैहै	
सं ' ' तक सेना नी सेना / बार्य सेना में सेवा की	है
भौर वे निम्नलिखित में से एक गते पूरी करते हैं:	Ī

- (क) उन्तेने पांच या पांच से प्रधिक वर्षों तक सैनिक सेवा की है और कार्यकास से समापन पर कदाबार या शक्षमता के कारण बर्खास्त या कार्यमुक्त होने के प्रसादा प्रभ्य प्राधार पर कार्य-मृत हुए हैं।
- (ख) वं सैनिक सेवा के कारण हुई शारीरिक श्रपंगता या अक्षमता के कारण ''''को कार्यमुक्त हुए है।

सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा पदनाम

म्हर

स्थान : तारी**च** : (ख) नेवारत कासिको पर लागू

2 उन्हें : : : से कार्यमुक्त/सेवानिवृक्त होना है। उनका पांच वर्षे का कायकाल : : : तक समाप्त होने की संभावना है। सक्षम प्राधिकारी का नाम

तचा पदनाम

महर

स्थान:

तारीख:

प्रमाण-पत्न जारी करने वाले सक्षम प्राधिकारी निम्नलिखित हैं -(क) कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों (प्रापातकालीन कमीशन प्राप्त श्रधिकारियों/प्रस्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों सहित) के मामले में:---

भणसेना--मिलिटरी सेकटरी की शास्त्रा, यलसेना मुख्यालय, नई दिल्ली नौसेना--कार्मिक निदेशालयः नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली । बायसेना-कार्मिक निदेशालय प्रशिकारी बायुसेना मुख्यालय नई दिल्ली

(खा) नीसेना/कायुसेना के जूनियर कसीशन प्राप्त ग्रधिकारियों, ग्रास रंकों तथा समकक्ष ग्रधिकारियों के मामले में ---

यसमेना--विभिन्न रेजीमेंटल रिकार्ड कार्यालयों द्वारा ।

नौसेना--बी० ए० बी० एस० धम्बई i

वायुसेना--वायुसेना रिकाई, एन० ६० प्रार० डब्स्यू•, नई चिरूकी ।

(viii) नियम 5(ख) (xvi) या नियम 5(क) (xvii) के प्रन्तर्गत द्यायु में छूट ग्रीर या नोटिस के पैरा 7 के धन्तर्गत मुल्क मे माफी चाहने वाजे भूतपूर्व पश्चिमी पाकिस्तान से विस्वापित व्यक्ति को निम्निलिखित में से किसी प्राधिकारी मे इस झाणय के प्रमाण-पल की एक ग्रमुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करणे चाहिये कि वह भूतपूर्व पश्चिमी पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो जनवरी, 1971 शौर 31 मार्च, 1973 के बीच की ग्रविध के वौरान मारत प्रम्रजन कर चुका का :---

- (1) विभिन्न राज्यों में दूर्शिट केन्द्रों या गहत मिनविरों में शिविर कर्माहेंट:
- (2) उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट जिसमें वह फिलहास रहसा हो:
- (3) अपने-अपने जिलों में शारणाशी पुनर्वाग के प्रभारी अतिरिक्ष्त जिला मैंजिम्ट्रेट;
- (4) भ्रपने प्रभारारतर्गत सब-डिघीजन के ग्रन्थर स**ब-डि**वीजनल ग्रप-गर;
- (5) शारणार्थी पुनर्शन का उपायुक्त ।
- (ix) असम के रहने काले व्यक्तिको, जो नियम 5(का) (xviii) अवन 5(क) (xix) के अन्तर्गत सःग्रुसीमा में पूट चाहता है उसको उस जिला मजिस्ट्रेट से जिसके स्वाधिकार में वह साधारणतः निवासी रहा हो अववा असम सरकार शरा इसके लिए प्राधिकृत किए गए किसी अन्य प्राधिकारी से इस आस्य के प्रमाणप्र को एक अभिप्रमाणित/सस्यापित प्रति प्रमुत करनी च'हिए कि वह 1 जनवरी, 1980 से 15 अगस्त 1985 की अविध के बौरान ग्रसम राज्य का प्रवासी रहा था।

6. जो उम्मीदवार कपर पैरा 5(1), (2), (3) और (viii) में से किसी भी वर्ग के प्रथ्यांत नोडिस के पैरा 7 के प्रयुक्त से छूट का दाव। करता है, उसको किसी जिला श्रीक्षकारों या सरकार क राज-पिंड श्रीयकारों या संभद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से यह दिशाने के लिये कि यह निर्धारित शृक्ष देने की स्थिति में नहीं हैं इस श्राज्य का एक प्रमाण-पन्न लेकर उसकी एक भिन्नभाणित/प्रमाणित प्रतिक्षिपि भी प्रस्तुत करनी होगी।

7 जिल स्थिकत के लिये पश्चितः प्रमाण-पत्न धानग्यक है। उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्सु उसे नियाजत प्रस्ताव भावत रारकार, पर्यावरण तथा वन मंत्रालय (पर्यावरण, वन तथा वन्य जीव विभाग) हारा धावप्यक पासला प्रमाण-पत्न जानी कर दिले जाने के बाद ही दिया जाएगा।

8. उम्मीदवार को चेनावली दी जाती है कि वे आश्रेत-पक्त भरते समय कोई झ्टा क्टीर: न दें श्रीर न ही किसी महस्वपूर्ण सूचनः को किपायें।

उम्मीदवारों को यह भी भेतावनी ी जाती है कि वे अपने हारा प्रस्तुत किये गये प्रसेख अध्या उराकी प्रतिनिधि की किसी प्रविध्दि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्नन करें और न कोई फोर-बदल करें और न ही फेर-बदल किये गये/सूठा प्रमाण पक्ष प्रस्तुत करें। यह ऐसे दो या कुशिक प्रमाण पक्षों के उनकी प्रतिमों में कोई प्रशुद्धि अध्या जिमीगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पर्ीकरण प्रस्तुत किया जान।

9. आवदन पत्न देर ने प्रस्तुन किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह नक्ष स्वीकार नहीं किया जायेगा कि आवेदन-प्रपन्न ही अमुक तारीख को भेजा गया था। झांडेडन-पन्न का भेजा जाना ही स्वमः इस असत का सूचक क होगा कि प्रपन्न पाने वाला परीका में बरने का पान्न हो गया हो।

10. शायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक घावेदन-पत्न की जिसमें देर से प्राप्त धावेदन-पत्न भी सम्मिलित है पावती दी जाती है तथा प्रावेदन-पत्न की प्राप्ति से प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन-पंजी-करण संख्या सूचित कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के धावेदन-पत्न प्राप्त करने के लिये निर्धारित श्रांतम तारीख से एक मास के सम्बर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल शायोग से पावती हेतू सम्पक करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्बीदवार को झावेदन-पंजीकरण संक्या सुचित कर दी गई है भ्रपने स्नाप यह सर्वे नहीं है कि झावेदन-पद्म सभी प्रकार पूर्ण है भीर झायौग हारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 11. इस परीका के प्रभ्येक उम्मीदवार को उसके प्रावेदन-पक्ष के परिणाम की सूचन। यथाशीध्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचिन किया जाएगा। यदि परीक्षा के आरम्भ होने की नारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार की ध्रपने ध्रावेदन-पत्न की परिणाम के बारे में संब लोक संबा ध्रायोग से कोई सुखता म मिले तो परिणाम की जानवारी के लिए उसे ध्रायोग से सम्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मोदवार ने ऐसा न किया तो वह अपने मामल में ग्वार कियो जाने के दावे से बंचिन हो जाएगा।
- 12 संघ लोक सेवा प्रायोग ने 'संघ लोक सेवा मा ोग की वस्तु परक परीक्षाओं हेनु उम्मीदवार विवर्णका' शीर्षक से एक समूह्य पुस्तिक छापी है। इस हा डिजाइन ऐसा है जिसमें संव लोव सेव झाव की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीदवारों को महायता मिल सके।

यह पुरितका और पिछली परीक्षाओं की नियमायली तथा पारंपरिक प्रकार के प्रवन-पत्नों का उल्लेख करने वाले पप्पत्यों की प्रतियां प्रकाशन निर्मन्नक, सिविल लाइम्स देहली-110054 के पास बिकी के लिए सुसम्म है और इन्हें उनसे सीधे मेल भाईर द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा नकता है। इन्हें केवल नकद भुगतान पर (I) किताब महल, दिशोलो गिनेमा के नामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" इलाक, बाबा खड़क

सिंह मार्ग, नई विश्वी-110001 और (II) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 स्थिन प्रकाशन माथा का विश्वी कार्नटर और (III) भवन-मेंट प्राफ इंडिया कह डिसेन्ड, कि एनड राप रोट करावना-700001 में भी निया जा सकता है। वेनयल निष्केत प्रारा सरकार प्रकाशों के विभिन्न मुक्तिल अनुसं में स्थित एवंटों में भी उपलब्ध है

- 13 श्राबेदन-पन्न में नाष्त्र पत्न-व्यवहार :--श्रावेदन-पन्न में सम्बद्ध सभी पत्न श्रादि पवित्र, संत लो ६ सेन. ग्रापोन, धौनपुर हाउन नई विक्ली 110011 को भीभ जाएं तथा उनमें नीने लिखा ध्योरा धनिवार्य रूप से दिया जाए :---
 - (1) पीक्षाकानाम ।
 - (2) परीक्षाका महीना श्रीर वर्ष।
 - (3) श्रावेषन पंजीकरण गं०/रोल नं० अथया उम्मीदवार की जन्म तिथि यदि धापेदन पंजीकरण मं०/रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो।
 - (4) जुम्मीदवार का नाम पूरा तथा बड़े स्रक्षरों में।
 - (5) अधिदन-पक्ष में विया गया पन-व्यवहार का पता !
- ह्यान वें (1):--जिन पक्षों धादि में यह श्यौरा नहीं होगा संभव है जन पर ह्यान नहीं दिया आएगा।
- विशेष घ्यान (2) :—-यदि किसी उम्भीदवार से कोई/पन्न संप्रेषण परीक्षा हो चुकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम व ब्रनुश्रमांक नहीं है तो इस पर गान न देते हुए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।
- 14 पते में परिवर्तन :--जम्मीववारको इस बात की व्यवस्था कर लेती बाहिए कि उसके प्रावेदन-पत्र में जिल्लाखित गते पर र जे गये पत्र आदि, भावश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पत्ने में किसी भी अकार का परिव त होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित स्वौर के भाष प्याणीश्च दी जानी चाहिए। यश्चपि आयोग ऐसे परिवर्तन। पर ध्यान हेते का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किल्लु इस विवय में कोई जिम्मवारी स्वीकार नहीं करता।

धनुबग्ध III

त्रम्भीदवारीं को सूचनाचे विवरणिका

क, बस्तुपरक परीक्षणा

द्याप जिस परीक्षा में बँठने वाले हैं उस परीक्षा के नामाण कान का प्रश्नपत्र "वस्तुपरक परीक्षण" होगा । इस प्रकार की परीक्षण (परीक्षण) में द्यापको उत्तर लिखने नहीं होंगे प्रत्यक प्रश्न (जिसको छागे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिथे कई सुझाए गए उत्तर (जिसको छागे प्रत्युभर कहा जाएगा) विवे जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नांश के लिथे छापको एक उत्तर चुन केना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य धापको इस परीक्षा के बारे में कुछ जान-कारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वकृप से परिचित्र न होने के कारण भापको कोई हानि न हो ।

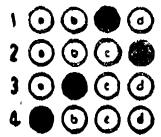
स्त्र, परीक्षण कास्यक्रपः

प्रश्त पंत्र "प्रश्न पुस्तिका" के रूप में होंगें। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3— व्यादि के कम से प्रश्नीय होंगें। हर प्रश्नीश के नीचे a, b, c े खिल्ला के साथ सुक्त ए गए प्रत्युक्तर लिखे होंगे प्रापका काम एक गही या यदि प्रापको एक से अधिक प्रत्युक्तर मही समे तो उनमें से सर्वीक्तम उत्तर का चुनाव करना होगाः। (प्रान में दिये गये तम्ने के प्रश्नीण देख कें)। किसी भी स्थिति में प्रश्वेक प्रश्नाण के क्षिये प्रापको एक संदी प्रस्थुक्तर का चुनाव करना होगाः। यदि धाप एक से प्रश्निक चुन तेते हैं तो प्रापका प्रस्थुक्तर गलत माना जाएगा।

स, उक्तर दत का शिवार

परीक्षा भारत में प्रश्यको अर्थेय प्रभाग-पत्न के भाष प्रात्म एक उत्तर पत्रण दिया जाएगा । जिसकी एक नाम्सा प्रति प्रशाको प्रवेश प्रभाण-पत्न के पास करी जाएगा । प्रभाव प्रभाव प्रस्ति इस उत्तर प्रकार में लिखने होगें। अन्त पुरितास में या उत्तर पक्षण को छोशकर कन्य किसी कागज पर हिस्स गर्वे उत्तर नहीं बाचे अर्थेंगे।

उत्तर पालक में प्रण्नांकों को संख्याएं ! से 160 तक बार खण्डों में छापी गई हैं। अत्येक प्रकांण के सामी a, b. c, d चिल्ल वाले बुत्ताकार स्थान छने होने हैं। प्रश्ने प्रश्नांण को पालित को प्रश्ने प्रणांण को पालित होरे यह निर्णय करने के बाद कि दीन सा प्रश्नेत्वर सही या सर्वो तम है आपको उस प्रश्नेत्वर के श्रक्षर वाले बुन को पेंगिल से पूरी नरह काला अना कर उमे श्रक्षित कर देना है, जैमा कि श्रापको उत्तर दर्शाने (के लिए) नीचे विद्याया है। उत्तर प्रक्षक के बुत्तों को काला बनाने के लिये स्थाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि ---

- एकर्मणों के उत्तरों के लिये केवल ग्रन्थी किस्स की एचं बीठ पेंगिल (भेंगल) ही लाएं श्रीर उन्हीं का प्रयोग करें।
- 2. गलत निजान को बदलने के िए उसे पूरा भिटाकर किर से सही उत्तर पर निजान लगा है। इसके लिये छाप ग्रापने साण एक रसक् भी लाएं।
- 3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते नमय कोई ऐसी ग्रासावधानी न हो जिससे अहं ९.ट जारे या असमें गोड़ व निल्यन शादि पट जाए या वह खराव हो जाए !

्षा. कुष् महत्त्रपृण्वितियम ।

- मापको परीक्षः छ।रम्भ करने के लिये निर्धारित समय से बीस सिनष्ट पहले परीक्षा धवन में पहुंचना होगा भीर पहुँचले ही छपना स्थान पहल करना होगा।
- 2. परीक्षण शक्क होते के 30 सिनड बाद किसी की परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- परीक्षा गृह शिनि के अन्य अन्न मिन्छ नक किसी को परीक्षा भवत.
 श्रीरमे की अनमनि नहीं मिनेसी ।
- 4. परीक्षा समाप्त होते के बाद, प्रम पुस्तिका और उत्तर प्रक्रक निरोक्षक/गर्धक्षक की सीप दे। <u>श्रापको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा मवन</u> से बाहर न जाने की श्रनुमित नहीं है। इस नियम का उस्लंधन करने पर कड़ा दंड दिया आएगा।
- 5. श्रापको उत्तर पक्ष्य पर कुछ विवरण परीक्षा भवन मे भरना होगा। श्रापको कुछ विवरण उत्तर पक्ष्य पर कृष्टबद्ध भी करने होंगे। इसके बारे में बायके नाम अनदेश प्रथेश प्रमाण-पत्र के साथ भेजे जायंगे।
- 6. प्रयन-पुस्तिक। सं किये गणे सभी अनुदेश धापको सावधानी से पहिने हैं। इन अनुदेशों का राजधानी में पालन सभाने से आपके नंबर कम हो सकते हैं। भगर उसर पत्नक पर कोई प्रदिष्टि संविध्ध है, तो उसे प्रथनों के प्रश्नों को प्रश्ने के सन्देशों का प्रश्नों को स्वाप्त करने को कहें तो उसके अनुदेशों का तस्काल पालन करें।

7. झाप झपता प्रवेश प्रसाण पक्ष साथ साथ साथ झपने साथ एक एक बीट पेंसिल, एक रकड़. एक पेंसिल झापनर झीर नीली या काली स्थाही याली कलम भी लाती होगी। झापको सलाह दी जाती है कि झाप अपने साथ एक -एक भिलय बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड सार्थ जिए एक -एक भिलय बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड सार्थ जिए पर कुछ लिखा न हो। प्रापको परीक्षा भवन में कोई खाली कार्य या कार्य का टुकड़ा या पसाना या झारेखण उपकरण न ें लाने हैं क्यें कि उनकी जरूरन नहीं होगी। मागने पर किच्चे काम के लिये झापको एक झलग कार्य दिया जाएगा। झाप कच्चा काम या सुक करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम अपना रोल सम्बर भीर परीक्षण की नारीक लिखें और परीक्षण समाप्त हीने के बाद उसे अपने उत्तर प्रकर प्रकर के साथ पर्यंदेशक को वापस कर दें।

क. विगेष प्रनुदेश

परीक्षा भवत में अपने स्थान पर बैंट जाने के बाद निरीक्षक अ। पको उसर पलक देंगे। उस्प पक्षक पर अपेक्षित सूचना ६ र दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको अधन पुस्तिकः हेंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संक्षा लियो हुई है अस्पथा उसे अदलता लें। प्रश्न पुस्तिका खोलने से पहले परीक्षण पुस्तिका के पहले पूर्व पर अपना असुक्रमांक लिखें। आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिए न कहें।

च. कुछ उपयोगी सुकाव :

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शक्कता को जांचना है फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का या क्ष्मच दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साक आप जितनी जरूबी काम कर सकते हैं, करें सगर लायरवाही न ो। आप सभी प्रक्षों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चितान करें। अपको जो प्रक्षन प्रदेश्य कठिन सासूम पड़ें उन पर समय ध्यम न करें। इसरे प्रक्षों की छोर बढ़ें और उन कठिन प्रक्षों पर साय ध्यम न करें।

सभी प्रश्नों के मंक समान होंगे। उन्न सभी के उत्तर दें। बापके इत्या मंकित सभी प्रस्कृतरों की संक्या के माधार पर ही भाषको अनंक विये जायेंगे। गलप उत्तरों के लिये मंक नहीं काटे जायेंगे।

छ. परीक्षण का समापन:

जैसे ही पर्ये केसक झापको लिखना बंद करने को कहे, झाप लिखना बंद कर दें। झाप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक झापके पास भाकर भापसे सभी झावश्यक बस्तुएं ले जायें झीर झापको हाल छोड़ने की झनुमति दें। झापकी परीक्षण-पुस्तिका झौर उत्तर-पक्षक कब्बे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की झनुमात नहीं है।

सम्मे के प्रश्नोश (प्रक्न)

(टिप्प ही-- *समी/सर्वोत्तम उत्तर-विकल्प की निविष्ट करता है)

1. सामान्य भन्ययन

बक्त उक्क चाई पर पर्यमारोहियों के नाक सचा कान से निस्निसिक्ति में से किस कारण से रक्त स्नाव होता है ?

- (2) रक्त का दाव वायमंडल के दाव से कम होता है।
- *(b) रक्त का दाब वायुमंडल के दाब से ग्राधिक होता है।
 - (c) रक्त वाहिकाओं की प्रन्यरूनी तथा बाहरी शिराग्रों पर दाश समान होता है।
 - (d) रक्त का दात्र वायुमंडल के बाद के प्रमुक्त घटता बड़ता है।

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (কুৰি)

बरहर में, फूलों का झड़ना निम्नलिखित ंमें से किस ∮एक जपाय से कम किया जा सकता है।

- *(a) वृद्धि भियंत्रक द्वारा छड्काव ।
 - (b) दूर-दूर पौध लगाना ।
 - (c) सही ऋतु में पौध लगाना।
 - (d) चोड़े-थोड़े कासले पर पौछे लगाना।

4. (रसायन विज्ञान)

H₃ VO₄ का एनहाइड्राइड निम्नलिखिन में से न्या श्वीना है।

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (c) V_2O_3
- *(d) V₂ O₅

ह. (प्रबंशास्त्र)

श्रमका एकाधिकार जिथा निस्तिलिखित में ते किस स्पिति में होता है?

- *(a) सीमौत राजस्य उत्पाद से मजबूरी कम हो।
- (b) मजदूरी तथा सीमात राजस्य उत्पादन दोनों, बराबर हों।
- (c) मजदूरी सीमान्त राजस्य उत्पावन से प्रधिक हो।
- (d) मजबूरी सीमांत भौतिक उत्पाद के धराधर हो।

6. (वैद्युत इंजीनियरी)

एक समाक्ष रेखा को भपेक्षित परार्थियात 9 के पैरावैद्युत से सम्पूरित किया गया है। यदि C मुक्त प्रस्तराल में संचरण वेग दर्शाता है तो लाइच में संचरण का वेग,क्या होगा?

- (a) 3 C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

7. (मू-विज्ञान)

बेसाल्ट में प्लेजिश्रोक्लेस क्या होता है?

- (a) मालियोक्लज
- (b) श्रवदेशोराइट
- (c) एल्बाइट
- (d) एनापाईट

8. (गणित)

$${
m d} y^2 = {
m d} y$$
मूर्जाबन्दु से गुजरने बाला और $--- = 0$ गमीकरण ${
m d} x^2 = {
m d} x$

समीकरणको संगत रखने बाला वक-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्विष्ट है?

- (a) y=ax+b
- (b) y=ax
- (c) $y=ao^x+bc^x$
- \bullet (d) y=aex-a

9. (मौसिकी)

एक बावर्ण उपना इंजन 400°K, और 300°K नायकम के मध्य कार्य करता है। इस। विस्तानिक्ति विज्ञानिक में से क्या होगी?

- (a) 3/4
- *(b) (4—3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (सांवियकी)

यदि हिपव विचार का माध्य 5 है, जो इसका प्रसरण विस्थिति है क्या होगा?

- (a) 42
- *(b) 3
- (c) ∝
- (d) = 5

11. (भूगोल)

वर्मा के दक्षिणी भाग की भत्यक्षिक समृद्धि का कारण निम्निकिति में से क्या है?

- (a) यहां पर वानिज साधनों का विपुल भण्कार है।
- *(b) वर्गकी व्यधिकांश नवियों का बेस्टाई भाग है।
- (c) यहां खेष्ठ वन सम्पदा है।
- (d) देश के अधिकांश तेल खेख इसी भाग में हैं।

12 भारतीय इतिहास

बाह्मणवाद के सम्बन्ध में निम्निशिवात में से क्या सत्य नहीं है ?

- (a) बीद्ध धर्म के उत्कर्षकाल में भी बाह्यणवाद के अनुयायियों की संस्था बहुत ब्रिटिक भी।
- (b) त्रह्मण्यार, यहत स्रक्षित्र वर्मकार्य स्रोर सारक्ष्यर से पूर्ण सर्मे या।
- *(c) ज्ञाह्मण्याद के घष्युवय, के साथ, विशेष सम्बन्धी, यज्ञ कम का महत्व कम हो गया।
- (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न वसामीं को प्रकट करने के लिए झार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

13. (दर्शन)

निम्नलिखित में से निरीक्ष्यरवादी वर्शन समृह कीव-सा है ?

(a) श्रीक, स्याय, चार्वाक, मीमांसा

- (b) न्याय, वशैविक, जैन घौर बौद्ध, वार्वीक
- (c) झहुंत, वैदांत, साध्य, वार्वाक यीग,
- (d) बौद्ध, सांध्य, मीमांसा, चावकि

14 (राजनीति विकान)

"मृचिगत प्रतिनिद्यान" का अर्चनिम्निविधित में से स्वा है ?

- (a) व्यवसाय के माधार पर विद्यान मध्यल में प्रतिनिधियो का निर्वाचन।
 - (b) किसी समृह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन ।
 - (c) किसी रोजगार सम्बन्धी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव।
 - (d) श्रमिकसंघों द्वारा मन्नस्यक्ष न्नतिनिधित्व।

15 (मनोविज्ञान)

क्राक्य की प्राप्ति निम्निशिखित में से किस को निर्वेक्षित करती 🖁 ?

- (8) लक्य संबंधी सावश्यकता में वृद्धि
- *(b) भावारमक मवस्था में न्युनतः
- (c) व्यावहारिक प्रधिगम
- (d) पक्षपात पूण प्रधिगम

16. (समाजमास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निस्त में से कौन-सी है?

- (a) ग्राम सरकार महिलाओं तथा कमजोर वर्धों को प्रौपचारिक प्रतिनिक्षित्व प्राप्त हुन्ना है।
 - (b) कृषाकृत कम हुई है।
 - (C) वंचित वर्शों के लोगों को भूरवामित्व का श्राम मिला है।
 - (d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुना है।

टिप्पणी: जम्मीवना नि यह प्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमृते के प्रश्नीक (प्रश्न) केवल उदाहरण के सिए विसे समें हैं और यह जकरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाद्यवस्यों के समुसार हो।

No.

Name & Designation

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 18th December, 1985

No. F. 6/85-SCA (1)—The Hon ble the Chief Justice of India has promoted and appointed the following members of the staff of this Registry to the posts and for the period mentioned against each, until further orders:—

Post to which ap-

of appointment

pointed and period

The state of the s	of appointment
1. Shri S. Banerjee, Offg. Joint Registrar	Appointed to offi- ciate as Add d Registrar with effec from 20-11-85, un til further orders.
2. Shri H. S. Munjral. Offg. Joint	
Registrar · · · · ·	Appointed to offi- ciate as Addl. Re- gistrar with effect from 20-11-85, until
	further orders.
3. Shrt V. K. Deora, Section Officer	Appointed to offi-
	ciate as Assistant Registrar with effect from 1-11-85, until further orders, Appointed to offi
	ciate as Section Officer with effect from 1-11-85, until further orders.
5. Shri Amarjeet Singh Offg. Account-	
tant · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	Appointed to officiate as Section Officer with effect from 1-11-85, until further orders.
6. Mrs. Atree Sridharan, Stenographer	Appointed to officiate as P. A. to Addl. Registrar with effect from 20-1185, until further orders.

No. F.6/85-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has appointed Miss Asha Sood as Officiating Chief Librarian in the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of 25th December, 1985 until further orders.

The 2nd January 1986

No. F.6/85-SCA(I).—Shri S. Banerjee, Officiating Additional Registrar, has retired voluntarily from the service of this Registry with effect from the forenoon of January 1, 1986 under the provisions of Rule 48A of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972.

R. SUBBA RAO Registrar Supreme Court of India

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 12th December 1985

No. 2/1/85-Adm.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. K. Bansal, Surveyor of Works (Civil) Deptt. of Telecommunications, as Technical Examiner in the Commission in officiating capacity on deputation basis in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600 with a special

pay of Rs. 200/- per month, with effect from the forenoon of 26th November, 1985, until further orders.

K. L. MALHOTRA Under Secy. (Admn.) for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF PERSONNEL & TRG, ADMN, REFORMS PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION (DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 7th January 1986

No. A-20023/1/75-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri G. P. Srivastava, Public Prosecutor to officiate as Senior Public Prosecutor, CBI (Group 'A' Gazetted) in the scale of Rs. 900-1400 w.e.f. 11-12-85 (forenoon) and till further orders.

R.S. NAGPAL, Administrative Officer(E), C.B.I.

STAFF SELECTION COMMISSION

New Delhi-3, the 6th January 1986

No. A-19018/1/86-Estt.—The President is pleased to appoint Shri K. T. Shubhakaran, Jr. Accounts Officer, office of CGA, Ministry of Finance (Department of Expenditure) on deputation as Accounts Officer in the office of Staff Selection Commission with effect from afternoon of 3rd January 1986 for a period of 3 years.

N. C. KAPUR, Under Secy. (Admn.).

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110003, the 6th January 1986

No. 3/33/84-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri Ram Mohan Ambat, IPS (JAK: 1968) as Assistant Director in the Bureau of Police Research & Development with effect from the forenoon of 27th December, 1985 until further orders.

The 7th January 1986

No. 3/8/85-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri N. P. Gupta as Assistant Director, Bureau of Police Research and development in an officiating capacity with effect from 30-10-1985 in the scale of pay of Rs. 1200-50-1700 until further orders.

S. K. MALLIK Director General

DIRECTORATE GENFRAL, CRPF

New Delhi-110003, the 8th January, 1986

No. P.VII-2/85-Estt.-1—The President is pleased to appoint on promotion the following Dy. Ss. P. CRPF to the rank of Assistant Commandant in an officiating capacity until further orders.

2. They took over charge of the post or the dates as indicated against their names:—

SI. N	lame of Officer					Date of taking over
1	2				······································	3
1. Shri	Brij Mohan ·	•		•	*	3-9-85
	Surain Singh ·	-			•	11-9 -8 5
						AN
3. Shri	Bhup Singh ·	•	•	•	•	29 - 8-85
4. Shri	Manzurul Haque			•	•	31-8-85

					-		1 2 3
1	2					3	1 2 3
5, S	hri L. R. Sidhra				-	23-8-85	59. Shri Sahi Ram • • • • 30-8-85
6. St	ıri R. Ghai			•		23-8-85	60. Shri Ramesh Gurbani · · · · 31-8-85
7. Sh	ri Vijay Kumar Singh	•	•	•	•	6-9-85	61. Shri Bhule Ram Singh · · · · 31-8-85
	ri A. Ponnu Swamy		•	•	•	31-8-85	62. Shri Durga Dan 31-8-85
	ri Darryl D Sena		•		•	1-9-85	63. Shri Faquir Mohd. 22-8-85
). Sł	ıri Ranbir Singh			•	•	9-8-85	64. Shri Kewal Krishan · · · 23-8-85
i. Si	ri M. M. Dabral		•		•	1-10-85	AN
2. St	ri Jagmohan Singh Ka	thait	•			15-8-85	65. Shri Khushi Ram · · · · · 16-9-85
	ri Prem Singh Schrawa				•	19-10-85	
4. Sl	ri M. S. Ahmed Ali			•		1-9-85	M. ASHOK RÅJ
	ırl Abdul Majeed		•	٠.		21 - 8-85	Assistant Director (Estt).
	•					AN	Alistinelle Director (sente)
6. Sl	ri Ashok Kumar	•	•	•	•	22-8-85	<u></u>
	hri Shishupal Singh		•	•	•	20-8-85	
	hri Umesh Chandra		•	-	•	11-12-85	DIRECTORATE GENERAL
19. S	hri P. P. Kunjoonju		•	•	•	9-9-85	DIRECTORATE GENERAL
	hri C. J. S. Heera					21-8-85	CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE
	hri Hari Ram Banga			•	•	20-8-85	CENTRAL INDUSTRIAL SECORITI FORCE
	hri S. P. Sreevastava					29-11-85	New Delhi-110003, the 1st January 1986
						AN	No. E 16012(1) /5/94 Baw I. Consequent on to appoint
23. S	hri P. Valsa Kumar					14-8-85	No. E-16013(1)/5/84-Pers.I.—Consequent on re-appoint ment in the CISF on deputation basis, Shri K. D. Nayar, 1PS
	hri Vijai Bihari Sharan					19-8-85	
25 S	hri T. Bheemeswara Ra	0				23-8-85	(UT: 67) has assumed the charge of the post of Deputy
26 S	hri Ramanuj		•			16-9-85	Inspector General, CISF, New Delhi with effect from the
27. S	hri Anurag Saxena					28-8-85	forenoon of 1st January, 1986.
28 S	hri B. Rajendra Kamat	h				15-10-85	The 8th January, 1986
	hri K. R. B. Sagar		•			10-8-85	Tile our Triding, 1760
	hri G. K. Datta					5-9-85	No. E-16013(1)/1/86-Pers.I.—Consequent on his appoint
	hri T. V. N. Prem Suri					28-8-85	ment on a deputation, Shri K.P.S. Gill, IPS (A&M: 1957
	hri Dinesh Kumar		,			28-8-85	has asssumed the charge of the post of Inspector General
	hri R. Krishna Swamy					27-8-85	(HQ) CISF, New Delhi with effect from the forenoon of 6th
55. 0	HII 144 421-4					AN	January, 1986.
34 S	hri T. Chandrasekharai	n				26-8-85	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
	hri S. S. A. Khan					9-8-85	Sd./-ILLEGIBLE
	hri R. C. Sethi					9-9-85	Director General
						AN	
37. S	hri Kali Ram Sharma				-	24-8-85	
•						AN	Armed on min Duckenson Character laines
38. S	hri Anil Mohan					12-8-85	OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA
						AN	New Delhi-11, the 8th January, 1986
39. 5	Shri Sikander ·					25-8-85	New Demi-11, the our sandary, 1986
	Shri Kamble Tulsidas					11-8-85	No. 11/1/85-Ad.I—The President is pleased to appoint
						AN	by promotion, the undermentioned Investigators working in
41. 5	Shri Gopal Dass Pewal		,			16-8-85	the offices mentioned against their names in column 4 below
1,,,	SDII — CIPER — STORES					AN	as Assistant Director of Census Operations (Technica
42.	Shri Gian Singh					12-8-85	(Group-A; Gazetted) in the scale of pay of Rs. 700-40-900
'	. <u>~</u>					AN	EB-40-1100-50-1300, on a purely temporary and <i>ad-hoc</i> basis
43.	Shri Jagmal Singh					31-8-85	from the date(s) as mentioned against their names in column
44	Shri M. M. Thapliyal		-			31-8-85	3 below upto 28-2-86 or till the posts are filled on regular
45	Shri G. R. Purohit			•		12-8-85	basis, whichever is earlier, and post them to the offices shown
46.	Shri Onkar Singh					14-8-85	against their names in column 5 below:—
	Shri Santokh Singh					22-8-85	against their names in column 5 below
	Shri Prahlad Singh	•				7 - 9-85	
	Shri Sagar Singh					24-8-85	SI. Name of the Officer Date of Office in Office to
						AN	No appoint in which which post
50	Shri R. K. Yadav					22-8-85	ment working ed.
	Shri Rajpal Singh					9-9-85	1 2 3 4 5
	Shri Prahlad Patil					23-9-85	
, سور	Wheel & Shirt Shirt of Manager					AN	S/Shri
43	Shrl Ranvir Singh ·		4-			6-9-85	
	Shri Bhopal Singh					6-9-85	Ti Danina orap
	Shri Bhagwan Singh					0-9-85 17-9-85	(FN) the Director the Director
	Shri Om Prakash			-		17-9-85 16-8-85	of Census of Census
	Shri Nirmal Singh				-	14-8-85	Operations, Operations,
						1440-07	
	Shri O. P Sharma			_		5-9-85	U, P. Luc- U,P. know Lucknow

* **** T1			
1 2	3	4	5
2. K. K. Verma	16-12-85 (FN)	Office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna	tor of Census Op- erations Mahara- shtra, Bombay.
			•

2. The above mentioned ad-hoc appointments shall not bestow upon the officers concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by them on id-hoc basis shall not count for the purpose of seniority in the grade not for eligibility for promotion to the next nigher grade. The aforesaid ad-hoc appointments many be eversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

V. S. VERMA, Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE DEPTT, OF ECONOMIC AFFAIRS INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 6th January 1986

No. 669/A.—Shri G. V. Karankal (S.C.), Inspector Conrol, India Security Press, Nashik-Road is hereby promoted and appointed as Deputy Control Officer (Group B Gazetted) in the pay scale of R: 650-1200 in the same office on putely ad-hoc basis initially for a period of six months with effect from 19th December 1985 or till the regular appointment to the post is made whichever is earlier.

No, 670/A.—As recommended by the Departmental Promotion Committee Group 'B', India Security Press, Nasik-Road, Shri Shripali Ram permanent Sectional Officer and adhoe Administrative Officer is hereby appointed as Administrative Officer (Group 'B'-Gazetted) in the pay scale of Rs, 840-40-1000-EB-40-1200, on regular officiating basis with effect from 18th December 1985, (F.N.), until further orders.

The tenure of his ad-hoc appointment for six months from 4th May 1985 is also hereby extended from 4th November, 1985 to 17th December 1985.

The 8th January 1985

No. 683/A.—The undersigned is pleased to appoint the following obicers of the India Security Press, Nasik-Road in a substantive capacity to the posts of Deputy Control Officer in India Security Press, Nasik-Road from the dates shown against their names:—

- 1. Shri A. M. Raool-28-4-1984.
- 2. Shri S. N. Chakraborti-20-7-1984.
- 3. Shri A. S. Palkar-21-7-1984.

P. S. SHIVARAM, General Manager,

SECURITY PAPER MILL

Hoshaugabad-461 005, the 1st January 1986

No. C-7/1881.—Shri V. P. Tiwari, Inspector Control, Security Paper Mill, Hoshangabad is appointed purely on adhoc basis as Additional Safety Officer in Security Paper Mill, Hoshangabad in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 1-1-1986 for a period of six months or till post is filled up on regular basis whichever is earlier.

S. R. PATHAK, General Manager.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 3rd January 1986

No. Admn. I/A&E/8-88/85-86/274.—The Accountant General (A&E), Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the undermentioned Section Officer to officiate as Accounts Officer in the scale of ks. 340-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date noted against her name until further orders.

Name and Date of assumption of charge

Smt. K. Jayalakshmi-1-1-1986 F.N.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of her seniors, if any, and is also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court Supreme Court.

Sd/- ILLEGIBLE Deputy Accountant General (Admn.).

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATIVE SECTION-6)

New Delhi-110 001, the 24th December 1985

No. A-6/247(332).—Consequent upon his reversion to the post of Assistant Inspecting Officer (Met.) Shri V. Srinivasulu, Ad-hoc Assistant Director of Inspection (Met.) in the office of Director of Inspection (Met.) Jamshedpur had relinquished the charge of post of Assistant Director of Inspection (Met.) in the forenoon of 9th October, 1985.

Shri Srinivasulu has assumed charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Met.) in the Office of Director of Inspection (Met.) Jamshedpur in the forenoon of 9th October, 1985.

No. A-6/247(368).—Consequent upon his reversion to the post of Assistant Inspecting Officer (Met.), Shri A. K. Chatterjee, ad-hoc Assistant Director of Inspection (Met.) in the Office of the Director of Inspection (Met.), Jamshedpur relinquished the charge of the post of Assistant Director of Inspection (Met.) on the forenoon of 9th October, 1985.

Shri Chatterjee, assumed charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Met.) in the office of Director of Inspection (Met.), Jamshedpur in the forenoon of 9th October, 1985.

The 26th December 1985

No. A-6/247(373).—Consequent upon his reversion to the post of Assistant Inspecting Officer (Met.) Shri R. N. Puri officiating Assistant Director of Inspection (Met.) in the office of Director of Inspection (Met.) Jameshdpur has relinquished the charge of the post on the torenoon of 9th October, 1985. Shri Puri has also assumed the charge of post of Assistant Inspecting Officer (Met.) on the same day in the same office.

R. P. SHAHI,
Dy. Director (Admn.),
for Director General of Supplies and Disposals.

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA KHAN VIBHAG

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 1st January 1986

No. 43B/A-32013/1-DDG(Geol)/84-19-A.—The President is pleased to appoint Dr. S. P. Das Gupta, Director (Geology), Geological Survey of India, on promotion as Deputy Director General (Geology) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 2250-125/2-2500/- in a temporary officiating capacity with effect from the forenoon of 1st December, 1985, until further orders.

D. P. DHOUNDIAL, Sr. Dy. Director General (Operation).

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 3rd January 1986

No. 4-203/84/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to accept the voluntary retirement of the india, is pleased to accept the voluntary retirement of the india, V. Saptarshy, Junior Administrative Officer (Gazetted Group-B) Anthropological Survey of India, Western Regional Office, Udaipur with effect from the afternoon of 31st December, 1985, on basis of his application dated 25th September, 1985.

A. K. DAS GUPTA, Senior Administrative Officer.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 7th January 1986

No. 10/67/61SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri K. L. Sachdev, Administrative Officer, All India Radio, Indore to the post of Senior Administrative Officer on a regular basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35 880-40-1000-EB-40-1200 with offect from the 16th December, 1985 until further orders.

2. Shri K. L. Sachdev assumed charge as Senior Administrative Officer at All India Radio, New Delhi on the same late.

MOHAN FRANCIS, Deputy Director of Administration, for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 27th December 1985

No. A-12025/3/85-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Debasis Sen Gupta as Senior Artist in the Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in this Directorate in a temporary capacity with effect from the forenoon of 9th December, 1985, until further orders.

2. Shri Sen Gupta will be on probation for a period of two years from the date of appointment, which may be extended at the discretion of the appointing authority.

> SAHAB SINGH Joint Director for Director of Advertising and Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi-110011, the 6th January 1986

No. A.12025/7/84-NICD/PH(CDL).—The President is pleased to appoint Dr. (Smt.) Bina Pani Das to the post of Deputy Assistant Director (Entomology) in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 20th September, 1985 and until further orders.

JESSIE FRANCIS

Deputy Director Administration (PH)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 29th November 1985

Ref. No. 7(70)/85/Vig/2838.—Whereas it was alleged that:

"Shri Arumugam Munnuswamy, Mali (A), L & C M Section who was granted 33 days Earned Leave from

15-4-1985 to 17-5-1985, has been over-staying the leave unauthorisedly with effect from 18-5-1985 onwards.

By his aforesaid conduct, the said Shri Munnuswamy has shown lack of devotion to duty and behaved in a manner unbecoming of a Government servant in contravention of sub-rule (1)(ii) & (i)(iii) of Rule 3 of Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964.",

And Whereas, the said Shri Munnuswamy was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him under Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965, vide memorandum No. 7(70)/85/Vig/2244 dated September 6, 1985.

And whereas the envelope containing the said memorand

And whereas the envelope containing the said memorandum sent by Registered A.D. to the last known addresses of the said Shri Munnuswamy have been received back undelivered,

And whereas the said Shri Munnuswamy continues to remain absent from duty without keeping this office informed of his whereabouts; the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry in the manner as provided under Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965,

Now, therefore, the undersigned in exercise of the powers conferred under clause (b) of sub-rule (2) of Rule 12 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965, read with Department of Atomic Energy's order No. 22(1)/68-Adm.II dated July 7, 1979, and Rule 19(ii) of the said rules, hereby removes the said Shri Munnuswamy with immediate effect.

Shri Munnuswamy is informed that an appeal against the above order lies with Head, Personnel Division, BARC, the Appellate Authority. The appeal, if any, should be submitted to the Appellate Authority within forty-five days from the date of receipt of this order.

The 9th January 1986

No. P/209/NPD/Estt.1/112,—Shri Chintaman Shivaram Patil relinquished charge of the post of Scientific Officer/Engr. Grade SB on 4-11-1985 F.N. consequent on voluntary retirement.

S. KRISHNAMURTHY Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

(NUCLEAR FUEL COMPLEX)

The 6th January 1986

No. NFC/PAR/0704/35.—Deputy Chief Executive (A), NFC appoints Shri M. M. Rasool, Selection Grade Clerk, to officiate as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad hoc basis from 16-12-1985 to 31-1-1986 or until further orders whichever is earlier.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

DEPARTMENT OF SPACE

(ISRO SATELLITE CENTRE)

Bangalore-17, the 1st January 1986

No. 020/1(15.4)/85-Estt.I.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint Shri Bhagwat Ameya Madhav to the post of Scientific/Engineer 'SB' with effect from the forenoon of October 8, 1985 in the ISRO Satellite Centre Bangalore of the Department of Space on a temporary basis and until further orders.

H. S. RAMADAS Administrative Officer-II

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION

-N- 1- (-M

SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad, the 16th December, 1985

No. SAC. EST 3-19-85—Director is pleased to appoint the under mentioned official(s) to the post and with effect from the forenoon of the date as indicated against each, in the Space Applications Centre of the Department of Space, Ahmedabad., in an officiating/temporary capacity and until further orders:—

Sl. Name No.	Date	post to which appointed
S/Shri		
1. A. K. Singh	17-7-85	Sci./Enginneer 'SB'
2. Gyan Prakash Agrawal .	1-7-85	Sci./Engineer 'SB'
3. Shri Y. K. Singh	1-7-85	Sci./Engineer 'SB'
4. Miss S. Karpagam.	1-7-85	Sci./Engineer 'SB'
5. N. Pasupathy Prasad .	1-7-85	Sci/Engineer 'SB'
6. Surendra Nath	8-7-85	Sci./Engineer 'SB'
7. Upinder Passi	1-7-85	Sci./Engineer 'SB'
8. Rajesh Arya	8-7-85	Sci/Engineer 'SB'
9. Asif D. Gandhi	1-7-85	Sci./Engineer 'SB'
10. Purushottam Shrivastava	10-7-85	Sci./Engineer 'SB'
11. Ram Rajan Arvind	10-7-85	Scl./Engineer 'SB'
12. Shyam Sunder Adhikary	15-7-85	Sci./Engineer 'SB'
13. A. K. Jain	. 17-7-85	Sci./Engineer 'SB'
14 J. B. Ekka	1-8-85	Sci./Enginneer 'SB'
15. V. Balakrishnan .	1-8-85	Sci./Enginer 'SB'
Partha Pratim Ghosh	1-8-85	Sci./Ebgineer 'SB'
17. T. P. Sandy	1-8-85	Sci./Engineer 'SB'
18. Shri Bhaskar Jyoti Das .	1-8-85	Sci./Engineer 'SB'
19. Mohammed Shahim M.	[. 1 - 8-85	Sci./Engineer 'SB'
20. Joydeop Bose .	. 1-8-85	Sci./Eqgineer 'SB'
21. Miss Arundhati Ray	2-9-85	Sci/Engineer 'SB'
22. P. L. Meiyappan .	2-9-85	Sci./Engineer 'SB'
23. Mhan Lal	2-9-85	Sci/Engineer 'SB'

K. S. KRISHNAN, Administrative Officer-11(Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th December 1985

No. A.32013/7/84-EC(.).—The President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers in the Civil Aviation Department to the Post of Technical Officer on regular basis w.e.f. 25th October, 1985 and until further orders:—

S. No.	Name
1	
S	
1. C.	N. Mahadev
2. M	. K. Chatterje
3. G.	. S. Kochikar
4. C.	P. Rao
5. C.	. L. Jain
6. A.	K. Saxena
7. Ra	anjit Ghose
8. A.	. S. Pal
9. K,	. C. Sharma
10. I.	M. Krishnan

1 2	
S/Shri	
11. T. N. Viswanathan	
12. H. L. Arora	
13. C. K. Sobti	
14. V. K. Rastogi	
15. J. S. Sarin	
16. B. S. Khurana	
17. C. Venkattachallum	
18. R. S. Sokhey	
19. M. K. Krishnan	
20. Kulwant Singh	
21. Kesho Nath	
22. G. S. Verma	
23. S. K. Seth	
24. Jaswant Singh	
25. C. P. Juneja	
26. B. K. Puri	
27. R. Jayaraman	
28. K. S. Mukherjee	
29. M. Siyasubramanian	
30. K. T. John ,	
31, V. G. Joshi	
32. S. R. D. Burman	
33, J. S. Narula	
34. K. R. K. Sharma	
35. N. S. Sra	
36. A. Ramadoss	

New Delhi, the 7th January 1986

No. A.32014/3/83-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Joseph Gurung as Store Officer in the pay scale of Rs. 650—1200 in the office of Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi on regular basis with effect from 23-1-85 and until further order.

37. A. N. Shirke (SC).

M. BHATTACHARJEE
Deputy Director of Administration

Deputy Director of Administration

V. JAYACHANDRAN

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 30th December, 1985

No. 32/3/85-EC-II—On attaining the age of superannuation the following officers of C. P. W. D. belonging to the CES Gr. A and working as EE(C) in the offices mentioned against their names have retired from Govt. Service with effect from the date as mentioned against each of them:

S. No.	Name of Officer		Date of Retire- ment	Designati Last Po tion.	on and Osting Sta-
1	2		3	4	
1. F	S/Shri A. N. Bhagat .	,	30-11-85 (AN)	EE (T Training tion, Nirman New Do	raining), Organisa- CPWD, Bhavan,

1	2			3	4
,	Shri Alankamony	,		30-11-85 (AN)	EE (C), PWD Division No. XII (DA), New Delhi.
3. M	. S. V. Rajan		•	30-11-85 (AN)	EE(Val.) Income Tax Deptt. Ahe- medabad.
4. H.	L. Kazanchi	•	•	30-11-85 (AN)	EE(C), Yamuna Bridge Project Divn. II PWD(DA), New Delhi.

K. C. DEHURY, Dy. Dir. of Admn. for Director General (Works)

New Delhi, the 31st December 1985

No. 1/168/69-EC IX.—Shri S. D. Khurana, Technical Officer of this Department retires on attaining the age of superannuation with effect from 31st December, 1985

PRITHVI PAL SINGH Deputy Director of Administration

MINISTRY OF TRANSPORT DEPARTMENT OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Deihi, the 7th January, 1986 Public Notification

No. 85/RE/161/6.—It is hereby notified for information of all users of Railway Lines and Premises situated on the under noted sections of 'Western Railway' that the Over Head Traction Wires on these lines will be energised at 25000 Volts AC on or after the dates specified against the sections below. On & from the same date the Over Head Traction Lines shall be treated as LIVE at all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said overhead lines.

	Section	Date
(KOSAD Railway Station to the Yard of M/s Krishak Bharati Co-operative Ltd Hazira Surat	l.,
(ii)	Gothangoan Station to Junction Cabin .	. 15-12-85
	Sevaliya Station Yard to Wanakboti Therm Power Station Yard	nal , 20-12- 85

A. N. WANCHOO, Sccretary Railway Board

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE SHILLONG

Shillong, the 13th November 1985

Ref. No. A-271/85-86/Shg/237-45.—Whereas, I, E. J. MAWLONG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovto as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and bearing Municipal plot No. 130(1), holding No. 115, Patta No. 95 Ward No. 10 situated at Jail Road Shillong (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Shillong on 20-5-1985 for an amount consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herebount ate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :— 53—436GI/85

(1) Sailendra Nath Guha Neogi and (Smt. Bijoli Guha Neogi, 122, Suonas (Vagar, Dum Dum, Calcutto-700065.

(Transferor)

- (2) 1. Sunil Bhushan Pal
 - 2. Shri Ashim and 3. Shri Satyajit Paul
 - of Jail Road, Shillong.
- (3) 1. Shri Sunil Bhusan Pal 2. Shri Ashim and 3. Shri Satyojit Paul of Jail Road, Shillong.

(Person in occupation of the property) (Transferee)

Objections, if any to the acqueition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in. that Chapter.

THE SCHEDULE

North-Land of Sri A. C. Choudhry and Tara Bala Ganguly. South-Footpath. East—Land of Stat. Kana Mukherjee. West -- J. and of Late Umesh Chandra Dhar.

> E. J. MAWLONG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Shillor

Date: 13-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HŸDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th December 1985

RAC No. 558/85-86,---Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.
Flat situated at Dasapalla Hills, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto) have been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 5-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Paramount Constructions, rep: by Mg: Partner Smt. R. Laxmi, Dasapalla Hills, Visakhapatnam.

(Transferor)

 (2) Sri Rajendra Singh Johar,
 S/o Shri Prabhu Dayal Johar,
 D. No. 11-2-16/3, Dasapalla Hills, Visakhapatnam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 3 in Dasapalla Hills, Visakhapatnam, in H. No. 11-2-16/A, area 1800 s. ft. registered by the SRO, Vizng vide Document No. 5998/5/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Hyderabad (AP)

Date: 12-12-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th December 1985

RAC No. 570/85-86.—Whereas, I.
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act'), have reason to believe that the
inunovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Building situated at Hanuman Strft Satyanarayanpuram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Vijayawada on 5/1985
for an apparent consideration which is less than the
tair market value of the aforesaid property, and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Bability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

inow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcressid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2669D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sri Kandula Mallikharjuna Rao, S/o Sri Gurunadam, Satyanarayanapuram, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Gudipati Kodandaramaiah,
 S/o Sri Gopalakrishnaiah,
 D. No. 23-22-23, Satyanarayanapuram,
 Vijayawada,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A storied building having total area of land 324 sq. yds. at Satyanarayanapuram, H. No. 23-22-23, Vijayawada, registered by the SRO. Vijayawada vide Document No. 2913/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (AP)

Date: 12-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Radha Nagar (Court more) P.S. Asansole, Dt. Burdwan.

(Transferor)

' - ____

(2) Sri Kali Charan Chatterjee, Radha Nagar (Court more)
P.S. Asansole, Dt. Burdwan.

(1) Sri Baidya Nath Bandopadhaya,

(Transferco)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 1st Ooctober 1985

Ref. No. AC-15/Acqn.Range-IV/Cal/85-86.-Whereas, I, SHANKAR K. BANERJEE, being ne Competent Authority under Section 269B of the laterature Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable as the sant Act), have reason to believe that the infinitivation property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Whereas, I. SHANKAR K. BANERJFE, No. situated at Rabinda Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Assaused on 17-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said memorable property within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -Theaterms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land: 1.516 Cottahs with building Address: Rabindra Nagar, Mouza-Santa, P.S. Hirapur, Dist. Burdwan. Deed No. 3001 of 1985.

THE SCHEDULE

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 1-10-1985

Seal :

Nove, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subfection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manualy:--

PORM ITNS:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 30th December 1985

Ref. No. AC-29/Acq.R-IV/Cal/85-86.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, the competent Authority under Section 269B of the income-tot Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 1,00,000/- and bearing

No. situated at Elachi, Sonarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the serties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, is respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax mot, 1957 (27 of 1957);

room, morestore, in pursuance of Section 269C of the said ANA. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the Issue of this notice under ambsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:-

(1) Banerjee Charitable Trust, T-32, New Road, Alipore, Calcutta-27.

(Transferor)

(2) Shree Radha Krishna Medical Institute 3, Judges Court Road, Alipore, Calcutta-27.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein and are dened in Chapter XXA of the sail Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 15 Cottahs together with building. Address: Kumarpara Road, Elachi, P.S. Sonarpur, Dt. 24-Pgs.

Deed No.: 6788 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 30-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHEMBERS SADAR **NAGPUR**

Nagpur, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/ACQ/26/22/85-86.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing
plot No. 2, CTS No. 20594 admeasuring 400 Sq. ft.
Samarth Nagar, Aurangabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
bas been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Auranagabad on 16-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beheve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Birajlal Ramnath Miniyer Turkabad Kherdi, Gangapur, Aurangabad.

(Transferor)

(2) Shri Karsandas Velji Joshi Bansilal Nagar, Aurangabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 2, CTS No. 20594, Admeasuring 400 Sq ft. Samart Nagar, Aurangabad.

> M. C. JOSHO
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition 19 Nagpur

Date: 4-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHEMERS SADAR NAGPUR

> > Nagpur, the 18th November 1985

Ref. No. IAC/ACQ/33/23/85-86.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

M. C. JOSHI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Agricultural Land 1.74 Hector,
Monza Yerandwadi Tq. Warud Distt. Amravati
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amuvati on 3-5-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties he, not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer: and our
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Mohd. Yusuf Mohd. Nasir Shendurjana Tq. Warud, Dist Amravati.

(Transferor)

(2) Smt. Somarani Vedprakash Bajaj, 6/299, Geeta Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b' by any other person interested in the said immeable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural Land 1-74 Hector Survey No. 9/0 Mouza Yerandwadi Tq. Warud, Distt. Amravati.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Nagour

Date: 18-11-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The second of th

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHEMBERS SADAR NAGPUR

Nagpur, the 18th November 1985

Ref. No. IAC/ACQ/35/23/85-86.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Agricultural Land 7.74 H. Survey No. 9/0 Mauza Yerandvada Tq. Warud Distt. Amravati (and more fuliv described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati co. 3-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair M. C. JOSHI,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) racultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mohd Yusuf Mohd Masir, Shendurjana Tq. Warud, Distt. Amravati.

(Transferor)

(2) Smt. Chanderrani Ramsaran Dawar, 6/238 Geeta Colony, New Delhi.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land 1.74 Hector Survey No. 9/0 Mouza Yerandvada Tq. Warud Distt. Amaravati.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Nagpui

Date: 18-11-1985

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THI. INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mohl, Yusuf Mohl, Rasic Shendurjana Tq. Warud. Distt. Amrayati

(Transferor)

(2) Smt, Shantidevi Keshmiralal Tancja. Geeta Colony, New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHEMBERS SADAR NAGPUR

Nagpur, the 18th November 1985

Ref. No. IAC/ACQ/34/23/85-86.—Whereas, I. M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Agricultural Land Survey No. 9/0, 1.74 Hector Mouza Yerandwadi Tq. Warud, Distt, Amravati (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 3-5-1985 Nagpur on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income aroung from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said ' to the following persons

54—436GI, 8.

Objections, if any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned . -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.74 Hector Agricultural Land bearing Survey No. 9/0 Mouza Yerandwadi, Tq. Warud, Distr. Amrayati

M. C. JOSHI Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Raage Nagpur

Date : 18-11-1985

!4OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sanjay Vinayak Phatak, Laxmi Kunj, Mantri Road, Malad (W), Bombay.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 19th December 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/792/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 187/I, P. No. 1 to 5 & 7 to 23 Village Achole, Tal. Vasoi, Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Jayshree Co-operative Housing Society Ltd. C/o T.S. Warke (Secretary) Village Achole, Nala-Sopara, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used bersin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 187, Hissa No. 1, Village Achole, Nala-Sopara, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune, under documnt No. 792/85-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date: 19-12-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Trimuiti Builders & Promoters, 590 Rasta Peth, Pune-11.

(Transferor)

(2) Shri Purshotam G. Newaskar. 476 Raviwar Peth, Pune-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 19th December 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2195/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B/2/1 in 2nd floor at 590 Rasta Peth, in Trimurti Apartment, Pune-11 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at 1AC, Acqn. Range, Punc in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of granster with the object of '---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 8/2/1 in 2nd floor at 590 Rasta Peth in Trimurti Apartment, Pune-11. (Area 875 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the agreement and the agreement to sale registered in the office of the IAC.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune, under document No. 2195/1985-86 in the month of September, 1985).

ANJL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 19-12-1985

FORM ITNS

M/s. R. K. Builders, 10 Suchak Nivas, Murbad Road. Kalyan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Rajan S. Caidya, Shreerange Society, Thane (W),

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 16th December 1985

Ref. No. IAC/Acq/CA-5/37EE/4617|1984-85.—Whereas, J ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 16 to 24 in 1st floor in Mahavir Shopping Centre.

Office No. 16 to 24 in 1st floor in Mahavir Shopping Centre. Agra Road. Kalyan bearing S. No. 134(pt), CTS No. 2276 (pt) 2277 and 2278 (A). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of marker with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

whichever period expires later;

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 16 to 24 in 1st floor in Mahavir Shopping Centre, Agra Road, Kalyan, bearing S. No. 134 (pt), CTS No. 2276 (pt), 2277 and 2278(A).

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune, under bournent No. 4617/1985-86 in the month of September, 1985) (Area 2000 Sq. ft.).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Роопа

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: --

Dates: 16-12 1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shii Santoshkumar Shankar Patwardhan, Partner Shree Renuka Constructions, 769/6. Deccan Gymkhana, Pune.

(Transferor)

(2) Shri Shankar Gajanan Shaligram, C/o Shri D. D. Pasarnikar, 405/9 Narayan Peth, Pune-30.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 16th December 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1327/1985-86,---Whereas J. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000 - and bearing No. S. No. 43/2B 2/1 at Mouje Parvati, Punc-9 situated of Puncs

situated at Punc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

LA.C. Acqn. Range, Pune in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ither assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

S. No. 43/2B/2/1 at Mouje Parvati, Punc-9.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1327/1985-86 in the month of July 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 16-12-1985

(1) M/s. Shah and Associates, 391, Narayan Peth, Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Arvindkumar C Shah, 1554 (New) Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transieree)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 19th December 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4996/1985-86.—Whereas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000/- and bearing No.

Flat at 390A Narayan Peth, on 3rd floor, Punc-30

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I, A. C., Acqn. Range, Pune in October 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Aos. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax A t, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested ha the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flats at 390. Narayan Peth, Pune-30 on 3rd floor.

(Area 700 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4996/1985-86 in the month of Oct. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeused property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 9th December 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G|113|1985-86.— Whereas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 459A, Survey

A-3A+3B+4B+10+B+16AB+24+25A+26A-B+27+28 of Gultekadi, Punc.

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Haveli in June 1985

for an apparent cinsideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s, Mutha Apartments, 71 New Timber Market, Pune.

(Transferor)

(2) The West View Co-operative Housing Society Ltd., 459-A Gullekadi, Salisbury Park, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall bave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 459A, A-3A+3B+4B+10+B+16AB+24+25A+26AB+27+28 of Gultekadi Pune.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-registrar. Haveli, under document No. 113/1985-86 in the month of June 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Usha Kiran. Carmichael Road,

(1) Mrs. Terry Vaz.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Bilal Abdul Rehman, 4th floor, 956 Bhulabhar Desni Road, Bombay.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE PUNE

Pune, the 9th December 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G[172]1985-86.—

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G[172]1985-86. Whereas I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000. and bearing No. Plot No. 15 of The Belmont Co-operative Housing Soc. Ltd. at Mahableshwar, Dist. Satara situated at Mahableshwar, Satara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bombay in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per centof such apparent consideratino and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15 of The Belmont Co-operative Housing Society Ltd. at Mahableshwar, Dist. Salara.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 172/1985-86 in the month of August 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under anbsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-12-1985

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 4th December 1985

Ref. No IAC ACQ/CA-5/37FE/4035/1985-86.— Whscreas, 1

ANIL KUMAR

ocing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 4ct'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing property No.

Bunglow No. 15, Shreesh Co operative Housing Society

1td. Rajuri Durga Road, Thane. situated at Thane
(and more fully described in the Schedule annexed here(o),
has been transferred under the Registering Officer at

1. A.C. Acquisition Purpose Purpose April 1985

of 1908) in the office of the Registering Officer at 1. A. C., Acquisition Range, Pune on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act: or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

56-436GI/85

- (1) Shri Sharad Ratnakar Gaikwad, Neighbourhood House, Dimtimkar Road, Byculla, Bombay.
- (2) Mrs. Geta Bapusaheb Yadav, Shreesh Co-operative Housing Society Itd. Hajuri Durga Road, Plot No. 15 Thane

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 15, Shreesh Co-operative Housing Society Ltd. Hajuri Darga Road, Thane.

(Area 850 Sa. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4035/1985-86 in the month of April 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 4-12-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX AGT 1961 (43 OF 1961)

New Bombay Builders. Crescent Chambers, Tamarind Lane, Fort, Bombay.

(Transferor) (2) Mrs. Roshan J Shivdasani, 74 "Basant" Culle Parade, Colaba, Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 4th December 1985

IACACQ/CA-5/37EE/1009/1985-86.-Whereas, I ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One flat under construction bearing No. 3 on 6th floor of Janimal Towers on Plot No. 42 of Sector No. 17, DBC Vashi, New Bombay, situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Parising March 1908 (16 of 1908). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC, Acquisition Range, Pune in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in pect of any income arising from the transfers ini /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Fucume-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1947); One flat under construction bearing No. 3 on 6th floor of Janimal Towers on Plot No. 42 of Sector No. 17, DBC, Vashi, New Bombay.

(Area 840 Sq. ft.)

(Property as described in the agreement sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1009/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-12-1985,

FORM ITNS

(1) M/s Utkaish Enterprises, 321/9 Mahatma Phulo Peth, Shantinagar, Pune-2.

(2) Shri Khemchand Devichand Oswal, 1664 Shukrawar Peth. Pune-2.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 4th December 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4641/1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. C.6, Third floor in Proposed building No. C

at 258 Shukrawar Peth, Pune-2, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acquisition Range, Pune on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; Tail for

(b) facilizating the concentraent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein ... are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-6, Third floor, in proposed building No. "C" at 258 Shukrawar Peth, Pune-2.

(Area 900 Sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4641/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 3-12-1985.

Scal:

(1) Mr. Yeshwant Laxman Thatte, Swagat 70 Aranyeshwar, Pune.

(2) M's S. S. Constructions, 70 Walwekarnagar,

Aranyeshwar Punc.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 4th December 1985

Ref., No. IAC ACQ/CA-5/37FE, 687/1985-85.—Whergas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. Land at C. S. No. 1195, 2C Bhamburde Shivajinagur, Pune-5, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regultration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

1908) in the office of the Registering officer at I. A. C., Acquisit'on Range, Pune on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the oforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at C.S. No. 1195/2C Bhamburda Shivajinagar, Pune-5. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 687/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Poona

Date: 4-12-1985.

(1) Shri Sham Damoder Apte, 1170/9 Shivajinagar, Pune-5.

(Transferor) (2) Mrs. Lata Ashok Khinyasara, 15-B Phule Colony, Dhulia.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Punc. the 4th December 1985

1ACACQ/CA-5/37EE/4456, 1985-86.— Ref. No.

whereas, I ANIL KUMAR reing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to is the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000, and bearing
No. Flat at 1s; floor in Saraswati Apartment situated at 1170/9 Shivajinagar. Pune, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred ander the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at I.A.C., Acquisition Range, Pune on Nov. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftene per cent of such apparent consideration an that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at 1st floor in Saraswati Apartment, situated at 1170/9 Shivajinagar, Pune-5.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4456/1985-86 in the month of Nov. 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 4-12-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 4th December 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/1031/4984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

No. Immovable bearing S. No. 15 and 16 Gat No. 11 and 12 Village Takrole, Tal. Palghar, Dist. Thane, situated at Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regis'ration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Palghar, on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Govind Shankar Kelkar, Dumlewadi, Veer Suvarkar Path, Thane, Dist, Thane.
- (2) The Chairman. Shree Panchal Samaj Madhyavarti Mandal. 64 Gaothan Lane No. 1, Andheri (W) Bombay.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovalble property bearing S. No. 15 & 16 Gat No. 11 and 12 Village Takrole. Tal. Palghar, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered office of the Sub-Registrar, Palghar, under document No. 1031/1984-85 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 4-12-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNI.

Pune, the 12th December 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4040/1985-86,--Wherein, I ANII, KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. S. No. 86 (1B)/2/A / 1 /2/2 Kothrud, Pune, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C., Acquisition Range, Pune on Nov. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid pro, erty and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sames has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay mx under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act. 1957 (27 of 1957); been or

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby luitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

(1) Smt. Usha P Malshe, 2 Professors Quarters, Pune University Campus, Ganeshkhind, Pune.

(Transferor)

(2) M/s Kulkarni & Kulkarni, 2153 Sadashiv Peth, Vijaynagai Colony, Pune-30.

(Transferce)

Objetions, if any, to the acquisition of the said property nav be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable prpoerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I-APLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 86/1B-2A-1/2|2 Kothrud, Punc. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4040/1985-86 in the month of Nov. 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date : 12-12-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

25 (1) Bhaveshwar Builders. Shivkrupa, Lalu Devidayal Road, Mulund, Bombay.

(Transferor) Mivaji Ashok Satpute, Vidyapith Road, Shivajinagar, Pune-16.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 12th December 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37116/3580/1985-86,—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 303, 3rd floor, at S. No. 102-A. Shivajinagar, Pune-5, situated at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C., Acquisition Range, Pune on Oct. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, at S. No. 102-A Shivajinagar, Pune-5. (Area 738 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 3580/1985-86 in the month of Oct. 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-12-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 4th December 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EF/4361/1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 22 and 23 on Hisa No. 29, Survey No. 25, at Kothrud, Pune. situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C., Acquisition Range, Pune on Nov. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

57—436GI/85

- (1) Shir Shoukh Abdul karim Sulubhan & Mrs. Adabi Abdul Sharkli, 144 Budhwar Peth, Karad.
- (2) Shri Suresh Digambar Chandekar, "Shrikaupa" 167, Dahanukar Colony, Kothrad, Pane. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION -The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said the said Act, shall have the same meaning he given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 22 and 23 on Hisa No. 29, Survey No. 25 at Kothrud, Punc.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4361/1985-86 in the month of Nov. 1985).

> ANII KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 4-12-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 13th December 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2602/1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. City Survey No. 67B Somwar Peth, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C., Acquisition Range, Pune on Sept. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri P. S. Mainkar & Others. Oza Building, Shama Mohalla, Shahabad-585228. (Transferor)
 - 2 3 6 Latina Obada
- (2) M/s Sancheti Oswal & Co. 321/3 Mahatma Phule Peth, Pune-2. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

City Survey No. 67-B Somwai Peth, Punc. (Area 1522 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 2602/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANII KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 13-12-1985

(1) M/s. Mahavir Associates, Lal Godown, Vasai Road, Dist. Thane.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Chemical Moulding Mfg. Co. Pvt. Ltd., Shapur Baug, M. Vasanji Road, Marol, Andheri (E) Bombay.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 12th December 1985

ACQ/CA-5/37EE/4470/1985-86.— Ref. No. LAC Whereas I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane S. No. 31, 34, 35, 36 and 37 and 55-C. Plot No. 168, 169 and 170 Industrial Unit No. 1 to 12 in A-Wing, Mahalaxmi Industrial Estate situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acuisition Range, Pune in Sept., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane. S. No. 31, 34, 35, 36, 37 and 55-C Plot No. 168, 169 & 170 Industrial Unit No. 1 to 12 in A-Wing, in Mahalaxmi Industrial Estate.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4470/1985-86 in the month of Sept. 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Joshi Promoters, 1217 Sadashiv Peth, Pune-

(Transferor)

(2) Mrs. Pramila Avinash Gambhir, 290 Kasba Peth, Pune-11.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSINEOR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 11th December 1985

Ref. No. IAC ACQ.CA-5/37EE/3623/1985-86.— Whereas I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
1265 Sadashiv Peth, Pune-30 situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
1.A.C., Acquisition Range, Pune in Oct. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating he reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1265 Sadashiv Peth, Pune-30. (Area 1130 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under documnet No. O.T. 3623/1985-86 in the month of October 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th December 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4862/1985-86.—Whereas, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exaceding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. S2+S3 Building No. B2 at S. No. 125-1-A-B Kothrud, Pune

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at LA.C., Acqu. Range, Pune on Oct. 1985

for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) D. V. Mehendale, Partner Hindustan Builders, 836 Sadashiv Peth, Pune-30 and Constituted Attorney for Mrs. Sudakshana Dilip Kothare.

(Transferor)

(2) Shri Prakash Vasudeo Dangi, 13 Tadiwala Road, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquiisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION :- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given , in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. S2+S3 Building No. B2 under construction at S. No. 125-1-A-B Kothrud, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, unde document No. 4862/1985-86 in the month of Oct. 1985.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 12-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th December 1985

Ref. No. IAC ACO. CA-5/37t:F/3530/1985-86.—Whereas. I, ANII. KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1561 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000;—and bearing Survey No. 154 C.T.S. No. 700, Kothrud, Karve Road.

Pune

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at J.A.C., Acqn. Physics Burns of Oct. 1085.

Range, Pune on Oct. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Halfflity of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the enrposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Subhash R. Kachare, 1616 Kothrud, Pune-29,

(Transferor)

(2) Shri Jaya Subayya Shetty Indiaraj Apaitments, 1180/7/1 Shivajinagar. Dnyaneshwar Paduka Chowk, Pune-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 154, C.T.S. No 700, Kothrud. Karve Road, Pune-29.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, undocument No. 3530/1985-86 in the month of Oct. 1985).

> ANIL KUMAR Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 12-12-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 'Jim Dinkar G Deshpande. 11-A Khoor-Sil-Naz, Kobinoor Road, Dadar, Bombay.

(Transferor)

(2) Rachana Builders & Promoters 562/7 Shivajinagar, Pune.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37FE/5650/1985-86,—Whereas, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00,000/- and hearing S. No. 222/2/18 Yetvada Village, Tal. Haveli, Pune

smated at Pune

(and more fully descibed in the schedule annexed has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid onceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:

(b) facilitating the convealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property muy be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULF

S. No. 222/2/1B Yervada Village, aTl. Haveli, Punc. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 5650/1985-86 in the month of Oct. 1985)

> ANJI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 13-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/55/1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR

AND ROMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing C.S. No. 330/31B Ward, Sarlashkar Bhavan, Kolhapur, Shop No. 113, Ground floor

situated at Kolhapur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at 1.A.C., Acqn.

Range, Pune on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

(1) Yeshwantrao A Nimbalkar, Khardekar, Partner of Saptashringi Builders, Kolhapur.

(Transferor)

(2) Pralhad Dinanath Karikar. 109 C-Ward, Kasar Gally, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.S. No. 330/31 B-Ward, Sarlashkar Bhavan, Kolhapur, Shop No. 113, Ground floor, (Area 308 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 55/1985-86 in the month of Sept. 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspectng Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-12-1985

(1) Sri Chandrakant H. Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

 Sri A. Muthu Pandian, No. 2, Shenoy Road, Nungambakkam, Madras-31.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS Madras-600 006, the 7th January 1986

Ref. No. 13/May 85.—Whereas, I. MRS, M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,600% and bearing No. Valasaravakkam 49 cents situated at Land at Valasaravakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto). of 1908) in the office of Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Office at Virugambakkam/Doc. No. 1329/85 on May 1985 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said beaucovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Oficial Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given le that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land: S. No. 181, Valasaravakkam Village, Virugambakkam/Doc. No. 1329/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, namely :---58-436GI/85

Date: 7-1-1986

Scal:

FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE !NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri T. R. Ravendran, No. 52, Bhakthavatsalam colony, Madras-24.

(Transferor)

(2) Sri S. V. Abdul Khader, No. 320, Arcot Road, Madras-24.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th January 1986

Ref. No. 34-May 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Door No. 320, Block No. 7, T.S. No. 137, situated at Arcot Road, Puliyur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 1368/85 on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the the fair morest which is the same to the same that the that the same to believe that the fair market value of the property as aforemid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer and/er

THE SCHEDULE

Vacant land: 320, Arcot Road, Kodambakkam, Madras 24 Kodambakkam/Doc. No. 1368/85.

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2600 of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-1-1986

(1) Smt. D. Nagamalleswari and others, 45, East Part Road, Madras-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Srivisyeswara Trust Tamil Nadu, 107, N.S.C. Bose Road, Madras-79.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th January 1986

Ref. No. 48/May 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. 76, Millers Road, Madras Mds. 10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam/Doc. No. 757/85 on May 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 76, Millers Road, Mds. 10. Purasawalkam/Doc. No. 757/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asssistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 7-1-1986

(1) Sri Amirtha, No. 13, Kavarai St., Madras-33. (Transferor)

(2) Sri Rajesh N. Dolia and another, 16, Kesava Iyer St., Madras-3.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th January 1986

Ref. No. 49/May 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 38, Tank Bund II st., T.V.K. Nagar, situated at Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 31 1908) in the office of Registering Officer at Purasawalkam/Doc. No. 762/85 on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration. Therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: 38, Tank Bund II St., T.V.K. Nagar, Madras 31. Purasawalkam/Doc. No. 762/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madrus

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1986

Scal:

A REPORT OF A STATE OF

TORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madaas-600 006, the 7th January 1986

Ref. No. 56 May 85.—Whereas I, MRS M, SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a foir market value exceeding Rs. 1,00,000's and bearing No. Perambui High Road, Madres 12 situated at Madras 12

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of Registering Officer at Purasawalkam, Doc. No. Nil on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hertby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Sri M. Prabakar,
 S. o M. Dasarathan, No. 11,
 Jamalia Nagar, Perambur High Road,
 Madras-12.

(Transferor)

(2) Sti B. Ramarao, & Co., 287, Nebru Timber Market, Choolai. Madras-12. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Perambur High Road, Madras-12. Purasawalkam/Doc. No. Nil.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date: 7-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri S. Abdul Wahan, No. 8, Sirdar Jung Garden Tank St., Royapettah Madras-17

(Transferor)

(2) Sri E. M. Salma Gani, Natham, Abiramam Post, Ramanathapuram Dist.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

aMadras-600 006, the 7th January 1986

Rcf. No. 138/May 85.—Whereas, J MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Rs. 2.004 681. Single Jung Garden Tank St.

No. 8 (Old 68), Sirdar Jung Garden Tank St., situated at Royapettah. Madras 14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Triplicaue/Doc. No. 407/85 on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Land and building: No. 8, Sirdar Jung Garden Tank, St., Royapettah, Madras 14. Triplicane/Doc. No. 407/85

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-1-86

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri B. Sarad Devi and others, No. 3, Beemanna Mudali Garden. St, Alwarpet, Madras-18.

Transferor)

(2) Smt. S. P. Sarada, W/o S. P. Venkanna Babu, No. 2, Navaneethammal St., Ramasamy Nagar, Saligramam, Maras-93.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th January 1986

Ref. No. 147/May 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, Navanesthammal St., Ramasamy Nagar, citysted at Saligramum

situated at Saligramam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Madras South/Doc. No. 1347/85 om May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than effect on the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building: Door No. 2, Navaneethammal St., Ramasamy Nagar, Saligramam, Madras South/Doc. No. 1347/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 7-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th January 1986

178/May 85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refetred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 12, Chutaranjan Road, Teymampet,

No. 12. Chutaranjan Road, Teymampet, situated at Madras 18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Madras Central/Doc. No. 480/85 on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. Visali Balaktishnan, Mr. M. B. Srinivasan and other three, No. 12, Chittaranjan Road, Alwarpet, Madras-18

(Transferor)

(2) Dr. K. K. Reddy, No. I. 4th East Ft., Thiruvanmiyur, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Door No. 12, Chittaranjan Road, Teynampet, Madras-18 Dec. No. Madras Central/480/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-1-86

FORM ITNS

(1) Mrs. Chinnamnia and others. Fguvarpalayam, Chingleput dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Madras Literex (P) Ltd., 138A, St. Mary's Road, Madras-18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madra -600 006, the 7th January 1986

Ref o. 182/May MRS, M. SAMUEL, 182/May 85 —Whereas, 1.

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Agrl. land under two documents in Fguvarpalayam village, Chingleput district

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 527, 528/85

on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land : Eguvarpalayam village, Chingleput dist. Madras Central/Doc, No. 527 and 528/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under aub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

59—436GI/85

Date · 7-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th January 1986

Ref. No. 184/May 85.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Land: T.S. No. 17/2, Block No. 26, of 109 situated at Puliyur village. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 546/85 on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in the requirement of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Sri V. Damodharam Chetty, Sco Late V. Devarajulu Chetty, No. 1, Sami Pillai St., Choolai, Madras-600 112.

(Transferor)

(2) Sri D. Rathnam S/o G. Devasahayam, Sri D. Verghase S/o G. Devasahayam Nadar, No. 26, Sarguna St., 53-B/1, Ramavarampuram, Nagercoil, Kanyakumari Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land of the extent of 5 grounds 1356 sq. ft. under T. S. No. 17/2 Block No. 26 of No. 109 Puliyur village. Madras Central/Doc. No. 540/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 7-1-1986

transfer with the object of :-

FORM ITNS

(1) Sri M. Balaraman, 1, Mandaiveli St., Madras-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri S. Anoop Kumar. 17, Second cross St., Indira Nagar, Adayar, Madras-20.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF ENCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th January 1986

Ref. No. 186/May 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 28, I Main Road, Indira Nagar. situated at Madras 20 (Plot No. 416/W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Office at Adayar/Doc. No. 1413/85 on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 28, I Main Road, Indira Nagar, Madras-20. Adayar/Doc. No. 1413/85,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 7-1-1986

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th January 1986

Ref. No. 188/May/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority inder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000°- and bearing Plot No. 12. & farm No. 11-B (Half of plot 11) R. S. No. 1/1-C/4, New R.S. No. 1/1F in No. 189, Sholinganallur village, situated at Saidapet. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Adayar/Doc. No. 1376/85 on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by the transferee for the purposes of the Indiat (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, panely:

 M/s. Blue Lagoon Motels and Pvt. Ltd., by its Director Sri R.V.G.K. Ranga Rao, 40, Gandhi Mandap Road, Kotturpuram, Madras-86.

(Transferor)

(2) M/s. Vijayshree Spinning Mills Pvt. Ltd., rep. by its Director N. Soundararajan, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry Agricultural land in Form No. 11-B (Half of plot 11) and plot No. 12, R. S. No. 1/1-C/4, New R.S. No. 1/1F in No. 189, Sholinganallur, village, Saidapet Taluk. Adayar Doc. No. 1376/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 7-1-1986

Scal:

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th January 1986

Ref. No. 221/May/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

PART III-SBC. 11

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 45-D and 2 shops door No. 45-E and 45F, situated at Pondicherry Jawaharlal Nehru St. (Ex. Dupleix St.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Pondicherry, Doc. No. 1250/85 on May 1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Aut, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Mrs. Saroop Bai w/o Shri Hashim Sait Seven and others, No. 34, Canteen St, Pondicherry.

(Transferor)

4429

(2) 1. Mrs. S. Ananda Vadivelu and

2. S. Maruvappan,
3. Singarayelu, 4. S. Sivapaham,

S. Mohanasundaram.
S. Saravanan All resident at Lawspeth Subramaniaswamy Kod St., Oghukarai, Pondicherry.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any other person interested in the said immov-45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 45D and 2 shops Door o. 45E and 45F, Pondicherry Jawaharlal Nehru St., No. 45E an Pondicherry. Pondicherry/Doc. No. 1250/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 7-1-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CHFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 23rd December 1985

Ref. No. A.P. No. 5917-5918.—Whereas, 1, 1. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

No. as per Schedule, situated at Rampuraphul (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Rampuraphul on August 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati Kiran Goel W/o Shri Darshan Kumar Goel, S/o Shri Amin Chand (R. D. No. 2171) R/o Mandi Rampuraphul.

(Transferor)

- (2) Shri Mahesh Kumar Narula
 S/o Shri Harnam Dass Narula,
 (R. D. No. 2118); Shri Anil Kumar Narula,
 S/o Shri Parshotam Dass Narula
 (R. D. No. 2171) R/o Calcutta
 C/o National Trading Tea Merchants and Commission Agents, 3-Amar Tola Street, Calcutta-1.
 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
- (4) Any other person in occupation of the property)
 (4) Person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice,
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered sale deed No. 2118 and 2171 of August 1985 of the Registering Authority, Rampuraphul

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 23-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALA/NDHAR

Jalandhar, the 1st January 1986

Ref. No. A. I J. L. GIRDHAR, A. P. No. 5923-5924.--Whereas, 1, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at Village Lubaniawali (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muktsar on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of eransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

- (1) Shri Mahla Singh S o Shri Sajjan Singh r/o village Sectwali tehsil Muktsar Distt, Faridkot (.D. No. 598) and Gurjant Singh S/o Shri Sajjan Singh r/o as above. (R.D. No. 599) (Transferce)
- (2) Shri Bikiam Singh S.o Shri Kuldip Singh and Jasmer Kaur Wd/o Shri Naginder Singh r/o V. Lubaniawali Tehsil Muktsar Distt. Faridkot. (R. D. No. 599) & (R. D. No. 598).

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter-

THE SCHEDULE

Property land 1/4th share of 390 Kls. 9 Mls i.e. 92 Kls. 13 Mls. situated in V. Lubaniawali (each deed) & persons as mentioned in the registered sale deed No. 598 & 599 of May, 85 of the Registering Authority, Muktsar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar,

Date: 1-1-1986 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 1st January 1986

Ref. No. A.P. No. 5925-5926.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Village Lubaniawali (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Muktsar on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ing persons, namely:—

 Shri Sarup Singh S/o Shri Sajjan Singh, R. D. No. 597 and Natha Singh S/o Sajjan Singh R. D. No. 600 r/o V, Seetwali Teh. Muktsar Distt. Faridkot

(Transferor)

(2) Shri Bikram Singh S/o Shri Kuldip Singh and Jasmer Kaur Wd/o Shri Naginder Singh r/o V. Lubaniawali Tehsil Muktsar Distt. Faridkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1/4th share of 390 Kls. 9 Mls. i.e. 92 Kls. 13 Mls. situated in V. Lubani wali (each deed) & persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 597 & 600 of May, 85 of the Registering Authority, Muktsar.

J. 1. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date 1-1-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 1st January 1986

Ref. No. A.P. o. 5927-5928,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the 'mmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
As per Schedule, situated at Village Lubaniawali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferror to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitate the concealment of any income or any moneys or other anects which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—60—436GI/85

- S/Shri Chand Singh, Nand Singh, Malkiat Singh Ss/o Shri Godha Singh R/o V. Seerwali, Teh. Muktsar, Dstt. Faridkot (R.D.) No. 595/8 Pala Sngh S/o Shri Nachhater R/o as above (R. D. No. 596).

 (Transferor)
- (2) Shri Bikram Singh S/o Shri Kuldip Singh and Jasmer Kaur Wd/o Shri Naglnder Singh R/o V. Lubarawali Teh. Muktsar Distt. Faridkot (R. D. No. 595 & 596).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 82 Kls. 7 Mls, and 54 Kls. 17 Mls, situated ted in V. Lubiawali & persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 595 & 596 respectively of May, 1985 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 1-1-1986

Seal 1

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JALANDΗΛR

Jalandhar, the 1st January 1986

Ref. No. A. P. No. 5929-5930.—whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No As per Schedule

situated at Village LubaniaWali

1021 mare full therebyd in the Schedule annexed here o),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of (1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) S/Shri Chand Singh, Nand Singh, Malkiat Singh to a Godha Singh rlo V Seerwali Teh. Muktsar Distt. Faridkot (1487) and Jang Singh so Wazir Singh & Malkiat Singh so Coodha Singh (1490) r/o as above. (Transferor)
- (2) Shri Bikram Singh s/o Shri Kudip Singh and Jasmer Kaur wd/o of Shri Naginder Singh r.o Lubaniawali Teh. Muktsar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Freignation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 82 Kls. 7 Mls. and 54 Kls. 17 Mls. situated in V. Lubanwal & persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 1487 & of July 1985 respectively of the Registering Authority, Muktsar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Dated: 1-1-1986.

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Jalandhar, the 1st January 1986

Ref. No. A. P. No. 5931-5932.---Whereas, I,

Ref. No. A. F. No. 5931-5932.—whereas, 1, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

situated at Lubainawali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muktsar on July, 1985

at Mukisar on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the tair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as after the consideration and that the consideration for such transfer as after the consideration and that the consideration for such transfer as after the consideration the consideration the consideration the consideration for such transfer as after the consideration the considera between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Nachhatar Singh S/o Shri Kartar Singh r/o V. Seerwali Th. Muktsar Distt. Furidkot (R. D. No. 1488) and Bela Singh s/o Kartar Singh r/o as above, (R.D. No. 1489)

(Transferor)

(2) Shrimati Amrit Kaur d|o Kuldip Singh r|o Lubhaniawali Th. Muktsar Distt, Faridkot, (R.D. Nos, 1488-1489).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property (and 54 kls. 17 Mls. and 54 Kls. 12 Mls. situated in village Lubbianswali and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 1488 & 1489 of July, 85 of the Registering Authority, Muktsar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:-

Date: 1-1-1986

(1) Smt. Bhgo W/o Shri Rulia Ram, r/o 712 Guru Teg Bahadur Nagar, Jalandhar. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Jalandhar, the 6th January 1986 JALANDHAR

ACQUISITION RANGE

Ref. No. A. J. L. GIRDHAR, A. P. No. 5936.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Inlandhar on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Ma. Dhanwant Singh Puri s/o Sh. Sardar Singh Puri C/o Rajindera Light House, Ladowali Road, Jalandhar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

Property Kothi No. 712 situated in Gure Teg Banadur Nager, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 756 of May, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-1-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1986

A.P. No. 5937/5938.—Whereas, I, L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registration Officer at

Jalandhar on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Darshan Lal S/o Munshi Ram and Kamlesh Rani w/o Darshan Lal r/o Basti Danishmandan, Jalandhar. (R.D. No. 382 & 383).

(Transferor)

(2) Sh. Joginder Singh S/o Jaswant Singh (R.D. No. 882 and -Paramjit Singh S/o Joginder Singh (883) R/o 55-Vijay Nagar, Jalandhar (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 10M-60 S. ft. and 10 mls, 202 sqft. situated in New Vijay Nugar, Jalandhar & Persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 882 & 883 of May, 1985 respectively of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Dated: 6-1-1986

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th January 1986

Rcf. No. A.P. No. 5939.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per schedule situated at VIII Akhain Bet (KAPURTHALA)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Kapurthala on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been touly exted in the said instrument of transfer with the chieft of transfer with the object of :-

(1) Sh. Wazir Singh S/o Gurditta Mal, R/o Mohlla Kasaban Kapurthala Mukhtiate-am of Harbans Bhagat S/o, Jagdish Lal Bhogat R/o Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Tura Singh Gurdip Singh Ss/o Sh. Pritam Singh, R/o Viii, Akhora Bet, Teh. & Distt, Kapurthala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and reasons as mentioned in the Registered Sale deed No. 452 of May 1985 of the Registering Authority. Kapurthala.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 8-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandbar, the 8th January 1986

Ref. No. A.P. No. 5940.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. as per schedule situated

at Vill, Ucha (Kapurthala)

(and more full described in the schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, incretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Bahadur Singh, Sardar Ss/G Talu Ram R/o Ucha Teh. & Distt. Kanurthala.

(2) Sh. Sukhdev Singh, Tarlok Singh 5s/o Lelha Siogh & Lekha Singh S/o Hakam Singh, R/o Ucha Teh, & Distt, Kapurthala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 587 of May 1985 of the Registering Authority, Kapurthala.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Dated: 8-1-1986

- (1) Smt. Raksha Kumari W/o Krishan Dev Singh R/o Jahan Khelan, Tch. & Distt, Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Sh. Kulvir Singh S/o Sujan Singh, R/o Bajwara Distt. Hoshianpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1261)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th January 1986

Ref. No. A.P. No. 5941.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jahan Khelan Distt. Hoshiarpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hoshiarpur on May 1985

tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (0) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 408 of May 1985 of the Registering Authority, Hoshiarpur,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---

Dated: 8-1-1986

Scal;

(Transferor)

(Transferor)

(Bihar).

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th January 1986

Ref. No. A.P. No. 5942.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per schedule situated at

Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(1) Dr. Ram Kumar Gupta S/o Dev Parkash, r/o Kapurthala Road, Jalandhar,

(2) Sh. Darshanjit Singh S/o Amar Singh

r/o Harmandir Gali, Patna City

may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andlor

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Property House situated in Basti Bawa Khel, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1363 of May, 1985 of the Registering Authority. Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, aforesaid property by the issue of this notice under sub-section namely 61-436GI/85

Dated: 8-1-1986

NOTIFIE UNDER SECTION 269D (1) OF THE NOTIFIE TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SPONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th December 1985

Ref. No. A.P. No./5913.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value causeding Rs. 1,60,600/ and bearing No. as per schedule situated at Gorava

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur on July 1985 for an apparent commideration which is less than the fair number value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afgresable ensueds the apparent consideration therefor by after the of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tractiler: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other resets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Sh. Subhash Chander, Vimal Kumar, Pawan Kumar Ss/o Ram Saran Dass, R/o Mandi Gobind Garh now Goraya.

(Transferor)

(2) Sh. Jasbir Singh S/o Sohan Singh, C/o Sardar Udyog, G.T. Road, Goraya

(Transferee)

(3) As per Sr. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the state of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 1228 dated 29-7-85 of the Registering Authority, Phillaur.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ronge, Jalandhar.

Dated: 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th December 1985

Ref. No. A.P. No./5914.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'zuid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per schedule situated at GORAYA

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, theselore, in purenance of Sectles 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the assuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Subhash Chander, Vimal Kumar, Pawan Kumar Sa/o Sh. Ram Saran Dass, R/o Mandi Gobindgarh now Goraya.

(Transferor)

- (2) Sh. Amarjit Singh S/o Sh. Sohan Singh C/o Sardar Udyog, G. T. Road, Goraya. (Transferee)
- (3) As per Sr. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 1229 of July 1985 of the Registering Authority, Phillaur.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Dated: 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th December 1985

Ref. No. A.P. No./5915.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per schedule situated at **GORAYA**

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Phillaur on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Subhash Chander, Vimal Kumar, Pawan Kumar Ss/o Ram Saran Dass, R/o Mandi Gibindgarh now Goraya. (Transferor)

(2) Sh. Paramjit Singh S/o Sohan Singh, C/o Sardar Udyog, G.T. Roadk, Goraya. (Transferee)

(3) As per Sr. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 1230 of July, 1985 of the Registering Authority. Phillaur

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Dated: 11-12-1985

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF DIDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 1st January 1986

Ref. No. A.P. No. 5922.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per schedule situated at

(and more fully described in the Schedule annaxed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferceoid property by the issue of this notice under subscribes (1\ of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S. W. Masand S/o W. G. Masand & Sunita J. Masand W/o J. W. Masand and Jasot; C. Masand W/o C. W. Masand and Parmod S. Masand S/o S. W. Masand R/o Masand Chowk, Model Town, Jalandhar.
 - (Transferor)
- (2) Jetair Transportation Pvt. Ltd. Registered Office, I-23, Maharani Bagh, New Delhi through Mr. Surrinder Goyal, Director firm.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property by be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publications of this motion in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property M. C. No. BIX-2/2782 and portion of 3 storeys Masand Motor building situated at G.T. Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1082, of May, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-test
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 1-1-1986

PICT: MILL

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

recorded that he are the control of the first and the control of t

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMESSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 1st January 1986

Ref. No. A.P. No. 5934.—Whereas, I, J. I. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inconvole property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferer to pay tax under the said Ast, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Doaba Builders Private Ltd., Jalandhar through Sh. Sham Kumkar Bhardwaj S/o Pt. Sat Paul, Mg. Director Firm Radio Bldg. Milap Chowk, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Parkash Goyal W/o B. M. Goyal R/o B/8-54, Central Town, Jalandhar.

(Transferee)

Objections, if any, to the sequisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the data of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saids.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/3 Kothi No. 132, New Jawahar Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2012 of June, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge, Jalandhar

Date: 1-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Ankur Builders, 363-Lajat Rai Nagar, Jalandhar through Sh. Ashok Kumar Rishi, Sutt. Shanta Soni, Rupa Grover, owners Firm.

(2) S/Shri Surrinder Singh, Jaswinder Singh Ss/o Pakhar Singh Resident of V. Raipur Ratulpur Teh. & Distt. Jalandhar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

> ACOUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 1st January 1986

Ref. No. A.P. No. 5935.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per schedule situated at

Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by enore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whishever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 2/2 Gian Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1319 of May, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-1-1986

 Smt. Sudershan Mayor wd/o Narinder Mayor 10-Basti Road, Jalandhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Indra Wati wd/o Iqbal Chand and Rakesh Kumar S/o Iqbal Chand R/o WM-55. Basti Guzan, Jalandhar.

(Transferde)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Islandhar, the 1st January 1986

January 1300

Ref. No. A.P. No. 5933.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

J. L. GIRDIAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the trainfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property plot No. 284 situated in Shaheed Udham Singh Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2248 of July, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date: 1-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th December 1985

C.R. No. 62/47398/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 850, situated at H.A.L. II Stage Extension, Bangalore (and more folly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 31-5-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manufact with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I berely initiate proceedings for the acquisition of the atoresnid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—62—436GI/85

 Shri N. Purushotham, No. 33/1, Menance Avenue Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) D₁. M. S. Irmady, 556, I Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 682/85-86 dated 31-5-1985) Property bearing No. 850, H.A.I., II, Stage Extension, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-12-1985

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th December 1985

C.R. No. 62/47262/85-86/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. RS 1679--3, 1682-1C, TS No. 13-3, 10-1, situated at Kasaba Bazaar Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

 Shrimati Muktha alias Gowri Bai, W/o P. Umanath Bhandary, Nellikai Road, Mangalore.

(Transferor)

(2) M/s Yenopuya Hotels, Pr. Mr. Y. Mohd. Kunhi, Balawatta, Mangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 261/85-86 dated 13-5-1985)
Property bearing RS No. 1679—3, 1682—1C. TS No. 13—3, 10—1, in Kasba Bazaar Village, Mangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 (001, the 24th December 1985

C.R. No. 62/47475/85-86/ACQ/B.--Whereas, J, R. BHARDWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred was the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 2, situated at Gookson Road, Richards Town, Bengalogs.

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), .

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar in May 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforested to the consideration therefore hereto. said exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Oswald George White, No. 2. Cookson Road, Richards Town, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shrimati Sher Banu, P.A. Holder Mr. B. A. Abdul Haleem, 13(6), New Market Road, Cross, M-3 Street, Bangalore-51.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other percen interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 504/85-86 dated May 1985) Property bearing No. 2, Cookson Road, Richards Town, Bangalore,

> R. BHARDWAI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 24-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th December 1985

C.R. No. 62/47224/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. 62—43, situated at Iddya Village, Surathkal, Mangalore Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore in May 1985,

Mangalore in May 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market vr!as of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income spining from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any monoya or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-inx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestal property by the issue of this section ander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Vinayaka Builders, Repd. by Mr. P. Mauhav Prabbu, Hosabettu Village, Mangalore Tq.

(Transferor)

(2) Shri Nazcer Ahmed, Repd. by Mr. Azecz. Iddya Village, Surathkal, Mangalore Taluk.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 245/85-86 dated May 1985)
Property S. No. 62-43, in Iddya Village, Surathkal,
Mangalore Taluk.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th December 1985

C.R. No. 62/47380/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. 17/7, situated at Ali Askar Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar in May 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

(1) Shrimathi Shah Sultana, No. 17, Ali Askar Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Shii M. R. Doraiswamy Iyangar,8. II Main, B. Kanpanna& Brothers Layout, Seshadriouran.

Bangalore.

Bangatore.
Smt. M. D. Vasantha (wife)
Master M. D. Vasudevan and
Master M. D. Sriram. (Children)
M. D. Rattikar Ranjani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions usen herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 526/85-86 dated May 1985) Property bearing No. 17/7, Ali Askar Road, Bangalore.

R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bahgatore-560 001, the 27th December 1985

C. R. No. 62/47447/85-86/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No.

Sy. M./15.

sy. M. 113.

stuated at Thounaranahalli. Bangalore City
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
at Gandhinagar on 8-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sale Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Indian fwist Drills P. Ltd. Repd. by Managing Director: Mr. N. V. Rawan, No. 27, I Main, Jaya Mahal Extn., B'lore-46.

(Transferor)

(2) M/s. Sinai Pharma P. Ltd., Rept. by P. T. Philipose, No. 1974, II Stage, Rajajinagar, B'lore-10.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 545/85-86 Dated 8-5-85]. Property bearing No. M/15, Thaunaranahalli, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rangalore

Date : 27-12-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 6th December 1985

C. R. No. 62/R-1709/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Show Boar No. 1208 Show Room No. 4208,

Show Room No. 4208, situated at 45, Palace Road, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1457/85-86 Dt. 30-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 M/s. S. I. Property Development (P) Ltd., 45 Palace Road, Bangalore-560001, Mr. Sadekh Khaleeli, Dr. Moyeen Khaleeli & Miss. Zahra Banoe Khalceh 45/1, Place Road, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Mr. R. Mahesh, 522, Avenue Road, Bangalore-560002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazene.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1457/85-86 Dated 30-5-85]. Show Room No. 4208 in High Point-IV, situated in 45, Place Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore

Date : 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 19th December 1985

C. R. No. 62/R-1665/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202,

situated at 47/6, M. G. Road, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1445/85-86 Dt. 31-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section-269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mittal Investment Corporation
 H. G. Mittal Towers,
 B. Wing, 16th floor, 210 Naraiman Point,
 Bombay-400021,
 Branch Office : -47/6, M. G. Road,
 Pangalore-560001.
 - (Transferor)
- (2) Sri Sai Corporation Pt. Mrs. Banca Agarwal, W to Chatelal Agarwal, 31-A, Mittal Chamber, Nariman Point, Bombay-21.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1445/85-86 Dated 31-5-85]. Hat No. 202, in 'F' Wing on 2nd floor at Mittal Towers on 47/6, M. G. Road, Bangalore,

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Banguéone

Date : 19-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Basavanagudi,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 20th December 1985

C. R. No. 62/47347/85-86/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 21, situated at Wilson Gardens Extension, B'lore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar on 8-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforebelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of of transfer with the object of :--

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

63-436GI/85

[Registered Document No. 355/85-86 Dated 8-5-85], Property bearing No. 21, Wilson Gardens Extension,

THE SCHEDULE

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 20-12-1985

Seal :

Bangalore.

(1) Shrimati Sharadanna, No. 21, 1 Floor, Wilson Gardens, B'lore.

(Transferor)

(2) Shrimati Dilshad Begunn, No. 13, Khaji Street, B'lore-4.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 20th December 1985

62/47381/85-86/ACQ/B.--Whereas, I, R BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 21/1,

situated at Brunton Cross Road, Bangalore-25 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Skyline Builders Pvt. Ltd. 21/1. Brunton Cross Road, Blore-25.

(Transferor)

(2) Rumani Enterprises, 310, I 'A' Main Road, VIJ Block West, Jayanagar, B'lore-82.

(Transferee)

(3) 1. Mr. A. Dwaraknath,2. Mrs. Habeebae Kirmani,

- 3. Mr. H. S. Srinivas,
- 4. Mrs. Jayashree Srinivas, 5. Mr. K. V. S. Krishna, 6. Mrs. Lily Paul and 7. Mr. Mathew Paul,

- 8. Mrs. Rajeswari Krishno and 9. Dr. K. V. Hari Rao, 10. M/s. Shree Trust.

(Persons in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 529/85-86 Dated May, 85]. Property No. 21/1, Brunton Cross Road, Bangalore-25.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 20-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 23th December 1985

62/152/May 1985/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, C. R. No. R. BHARDWAJ. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 73, situated at Khasbag—Belgaum Taluka and Dist. Belgaum, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 962/85-86 Dt. May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforest of property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amots which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :

(1) Mr. Harendra, Mr. Mahesh, S/o Mashuka Sarat 'Ram Nivas", Khanapur Road., Tilakwadi, Belagum.

(Transferor)

(2) Mr. Indirabai Krishnaji Kahtar, C/o Sri. S. K. Katar, Brook Bond India Ltd., Near Vearabhadra Temple Raichur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property away be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 962/83-86, Dated May 1985]. The plot No. 73 of CIS No. 219/2B/2 of Khasbag—Belgaum Taluka and District Belgaum, Plot of Land admeasuring about 40 x 60 with dwelling unit constructed there on admeasuring 672.94 sq. ft.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Bangalore

Date: 23-12-1985

(1) Mr. Rosario Carvalho owner of carvalho's Apartments Margao.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) ON THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Albert Emeliao coutinho & Mrs. Grena Esperanca Coutinho Building in area of Margao.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 2nd December 1985

C. R. No. 62/DR/512/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 105,

situated at Flat No. 105 at Margao Municipality Limit (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Margao Registration No. 281 Dated 19-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other exacts which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Documen No. P-281/May 1985 Dated 19-5-85] Flat No. 105 Registration No. 34.566 Taluka No. 1234 and survey chulta No. 78 and P.T. Sheet No. 233 of City survey Margao-Goa.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangadore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 2-12-1985

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 2nd December 1985

C. R. No.: 62/DR/511/37EE/85-85/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000 /- and bearing No.

Plat No. 104,

situated at Flat No. 103 at City survey of Margao. Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Margao. Goa Registration No. 282/May 1985 on 19-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument contrained with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the finishing of the transferor to pay tax nuclear the mid Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferor to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922:

 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ins. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mr. Rosario Carvalho Carvalho's Apartments Margao, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Rosario Xavier Carneiro & Mrs. Xaverita F Carneiro Xlavelim Firgueamodi Salcete, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D-282/May/1985 Dated 19-5-85].

Flat No. 104 Building in area of Margao Municipal limits under Land Registration No. 34,566 Taluka No. 1234 and survey chalta No. 78 of P. T. Sheet No. 233 of city survey Margao, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 2-12-1985

FORM J.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 2nd December 1985

C. R. No. 62/DR-445/37EE/85-86/ACO/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 5,
situated at Shop No. 5, on the Ground floor at Mapusa—Goa
(and more fully described in the Schedule annexed herete),
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Mapusa—Goa Registration No. D-284/85-86 on 11-5-85
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Sergio DE Jusus Carvalhe Opp, the Fazenda, Mapusa, Goa.

(Transferor)

(2) Shri Balakrishna Vishwanath, Parulekar "Kusum" Duler, Hill Road, Mapusa, Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D-No. 284/May/1985 Dated 11-5-85].
Shop No. 5 on the Ground floor of liberty Apartments

Managa Gon Plinth area of the

opposite the Fazenda Mapasa, Goa. Plinth area of the shop is 26 sq. mts. Building under construction.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak
Aquisition Range Bangalore

Date: 2-12-1985

PORM ITS

 Smt. Savitaben Babulal Sarvaiya Azad Socy. Behind S. T. Bus Station Veraval (Saurashtra).

(Transferor)

(2) Rajashree Cement
C/o Indian Rayon Corporation, Veraval
Junagarh Road,
Veraval.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ABSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 9th December 1985

Ref. No. P. R. 3940/Acq. 23/I/85-86.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)) (Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)) (Income-tax Act, 1961) (Income-t

No. HP at Veraval City-Behind S.T. Stand-Azad Socy, Land adm. 179.3 sq. intre. Bldg 84.76 sq mt. + 87.37 sq. mtr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Veraval on 29-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid lestrament of seameder with the object of 1—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. P. at Veraval, Azad Socy. Behind S. T. Bus Station, Adm. 179.3 sq. mtre + Bldg. G. F. 84.86 sq. mtr. + F.P. 87.37 sq. mtr. R. No. 1348 Dt : 29-5-85.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I & II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(1) Gopalbhai Khimjibhai Waghela Organisor of Proposed Kiran Co, op. H. Socy. Ltd. Gundhigram, Junagadh,

(Transferor)

(2) Hamirbhai Ranabhai Maru Chairman of
Suwas Nagar Co. op H. Socy. Ltd.
Amrapali Apartment
Gandhi Gram,
Behind Convent School, Junagadh,

(Transferee)

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 6th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3941/Acq. 23/L/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,0007- and bearing Land at Junagadh R. S. No. 270 paiki Adm. 1686.50 sq. mtr. Plot No. 14 to 21 Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Junugadh on 2-3-1985

Infingación on 2-3-1965 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Caxette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evadou of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land at Junagadh R. S. No. 270 paiki Plot No. 14 to 21 adm. 1686.50 sq. mtr. R. No. 83 Dt. : 2-5-85.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 10th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3942/Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

HP at Rajkot Dhebar Road, Gondal Road, Manek Mension 'B' Land adm. 727 sq. yd.

He Bidg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE filed on 6-4-85

37EE filed on 6-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.— 64-436GI/85

(1) Shri H. V. Manek Smt. L. H. Manek Smt. N. H. Manek Smt. J. H. Manek C/o M. N. Manek & Co. Janak Chambers, Opp. Girnar Cinema, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Najmuddin Esufali Bharmal, Devpara, Gondal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dare of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

HP at Rajkot, Manek Mension, situated on Dhebar and Gondal Road, Land adm. 727 sq. yd. + Bldg. G. F. + F. F. 334.10 sq. mtr. 37EE filed on 6-4-85. Gondal Road,

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-I Ahmedabad

Date : 10-12-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 10th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3943/Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'safd Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.
H. P. at Rajkot on Dhebar & Gondal Road, Land adm. 282 sq. yd. — Bldg. Manek Mension 'A' (and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE filed on 6-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

(1) Mrs. L. H. Manek
Mr. N. H. Manek
Mr. J. H. Manek
Mr. V. H. Manek
All C/o M. N. Manek & Co.
7-Janak Chambers,
Opp. Girnar Cinema,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Mr. Hakimuddin Esufali Bharmad Devpara, Gondal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. P. at Rajkot on Gondal & Dhebar Road, Manek Mension 'A'—Land adm. 282 sq. yd. + Bldg. 37EE filed on 6-4-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Brijkishor Vasudev
Rita Park Socy., Sahibag, A'bad.
 Jagdishchandra Vasudev, Shop No. 119
New Cloth Market,
O/S Raipur Gate, A'bad-2.

(Transferor)

(2) Sampatraj Lalchand Chaudhary Shop No. 57, Hirabhai Market, O/S Raipur Gate, A'bad-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380 009, the 4th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3944/Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 57 at Hirabhai Market O/S Raipur Gate, Adm. 70

sq. yd. situated at Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

A'bad on 22-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 57, at Hirabhai Market TPS. 2 & 18 F. P. No. 29 paiki & 187 adm. 70 sq. yd. R. No. 5674 Dt : 22-5-85.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-l
Ahmedabad

Date : 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380 009, the 12th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3945/Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. I,00,000/- and bearing No. Land adm. 935.27 sq. yd. + Construction thereon at Ahmedabad TPS 21 FP No. 487 S. P. No. 2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Abad on 8-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Atmaram Bhogilal Sutariya Nareshbhai Bhogilal Sutariya Nr. Shahibag Rly. Crossing Camp Road, Sahibag, A'bad-4.

(Transferor)

(2) Navrang Members Association, C/o Sanskrut, 1st Floor, High Court Read, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 935.27 sq. yd. + construction thereon at Abad TPS 1 FP No. 487 S. P. No. 2 R No. 5603 Dt: 8-5-85.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 12-12-1985 Seal :

Sem

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380 009, the 12th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3946/Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aci, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land adm, 955.27 sq. yd. + Constn. at A'bad TPS 21 F. P. No. 487 S. P. No. 3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 8-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Rajnikant Jeshingbhai Sutariya Rashikiant Jeshingbhai Sutariya C/o Atmaram Bhogilal Sutaria Camp Road, Nr. Shahibag Rly. Crossing, Shahibag, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sorab Member Association C/o 'Sanskrit'—Ist Floor, Nr. High Court, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 935.27 sq. yd. + constn. at A'bad TPS. 21 FP No. 487 S. No. 3 R. No. 5598 Dt : 8-5-85.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 12-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1985

P.R. No. 3947 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. HP at TPS 3, FP 169 (Varied) Land Adm. 418 sq. yd. +

Bldg, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 8-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Jayantilal Khusaldas Mehta, 140, Sub-set Row Houses Opp: Swami Narayan Gurukul Drive-in-Road, Ahmedabad-52

(Transferor)

(2) Clasic Avenue Owner's Association (Proposed) Organisor: Mohan Laxmandas Hingorani & Ors. Manush Apartment, Nr. Swati Socy. Novrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this nouce in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

H.P. at Ahmedabad TPS 3, F.P. No. 169, SP No. 15 (varied) Shakhpur, Khanpur Land adm. 418 sq. yd plus Building R. No. 5599 Wt. 8-5-1985.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :-

Date: 24-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1985

P.R. No. 3948 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

to as the said Act 1, have reason to believe that the initial property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No.
Land + Shed at Isanpur sim S. No. 260 SP No. 3
Land adm. 2513 sq. vd Tal. City Distt. Ahmedabad (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 8-5-1985

Annequation on 6-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195; (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Prakash Jayant Haribhaktl Nr. Navrangeura Telephone Exchange Chimanlal Girdharlal Road, Ellisbridge, Ahmedabad-9

(Transferor)

(2) Anand Rameshchandra Dalal Pradip Rameshchandra Dalal Amit Rameshchandra Dalal Flat No. 201-C, Grant Paradi Aptt. August Kranti Road, Bombay-26.

(Transferse)

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the spin Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 2513 sq. yd.+Factory Shed at village Isan-pur sim S. No. 260 SP No. 3 Taluka City Distt. Ahmedabad, R. No. 4986 Dt. 8-5-85.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 24-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1985

P.R. No. 3949 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have
reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
HP at TPS 4 FP No. 144 SP No. 4 Land Adm. 1277 sq. yd.
plus Bldg. 284 sq. yd., Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
have been transferred under the Registration Act. 1908

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 6-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the raid instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Kokilaben Madhukar Desai Krushna Bag, Maninagar Ahmedabad-8.

(Transferor)

(2) Shri Kanjibhai Kurjibhai Patel Shri Dhirajlal M. Gajjar (Promotor & Proposed) Sukhi Vadi Aptt. Co.-op. H. Socy. Anand Society Vatva Road, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

HP at TPS 4 FP No. 144 SP No. 4 Ahmedabad. Land adm. 1277.29 sq. yd. plus Bldg. 284 sq. yd. R. No. 5488 dt. 6-5-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-I
Ahmedabad

arrow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 24-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1985

P.R. No. 3950 Acq.23/I/85-86,-Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.

Rs 1,00,000/- and bearing No.

Land at Odhav sim Dist. Ahmedabad Tal. City S. No. 468

Adm. 156823 sq. mts. – TPS. 2 2 FP No. 35/1

Adm. 11244 sq. mtr.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908

(16 of 1909) in the office of the registering officer at Ahmedabad on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; eard /er

(b) facilitating the concealment of any income or asmoneys or other assets which have not been go which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 et 1957);

(1) Amrutlal Somabhai Patel & Qrs. 64-Mon Khadaki, Rakhtal Gam. Ahmedabad-21.

(Transferor)

(2) Himatlal Vithaldas Mistry. Chairman of Jay Jogeshwari Co.-op. H. Socy. Block No. 3 Ambica Nagar, Nikol Road, Ahmedabad..

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 and at Odhav sim Tal. City Dist. Ahmedabad. S. No. 468 Adm. 15682 sq. mtr.=TPS. 2 Odhav F.P. No. 35/1 Adm. 11244 sq. mtr. R. No. 4430. Dt. May, 1985

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 65-436GI/85

Date: 24-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1985

P.R. No. 3951 Acq.23/I/85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Single storeyed bldg, in station plot area Gondal Sheri No. 8 on the land adm. 533.3 sq. mtr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the effice of the registering officer at (16 of 1908) in th Rajkot on 30-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(1) Shri Amratlal Vasanji Kataria Station Plot Gondal Dist. Rajkot.

(Transferor)

Shri Parag Jayantilal Shah 2/16, Ajanta Apartment, Sayan, Bombay.

(Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Single storeyed Bldg. in Station plot Gondal, Dist. Rajkot.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Y Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the ecquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 24-12-1985

(1) Shri Nanubhai Laumanbhai Ranagad Kumbharwas, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Damodarbhai Vallabhdas Palan Thakkar Plot—Porbandar.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1985

P.R. No. 3952 Acq23/1/85-86.---Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ('sai Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Double storeyed bidg in City Survey No. 1532 Plot No. 15 Wd. No. 8. Bhaktiflagar Socy, Rajkot (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double storeged bldg, in city Survey No. 1532 Plot No. 15 ward No. 8--Bhaktinagar Secy, Rajket,

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 24-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedaba-380009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3953/Acq.23/I/85-86.—Whereas, 1, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

and bearing No.

Bidg. Plot No. 3, Wd. No. 16. Sheet No. 89, S. No.

2495 Nr. Jam Tower & Shroff's Saheb's Bunglow in Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Rajkot on 15-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

 Vimlaben Manilal Parekh, Harmani House, Panchnath Plot, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Jitendrakumar Indulal Shah, Brahmakrupa, Shroff Road, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. Plot No. 3, Ward No. 16, Sheet No. 89, S. No. 2495 Nr. Jam Tower & Shroff's Sakeb's Bunglow in Rajkot.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 459°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-12-1985

The same of the sa

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009,

Ahmedabad-380 009, the 2 th December 1935

Ref. No. P.R. No. 3954 Acq. 23/1/85-86.—Whereas, 1, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. I and at Bhavingar S. Nos. 321, 322/10, 322/2 & 323
adm. Approx 56555 sq. yds. together with structures & 17
other pieces of land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 13 5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument.

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) The Bhavnagai Flectricity Co. Ltd., Vartei Road. Bhavnagar.

(Transferor)

(2) The Gujarat Electricity Board, Vidyut Bhavan, Race Course, Vadodara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

FAPEANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Bhavnagar S. Nos. 321, 322/P1, 322/2 & 323 adm. approx. 56555 sq. yds, together with structures & 17 other pieces of land.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-L Ahmedabad

Date: 24-12-85

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMI-DABAD-380009,

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3955 Acq. 25/L/85-86.—Whereas. I. G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Land and Bldg, in Krishnanagar Plot No. 615-B, Wd.
No. 5, Sheet No. 156, Land 115.7-76 sq. mts. = 1389 sq. yds.
Bldg. 222.21 sq. mtrs., 266.65 sq. yds.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bhavangar on 4-3-85 & 5-85

tor an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: md/cr
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Arkaishray Laxmishankar Bhott Kiran Kumar Laxmishankar Sumitraben wd. of Laxmishankar Narmadashankar, 618-B, Geeta Chowk, Krishnanagar, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Proposed Shri Paru Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Promotor—Danger Bhagwanbhai Valubhai, Vadva Talavdi, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions med here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Bldg. in Krishnanagar. Plot No. 615-B, Wd. No. 5. Sheet No. 156.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-1 Ahmedabud

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the unforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :---

Ahmedabad: 24-12-1985.

Senl •

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3956 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

No. 1.00,000, - and bearing

No. Land adm. 488 ag, yd. + Bldg at TPS 3 FP No. 169.

SP No. 3 1/5th share of it—A bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

A had on 3-5-85. A bad on 3-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sadler.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Jitendra Shantilal Shah, Sabar Kunj, Ellisbridge, A'bad.

(Transferor)

(2) Shri Parshottamdas Hathidas Patel, Chairman of Summer Place Vikas Mandal Mehsana Socy., New Wadaj, A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 lays from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said ACL. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land udm. 488 sq. yd. + Bldg. thereon at TPS.3 FP No 169 S. P. No. 2 A'bad having 1/5th share of it R. No. 42120 Date 3-5-85.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-12-85

FORM IINS

(1) Dr. Pankaj Shantilal Shah, Sabarkunj Socy., E.B., A'bad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Parshottamdas Hathidas Patel, Chairman of Summer Place Vikas Mandal Mehsana Socy., New Wadaj, A'bad.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOK, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009, (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

Ahmedabad-380 009, the 26th Docember 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. P.R. No. 3957/Acq. 23/I/85-86,—Whereas, I. G. K. PANDYA
being the Competent Authority under Section 2698 of the

the publication of this notice in the Official Gazette

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saw.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. Land adm. 488 sq. yd. + Blug, at TPS.3 FP No. 169 SP No. 2.1/5th share of it -A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer at A'bad on 3-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instance of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land adm. 488 sq. yd. + Bldg, thereon at TPS.3 PP No. 169 SP No. 2 A'bad having 1/5th share of it R. No. 4213 Dated 3-5-85.

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 26-12-1985

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGF-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMFDABAD-380 009,

Ahmedabad, the 26th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3958/Acq. 23/I/85-86.-Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000% and bearing Flat at TPS 3 F. P. No. 386 Flat No. WW. 8 Adm. 131 eq. yd. Kamal deep Flats—A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed herets),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

A'bad in May, 85 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- the facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---66-436 GI|85

(1) Harshadbhai. C. Patel, Flat No. WW. 8, Kamal Deep Co. op. Hsg. Socy. Opp: Telephone Exchange, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Anil Jashwantlal Shah, Biren Jashwantlal Shah, Flat No. 6/1/A, Shreeji Bag Flats—Behind High Court, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions user herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at A'bad TPS, 3 F. P. No. 386-C-1 Kamal Deep Co. op. Hsg. Soey, 8th Floor Flat No. WW, 8 R. No. 5643/85, May 85,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 26-12-85

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, **AHMEDABAD-380** 009.

Ahmedabad, the 26th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3959/Acq. 23/1/85-86.—Whereas, J. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
131 in Navagedh seem Agricultural land adm. 4 acres—

19360 sq. yds.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 26-4-85 & 18-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 (b) facilitating the concentment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Muljibhai Menoalbhai Padariya, Fulwadi Chhota, Tal. Jetpur, Dist : Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Babulal Manjibhai, Chairman of proposed Shri Panchvati Co. op. Hsg. Socy. Navagadh Tai. Jetpur, Dist : Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undessigned :-

- (a) by any of the afectivald persons within a period of 46 dies from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from arvise of motice on the respective persons, whichever period expires intert
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 46 days from the date of the publi-cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 131 in Navagadh seem agricultural land adm. 4 Acres - 19360 sq. yds.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedahad

Date: 26-12-85

(1) Shrj Kishorkumar Jivanlal, Swastik Hsg. Socy. Beyond Raly. Line, Raikot.

(Transferor)

(2) Shei Arunkumar Bhogilal Shah, Bhaktinagar Socy. Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 26th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3960/Acq. 23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Double storeyed bldg, in S. No. 476, Swastik Hsg. Socy. beyond railway line, Rajkot. Land 150 sq. yds. — 125 sq. ints. Bldg. 139.19 sq. mtrs

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 23-4-85/16-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette ora period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed bldg. in S. No. 476 Swastik Hsg. Socy. beyond Rly. Line, Rajkot, land 150 sq. yds. = 125 sq. mts. Bldg. 139.19 sq. mts.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Ahmedabad

Date: 26-12-85

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 27th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3961/Acq. 23/1/85-86,-Whereas, J. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 87 on the Lower Plasa in Chinubhai Towers.
Ashram Road, Adm. 400 sq. ft. A'bad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
Lus been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37FE filed on 12-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Avinach Istate Owners Association, Through: M/s. Hasmukh Shah Enterprise, Ist Floor, Chinubhai Tower, Ashram Road, A'bad-9.

(Transferor)

(2) Jeegul Dhirajlal Rangwala Flats, 5th Floor, Nr. Gujarat College E.B., Abad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic'al Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same resning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 83 on the Lower Plaza, Chinubhai Tower, Opp : Natraj Cinema, Ashram Road, A'bad Adm, 400 sq. yd. (Appr.) 37EE filed on 12-3-85.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 27-12-85

FORM I.T.N.S.-

Suraspur, Ahmedabad-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raj Tavel's & Toors Pvt. Ltd. Shop No. 18, G. F. Swastik Super Market, Ashram Road, Ahmedabad.

(1) The Mancklal Harilal Mill Ltd.,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> $\Lambda ext{CQUISITION}$ RANGE-T, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 27th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3962/Acq. 23/1/85-86.-Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value Rs. 1.00,000/- and bearing No. Shop No. 18, Swastik Super Market, Ashram Road, Amd. 308 sq. ft. TPS. 3 F. P. No. 121, A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1903 (160) 1908) in the office of the registering officer at

A'bad on May, 85

to, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any incume or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 18 on G. F. Swastik Super Market, Ashrant Road, A'bad Adm. 308 sq. ft. TPS. 3 F. P. No. 121, R. No. 3418 Dt : May, 85.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons_ namely :-

Date : 27-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 27th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3963/Acq. 23/I/85-86.—Whereas, 1, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

City S. No. 24/H/1 Madhavbag Jamnagar Bldg. G. F., F. F. & S. E.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16-1 1908) in the office of the registering officer at

Jammagar on 27-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be dive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Karsandas Lalji Rabadiya Shri Haridas Lalji Rabadiya Oswal Colony, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Rameshchandra Jamnadas Rabadiya Kishorchandra Jamnadas Rabadiya Niranjan Jamnadas Rabadiya Madhavbag, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of -15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

C. S. No. 24/A/1 Bidg. G. F., F. F. & S. F. Madhavbag, Jaumagar.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 27-12-85 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND TIOOR, HANDLOOM HOUSE,

Ahmedahad-380 009, the 27th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3964 Acq. 23/1/85-86.-Whereas, I,

G. K. PANDEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-sax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-Flat No. 702 on the 7th Floor 'Crescent 'B' Wd. No. 15 CTS No. 1010, Race Course Road, Rapkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred uner the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 37EL filed on 2-5-1985

for an appaient consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s J. S. Corporation-48, Indranarayan Road, Santacruz (West) Bombay-800 054.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakantbhai Mavjibhai Patol-41-New Jagnath Plot-Raikot-360 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702 on the 7th Floor 'Crescent 'B'-Wd. No. 15-C.T.S. No. 1010 Race Course Road, Rajkot.

> G. K. PANDYA Competent Authority Fuspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION LANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1985

Ref. No. P. R G. K. PANDYA, P. R. No. 3965 Acq. 23/1/85-86.—Whereas I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'wa'd Act') have reason to believe that the immov-

as the water Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. Flat No. 701 on the 7th Floor, Kranti Bidg. Dhebar Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 37EE filed on 7-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matroment of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesake property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) Bonny Enterprises, 25, Galaxy Commercial Centre, 2nd Floor, Jawahar Road, Rajkot-360 001.

(Transferor)

(2) Indian Oil Corporation Ltd. Weste, n. Region, Clarke Road, Mahalagmi, Bombay

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapies AXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE

Flat No. 701 on 7th Floor, Kranti Bldg., Dhebar Road. Rajkot.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 7-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1985

Ref. No. P.R. G. K. PANDYA, P.R. No. 3966 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I.

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 902, Kranti Bldg. Dhebar Road.

Nr. S. N. Gurukul, Rajkot (1974) described in the Schedule appeared hereto.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 37EE filed, on 7-5-1985

for and apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer **>**₽44 / OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--67-436 GI|85

(1) Bonny Enterprises, 25, Galaxy Commercial Centre, 2nd Floot, Jawahar Road. Rajkot-360 001.

(Transferor)

(2) Indian Oil Corporation Ltd. Western Region, Clarke Road, Mahalaxmi, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein se are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9th Floor, Flat No. 902, Kranti Bldg. Dhebar Road, Near S.B. Gurakul,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 27-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COMMISSIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1985

P. R. No. 3967 Acq. 23/I/85-86,-Whereas I, Ref. No. G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 702 Kranti Blog., Dhebar Road, Near S. N. Gurukul, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 37EE filed on 7-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by het the consideration for such transfer as agreed to between the transferors and transferees has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income avising from the transfer; und/ora
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely :-

(1) Bonny Enterprises, 25, Golaxy Commercial Centre, 2nd Floor, lawahar Road, Rajkot-360 001.

(Transferor)

(2) Indian Oil Corporation Ltd. Western Region, Clerke Road, Mahalaxmi, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9th Floor, Flat No. 702, Kranti Bldg., Dhebar Road, Near S N. Gurukui.

G. K. PANDYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 27-12-1985

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Udvan Chimanlal. Near Gujarat College, Rasala Marg, E.B. Ahmedabad.

(Transferee)

(2) Aditi Beneficiary Trust, Near Gitabag, Opp. Nutan Socy. Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1985

P.R. No. 3968 Acq. 23/1/85-86.—Whereas I, G. K. PANDYA,

G. R. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing E.B. TPS No. 3 FP No. 592 SP No. 3 G.F. Super built up 188 sq. mtrs., Land area 883 sq. mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE filed on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) ty any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any suoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

E.B. TPS 3 FP No. 592 SP No. 3 GF Super up 188 sq. mtrs. Land area 883 sq. mtrs.

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedahad

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 30-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1985

No. P.R No. 3969 Acq. 23/I/85-86.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E.B. TPS No. 3 FP No. 592 SP No. 2 G.F. Super bldg. 150 sq. yds., Land area 949 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 27FE filed on 4 d 1085 37EE filed on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have resson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shri Udayan Chimanlal. Near Gujarat College, Rasala Marg, E.B. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sehjal Construction, Nr. Geetabag Opp. Nutan Socy., Paldi, A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. 5

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

E.B. TPS No. 3 FP No. 592 SP No. 2 G.F. Super built up 150 sq. yds. Land area 949 sq. yds.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30-12-1985

(1) Zaveri Mulchand Hemchand. Vania Vad, Bhuj (Kutch).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3970 Acq. 23/1/85-86.—Whereas I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop in Shroff Bazar, Bhuj (Kutch),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred uner the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhuj on 21-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preparty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in not of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any menoys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Kumari Geetaben Khatau, Gorvali Vandi Fali, Bhuj (Kutch).

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the envise of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop in Shroff Bazar, Bhuj (Kutch).

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax, Income-tax Building, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30-12-1985

FORM I'NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Vrajlal Chhaganlal Kunvaria, 8. Patel Colony, Jampagar.

(Transferor)

(2) Shri Vinodray Vallabhdas Patel, & Shri Kantilal Vallabhdas Patel, 4, Patel Colony, Jamnagar.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1985

No. P.R. No. 3971 Acq. 23/1/85-86.—Whereas I. Ref. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Bldg, G.F. & F.F. in Patel Colony, Road No. 4,
C.S. No. 39-G-5. Jamnagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred uner the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jamnagar on 4-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Bability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. G.F. & F.F. in Patel Colony Road, No. 4 C.S. No. 39-G-5.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Income-tax Building, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely : ---

Date: 30-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 30th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3972 Acq. 23/1/85-86.—Whereas 1, K. PANDYA.

eing the Competent Authority under Section 269B of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property having a fair market value exceeding 8s. 1.00,000/- and bearing

3ldg. in Mahavir Aptt. Co.op. Hsg. Socy. Ltd.

Plan No. 8, Jamnagar

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 908) in the office of the Registering Officer at amnagar on 15-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen percent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the ias not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of-

(n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer, med/re

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Sureshkumar Chimanlal Vassa, Manck Wadı, Near Giráhari Temple, Jamnagar. (Transferor)

(2) Shri Ghanshyam Lalji Tank, Mahavir Appartment Socy. Park Colony, Jamnagar.

(Transferee)

4495

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. in Mahavir Aptt. Co. op. Hsg. Socy. Ltd. B. Scheme Plot No. 29-B C.S. No. 1-G-4 Plan No. 8, Jamnagar.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act. (hereby initiate procuedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons rumoly :---

Date : 30-12-1985 Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dayalal Manilal Mehta, Through P.A. Holder of Rajnikant Kantilal Rayani, Bembay.

(Transferor)

(2) Jayantilal Amrutlal Shah,442, Tax Shila Socy.Opp.: Race Course, Rajkot.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **2N**D FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1985

Ref. No. P.R G. K. PANDYA, P.R. No. 3973 Acq. 23/I/85-86.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Flat No. 442 in Tax Shila Co. op. Hsg. Socy.

Wd. No. 16 Rajkot, built up area
1250 sq. ft, 139 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the C.A. at

Almedabad on 31-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property.

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in said instrument of transfer object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 442 in Tax Shila Co. op. Hsg. Socy. Wd. No. 16, Rajkot Built up area 1250 sq. ft.—139 sq. yds.

G. K. PANDYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 30-12-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3974 Acq. 23/1/85-86,—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1.00,000/- and bearing
Four Shops at Dhebar Road, Rajkot
Land 282.3 sq. yds., built up area
214.13 sq. mas or 257 sq yds.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the C.A. at Ahmedabad on 6-4-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have teason to
believe that the fair market value of the property as aforetald exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer—as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, herefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following perons, namely:—

68-436 GI/85

(1) Four Co.owners-Mrs. I. H. Manek,
Mr. J. H. Manek,
Mr. J. H. Manke and
Miss Bindiya H. Manke,
All C/o M. N. Manke & Co. Janak Chambers, Opp. Girnar Cinema,

(Transferor)

(2) Mr. Subbirhussein Abbasali Bharmal, Devoura, Gondal.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Four Shops at Dhebar Road, Rajkot. Land 282.3 sq. yds. built up area 214.43 sq. mtrs.—257 sq. yds.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. J. S. Corporation, 48, Indranarayan Road. Santacruz (West) Bombay-400 054.

(Transferor)

(2) Shri Narendra Kalidas Patel, C/o Gordhandas O. Vachhani, Block No. 7, Vidya Bhavan Socy. 22, New Jagnath, Rajkot-360 001.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOK, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDARAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1985

P.R. No. 3975 Acq. 23/1/85-86,---Whereas, I, Ref. No. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat No. 301 on 3rd Floor on 'Crescent 'F' Wd. No. 15, C.T.S. No. 1010 Race Course Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the C.A. at Ahmedabad on 7-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income prising from the transfers صاراتها

(b) facilitating the concealment of any income or will moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax

Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301 on 3rd Floor of (Crescent 'F'-Wd, No. 15 C.T.S. No. 1010 Race Course Road, Rajkot.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-12-1985

FORM ITHS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AIIMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3976 Ac.23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Plot No. 891-C with bldg Krishnanagar, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred u Jer the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inkinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lastic of this notice under subsection '1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mukesh Sharabaubhar Purohit 591-B, Manekwadi, Bhaynagar.

(Transferor)

(2) Rajiv Vinodray Vora Sanjiv Vinodray Vora Kanaklata Vinodray Vora Gulabchowk, Pear Chhela, Bhaynagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 891-C with bldg. Krishnagar, Bhavnagar.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1
Ahmedabad

Date: 30-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 GF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3977 Acq.23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Asthority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the introvable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 502 on 5th Floor in Crescent 'F' Wd. No. 15 C.T.S. No. 1010 Race Course Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 2-5-1985

Anmedabad on 2-3-1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid sensete that the last matter value of the property as aforean expects the apparent consideration farefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. und/or
- (b) facilitating the concealment of any moorae or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s J. S. Corporation, 48, Indranarayan Road, Santa Cruz (West), Bombay-400 054.

(Transferor)

(2) Smt. Tarakumari Bhogilal Mehta & Ors. C/o Prabhat R. Kothari, Kothari Kunj, Ashapura Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this spoke. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.
 whichever period supires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th Floor on 'Crescent-F Wd. No. 15 CTS No. 1010 Race Course Road, Rajkot (Gujarat).

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely,:---

Date: 30 12 1985

MUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3978 Acq.23/I/85-86.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

peing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinster referred o as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

and & Bldg. on Atabhai Road, Jawahar Maidan, Takhteshwar Plot No. 2107-A, CS Wd. No.7 Sheet No. 243 C.S. No. 1879

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the registering officer at Bhavnagar on 24-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought so be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Jasumatiben Chandrakant Parikh 2-Elign Road, Amrutvilla, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Bhupatray Mohanlal Shah Chairman of— Shri New Shantiniketan Co.op, Hsg. Socy. Vadva Chora, Dhamelia Fali, Bhavnagar.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the uncertified:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gastette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Bldg, on Atabhai Road, Jawahar Maidan, Takhteshwar Plot No. 2107-A C.S. Wd. No. 7 Sheet No. 243 C.S. No. 1879.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now rherefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 30-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3979 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing TPS No. 3, FP No. 759, SP No. 17 Land adm. 337 2/3 sq. mtrs. Bldg. G.F. & F.F. 350 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 6-4-1985

Annedabad on 6-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Lilavatiben Budnalal Jayman Bunglow, Nr. Sanjivani Hospital Nava Sharda Maodir Road, E.B. Ahmedabad

(Transferor)

(2) Rajesh Aptt. Owners Asson. Rajesh Apartment Aurvedic Bhavan Road, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

TPS 3 FP No. 759 SP No. 17 Land adm. 337 2/3 sq. mtrs. Bldg. G.F. & F.F. 350 sq. yds.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-12-1985

FORM ITMS

(1) Smt. i ilavatiben Budhala! Jayman Bldg., Nr. Sanjivani Hospital Nava Sharda Mandir Road, E.B. Ahmedabad

(Transferor)

(2) Rajesh Aptt. Owner's Asson. Rajesh Apartment Aurycdic Bhavan Road, Ashram Road, Ahmedabad,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
'AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3980 Acq.23/I/85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the rine said Act) have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

TPS No. 3, FP No. 759, SP No. 17 Land adm. 337 2/3 sq. mtrs. Bldg. G.F. & F.F. 350 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 6-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair uarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, shover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

Emplamation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SOMEDULE

(a) facilitating the resluction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any is come arising from the transfer;

TPS 3 FP No. 759 SP No. 17 I and adm. 337 2/3 sq. mtrs. Bldg. G.F. & F.F. 350 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice update streeting at Section 26910 of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-12-1985

(1) Smi, Lilavatiben Budhalal Jayman Bunglow, Nr. Sanjivani Hospital Nawa Sharda Mandir Road, E.B. Ahmedabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajesh Apit. Owner's Asson. Rajesh Apartment Autvedic Bhavan Road, Ashram Road, Ahmedabad,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-J 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahnasdabad-380 009, the 30th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3981 Acq.23/1/85-86,—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-mx Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property having a tair market value exceeding iss. 1,05,000, and bearing TPS No. 3, FP No. 759, SP No. 17 Land adm. 337 2/3 sq. mtrs. Bldg. G.F. & F.F. 350 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 6-4-1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affreen near coast of such apparent consideration and that the fifteen per coast of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. shover period oxpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: :-The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as siven in that

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any less

TPS 3 FP No. 759 SP No. 17 Land adm. 337 2/3 sq. mtrs. Bldg. G.F. & F.F. 350 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any nameys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for 'he purposes of the Indian Income tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax, Acquisition Range-I Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following namedy. persons, namely -

Date: 30-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSF, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1985

Ref No. P.R. No. 3949 Acq.23/II/86-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Pedhi No. 1408 at Bombay Market, Umarwada, Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the under-

signed on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy. Ltd. Umarwada, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Amit Corporation, 142. Dadar Gully, M.J. Market, Bombay-400 002.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 20-4-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—69—436 GI/85

Date: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Bombay Market Art Silk Co.op, Socy. Ltd. Umarwada, Surat.
 - (Transferor)

(2) M/s. Yogendra Traders, Naya Bazar, Gwalior-474 009.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AC**Q**UISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3950 Acq.23/11/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Pedhi No. 1208 at Bombay Market, Umarwada, Surat

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned "---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned on 20-4-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-12-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETCING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1985

P.R. No. 3951 Acq.23/11/85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 19617 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at Village Lajpor Tal. Choryasi S. No. 212, 213, 214 & 403 Block No. 280 and 436 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 4-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating hie concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ahmcdabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Fatama Ismail Marvia D/o Mohmad Suleman Vakharia Lajpor, Tal. Choryasi, Dist. Surat.

(Transferc

(2) Sachin Udyognagar Sahkari Mandali Ltd. 33/1, Plot No. 4, Behind Khatodara Jail, Surat-2.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd, at S.R. Surat vide No. 2921

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-I

Date: 6-12-1985

Dt. 4-5-1985.

(1) M/s. Shanti Builders, Ring Road, Surat.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Vishwa Jyoti Silk Mills, 7/4315-16 Suthar Falia, Galemandi, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th December 1985

P.R. No. 3952 Acq.23/II/85-86.-Whereas, I, K. PANDYA,

eing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|Office No. 637, Sixth Floor,
Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat
Form No. 37EE is submitted in the office of the
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
undersigned on 19-4-1985

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- .(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in April, 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-l Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-12-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMS TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Shanti Builders, Ajanta Shopping & Textile Areade, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Bodawala Textile, 4/1631-35, Chhidia Kui, Begampura, Surat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFF ICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

2ND FUOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3953 Acq.23 /11 / 85-86.—-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the 'ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No 636.

Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat Form No. 37FF, is submitted in the office of the

undersigned on 19-4-1985

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) for an apparent consideration which is less than the faut market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period \$\ins\$ 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in April, 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMLDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3954 Acq.23/II/85-86.-Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 632-A Sixth Floor.

Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, 3urat Form No. 37FE is submitted in the office of the undersigned on 19-4-1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; e∎d∕e⊤
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) M/s. Shanti Builders. Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road Surat.

(Transferor)

(2) Shri Manoobhai R. Patel, at 4/3548, Zampa Bazar,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in April, 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Natvarlal Ambalal Patel-Kam—Dhenu—Race Course—Baroda.

(Transferor)

(2) M/s. Ruby Developers-Sureshkumar Hargovind Soni— Samir-2—Jetalpur Road— Chikuvadi Corner,-Vadodara-5.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 9th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3955 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot I-A Shrinagar Socy, bearing R.S. No. 114, 118, 119 paiki
FP No. 484 of Jetalpur—Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Baroda on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein ar-as defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as give: in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and loc

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurmoses of the Indian Income-tax Act. 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed was regd, by S.R. Baroda on 4-5-1985 for A.C. Rs. 2,65,000/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
> Acquisition Range II, Ahmedabad

New, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferenaid property by the have of this notice under under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-12-1985

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 9th December 1985

Ref. No. P.R. 3956 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Ground Floor construction bearing R.S. No. 507-1/7—Sayaji Ganj R. C. Dutta Road-Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 24-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Maniben Manubhai Patel 78—Sampatrao Colony— Race Course—Baroda.

(Transferor)

(2) M/s. Gujarat Alkenics & Chemicals Ltd. 'Yash Kamal'—Sayaji Ganj—Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 24-5-1985 for A.C. Rs. 4,96,856/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
>
> Acquisition Range II, Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceduring for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowthe recreams, namely :---

Date: 9-12-1985

en le les la completa de les que entre la completa de la completa del la completa de la completa del la completa de la completa del la completa de la completa de la completa del la completa de la completa del la completa del la completa del la completa del la c FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 9th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3957 Acq 23/II/85-86.—Whereas, 1 G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Plot of Jand bearing S. No. 291 of the sim of Akota Baroda

adm, area of 963 sq. mtr.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Baroda on 31-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the results have not been really stated in the soid between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert azil /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mercons, remedy ;-

70-436 GI/85

(1) Shri Chhotabhai Kashibhai P.A. Holder Vijaybhai Chhotabhai Patel-

(Transferor)

(2) Shri Manharbhai Shanabhai Patel-At Khambholaj, Tal. Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 31-5-85 for A.C. Rs. 78,000/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II. Ahmedabad

Date: 9-12-1985

MIRM ITNS

 M/s. Shankarbhai Chhitabhai & Ors. Padara Dist. : Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ram Vijay Co.-op. Hsg. Socy.. Rajendra Jesangbhai Patel, Padara—Dist. : Baroda.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 10th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3958 Acq 23/II/85-86,—Whereas. I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Picce of land bearing R.S. No. 320, 321/1 of the sim of Padara—Dist.: Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 22-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Incilitating the reduction or evades of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquaition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Padara on 22-5-85 for A.C. Rs. 2,79,111/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (46 GF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 10th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3959 Acg. 23/II/85-86,---Whereas, 1 G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,63,600 - and beating No. Piece of land S. No. 1 part village Vithalpura—Tal. Halol Dist. Panchamahals

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Halol on 29-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforehaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 M/s. Subilkumar Thakorlal Sheth & Ors. Nandanvan Socy. Halol, Dist : Panchamahals.

(2) M/s. Bajaj Auto Ltd. Pune Road—Akurdi, Pune-411 035.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the suquestion of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gauctie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immov-nitie property, within 45 days from the date of size publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ed 1957);

A sale deed was regd. by S.R. Halol on 29-5-85 for A.C. Rs. 1,40,760/-.

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range II, Ahmedahad

Date : 10-12-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Now, increase, in pursuance of Section 2000 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely: --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Karsanbhai Ranchhobhai Patel-Power of Attorney-Ganesh Develand Patel At 4/2245 Dev Street—Begampura—Surat.

(Transferee)

(2) M/s. Vakharia Textile Market, Shri Ramanlal Maganlal Patel, 3/652, Kadawa Road, Navapura, Surat.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 17th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3960 Acq. 23/11/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Property at Majura T.P. No. 8 F.P. No. 137 paiki Block No. 7—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 16-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1928), or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein 🔤 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2114 May, 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 17th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3961 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, 1 G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 1.00 000 /s. and

property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and Land at village Vanz Tal. Choryasi Dist Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 4-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of themselves with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; undlor
- (b) facilitating the concentment of any income or any manages or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mohmad Ibrahim Nanla Bulbylia Power of Attorney—Shri Bipinchandra Sunderlal At village: Vanz Tal. Choryashi—Dist.: Surat. (Transferor)

 M/s. Sachin Udyog Sahkari Mandali Ltd. 33/1, Plot No. 4, Behind Khatodara Sub Jail, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd, at S.R. Surat vide No. 1698 Dt: 4-5-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons assumpty:—

Date: 17-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

MITTER TO THE RESERVE TO THE RESERVE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANCE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 17th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3962 Acq. 23/II/85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat at Ward No. 1-Nondh No. 1435, Flat No. 17-B Kadam-

pali Vistar, Nanpura, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Surat on 14-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or ovasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Arihant Corporation, 1, Ridhi—Siddhi Aptt. Ópp: Gujarat Mitra, Soni Falia, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ajarykumar Chandrakant Mehta, 303, Arihant Aptt.
Timaliavad—Nanpura—Surat.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a ported of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period against later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preporty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd, at S.R. Surat vide No. 2206 Dt: 14-5-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 17-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 17th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3963 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immi vable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing Property at Umara—S. No. 45 paiki Plot No. 3 paiki, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Surat on 30-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Shah Enterprise, Ambuca Sadan Popat Mohallo, Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Bank of Baroda, Regional Office, Saiyadpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Swat vide No. 4332 Dt : 30-5-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-12-1985

Scal:

FORM ITNS----- 187

(1) M/s. Madhusudan Dolatrai Desai & Ors. Sagarampura—Main Road—Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Jerambhai Padamshibhai Patel & Ors. Sita Aptt.—Nanpura -- Surat.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 17th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3964 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bunglow at Athwa Line—Jivan Vikash Co. op. Hsg. Socy. TPS. No. 5-11.P. No. 1440—Surat and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any imposes arbing from the transfert and/or

(b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHOOLE

The document is regd, at S.R. Surat-vide No. 3811-Dt: 3-5-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 17-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 17th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3965 Acq 23/II/85-86.—Whereas, J. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land at Village Dumas Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 30-5-1985

nor an apparent consideration which is less than the fah market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the angle Act to the following persons, namely:—
71—436 GI/85

 Shri Chandulal Narottambhai Govindhbhai Narottambhai at Post—Dumas—Tal. Choryasi, Dist; Surat.

(Transferor)

(2) M/s. V. K. Farming Co. Op. Kheti Samudayakk, Sahkari Mandali 1---Rooshina Aptt. Opp: Vijay Nagar, Majura Gate--Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1746 Dt: 30-5-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 17-12-1985

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 24th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3966 Acg. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Property at Umarwada TPS No. 8--F.P. No. 139 paiki Sub Plot No. 11—Ring Road-Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (36 of 1908) in the office of the registering officer at Suration 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay in nodes the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act 1957 (27 of 1957);

 Sh. Ishwarlal Vadilal Kajiwada Manharlal Vadilal Kajiwada Bugampura - Opp. Police Chawky--Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Ashokkumar Associated C. 22—Luthra Aptt.
Begampura—Nawabni Wadi, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 3938 Dt 9-5-85.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-12-1985

(1) Sh. Trikambhai Koyabhai At Motali Tal. Ankleshwar, Dist: Bharuch,

(Transferor)

(2) M/s. Narmada Land Development Pvt. Ltd. Pritam Nagar Socy. Broach.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM LIOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 24th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3967 Acq. 23/Π/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 - and bearing No.

Land at village Motali Tal. Ankleshwar S. No. 42/18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the offic. of the Registering at Ankleshwar on 6-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabuity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or to moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the ladian Income-tex Act, 1922 the transfer of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or ... period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Ankleshwar vide S.R. No. 1417 Dt.: 6-5-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authorny Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .

Date: 24-12-1985

 Sh. Maheshchandrasheri Manharlal Vakharia, Navapura Kadava—Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Vinaben Nagindas Chevali President of — Jayshree Gopal Krishna Co. op. Socy. At 105, Abbijat Aptt. Nanpura—Timaliavad—Surat. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUST, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 24th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3968 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Property at Umara S. No. 20/3A & 21/2B Plot D. paiki—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 10-5-1985

rol an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); The document was regd. at S.R. Surat vide No. 3657 Dt: 10-5-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-12-1985

(1) Sh. Rajendra Manharlal Vakharia Navapura—Karwa Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

,

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Vinaben Nagindas Chevali, 105, Abhijat Aptt. Nanpura, Timalia Vada, Surat.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 24th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3969 Acq. 23/11/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rev. 1.00,000 (4, and benning No.

Rs. 1.00.000/- and braing No.
S. No. 20/3/A and S. No. 21/2/B Plot D paiki Umara—
Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 10-5-1985

surar on 10-3-1983 than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for 80° a transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) factivitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 3953 Dt: 10-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thbe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA
Computent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range it, Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 24-12-1985

Scal:

(1) Chandulal Ambaram and Ors., Mahidharoura Giya Sheri, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mansukhlal Nathubhai Rana & Ors. Gale Mandi-Kadia Sheri,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedab. d-380009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3970/Acq.23 II/85-86.—Whereas, I,

Rel. No. P.R. No. 59/0/Acq.25 11/05-00.—whereas, 1, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,0007- and bearing Building at Surat Ward No. 5 Nondh No. 838 Giya Sheri—Mahidharpura—Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said projects may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was registered at S.R. Surat vide No. 4137 dated 20-5-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

Date: 24-12-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

●FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-390009

Ahmedabad-380009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3971/Acq.23/II/85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-Section 269B of movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. A.18 Sub Plot 6 & 7 at

Udhana Udyog Nagar-Udhana Distt : Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 22-5-1985

surat on 22-3-1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be reason the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Flaksicon Pvt. Director-Gunvantrai V. Bhatt, 105, Adarsh Society-Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) Urmilaben Champaklal Gayal, 10/220-Khapatia Chakala-Yamunabag. Surat.

('fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is registered at S.R. Surat vide No. 4193 dated 22-5-1985.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act. 1, he by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 24-12-1985

(1) M/s. Sharda Trading Co., Rameshchandra Babubhai Gajiwala & Ors., Nanpura—Daliya Sheri, Surat.

(Transferor)

NCTICE UNDER SECTION 2.59D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sadik Ismail Babuwala &Ors., Dhaval Giri Apartments-Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3972 Acg.23/II/85-86 —Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Plot No. 4 raiki—Udhana Dist. Surat
(and more fally described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) specilitating the reduction or evenion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ind for
- (b) facilitating the concealment of any income or any anoneys or other assets which have not been or which ought to be lineweed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is registered at S.R. Surat vide No. 3229 dated 29-5-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

low, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

ing persons, namely:--

Date: 24-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 26%D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AJIMFDABAD-380009

Ahmedabad-380009, th.: 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3973/Acq.23/II/85-86,—Whereas, I, G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Land at Village Durras Tal. Choryasi—Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 10-5-1985

Sing on apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said featurement

- (a) traditioning the reduction or eventure of the highlifty of the constant way for tax under the said Ast, in respect of any income arbeing from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any someys or other assets which have not been or which could to be Undown in the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waamb-tax Act, 1944 (1944) of 1957).

(1) Shamjibhai Dahyabhai, At Village Dumas, Dist. Surat.

(Transferor)

(2) V. K. Farming Co-operative Kheti Samudayik Sahkari Mandali Ltd., I. Rooshina Apartment, Opp. Vijaynagar- - Majura Gate, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the raid property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period carries steer
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter,

THE SCHEDULE

The document is registered at S.R. Surat vide No. 3977 dt.

G. K. PANDYA Competent Authority Impecting Assistant Commissioner of Income-tax mission Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby instants proceedings for the acquisition of the advanced property by the instant of this action under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following nersona namela -72-436 G: '85

Date: 24-12-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Kishanchandra Gyanchand, Surat Silk Tor Sadaliwala Market,

(Transferor)

(2) P.K. Niolons Kanchanlal Natwarlal, 4/3538-Zampa Bazar, Char Rasta,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3974/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop at Rombay Market Unperwade

Shop at Bombay Market-Umarwada,

Shop No. S-5-Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred uner the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 14-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(D) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is registered at S.R. Surat vide No. 4015 dt. 14-5-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 24-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3975/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. S.3 in Bombay Market—Umarwada—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Shop No. S.3 in Bombay Market—Umarwada—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 6-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kamaladevi Chhaganlal, Sakar Bazar—Opp. Patel Market, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Lapsiwala Yarn Traders, C/o Shri Sumanlal Natwarlal, Navsari Bazar, Chanllawad, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is registered at S.R. Surat vide 3862 dt. 6-5-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 24-12-1985

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3976/Acq.23/11/85-86.--Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building at Limada Chawk Ward No. 9, Nondh No. 1910,

Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 15-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the translessa to tay an union the said Acc. a respect of any machine priestly, hower the translet. andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Kalpana Agencies & Partners, Pravinchandra Thakordas & Ors, Timalivad—Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) Kishorchandra Thakordas & Ors, 12/223-Rani Talav-Dabhgarvad,

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The document is registered at S.R. Surat vide No. 4033 dated 15-5-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II **Ahmedabad**

Now, therefore, as pursuance of Section 269C of the saxt Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 24-12-1985

Scal;

(2) M/s. Dobilal Bhaidas Marfatia, Parle Point-Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ashokkumar Thakordas & Ors (Pertners), At Aiddhraj Apartments, Timalivad—Nanpur, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3977/Acq.23/II/85-86.---Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 1 3299 at Surat Textile Market,

Ring Road-Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 10-5-1985

for all apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which sught to be disclosed by the transferre for the surposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereto... in parameter of Society 2690 of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow

ing persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is registered at S.R. Surat vide No. 4327 dated 29-5-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 24-J2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3978/Acq.23/11/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and hearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Building at Gopipura Kot Parsi Mehta's Khancha Ward No.
8, Nondh No. 1801—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 7-5-1985

for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which englit to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Bai Parsanben Ramchandra Nanubhai
 Batukbhai alias—Kamalkant Anupram Upadyaya Gopipura—Kot Pari Mehta's Kancho, Surat

(Transferor)

(2) Arvindlal Thakorlal Jariwala & Ors., Kot Safil Main Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:—

THE SCHEDULE

The document is registered at S.R. Surat vide No. 3876 dt. 7-5-85.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 24-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3979/Acq.23/II/85-86.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at village Gravier 1al. Choryasi—S. No. 70—Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent off such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following resons namely the

 Muljibhai Ukabhai & Ors., At Village Magadalla, Tal. Choryasi, Dist. Surat.

(Transferor)

(2) Dhansukhlal Mohanlal Gajjar & Ors., 33, Gajjar Compound Falasavada, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is registered at S.R. Surat vide No. 3944 dt. 10-5-85.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 24-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3980/Acq.23/IJ/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Building at Lamda Chowk Ward No. 9
Nondh No. 1910—Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 15-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax ACC. 1957 (27 of 1957);

____ (1) Kalpana Agencies & Partners, Timaliawada—Nanpura. Surat

(Teansferor)

(2) Poonamehandra Bhagwandas & Ors., 12/223 - Rani Talav - Dabhgarwada, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The document is registered at S.R. Surat vide No. 4032 dt. 15-5-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, samely:-

Date: 24-12-1985

(1) Smt. Zarina Ramzanali, Lokhandwala & Ors, At Yuwan Apartments, 9th/7th Floor, Flat No. 92/74 at Mary Road, Bandara, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Badrudding E. Dhariwala & Ors., 37, Altamount Road—Tata Mansion, 1st Floor—Bombay-26.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3981/Acq.23/II/85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 120 at Don Udyog Sahkari Sangh Industrial Estate Piparia—Silvasa

And more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Silvasa on 21-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than them per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is registered at S.R. Silvasa vide No. 99 dt. 21-5-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :— 73—436 GI/85

Date: 24-12-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Kersi K. Daboo & Ors., Agiary Mohlooah, Malesar, Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. J. E. Limathwalla & Ors., B.18—Rustom Baug, Byculla, Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3982/Acq.23/II/85-86.--Whéreas, I, G, K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

1.00,000/- and bearing No.

Residential house at Lunsiqui
Navsari bearing Ward No. I house No. 75—C.S. No. 4681
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 11-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hersby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servcie of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No, 37EE was filed on 11-3-1985 in respect of sale of agreement dated 6-8-1984 for A.R. Rs. 2,00,000/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Ahmedabad

Date ; 24-12-1985

PORM ITNE

(1) Kamlaben Shantilal Shukla, Mehsana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Khodabhai Narsangbhai Patel, Mchsana.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-390009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3983/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece of land bearing S. No. 1990/136 of

Mchsana Kasaba

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration*Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mehsana on 14-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid; exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore able property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937))

A sale deed was registered by S.R. Mehsana on 14-5-1985 for Rs. 2,60.000/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-12-1985

(1) Gandhi Amrutlal Devchand, At Adia-Tal. Harij.

Patan.

(2) M?s. Nareshchandra Jayantilal, 83, Sardar Ganj, Market Yard,

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-390009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3984/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 83 of Sardar Ganj Market Yard—Patan bearing C.S. No. 828

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mehsana on 29-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was registered by S.R. Mehsana on 29-5-1985 for A.C. Rs. 1,21,500/-.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 24-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-390009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3985/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece of land on Mahadevnagar Chikhli Road, Bearing C.S. No. 3038 of Desara Bilimora

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Valsad on 24-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Vijyakumar Dolatrai and Sulochana Dolatray Desai, Mahadevnagar Chikhli Road, Bilimora.

(Transferor)

(2) Ratanben Sorab Bilimoria & Ors., Desara Road, Bilimora.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b.) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are dened ifin Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was registered by S.R. Valsad on 24-5-1985 for A.C. Rs. 3,86,883/-.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 24-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3986/Acq.23/II/85-86.whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land at Lalbag Road, Baroda bearing plot No. 114 TPS No. 18, R. S. o. 367 of Baroda kasaba, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed here o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) on 37EE Dt. 30-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property afforcesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said thistrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby in:tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Sugrabu Jeevabhai Gulamhusein, Gandhi Gate Road,

2. Dr. Fakruddin Taiyabali Padaria, 26, Habib Park, Clare Road, Byculla, Bombay.

(Transferor)

(2) Manoj Indravadan Oza & Ora., 703/A, Apte Aptt. Raopura, Pratap Road. Bareda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 37EE filed on 30-5-1985 for A. Cy. The. form Rs. 9,20,800/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 24-12-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1935

Ref. No. P.R. No. 3987 Acq. 23/II/\$5.86.....Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land adm. area of 10917 sq. mtr. bearing R. S. No. 291, 566, 567 of the village, Kabilporc Tal. Navsari (and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Navsari on 23-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fact market value of the aforesaid property and I have reason to betieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Narottambhai Dayalbhai Patel, P. A. Holder, Iagdishbhai Bhulabhai Patel, Navsari.

(Transfer**or)**

(2) Vimso Chemical Pvt. Ltd., Maharani Shantadevi Road, Navsari. Director:—Madhusudan Chimanlal Tapkhirwala, Mahavir Socy., Navsari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Navsari for A. C. Rs. 3,00,000/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 24-12-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

₩OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Anilkant Trikamlal Patwa, Nr. Milan Socy. Race Course, Baroda.

(Transferor)

(2) Indravadan Hiralal Chokshi, Mehta Pole Opp : Patwa Khadki, Baroda.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3988 Acq.23/II/85-86 --Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Piece of land adm area of 592 sq. mtr. Bearing S. No. 64

plot No. 9 of Jetalpur, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred under the Registrat'on Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Baroda on 16-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, If any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was registered by S. R. Baroda on 16-5-85 for A. C. Rs. 3,90,000/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 24-12-1985

FORM LTN.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3989 Acq.23/II/85-86.—
Whereas I, G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Shop No. E-7 Market Yard Bazar Samiti bearing S. No. 2004/33, S. No. 3/32/90, 3/32/91 and 3/32-91-A of sim of Mehsana

(and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Mehsana on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Chandrakant Chandulal Patel & Others Paheli Ole. Mehsana.

(Transferor)

(2) Jethalal Shivram Patel & Co., Laljibhai Shivramdas Patel & Ors., Mehsana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S. R. Mehsana on 6-5-85 for A.C. Rs. 90,000-.

> G, K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-74-43.6GI/85

Date: 26-12-1985

NOTIC: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3990 Acq.23/II/85-86.— Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 23 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Plot No. 39 of Ganga Park Socy., Race Course, Baroda bearing S. No. 18 C.S. No. 2038 of Jetalpur Baroda tand more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any messages or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Vasumati Mahendra Patel, 'Ganga Sadan'
 Athishek Colony, K. C. Circle, Baroda.

(Transferor)

(2) Amardeep Premises Pvt. Ltd., 4/43, Bombay Shopping Centre, R. C. Road, Alkapuri, Baroda,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understanted:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37EE was filed on 27-5-85 in respect of agreement of sale for A.C. Rs. 2,37,000/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-12-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3991 Acq.23/II/85-86.— Whereas I. G. K. PANDYA,

Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Land & Bidg. Opp: Chhani Jakat Naka bearing S. No. 78, Nizampura, Baroda (and more fully described in the schedula annexed hereig).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Baroda in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Baroda Electronics Ind. P. Ltd., Director, Shri Kanubhai Muljibhai Patel, Nizampura, Baroda.

(Transferor)

 Reckon Remedies, Prop : Subhashbai Ranchhodbhai Patel, . 17, Vishranti Park, Nizampura, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda during May, 1985 for A. C. Rs. 5,00,000/-.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 24-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1985

Ref No. P.R. No. 3992 Acq.23/II/85-86.— Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bldg. bearing S. No. 19-139 S. No. 3-1-32 at Pagigate, Mandvi Road, Baroda (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Jayantilal Chhotabhai Shah & Ors. Bajwada Nr. Kalyan Ramji Mandir, Baroda.

(Transferor)

(2) Kadarbhai Haji Abdulrehman. Madar Zampa, Hanuman Pole, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda on 10-5-85 for A. C. Rs. 3,50,000/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ushakant Shashikant Desai, Neeyapanci Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Prabhaben Rameshchandra Sharma, 16, Sevaknagar, Race Course Road, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-386 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3993 Acq. 23/II/85-86.— Whereas I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot of land at 16 Sevaknagar Socy, bearing S. No. 25 of

Jetalpur Baroda (and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred under the Reistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda on 23-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gezette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed was regd. by S. R. Baroda on 23-5-1985 for A. C. Rs. 1,91,835/-.

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 24-12-1985

aca :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Chandresh Natverlal Zaveri, Mahindra:oura Giya Sheri, Bombay.

(Transferor)

(2) Raycnand Dayalbhai Patel, Shree Shiv Sadan, Third Floor 522-A R. P. Masana Road, Matunga, Bombay-19.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3994 Acq.23/II/85-86—
Whereas I, G, K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
B Tika No. 15/3/A, Babajipura, Open plot of land admarea of 980 sq. mtr.
(and more fully described in the Schedule annexed here'o),
has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Baroda on 14-5-1985
for an apparent consideration which is less than the face

for an apparent consideration which is less than the fair matket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than htteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda on 14-5-85 for A. C. Rs. 4,00,000/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said act, to the following persons, namely :-

Date: 24-12-1985

FORM I.T.N.S. 187

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCCME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1985

Ref. No. P. R., No. 3995 Acq 23/II/85-86.—Whereas I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land & Bidg, at Sudamapur Socy, bearing C. D. 597 sit No. 42 R. S. No 1.7-3 of Majalpur, Bacin (and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred under the Registering Other at Record in May 1985. Baroda in May 1985

tor an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer vad Jor

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Indiraben Ramanbhai Patel, P. A. Holder Ishverbhai Vithalbhai Patel, I. A. Sudamapuri Socy. Majalpur, Baroca.

(Transferor)

(2) Madhukantaben Nagjibhai Patel, 9, Sudamapuri Socy, Majalpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda during May, 8" for A. C. Rs. 1,85,000/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 24-12-1985

(1) Rajnikant Chaturbhai Patel & Ors., Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Tana Construction Co. Ltd., 45, Gautam Nagar, Race Course, Baroda.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3996 Acq.23/II/85-86.-Whereas I, G. K. PANDYA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Haribhakta Colony, bearing R. S. No. 78, 79 & 80

Jetalpur, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barcda on 20-5-1985

Barcda on 20-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the capacidaration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

The form No. 37EE filed by the transferor on 20-5-85 in respect of A. C. Rs. 28,500/- as per agreement of sale dt: 15-5-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 24-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3997 Acq.23/II/85-86.-

Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- und bearing No.

Two Flats No. 49-A and 50A as Shrinagar Socy., Baroda (and more fully described in the Schedule annexed here o), has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in May, 1985 for an apparent consistration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Kantaben Jashbhai Amin, Baroda Builders, Manisha Aptt., R. C. Read, Baroda.

(Transferor)

(2) M/s. Indian Oil Corporation, 254-C, Ani Besent Road, Prabhadevi Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S. R. Baroda during May, 1985 for A. C. Rs. 7,90.000/-.

G, K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---75-436 GI/85

Date 24-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 2NF FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 J09

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1985

Ref. No. P. R. No. 3998/Acq. 23/11/85-86.— Whereas I, G. E. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Land & Bidg. at 30-B Sangam Co. op. Hsg. Socy. bearing R. S. No. 114, 112, 113 of Sawad, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda en 14-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the far market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Iudumeti Anthony, Sangam Socy., Haini Road. Baroda.

(Transferor)

(2) Shaileshkumar Natverlal Shah, 30-B, Sangam Socy., Haini Road, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda on 14-5-85 for A. C. Rs. 2,50,000/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date 24-12-1985 Seal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3999 Acq.23/II/85-86.—Whereas 1, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301 at Athawa, village Surat Plot No. 16 R. S. 7 C. T. S. No. 2i Form No. 37EE is submitted (and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred under the Registering Officer at Ahmedabad in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in the office of the undersigned on 4-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sushila Satishbhai Fayal, F. 2, Man Mindie Apit. Nangura, Timaliawad, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Laxmidevi Mancharlal Tayal, Plot No. 11, R. S. No. 7 C. T. S. No. 21, Flat No. 301, 3rd Floor, Athwa Village, Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 4-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s J. M. C. & Moghani Builders, Zaveri Bazar, Bombay.

(Transferor)

(2) Manish N. Mehta, Rander Road, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANCE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad-380 009, the 26th December 1985

Ref. No. P.R. No. 4000 Acq.23/II/85-86.— Whereas I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 221 In Diamond House, Station Road, Surat Form No. 37EE is submitted (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

section 269 AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at in the office of the undersigned in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely :-

Date: 2t 12-198

FORM 1.T.N.S.-

(1) M/s J.M.C. & Meghani Builders, 223/225, Zaveri Bazar, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rameshchandra Shivlal Pathak, Shakt Mansion, Navapura, Khadpith, Bhavnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1985

Ref. No. P.R. No. 4001/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 101 in Diamond House, Station Road, Surat and Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned

on 25-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 26-12-1985

FORM NO. 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1985

Ref. No. P.R. No. 4002/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Proposed Flat No. 2A-Ravi Chhaya Aptt., Athwa Lines, Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Ahmedabad signed in May, 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that; fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s Ravi Enterprise, Nanpura, Ist Floor Rajeshree Aptt., Surat. (Transferor)
- (2) Shri Ratanlal Janki Tiku, 5B-Monalisha Opp. T & T.V. High School, Nanpura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge-II, Ahmedabad

Date: 26-12-1985

FORM I.T.N.S.

(1) M/s Priya Darshani Co-op. Hsg. Socy., Bharuch. (Transferer)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

St. No. 11, House No. 7,
G.N.F.C. Township, Post Narmadanagar,
Bharuch.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1985

Ref. No. P.R. No. 4003/Acq. 23/11/85-86.--Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat on 2nd Floor of Priya Darshani Co-op. H. Society

Behind Pritan Nagar Socy. Bharuch
Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned and more fully described in the Schedule annexed hereto), ijhas been transferred and the agreement is registered under sec ion 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Ahmedabad

on 20-5-1985
tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Mrs. Ajitaben Babarai Rajiji,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 26-12-1985

Sear

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1985

Ref. No. P.R. No. 4004Acq. 23//II/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. J-502, 'J' Bldg. India Textile Market, Ring Road,

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 20-5-1985

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesuld property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment, of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

 Sanjeev Premises Co-op. Hag. Socy. Ltd., Nr. Kinnery Cinema, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Mr. Nareshkumar Sharaf, Bombay Yard, House No. 47-48, Nakhoda Street, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-12-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1985

Ref. No. P. R. No. 4005/Acq. 23/11/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. J. 701. India Textile Market, Ring Road, Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Ahmedabad on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair mirrect value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—
76—436 G1/85 Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said

(1) Sanjeev Premises Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Nr. Kinnery Cinema, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(1) Mr. Ramesh Kabara, 607, India Textile Market, Ring Road, Nr. Kinnery Cinema. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37FE is submitted in the office of the undersigned in May, 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1985

Ref. No. P.A. No. 4006/Acq. 23/11/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. J. 607, India Textile Market, Ring Road, Surat
Form No. 37FE is submitted
and more fully described in the Scheduled annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction on evasion of the Mahility of the transferor to be two under the said Act, in respect of the increme artises from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sanjeev Premises Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Sudbir Jain, 425-Hajoori Chamber, Zamba Bazar, Surat,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renge-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 26-12-1985

NOTICE UND9R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INIXA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 000, the 26th December 1985

Rei. No. P.R. No. 4007/Acq. 23/11/85-86.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the baid Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and bearing No.

rimmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 608, India Textile Market, Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

 Sanjeev Premises Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Rustagi Trading & Agencies Ltd., 425-Hajoori Chambers, Zampa Bazar, Surat.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of rectice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the aid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 371-E is submitted in the office of the undersigned in May, 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge-Il, Ahmedabad

Date: 26-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1985

Ref. No. P.R. No. 4008, Acq. 23/II/85-86,---Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000].

and bearing No. Land at Mogar S. No. 299 Tal. Anand District, Kaira (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Anand on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Thakor Shri Natvarsinhji Kesharisinhji,
 Thakor Shri Vijaysinhji Amarsinhji,
 At Mogar Tal. Anand Dist. Kaira.

(Transferor)

(2) National Co-op, Tobacco Goars Federation Ltd., Ltd., Narmadashankar D. Pandya, Chief Executive Marketing, Anand.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Anand vide No. 602 on 13-5-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-12-1985

PURM ITNS.

(1) Jalubhai Shivabhai Vaghari, Nr. Rohini Socy., Nadiad.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Rehit Rajnikant Brahambhatt, Nava Racpura. 2. Narendra Manibhai Patel,

Ak Nath Socy., Nadiad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 26th December 1985

Ref. No. P.R. No. 4009/Acq. 23/II/85 86.--Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

1,00,000/- and bearing

Land at Chaklasi Pati S. No. 1050/1-2-3-4 and S. No. 10512.

3-4, Nadiad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nadiad on 12-5-1985

for an apparent ionsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovilable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Nadiad vide No. 1111 Dt. 12-5-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Date: 26-12-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1985

Ref. No. P.R. No. 4010/Acq. 23/I1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 1 and bearing Bldg, at Wd. No. 9, Nondh No. 1642, Kelapith Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ors
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsecion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

G. C. Trivedi, S. C. Trivedi,

S. C. Trivedi. C. J. Trivedi

13-Varsha Socy., Palanpur Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Mahavir Organisors, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period e^{z} 45 days from the date of publication of this netical in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Charpter

THE SCHEDULE

The document is regd, at S. R. Surat vide No. 3885, 3886 and 3887 dated 13-5-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-12-1985 Seal:

FORM ITNS

(1) Mr. Chandan R. S.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. M. G. Thapa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR. $\Pi/37EE/19303/84-85$.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent admortly under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ard bearing No.

A-18, Rajkunj Co-op. Hsg. Soc Ltd., Wadvalli village Chem-

bur, Bombay-74

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the narries has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957): (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-18, Rajkunj Co-op Hsg. Soc. Ltd., Wadvalli village, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III /37EF /19303/84-85 on 1-5-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 2-12-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

FORM I.T.N.S.

(1) Miss P. C. Rao & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. V. D. Kamani & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

AR.III/37EE/19225/84-85.--Whereas, I, A PRASAD

being the Competent Authority under Section 249B of the moome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. L-8/10, Jalratan Deep Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred and the aggreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

L-18/10, Jalratan Deep Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/19225/84-85 on 1-5-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice wader subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-12-1985

FORM ITNS

(1) Smt. I. K. Wadhwa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Shri K. S. Pamnani.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 19th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19198/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Bldg. No. 13, Navjivan Society, Chembur, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

77-436 GI/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Bldg. No. 13, Navjivan Society, Chembur,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19198/84-85, on 1-5-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 19-11-1985

(1) Mohmed Hanif Jamal Kadiwal.

(Transferor)

(2) Hifzur Rehman Abdul Rahlm Patel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-IJJ, BOMBAY

Bombay, the 19th November 1985

Ref. No. AR-III/37FE/19722/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-ble property having a fair market value exceeding

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 204. Blows Nagar Unit No. 2 Co-op. Hsg. Soc., Opp. Sunder Nagar, S. V. Road, Goregnon (W), Bombay-62 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; intid/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any reconcers or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gasetta.

gixPlanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 204, Blawa Nagar Unit No. 2 Co-op. Hsg. Soc., opp. Sunder Nagar, S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19722/84-85 on 1-5-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 19-11-1985

FORM LT.N.S.

(1) Shri N. G. Mirchandani.

(Transferor)

(2) Miss Patricia Jakina Menezes.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 19th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19485/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Bldg. No. 8-B, Navjivan Society, Chembur, Bombay (and more fuilv described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid access the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the tensideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) capilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /of
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be usclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the asid Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Bldg. No. 8B, Navjivan Society, Chembur, Bombav.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III37EE/19485/84-85 on 1-5-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-11-1985

Soal:

(1) M/s Kukreja Construction Co.,

(Transferor)

OYICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. M. J. Abroal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 19th November 1985

Ref. No . AR-III/37EE/19203/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Flat No. 602, 6th floor, B wing, Tolaram Apartments, behind Wadhwali village, Chembur colony Bombay-74.

situated at Bombay
(and mor fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 602, 6th floor, B wing, Tolaram Apartments, behind Wadhwali village, Chembur colony,, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III_/37EE./19203/84-85 dated 1-5-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated :19-11-85.

Seal

(1) Smt. Fancydevi Ghevarchand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. R. Askani-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 19th November 1985

No. AR-III/37EE/19049/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable No. Flat No. 106, 1st floor, Pooja, Mahul Road, Chembur, Bombay-71.

situated at Bombay

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULB

Flat No. 106, 1st floor, Pooja, Mahul Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE./19049/84-85 dated 1-5-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by transferee for the purposes of the Indian Income-tox Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 19-11-85.

(1) Shrì A. B. Advani.

(Transferor)

(2) Shri H. J. Sayal & Oris.

(Transferea)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> **ACQUISITION RANGE-III BOMBAY**

Bonsleav the 19th November 1985

AR-III/37EE/19211/84-85-Whereas, I, AKHILESH PRASAD

AKHILESH PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. 9, Bldg. No. 6, Borla Co. op. Flag. Ltd., opp. Basat Cinema, Chembur, Bomabay-74.

situated at Bombay

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in registered under Section 269AB of the Income-tar Act, 1961 in the office of the Competen Authority at

Bombay on 1-5-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the —blication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fint No. 9, Bidg. No. 6, Boria co. op. hsg. soc. Ltd., opp. Basant Cinema Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE./19211/84-85 dated 1-5-85.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the folia wing persons, namely :--

Dated: 19-11-85.

(1) Shri A. A. Devalah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

() Shri S. S. Didwanis.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 11th November 1985.

No. AR-HII/37EE/19510/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No.

and bearing No.

No. Flat No. D-5, Bldg. No. 5, Basant Park co. op. hsg. Soc.
Ltd., R. C. Marg. Chembur, Bombay-71.

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transstred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-85.

for an apparent consideration which is less than the fair believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other mests which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wesleb-tax Adl, 1967 (37 of 1967)s

Objections, if any, so the acquisition of the said property stay be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-5, Basant park co. op. Hsg. Soc. Ltd., R. C.

Mark, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE-/19510/84-85 dated 1-5-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1II, Bombay

New, therefore, answance of Section 269C of the said het. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this "hetled" trader subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the fellowing persons, namely:—

Dated : 19-11-85. Seal :

FORM LINE

(1) Mr. M. S. Abrol.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. G. M. Shari.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 19th November 1985

No. AR-III/37EE/19199/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 4B/9, Nityanand Baug Co. op. Hsg. Soc. K, Chembur Colony, Bombay-74.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4B/9, Nityanand Co. op. Hsg. Soc., Chembur Colony, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE./19199/84-85 dated 1-5-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 19-11-85.

Soal:

(1) Mr. N. P. Aggarawal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (Mrs.) Mohini, D/O Shiv aldas Chawla. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IJI BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 19th November 1985

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

AR-III/37EE/19452/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sand Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 14, ground floor, Manish-Vijay Complex, Chembur, Bombay-74 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 61 in the Office of the

Section 269.AB of the income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-85.

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a agreed to between the parties has not been truly extend in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Shop No. 14, ground floor, Manish-Vijay Compled, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE./19452/84-85 dated 1-5-85.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act to the following persons, namely

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

AKHUESH PRASAD Competent Authority

Dated: 25-11-85. 78-436 GI/85 Seal:

(1) Maniben J. Patel.

(Transferor)

JOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) C. V. George & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 25th November 1985.

No. AR-III/37EE/19443/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land, Plot No. 58, CTS No. 1937, Sector D

Scheme No. III. Chembur, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: iiid/ec
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land, Plot No. 58, CTS. No. 1837, Sector D scheme No. III, Chembur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE./19443/84-85 dated 1-5-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 25-11-85

(1) M/s Tolaram & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madanlal M. Parmar.

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aferesaid persons within a period of

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metice on the respective persons,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay the 20th November 1985.

AR-III/37EE/19205/84-85.—Whereas, 1. AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. 301, 3rd fl. Shakti shopping Arcade, Agra Rd. Bhandup, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evacion of the Hability of the transrefer to pay tax and the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd fl. Shakti Shopping Arcade, Agra Rd. Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE./19205/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Dated: 20-11-85.

FORM I'INS-

(1) Shri Sanjeev Vansant Chipalkatti.

(Transferor)

(2) Shri P. R. Adhani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, htc 20th November 1985

No. AR-III/37EE/19673/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, New Nahur C. H. S. L. Nahure, Mulund,

Bombay-80,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Clarence

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as. are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, New Nahur C. H. S. Ltd. Nahur, Muland, Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19673/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Rombay

Date: 20-11-85

(1) M/1 Hiranandani Indl. Enterprises.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ashish Printers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

NETICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 20th November 1985

AR-III/37EE/19060/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD

eing the Competent Authority under Section 269B of the neome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to s the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding to Gala No. 206, 2nd fl. Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Lorg (W.) Republic.

Marg (W), Bombay, ituated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto) as been transferred and the agreement is registered under ection 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of he Competent Authority

it Bombay on 1-5-1985

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 216, 2nd fl. Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Marg (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE./19060/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Dated: 20-11-1985

- (1) M/s Hiranandani Indl. Enterprises.
- (Transferor)
- (2) M/s Belmont Collections.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 20th November 1985

No. AR-III/37EE/19479/84-85.—Whereas, I,

No. AR-III/37EE/19479/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Gala No. 205, 2nd fl. Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Marg Rombay

Marg, Bombay,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-5-1985

at Bottloay on 1-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immov-

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /or

THE SCHEDULE

Gala No. 205, 2nd fl. Hiranandani Indl. Estate, Kaniur Marg, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19479/84-85 dated 1-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 20-11-1985

(1) M/s Hirananduni Indl. Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Meacon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQIUSITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 20th November 1985

AR-III/37EE /19712/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 137. Ist fl. Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Marker (W). Berether.

Marge (W), Bombay. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: ment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 137, 1st fl. Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Marg (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE./19712/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 20-11-85.

FORM ITNS

(1) M/s Hiranandani Indl. Enterprises.

(Transferor)

(2) Shekhar M. Poojary.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the .20th November 1985.

No. AR-III/37EE/19168/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, being a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Gala No. 101, Hiranandani Indl, Estate, Kanjur Marg

Stn. Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 1-5-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Gala No. 101, Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Marg, Station, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19168/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 20-11-1985.

(1) Raja Builders.

(Transferor)

(2) Gold Star Electronics Pvt, Ltd.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE ENCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 20th November 1985.

No. AR-III/37EE/19169/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

hoing the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'acid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Un't No. 56 first fl. Raja Indl. Estate, Mulund (W),

Bombay-80.

situated at Bombuv

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Bombay on 1-5-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pairties has not been truly stated in the said instituted of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immervable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 56, first fl. Raja Indl. Estate, Mulund (W), Bombay-80

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE./19169/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-79-436 GI /85

Date: 20-11-1985 Seal:

FORM FINE-

(1) Mrs. P. A. Amin.

---(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gauriben P. Gahil.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOME-YAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 20th November 1985

No. AR-III/37EE/19201/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

seing the Competent Authority under Section 269B of the accome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horsinafter referred to a the 'said Act'), have reason to believe that the immersable property, having a fair market value exceeding ls. 1,00,000/- and bearing lo. Flai at 31/B, Harsha Niketan C. H. S. Ltd. R. P. Rd.

Mulund, Bombay

ituated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed herete), ias been transferred and the Agreement is registered ection 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Autthority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the somulderation for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the sall instrument transfer with the object of i-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be displaced by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 38 days from the service of notice on the respective persons, ever period empires later:
- (b) by any other posson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the unit Act shall have the same meaning as given un that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE

Flat No. 31/B, Harsha-Niketan C. H. S. Ltd. R. P. Road, Mulund (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE./19201/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Infpecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III,Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 20-11-1985

بالمرابعة والمتناز والمنازي والمنازي والمناز والمنازية والمناز والمناز والمناز والمناز والمناز والمناز والمناز والمناز

FORM ITEM

(1) Seth & Mehta Associates,(2) Vinod Harilal Desai.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 22nd November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19664/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Unit No. 73, 2nd floor Nahar & Seth Indl. Estate, Near Krishna Cinema, L.B.S. Marg, Bhandup (W), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tar Act, 61, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1/5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair nearket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sold dett, in respect of any income arising from the transfers and lor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-Car Act. 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SQUADURA

Unit No. 73, 2nd floor Nahar & Seth Indl. Estate, Near Krishna Cinema, L.B.S. Marg, Bhandup (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19664/84-85 dated 1/5/1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

New, therefore, is pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, marrely:—

Date: 22/11/1985

(1) Seth & Mehta Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Manghnani Export Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-Ш ВОМВАҮ

Bombay, the 21st November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19656/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 20, 2nd floor Nahar & Seth Indl. Estate Near Krishna Cinema L.B.S. Marg, Bhandup (W), Bombay-78, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Bombay on 1/5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair

at Bombay on 1/5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propesty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evagion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, his respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 13, 2nd floor Nahar & Seth Indl. Estate Near, Krishna Cinema L.B.S. Marg, Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19656/84-85 dated 1/5/1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-11-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 21st November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19662/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

and bearing No. Unit No. 14, 2nd floor Nahar & Seth Indl. Estate, Near

Arishna Cinema, LBS, Marg, Mulund, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

the Competent Authority
as Bombay on 1/5/1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of his liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuanc of Sction 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Seth & Mehta Associates.

(Transferor)

(2) M/s. Manghnani Export Pvt. Ltd.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov. able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 14, 2nd floor Nahar & Seth Indl. Estate, Near Krishna Cinema, LBS. Marg, Mulund, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19662/84-85 dated 1/5/1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Rombay

Date: 21-11-1985

Scal:

itien of the said property

FORM I'MS

(1) Seth & Mehta Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

(2) M/s. Manghnani Export Pvt. Ltd.

stations, if any, to the sequinities of the be made in whiting to the undersigned:-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CONVENES SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 21st November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19665/84-85.—Whereas, J. AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have recent to believe that the

immovable property, having a fair market value exceed Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 13, 2nd floor Nahar & Seth Indl. Estate Krishna Cinema L.B.S. Marg, Bhandup, Bombay (V Near (W), situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consilleration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the eferminid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the respice of matter on the respective persons, hever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immer-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION: -The terms and empressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SOUNDULE

Krishna Cinema L.B.S. Marg, Bhandup (W), Bombay-78.

Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19656/84-85 dated 1/5/1985.

Unit No. 13, 2nd floor Nahar & Seth Indl. Estate

The agreement has been registered by the

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ead/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

moneys or other assets which have not been or which engist to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Soction 269°C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 21-11-1985

(1) Seth & Mehta Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Manghnani Export Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned:---

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 21st November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19666/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 21, 2nd floor Nahar & Seth Indl. Estate Near
Krishna Cinema & Sangrila Biscuit Factor, L.B.S. Marg.

Bhandup (W), Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed herete),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tar Act, 61, in the Office of
the Competent Authority

at Bombay on 1/5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforceoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gaussie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pery-os, namely:--

THE SCHEDULE

Unit No. 21, 2nd floor, Nahar & Seth Indl. Estate Near Krishna Cinema & Sangrila Biscuit Factor, I.B.S. Marg. Bhandup (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19666/84-85 dated 1/5/1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 21-11-1985

FORM ITMS

(1) Seth & Mehta Associates.

(Transferor)

(2) M/s. Manghnani Export Pvt, Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 21st November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19660/84-85.--Whereas, I.

Ref. No. AR-III/37EE/19660/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 12, 2nd floor Nahar & Seth Indl. Estate Near Krishna Cinema L.B.S. Marg, Bhandup (W), Bombay-78. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1985

at sombay on 1/5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer he agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 4rt, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 12, 2nd floor Nahar & Seth Indl. Estate Near Krishna Cinema L.B.S. Marg, Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/19660/84-85 Authority, Bomb dated 1/5/1985.

> AKHALESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 21-11-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Indo Saigon Agency.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Suri Percy Minoo Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-JII BOMBAY

Bombay, the 21st November 1985

Ref. No. AR-III/37EE, 19447/84-85.—Whereas, I, AKHULESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 246 2nd floor Govind Indl. Estate D. P. Road,

Muland, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office section 269 AB of the Inco of the Competent Authority, at Bombay on 1/5/1985

ar Bombay on 1/5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tu-Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---80-436 GI / 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 246 2nd floor Govind Indl. Estate D. P. Road, Mulund, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19447/84-85 dated 1/5/1985.

AKHALESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisition Range-III Bombay

Date: 20-11-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 20th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19223/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 19, 4th floor Gokul Shyam C.H.S.L. Devidayal Rd. Mulund, Bombay-80.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any loconie arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1! of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the tollowing persons, namely:-

(1) Pratap Ranji Daga.

(Transferor)

(2) Ramesh F. Karania.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be much in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, 4th floor Gokul Shyam C.H.S.L. Devidayal Rd. Malund, Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19223/84-85 dated 1/5/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 20/11/1985

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Dr. R. K. Tainwala.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19114/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD.

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Shop No. 8, 5-4 Bldg., Plot No. 21-22, Village Chinchavli Sunder Nagar, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Metropolitan Developmental Corporation and

The Modern Construction Co. Ltd.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, 5-4 Bldg., Plot No. 21-22, Village Chinchayli Sunder Nagar, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomb dated 1/5/1985. Bombay under No. AR-III /37EE / 19114 /84-85

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 18-11-1985

(1) Jaya Shashikant Dhurva.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhanwarlal S. Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II; BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Tef. No. AR-III/37EE/19120/84-85.—Whereas, I, AI-IIII ESH PRASAD, being the Competent, Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000 /- and bearing
Rs. 1,00,000 /- and bearing
Plot No. 23, S. No. 26, Hissa No. 1, Part S. No. 26, Hissa
Do. 4(p) Village Valnai, Taluka Borivali, Malad (W),
Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under 12.16 250 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exaceds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 23, S. No. 26, Hissa No. 1, (P) S. No. 26, Hissa No. 4(p) Village Valnai, Taluka Borivali, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Comp. tent Active ity. Bombay under No. AR-III/37EF/19120/84-85 doi:10.175/1985.

AKIIILESII PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 18/11/1985

Scal :

ama sar in en el Legiono en el

FORM ITNS

(1) M 's. Manali Corporation.

(Transferor)

(2) Mrs. Maya Tejram Motwaney & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Rcf. No AR-JII/37EE/19117/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair merket value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. A-52, 5th floor Manali Bldg. No. 3, at plot No. 48, 49 & 50, Village Valnai, Malad (W), Bombay-64.

fond more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bon.bay on 1-5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of nansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and 'or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be reade in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-live days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-52, 5th floor Manali Bldg. No. 3, plot No. 48, 49 & 50, Village Valnai, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Component Streety, Bombay under No. AR-III/37EF 19117/84-85 dated 1 5/1985.

AKHU ESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 260D of the Said Act to the following persons. namely :--

Date: 18/11/1985

FORM ITNS

(1) M/s. Manali Corporation.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Zarna S. Sen.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 28th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/119167/84-85.--Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Secsion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Fla. No. B-22, 2nd floor Manali Bldg. No. 3, Plot No. 48
49 & 50, Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule amnexed hereto).

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income of any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fla No. B-22, 2nd floor Manali Bldg. No. 3, Plot No. 48 49 & 50, Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Computant Authority, Bombated 1/5/1985. Bombay under No. AR-III/37EE/19167/84-85

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Date: 28/11/1985.

(1) Smt. Madhukanta G. Mehta,

(Transferor)

(2) Hemlata D. Desai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19206/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

and bearing
Shop No.24, Maharaja Apartment, Ground Fl. S. V. Road,
Malad (W), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Bombay on 1/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and te expressions used herein as are defined in napter XXA of the sale. Act, shall the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No.24, Maharaja Apartment, Ground Fl. S. V. Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19206/84-85 dated 1/5/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-III Bombay

Date: 18/11/1985

FORM LT.N.S.

(1) Dhiraj Builders.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kanchan P. Choudhary & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19133/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reasen to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.09,000/- and bearing No. Shop No. 3, Ground Floor Buleskar Apartment, Nanabhai Bhuleskar Marg, Chincholi, Malad (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competer Authority at the Competen Authority at Bombay on 1/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in sespect of any income arising from the transfer; análor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Ecome-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground Floor Buleskar Apartment, Nanabhai Bhuleskar Marg, Chincholi, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37FE/19133 84-85 dated 1/5/1985.

AKHALESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuence of Section 269C of the said Act, I hereby intends proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Fate: 18/11/1985

FORM ITNS

(1) M/s. Baf Hira Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Rajgopal Nair.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE 19305/84-85.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 31, Bldg. No. 3. Ground Floor, Baf-Hira Nagar, Marve Road, Malad (W). Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa'd exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act. in respect of any income ariting from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the end Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 31, Bldg. No. 3, Ground Floor, Baf-Hira Nagar, Marve Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37FE/19305/84-85 dated 1/5/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition, Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--81---436 GI/85

Date: 18-11-1985

Senl ·

(1) M/s. Manali Corporation.

(Transferot)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kiran Murarilal Bharani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

No. AR-III/37FE/19118/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 54, Wing-B, 5th fl. Manali Bldg. No. 4, Plot Nos. 48, 49 and 50, at value; village, Malad (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under region 260AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-taz Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 54, B wing, 5th floor, Manali Bldg. No. 4, Plot Nos. 48, 49 & 50, Valnai village, Malad (W), Bombay-64

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19118/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 18-11-1985

(1) M/s. Baf Hira Builders.

(Transferor)

(2) L K, Upadhaya.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

No. AR-III/37EE/19306/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 16. Bldg. No. 1, Bag-Him

Nagar, Marve Road, Malad (W), Bombay.

tand more fully described in the schedule annexed has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent

Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, is any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 16, Bldg. No. 1, Baf-Hira Nagar, Marve Road Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19306/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 18-11-1985

(1) M/s. Manali Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master R. T. Motwaney.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

No. AR-III/37EE/19119/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-51. 5th floor, Manali Bldg. No. 3, Plot Nos. 48, 49 & 50, Valnai village, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent the Competent

Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A-51, 5th floor, Manali Bldg. No. 3, Plot Nos. 48, 49 & 50, Valani village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19119/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 18-11-1985

(1) M/s. Manali Corporation.

(Transferor)

(2) Mrs. S. I. Agarwal & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

No. AR-III/37EE/19070/84-85.—Whereas, I, AKHII ESII PRASAD, being the (empetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 19661 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1-lat No. 4-62, 6th floor, Manali Bldg. No. 3, Plot Nos. 48, 49 & 50, Valnai village, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesard property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than intended from the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(a) hacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. A-62, 6th floor, Manali Bldg. No. 3, Plot Nos. 48, 49, 50, Valnai village, Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19070: 84-85 dated 1-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Pombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the tellowing persons, namely:—

Dated: 18-11-1985

Seal;

FORM ITNS

- (1) M/s. Manali Corporation.
- (Transferor)
- (2) Mrs. J. D. Purohit & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

No. AR-III/37EE/19069/84-85.--Whereas, f, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing two. Flat No. B-64, 6th floor, Manali Bldg. No. 4, Plot Nos. 48, 49 & 50, Valani village, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tay Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunafe with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, he respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. (b) by any

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-64, 6th Boor, Manali Bldg, No. 4, Plot Nos. 48, 49 & 50, Valnar village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomay bunder No. AR-III/37EE/19069/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASA Competent Authority Inspecting Assistant Cimmissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 18-11-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Lt, I hereby initiats proceeding for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s, S. R. Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Lancelot D. Almedia,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Rombay, the 18th November 1985

No. AR-III/37EE/19171/84-85.—Whereas, J.

NO. AK-11/3/EE/33/1/1/04-03.—Winches, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and

RS. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 4, Plot 4, Audumber Road No. 3, Liberty Garden, Malnd (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a seets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Plot No. 4 'Audumber' Road No. 3, Liberty Garden Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37FE/19171/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, gamely -

Dated: 18-11-1985

(1) M/s. Manali Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Mrityunjay Rastogi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT *OMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION, RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

No. AR-III/37EE/19166/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/~ and bearing

Flat No A-33, 3rd fl. Manali Bldg. No. 3, at Plot No. 48, 49 & 50 Village Valnai, Malad (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-33, 3rd fl. Manali Bldg. No. 3, Plot No. 48, 49, and 50, Village Valuni, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III/37EE/19166/84-85 d tcd 1-5-1985

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 18-11-1985. Scal:

(1) M/s. Kermali Enterprise.

(Transferor)

(2) Jamate-E-Islami.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION, RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

No. AR-III/37EE/19571/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property, having a fair marke, value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 108, Rukaiya Palace

Somwar Bazar, Behind, Bombay Talkies Compound, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) racilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; vad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following eersons, namely :-82-436 G1/85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 108, Rukaiya Palace, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies Compound, Makad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19571/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 18-11-1985.

Scal:

(2) K. K. Kesavan.

(Transferoi)

(2) Devraj Krishnan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION, RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

No. AR-III/37EE/19105/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to 5 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and

Haji Bapu Road Malad (E), Bombay-97.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered total Section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair matter value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act. In rospect of may income at mag from the transfer, nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Bldg. H-1, Mahendra Nagar, Haji Bapu Rd. Maled (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19105/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursunce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

Dated: 18-11-1985.

Scal:

FURM TINS

- (1) Smt. Kumud N. Bhatkuly.
- (Transferor)
- (2) Sn. Lal Singh Uday Singh Rajput.

(Transferes)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVRENNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMILTAX

ACQUISITION, RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

No. AR-III/37EE/19275/84-85.—Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 1 Saket, Dadi Seth Road, & School Road corner, Malad (W),

Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und Section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aci, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Saket, Dadi Seth Road & School Road Corner, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19275/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistnt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 18-11-1985,

Stal :

(1) M/s. Deep Corporation.

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Miss Inacia Joana Menezes.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION, RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

No. AR-III/37FE/19301/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Flat under construction, Church View Apartment, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer artism
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclose? by the transferoe for the purposes of the Ind'n Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2" of 1557);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons wann a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inter_red in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat under construction Bldg. Church View Apartment, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19301/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 18-11-1985.

(1) Anita Enterprises,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. B. D. Kottol.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-III/37EE/19185/84-85.—Whereas, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Shop No. 9, in Vale Ram-III,
Off Linking Road, Mith Chowkie,
Marve Road, Malad (W), Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said itamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The torms and expressions used become are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/19185/84-85 Authority, dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 18-11-1985

Scal:

- and --allent verst alle alle alle alle alle alle (1) Metropolitan Development Corpn. & Ors. (Transferor)
- (2) Sh. Rajaram R. Masana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19113/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 602, S-4, Bldg. Plot No. 33 10Pt, Village Chichavli, Sunder Nagar, S. V. Road, Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, S-4 Bldg. Village Chinchavli, Sunder Nagar, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37FE/19113/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II!, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-11-1985

(1) Sh. Ramchandra P. Deshpande.

(Transferor)

(2) Sh. M. K. Patwa,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

No. AR-III/37EE/19156/84-85.--Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Ra. 1,00,009 /- and bearing Flat No. C/4, 1st fl. Vikas Premises CHSL 31, Rumchander Lane, Malad West, Bombay-64.

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AF of the Income-tax Act, 61 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C/4, 1st fl. Jai Vikas Premises CHSL 31, Ramchander Lane, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-411/37EE/19156/84-85 dated 1-5-1985.

AKHIJ ESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 18-11-1985

(1) M/s. Mantri Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Mr. Nathanial Bangera.

(Transferee)

INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19505/84-85.—Whereas, I, AKIIILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. B-6, first fl. Siddharatha Arartment. Pipe Line Road, Kurla.

Apartment, Pipe Line Road, Kurla, Bombay-70

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thun fifteen per cent of such apparent. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-6, First fl. Siddharatha Apartments, Plot bearing Pipe Line Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19505/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-12-1985

(1) M.s. Suyog Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. R. S. Thatte (H,U.F.).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37FE/19710/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 46, 1st floor, Suyog Indl. Estate, L.B.S. Road, Vikhoroli (W), Bombay-83 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

telieve that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Nat. 1957 (27 of 1957);

No., therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

O
83-436 GI/85

Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

laring takan 1895-ya ing takan ang kaban 1800 mang bilang takan 1995-ya ing kaban 1995 ang bilang bilang bilang

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 46, 1st floor, Suyog Indl. Estate, L.B.S. Road, Vikhoroli (W), Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE.19710/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 18-11-1985

(1) M/s. Sunil Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nivruti Sahkharam Shetye.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19092-A/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 4th floor Bldg. No. D-2, Plot No. 4, Radhagram Village, Kole Kalyan, Santacruz (E), Bombay-55. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th floor, Bldg. No. D, Radragram Village, Kole Kalyan, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37FF/19092-A/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subnection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-12-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Mr. K. Chunilal & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. K. G. Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19590/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

ARHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 203, B Wing, Vikram Apartments, New Manaklal Estate, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86, (and more fully described in high Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office

of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any someys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 203, B Wing Vikram Apartments, New Manaklal Estate, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19590/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 3-12-1985

FORM TINS

(1) Smt. Vassala R. Warrier.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raman Balakrishnan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 3rd December 1985

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

Ref. No. AR-III/37EE/19337/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 39, A-Bldg. Ciba Indl. Worker's C.H.S. Ltd. Ghatkopar (W), Bombay-86 and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Ghatkopar (W), Bombay-86 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bembay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

Flat No. 39-A Bldg. Ciba Indl. Worker's C.H.S. Ltd. Near Amrut Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19337/84-85 dated 1-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 3-12-1985

(1) M/s. Golden Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Immaculate Alphanso.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19380/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. A/12, 3rd Floor CTS No. 5637 Village Kole
Kalyan, Kalina, Bombay-78.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/12, 3rd Floor CTS No. 5637 Village Kole Kalyan, Kalina, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III/37EE/19380/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. **Semely:---

Date: 3-12-1985

- (1) Smt. Shoba V. Raikar.
- (Transferor)
- (2) Smt. Mercy Thomas.

may be made in writing to the undersigned ;-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19401/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 10, Bldg. No. 8, Arvind Nagar, Friendship CHSL. Kalina, Santacruz (E), Bombay-29, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the shiect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Bldg, No. 8, Arvind Nagar, Friendship CHSL. Kalina, Santacruz (E). Bombay-29.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19401/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely : -

Date: 3-12-1985

(1) Paresh & Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Malati Nihala Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19395/84-85.---Whereas, 1, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301, Jyoti Apartment, Sulsory colony, Shantacruz (E), Bombay-55.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Jyoti Apartment, Sulsory colony, Shantacruz (F), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III/37EE.19393/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 3-12-1985

(1) Shri Sunil Prabhakar Dhage.

(Transfero

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rauf Khan Amir Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19249/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 669B of being the Competent Authority under Section 669B of Income-tax Act, 1961 (43 o. 1961) (hereinatter referred to as the 'aid Act,' have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, 1st floor Bldg, Krishna Near Mathucadas Colony, Kalina, Santacruz (E). Bombay-98. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

the Competent Authority

at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer. end/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957))

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor Bldg. Krishna Near Mathucadas Colony, Kalina, Santacruz (E), Bombay-98.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19249/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bom'cay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:--

Date: 3-12-1985

(1) M/s. Sund Builders,

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Priya B. Anerao.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR-III /37EE / 19615 / 84-85.---Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tar Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to w the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 104, 1st floor Bidg. No. D-2, plot No. D of Radhagram Village. Kole Kalyan, Santaeruz (E), Bombay-55. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andler

1b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomp-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor Bldg, No. D-2, plot No. D of Radhagram Village, Kole Kalyan, Santacruz (E), Bombay-55. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19615/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act, I her by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1 of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

84-436 GI/85

Date: 3-12-1903

(1) M/s. Sunil Builders.

(Transferor)

(2) Smt. Mangala P. Raut.

(Transfero

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-111 BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No AR-III/37EF/19617/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Hat No. 407, 4th floor Bldg. No. D-2, plot No. D. Padhagram Village Kole Kalyan, Santaeruz, Bombay-55. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1'r of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Ghapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 407, 4th floor Bldg, No. D-2, plot No. D. Radhagram Village Kole Kalyan Santaeruz, Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III 37EF, 19617/84-85 dated 1-5-1985.

AKHLESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I have initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-12-1985

(1) M/s. Qureshi Enterprises.

(Transferor)

(2) Uma Padmanabhan.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19170/84-85.—Whereas, I, AKHILISII PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tal Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat No. 3, II Floor Akbar Apartments, Kalina, Bombay-29, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the income as Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, his respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, II Floor Akbar Apartments, Kalina, Bombay-29.

The agreement has been registered by the Competent Authority, 'Bombay under No. AR-III/37EE/19170/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge-III, Bombay.

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-12-1985

(1) Mrs Bharati Karunakar.

(Transfero)

(2) Mrs. Leonora Marry Machado.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-HI BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR-III/37HE, 19488/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the (mmovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. B/20, Rainbow View C.H.S. Ltd. Vakola, Santa-

cruz (E), Bombay-55.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B/20, Rainbow View C.H.S. Ltd. Vakola, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19488/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Dated: 3-12-1985

(1) Parul Enterprises,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Swaminathan Srinivasan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

No. AR-III/37EE/19052/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

Flat No. 1. 1st fl. in C-Wing, Bldg. No. 4, at "Damodar Park", 1.B.S. Marg. Ghatkopar (W), Bombay-86

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

Ter an apparent consideration which is less than the fair mar-

Ter an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be under in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, thall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 1st fl. C-Wing. Bldg. No. 4 "Damodar Park", L.B.S. Marg. Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19052/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-12-85

(1) Rajgolds Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Jiventish J. D'Souza. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

No. AR-III / 37EE / 19035 / 84-85.--Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 1. 4th floor, Krishna Bldg., plot No. 1866 to 1869AB, Kalina, Santaciuz (11), Bombay-55 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the foir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— th) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saids Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

Flat No. 1, 4th Il. Krishna Bldg Plot No 1866 to 1869AB Kalina, Vakola Village Rd., Santacruz (E), Bombay-55,

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. $\Delta R\text{-HI}/37EE/19035/84\text{-}85$ dated 1-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persona, Timedy :---

Date: 3-12-85

(1) Mrs. M. S. Gupte.

(Transferor)

(2) Mrs. S. R. Deshmukh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-UI, BOMBAY

Bom'oay, the 18th November 1985

No. AR-III / 37EE / 18986 | 84-85.++Whererens, L. AKHILESH PRASAD.

AKHILESH PRASAD. being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12. Bldg. No. 8, 3rd floor, CTS No. 5983, Arvind Nagar, Kalina, Santacruz (E). Bombay-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the

at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore haid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not transfer in the said inclument of transfer. parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the sald property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said isure able property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer. مرافقة

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 12, Bldg. No. 8, 3rd floor, CTS No. 5983, Arvind Nagat, Kalina Santacruz (E), Bombay-29.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18986/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 18-11-85

(1) Shri L. H. Nivamatullah.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

_ __

(2) Mr. S. Y. Kazi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIÓN RANGE-III, ВОМВЛУ

Bombay, the 18th December 1985

No. AR-III/37EE, 19084/84-85 --- Whereas, 1,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 403, 4th floor, Bldg. No. 11, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Section 269B of the Competent Authority Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objection, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Bldg. No. 11, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bot dated 1-5-1985. Bombay under No. AR-III /37EE 19084, 84-85

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III Bombay

Date: 18-11-85

Seul :

FORM TUNS.

(1) M. S. Joshi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. J. Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th December 1985

No. AR-JII/37EE/19179/84-85.—Whereas, I.

AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 4875, Bldg. No. 175, Suvarnarekha Co-op. Soc. Ltd., Pont Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-75 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly arreed in the said instruments. of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or ever of the transferor to pay tax under the said. Ast, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been evidence or other assets which have not been evidence or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons namely:— 85-436 GI/85

THE SCHEDULE

Block No. 4875, Bldg. No. 175, Suvarnrekha Co-op. Soc. Ltd., Pant Nagar, Ghatkopar, Bombay-75.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/19179/84-85 Authority, dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 18-11-85

(1) Mrs. P. G. Raji.

(Transferor)

[PART III--SEC. 1

(2) Mr. S. B. Choudhury.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

No. AR-III/37EE/19466/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
Block No. 1, Ashish Bldg., 38, Garodia Nagar, Ghatkopar
(E), Bombay-77 situated at Bombay
and more fully described in the schedule anuexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, > shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Block No. 1, Bldg. Ashish, 38, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR-III/37EE/19466/84-85 Authority, Bodated 1-5-1985.

> AKHILEŞH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 18-11-85

(1) Mrs, C. H. Dabral.

(Transferor)

(2) Mrs. G. K. Thangammal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Rcf. No. AR-III/37EE/19412/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flut No. 103, 1st floor, Shipa Bldg., Plot No. 40, Garodia

Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Ast, respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor, Shilpa Bldg. Plot No. 40, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR-III/37EE/19412/84-85 Authority, Bo dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said her, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to he following persons, namely :-

Date: 18-11-1985

(1) Shri K. N. Bhat,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. B. N. Dutia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Rcf. No. AR-III/37EE/19489/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 23, 31d floor, Usha, Plot No. 191, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; acid/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 3rd floor, Usha, Plot No. 191, Garodia Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-77

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19489/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Unto: 18-11-1985

(1) Deepak Builders Pvt, Ltd.

may be made in writing to the undersigned :--

- (Transferor)
- (2) Smt. H. A. Razak.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19079/84-85.--Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the said help in the classification of the control of the case of the said leg in market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 406, 4th floor, Bldg. No. 16, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the farmance value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration for that the consideration for such apparent consideration consideration for such apparent consideration for such apparent consideration for such apparent consideration for such apparent consideration consideration apparent consideration consideration apparent consideration apparent consideration consideration consideration consideration apparent consideration conside and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforcand persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406, 4th floor, Bldg. No. 16, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-111/37EE/19079/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Date: 18-11-1985

Soal:

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. S. M. Ur-Rashid.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19078/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

Jeong the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401, 4th floor, Bld. No. 6, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70 situated at Rombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 61 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and lot
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195? (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (k) of Section 269D of the said Act, to the following persons, warnely :----

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Bld. No. 6, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/19078/84-85 Authority, Boldated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 18-11-1985

(1) Parul Enterprise.

(2) Shri G. Ranganathan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19147/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 4, 1st floor, Wing, Bld. No. 4, Damodar Park,
L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any to the acquisition of the said property
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, C Wing, Bldg. No. 4, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19147/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ac to the following persons, namely :---

Date: 18-11-1985

(1) Aminabai T. Mithaiwalla. & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. V. S. Kenia,

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: ---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37FE/19188/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land, C.S. No. 229, and 229/1 & 2, 541-542 Subash Napar Galli, New Mill Road, Kurla, Bombay-70 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land, C.S. No. 229 & 229/1 & 2, 541-542 Subhash Nagar Galli, New Mill Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19188/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 18-11-1985

Seal:

Now, therefore, m pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. M. Builders.
- (Transferor)
- (2) M/s. Balesima Products.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19340/84-85.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD, being he Competent authority unider Setion 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shon No. 4 ground floor Sweeth Chambers, Pipe Road.

Shop No. 4, ground floor, Swastlk Chambers, Pipe Road, Kurla (W), Bombay-70 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the icome of this notice under subsection (1) of Section 26 27 of the said Act, to the following persons, namely .-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 86-436 GI /85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, ground floor, Road, Kurla (W), Bombay-70. Swastik Chambers, Pipe

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/19340/84-85 Authority, Bordated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Livering Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 18-11-1985

(1) M/s. M. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. P. Jagdale,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19341/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 15, ground floor, Swastik Chambers, Pipe Road, Kurla (W), Bombay-70

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the verties has not been truly stated in the said instrument of conster with the object of -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15, ground floor, Swastik Chambers, Pipe

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of may income arising from the transfer: and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of

The agreement has been registered by the Competent Bombay under No. AR-III/37EE/19341/84-85 Authority, Bordated 1-5-1985.

Road, Kurla (W), Bombay-70.

(b) facilitating the concealment of any income or any 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-11-1985

(1) Shri Meera Das Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. D. Amonkar & Ors.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19345/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Block No. 101, Rising Sun co.op. Soc., Parijai Bldg., ground floor, Kurla, Bombay-24 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act. in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 101, Rising Sun Co-op. Hsg., Parijai Bldg. ground floor, Kurla, Bombay-24.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19345/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Dato: 18-11-1985

(1) Parul Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri T. Thakumal & Ors.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19371/84-85.—Whereas, J.

Ref. No. AR-III/3/EE/19371/84-85.—Whereas, J. AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 7, ground floor, B Wing Bldg. No. 6, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86 situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, ground floor, B Wing, Bld. No. 6, Damodar Park L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19371/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of tht said Act, to the following porsons, namely :--

Date: 18-11-1985

PORM ITNS

(1) Mrs. Celine Rodrigues.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. M. U. Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19398/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. E/14, Vihar Darshan Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Vivek Apartment, Vidayanagari Marg, Bombay-98 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1987);

THE SCHEDULE

Flat No. E/14, ground floor, Kalina Vihar Darshan Co. op. Hsg. Soc. Ltd., Vivek Apartment, Vidyanagari Marg, Bombay-98.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/19398/84-85 Authority, Bordated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the mid Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-11-1985

(1) Shri V. G. Kulkarni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. R. A. Nulwala,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19459/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable oroperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-401, Kailash Parbhat Co.op. Hsg. Soc. Ltd., 173, Vidyanagari Marg, Kalina, Bombay-98

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be the property of t between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

1922

Flat No. A-401, Kallash Parbhat Co.op. Hsg. Soc. Ltd., 173. Vaidyanagri Marg, Kalina, Bombay-98.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bordated 1-5-1985. Bombay under No. AR-III/37EE/19459/84-85

> AKHILESH PRASAD Comperent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Scal:

Date: 18-11-1985

-(1) Mrs. R. P. Kaur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Juned A. K. Sheikh.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No AR-III/37EE/19288/84-85.--Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 106, 1st floor, Bld. No. 9, Kapadia Nagar, C.S.T.
Rd., Vidyanagar Marg, Kurla (W), Bombay-70
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent considerationand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been troly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION: -The terms and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, 1st floor, Bldg. No. 9, Kapadia Nagar, C.S.T. Road, Vidyanagri Marg. Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR-III/37EE/19288/84-85 Authority, Bondated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 2691 of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 18-11-1985

Seal .

- (1) Smt. G. H. Karia & Ors.
- (Transferor)

(2) Shri M. N. Vora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-JII/37EE/19310/84-85.-Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremarter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Fiat No. 9, 2nd floor, Shree Dhanlaxmi, 78, R. B. Mehta Marg, Ghatkopar (E), Bombay-77

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-ta Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :-

- (a) facilitating the redunction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 9, 2nd floor. Shree Dhanlaxmi, 78, R. B. Mehta Road, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bordated 1-5-1985. Bombay under No. AR-III/37EE/19310/84-85

> AKHILESH PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date : 18-11-1985

(1) Mr. R. L. Samtani.

(Transferor)

(2) M/s. Precision & Automation.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19470/84-85.-Whereas, I. AKHILFSH PRASAD.

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 4A. ground floor, Indl. Gala 'A' Block, L.B S. Marg. Ghatkopar (W), Bombay-86 situated at Rombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I'XPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in 178 peet of any income arising from the transfer; and for

(*) facilitating the concealment of my income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disch ed by the transferee for the purposes of the In an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the any Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 4A, ground floor, Indl. Gala 'A' Block, L.BS. Marg, Ghatkokpar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19470/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESII PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-11-1985

Scal :

87-436 GI/85

(1) M/s. Chandra & Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M s. Damodar Chakubhai & Company (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Bombay, the 18th November 1985

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

Ref. No. AR-III/37EE/19468 84-85,---Whereas, I. AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and bearing

Unit No. 2. ground floor, Shree Diamond Centre, Plot No. 13, L.B.S. Marg, Vihroli, Bombay-83. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 2, ground floor, Shree Diamond Centre, Plot No. 13, L.B.S. Marg, Vikhroli, Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III/37El: (19468/84-85 dated 1/5/1985.

AKHILFSH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follow. persons, namely ;--

Date: 18/11/1985

FORM I.T.N.S.

(1) Smt. Saberabai & Ors.

(Transferor)

(2) Mrs. Najma.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19319/84-85.—Whereas,I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Shop No. 7, ground floor, Eldg. No. B, Kailash Paibhat Co. op. Hsg., Soc. Ltd., Vidhya Nagar Marg, C.S.T. Road, Bombay-98

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority v

at Bombay on 1/5/1985 for an acquirent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) feeditating the conscience of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 7, ground floor, Bldg. No. B, Kailash Parbhat Co. op. Hsg., Soc. Ltd., Vidhya Nagar Marg, C.S.'T. Road, Bombay-98.

The agreement has been registered by the Competent Au hority. Bombay under No. AR-III/37EE/19319/84-85 dated 1/5/1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar,
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18/19 985

(1) M/s. Rao & Associates.

(Transferor)

(2) Smt. R. W. Arez.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-HI BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19159/84-85.--Whereas, f, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, 1st floor, C Wing. Gajanan Nivas. Vakola village Road, Santacruz (E). Bombay-55.

(and more fully described in the Schedule annered hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income wrising from the transfer rad/or
- (b) racilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 2. 1st floor, C Wing, Gajanan Nivas, Vakola village Road, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III/37EE/19159, 84-85 dated 1/5/1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the followpersons, namely :-

Date: 18/11/1985

FORM ITNS

(1) M/s. Neclam Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. J. B. Gia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-fil 37EE 19281/84-85.—Whereas, J. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and hearing Flat No. 401, 4th floor, C wing, Bldg. No. 2, Shanti Park, Garodia Nagar. Ghatkopar (E), Bombay-81. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regis ered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1985.

the Competent Authority at Bombay on 1/5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration. said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the put cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, C wing, Bldg. No. 2, Shanti Park, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bom dated 1/5/1985. Bombay under No. AR-III/37EE 19281/84-85

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 18/11/1985

(1) Parul Enterprise.

(Transferor)

(2) Shri S. G. S. Hussain.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-HI BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE, 19239 84-85,---Whereas, J. AKHILESH PRASAD,

being the Competern Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Hat No. 1, 1st floor, Bldg. No. 6, D wing, Damodar Park.

(W). Bombay-86.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfers and /or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA or the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Bldg. No. 6, D wing, Damodar Park, L. B. S. Marg, Gha(kopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE, 19239/84-85 dated 1/5/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III Bombay

Date: 18/11/1985

(1) National Drum & Tin Pactory.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 26°D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt, C. V. Solanki,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No AR-III/37EE/19724 84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000;- and bearing

Piece of land, S. No. 346, H. No. 15, C.T.S. No. 6998 to 3004, village Kole Kalyan. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesain property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Piece of land, S. No. 346, H. No. 15, C.T.S. No. 6998 to 3004, village Kole Kalyan

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 19724/84/85 dated 1/5/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- -

Date: 18/11/1985

HORM ITHS

(1) M/s. Star Builders. (2) Smt. S. M. Shaikh.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

HE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF THE INSPECTING

ACQUISITION RANGE-HI, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19074/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, ground floor, A wing, Plot Nos. 7/8, SA. Bina Aptt., Asalpha village, near Home Guard Pavilion, Netoli Palkar Road, Himalaya Co-op. Hsg. Soc., Ghatkopar (West).

Bombay-84

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifthen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pa ties has not been truly stated in the said instrument of transier with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undervigued-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Hat No. 4, ground floor, A wing, Plot No. 7/8, SA-Bina Aparment, Asalpha village, near Home Guard Pavilion, Netaji Palkar Road, Himalaya Co-op Hsg. Soc., Ghatkopar (West), Bombay-84.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EF/19074/84-85 on 1-5-1985

> AKHILESH PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

nersons, namely :---

Date: 18-11-1985

(1) M/s. Rao & Associates,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. M. S. Bidkar,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

No. AR-III/37EE/19157/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 6, 2nd floor, Gajanan Nives, Vakola Village Road, Santacruz (E), Bombay-55

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 6, 2nd floor, C wing, Gajanan Niwas, Vakola village Road, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19157/84-85

1-5-1985

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-88-436GI/85

Date: 18-11-1985

(1) M/s. Rao & Associates

(Transferer)

(2) Smt. V. A. Gonsalves

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

Bombay, the 18th November 1985

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Ref No. AR-III/37EE/19158/84-85.--Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 9, 3rd floor, C wing, Gajanan ...ivwas, Vakola village Road, Santacruz (F), Bombay-55. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 3rd floor, C wing, Gajanan Nivas, Vakola village Road, Santacruz (E), Bombay-55.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EF/19158/84-85 on 1-5-1985

> ANHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this Issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 18-11-1985

PART III-SEC. 11

the parties of the second FORM ITNS

(1) Mrs. L. M. Dedhia.

(Transferoi)

(2) Mrs. R. R. Doshi,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-IIJ/37EE/19508/84-85.—Whereas, I.

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Shop No. 9. Ghatkonar Luxmi Palace Co-op. Hsg. Soc. R. B.

Memta Marg, Ghatkapor (E), Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of ★he Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

in) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 9. Ghatkopar Laxmi Palace Co-op. Hsg. Soc., R. B. Mehta Marg, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19508/84-85 on 1-5-1985

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Rombay

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-11-1985

FORM LT.N.S.

(1) M/s. Ramesh Trading Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. N. Chowdhary & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37FE/19524/84-85.—Whereas, I.

AK-III/3/FE/19224/04-03.—winetens, 1.
AK-III/3/FE/19224/04-03.
AK-III/3/FE/19224/04-04.
AK-III/3/FE property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A/2, Kalina Vihar Darshan Co-op Hsg. Soc. Ltd., Vidyanagari P.O., Bombay-98

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the 1.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evenion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arbing from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A/2, Kalina Vihar Darshan Co-op, Hsg, Soc, Ltd., Vidyanagari P.O., Bombay-98.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19524/84-85 on 1-5-1985

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(I) of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 18-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

No. AR-III/37EE/19527/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

Unit No. 26, ground floor Flat No. 13, Hariali village, L. B. S. Marg, Vikhroli (W) Bombay-83, (and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfers med /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s, D/K. Builders & Associates.

(Transferor)

(2) M₂s. National Rubber Trading Corpn.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said imanovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 26, ground floor, Flat No. 13, Hiriali village, L. B. S. Margfi Vikhroli (W), Bombay-83.

The agreement has been registered by the Computent

Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19527/84-85 on 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-UI, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 18-11-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Mr. H. B. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. M. K. Ajit Singh.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19541/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, 6th floor, Bldg. No. 6A, Damodar Park, L. B. S.

Marg, Ghatkopar, Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ingthe Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. I, 6th floor, Bldg. 6A, Damodai Park, L. B. S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19541/84-85 on

1-5-1985

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely:-

Date: 18-11-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Surt 7. A Ghazali

(Transferor)

(2) Mr. M. E. Husaini (Rangoonwala) & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19557/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000.7-141 No. D-6, Shanti Niketan Arafat Co.op. Hsg. Soc. Ltd., C.S.T. Road, Kurla, Bombay-70, situated at Bombay-70.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any lacome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-6, Shanti Niketan Arafat Co.op. Hsg. Soc. Ltd., C.S.T. Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Sombay under No. AR-III/3EE/19557/84-85 Authority. So dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IJI Bombay

Da c: 18-11-1985

(1) Mr. Nizar Ali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. V, S. Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 18th November 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-III/37EE/19600/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No. Plot No. 133/134, Flat No. B-34, Bldg. B-1, Park Side, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86. Situated at Bombay (cord. more fully described in the Schudule approved hearts)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the gransfer: and/or

Plot No. 133/134, Flat No. B-34, Bldg. No. B-1, Park side, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86,

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/19600/84-85 Authority, Bordated 1-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any momens or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 18-11-1985

(1) Mrs. S. R. Bakshi.

(Transferor)

(2) Mr. V. M. Tanna.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19603/84-85.--Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 36, 2nd floor, Shantiniketan C Bldg., L.B.S.
Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BEFLAMATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 36, 2nd floor, Shantiniketan C Bldg., L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-JII/37EE/19603/84-85 Authority, Bondated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -- 89-436GI/85

Date: 18-11-1985

FORM ITNS

- (1) Shrl S. N. Ahmed.
- (Transferor)
- (2) Shri S. L. Koku & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No AR-IU/37EE/19638/84-85,—Whereas, I, AKHYLESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Ps 1 00,000/- and bearing
Flat No 1. ground floor, Kim Cotte
Parsiwadi, Ghatkopar (W), Bombay-84
situated at Bornbay Kim Cottage, C.T.S. No. 115,

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability if the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

is the way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expéres later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor, Kim Cottage, C.T.S. No. 115, Parsiwadi, Ghatkopar (W), Bombay-84.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR-III/37EE/19638/84-85 Authority, Bordated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 18-11-1985

(1) M/s, Suyog Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. P. A. Sejpal & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19709/84-85.--Whereas, I.

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Gala No. 55, 1st floor, Suyog Indl. Estate, L.B.S. Marg,
Vikhroli (W), Bombay-83

situated at Bombay

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to puy tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; BMG/OF
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Gala No. 55, 1st floor, Suyog Indl. Estate, L.B.S. Marg, Vikhroli (W), Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bordated 1-5-1985. Bombay under No. AR-III/37EE/19709/84-85

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-)!! Bomba.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-11-1985

Soul :

(1) Micheal Dias.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. L. Lobo & Ors.

(Transferoe)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19320/84-85.---Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 2682, Dias Chawl, Near Pipe Line, Santacruz (E), Bombay-55

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating th reduction or evasio nof the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; med /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any escopeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the pusposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of Official the publication of this notice in the Charles,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Astshall have the same meaning as given ha that Chapter.

THE SCHEDULE

3. No. 2682, Bias Chawl, Near Pipe Line, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bordated 1-5-1985. Bombay under No. AR-III/37EE/19320/84-85

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 18-11-1985

Mare I :

(1) Mr. A. C. M. Sudarshan.

(2) Mr. P. R. Mohta & Ore.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF IMPLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19338/84-85.--Whereas, I. AKHILESH PRASAD, ARTHLESH PRASAD, being the Competen: Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 11 2nd floor, Annubhav Dham Co.op. Hsg. Soc. Plot No. 99, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77 situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not neen truly stated in the said instrument of trapader with the object of :-

- (a) thellitating the reduction or evacion of the Hab of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, apd /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Aab. 1967 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 2nd floor, Anubhavdham Co.op. Hsg. Soc., Plot No. 99, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-JII/37EE/19338/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax Acquisition Range-III Bombay

Hew, therefore, in gurmance of Section 269C of the said Ast I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 18-11-1985

(1) M/s. M. Builders.

(2) P. M. Jagdale.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19339/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 3, ground floor, Swastik Chambers, Pipe Road, Kurle (W) Berkhay 70

Shop No. 3, ground fl Kurla (W), Bombay-70 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, ground floor, Swastik Chambers, Pipe Road, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19339/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority
Inspecting Austt. Commissioner of Incometax Acquisition Range-III Вольвач

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeszid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely :-

Date: 18-11-1985

Geal :

- (1) Deepak Builders Pvt, Ltd.
- (Transferor)
- (2) Smt. A. A. Sheikh & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19080/84-85.Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of me Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred w as the anid Act'), have reason to believe that the im-movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 301, 3rd floor, Bldg. No. 24, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ind/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-text Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :-

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Bldg. No. 24, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19080/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax Acquisition Range-III Bombay

Date: 18-11-1985

- (1) Deepak Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Smt. N. Charangan & Ors.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this socioe in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

whichever period expires later;

(Transferco)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19081/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 103, 1st floor, Bldg. No. 24, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70 situated at Bombay

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exterds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wassier with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 103, 1st floor, Kapadia Nagar, Bldg. No. 24, CST Road, Kurla (W), Bombay-70.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/19081/84-85 Authority, Bordated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proxectings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 18-11-1985

(1) Smt. A. Yunus & Ors.

(2) Mr. S. F. Rashid.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985 Ref. No. AR-III/37EE/19082/84-85. --Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing

Hat No. 302, 3rd floor, Bldg. No. 7, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bumbay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following reasons, namely:—
90—436GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, Bldg. No. 7, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19082/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESII PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of incometax
Acquisition Range-III
Bombay

''' : 18-11-1985

Soal :

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Deepak Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Abul Hasan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THB INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19083/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 112, 1st floor, Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exerds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 112, 1st floor, Bldg. No. 6. Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bornbay under No. AR-HI/37EE/19083/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Date: 18-11-1985

(1) K. M. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. J. P. Paleja.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19262/84-85,--Whereas, 1.

Ref. No. AR-III/37EE/19262/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing flat No. 9, 1st floor, Shiv Niwas, Plot No. 11, T.PS. III, Ghatkopar (E), Bombay-77, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), situated at Bombay

situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per control of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 9, 1st floor, Shiv Niwas, Plot No. 11, T.P.S. III, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ΔR -III /37EH, 19262/84-85 dated 1/5/1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

AKHII.ESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:-

Dale: 18/11/1985

(1) Mr. L. D. Sanghani.

(Transferor)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. M. C. Gohil & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No AR-III/37EE/19088-84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Shop No. 7, Vikram Apattment, CTS, No. 407 to 410, S. No. 46(pt) Ghatkopar, Village Kirolu, Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7. Vikram Apartment, CTS. No. 407 to 419, S. No. 46(pt) Ghatkopar, Village Kirolu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III 37EE 19088/84-85 dated 1/5/1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Daje: 18/11/1985

FORM TIMS

(1) Mr. V. M. Mandvia,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. V. B. Mehta & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19277,84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the said Act) have reasons to believe that the immovable property

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Block No. 5369, Bldg. No. 194-B, Sugam Bldg. Ghatkepar (E), Bombay-75, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Irecome-tax Act. 61 in the Office of the Computer. Authors:

the Competent Authority at Bombay on 1/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as agreeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given or that Counter

THE SCHEDULE

Block No. 5369, Bldg. No. 194-B, Sugam Bldg., Ghatkopar (F), Bombay-75.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III. 37EE/19277/84-85 dated 1/5/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Dale: 18/11/1985

(1) M/s. Neelam Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. J. Ramanathan.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Net. No. AR-II/37EE/19126/84-85.—Whereas. I. AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Fla. No. 501, 5th floor, C Wing, Bldg. No. 1, Shanti Park, Garedia Napar, Thatkopar (E), Bombay-81. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, C Wing, Bldg. No. 1. Shanti Park, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19126/84-85 dated 1/5/1985.

(b) facilitating the concealment of any income or age moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquainties of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18/11/1985

(1) M/s. Neclam Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. N. Ramanathan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, EOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19127/84-85.-Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-movable property, having a fair market value exceeding movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 502, 5th floor, C wing, Bldg. No. 1, Shanti park. Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-81, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument o

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor, C wing, Bldg. No. 1, Shanti park, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-III, 37EE/19127/84-85 dated 1/5/1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 18/11/1985

Seal

FORM LT.N.S. 187-

(1) Khanalkar & Desai Bldg. Dev. Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Shri K. B. Dalvi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19086/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3. A wing 2nd floor Abbitect Apartments.

Flat No. 3, A wing, 2nd floor, Abhijeet Apartments, near Vakola Bridge Police station, Santacruz (E), Bombay-55, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the horesaid property by the issue of this votice under sub-metion (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, A wing, 2nd floor, Abhijeet Apartments, ne. Vakola Bridge Police station, Santacruz (F). Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37FE/19086/84-85 dated 1/5/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 18/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mehta Associates

(Transferor)

(2) Mr. C, H. Malhotra & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III: 37EF/19238/84-85.-Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to au the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, 7th floor Eldg. No. 6D, Damodar Park, L.B.S.

Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the edict of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Hat No. 1, 7th floor, Bldg. No. 6D, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EF/19238/84-85 dated 1/5/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--91-436GI/85

Date : 18 '11/1985

(1) Mrs. R. P. Shah.

(Transferor)

(2) Mrs. K. V. Chheda & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 16th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19309/84-85.--Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 16, 3rd floor, Om Asha Niketan Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Jitendra Cross Road, Malad (W), Bombay-97, situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at at Bombay on 1/5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesain exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. .-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 16, 3rd floor, Om Asha Niketan Co.op. Hig. Soc. Ltd., Jitendra Cross Road, Malad (W), Bombay-97. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III 37EE/19309/84-85 dated 1/5/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dale: 18/11/1985

----FORM ITNS

(1) Mrs. G. N. Samnat & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Harikrishna Maganlal H.U.F. & Ors.

(Transferec)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 16th November 1985

Ref. No. AR-111/37EF 19478/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent A thority in der Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 38, ground floor, Mount View, C.T.S. No. 10B-1
in Government Sub Scheme No. II, Plot No. III, Trombay
North West of Mankhurd Division.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of

the Competent Authority for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respest of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-nex Act 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Carette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same neaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 38, ground floor, Mount View, C.F.S. No. 10B-1 in Government Sub Scheme No II, Plot No. III, Trombay North West of Mankhurd Division.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under No. AR-III 37EE/19478/84-85

Authority. Pombay under No. dated 1/5/1985.

AKHILISH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Berriey

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 16-11-1985

(1) Mrs. P. J. Irani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) D. N. Punjabi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 16th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19672/84-85.—Whereas, I, AKHILFSH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 72 '3A (part), C.T.S. No. 298 (Ot), Anik village,

Taluka Kurla, Vashi Naka, Chambur, Bombay-74. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AE of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to nelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 72 3A (part), C.T.S. No. 298 (Ot), Anik village, Taluka Kurla, Vashi Naka, Chambur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19672/84-85 dated 1/5/1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-11-1985

FORM ITNE

(1) M. s. B. K. Appa & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) UF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. H. Salian

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Ref. No. AR-III/37EE/19330/84-85.---Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 8, 3rd floor, Shree Durga Bhavan, Plot No. 19,
M. G. Road, Goregaon (W), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than cent of such apparent consideration fifteen per and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immeable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Flat No. 8, 3rd floor, Shree Durga Bhavan, Plot No. 19, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomb dated 1/5/1985. Bombay under No. AR-III/37EE/19330/84-85

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of I is notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Date: 12-12-1985

(1) M/s. Shri Ram Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. R. Khilnani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-III 37EE/19685/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 212. 2nd floor, Bhola Bhagwan Indl. Estate, 1.3.
Patel Road, Goregaon (E), Bombay-63.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1/5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) factilitating the cooncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 212, 2nd floor, Bhola Bhagwan Indl. Estate, I.B. Patel Road, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR-III/37EE 19685/84-85 dated 1/5/1985.

AKHILESH PRASAD Connectent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12/12/1985

PART III—SEC. 1)

FORM ITNS-

(1) Mrs. R. K. Sabharwal.

(Transferor)

4687

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. P. Dedhia & O18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-JI/37EF/19614/84-85.—Whereas, I, Ka AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269's of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 5 2nd floor. Meena Sadan 94-B. Govandi Road.

Flat No. 5, 2nd floor, Meena Sadan, 94-B, Govandi Road,

Chamber Bombay-71

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority

In the Competent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or anv moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following recommendamely :----

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ct 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd floor, Meena Sadan, 94-B, Govandi Road, Chembur, Bombay-71,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19614/84-85 lated 1/5 1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority hapecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 18/11/1985

FORM ITNS

(1) Mrs. P. C. Modi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. V. P. Gala & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19668/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and bearing
Rs. 1.00.000/- and bearing
Flat No. 9, 1st floor, Plot No. 179, Venkatesh Sadan, Station Avenue Road, Chembur Bombay-74
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the Iair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 1st floor, Venkatesh Sadan. Plot No. 179, Station Avenue Road, Chambur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III/37EF/19668/84-85 dated 1/5/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-12-1985

FORM THE

J. N. Dhupar.

(Transferor)

(2) M/s. Reliance Vapour Sealing Systems (P) Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985,

Ref. No. AR-III/37EE/19271/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

C-1, My Divine Co-op. Soc. Ltd., Aziz Baung, R. C. Marg, Chembur, Bombay-74

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacien of the Hability of the transferer to pay true under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-1, My Divine Co-op. Soc. Ltd., Aziz Baug, R. C. Marg, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19271/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILFSH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
92-436GI/85

Date: 12-12-1985

Scal;

(1) Mrs. M. Ananthakrishanan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Mr. P. V. Srinivas.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19688/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11, 1st floor, Vysakh Co-op. Hsg. Soc Ltd., 11th Road Chembur, Bombay

4690

Road, Chembur, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better the market by more than put heavy the market has a superstructured. ween the parties has not been ruly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 1st floor, Vysakh Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 11th Road, Chembur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/19688/84-85 Authority, Bordated 1-5-1985,

> AKHILESH PRASAD Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-12-85

(1) Mr. M. S. Nadar & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. B. Serai.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19190/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Blldg. No. 30/A. Navjivan Society, M. G. Road, Chembur Camp, Bombay-74

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (a) facilitating the concealment of any income or any muneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ed 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Bldg. No. 30/A, Navjivan Society, M. G. Road, Chembur Camp, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/19190/84-85 Authority, Bondated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 12-12-1985

(1) Mr. P. A. Shah.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Prerana Packaging Industries.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-III/37EE/19655/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 48-A, 1st floor, Virvani Indl. Estate, V

Estate. Western

Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Aet, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Gala No. 48-A, 1st floor, Virvani Indl. Estate, Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19655/84-85 Authority, Bondated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-12-1985

(1) M/s. J. D. & Company Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. M. Salian.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19376/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7, ground floor, C Bldg., Kumud Nagar, S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule appeared between)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 7, ground floor, C Bldg., Kumud Nagar, S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19376/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-12-1985

(1) Smt. R. M. Padav.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kum. S. S. Kulkarni.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-JII/37EF/19243/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 39-B, Sindhi Society, Chembur, Bombay-71

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and let
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 39-B, Sindhi Society, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IJI/37EE/19243/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-12-1985

(1) Mr. H. M. Majiabu & Ors.

(Transferor)

(2) K. K. Prasla.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19646/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 6, ground floor, Brijwasi Indl. Estate, I. B. Patel Road, Goregaon (E), Bombay-63

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-5-1985

of an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the anid instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (v) lacilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gasette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 6, ground floor, Brijwasi Indl. Estate, I. B. Patel Road, Goregaon (F), Bombay-63

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19646/84-85 on 1-5-1985

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-12-1985

(1) M/s Manali Corporation.

Objections, if any, to the aquisition of the said may be made in writing to the undersigned:—

(Transferor)

(2) Mr. Unnikrishnan Λ.

(Transferec)

property

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 19th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19429/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. B-41, 4th floor, Manali Bldg. No. 4, Plots Nos. 48, 49 &50, Valnai Village, Marve Road, Malad (West), Bombay-64

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-41, 4th floor, Manali Bldg. No. 4, Plots No. 48, 49 &50, Valnai Village, Marve Road, Malad (West), Bombay-64

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19429/84-85 on 1-5-1985.

AKHII.ESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

Date: 19-11-1985

(1) Bhogilal F. Sheth.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Harriai A. Doshi.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 19th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19448/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

ARHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 156. Gr. 11. Malad Shopping Centre, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully describe din the Schedule annexed hereto), have been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 156, Gr. Fl. Malad Shopping Centre, S. G. Road, Malad (W), Bombay-64

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under No. AR-III/37EE/19448/84 85 on 1-5-1985

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-93-436G1/85

Date: 19-11-1985

Scal .

FORM TINS

(1) M/s. Manali Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Capt. Felix Hugo Pais.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 19th November 1985

Ref. No. AR-III/37EF/19707/11-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Flat No. B-23, 2nd fl. Manali Bldg. No. 4, Valnai Village Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on J-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lincome arising from the transfer: sent/for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-23, 2nd fl. Manali Bldg, No 4, at plot Nos. 48, 49 & 50 Village Valnai, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19707/84-85 on 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-11-1935

(1) M/s Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandrasekhar B. Dube.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 19th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19403/84-85.—Whereas, I, AKHILL:SH PKASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1, Gr. Fl. Ajit Park-B, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Gr. Fl. Ajit Park-B, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/19403/84-85 on 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I mereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-11-1985

(1) Shri Lalji Devchand Dodhia.

(Transferor)

(2) Shri Uday Shankar Gelli.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 19th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19680/84-85.—Whereas, 1, AKHII FSH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 15-B, Nalanda Bldg. No. 2, Off Linking Road, Malad(W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(u) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION . - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15-B. 1st fl. Nalanda Bldg. No., Off Linking Rd., Malad(W), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19680/84-85 on 1-5-1985.

> AKHII ESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under when section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, manely :-

Date: 19-11-1985

(1) M/s. Shree Ram Sales Corporation.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Parasmal B. Soni.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 19th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19500/84-85.—Whereas, 1,

AKHILFSII PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/s and bearing Shop No. 25, Malad Shopping Centre, S. V. Roud, Malad (W)

Bombly-64 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 25, Malad Shopping Centre, S.V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19500/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date : 19-11-85

(1) Smt. Kumud N. Bhatuly.

(Transferor)

(2) Mr. Lalsingh Udaysingh Rajput,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 19th November 1985

Ref. No. AR. III/37EE/19237/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 1, Saket, Ground Fl. In. of Dadi Sheth Road School

Road Off S.V. Road, Malad (W), Bombay-64 situated at

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

Shop No. 1, Saket Ground Fl. Jn. of Dadi Seth Road Off S.V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR. III/37EE/19237/84-85 dated 1-5-1985.

we) facilitating the conceanment or any income or any moneys or other assets which have not been er which cought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-11-85

Soal:

PART III-Sec. 11

FORM ITNS

(1) Shri Sharangdhar K. Kulkarni,

(Transferor)

(2) M/s Pratik Construction Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF WOIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR. 111/37EE/19528/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

ARHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Land bearing City Survey No. 474 and 482 Hissa No. 1 & 4 Village Bhandup, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said mamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—I've terms and expressions used herein of are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing CTS No. 474 and 482, Hissa No. 1 and 4 Village Bhandup, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37EE/19528/84-85. dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombny

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 2-12-1985

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. S. M. HUF & Co.

(Transferor)

(2) M/... Bishon Engg. & Trdg. Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR. III/37EE/19417/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Indl. Unit No. 39, Ground H. Raja Indl. Estate, Mulund

(W), Bombay-80 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :-

- (x) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any exoneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 39, Ground Fl. Raja Indl. Estate, Mulund (West), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Pombay under No. AR. III/37EE/19417/84-85 dated 1 5-1985.

> AKHILESII PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2699D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-12-1985

FORM ITNS

(1) Mr. R. L. Narayan

(Transferor)

(2) Smt. Vimla Laxmikant Bhadra

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR. III/37EE/19234/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 10. Sastha C.H.S. Ltd. SV. Marg, Mulund (W), Remboy 80, situated at Romboy.

Bonibay-80, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said "instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, is respect of any income arising from the transfer; end /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Sastha C.H.S. Ltd. S.V. Marg, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37EE/19234/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Anthority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-12-1985

Seal:

94-436GI/85

(1) M/s. Vardhman Builders (India)

(Transferor)

(2) Smt. Rupaben S. Sejpal & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR. III/37EE/19115/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

In. of Dr. R.P. Road & M.G. Road, Mulund (W), Bombay-80

sinated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th fl. N-Bldg. Vardhman Nagar, 307(2) Jn. of Dr. R. P. Road and M. G. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37EE/19115/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

Date: 2-12-1985

470**7**

PART III--SEC. II

FORM ITNS

(1) Mr. S. Rajagopalan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. S. R. Bakshi

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF ENCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR. III/37EE/19107/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

and bearing
Glat No. 15, fourth fl. Gower B-Goardhan Nagar, Mulund
(W), Bombay-80 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transierred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) is cilitating the conceniment of any income or any

b) is cilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Flat No. 15, Goverddhan Nagar, fourth fl. Tower B-Near E.S.I.S. Hospital, Malund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, III/37EE/19107/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-10, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 2-12-1985

- (1) Smt. Viita Vasant Oak.
- (Transferor)
- (2) Shri Khimji Shamji & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/19628/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 22, Ground Fl. Arihant Bldg., Arihant CHS Ltd. Gonal Krishna Gokhale Road Muhund (E) Rombay-81

Gopal Krishna Gokhale Road Mulund (E), Bombay-81

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/orr
- (b) facilitating the concealment of any income or any ntoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 22, Arihant C.H S. I.td. Gopal Krishna Gokhale Road, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37EE/19628/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 2-12-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

(1) Shri Mukesh Jamnadas Narsen

(Transferor)

4709

(2) Shri G. D. Thakur & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR. III/37EE/19408/84-85.--Whereas, I, AKHILFSH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding R. 1,00,000/- and bearing Block No. 125/140, CTS No. 203, Village Mulund, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deemed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

THE SCHEDULE

Plock No. 125/140, CTS No. 203, Village Mulund, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37EE/19408/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-12-1985

(1) M/s. Pure Food Products

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 11400 N. H. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lal Şirumal Bhojwani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR. III/37EE/19176/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

boing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Gala No. 41, Navnandan Indl. Estate, Opp: Rallies Wolf
Compound, Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aferenced exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the firebillty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; wed ket

(b) facilitating the commonlyment of any become or any moneys er other meets which have not been er which ought to be distinced by the transferos for purposes of the Indian Inneger-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 200C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the soquisition of the atoresaid property by the lases of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the fellowing persons markely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days frees the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 41, Navnandan Indl. Estate, Opp. Rallies Wolf Compound, Mulund (W), Bombay-80,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37EF/19176/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 2-12-85

(1) Shri P. N. Kothari

(Transferor)

(2) M/s. Tetravallent Chemicals Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19315/84-85.—Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ps, 1,00,000/- and bearing fi

Results of the state of the sta

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 1-5-1985

Bombay on 1-5-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown No. 201, P. N. Kothari Estate, S. No. 200 (pt), CTS No. 280, Agra Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19315/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILFSH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-11-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Unique Builders

(Transferor)

(2) M/s. Sindhu Dies

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19321/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1 00 000/- and hearing

Rs. 1,00,000/- and bearing fi Unit No. 105, 2nd fl. Unique Indl. Estate, R.P. Road Mulund (W), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incense arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 105, 2nd fl. Unique Indl. Estate, S. No. 310, 311 & 317, R. P. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19321/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following regions, namely:—

Date: 25-11-1985

(1) Shri Devilal K. Rajjavat & Ors

(2) Sho Shantilal Valji Dagha.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 249D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-IM/37EE/19297/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (kereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and hearing No.

and bearing No.
Shop No. 5, Ground floor Bhanu Apartments Building No.
A-2, L.B.S. Marg. Mulund (W), Bombay-80.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Connectent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen net cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the still Ast, in respect of any income arising from the tran and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ian Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, Bhanu Apartment, Bldg... No. A-2, L.B.S. Marg, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19297/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant / Ammissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons inamely to---95-436GT/85

Date: 25-11-1985

-

FORM ITNS

- (1) Mrs. Chhaya Bhangwat Jawale & Ors.
- (Transferor) (2) Duropan Engineers (India) Pvt. Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. ROMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-HI/37EE/19555/84-85,—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Gala No. 50, Ground Floor, Nahar & Seth Industrial
Estate Near Krishna Talikes & Sangrilla Biscuit Factory
LBS Marg, Bhandup (W), Bombay-78.
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of between the transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 50, Ground Floor, Nahar & Seth Industrial Estate Near Krishna Talikes & Sangrilla Biscuit Factory LBS Marg, Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-111/37FE/19555/84-85 Authority, Bordated 1-5-1985,

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 202D of the said Act to the following persons. mamely :-

Date: 25-11-1985

(1) Shri Kishore Shantilal Shah,

- (Transferor)
- (2) Shri Chandulal Raishi Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMME SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-HI/37EE/19538/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102, Laxmi Sadan, Murar Road, Mulund (W), Bombay-80. situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand I have reason said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wesleb-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, Laxmi Sadan, Murar Road, Mulund (W). Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19538/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-11-1985

Soul .

FORM JTNS-

(1) Smt. Sarla K. Manek.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 249-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Subash Mavji Raichana & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19494/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 304, J.—Gldg. 3rd floor Dr. R. P. Road, Mulund (W) Rombay-80

(W) Bombay-80.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have rosson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitation the conceals any moneys or other easets wh which ought to be disclosed by the trathe purposes of the Indian Income-tax (11 of 1922) or the said Act or the Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be saide in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mamer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, J-Bldg. 3rd floor Dr. R. P. Road, Flot No. 387, CS No. 878, Mulund (W) Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37LE/19494/84-85 Competent Authority, Bordated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 25-11-1985

FORM ITNS-

(1) Smt. Devinder Kaur Arneja,

(Transferor)

(2) Smt. Lata Bansilal Vachhani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19497/84-85.--Whereas I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Shop No. 11-B. Jalaram Ashish B-Bldg. Devidayal Road, Mulund (W), Bombay-80.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is list than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds tht apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stattd in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11-B, Jalaram Ashish B-Bldg. Devidayal Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, om dated 1-5-1985, ombay under No. AR-II1/37EE/19497/84-85

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

ப_{ாச}் 25-11-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Tukaram Dhanji Kharje.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dada Saheb Bira Barge.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19308/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (harrinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. A-302, 3rd floor, Sanjay Apartments S. No. 7.

Hissa No. 1 (p) CTS No. 1004, Bhandup, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as appreciaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1908. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussia.

REPLANATION: —The terms and expressions used barein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-302, 3rd floor, Sanjay Apartments, S. No. 7. Hissa No. 1 (p) CTS No. 1004, Bhandup, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR-II/37EE/19308/84-85 Authority, Bordated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 25-11-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforceasid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:---

(1) Raja Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gold Star Electronics (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19522/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable income. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No. Unit No. 58, first floor, Raja Industrial Estate, Mulund (W)

Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said in the instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reductkion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preservy by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any ether person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 58, first floor, Raja Industrial Estate, Mulund (W) Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19522/84-85 Authority, Bordated 1-5-1985,

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Date: 25-11-1985

The Control of the Co FORM ITMS

(1) Shri Ramesh Jethalal Shah & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Hemlata Dayaram Anam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-U1/37E/E/19063/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to perhaps and Act), have reason to believe that the nemovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.90,000/- and bearing

Flat No. 14, 1st floor Hem Darshan, Dr. R. P. Cross Road, Plot No. 306-207, Mulund (W), Bombay-80, situated at Bombay

saturated at bombay (2003 acres fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by morthan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 1st floor Hem Darshan, Dr. R. P. Cross Road, Plot No. 306-307 C. S. No. 2508 (4) Mulund (W), Bombay-80.

> AKHILFSH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submeetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following plicens, namely :---

Date: 25-11-1985

(1) Hirgh indani Indl. Enterprises

(Transferor)

(2) M's. Belmont Collections.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE 19480/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'haid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No.
Gala No. 204, 2nd floor Hiranandani Industrial Estate,
Kanju: Marg (W), Bombay

situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under section 209AB or the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair to the value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid as seek the apparent consideration therefor by more than named one cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the soil instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of motion oil the suspective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 204 on 2nd floor Hiranandani Industrial Estate, Kanjur Marg (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent utterity Bembay under No. AR-III/37EE/19480/84-85 Authority dated 1-5-1985.

> AKHII ESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following menter to mely

96-436(71/85

Date: 25-11-1985

(1) Ms. Tibra Builders (Bombay) Ltd.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sterling Hosiery Works.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19645/84-85,---Whereas, I. ALHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing

Unit No. 153, Shanti Indl. Estate, S. N. Road, Mulund (W).

Bombay-80.

situated at Bombay

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any house triving from the transfers andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 153, Shanti Indl. Estate, S. N. Road, Mulund (W) Bombay-80.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 265 of the said Act, to the followme persons, namely :-

Date: 25-11-1985

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Iado Saigon Agency.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. John Alex Perera.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 25th November 1985

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-III/37EE/19530/84-85.—Whereas, I, AIGHILESE PRASAD, being the Competent Authority under Section

immiovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 236, 2nd floor Gobind Udyog Bhavan, Bal Rajesh-

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the

war Road, Opp. Model Town, Mulund (W), Bombay-80.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considregation fo isuch transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor o pay ax under the said Act, in respect of any acome arising from the transfer; ead/or

THE SCHEDULE

Unit No. 236, 2nd floor Gobind Udyog Bhavan, Bal Rajeshwar Road, Opp. Model Town, Mulund (W), Bombay-80.

(b) faciliatting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, it, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 25-11-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 200D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19598/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Ast'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 61, first floor Raja Indl. Estate, Mulund (E), Bombav

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evision of the Bability of the transferor to pay the unifer the sold Act, in any income arising from the transferorof
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in prisuence of Section 200-C of the mill Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Raja Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Dharmesh Industries.

('Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exelanation: - The terms and expressions used berin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning an circu in " Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 61, first floor Raja Indl. Estate. Mulund (E), B∩ nbay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19598/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-III, Bombay

Date: 25-11-1985

(1) Raja Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Gold Star Electronics (P) Ltd.

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-III BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

No. AR-III, 37EE, 19334/84-85.—Whereas, I,

AKHILLSH PRASAD,

ARTHEISH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 57, 10st il. Raja Indl. Estate, Mulund, West, Bombay-80.

west, Bolinday-80, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen user coat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION - I've terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given

in that Chapa...

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (110f 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Unit No. 57, first fl, Raja Indl. Estate, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19334, 84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-19X Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate provedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Dated 25-13-1985

(1) M/s Arshi Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Purshotam Ramchi Banushali,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

No. AR-III/37EE/19649/84-85.--Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/and bearing

No. Flat No. 4, 6th fl. Gautamdham Gamdevi Road,

Bhandup, (W), Bombay,

situated at Bombay

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the prevoity as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thus fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 6th fl. Gautam Dham, CTS No. 152. H. No. 5, CTS No. 188 and 188/1 to 28, Bhandup Village, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19649/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Infpecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 25-11-1985

FORM ITNS

(1) M/s Vardhman Builders (India).

(Transferor)

(2) Smt. Champaben Nagji Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 25th November 1985

No. AR-III/37EE/19670/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 201, 2nd fl. Vardhman Nagar 'F' Building, 307(2) Jn. of Dr. R. P. Road and M.G. Road, Mulund(W),

Bombay-80,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ditteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of yanafer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasing of the lightly of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transferor andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1923 (11 of 1922) or the said Ast or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd fl. Vardhman Nagar in 'F' Bldg., 307 (2) Junction of Dr. R. P. Road and M.G. Road, Mulund (W) Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombav under No. AR-III/37EE/19670/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Infpecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-11-1985

(1) Mr. Ranchhodbhai M. Vodhwana.

(Transferor)

(2) M18, P. M. Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, 2nd December 1985

Ref. No. AR.HI_/37EF/ AKHILESH PRASAD, /84-85.---Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the intrasvable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. No. Flat No. 3 Bldg. No. 1 Rakesh Smruti, Dr. R. P. Cross, Road, Mulund (W). Bombay-80.

situated at Bombay

(and mole fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideraton which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evacion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee; and/o
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax ACL 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Bldg. No. 1, Rakesh Smruti, Dr. R. P. Cross Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, combay under No. ARJII/37FE/19200/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-12-1985 Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Raksha Kaiuu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shei V. D. Jain & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 25th November 1985

AR-III/37EE/19426/84-85.—Whereas, I.

No. AR-III/3/EE/19426/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. D/11, 2nd fl. Ishwar Nagar C.H.S. Ltd. Bhandup (W), Bombay-78, situated at Rombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D/11, 2nd fl. Ishwar Nagar C.H.S. Ltd. Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19426/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 97-436 GI/85

Date: 25-11-1985

(1) M/s Ganesh Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Rekha Varma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-HI BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

No. AR-JII/37EE/19349/84-85.--Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 64, B-Wing 6th fl. Neelima Apartment, S.P.S. Marg, Bhandup, Bombay-78, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is ·less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 64, B-Wing 6th fl. Neelima Apartment, S.P.S. Marg, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EF/19349/84-85 dated 1-5-1985.

AKHII ESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely :--

Date: 25-11-1985

Scal 🚁

(1) M's Ganesh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Preettem Singh & Mrs. Aterkali Singh. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Rcf. No. AR-III/3 AKHILESH PRASAD, AR-III/371/E/19350/84-85.—Whereas. I,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 31-D-Wing 3rd floor, 'Neelima Apartment, S.P.S.

Marg, Bhandup, Bombay-78,

situated at Bombuy (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Oince of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the health of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Fealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 31, D-Wing 3rd fl. Neelima Apartment S.P.S. Marg, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19350/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 25-11-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s Ajay Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Satish Ganesh Kulkarni.

muy be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-UI/3 AKHILESH_PRASAD, AR-III/37EE/19374/84-85.--Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3. first fl. Rushab Milan Plot S. No. 74, CTS No. 564 Off No. With D. B. Berl Malant W.

CTS No. 563, Off 90' Wide D.P. Road Mulund (W), Bombay-81,

situated at Bombuy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptet.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, first fl. Rushabh Milan, Plot S. No. 74, CTS No. 564 Off. 90' wide D.P. Road, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19374/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 25-11-1985

FORM TINS-

(1) M, s Hightem F. Pvt. 1td.

(Transferor)

(2) M/s Maxima.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUN-SIGNER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bonibay, the 3rd December 1985

kef. No. AR-III 371 F 19051784-85,---Wirerciii, I, AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under section

269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'scod Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 11. Ci. El. Maghal Service Indl. Pstate, Devidayal Road, Mulund (W), Bombay-80,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Section 2 99AB of the Incomestax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Eombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 14, Ground Fl. Meghal Service Indl. Estate, Devidaval Road, Mulund (W), Bombay-80,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARJII/37EE/19051/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILLSH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 25-11-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Unique Builder.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Manohar Chhabria.

(Transferet)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

AR-III 37EF 19322/84-85.--Whereas, I, No. AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 111, 314-14. Unique Indl. Estate, S. No. 310,

311 & 317, R.P. Road, Mulund (W), Bombay-80.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

formary on 1-1-1900 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the raid property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 111, 3rd H. Unique Indl. Estate, S. No. 310, 311 & 317 R.P. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-JII/37EE/19322/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-11-1985

(1) Rose Builders and Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. B. Mody.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 16th December 1985

Ref. No. AR-III, 3 AKHILESH_PRASAD, AR-III, 37FE/19256/84-85.--Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000. - and bearing

Flat No. 2, Shot Land Apartment, Lourden Colony, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombuy

(and more fully described in the Schedule annexed herete),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Boribay on 1-5-1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which the transferee for the Indian Incometax Act. 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 2, Shot-Land Apartments, Lourden Colony Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III, 37EE/19256/84-85 dated 1-5-1985.

AKHII ESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 16-12-1985

(1) Shri Jaswantmal Bhandari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vincent Rasquinha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 19th November 1985

No. AR-III/37EE/19011/84-85.—Whereas, I, AKHILFSH PRASAD,

ARHILFSH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 506-A, 5th fl. Kaustubha Nagar.

Ramchandra Lane Extn. Malad (West), Rombay-64,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922). or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

riow, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be unde in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 506-A, 5th fl. Ramchandra Lane Extn. Malad (W), 'Kaustubha Nagar, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III, 37EII-/19011/84-85 dated 1-5-1985.

AKIIILESH PRASAD Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 25-11-1985

erentitalen urburalari eri burab<mark>aren e</mark>ta (h. 1700 tiber eta erentiaren erentiaren eta eta eta eta eta eta eta e FORM ITNS

(1) M/s. Ajay Budders And Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) J. P. Jethmalani,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGLAIL BOMBAY

Bombay, the 15th December 1985

Ref. No. AR-III-37FE-19327/84-85.—
Whereas I, AKHILI-SH PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 - and bearing
Flat No. 8 2nd floor, Plot No. 8, Nadiaslwala Colony,
Malad (W), Bombay-64, situated at Bombay
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority in
Bombay on 1-5-1-985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd floor, Plot No. 8, Nadiadwara Colony,

Maind (W), Bombay-64.

The agreement has been resistered by the Competent Bembay under No AR-III/37bE/19327/84-85 Authority, dated 1-5-1985.

> AKHILI'SH PRASAD Competent Anthority
> Interesting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in sursuspee of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following morgana numely; --

Date : 16-12-1985

- (1) M/s. Manali Corporation.
- (Transferor)
- (2) Mr. Michael A. Pinto & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 19th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19428/84-85.--Whereas I, PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-33, 3rd Fl. Manafi Bidg. No. 4, Village Valuai, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competens Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/w
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- period (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. hall have the same meaning as given in that Charter

THE SCHEDULE

Flat No. B-33, 3rd Fl. Manali Bldg. No. 4, Plot Nos. 48, 49 & 50 of Valrai Village, Malad (W). Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competen uthority, Bombay under No. ARJII 37EE, 19428/84-85 Authority, Bo dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroretaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following o rsons, namely :--

Date: 19-11-1985

the state of the s

FORM ITNS

(1) Mr. N. D. Lakhani & Ors.

(Transferor)

(2) Master Romy K. Pargan Dhillon.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAIN AND LISTED 148 OF 1981,

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-HI, 37EE/19103/84-85.-Whereas I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a flar market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. B-57, 7th fl. Najanda, II, Village Valnai, Off Marve Rd. Malad (W), Bombay-64

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of soch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :may be made in writing to the undersigned :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid personns within a period of 45 days from the daye of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by anny other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-75. 7th il. Bldg. Nalanda-II, Plot Nos. 32 & 33, village Valnai, Off Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Born'ar under No. AR-III/37EE/19103/84-85 Authority, Bodated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 18-11-1985

(1) Shri Tarasingh G. Bharma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A B. Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37FE/19192/84-85.--AKHILESH PRASAD,

Whereas I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aaid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat No. 11, on 3rd fl. Surdet Nagat, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been tampsferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority of Whereas I,

of the Competent Authority of Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of the said in the said instrument of the said in the sai instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Walth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir 'hat Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, R-7, S. V. Rd. Sunder Nagar, 3rd fl. Near Chincholi, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombuy unde. No. AR-III/37Eb/19192/84-85 Authority, Bodated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority
> Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 18-11-1985

FORM JTNS-

(1) Mr. Sureshchandta C. Sharma.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGISHI BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III 37EL 19351/81-85-Whereas I. AR-IIILESH PRASAD,
being the Competen Authority under Section
269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter
referred to as the 'soid Act.) have resson to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00.000/- and bearing
Flat No. 704, 7th ft. "Atlante" D-Wing, Murve Rd. Malad
(West), Bombay-64, situated at Bombay

follo described in the Schedule appeared hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been teanderned and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bembay on 1-5-1985

for an apparent constitutation which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been on which ought to be disclose by the transferee for the purposes of the India: Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings from the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person magnetic:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 704 7th fl. "Atlanta" D-Wing, Marve Rd. Malad (West), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EF/19361/64-85 dated 1-5-1985.

AKHII F.SH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 18-11-1985

(1) Smt. Hiragauri Chuadal Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. R. M. Mehta & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION KANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. Ak-III/37EE/19274/84-85.-

Whereas 1, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having to fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. C'2. Shalimar Apartment Co-op, Hsg. Sct. Ltd., Malad Marve Rd. Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C. 2. Shalimar Apartment C. H. S. Ltd. Molad, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay unnder No. AR-III/37EE/19274/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILUSH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nation under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ing persons, namely :-

Date: 18-11-1985

(1) M/e. karmalı Enterprise.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mrs. Hasinabi Abdul Latif.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-HI/37EE/19572/8-35.—Whereas I. AK-HILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Shop No. 7, Rukaiya Palace, Sanwar Bazar, Behind Bombay Taikies, Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a seets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7.: Rukaiya Palace Sanwar Bazar, Behind Bembay Talkins, Malad (W), bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19572/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Date: 18-11-1985

Scal

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Ambalal D. Patel.

(Transferor)

(2) Shri Mafatlal D. Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 19th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19032/84-85.-Whereas I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R3, 1.00,000/- and bearing No. Shop No. 2. Kothari Terrace, Subash Lane, Daftary Road, Malad (F), Bombay-97 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

und/or

Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(z, facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Kothari ferrace Subash Lane, Daftary Rd, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/19032,84-85 Authority, Bondated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dato :19-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. B Biyani,

(Transferor)

(2) M/s. Nav Jyoti Developers.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF ENCOME-TAX

ACQUISITIO NRANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19602/84-85.-

Whereas I, AKHILESH RAPSAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 158, Bangur Nagar, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by those than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a seriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 158, Bangur Nagar, M. G. Road, Goregaon(W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19602/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
99—436G185

Date: 12-12-1985

PORM ITNS

(1) Sunkersett & Pitale.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1341 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sheetal Enterprise

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITIO NRANGE-III BOMRAY

Bombay, the 18th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19191/84-85.-Whereas I, AKHILESH RAPSAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 4, Mehta Ind. Estate, D. P. Road, Mahad (W),

Boinbay-64

Boinbay-64
Rs. 1.00.600/- and bearing No.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreemen is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Unice of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Coupter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-taw Act, 195) (27 of 1967);

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Opp. Mehla Indl. Estate, "Espec" Apartment Ground Fl. D. P. Rd. Malad West, Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37EE/19191/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 18-12-1985

Soal:

(1) M/s, Vijay Corporation.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 17th December 1985

AR.1II/37EE/19273/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop No. 1, ground floor Vijaya Apartment, Jn. of School Road, & Dadi Sheth Road, Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s. Metro Enterprise. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offical Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1. ground floor Vijaya Apartment, Jn. of School Road, & Dadi Sheth Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III '37EF/19273/84-85 dated 1-5-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 17-12-1985

(1) Mrs. Harshaben M. Vora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. H. Zaveri & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Hombay, the 17th December 1985

Ref. AR-III/37EE/19415/84-85 --- Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have resson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 2/11, Ground floor, Fanny Hill C.H.S.L., Malad

(E), Bombay-91, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2/11, Ground floor, Fanny Hill C.H.S.L., Malad (W), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/19415/84-85 dated 1-5-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 17-12-1985

Soal :

(1) Smt. S. R. Gupta

(Transferor)

(2) Smt. Javalaxmi H. Gandhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

FORM ITNS-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 17th December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/19611/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 3, Gr. floor, 'A' Wing, Dhiraj Apartment, Poddar Road Malad (E), Bombay-97.

situated at Bombay
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated is the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Gr. floor, 'A' Wing, Dhiraj Apartment, Poldar Road Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/19611/84-85 dated 1-5-1985

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 17-12-1985.

(1) Nahar Builders (India).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Priyanshu Poly Clinic.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 17th December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/19652/84-85.-Whereas, f, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, 1st Floor A. Neelgiri Apt, and open marking

space S. V. Road, Malad, Bombay

situated at Boinbay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor A-Ncelgiri Apartment and one open parking space at S. V. Road, Malad Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/19652/84-85 dated 1-5-1985

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiale proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 17-12-1985.

FORM IT'NS.

(1) Shri Kantilal B. Shrimankar.

(Transfer

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jayshree V. Gohil.

(Transfer

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 17th December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/19525/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000) and hearing No.

Unit No. 110, first floor Malad Sonal Heavy Indl. Premises C.H.S. 13d. Ranchandra Lane Ext. Malad Bombay-64. (and more 14lly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-5-1985

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties but not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, so the asquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period.
 38 days from the survice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 110, first floor Malad Sonal Heavy Indl. Premises C.H.S. Ltd. Ramchandra Lane Ext. Malad Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/19525/84-85 dated 1-5-1985

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tow
Acquisition Range-Ill, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated: 17-12-1985.

Scal t

(1) M/s. Lubin Enterprises

(Transferor)

TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Maxcy D'Silva.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 17th December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/19146/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing '. Flat No. B/6 on 2nd floor land bearing CTS No. 201 Tank Road, Orlem, Bombay-64. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Computer Authority. the Competent Authority

at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a transfer as a transfer as the period to between the parties have not been transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B/6 on 2nd floor land bearing CTS No. 201 Tank Road, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/19146/84-85 dated 1-5-1985

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 17-12-1985.

(1) Smt. Chandrika H. Bharkhada.

(Transferor)

(2) Shri Kirtikumar Jaysinh Jesrani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 17th December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/19458/84-85.--Whereas, L. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Flat No. 16, IInd Floor Vrindavan C.H.S. Ltd. Dr. Gambers Estate compound S. V. Road, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, IInd Floor Vrindavan C.H.S. Ltd. Dr. Gambers Estate compound S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13458/84-85 dated 1-5-1985

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-100-436GI/85

Dated: 17-12-19##

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 17th December 1985

Ref. No. AR.III/371.E/19414/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 6, Gr Hoor "Chandru Puri" CTS No. 447, Kedurmal Road Malad (W), Bombay.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. Zaveri & Sons.

(Transferor)

(2) Smt. Hansa Ramesh Chandra Zaveri.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Gr. Floor "Chandru Puri" CTS No. 447, Kedurmal Road Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/19414/84-85 dated 1-5-1985

A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 17-12-1985.

(1) Nahar Builders (India)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Prop Dr. Asha B. Khatri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

Bombay, the 17th December 1985

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37EE/19653/84-85.—Whereas, J, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) Thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding 10. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 101, 1st floor and one open parking space in Neelgiri Apartment, S. V. Road, Malad Bombay-64. has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority. the Competent Authority

at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor and one open parking space in Neelgiri Apartment, S. V. Road, Malad Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/19653/84-85 dated 1-5-1985

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ask, to the following persons, namely :-

Dated: 17-12-1985

FORM LT.N.S.

(1) Shri Sharad L Khandwala.

(Transferor)

(2) Shrì Navinchandra Z. Mehta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 17th December 1985

Ref. No. AR-HI/37EE/19272/84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the imposes Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunalter retarred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs, 1,00,000 and bearing
Flat No. 506, 5th floor The Swing Marve Road Opp. Raj
Mahal Bldg., Malad (W), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair meaniet value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (w) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1932 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wesith-tax Ast,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPRANATION:—The terms and expressions used become are defined in Chapter XXA of the st Act, shall have the same meaning as giv in Chapter

THE SCHEDULE

(b) facilitating the conconiment of any income or any 1957 (27 of 1967):

Flat No. 506, 5th floor The Swing Marve Road Opp. Raj Mahal Bldg., Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority,, Bombay under No. AR-III/37EE/19272/84-85 Authority, Bo

> A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-Ul, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 17-12-1985

(1) Nick & Faisal Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kersi J. Tavadia & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 17th December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/19635/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Flat No. A.11/A-2, Gr. floor Nalanda Usha Colony, CHSL.
Ramchandra Ext Lane, Malad (W), Bombay 54.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. A.11/A-2, Gr. floor Nalanda Usha Colony, CHSL. Ramchandra Ext Lane, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authoritl, Bondated 1-5-1985 Bombay under No. AR.III/37EE/19635/84-85

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 17-12-1985

(1) Jagdish prasad P. Kedia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Variety Plastics.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 17th December 1985

Ref. No. ARJII/37EE/19633/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Gala No. 8, 1st fl. Malad Shopping Centre, S.V. Road, Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority of

at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer; nod/or

Office Gaia No. 8, 1st Floor Malad Shopping Centre, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/19633/84-85 dated 1-5-1985

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 17-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

J. P. Kedia as a Trustee of M/s Bhagirath Prasad Kedai Family Trust.

(2) Smt, L. K. Patel.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 17th December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/19632/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rg 1.00.000/- and hearing

Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 7. 1st fl. Malad shopping Centre, S.V. Road, Malad (W), Rombay-64

Malad (W), Rombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transforred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property are forced available to property are

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 7, 1st fl. Malad Shopping Centre, S.V. Road, Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/19632/84-450 dated 1-5-1985.

A, PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 17-12-1985

(1) M/s. Span Builders.

(Transferor)

(2) Sh. Sandip Bakul Seth.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19404/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 8, 1st il. Sublaxmi Shopping Centre, Corner of Podar Road, Quarry Road, Malad (E), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule appeared here'o)

(and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 8, 1st fl. Subblaxmi Shoppinng Centre, Corner of Podar Road, Quarry Road, Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19404/84-85 dated 1-5-1985.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dato: 18-12-1985

Soe);

(1) Chandravijay Builders.

(Transferor)

(2) Sh. Rasiklal Chandulal Mehta & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 17th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19651/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-annd bearing No. Flat No. B-601, 6th fl. Sheetal Chhaya Bldg. CTS No. 652 77. S.V. Road, Malad West,

Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) lucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: endlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--101---436GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. B-601, 6th fl. Shtetal Chhaya, Building CTS No. 652, 77, S.V. Road, Malad Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/19651/84-85 Authority, Bodated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 17-12-1985

(1) M/s. Variety Plastics.

(Transferor)

(2) Shri Haribhai D. Patel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 17th December 1985

Ref. No. AR. III/37EE/19631/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Gala No. 8, 1st fl. Malad Shopping Centre, S.V. Road, Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

THE SCHEDULE

Gala No. 8, 1st fl. Malad Shopping Centre, S.V. Road, Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/19631/84-85 dated 1-5-1985.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 17-12-1985

FORM ITNS

(1) Shree Ram Constructions Pvt. Ltd.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Keeneth Mckinley & Mrs.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 17th December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/19727/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the income. movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 22, Gr. Fl. Shriram Towers, Tank Lanne,

Near Orlem Church, Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has bee transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) familitating the reduction or evasion of the liable of the transferor to pay tax under the said Ast, respect of any income arising from the transf rad/et
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslin-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 22, Gr. Fl. at Shriram Towers, Tank Lane, Near Orlem Church, Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR. III/37EE/19727/84-85 dated 1-5-1985.

> A. PRASAD Competent Authority
> Laspeeting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 17-12-1985

(1) M/s. S. R. Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. John Baptist D'Souza & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th December 1985

Ref. No. ARJII/37EE/19402/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. bearing No. Shop No. 3, plot No. 4, 'Audumber' Road No. 3, Liberty

Garden, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Eax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, plot No. 4, 'Audumber' Road No. 3, Liberty Garden, Malad West, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III/37EE/19402/84-85 Authority, Bo dated 1-5-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 18-12-1985

FORM LT.N.S.

(1) Smt. K. T. Motwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. M. K. Patel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 16th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19669/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. I,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, 1st floor, Devkivlla Co.op, Hsg. Soc., Goras wadi, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 n the Office of

for an apparent consideration which is less than the fair aparket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be displaced by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of the nation under entreed (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, Devki-Villa co.op Hsg. Soc. Goras wadi, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19669/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 16-12-1985,

Scal

(1) Mr. T. R. Ahmed.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

(2) Mrs. L. P. Gosar,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMB-TAX, ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 16th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19714/84-85.-Whereas, I,

AKHILESH PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 7, 1st floor, A wing.

Ashoka Apartment, Bachani Nagar
Road, Malad (E), Bombay-97.

(and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered section 269AB of the Income-tax Act, 1961 n the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to balieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fisteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) inclimiting the reduction or ever of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfers nad/ar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1997)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, ? hereby initiate proceedings for the negulation of the aforesaid property by the issue of this notice under embsection (1) of Section 249D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor, A wing, Ashoka Apartment, Bachant Nagar Road, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19714/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 16-12-1985.

Scal:

(1) Mr. M. K. Deliwala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. A. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 16th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19213/84-85,—Whereas, I, AKHILESH PRASAD

AKHILESH PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having bear fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 1, 1st floor, Shivam Apartments, Malad (W), Bombay-64

Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 n the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of a

(a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 1, 1st floor, Shivam Apartment, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/19213/84-85 Authority, Bondated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following resource namely :—

Dated: 16-12-1985.

(1) Mr. G. P. Parikh.

(Transferor)

(2) Mr. P. J. Parikh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 16th December 1985

Ref. No. AR.III/37FE/19012/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 74, Siddhi Apartment Co-op. Hsg.

Soc. Shakti Nagar, Adarsh

Dugdhalaya Compound, Malad (W),

Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as a are defined in Chapter XXA of said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

74 Siddhi Apartment co.op. Ssg. Soc., Shakti Nagar, Adarsh Dugdhala Compound, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/19012/84-85 Authority, Bodated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometex Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 16-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Daryanani (Indo Saigon) Construction P. Ltd. (Transferor)

(2) Mr. J. M. F. B. P. Braganza & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 16th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19344/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

reing the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'said Act', have reason to believe that the immovable roperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-ind bearing

ind bearing
Flat No. 201, 2nd floor, Pisces,
Divya Park, Malavani, off Marve

Road, Malad (W), Bombay-95.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985.

[Or an apparent consideration which is less than the fair

the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as Moresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such aransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1. of 1922) or the said Act, or the Wenth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Pisces, Divya Park, Malavani, off Marve Road, Malad (W), Bombay-95.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19344/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

102 -436 GI/85

Dated: 16-12-1985

Geal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1986

No. F.13/4/85-EI(B)

New Delhi, the 1st February 1986

A competitive examination for recruitment to the Indian Forest Service will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWAL, ALLAHABBAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHAII), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, POR'I BLAIR, RAIPUR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TIRUPATI, TRIVANDRUM, UDAIPUR and VISHAKHAPATNAM commencing on the 27th July, 1986 in accordance with the Rules published by the Ministry of Environment and Forests (Department of Environment, Forests & Wild Life) in the Gazette of India dated the 1st February, 1986.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I, Para 11).

- 2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination is 175 (Includes 26 vacancies reserved for Scheduled Castes and 13 vacancies reserved for Scheduled Tribes candidates). This number is liable to alteration.
- 3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two) which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 (Rupees two) will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINT-ED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1986 APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1986 WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. A candidate should indicate in Col. 24 of the Application Form the order of preferences for State/Joint Cadres of the Service to which he would like to be considered for allotment.

No request for alteration in the order of preferences for the State/Joint Cadres indicated in the Application Form would be considered unless the request for such alteration is received in the Office of the Union Public Service Commission within 30 days of the publication of the result of the written examination in the Employment News. No communication either from the Commission or from the Government of India would be sent to the candidates asking them to indicate their revised preferences, if any, for various State/Joint Cadres after they have submitted their applications.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 31st March, 1986 (14th April, 1986) in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of I&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 31st March, 1986 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State Lahaul & Spiti District and Pangí Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 31st March, 1986.

- Note (i) :—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time, (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- Note (ii):—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or and it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
- 6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 48.00 (Rupees fortyeight) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES/SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED, THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

- 7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January. 1971 and 31st March, 1973 and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 8. A refund of Rs. 30.00 (Rupees Thirty) will be made to candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 9 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 9. If any candidate who took the Indian Forest Service Examination held in 1985 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1985 examination his candidature for the 1986 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of the fee is received in the Commission's office within 30 days from the date of publication of the final result of the 1985 examination in the Employment News.
- 10 NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDI-DATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 11. The question paper in General Knowledge as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates' Infirmation Manual" at Annexure II.

M. BALAKRISHNAN
Deputy Secretary
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH I OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification

as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 27th June, 1986, will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card, must be completed in the candidates own handwriting in ink or with ball-point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has ben recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

Candidates should further note that under no circumstances will they be allowed a change in any of the subjects they have indicated in their application form for the Examination.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises, are however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidate should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Drafts for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 6 and 7 of Notice and para 6 below).
 - (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
 - (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
 - (iv) Two identical copies of recent passport size (5cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein,

- (v) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5/27.5 cms.
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vii) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5 below).
- (viii) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled.

Note (i)—Candidates are required to submit along with their applications only copies of certificates mentioned at items (ii), (iii), (vi) and (vii) above attested by a gazetted officer of government or certified by candidates themselves as correct. Candidates who qualify for interview for the personality test on the results of the written part of the examination will be required to submit the originals of the certificates mentioned above. The results of the written examination are likely to be declared in the month of november 1986. They should keep the originals of the certificates in readiness for submission at the time of interview. The candidature of candidates who fail to submit the required certificates in original at that time, will be cancelled and the candidates will have no claim for further consideration.

Note (ii) Candidates are further required to sign the attested/certified copies of all the certificates sent along with the application form and also to put the date.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) above are given below and in para 6 and those of items (vi) and (vii) are given in paras 4 and 5:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:---

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission nt New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing lost Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) Crossed Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

- Note—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their application. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.
- (ii) Certificate of age.—The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate

No other document relating to age like horoscopes, affidavit, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution,

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

- NOTE 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLET-ED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTI-FIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.
- NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.
 - NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.
- (iii) Certificate of Educational Qualification.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualification prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its

absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination an attested/certified copy of a certificate troin the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualitying examination with one or more of the subjects specified, in Rule 6 must be submitted in addition to the attested/certified copy of University Certificate.

Note.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible to apply for admission to the Commission's examination.

(iv) Photographs.—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approximately), photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therem. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), (3iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4.A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in supprort of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarly reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate. If both his praents are dead, the officer signing the cretificate should be of the disrict in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* ————
son/daughter* ofof village/
town*in Disrtict/Division*
of the State/Union Territory* of-
belongs to the Caste/Tribe* which
is recognised as a Schedule Caste/Scheduled Tribes under :
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950@
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950@
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951@
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951@

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes List (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Pumab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971, and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976].

the Constitution (Jammu and Kasmir) Scheduled Castes Order, 1956@

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976@ the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962@ the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes, Order, 1962@ the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964@ the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1964@ the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968@ the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968@ the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970@ the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978@ the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978@ the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978@ the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978@

%2. APPLICABLE IN THE CASE OF SCHEDULED CASTES/SCHEDULED TRIBES PERSONS WHO HAVE MIGRATED FROM ONE STATE/UNION TERRITORY ADMINISTRATION

This certificate is issued on the basis of the Scheduled Caste/Scheduled Tribes/certificate issued to Shri/Shrimati*—Father/mother of Shri/Shrimati/Kumari*

of village/town*
in District/Division
of the State/Union Territory*
who belong to the
caste/tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe*
in the State/Union Territory*
Issued by the
dated

%3. Shri/Shrimati/Kumari*
his/her* family ordinarily reside(s) in village/town*
... of District/Division* of the State/Union Territory* of

Signature

Place

**Designation

State/Union Territory*

Date

*Please delete the words which are not applicable.

(with seal of office)

- @Please quote specific Presidential order.
- %Delete the paragraph which is not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning, as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

- **List of authorities empowered to issue Caste/Tribe certificates:
 - (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/ Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy

Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stigendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Executive Magistrate/Executive Magistrate Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or bis family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Lakshadweep).
- 5. (1) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) claiming age concession under Rule 5 (b) (ii) or 5(b) (iii) and or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India curing the period between 1st January, 1964, and 25th March.
 - (1) Camp Communicate of the Transit Centres of the Dandakiranya Project or of Relief Camps in various States;
 - (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident:
 - (5) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Seb-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta
- (ii) A repairant or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5 (b)(i.) or 5(b)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to those that he is a lattice of the remission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964.
- (iii) A repairate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b) (vi) or 5(b) (vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/cartified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on cr after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963.
- (iv) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(b) (viii) or 5(b) (ix) sheald produce an attested/certified copy of certificite in

the form prescribed below from the Director General Rescalement, Annistry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operation during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. - Shri - - -Unit -- was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country in a disturbed areas and was released as a result of such disability.

Signature	****	****	-	 	
Desi	gnatic	J		 	
	Date-				

*Strike out waichever is not applicable.

- (v) A repairate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(b) (x) or 5(b) (xi) should produce an attested certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has insignited to India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (vi) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika) and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambin, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under Rule 5(b) (xii) or 5(b) (xiii) should produce on attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident, to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- (vii) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs claming age-concession in terms of Rule 5(b) (xiv) or 5(b) (xv) should produce an attested/certified copy of the certificate, as applicable to them, in the form prescribed below from the authorities concerned.

(A) Applicable for Released/Retired Personnel

It is certified th	at No.	1	arik	
Name	who	e date of	birth is	
has rendered serv				
ONE of the follow			. caroo una	no rumis

- (a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of asignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.
- (b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on irvalidment on-

Name and Designation of the Competent Authority

Station

Date

SEAL

(b) Applicable for serving personnel
Name ————————————————————————————————————
2. He is due for release/retirement w. and is likely to complete his assignment of five years by

Name and Designation of the Competent Authority

Station

Date

SEAL

Authorities with mic competent to issue certificate are as follows .--

(a) In the case of Commissioned Officers including ECOs/SSCOs.

Army-Military Secretary's Branch, Army Hqrs., New Delhi,

Nevy-Directorate of Personnel, Navy Hqrs., Nevy Delhi,

Air Loree—Directorate of Personnel (Officer), A.r. Hars., New Delhi.

(b) In the case of ICOs/ORs and equivalent of the Navy and Air Force.

Army - By various Regimental Record Offices.

Nevy -BABS. Bombay.

Air Force - An Porce Records (NERW), New Delhi

- (viii) A displaced person from eistwhile West Pakistan claiming age concession under Rule 5(b) (xvi) or 5(b) (xvii) and for temission of tee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from crstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 4971 and 31st March 1973.
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Comps in various States;
 - District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident;
 - (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division, in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- (ix) A resident of Assam claiming age concession under Rule 5(b) (xvii) or 5(b)(xix) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate within whose jurisdiction he ordinarily resided or from any other authority designated in this behalf by the Government of Assam to the effect that he had been a resident of the State of Assam during the period from 1st January, 1980 to 15th August, 1985
- 6. A can let a 1 changing to any of the entipories referred in a paragraph (1990) (a) (a) cai) and (viii) above and seeking remission of the fee under paragraph, of the Notice should

also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer of a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India Ministry of Environment and Forests (Department of Environment, forests and wild life).
- 8. Candidates are warned that they hould not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any frtry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discorepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application from does not lpso facto make the receiver eligible for admission to the examination,
- 10. Every application including late one received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, ipso facto means that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the communication for the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. The Union Public Service Commission have brought out a period publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". The publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examination or Selections,

This publication as also the copies of pamphlets containing rules and conventional type question papers of the preceding examinations are on sale with Controller of Publications; Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment from (i) the Kitab Mahal Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'Ci allor' Baba Khuag Singh Marg, New Delhi-110 001 and (ii) Sale Counter of the Publications Branch at Udyog

Bhavan, New Delhi-110 011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual/pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns

- 13. Communications regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110 011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - 1. NAME OF EXAMINATION.
 - 2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - 3. APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - 4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - 5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICA-

N.B.—(i) COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO

N.B.—(ii) IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON

14. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT 10 HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE FARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE-IS

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

The General knowledge paper of your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

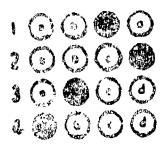
B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TESI BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, etc. Under each item will be given suggested answers market a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer: if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklets or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces market, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the citcle, containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT--

- 1. You should bring and use only good quality HB Pencil(s) for answering the items.
- 2. To change a wrong marking, crase it completely and re-mark the new choice. For this purpose you must bring along with you an craser also.
- 5. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately
- Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have clapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous, you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a

test, you must follow his test in those immediately

7. Bring your Admission Certificates with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this the invigilator will give you the Test Booklet on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. Write your Roll number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your acore will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet. the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: -*denotes the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

niceding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers, because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure
- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered (c) very large
- (d) largest so far

J. (Agarahme)

In Athar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- *(a) spraying with growth regulation
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

4. (Chemistry)

The anhydride of H₂VO₄ is

- (a) VO.
- (b) V₂O,
- (c) V_2O_1
- (d) V₃O₃

5. (Economica)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

7. (Geology)

Plagioclase in a basatt'is

- (a) Oligoclase
- (b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Aporthic

8. (Mathematics)

The family of curses passing through the origin and sattsfying the equation

- (b) y ⇒ ax
- -X (c) y - ac + bc
- (d) y-aer n

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400°R and 1300°K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (i) 1/(34, 4)
- (4) 3334 P

10. (Statistical

The mean of a binumal variate is 3. The variance can be

- (a) 4*
- (b) 3
- (c) x
- (d) -5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- (b) it is the delatic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism:?

- (a) Brahmanism always claimed a very targe following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion.
- (c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following

- (4) Buddhisin, Nyaya, Carvaka Mirosmsa.
- (b) Nyāya, Vaisesika, Jainism and Buddhism, Kaivāka
- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya, Cārvāka Yoga
- (d) Buddhism, Sāmkhya, Mimāmsā. Cārvāka.

14. (Political Science)

Functional representation' means

- (a) election of representatives to the legislature on the basis of vication
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vecational organisation
- (d) indirect representation through the banks

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following...

- (a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has apread to the masses

Note:—Candidate should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the sylingua for this gramination.